उत्तर प्रदेश शासन

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

Vikramshila

1
कक्षा

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
गणित
सत्र 2022-2023

शिक्षक संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और संसाधनों को पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका में संसाधनः

- विद्या प्रवेश
- शिक्षण योजना
- अभ्यास गतिविधि
- समेकन गतिविधि
- रेमीडीयल गतिविधि
- वार्षिक ट्रैकर
- साप्ताहिक ट्रैकर
- सावधिक ट्रैकर

शिक्षण योजना | अभ्यास गतिविधि | समेकन गतिविधि | रेमीडीयल गतिविधि

- सप्ताह
- समय
- शिक्षण उद्देश्य
- आवश्यक पूर्व ज्ञान
- सामान्य भूल
- नए शब्द
- मैं करूँ
- हम करें
- तुम करो
- संसाधन
- शिक्षक के लिए बिन्दु
- बच्चों के लिए प्रश्न

कार्यपुस्तिका

- विद्या प्रवेश
- अभ्यास
- मैंने सीख लिया (आकलन)
- साप्ताहिक अभ्यास
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति
- गृह कार्य
- सावधिक आकलन
- कार्यपुस्तिका ट्रैकर

- NCERT गणित किट
- पोस्टर
- गणित कार्ड और बोर्ड
- कार्यपत्रक
- संख्या समझ
- संक्रिया
- ज्यामिति व मापन
- डाटा हैंडलिंग

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
कक्षा –1

सीखने–सिखाने के अनुभवों में विविधता एवं रोचकता!

बुनियादी गणित पर आधारित यह संदर्शिका शिक्षक के सहयोग के लिए बनाई गई है जिसमें वार्षिक योजना और दैनिक शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक संसाधन दिए गए हैं।

48 शिक्षण योजना

72 अभ्यास गतिविधि

4 समेकन गतिविधि

4 रेमीडीयल गतिविधि

3 ट्रैकर

\+ **156 कार्यपत्रक**

शिक्षण संसाधन (शिक्षक) और कार्य पुस्तिका (बच्चों) मिलकर प्रेरणा लक्ष्य को निपुणता से एवं समय से प्राप्त करने में मार्गदर्शन करेंगे।

उत्तर प्रदेश शासन
शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
NIPUN BHARAT
Vikramshila

मुख्य संरक्षण : श्री दीपक कुमार, आई. ए. एस, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ, ऊ. प्र.।
संरक्षण : श्री विजय किरन आनन्द, आई. ए. एस, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
निर्देशन : डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
समन्वयन : श्री आनंद कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा।
डॉ. प्रदीप जायसवाल, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
श्री पी. एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा।
विशेष सहयोग : श्री अतनु सांई, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी।
श्री राकेश कुमार, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी।
श्री रेवंथ पेड्डी, सेंट्रल स्क्वायर फॉउंडेशन।
श्री शिवम् रावल, सेंट्रल स्क्वायर फॉउंडेशन।
सुश्री जूही निझावन, कंसलटेंट।
समीक्षा : श्री आशुतोष दुबे, प्राचार्य, एस. आई. ई., प्रयागराज।
श्रीमती रिचा जोशी, प्राचार्य, राज्य हिंदी संस्तान, वाराणसी।
लेखन मंडल : डॉ. जनार्दन सिंह, प्रवक्ता गणित, (राज्य शिक्षा संस्थान उ. प्र, प्रयागराज), श्रीमती मनीषा, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, खैराबाद–सीतापुर), श्री दिनेश कुमार, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उन्नाव), श्री राजकुमार सिंह, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, श्री अवधेश कुमार पाण्डेय, प्रधानाध्याप SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय करपिया, बाराबंकी), श्री पंकज कुमार वर्मा, प्रधानाध्यापक SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटवा, लखीमपुर खीरी, श्री पंकज सोनी, प्रधानाध्यापक ARP (प्राथमिक विद्यालय भतोइया, मलिहाबाद), श्री सुभाष चन्द्र कुशवाहा, प्रधानाध्यापक, (प्राथमिक विद्यालय शेखनापुर घाट, लखनऊ), श्री देवांकुर, सहायक अध्यापक SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय भटजन, गाजियाबाद), श्री संदीप कुमार दूबे, सहायक अध्यापक ARP (उच्च प्राथमिक विद्यालय रैपुरी, भदोही), डॉ ओम प्रकाश गुप्त, सहायक अध्यापक ARP (कम्पोजिट विद्यालय बडेरी, बदलापुर, जौनपुर), श्री विवेक कुमार, सहायक अध्यापक (प्राथमिक विद्यालय मंगलपुरवा रेउसा, सीतापुर), श्री हरिहर पाठक, सहायक अध्यापक (उच्च प्राथमिक विद्यालय टी.पी. नगर कादीपुर, सुलतानपुर), श्री दिनेश कुमार वर्मा, सहायक अध्यापक (उच्च प्राथमिक विद्यालय कोपवा, बाराबंकी), सुश्री आकांक्षा मिश्रा, सहायक अध्यापक (प्राथमिक विद्यालय बेनीमाधवपुर पहला, सीतापुर), श्री विकास शर्मा (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी), श्री सायण वंद्योपाध्याय (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी), श्रीमती पूजा मंडल (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी)।
प्रूफ–रीडर : श्रीमती मधुरिमा श्रीवास्तव, स. आ. (उ. प्र. वि.) शीतल पुरवा, बी. के. टी., लखनऊ
लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे
ग्राफिक्स : श्री रामबाबू पाल
आभार : पाठ्यपुस्तक के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य–सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :
संस्करण :
शिक्षा सत्र : 2022–2023
मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अन्तः पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल **सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स** वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. X 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम–85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग–टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड–1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है।
पुस्तकों में प्रिण्ट साइज : 15.9 सेमी. X 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. X 24.13 सेमी. है।

उत्पादन : पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उत्तर प्रदेश।
© उत्तर प्रदेश शासन।

सन्देश

घर और समाज से शुरू हुई अनौपचारिक शिक्षा विद्यालय में औपचारिक और व्यवस्थित हो जाती है। प्राथमिक शिक्षा बच्चों के विकास की बुनियाद होती है। यह मजबूत बुनियाद बच्चों को एक सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करती है, और ऐसे बच्चे आगे चलकर एक प्रगतिशील एवं विकसित समाज का सृजन करने में महत्त्वपूर्ण एवं सक्रिय योगदान देते है।

उत्तर प्रदेश में 'मिशन प्रेरणा' कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिली है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्त्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्त्व को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गयी है।

विगत दो वर्षों में कोविड महामारी ने बच्चों की शिक्षा, विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ खड़ी की हैं, जिसके कारण बच्चों के अधिगम की क्षति हुई है। बच्चों की अधिगम क्षति को दूर कर कक्षा के अनुसार निर्धारित शिक्षण सम्बन्धी परिणामों को सुनिश्चित कराना एक बड़ी चुनौती है। इस परिप्रेक्ष्य में कार्ययोजना तैयार करायी गयी है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हुए उनकी अधिगम क्षति को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इससे सभी बच्चे आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएं प्राप्त कर पायें। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 के बच्चों के लिए 'कार्यपुस्तिकाओं' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाओं' का विकास कराया गया है।

बच्चों को केन्द्र में रखकर तैयार करी गयी ये संदर्शिकाएँ एवं कार्यपुस्तिकाएँ शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, गतिविधियों आदि से परिचित करायेंगी और बच्चों को अभ्यास के विविध अवसर प्रदान करेंगी। वहीं दूसरी ओर यह पुस्तिकाएँ अभिभावकों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करेंगी कि वें बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर शिक्षकों से सतत् संवाद बनाये रखें।

भाषा की संदर्शिका मुख्य रूप से 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' एवं गणित की संदर्शिका मुख्य रूप से (अनुभव, भाषा, चित्र, संकेत/प्रतीक) के सिद्धांतों पर तैयार की गयी हैं। संदर्शिका में गतिविधियों एवं अभ्यास कार्यों को क्रमशः सरल से कठिन के क्रम में रखा गया है, ताकि बच्चे सतत् रूप से सीखते हुए वांछित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। आकलन की भी सम्यक व्यवस्था की गई है, जिसमें साप्ताहिक और सावधिक आकलन के द्वारा एक तरफ शिक्षक बच्चों के सीखने की गति पर दृष्टि बनाएँ रख पाएँगे वहीं आवश्यकता पड़ने पर अपनी शिक्षण विधि में भी बदलाव कर पाएँगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये संदर्शिकाएँ शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी। इनके द्वारा न केवल बच्चों के सीखने की शक्ति को पूरा किया जा सकेगा, बल्कि सीखने को गति प्रदान करते हुए प्राथमिक शिक्षा की नींव को सुदृढ़ किया जा सकेगा। ये संदर्शिकाएँ शिक्षा के वृहत्तर लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगी।

शुभकामनाओं के साथ।

अप्रैल–2022

डॉ. (सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद् उ.प्र., लखनऊ।

वार्षिक ट्रैकर (2022–23)

अकादमिक सत्र में कुल 32–35 सप्ताह होंगे, जिसमें 22 सप्ताह को शिक्षण सप्ताह माना गया है। एक शिक्षण सप्ताह में तीन चरण हैं– 1. अनुदेशात्मक कार्य (1–4 दिन), 2. समेकन और आकलन (5वाँ दिन) और 3. रेमीडीयल और पुनरावृत्ति (6वाँ दिन)। इस ट्रैकर से आपको यह नियमित रूप से पता चलता रहेगा कि अभी तक कितना कार्य हो पाया है।

साप्ताहिक कार्य

सप्ताह — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 … 1 1

साप्ताहिक कक्षा कार्य के शुरुआत और समाप्ति के दिनांक भरें।

सावधिक कार्य

सप्ताह 11, 22 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

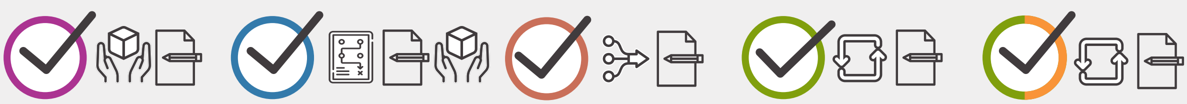

प्रत्येक दिन के शिक्षण एवं कार्य योजना पर कार्य करने के बाद इस ट्रैकर के संबंधित गोले में सही का निशान लगाएं। साप्ताहिक एवं दैनिक योजना और आकलन एवं पुनरावृत्ति से जुड़े भाग में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन भागों एवं शिक्षण योजनाओं को ध्यान से पढ़ें।

सप्ताह 1 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 2 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 3 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 4 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 5 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 … 1 1

सप्ताह 6 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 … 1 1

सप्ताह 7 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 … 1 1

सप्ताह 8 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 … 1 1

सप्ताह 9

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 10

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 11

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

सप्ताह 12

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 13

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 14

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 15

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 16

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 17

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 18

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 19

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 20

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 21

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ... 1 1

सप्ताह 22

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

संदर्शिका का उपयोग

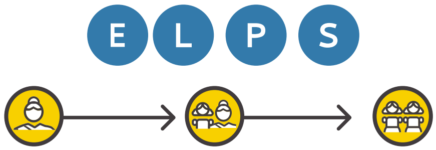

सीखने–सिखाने के सिद्धांतों को समझें

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। ये बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

48 शिक्षण उद्देश्य

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों को जाने

अकादमिक वर्ष 2022–23 की रूपरेखा दी गई है जिसमें लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है।

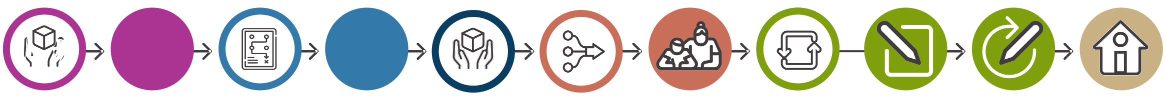

सप्ताह के 3 चरण और कालांशवार संसाधनों की संरचना समझें

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए साप्ताहिक कार्य में अनुदेशात्मक कार्य, समेकन, आकलन और रेमीडीयल कार्य को शामिल किया गया है। क्रियान्वयन के लिए क्रमबद्ध तरीके से शिक्षण सामग्री संदर्शिका में दी गई है।

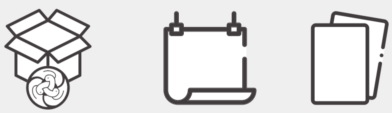

अधिगम सामग्री और कक्षा प्रबंधन जाने

शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक अधिगम सामग्री को विद्यालय स्तर पर उपलब्ध कराया गया है जिसमें गणित किट, पोस्टर और गणित कार्ड–बोर्ड शामिल हैं। दिए गए शिक्षण सामग्री में इन्हें पूर्ण रूप से शामिल किया गया है।

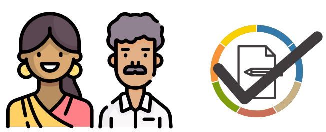

अभिभावकों की सीखने–सीखने की प्रक्रिया में भूमिका को समझे

कक्षा में बच्चों द्वारा किए गए कार्यों के घर पर अभ्यास करने और उसमें अभिभावकों की भूमिका को संदर्शिका को रेखांकित किया गया है। साप्ताहिक गृह कार्य और व्यवधान के प्रबंधन के लिए अभिभावकों के साथ संवाद के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं।

संदर्शिका का उपयोग

हर सप्ताह के शुरुआत में

- वार्षिक योजना के अनुसार दिए गये साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों को समझें।
- शिक्षण योजनाओं के उपयोग के लिए रणनीति बनाएँ और आवश्यक अधिगम सहायक सामग्री को चिह्नित करें।
- बच्चों द्वारा किए गये पिछले सप्ताह के गृह कार्य को जाचें।

हर सप्ताह के अंत में

- प्रत्येक बच्चे की प्रगति और कठिनाइयों को चिह्नित कर उनके लिए कार्य की योजना बनाएं।
- साप्ताहिक गृह कार्य के लिए बच्चों को निर्देश दें और अभिभावकों के साथ संवाद करें।
- प्रत्येक बच्चे का साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार साप्ताहिक ट्रैकर में ग्रेड दर्ज करें।

हर दिन की शुरुआत में

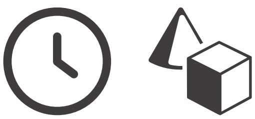

- शिक्षण सामग्री के अनुसार कालांश से पहले तैयारी करें।
- आवश्यक अधिगम सहायक सामग्री को लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन सभी बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच करें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर को भरना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक ट्रैकर भरें।

सप्ताह 11 और 22 में

- कार्यपुस्तिका में दिए सावधिक आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन पहले कालांश में आकलन करें।
- क्रमशः रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएँ।
- प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार सावधिक ट्रैकर में ग्रेड दर्ज करें।

व्यवधान आने पर

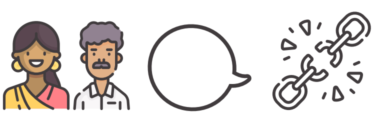

- अभिभावकों को दैनिक रूप से घर पर पढ़ाई करवाने के लिए प्रेरित करें।
- अभिभावकों और बच्चों के साथ संवाद करते रहें।
- व्यवधान की अवधि के अनुसार दी गई रणनीति के अनुसार तैयारी और शिक्षण कार्य करें।

विषय सूची

वार्षिक ट्रैकर ———————————————— 04—05

शिक्षक के लिए स्वयं साप्ताहिक कार्य में प्रगति को आंकने के लिए वार्षिक ट्रैकर दिया गया है।

संदर्शिका का उपयोग ———————————————— 06—07

संदर्शिका के सभी भागों के मुख्य बिंदुओं को और उपयोग से जुड़े महत्त्वपूर्ण पहलुओं का चरणवार विवरण दिया गया है।

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा ———————————————— 10—11

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। ये बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

बुनियादी गणित सीखने के सिद्धांत ———————— 12—14

प्रारम्भिक कक्षाओं के बच्चों के साथ सीखने—सिखाने के मूलभूत सिद्धांतों को इस भाग में प्रस्तुत किया गया है। पूरे अकादमिक योजना के निर्माण में इन सिद्धांतों को ध्यान में रखा गया है जो प्रभावशाली शिक्षण कार्य के लिए महत्त्वपूर्ण है।

सामाजिक—भावनात्मक जुड़ाव ———————————————— 15

संदर्शिका में बुनियादी गणित की दक्षताओं पर कार्य करने से साथ—साथ सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव के पहलुओं पर कार्य करने के लिए आवश्यक जानकारी पर कुछ महत्त्वपूर्ण बिंदु दिये गये हैं।

अकादमिक योजना ———————————————— 16—36

वार्षिक योजना से दैनिक योजना तक की रूपरेखा संदर्शिका में प्रस्तुत की गई है। यह आपको लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में नियमित रूप से मार्ग दर्शन करेगा। सतत् आकलन (साप्ताहिक और सावधिक) व्यवस्थित रूप से साप्ताहिक और दैनिक योजना में एकीकृत किया गया है।

2022—23 **वार्षिक योजना** ———————————————— 17—20

सप्ताह **साप्ताहिक योजना** ———————————————— 21

दिन **दैनिक योजना** ———————————————— 22

आकलन एवं पुनरावृत्ति ———————————————— 23—25

1 2 3 **कालांशवार की रणनीतियाँ और संसाधन** ———————— 26—35

शिक्षण सामग्री और संसाधन —————————————— 36—141

इस भाग में उपयोग में आने वाली सभी शिक्षण सामग्री का विवरण दिया गया है। संदर्शिका में उपलब्ध संसाधनों के उपयोग के तरीकों को चरणबद्ध तरीके से बताया गया है। सभी शिक्षण योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य हैं जो बच्चों को क्रमिक रूप से लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगे।

- **सप्ताहवार शिक्षण सामग्री** —————————————— **36—124**
- **शिक्षण अधिगम सामग्री** ——————————————**125—128**

कक्षा प्रबंधन —————————————— 130—131

बच्चों के सक्रिय प्रतिभाग के लिए सौहार्दपूर्ण और भयरहित वातावरण आवश्यक है। इस भाग में कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई है।

व्यवधान संभावनाएँ —————————————— 132—133

इस भाग में संभावित व्यवधानों को ध्यान में रखते हुए रणनीतियाँ दी गई हैं। व्यवधान के प्रबन्धन के लिए अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों के सीखने को निरन्तर रखने पर बल दिया गया है।

अभिभावकों की भूमिका —————————————— 134—135

इस भाग में बच्चों के दैनिक शिक्षण कार्य में अभिभावक द्वारा नियमित रूप से सहयोग और इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित करने में शिक्षक की भूमिका पर चर्चा की गई है।

आकलन ट्रैकर

इस भाग में शिक्षक और बच्चों के आकलन के लिए ट्रैकर दिए गए हैं। ये ट्रैकर शिक्षक को अपने कार्य और बच्चों की प्रगति की जानकारी को व्यवस्थित रूप से रखने में मदद करेंगे।

- **साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1** —————————————— 136—137
- **सावधिक आकलन ट्रैकर 1** —————————————— 138—139
- **साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2** —————————————— 140—141
- **सावधिक आकलन ट्रैकर 2** —————————————— 142—143

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत विद्यालयों में ऐसे अनुकूल वातावरण बनाने पर जोर दिया गया है जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को सीखने के लिए सुनिश्चित किया जा सके, जिससे प्रत्येक बच्चा ग्रेड–3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित क्षमताओं को प्राप्त कर ले। ये मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम जरूरतों पर केंद्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है।

निपुण भारत मिशन का लक्ष्य

निपुण भारत मिशन के तहत दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना है। इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026–27 तक प्राप्त करने के लिए कार्य किया जायेगा। निपुण भारत कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है।

समझ के साथ पढ़ना

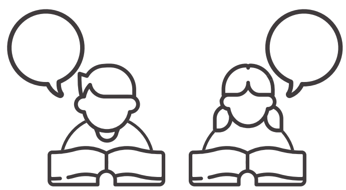

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है "समझ के साथ पढ़ना"। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद जरूरी चरण होते हैं, उनपर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जायेगा। जैसे कि ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन।

लिखना

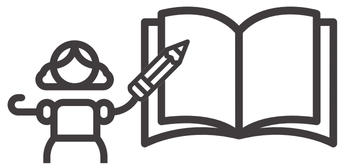

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्त्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उनकी लेखन क्षमता को देखते हुए विभिन्न चरणों से गुजरना होगा।

बुनियादी गणितीय संक्रिया

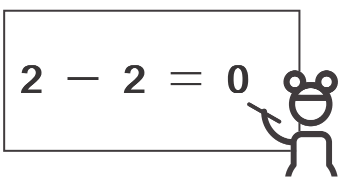

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्त्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं है। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएँ विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

जीवन के बुनियादी कौशल

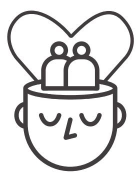

निपुण भारत मिशन में केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल भी देना है जिससे वे जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएँ। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएँगी।

बुनियादी शिक्षा के लिए सीखने के परिणामों के विकासात्मक लक्ष्य

दिए गए लक्ष्यों के साथ ही निपुण भारत के अन्तर्गत तीन विकासात्मक लक्ष्य भी दिए गए हैं।

बच्चे अच्छा स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती बनाए रखें

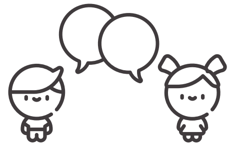

बच्चे प्रभावी संचारक बनें

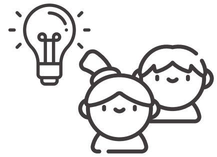

बच्चे विकसित शिक्षार्थी बनें और अपने परिवेश से जुड़ें

निपुण भारत मिशन का उद्देश्य

निपुण भारत मिशन के दीर्घकालीन वृहत्तर लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कुछ उद्देश्य रखे गए हैं, इन उद्देश्यों पर काम करते हुए निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

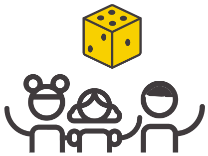

खेल, खोज और गतिविधि–आधारित शिक्षण

शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षा प्रशासकों का क्षमता संवर्धन

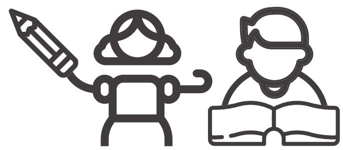

बच्चों को स्वतंत्र रूप से समझ के साथ पढ़ने और लिखने लायक बनाना

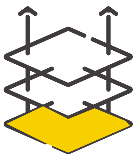

आजीवन सीखने की एक मजबूत नींव बनाना

बच्चों की परिचित/घर/मातृभाषा (भाषाओं) में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

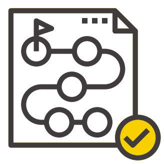

सभी विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को देखते रहने के लिए सतत् आकलन करना

निपुण भारत एवं मिशन प्रेरणा

NIPUN BHARAT

निपुण भारत मिशन को साकार करने के लिए हमारे उत्तर प्रदेश में कार्य किया जा रहा है ताकि 2025–2026 तक कक्षा 1–3 के सभी बच्चे बुनियादी भाषा और गणित की लक्षित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ।

इस शिक्षक संदर्शिका में हम गणित से सम्बन्धित उद्देश्यों, गतिविधियों और शिक्षण सामग्री/सामग्रियों को उपयोग में लेते हुए कार्य करेंगे, इस पर विस्तार से बात की गई है।

मिशन प्रेरणा

उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

बुनियादी गणित सीखने के सिद्धांत

बुनियादी गणित सीखने–सिखाने का क्रम

गणित शिक्षण ऐसा होना चाहिए जो बच्चों में समझ आधारित अनुप्रयोग की दक्षता को विकसित करे। इसके लिए शिक्षण कार्य के दौरान बच्चों के अनुभव और परिवेश को गणितीय अवधारणाओं से जीवंत रूप में जोड़ना आवश्यक है।

ELPS का यह सिद्धांत पामेला लिएबेक्क (PAMELA LIEBECK) द्वारा 1984 में दिया गया था।

E

1- Experience with solid/concrete objects

ठोस/मूर्त वस्तुओं के द्वारा अनुभवः शिक्षक बच्चों को परिवेश में उपलब्ध ठोस वस्तुओं (पत्तियाँ, फूल, कांच की गोलियां और इमली के बीज आदि) के माध्यम से संख्या बोध कराएं और इन्हीं वस्तुओं का प्रयोग करते हुए गिनने, जोड़ने और घटाव करने की अवधारणाएँ सिखायें।

L

2- Language

ज्ञानेन्द्रियों द्वारा मूर्त वस्तुओं को अनुभव करते समय शिक्षक और बच्चों के मध्य वार्तालाप। शिक्षक बच्चों से ठोस/मूर्त वस्तुओं के प्रयोग के समय प्रश्न पूछते हैं, बच्चे उत्तर देते हैं, निर्देशानुसार बच्चे गतिविधि करते हैं और दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रहती है।

P

3- Pictures

चित्रों के प्रदर्शन के द्वारा समझः शिक्षक चित्रों को दिखाकर उनसे बातचीत करते हुए "संख्या समझ" की पुनरावृत्ति करते हैं। इस प्रक्रिया में बच्चों और शिक्षक के बीच लगातार बातचीत चलती रहती है।

S

4- Symbols

संकेत/प्रतीकः प्रक्रिया के अंत में शिक्षक बच्चों और गणितीय संकेतों/प्रतीकों के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए संकेतों + (जोड़), – (घटाव), X (गुणा), ÷ (भाग), = (बराबर), > (छोटी संख्या), < (बड़ी संख्या) का बोध कराएँ।

स्रोतः आधारशिला, शिक्षक हस्तपुस्तिका (2019–2020), समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश

सीखने की प्रक्रिया

मैं करूँ — **हम करें** — **तुम करो**

कक्षा में बच्चों की सहभागिता शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाती हैं जिसके लिए इस प्रक्रिया में सभी बच्चों का शामिल होना अनिवार्य है। सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक को अवधारणा की समझ पर कार्य करने के साथ–साथ बच्चों में स्वतंत्र रूप से अपनी समझ का उपयोग/अनुप्रयोग करने के कौशलों के विकास पर भी बल देने की आवश्यकता है। संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं को इस प्रकार बनाया गया है जो शिक्षक द्वारा अवधारणा का परिचय (मैं करूँ), बच्चों के साथ मिलकर मूर्त वस्तुओं के साथ कार्य (हम करें) और बच्चों के स्वतंत्र कार्य का अवलोकन (तुम करो) की क्रमवार प्रक्रिया पर आधारित है।

सीखने की प्रक्रिया

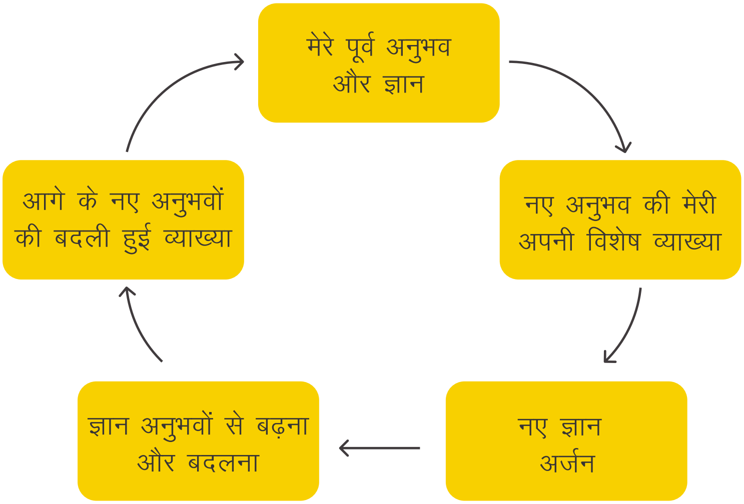

सीखना एक सतत् प्रक्रिया है– यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितना कि वयस्कों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते और बढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नये विचारों को बनाते हैं। इस तरह से प्रत्येक नया अनुभव, उसके पहले के (सम्बन्धित) अनुभवों से जुड़ता और उनकी समझ को समृद्ध करता है, या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए ताकि हम हमेशा सजग रहें कि क्या हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, उपयोग में लायी जा रही शिक्षण सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाई की पहचान कर आवश्यकता अनुसार दी जाने वाली मदद द्वारा लक्षित दक्षताओं के हासिल करने में बच्चों की मदद कर पा रहें है। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएंगे या उनमें संशोधन या बदलाव कर बिलकुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएँगे, जो उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगी।

सीखने–सिखाने के सामान्य सिद्धांत

सीखने–सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं जो कक्षा–कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

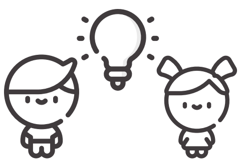

1. सभी बच्चे सीख सकते हैं: सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण से सभी बच्चे सीखने की लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह जरूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रायः इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान क्या इन बच्चों को सक्रिय रूप से हिस्सा लेने के मौके मिलते हैं?

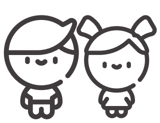

2. कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव को इस्तेमाल करना: अगर हम शिक्षण प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो कक्षा प्रक्रिया में एक तरफ जहाँ बच्चों के समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वही कक्षा कार्य रोचक हो जाता है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को शिक्षण प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक है।

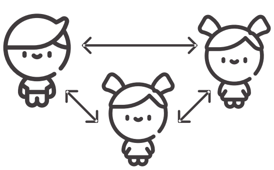

3. बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना: शिक्षण प्रक्रिया शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने उम्र के साथियों के साथ ज्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नयी बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों से/के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो परिणाम निश्चित ही बेहतर आएंगे।

4. सीखने में बच्चों की मदद करना: शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहे तो बच्चों को स्वयं से कार्य या अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर आवश्यकता के अनुसार उनकी मदद करनी चाहिए।

5. कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना: हमने ऊपर भी अनुकूल वातावरण की बात की है। यह सबसे जरूरी होता है कि कक्षा कार्य सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करा सकते हैं। शिक्षक–बच्चों के मध्य और बच्चों के आपसी सम्बन्ध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

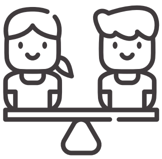

6. सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना: शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग–अलग रणनीतियां बनाई जा सकती हैं।

7. सोचने के मौके और प्रोत्साहन देना: कक्षा प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही उन्हें कक्षा कार्य में सहभागिता के दौरान सतत् रूप से प्रोत्साहित भी करते रहना चाहिए।

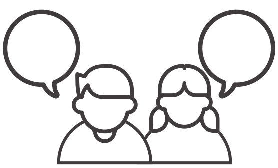

8. बच्चों के घर की भाषा का उपयोग और विस्तृत बातचीत के अवसर देना : प्रारम्भिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारे चिंतन संबन्धित कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा और इस चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे वे भाषाई रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ में, उनमें अभिव्यक्ति क्षमता और कल्पना शक्ति का भी विकास होगा। सीखने की प्रक्रिया में यह एक कारगर कदम है।

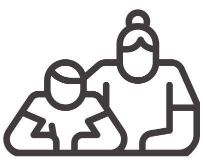

9. सतत आकलन : कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत् आकलन सीखने के चरणों में बेहद जरूरी चरण है। सतत् आकलन द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन–सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और कौन–सी शिक्षण रणनीति ज्यादा कारगर है।

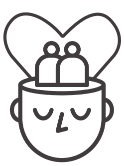

10. सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम : तमाम शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में शिक्षक, बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग–अलग पहलुओं पर भी काम करें। सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा इस संदर्शिका में आगे की गई है।

सामाजिक–भावनात्मक जुड़ाव

बच्चों के साथ कक्षा–कक्ष में काम शुरू करने से पहले आइए देखते हैं कि सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव में कौन–कौन से घटक शामिल हैं।

1. लक्ष्य तय करना

बच्चे स्वयं या शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से यह तय कर पाएँ कि उन्हें किसी निश्चित समय में क्या करना है और उसके लिए क्या–क्या उपाय किये जा सकते हैं।

2. व्यवहार में संतुलन रखना

व्यवहार में संतुलन रखना भी एक महत्वपूर्ण आयाम है। इसमें एक–दूसरे से व्यवहार करना, अपने भावनाओं को कैसे और कब तथा कितना व्यक्त करना है इस पर ध्यान दिया जाता है।

3. सूचनाओं को समझना और निर्णय लेना–

सूचनाओं की समझ और उसके आधार पर निर्णय लेने का कौशल भी इसी में आता है। सूचनाओं के आधार पर व्यवहार और समाज सम्मत निर्णय के कौशलों का विकास किया जाता है।

4. बेहतर सम्बन्ध का निर्माण करना

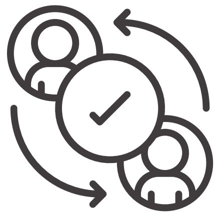

एक सामाजिक प्राणी के रूप में हम एक–दूसरे से कैसे बेहतर तरीके से सम्बन्ध बनाकर रखें, समूह में काम कैसे करें जैसे आयाम भी सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के हिस्से हैं।

कक्षा 1 से 3 में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की रणनीति

प्रारम्भिक कक्षाओं में बच्चों के साथ सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव पर कार्य करना आवश्यक है। संदर्शिका में शिक्षण के लिए दी गई योजनाओं और विभिन्न गतिविधियों में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के घटक को एकीकृत रूप से शामिल किया गया है, जिसका विवरण इस प्रकार से है।

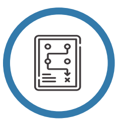

शिक्षण योजना

अभ्यास गतिविधि

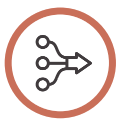

समेकन गतिविधि

रेमीडीयल गतिविधि

कार्य पत्रक

- संवाद और प्रश्नों के माध्यम से बच्चों से बातचीत करना।
- प्रत्येक कार्य से पहले बच्चों को निर्देश और लक्ष्य को स्पष्ट करना।
- बच्चों को स्वयं को अभिव्यक्त करने और अपने अनुभव को साझा करने के लिए प्रेरित करना।
- बच्चों को स्वयं द्वारा किए गए कार्यों और उसके लिए अपनाई गयी प्रक्रिया की व्याख्या करने के अवसर देना।
- बच्चों के साथ समस्या को हल करने के लिए उपयोग की गई विधि और उसके चयन के तर्क पर बातचीत करना।
- बच्चों को उनकी गणितीय समझ को दैनिक जीवन के अनुभव से गतिविधि के माध्यम से जोड़ना।
- दैनिक जीवन में होने वाली गणितीय प्रक्रियाओं को गतिविधि के माध्यम से समझने के अवसर देना।
- किसी भी कार्य को एक से ज्यादा विधि से करने और समझने के अवसर देना।
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से और समूह में कार्य करने के पर्याप्त अवसर देना।
- गतिविधि के दौरान बच्चों को एक–दूसरे को सहयोग करने के लिए प्रेरित करना।

2022-23 के लिए लक्षित दक्षताएँ

दक्षताएँ 2022–23

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर तरीके से जानते और समझते हैं कि शिक्षण प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में लक्षित दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएँ विषयवार अलग–अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। हमें यह समझना बहुत आवश्यक है कि कक्षावार दक्षताओं का विकास किया जाना अपेक्षित है। बुनियादी गणित की मुख्य दक्षताओं को नीचे दी गयी सूची में देखा जा सकता है।

संख्या समझ

- संख्या पूर्व अवधारणाओं (कम–ज्यादा, दूर–पास, एक–एक की संगति आदि) की समझ बना सकें।
- 1–9 तक की संख्याओं के मान व प्रतीकों को समझ और लिख सकें।
- 1–9 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।
- शून्य की अवधारणा को समझ सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ और लिख सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।
- स्थिर अंतराल में (2,3,4,5,10) गिनती बोल और लिख सकें।

→ **35 शिक्षण उद्देश्य**

संक्रिया

- एक अंक की संख्याओं का जोड़ और घटा कर सकें।
- एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटा सकें।

→ **5 शिक्षण उद्देश्य**

ज्यामिति व मापन

- परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतिओं को पहचान सकें।
- वस्तुओं की विशेषताएँ जैसे सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।
- वस्तुओं का विभिन्न अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

→ **5 शिक्षण उद्देश्य**

डाटा हैंडलिंग

- परिवेश और चित्रों से वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें।
- सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।
- रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।

→ **3 शिक्षण उद्देश्य**

ELPS सिद्धांत के अनुसार गणित के संचयी प्रकृति और सोपान क्रमिकता को ध्यान में रखते हुए लक्षित दक्षताओं पर योजनबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए दक्षताओं को 48 शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक शिक्षण उद्देश्य के लिए शिक्षण योजना, अभ्यास गतिविधि और अभ्यास पत्रक (कार्यपुस्तिका) दिए गए हैं।

वार्षिक योजना

सप्ताह 1–4 — विद्या प्रवेश : गणितः 24 अभ्यास गतिविधियाँ और 24 कार्यपत्रक

प्रति सप्ताह संसाधन

3 शिक्षण योजना | 3 अभ्यास गतिविधि | 1 समेकन गतिविधि | 1 रेमीडीयल गतिविधि | 7 कार्यपत्रक

शिक्षक संदर्शिका — कार्यपुस्तिका

नमूने के रूप में दी गई गतिविधि के आधार पर समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि बनाएँ।

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या: शिक्षण योजना	अभ्यास गतिविधि	समेकन गतिविधि	रेमीडीयल गतिविधि	कार्यपत्रक
सप्ताह 1	विद्या प्रवेश : गणित	--	37 to 39	--	-	13 to 18
सप्ताह 2	विद्या प्रवेश : गणित	--	40 to 42	--	--	19 to 24
सप्ताह 3	विद्या प्रवेश : गणित	--	43 to 45	--	--	25 to 30
सप्ताह 4	विद्या प्रवेश : गणित	--	46 to 48	--	--	31 to 36
सप्ताह 5	कम–ज्यादा की समझ बना सकें। दूर–पास की समझ बना सकें। छोटा–बड़ा की समझ बना सकें।	50 to 52	53	54	55	38 to 44

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 6	• आगे–पीछे की समझ बना सकें। • ऊपर–नीचे की समझ बना सकें। • हल्का–भारी की समझ बना सकें।	56 to 58	59			45 to 51
सप्ताह 7	• लम्बाई–मोटाई–ऊँचाई की समझ बना सकें। • आकार और वजन की समझ बना सकें। • बँटवारा करने की समझ बना सकें।	60 to 62	63			52 to 58
सप्ताह 8	• एक–एक की संगति व समूह की समझ बना सकें। • 1–5 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ) • 1–5 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।	64 to 66	67	68	69	59 to 65
सप्ताह 9	• 1–9 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ) • 1–9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें। • 1–9 तक की संख्याओं के मान और क्रमांक की समझ में अन्तर कर सकें। (Cardinality and Ordinality)	70 to 72	73			66 to 72
सप्ताह 10	• 1–9 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें। • 1–9 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें। • वस्तुओं (1–9 तक) को विभिन्न व्यवस्थाओं में गिन सकें।	74 to 76	77			73 to 79
सप्ताह 11	**सावधिक आकलन (सप्ताह 1–10)** • **आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन सप्ताहवार सभी बच्चों का आकलन करें।** • **क्रमशः सप्ताहवार रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएँ।**				↑	81 to 90
सप्ताह 12	• शून्य की अवधारणा को समझ सकें। • गिनने के सिद्धांत के साथ 1–20 तक की संख्याओं को समझ सकें। 1 (One to one [Cardinality] ordinality) • गिनने के सिद्धांत के साथ 1–20 तक की संख्याओं को समझ सकें। 2 (order Irrelevancy and Abstraction)	80 to 82	83			92 to 98

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 13	• बन्डल (2,3,4,5,10) बनाने की समझ बना सकें। • 1–20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ) • 1–20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। (प्रतीक के द्वारा)	84 to 86	87	88	89	99 to 105
सप्ताह 14	• 1–20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें। • 1–50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ) • 1–50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। (प्रतीक के द्वारा)	90 to 92	93			106 to 112
सप्ताह 15	• 1–50 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें। • 1–50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें। • 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)	94 to 96	97			113 to 119
सप्ताह 16	• 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। • 1–99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें। • 1–99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।	98 to 100	101			120 to 126
सप्ताह 17	• स्थिर अंतराल में (2,3,4,5,10) गिनती बोल और लिख सकें। • 1–99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी–बड़ी संख्या बता सकें। • एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) जोड़ सकें।	102 to 104	105			127 to 133
सप्ताह 18	• एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप मे जोड़ सकें। • एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटा सकें। • एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप मे घटा सकें।	106 to 108	109			134 to 140

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 19	● एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटा सकें। ● परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतियों को पहचान सकें। ● वस्तुओं की विशेषताएँ जैसे सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।	110 to 112	113			141 to 147
सप्ताह 20	● विभिन्न आकृतियों को मिला कर नई आकृतियों को बना सकें। ● वस्तुओं को विभिन्न असमान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें। (कदम, पैर, उँगली, बालिश्त और हाथ) ● वस्तुओं का विभिन्न समान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें। (पेंसिल और डस्टर आदि)	114 to 116	117			148 to 154
सप्ताह 21	● परिवेश और चित्रों से वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें। ● सिक्कों और नोटों को पहचान सकें। ● रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।	118 to 120	121	122	123	155 to 161
सप्ताह 22	**सावधिक आकलन (सप्ताह 12–21)** ● आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन सप्ताहवार सभी बच्चों का आकलन करें। ● क्रमशः सप्ताहवार रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएँ।				↑	163 to 172

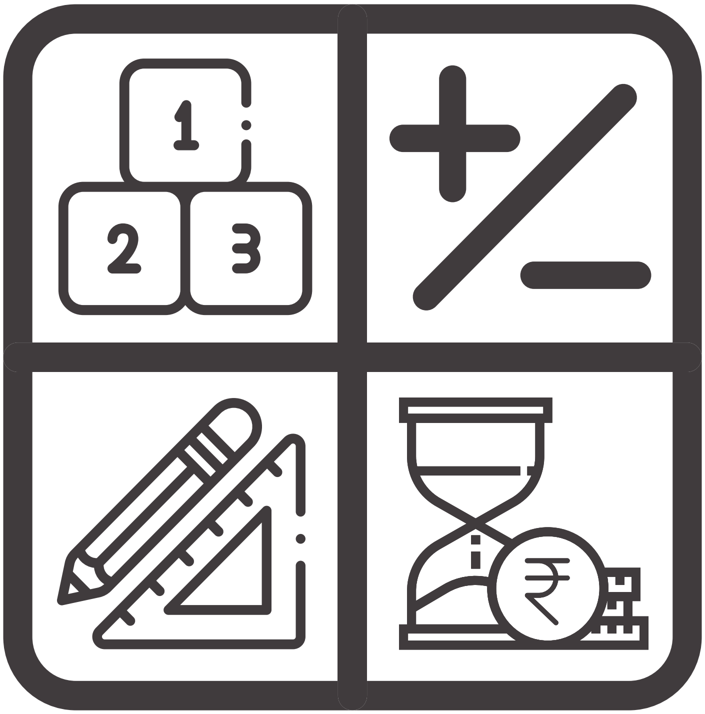

गणित

साप्ताहिक एवं दैनिक योजना

सप्ताह 1–4

विद्या प्रवेश–गणित: कक्षा 1 के बच्चों को सहज बनाते हुए शिक्षण कार्य से जोड़ने के लिए अभ्यास गतिविधि और कार्यपत्रक दिया गया है जिसे शुरुआत के 1–4 सप्ताह में पूरा करें

साप्ताहिक योजना को 3 चरणों में बाँटा गया है। 1. अनुदेशात्मक कार्य। 2. समेकन और आकलन। 3. रेमीडीयल और पुनरावृत्ति। प्रत्येक चरण के लिए संदर्शिका में उपयुक्त शिक्षण और अधिगम सामग्री दिए गए हैं।

चरण	दिन	संशाधन	कालांश 1	कालांश 2	कालांश 3	विवरण	ट्रैकर
अनुदेशात्मक कार्य	1	3 शिक्षण योजना {शिक्षण संदर्शिका}		1		3 कालांश को योजना में रिक्त रखा गया है जिसे शिक्षक कक्षा की आवश्यकता के अनुसार उपयोग करें।	वार्षिक ट्रैकर
	2	3 अभ्यास पत्रक {कार्यपुस्तिका}		2			
	3	3 अभ्यास गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}		3			
	4					शिक्षण योजना दोहराव या अभ्यास गतिविधि दोहराव	कार्यपुस्तिका ट्रैकर
समेकन और आकलन	5	समेकन गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}; 'मैने सीख लिया' आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}				शिक्षक प्रत्येक बच्चे के प्रगति की जानकारी ट्रैकर में भरें। रिक्त कालांश का उपयोग समेकन गतिविधि के लिए आवश्यकता के अनुसार करें।	
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति	6	रेमीडीयल गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}; साप्ताहिक अभ्यास {कार्यपुस्तिका}; साप्ताहिक पुनरावृत्ति {कार्यपुस्तिका}				रेमीडीयल समूह पर विशेष ध्यान दें, जिससे बच्चों को अगली अवधारणाओं को समझने में कठिनाई न हो। रिक्त कालांश का उपयोग रेमीडीयल गतिविधि के लिए आवश्यकता के अनुसार करें।	
सावधिक आकलन सप्ताह		1-10 सावधिक आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}				शिक्षक प्रत्येक बच्चे के प्रगति की जानकारी ट्रैकर में भरें।	

दैनिक योजना में चरणवार सभी कालांशों का विवरण दिया गया है। यहाँ हर चरण और कालांश में उपयोग किए जाने वाले संदर्भ सामग्री को चिन्हित किया गया है और उनसे जुड़े महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को साझा किया गया है।

दिन	कालांश 1	कालांश 2	कालांश 3
अनुदेशात्मक कार्य 1, 2	**शिक्षण योजना** कक्षा कार्य की शुरुआत बच्चों से प्रश्न पूछें और सभी को कक्षा संवाद में शामिल करें।	1,2,3 **अभ्यास पत्रक** क्रमशः बच्चों द्वारा कक्षा कार्य प्रश्नों के उदाहरण श्यामपट्ट पर देकर पत्रक पर कार्य के लिए निर्देश दें।	**अभ्यास गतिविधि** क्रमशः बच्चों द्वारा कक्षा कार्य प्रश्न और संवाद के माध्यम से हो रही गलतियों को समझाएँ।
अनुदेशात्मक कार्य 3, 4	क्या 70% छात्रों ने शिक्षण योजना में दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया?	**हाँ:** कालांश में अभ्यास पत्रक पर कार्य कराएँ। **नहीं:** कालांश में शिक्षण योजना को दोहराएँ।	अभ्यास पत्रक पूर होने के बाद कालांश में अभ्यास गतिविधि करवाएँ।
समेकन और आकलन 5	**समेकन गतिविधि** तीनो शिक्षण योजनाओं का साप्ताहिक समेकन प्रश्न और संवाद के माध्यम अवधारणाओं को दोहराएँ।	आवश्यकता के अनुसार समेकन गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।	**'मैंने सीख लिया' पत्रक** सभी बच्चों का **साप्ताहिक आकलन** बच्चों को उत्तर के अनुसार साप्ताहिक अभ्यास या रेमीडीयल गतिविधि के लिए चिह्नित करें।
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति 6	साप्ताहिक आकलन के अनुसार कक्षा के बच्चों को दो समूह में बाँटें **रेमीडीयल गतिविधि** समूह के बच्चों की कठिनाइयों को समझते हुए कक्षा कार्य करवाएँ। **साप्ताहिक अभ्यास पत्रक** अभ्यास समूह से कक्षा कार्य करवाएँ।	आवश्यकता के अनुसार रेमीडीयल गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।	**साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक** सभी बच्चों से एक साथ कक्षा कार्य **गृह कार्य {अभ्यास पुस्तिका}** अभिभावकों से संवाद करें और बच्चों के गृहकार्य में सहयोग के लिए उन्हें प्रेरित करें।
सावधिक आकलन सप्ताह	1-10 **सावधिक आकलन पत्रक** सभी बच्चों का सावधिक आकलन	**रेमीडीयल गतिविधि** सभी बच्चों के साथ कक्षा कार्य	आवश्यकता के अनुसार रेमीडीयल गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत् आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण को उद्देश्य आधारित प्रक्रिया बनाता है जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन एवं उद्देश्य

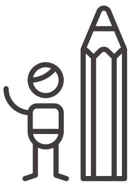

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग–अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों का बारीक तौर पर विश्लेषण करने में सहायक होता है।

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों को अवधारणों को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को समझने में सतत् आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से किए गए प्रश्न और संवाद बच्चों द्वारा की गई सामान्य भूल को भी उजागर करता है।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर करने का कार्य करता है। शिक्षण कार्य की तैयारी में मदद और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह हैं। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण पद्धति में आवश्यकता के अनुसार बदलाव और नई–नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

आकलन प्रक्रिया

आकलन सतत प्रक्रिया के रूप में साप्ताहिक योजना के तीनों चरणों में लगातार चलती रहेगी। यह शिक्षक को बच्चों को हो रही कठिनाइयों से अवगत और शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाए रखने में मदद करेगी।

दिन 1–4 अनुदेशात्मक कार्य → दिन 5 समेकन और आकलन → दिन 6 रेमीडीयल और पुनरावृति → सावधिक आकलन और रेमीडीयल

प्रत्येक सप्ताह — सप्ताह 11 & 22

अनुदेशात्मक कार्य

हर सप्ताह
दिन 1–4

कालांश

1 2 3

अनुदेशात्मक कार्य के दौरान प्रत्येक सप्ताह 3 शिक्षण उद्देश्यों पर बच्चों के साथ कक्षा में कार्य करें। शिक्षण के साथ–साथ बच्चों की समझ, सामान्य भूल और उन्हें हो रही कठिनाइयों का निरंतर आकलन कर उनपर आवश्यक कार्य करें।

बच्चों के लिए कुछ प्रश्न शिक्षण योजना और अभ्यास गतिविधि में दिए गए हैं। ये प्रश्न अनुदेशात्मक कार्य के दौरान आकलन के लिए बहुत उपयोगी हैं, आवश्यकता के अनुरूप और प्रश्न बनाएं।

शिक्षण योजना : यदि 70% छात्रों ने दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर देते हैं तो अगले कालांश में कार्य पत्रक पर कार्य करें अथवा शिक्षण योजना को दोहराएं।

1,2,3 **कार्य पत्रक** : बच्चों द्वारा दिए गए उत्तर का विश्लेषण कर उन्हें हो रही कठिनाइयों को चिह्नित करें।

अभ्यास गतिविधिः बच्चों द्वारा की जाने वाली सामान्य भूल पर संवाद कर समझ को सुदृढ़ करें।

समेकन और आकलन

हर सप्ताह
दिन 5

कालांश

1 2 3

समेकन गतिविधिः पिछले 4 दिनों में किए गए अनुदेशात्मक कार्य को एक साथ समेकित और बच्चों की प्रगति को समझने का प्रयास करें। एक निश्चित अंतराल में यह समझना आवश्यक है कि बच्चे पिछली कक्षाओं में किए गए कार्यों को याद रख पा रहे हैं या नहीं और अपनी समझ का किस प्रकार से अनुप्रयोग कर पा रहे हैं।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

आकलन प्रपत्रः प्रत्येक प्रपत्र अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं पर आधारित हैं। प्रपत्र के सभी प्रश्न दक्षताओं और उनके विभिन्न आयामों को समझने के लिए बनाया गया है। तीनों दक्षताओं को प्राप्त करने के लिए बच्चों द्वारा सभी प्रश्नों के 50% भाग को करना अनिवार्य है।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकरः शिक्षक प्रत्येक बच्चे का आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड ट्रैकर में दर्ज करें।

- सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर–A
- सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर–B

रेमीडीयल और पुनरावृत्ति

हर सप्ताह 6

कालांश

1 2 3

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में दर्ज किए गए ग्रेड के अनुसार बच्चों को 2 समूह में बाँट कर रेमीडीयल कार्य और क्रमशः पुनरावृत्ति कराएँ।

रेमीडीयल गतिविधि– समूह A: जो बच्चे अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पाए हैं, उनपर शिक्षक विशेष ध्यान दें। गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।

साप्ताहिक अभ्यास पत्रक– समूह B: अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं को प्राप्त कर चुके बच्चों को आवश्यक निर्देश देकर स्वतंत्र रूप से पत्रक पर कार्य करने दें।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक: सभी बच्चों के साथ पत्रक पर कार्य करें।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

अकादमिक सत्र में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा, पहला 11वाँ सप्ताह में और दूसरा आकलन 22वाँ सप्ताह में। सावधिक आकलन को कक्षा के आंतरिक प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए।

सावधिक आकलन 1	सप्ताह 11	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सावधिक आकलन 2	सप्ताह 22	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

- पूर्व के सभी 10 सप्ताह के आकलन के लिए क्रमशः 10 सावधिक आकलन प्रपत्र दिए गए हैं।
- सावधिक आकलन के दौरान प्रत्येक दिन 1 सावधिक आकलन प्रपत्र कर रेमीडीयल कार्य करें।
- रेमीडीयल कार्य के लिए पूर्व सप्ताह के सभी 10 रेमीडीयल गतिविधियों को दोहराएं।

कालांश

1 2 3

सावधिक आकलन प्रपत्र: पहले कालांश में बच्चों का आकलन करें।

सावधिक आकलन ट्रैकर: शिक्षक प्रत्येक बच्चे का आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड ट्रैकर में दर्ज करें।
सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर–B
सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर–A

कालांश

1 2 3

रेमीडीयल गतिविधि

समूह A: जो बच्चे अपेक्षित दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पाए, उन पर शिक्षक विशेष ध्यान दें। गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

समूह B: जब शिक्षक पीछे छूटे हुए बच्चों के साथ कार्य कर रहे हो तब कक्षा के बाकी बच्चों को उनकी दक्षता अनुसार गणित किट के साथ कक्षा कार्य दें।

कालांश की रणनीतियाँ और संसाधन

सप्ताह	
सप्ताह 1—4	विद्या प्रवेश : गणित: 24 अभ्यास गतिविधियाँ और 24 कार्यपत्रक
सप्ताह 5—22	प्रति सप्ताह संसाधन

शिक्षक संदर्शिका				कार्यपुस्तिका
3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	7 कार्यपत्रक

कालांश		1	2	3
अनुदेशात्मक कार्य	दिन 1—4	3 शिक्षण योजना	3 1,2,3 अभ्यास पत्रक	3 अभ्यास गवितिधि
समेकन और आकलन	दिन 5	1 समेकन	रिक्त कालांश	1 मैंने सीख लिया
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति	दिन 6	1+1 रेमीडीयल और साप्ताहिक अभ्यास	रिक्त कालांश	1+1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति
सावधिक आकलन सप्ताह	सप्ताह 11, 22	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	रिक्त कालांश

सप्ताह 1-4

विद्या प्रवेश : गणित

विद्या प्रवेश–गणितः कक्षा 1 के बच्चों के लिए विद्यालय का यह पहला वर्ष है। यह बहुत ही आवश्यक है कि बच्चे विद्यालय के परिवेश में सहज हों और स्वयं को शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देश समझकर कक्षा कार्य करने लिए तैयार कर सकें। इसे ध्यान में रखते हुए शुरुआत के 4 सप्ताह को विद्यालय रेडीनेस–गणित के लिए दिया गया है। इस दौरान बच्चे उपलब्ध शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री के साथ गतिविधि और सरल कार्यपत्रक पर कार्य करें।

विद्या प्रवेश–गणित के लिए संदर्शिका में बच्चों के लिए 24 अभ्यास गतिविधियाँ और कार्यपुस्तिका में 24 अभ्यास पत्रक दिए गए हैं जिनका विवरण इस प्रकार है।

सप्ताह 1: 6 अभ्यास गतिविधियाँ और 6 अभ्यास पत्रक
सप्ताह 2: 6 अभ्यास गतिविधियाँ और 6 अभ्यास पत्रक
सप्ताह 3: 6 अभ्यास गतिविधियाँ और 6 अभ्यास पत्रक
सप्ताह 4: 6 अभ्यास गतिविधियाँ और 6 अभ्यास पत्रक

- शिक्षक आवश्यकता के अनुसार गतिविधियों को दोहराएँ।
- उपलब्ध शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री या परिवेश में उपलब्ध सामग्री के मदद से नई गतिविधियाँ बनाएँ।

कालांश 1 2 3

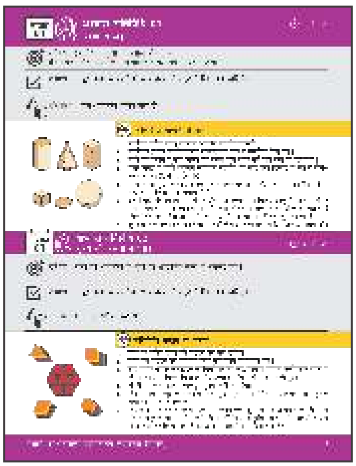

अभ्यास गतिविधि

- बच्चों के घर की भाषा को कक्षा में शामिल करें।
- समूह में कार्य और एक–दूसरे को मदद करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- गतिविधि को दोहराने और किए गए कार्यों को समझाने का अवसर दें।
- गतिविधि के लिए मूर्त वस्तुओं का उपयोग करें।
- बच्चों के दैनिक अनुभव से जोड़ते हुए गतिविधि कराएँ।

कालांश 1 2 3

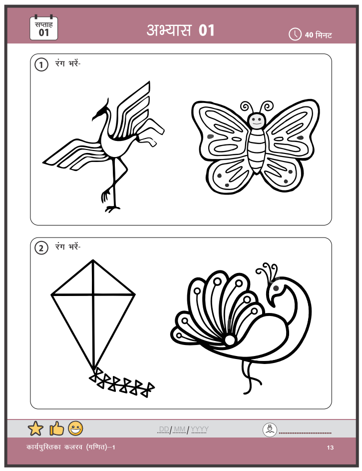

अभ्यास पत्रक

- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बैठा कर निर्देश दें।
- कक्षा का अवलोकन करें और जिन्हें कठिनाई हो रही हो उनकी मदद करें।
- अभ्यास पत्रक को पूर्ण रूप से कक्षा में ही करवाएँ।
- अभ्यास पत्रक पर किए गए कार्य पर बच्चों को कहानी या कविता बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों में उत्साह के लिए आइकॉन पर निशान और दिनांक के साथ हस्ताक्षर करें।

शिक्षण योजना

दक्षता की प्राप्ति के लिए उसके विभिन्न आयामों को समझना आवश्यक है।

- संदर्शिका में एक दक्षता के लिए एक से अधिक शिक्षण योजना है जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है।
- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 60 शिक्षण योजनाएँ हैं जो क्रमशः अभ्यास पत्रक और अभ्यास गतिविधि से जुड़ा है।

दिन 1–4

कालांश 1 2 3

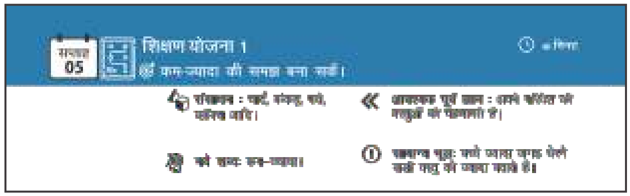

शिक्षण योजना अवलोकन

- सप्ताह।
- शिक्षण उद्देश्य।
- तैयारी के बिन्दु।

परिचय। मैं करूँ (शिक्षक)

- बच्चों का शिक्षण उद्देश्य से परिचय।
- अवधारणा का बच्चों के अनुभव से जुड़ाव।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।

अवधारणा निर्माण। हम करें (बच्चे)

- बच्चों द्वारा मूर्त वस्तुओं के साथ सामूहिक कार्य।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण।

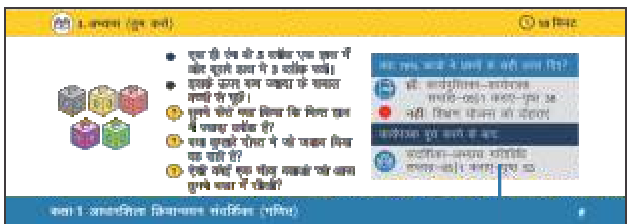

अभ्यास। तुम करो (बच्चे)

- बच्चों के लिए कक्षा कार्य।
- शिक्षक द्वारा अवलोकन।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण।

महत्वपूर्ण बिंदु

- सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया हैं।
- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में 3 शिक्षण योजना पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- सभी बच्चों को संवाद में शामिल करें और प्रतिभाग के अवसर दें।
- आवश्यकता के अनुसार गतिविधियों में बदलाव करें।

आगे के कार्य

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: अगले कालांश में अभ्यास पत्रक पर कार्य कराएँ।

नहीं: अगले कालांश में शिक्षण योजना दोहराएँ।

कार्यत्रक पूरा करने के बादः

अभ्यास गतिविधि करवाएँ।

अभ्यास पत्रक

अनुदेशात्मक कार्य

प्रत्येक शिक्षण योजना के लिए क्रमशः एक अभ्यास पत्रक कार्यपुस्तिका में दिया गया है।

- एक दक्षता के लिए एक से अधिक अभ्यास पत्रक हैं जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है।
- कक्षा 2 के लिए कुल 60 अभ्यास पत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं जो क्रमशः शिक्षण योजना और अभ्यास गतिविधि से जुड़ा है।

दिन 1–4

कालांश 1 2 3

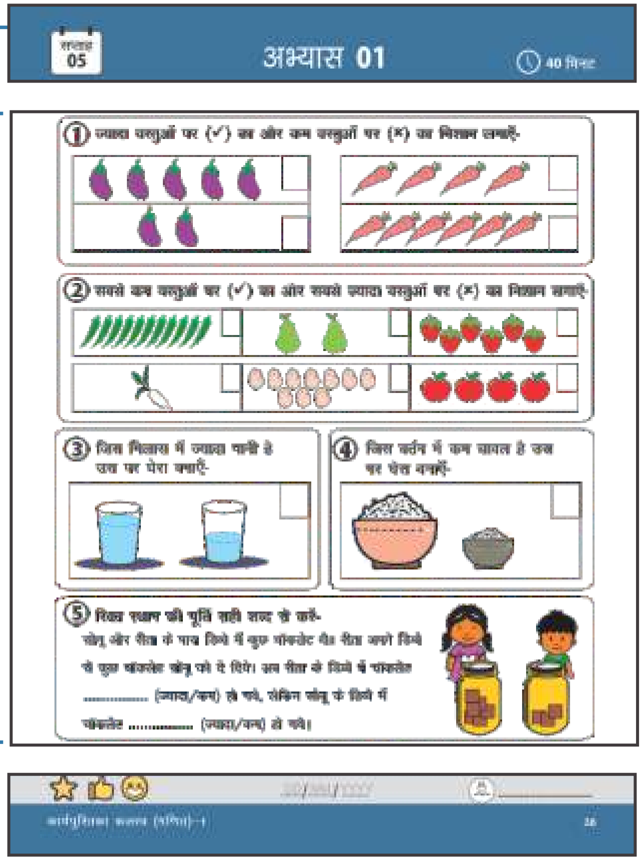

अभ्यास पत्रक अवलोकन

- सप्ताह
- अभ्यास पत्रक क्रमांक
- समय

उदाहरण

शिक्षक द्वारा हल किये उदाहरण

- प्रत्येक अभ्यास पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अलग निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।

अभ्यास पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया है।
- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में क्रमशः 3 शिक्षण योजना और 3 कार्यपत्रक पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- निर्देश को स्पष्ट करें और एक प्रश्न पूरा होने के बाद अगले प्रश्न पर जाएँ।
- कठिनाई होने पर बच्चों को आवश्यकता के अनुसार मदद करें।

शिक्षक द्वारा कक्षा कार्य की जांच

- बच्चों में उत्साह के लिए आइकॉन पर निशान
- दिनांक
- हस्ताक्षर

श्रेष्ठ

बहुत अच्छा

अच्छा

अभ्यास गतिविधि

प्रत्येक शिक्षण योजना के लिए क्रमशः एक अभ्यास गतिविधि दी गयी है।

- कार्यपुस्तिका में एक दक्षता के लिए एक से अधिक अभ्यास गतिविधि हैं जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दी गयी है।
- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 60 अभ्यास गतिविधि हैं जो क्रमशः शिक्षण योजना और अभ्यास पत्रक से जुड़ी है।
- प्रत्येक पृष्ठ में 3 अभ्यास गतिविधियाँ दी गई हैं।

दिन 1–4

कालांश 1 2 **3**

अभ्यास पत्रक अवलोकन

- सप्ताह।
- कार्यपत्रक क्रमांक।
- शिक्षण उद्देश्य।
- संसाधन।

अभ्यास गतिविधि के चरण

- शिक्षण उद्देश्य को बच्चों के परिवेश और उनके दैनिक अनुभव से जोड़ते हुए परिचय।
- बच्चों के साथ शिक्षण योजना की गतिविधि और अभ्यास पत्रक के अनुभव पर संवाद।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- निर्देश अनुसार गतिविधि का संचालन।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।

अभ्यास गतिविधि 1 | अभ्यास गतिविधि 2 | अभ्यास गतिविधि 3

महत्वपूण बिंदु

सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया है–

- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में शिक्षण उद्देश्य 3 शिक्षण योजना, 3 कार्यपत्रक और 3 अभ्यास गतिविधि पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- कठिनाई होने पर बच्चों को आवश्यकता के अनुसार मदद करें।
- प्रश्न और संवाद के माध्यम से बच्चों की कठिनाइयों और सामान्य भूल का निवारण करें।
- आवश्यकता के अनुसार गतिविधियों में बदलाव करें।

समेकन गतिविधि

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के समेकन के लिए एक समेकन गतिविधि किया जाना निर्धारित किया गया है।

- 20 शिक्षण सप्ताह में कुल 20 समेकन गतिविधि किए जाने है जिनमे से 4 सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि नमूने के रूप में संदर्शिका में दिया गया है।

दिन 5

कालांश 1 2 3

समेकन गतिविधि अवलोकन

- सप्ताह
- साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों
- संसाधन

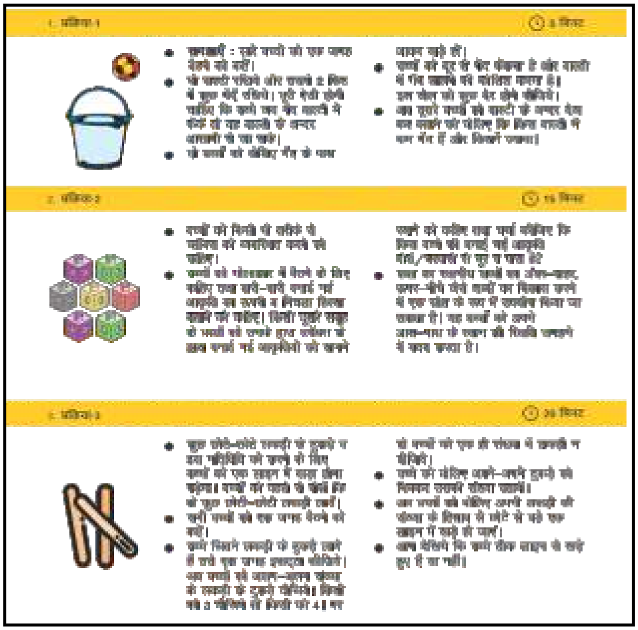

प्रक्रिया

- साप्ताहिक अनुदेशात्मक कार्य के शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएं और और बच्चों के दैनिक अनुभव से जोड़ें।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएं।
- निर्देश अनुसार गतिविधि का संचालन
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

स्वयं बनाएँ

4 सप्ताह के लिए समेकन और रेमीडीयल गतिविधि संदर्शिका में नमूने के रूप में दी गई है। साप्ताहिक 3 शिक्षण योजनाओं (अनुदेशात्मक कार्य) का उपयोग कर शिक्षक बाकी सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि स्वयं बनाएँ।

- तीनों शिक्षण उद्देश्यों को उनकी संचयी प्रकृति के अनुसार क्रम में रखें।
- गतिविधि में बच्चों को वस्तुओं के साथ कार्य करने के लिए ज्यादा अवसर दें।
- प्रश्न और संवाद के बिंदुओं को स्पष्ट रूप से लिखें।
- संसाधन के लिए गणित किट, गणित कार्ड और बोर्ड, पोस्टर और आसानी से उपलब्ध वस्तुओं का ही उपयोग करें।

मैंने सीख लिया

समेकन और आकलन

कार्यपुस्तिका में प्रत्येक साप्ताहिक आकलन के लिए एक कार्यपत्रक 'मैंने सीख लिया' दिया गया है।

- 20 सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक आकलन प्रपत्र दिए गए हैं।

दिन 5

कालांश

1 2 3

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

- प्रत्येक साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अगल निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- आकलन पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएं।

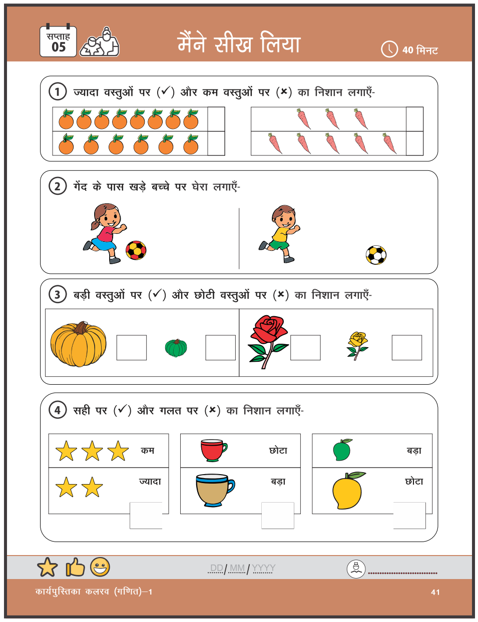

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

प्रत्येक बच्चे के साप्ताहिक आकलन की जानकारी को रखने के लिए 2 साप्ताहिक आकलन ट्रैकर दिए गए हैं

- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1– सप्ताह 1–10
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2– सप्ताह 12–21

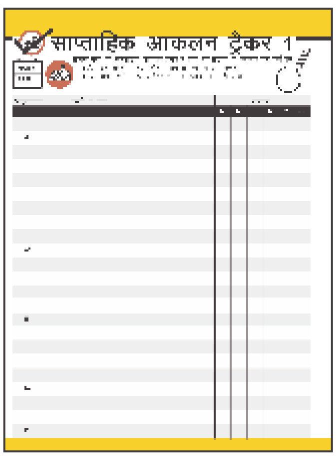

बच्चों द्वारा साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में दिए गए उत्तर को जाँचें। उनके द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण कर अवधारणा को समझने में आ रही कठिनाइयों को चिह्नित कर रेमीडीयल कार्य की योजना बनाएं। प्रत्येक बच्चे का साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड (A/B) दर्ज करें।

A	B
सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर	सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर
समूह 1 रेमीडीयल गतिविधि	समूह 2 साप्ताहिक अभ्यास सत्रह

रेमीडीयल और अभ्यास

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के रेमीडीयल के लिए एक रेमीडीयल गतिविधि किया जाना निर्धारित किया गया है

- **समूह 1:** 20 सप्ताह में कुल 20 समेकन गतिविधि किए जाने है जिनमें से 4 सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि नमूने के रूप में संदर्शिका में दिया गया हैं।
- **समूह 2:** 20 सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक अभ्यास प्रपत्र दिए गए हैं।

दिन 6

कालांश 1 2 3

समूह 1 रेमीडीयल गतिविधि

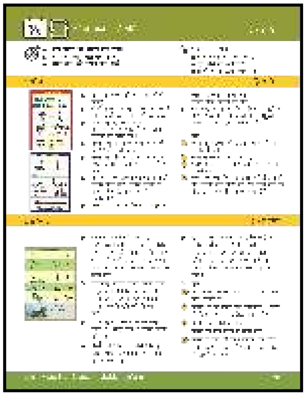

समूह 2 साप्ताहिक अभ्यास पत्रक

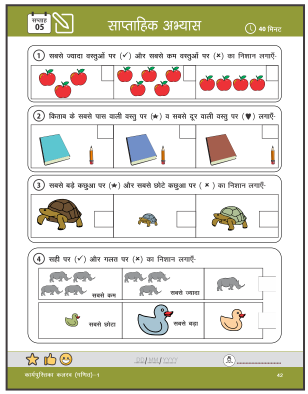

प्रक्रिया

- समूह के बच्चों को एक साथ बैठाएँ और सप्ताह के शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएँ।
- उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान दें और गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।
- प्रश्न पूछें और संवाद।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता अनुसार रिक्त कालांश का उपयोग करें।

शिक्षक के लिए निर्देश

- समूह 2 के बच्चों को एक साथ बैठाएँ।
- बच्चों को आवश्यक निर्देश देकर स्वतंत्र रूप से पत्रक पर कार्य करने दें।
- साप्ताहिक अभ्यास पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

स्वयं बनाएं

- 4 सप्ताह के लिए समेकन और रेमीडीयल गतिविधि संदर्शिका में नमूने के रूप में दी गई है। साप्ताहिक 3 शिक्षण योजनाओं (अनुदेशात्मक कार्य) का उपयोग कर शिक्षक बाकी सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि स्वयं बनाएं।
- तीनों शिक्षण उद्देश्यों को उनकी संचयी प्रकृति के अनुसार क्रम में रखें।
- गतिविधि में बच्चों को वस्तुओं के साथ कार्य करने के लिए ज्यादा अवसर दें।
- प्रश्न और संवाद के बिंदुओं को स्पष्ट रूप से लिखे।
- संसाधन के लिए गणित किट, गणित कार्ड और बोर्ड, पोस्टर और आसानी से उपलब्ध वस्तुओं का ही उपयोग करें।

पुनरावृत्ति और गृह कार्य

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के पुनरावृत्ति के लिए एक साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक कार्यपुस्तिका में दिया गया है।

- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक दिया गया है।

दिन
6

कालांश
1 2 3

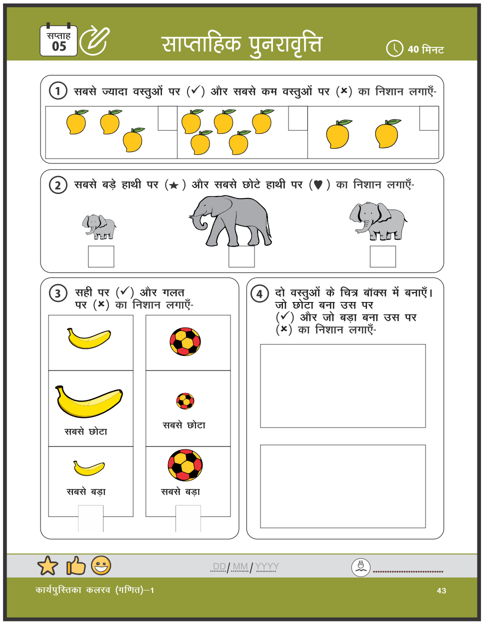

साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

- प्रत्येक साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अलग निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

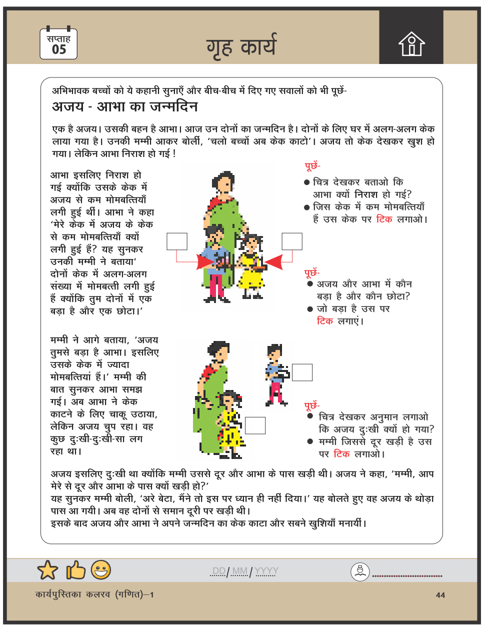

गृह कार्य

अभिभावकों को बच्चों के दैनिक पठन–पाठन कार्य से जोड़ने के लिए साप्ताहिक गृहकार्य पत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं।

- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 20 गृह कार्य पत्रक दिया गया हैं।

शिक्षक के लिए निर्देश

- बच्चों को 6वें दिन गृह कार्य के लिए आवश्यक निर्देश दें।
- अभिभावकों से संवाद करें और उन्हे बच्चों से उनके कक्षा के अनुभव पर बातचीत करने के लिए प्रेरित करें।
- अगले दिन शिक्षक गृह कार्य पत्रक को देखें और बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

सप्ताह 11, 22

सावधिक आकलन

अकादमिक सत्र में दो सावधिक आकलन 11वें सप्ताह और 22वें सप्ताह में रखे गए हैं।

- पिछले 10 सप्ताह में किए शिक्षण कार्य और बच्चों के प्रगति का आकलन सावधिक आकलन में किया जाएगा।
- सावधिक आकलन 1 और 2 के लिए 10–10 कार्यपत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं।

कालांश 1 2 3

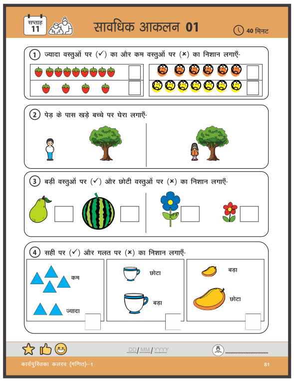

सावधिक आकलन पत्रक

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

- प्रत्येक आकलन पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न और उनके अलग निर्देश हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण **(संख्या और वस्तु बदलकर)** श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- आकलन पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

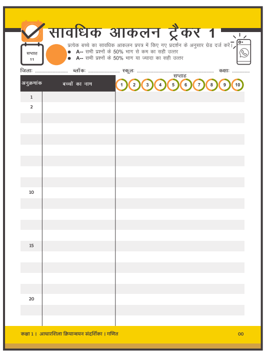

सावधिक आकलन ट्रैकर

बच्चों द्वारा सावधिक आकलन प्रपत्र में दिए गए उत्तर को जाँचें। उनके द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण कर अवधारणा को समझने में आ रही कठिनाइयों को चिह्नित कर रेमीडीयल कार्य की योजना बनाएँ।

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।
A––सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग से कम का सही उत्तर।
B––सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग या ज्यादा का सही उत्तर।

कालांश 1 2 3

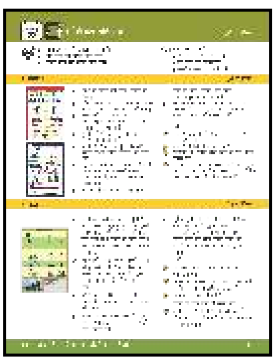

रेमीडीयल गतिविधि

रेमीडीयल गतिविधि को पूरी कक्षा के साथ दोहराएँ।

- शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएं और और बच्चों के दैनिक अनुभव से जोड़ें।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- जिन बच्चों ने A ग्रेड पाया है उन पर विशेष ध्यान दें और गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

सप्ताह 1—4

प्रति सप्ताह के लिए कार्यपुस्तिका के पत्रक

24 अभ्यास गतिविधि
(शिक्षक संदर्शिका)

24 अभ्यास पत्रक
(कार्यपुस्तिका)

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
विद्या प्रवेश — सप्ताह 1—4	10 अभ्यास गतिविधि	10 अभ्यास पत्रक	रिक्त कालांश

सप्ताह 01

अभ्यास गतिविधि 01
आओ खोजें।

40 मिनट

उद्देश्य : (i) ठोस वस्तुओं की खोज–बीन करना।
(ii) उनकी विशेषताओं की स्वाभाविक समझ का विकास करना।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 बच्चों के समूह में विभाजित कीजिये।

संसाधन : ठोस आकृतियाँ गणित किट से।

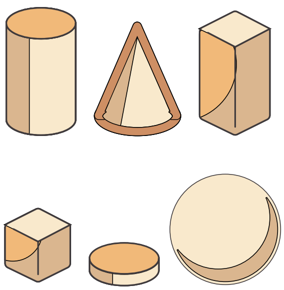

गतिविधि कराने के चरण

1. बच्चों के प्रत्येक समूह को ठोस आकारों का सेट दीजिये।
2. बच्चों को इनका उपयोग करके इच्छानुसार कुछ भी बनाने के लिए कहें।
3. बच्चों द्वारा कुछ बनाने के बाद, किसी एक समूह द्वारा बनाई गई वस्तु सभी को दिखाएँगे।
4. दूसरे समूह के बच्चे अनुमान लगाकर बताएँगे कि उन्हें क्या दिखाई दे रहा है जैसे– रेलगाड़ी, गाड़ी, रोबोट इत्यादि।
5. बच्चों ने जो कुछ बनाया है उसका वर्णन करने के लिए प्रेरित करें तथा बातचीत करें कि उन्होंने यह किस प्रकार बनाया है ?
6. उनसे पूछें कि उन्होंने एक विशेष ठोस को उनके द्वारा निर्मित आकृति का एक विशेष हिस्सा बनाने में क्यों उपयोग किया? बच्चों को उसका तर्कपूर्ण ढंग से कारण बताने के लिए प्रेरित करें। जैसे आपने सिर के लिए गोल आकार को ही क्यों चुना? इत्यादि।
7. दूसरे समूह के बच्चों द्वारा बनाई गई वस्तुओं के बारे में चर्चा करने के लिए उन्हें आमंत्रित करें।

सप्ताह 01

अभ्यास गतिविधि 02
दृश्य की रचना करना।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चों को आकृतियों के गुणों का अवलोकन करने के अवसर देना।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 2–2 बच्चों के समूह में विभाजित कीजिए।

संसाधन : टाइल्स गणित किट से।

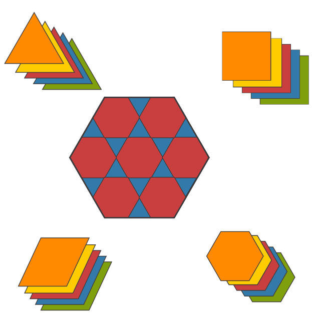

गतिविधि कराने के चरण

1. बच्चों के प्रत्येक समूह को टाइल्स का सेट दीजिए।
2. बच्चों को टाइल्स का उपयोग करके एक दृश्य बनाने को कहें।
3. उन्हें प्रत्येक आकार के टाइल्स को गिनने के लिए कहें, जिनका उपयोग उन्होंने इसे बनाने के लिए किया है। कौन –कौन से रंग के टाइल्स उपयोग किये गए हैं ? ये भी पूछें।
4. किसी एक समूह द्वारा बनाए हुए दृश्य सभी को दिखाएंगे।
5. शिक्षक बाकी समूह के बच्चों को बना हुआ दृश्य क्या है? एक–एक बच्चे से अनुमान लगाकर बताने के लिए कहेंगे।
6. शिक्षक आगे बातचीत करेंगे। जैसे– उन्होंने एक फूल–घर–तारा बनाने के लिए एक विशेष आकृति का उपयोग क्यों किया है? किस आकृति का उपयोग सबसे अधिक किया गया है? किस आकृति का उपयोग सबसे कम किया गया है?

सप्ताह 01 — अभ्यास गतिविधि 03

पैटर्न बनाना।

40 मिनट

उद्देश्य : (i) बच्चों को स्वयं उनके पैटर्न बनाने के योग्य बनाना। (ii) पैटर्न बनाने में दोहराव की इकाई की पहचान करना तथा पैटर्न में सम्मिलित तर्क के विश्लेषण की योग्यता का विकास करना।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 बच्चों के समूह में विभाजित कीजिये।

संसाधन : ठोस आकृतियाँ गणित किट से।

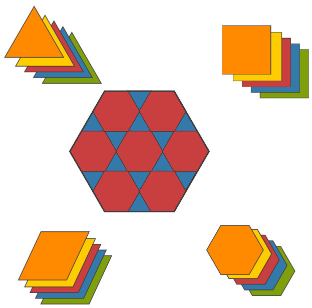

गतिविधि कराने के चरण

1. बच्चों के प्रत्येक समूह को टाइल्स का सेट दीजिए। टाइल्स का उपयोग करके कोई भी पैटर्न बनाने के लिए बच्चों को कहिए।
2. शिक्षक बातचीत करके बच्चों को पैटर्न बनाने और समझने में मदद करें। जैसे– कौन–कौन से रंग और आकृति के टाइल्स उपयोग किया हैं? एक प्रकार की दो टाइल्स (लाल टाइल्स) के बीच कितने दूसरे प्रकार (हरा) के टाइल्स हैं? क्या ये संख्या पूरी पंक्ति में एक जैसा है? नहीं है तो, क्या करने से ये एक जैसा होगा?
3. प्रारंभ में बच्चों को केवल दो आकृति के टाइल्स का उपयोग करके एक पैटर्न बनाने को कहिए।
4. बाद में बच्चों से कठिन पैटर्न बनाने के लिए कहें। चर्चा करें कि किसी विशेष पैटर्न को बनाने के लिए किस इकाई का बार–बार प्रयोग किया गया।

सप्ताह 01 — अभ्यास गतिविधि 04

पैटर्न के लिए गतिविधियां।

40 मिनट

उद्देश्य : स्टैम्पिंग के माध्यम से पैटर्न बनाना।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 2–2 बच्चों के समूह में विभाजित कीजिये।

संसाधन : स्टैंपिंग व पैड एन.सी.ई.आर.टी. गणित किट और कागज।

गतिविधि कराने के चरण

1. प्रत्येक समूह को पेपर, स्टैम्प और स्याही सहित स्टैम्प पैड उपलब्ध कराएँ।
2. स्टैम्प और स्टैम्प पैड का उपयोग करके पेपर शीट पर स्टैम्प लगाने को कहिए, प्रोत्साहित कीजिये कि बच्चे किसी पैटर्न को बना सकें।
3. बच्चों से उनके कार्य के बारे में चर्चा करें।
4. चर्चा के लिए बिन्दु–
   1. क्या आप कोई नियम ढूँढ़ पा रहे हो?
   2. क्या आप इस पैटर्न को आगे बढ़ा सकते हो?

सप्ताह 01

अभ्यास गतिविधि 05
सुबह, दोपहर, शाम या रात

40 मिनट

उद्देश्य : समझ को विकसित करना कि दिनचर्या की गतिविधियाँ सुबह, दोपहर, शाम तथा रात में क्रमागत होती हैं।

तैयारी : दिनचर्या, क्रम से होने वाले कार्यों पर बच्चों से बातचीत।

संसाधन : कागज, पेंसिल।

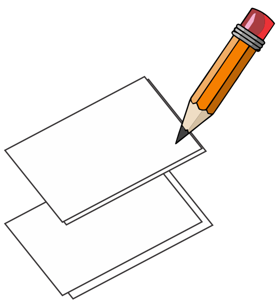

गतिविधि कराने के चरण

1. शिक्षक इस गतिविधि को बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछकर प्रारम्भ कर सकते हैं।
   आप सुबह क्या करते हैं ?
   आप शाम को क्या करते हैं ?
   आप किस समय भोजन करते हैं ?
   आप किस समय स्कूल से घर वापस आते हैं ?
   आप किस समय सोते हैं?
2. शिक्षक बच्चों के जवाबों को टाइम लाइन पर रिकार्ड कर सकते हैं। शिक्षक आगे बच्चों की गतिविधियों को सुबह, दोपहर, शाम और रात में विभाजित करने में उनकी मदद कर सकते हैं।
3. बच्चों से उनकी दिनचर्या बताने को कहें।

सप्ताह 01

अभ्यास गतिविधि 06
क्या जल्दी और क्या देर से?

40 मिनट

उद्देश्य : गतिविधि के प्रकार तथा उनमें लगने वाले समय के संबंध को समझना।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 2–2 बच्चों के समूह में बाँटिए।

संसाधन : अलग–अलग आकार के बर्तन।

गतिविधि कराने के चरण

1. शिक्षक गतिविधि को बच्चों को एक चुनौती देते हुए शुरू कर सकते हैं कि "चलो देखते हैं कौन समय ज्यादा लेता है" और उन्हें कुछ कार्य दे सकते हैं। जैसे : अलग–अलग बर्तनों में पानी भरने के लिए कह सकते हैं।
2. शिक्षक अलग–अलग बर्तन जिसका अलग–अलग आकार हो ले सकते हैं।
   विभिन्न आकारों के दो बर्तनों में पानी भरने के लिए कहिए। यह समूह में भी कराया जा सकता है या एक ही बच्चे से दोनों बर्तनों को भरवाया जा सकता है। समूह के प्रत्येक सदस्य एक–एक करके बर्तनों को भरेंगे तथा बाकी सदस्य शिक्षक की सहायता से भरने में लगने वाले समय को नोट करेंगे।
3. अब सभी समूहों के लगने वाले समय के बारे में बच्चों से चर्चा की जाए अर्थात् किस समूह ने जल्दी कार्य पूरा किया तथा किस समूह ने देर से।

सप्ताह 02

अभ्यास गतिविधि 01
आगे-पीछे कूदो-बैठो।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे शिक्षक के निर्देश को समझ सकें व स्थानिक समझ के शब्दों को पहचान सकें।

तैयारी : सभी बच्चे एक घेरे में खड़े होकर इस गतिविधि को करेंगे।

संसाधन : बच्चे और शिक्षक।

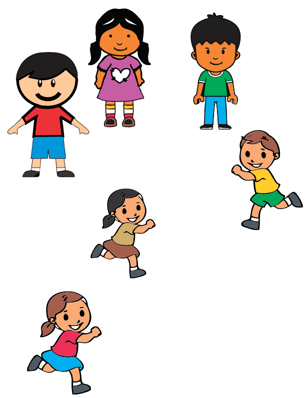

गतिविधि कराने के चरण

1. सभी बच्चे एक घेरे में खड़े हो जाएंगे और शिक्षक घेरे के बीच में रहेंगे।
2. शिक्षक के निर्देश के अनुसार बच्चे कार्य करेंगे। जैसे– आगे कहने पर आगे की ओर, पीछे कहने पर पीछे की ओर चलेंगे।
3. कुछ देर आगे–पीछे के निर्देश पर कार्य करने के बाद शिक्षक, इसमें कूदो को भी जोड़ देंगे।
4. आगे कहने पर आगे की ओर, पीछे कहने पर पीछे की ओर और कूदो कहने पर बच्चों को कूदना है।
5. कुछ देर बाद शिक्षक निर्देशों में बैठो को भी जोड़ देंगे।
6. शिक्षक कभी जल्दी–जल्दी कभी धीरे–धीरे निर्देशों को बोलेंगे और बच्चे मजे के साथ निर्देश के अनुसार खेल खेलेंगे।

सप्ताह 02

अभ्यास गतिविधि 02
अलग-अलग तरह की चीजें बनाना।

40 मिनट

उद्देश्य : वस्तुएँ बनाओ।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 2–2 के समूह में विभाजित कीजिए।

संसाधन : ब्लॉक्स गणित किट।

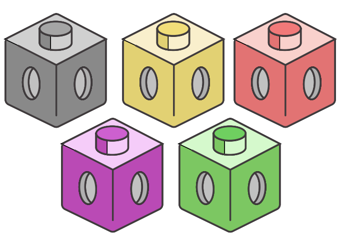

गतिविधि कराने के चरण

1. प्रत्येक समूह ब्लॉक्स से खेल सकता है तथा अलग–अलग तरह की चीजें ब्लॉक्स जोड़–जोड़ कर बना सकते हैं। जैसे– रेलगाड़ी, पुल, कुर्सी, मेज, सड़क, झूला, अक्षर, संख्या, जोकर, बिल्डिंग आदि।
2. विभिन्न संयोजन बनाने से बच्चे विभिन्न स्थानिक शब्दावली जैसे– अंदर–बाहर, ऊपर–नीचे, बड़ा–छोटा इत्यादि तथा भिन्न–भिन्न आकृतियों की आधारभूत विशेषताओं के बारे में स्वाभाविक रूप से बता सकते हैं।
3. **पूछें**–
   1. आपने क्या आकृति बनाई है?
   2. आपकी आकृति में आपके दोस्त की आकृति से ब्लॉक्स कम हैं या ज्यादा?

सप्ताह 02

अभ्यास गतिविधि 03
टाइल्स से खेल।

40 मिनट

उद्देश्य : जगह और क्षेत्र की स्वाभाविक समझ विकसित करना।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 2–2 बच्चों के समूह में विभाजित कीजिए।

संसाधन : टाइल्स गणित किट से।

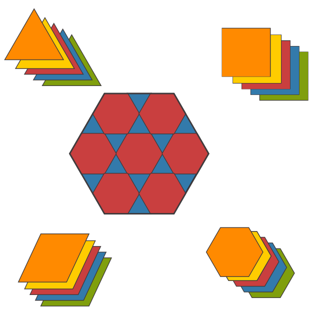

गतिविधि कराने के चरण

1. बच्चों के प्रत्येक समूह को एक–एक करके टाइल्स का सेट और ट्रे दीजिए।
2. शिक्षक कोई आकृति की टाइल कक्षा में दिखाकर ट्रे को भरने के लिए कहें।
3. शिक्षक इस बात पर बच्चों का ध्यान दिलाएँ कि किस आकार की टाइल्स से ट्रे पूरी भर जाती है और किस आकार की टाइल्स से नहीं।

पूछें–

1. कौन सी आकृतियों को मिलाकर ट्रे को भरा जा सकता है?
2. क्या गोलाकार आकृतियों से ट्रे को भरा जा सकता है?

सप्ताह 02

अभ्यास गतिविधि 04
मैं कहाँ हूँ।

40 मिनट

उद्देश्य : स्थामनिक शब्दकोष जैसे ऊपर–नीचे, दूर–पास आदि का विकास।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 बच्चों के समूह में विभाजित कीजिए।

संसाधन : ब्लॉक्स गणित किट से।

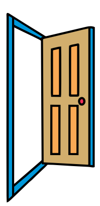

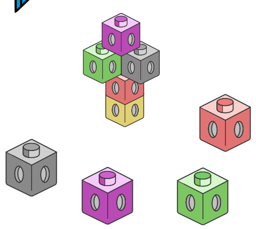

गतिविधि कराने के चरण

1. बच्चों को किसी भी तरीके से व्यवस्थित करने को कहिए।
2. बच्चों को गोलाकार में बैठने के लिए कहिए तथा बारी–बारी बनाई गई आकृति का ऊपरी व निचला हिस्सा बताने को कहिए। किसी दूसरे समूह के बच्चों को उनके द्वारा ब्लॉक्स के द्वारा बनाई गई आकृतियों को सामने रखने को कहिए तथा चर्चा कीजिए कि किस बच्चे की बनाई गई आकृति बोर्ड–दरवाजे से दूर व पास है ?
3. अब किसी दूसरे समूह को उनके द्वारा ब्लॉक्स से बनाई गई आकृतियों को सामने रखने के लिए कहें तथा चर्चा करें उनकी ऊपरी–निचली सतह बताने को कहिए। चर्चा कीजिए कि किस बच्चे की बनाई गई आकृति बोर्ड–दरवाजे से दूर व पास है?
4. अपने किसी सह छात्र–छात्रों की स्थिति के आधार पर दूर–पास पर भी चर्चा की जा सकती है।
5. अंदर–बाहर, ऊपर–नीचे जैसे शब्दों का उपयोग बच्चों को अपने आस–पास के स्थान की स्थिति समझने में मदद करता है।

सप्ताह 02

अभ्यास गतिविधि 05
बाल्टी और गेंद की गतिविधि।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चों में कम–ज्यादा की समझ बनाना।

तैयारी : बच्चे इस गतिविधि को खड़े होकर करेंगे। बच्चों के चलने–फिरने के लिए पर्याप्त जगह हो।

संसाधन : दो बाल्टी और 20 या 20 से ज्यादा गेंद (गेंद – पुराने कागज या प्लास्टिक से बना लें)

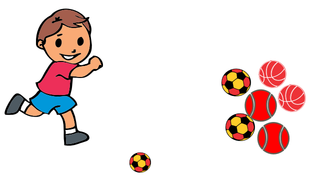

गतिविधि कराने के चरण

1. सारे बच्चों को एक जगह बैठने को कहें।
2. दो बाल्टी रखिये और उससे 2 फुट की दूरी पर कुछ गेंदें रखिये। दूरी ऐसी होनी चाहिए कि बच्चे जब गेंद बाल्टी में फेंकें तो वो बाल्टी के अन्दर आसानी से जा सके।
3. दो बच्चों को बोलिए कि वह गेंद के पास आकर खड़े हों।
4. बच्चों को दूर से गेंद फेंकना है और बाल्टी में गेंद डालने की कोशिश करना है।
5. इस खेल को कुछ देर होने दीजिये।
6. अब दूसरे बच्चों को बाल्टी के अन्दर देख कर बताने को बोलिए कि किस बाल्टी में कम गेंद हैं और किसमें ज्यादा।
7. इस प्रक्रिया को कई बार करिए ताकि हर बच्चे को मौका मिले।

सप्ताह 02

अभ्यास गतिविधि 06
कौन है ज्यादा, कौन है कम।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे एक चीज के साथ दूसरी चीज की जोड़ी बना पाएँ व तुलना कर पाएँ।

तैयारी : इस गतिविधि को बच्चे एक जगह घेरे में बैठकर कर सकते हैं।

संसाधन : इस गतिविधि को फूल और पत्ती से, पत्ती और कंकड़ से या फिर अलग–अलग तरह के पत्थर से कर सकते हैं।

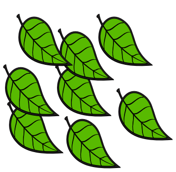

गतिविधि कराने के चरण

1. सभी बच्चों को एक गोले में बैठाइए।
2. दो ढेर बना दीजिये–एक फूल का और एक पत्ती का।
3. बच्चों से पूछिये कि कौन ज्यादा है? फूल या पत्ती।
4. उनसे बोलिए कि एक फूल व पत्ती की जोड़ी बनाइये। अंत में बतायें कि कौन सी चीज बच गई, जिसकी जोड़ी नहीं बनी।
5. ये काम दूसरे बच्चों को भी अलग–अलग संख्या के फूल और पत्ती से करने दीजिये।
6. फिर बच्चों को बोलिए कि जिसकी जो चीज बच गई और जोड़ी नहीं बनी वो चीज ज्यादा थी।
7. इस प्रक्रिया को कई बार करिए ताकि हर बच्चे को मौका मिले।

सप्ताह 03

अभ्यास गतिविधि 01
गेंद को बिना छुये चलाना (समस्या समाधान)।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे समस्या के समाधान पर सोचें और मिलकर समस्या को हल करें।

तैयारी : इस गतिविधि के लिए बच्चों को दो समूह में बाँट दीजिये, फर्श पर दो समांतर रेखाएँ खींच दीजिये।

संसाधन : एक कागज।

गतिविधि कराने के चरण

1. बच्चों को दो समूह में बाँट कर उन्हें बोलिए कि उन्हें एक पहेली/समस्या दी जा रही है, अपने–अपने समूह में योजना बनाकर उन्हें इसे हल करना है।
   शिक्षक फर्श पर दो समांतर रेखाएँ खींचेंगे। एक कागज की गेंद बनाकर रेखाओं के एक तरफ रख देंगे, बच्चों को गेंद इन रेखाओं के दूसरी तरफ ले जानी है। शर्त ये है कि बच्चे अपने हाथ, पैर या मुँह मतलब शरीर से गेंद को नहीं छूना है।
2. दोनों समूह को सोचने का समय दें। जो समूह पहले योजना बना ले उसे पहले अवसर दें। बारी –बारी से दोनों समूह को अवसर देना है।
3. बच्चे शरीर से गेंद को छूकर कोशिश कर रहे होंगे, शिक्षक उन्हें शर्त याद दिलायें।
4. जब बच्चे प्रयास कर रहे होंगे, गलतियाँ कर रहे होंगे तो सभी को बहुत मजे आएँगे।
5. बच्चों को सोचने के लिए प्रोत्साहित करना है। बच्चे हार मान लें इससे पहले शिक्षक उन्हें कुछ अच्छे सवालों से सोचने को प्रेरित करें जैसे–कोई वस्तु हिलाने के लिए क्या –क्या किया जा सकता है? आपने कपड़ों को हिलते हुए देखा है? इत्यादि।

सप्ताह 03

अभ्यास गतिविधि 02
याद से बताना।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को देखकर पहचान सकें और याद रख सकें।

तैयारी : इस गतिविधि को बच्चे एक जगह घेरे में बैठकर कर सकते हैं।

संसाधन : बच्चों के परिवेश की वस्तुएँ– पेंसिल, रबड़, गेंद, किताब, कपड़ा, बोतल इत्यादि।

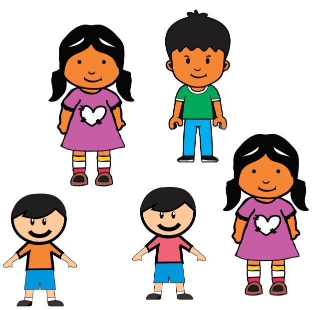

गतिविधि कराने के चरण

1. सभी बच्चों को एक गोले में बैठाइए।
2. शिक्षक गतिविधि को बच्चों को समझायें : आज मैं आपको कुछ वस्तुएँ दिखाऊँगा। फिर उन्हें थैले में रख दिया जाएगा। आपको याद करके वस्तुओं को बताना है।
3. गतिविधि के अगले चरण में जिस क्रम में वस्तुएँ दिखाई जाएंगी उसी क्रम में बच्चों को बताना है।
4. इस प्रक्रिया को अलग–अलग वस्तुओं के साथ दोहराएँ। बच्चे बड़े आनंद से इस गतिविधि को कर रहे होंगे।
5. आवश्यकता होने पर शिक्षक बच्चों को वस्तुओं के नाम तक पहुँचने में मदद करें।

सप्ताह 03

अभ्यास गतिविधि 03

लकड़ी के साथ गतिविधि।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे लकड़ी की संख्या गिनकर उसे छोटे से बड़े में सजा पाएँ।

तैयारी : इस गतिविधि को करने के लिए बच्चों को एक लाइन में खड़ा होना पड़ेगा। बच्चों को पहले से बोलें कि वो कुछ छोटी–छोटी लकड़ी लाएँ।

संसाधन : कुछ छोटे–छोटे लकड़ी के टुकड़े।

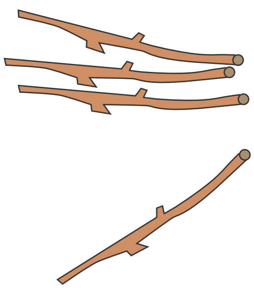

गतिविधि कराने के चरण

1. सभी बच्चों को एक जगह बैठने को कहें।
2. बच्चे जितने लकड़ी के टुकड़े लाये हैं, उसे एक जगह इकट्ठा कीजिये।
3. अब बच्चों को अलग–अलग संख्या के लकड़ी के टुकड़े दीजिये। किसी को 3 दीजिये तो किसी को 4। पर दो बच्चों को एक ही संख्या में लकड़ी न दीजिये।
4. अब बच्चों को बोलिए कि अपनी लकड़ी की संख्या के हिसाब से छोटे से बड़े एक लाइन में खड़े हो जाएँ। बच्चे लकड़ी के टुकड़े को बिना गिने एक–एक की संगति से कम ज्यादा का पता कर सकते हैं।
5. आप देखिये कि बच्चे ठीक लाइन से खड़े हुए हैं या नहीं।

सप्ताह 03

अभ्यास गतिविधि 04

रस्सी कूद।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे रस्सी कूद कर संख्या गिनें और कम–ज्यादा बता पाएँ।

तैयारी : इस गतिविधि को करने के लिए थोड़ी खुली जगह चाहिए कि बच्चे रस्सी कूद सकें।

संसाधन : (जंपिंग रोप) कूदने के लिए कोई भी रस्सी।

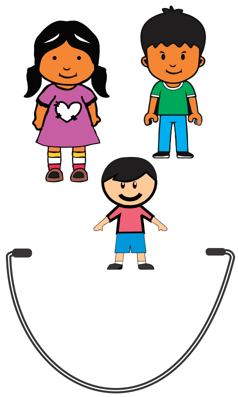

गतिविधि कराने के चरण

1. सभी बच्चों को एक जगह बैठने को कहें।
2. एक बच्ची को बुलाकर रस्सी कूदने को कहें। बाकी बच्चे गिनते रहेंगे कि कितने रस्सी कूदे। शिक्षक बच्चों को गिनने में मदद करेंगे। अंत में बच्चे रस्सी कूदने की कुल संख्या बताएँगे।
3. इस तरीके से अगला बच्चा भी आयेगा और रस्सी कूदेगा।
4. इस प्रक्रिया को कई बार करिए ताकि हर बच्चे को मौका मिले।

पूछें–

1. किसने सबसे ज्यादा रस्सी कूद की, किसने कम?

सप्ताह 03 अभ्यास गतिविधि 05

बिना देखे क्रम में लगाना।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे परिवेश की वस्तुओं को उनके आकार व वजन के आधार पर पहचान सकें।

तैयारी : बच्चे इस खेल को एक घेरे में बैठकर कर सकते हैं।

संसाधन : बच्चों के परिवेश की वस्तुएँ जैसे – पेंसिल, बॉक्स, किताब, खिलौना और रुमाल इत्यादि।

गतिविधि कराने के चरण

1. सभी बच्चों को एक घेरे में बैठने को कहें।
2. शिक्षक बच्चों से कुछ वस्तुओं को दिखाएँगे। जैसे– पेंसिल, किताब, बॉक्स, बैग, रंग इत्यादि।
3. बच्चों को आकार के आधार पर वस्तुओं को क्रम में लगाना है, फिर वजन के आधार पर वस्तुओं को क्रम में लगाना है।
4. अब शिक्षक एक बच्चे की आँखें एक कपड़े या रुमाल की सहायता से बाँध देंगे। अब बच्चे को वस्तुएँ दी जाएँगी। बच्चे को आकार या वजन के आधार पर उन वस्तुओं को क्रम में लगाना है। शिक्षक निर्देश देंगे कि आकार के आधार पर क्रम में लगाना है या वजन के आधार पर।
5. शिक्षक वस्तुओं की संख्या व वस्तुओं को अपने अनुसार बदल कर गतिविधि करें।
6. इस प्रक्रिया को कई बार दोहराइए ताकि हर बच्चे को मौका मिले।

सप्ताह 03 अभ्यास गतिविधि 06

मिट्टी से कुछ बनाने का गतिविधि।

40 मिनट

उद्देश्य : मिट्टी से अलग–अलग आकार की चीजें बना सकें और उसमें तुलना कर पाएँ कि कौन भारी है कौन हल्का, कौन मोटा है कौन पतला।

तैयारी : बच्चे इस खेल को एक घेरे में बैठकर कर सकते हैं।

संसाधन : मिट्टी।

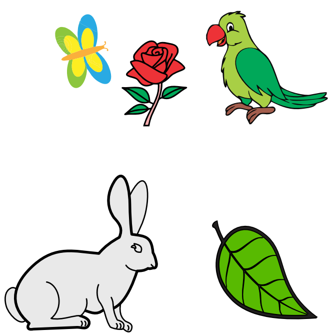

गतिविधि कराने के चरण

1. बच्चों को एक घेरे में बैठा दीजिये।
2. मिट्टी से कुछ बनाने दीजिये। फूल, पत्ती, जानवर, पंछी, खिलौने कुछ भी बना सकते हैं।
3. बच्चों को बोलिए कि जब अपना आकार बन जाए तो वो अपने दोस्तों ने जो बनाया उससे तुलना करके देखें कि कौन मोटा है कौन पतला।
4. अपने हाथ में अलग–अलग आकार लेकर देखें कि कौन भारी है कौन हल्का।
5. आप ध्यान दीजिये कि बच्चे सही तरीके से इस काम को कर पाए।

सप्ताह 04

अभ्यास गतिविधि 01
रंगों के पैटर्न बनाना।

40 मिनट

उद्देश्य : अलग–अलग प्रकार के रंगों एवं संख्याओं के पैटर्न पहचानना, बढ़ाना और निर्माण करना।

तैयारी : सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को दो–दो बच्चों के समूह में विभाजित कीजिए।

संसाधन : संख्या कार्ड गणित किट से।

गतिविधि कराने के चरण –

1. इस गतिविधि की शुरुआत शिक्षक एक रंग पैटर्न बनाकर (जैसे अलग–अलग रंगीन संख्या कार्ड का उपयोग करके) कर सकते हैं तथा इस पैटर्न को सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को दिखाएँ।
2. बच्चों को इस पैटर्न को आगे बढ़ाने के लिए कहें।
3. जब बच्चे पैटर्न को पहचान कर इसे आगे बढ़ाने में सहज महसूस करने लगें तो उन्हें इस गतिविधि को समूहों (Pairs) में करने के लिए कहें।
4. एक बच्चे को पैटर्न बनाने दीजिए तथा दूसरा बच्चा इस पैटर्न की पहचान करके इसे आगे बढ़ाएगा।
5. क्रमिक रूप से बच्चों को दो से अधिक रंगों का उपयोग करके और अधिक कठिन तथा रुचिकर पैटर्न बनाने के लिए कहिए।

सप्ताह 04

अभ्यास गतिविधि 02
सर,कमर और पैर।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे देखने, सुनने व समझने के समन्वय के खेल के माध्यम से समझ सकें।

तैयारी : सभी बच्चे घेरे में एक साथ खड़े होकर इस गतिविधि को करेंगे।

संसाधन : बच्चे और शिक्षक।

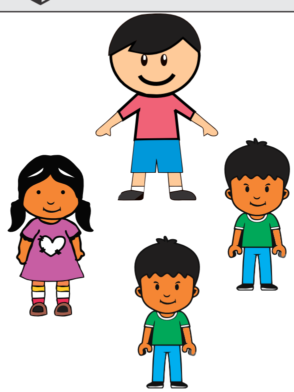

गतिविधि कराने के चरण

1. शिक्षक बच्चों के साथ एक घेरे में खड़े हो जाएँ।
2. बच्चों को खेल के नियम समझाएँ। शिक्षक अपने हाथों को कमर पर रखेंगे और कमर बोलेंगे– सभी बच्चों को भी ऐसा ही करना है, फिर शिक्षक सर पर हाथ रखकर सर और पैर को छूकर पैर बोलेंगे, सभी बच्चे इसे दोहराएँगे।
3. अब शिक्षक नए खेल के नियम जोड़ेंगे। अब मैं जो बोलूँगा उसे आपको करना है, जो मैं कर रहा हूँ उसके अनुसार नहीं। उदाहरण के लिए शिक्षक सर पर हाथ रखेंगे और पैर बोलेंगे, बच्चों को पैर को छूना है जो बच्चे सर को छुएंगे वो घेरे के बाहर आ जाएँगे।
4. इस प्रकार खेल आगे बढ़ता जाएगा, बच्चे इस खेल को बड़े मजे के साथ खेलेंगे।

सप्ताह 04

अभ्यास गतिविधि 03
बताओ तो मैं कौन हूँ?

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचान सकें और उनके बारें में बात कर सकें।

तैयारी : सभी बच्चे घेरे में बैठकर इस गतिविधि को करेंगे।

संसाधन : बच्चों के परिवेश की वस्तुएँ – गणित किट, पेंसिल, किताब इत्यादि।

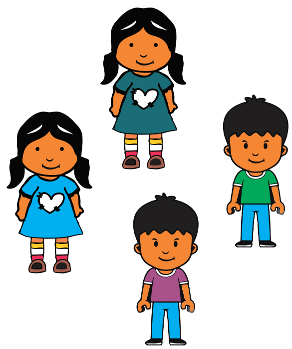

गतिविधि कराने के चरण

1. सभी बच्चे शिक्षक के साथ एक घेरे में बैठ जाएँगे।
2. शिक्षक बच्चों के परिवेश से जुड़ी वस्तुएं बच्चों के सामने रखेंगे।
3. एक बच्चा किसी भी वस्तु को अपने मन में चुनेगा और शिक्षक को कान में धीरे से बताएगा।
4. बाकी बच्चों को पहले वाले बच्चे ने मन में कौन सी वस्तु चुनी, उसे बताना होगा। इसके लिए वो बच्चे से कुछ सवाल करेंगे, जिसका जबाब पहले वाले बच्चे को हाँ या न में देना है। उदाहरण के लिए – बच्चे सवाल करेंगे जैसे– क्या वो वस्तु लाल रंग की है? क्या वो वस्तु गोल है? इत्यादि।
5. बच्चे कुछ सवालों के बाद अनुमान लगाएँगे कि बच्चे ने क्या वस्तु मन में सोची, सही ना बता पाने पर और सवाल करेंगे, शिक्षक सवाल पूछने में बच्चों की मदद करेंगे।
6. सभी बच्चों की बारी आने तक खेल जारी रखेंगे।
7. शिक्षक को मन में बताई गई वस्तु इसलिए बतानी है ताकि बच्चा अपने मन की वस्तु को बदले ना और शिक्षक बच्चों की सवाल पूछने और जबाब देने में मदद कर सकें।

सप्ताह 04

अभ्यास गतिविधि 04
जो अलग है उसे पहचानो।

40 मिनट

उद्देश्य : (1) बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचान सकें।
(2) बच्चे विभिन्न वस्तुओं के गुण–धर्मों के आधार पर उनकी विशेषताएँ पहचान सकें।

तैयारी : सम्पूर्ण बच्चों को घेरे में बैठाकर ये गतिविधि कराएँ।

संसाधन : कागज की गेंद, खेल कराने के लिए वस्तुओं की सूची।

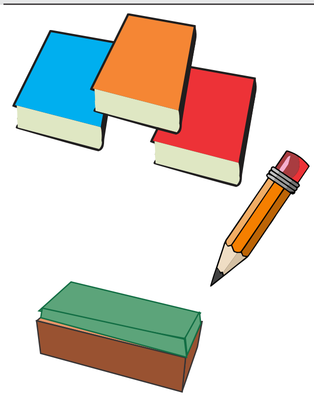

गतिविधि कराने के चरण

1. शिक्षक बच्चों के साथ घेरें में बैठ जायें।
2. कागज की गेंद को बच्चे एक–दूसरे को पास करते रहेंगे, शिक्षक एक बच्चे को ताली बजाने के लिए कहेंगे, जब बच्चा ताली बजाना बंद कर दें, उस समय जिस बच्चे के पास गेंद होगी वह बच्चा जबाब देगा।
3. शिक्षक पहले से बनाई सूची से 4 वस्तुओं के नाम बोलेंगे, बच्चे को जो अलग है उसे पहचान कर बोलना है। उदाहरण के लिए शिक्षक बोलेंगे – पेंसिल, किताब, डस्टर, साबुन। बच्चा जबाब देगा कि साबुन अलग है।
4. बच्चों को बताने के लिए प्रेरित करें कि वो अपने जबाब के पीछे का कारण भी बताएँ जैसे उपर्युक्त उदाहरण में साबुन हाथ धोने या नहाने के काम आता है बाकी वस्तुएँ पढ़ने के काम आती हैं।
6. सूची के लिए उदाहरण – केला, आम, संतरा, भिंडी, अंडा, पराठा, रोटी, पूड़ी, हाथी, शेर, कुत्ता, मछली, तकिया, चद्दर, रजाई, आलू इत्यादि।

सप्ताह 04

अभ्यास गतिविधि 05
मेरे जैसा बताओ।

40 मिनट

उद्देश्य : बच्चे एक जैसे आकारों वाली वस्तुओं को पहचान सकें।

तैयारी : बच्चे इस खेल को एक घेरे में बैठकर कर सकते हैं।

संसाधन : बच्चों के परिवेश की वस्तुएँ जैसे– पेंसिल, बॉक्स, किताब, रंग इत्यादि।

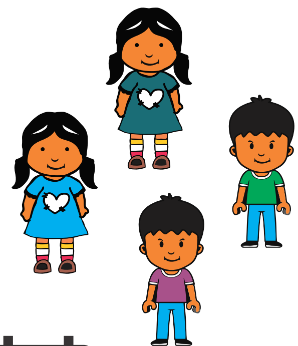

गतिविधि कराने के चरण

1. शिक्षक सभी बच्चों के साथ घेरा बनाकर बैठ जाएँ।
2. सभी बच्चों को बारी–बारी शिक्षक वस्तुएँ देंगे, बाकी बच्चे बोलेंगे–" मेरे जैसा बताओ"
3. बच्चे को जो वस्तु दी गई है उसी के आकार की वस्तु का नाम बताना है उदाहरण के लिए बच्चे को किताब दी गई, बाकी बच्चे बोलेंगे – मेरा जैसा बताओ, बच्चा जबाब देगा – श्यामपट्ट।
4. सभी बच्चों के बारी आने तक खेल चलता रहेगा।
5. बच्चों से वस्तुओं की विशेषताओं पर भी चर्चा करें। जैसे– कोने, वक्र आदि।

सप्ताह 04

अभ्यास गतिविधि 06
गणित की रस्सा कसी।

40 मिनट

उद्देश्य– एक–एक की संगति की समझ बना सकें।

तैयारी – गत्ता, पासा, गोटी।

संसाधन – पासा, गत्ता बोर्ड।

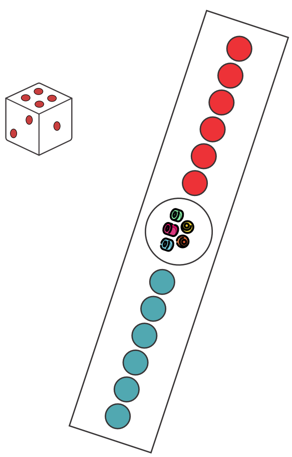

गतिविधि कराने के चरण

1. शिक्षक फर्श पर या किसी गत्ते पर खेल को बनाएँगे।
2. खेल के आरंभ में एक गोटी बीच में काले वाले गोले पर रखी जाएगी।
3. एक बार में दो बच्चे इस खेल को खेल रहे होंगे, बाकी बच्चे दर्शक रहेंगे, थोड़ी–थोड़ी देर में बच्चों को बदल दिया जाएगा, जिससे सभी बच्चों का क्रम आ जाये।
4. पहला बच्चा (दायीं ओर वाला) लूडो का पासा फेंकेगा,जितने बिंदु आएँगे बीच में रखी गोटी को अपनी ओर बढ़ाएगा, फिर दूसरे बच्चे की (बाईं ओर वाले) बारी आएगी, वो पासा फेकेंगा और जितने बिंदु आएंगे वह बच्चा गोटी को अपनी ओर बढ़ाएगा।
5. जिस तरफ गोटी बोर्ड से बाहर हो जाएगी, वो खिलाड़ी जीत जाएगा।
6. बच्चे बारी–बारी से खेल को खेलेंगे और खेल का भरपूर आनंद लेंगे।
7. शिक्षक बच्चों का ध्यान इस ओर आकर्षित करेगा कि पासे पर जितने बिन्दु आते हैं उतनी गिनती बोलते हुए गोटी को बढ़ाना होता है, गिनती बोलने और गोटी को बढ़ाने में एक–एक की संगति होना आवश्यक है।

सप्ताह 5—10

प्रति सप्ताह के लिए शिक्षक संदर्शिका में संसाधन

3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	वार्षिक ट्रैकर	सावधिक ट्रैकर

प्रति सप्ताह के लिए कार्यपुस्तिका के पत्रक

3 अभ्यास पत्रक	1 मैंने सीख लिया	1 साप्ताहिक अभ्यास	1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति	1 गृह कार्य

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
अनुदेशात्मक कार्य (सप्ताह 1—4)	3 शिक्षण योजना	3 1,2,3 अभ्यास पत्रक	3 अभ्यास गतिविधि
समेकन और आकलन (दिन 5)	1 समेकन	रिक्त कालांश	1 मैंने सीख लिया
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति (दिन 6)	1+1 रेमीडीयल और साप्ताहिक अभ्यास	रिक्त कालांश	1+1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति और गृह कार्य

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

कम-ज्यादा की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट, कंकड़, पत्ते, ब्लॉक्स आदि।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द: कम–ज्यादा।

सामान्य भूल: बच्चे ज्यादा जगह घेरने वाली वस्तु को ज्यादा बताते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

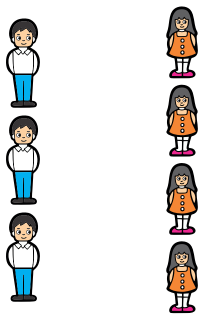

- शिक्षक कक्षा में सभी छात्र–छात्राओं को खड़े होने को कहेगा तथा निम्न कार्य कराएगा।
- सभी बालक तथा सभी बालिकाएं अलग–अलग पंक्ति में, एक बालक के सम्मुख एक बालिका के क्रम में खड़े होंगे।

पूछें : क्या सभी बालक के सामने बालिका खड़ी हो सकीं?

- प्रक्रिया को एक उदाहरण से दोहराएं–मेज पर कुछ कंकड़ व कुछ पत्तों के ढेर रखते हुए।
- प्रत्येक कंकड़ को अलग–अलग पत्ते के ऊपर बच्चों से रखने को कहें।

पूछें : क्या सभी पत्तों पर कंकड़ रखे जा सके?

- पत्तों और कंकड़ों में कौन ज्यादा तथा कौन कम है?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

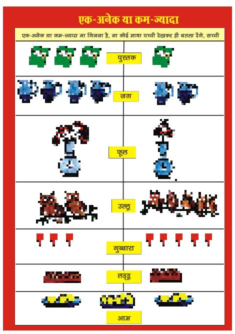

- बच्चों को दो–दो के समूह में बाँटें और उन्हें कुछ फूल और पत्ते के चित्र कार्ड दें।
- बच्चों को प्रत्येक फूल को पत्ते से मिलाने को कहें।

पूछें: क्या सभी फूल, पत्ते से मिलाए जा सके?

- **समझाएँ**– जब हम एक वस्तु को दूसरी वस्तु के साथ मिलान करके देखते हैं तब हमें ये समझने में आसानी होती है कि कौन सी वस्तु ज्यादा है और कौन सी कम।

शिक्षक के लिए बिंदु : नए शब्द "कम और ज्यादा" को दोहराएँ।

- अब शिक्षक कक्षा में लगे "कम–ज्यादा" चार्ट से चर्चा प्रारंभ करें।

पूछें: किस तरफ़ पुस्तक की संख्या ज्यादा है? उस पर अँगुली रख सकते हो?

- शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

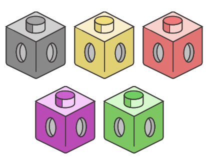

- एक ही रंग के 5 ब्लॉक एक हाथ में और दूसरे हाथ में 3 ब्लॉक रखें।
- इसके ऊपर कम ज्यादा के सवाल बच्चों से पूछें।

तुमने कैसे पता किया कि किस हाथ में ज्यादा ब्लॉक हैं?

क्या तुम्हारे दोस्त ने जो जवाब दिया वह सही है?

ऐसी कोई एक चीज़ बताओ जो आज तुमने कक्षा में सीखी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|1 कराएँ–पृष्ठ 38

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|1 कराएँ–पृष्ठ 53

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 2

दूर-पास की समझ बना सकें।

40 मिनट

संसाधन : चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : दूर–पास।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ को समझे, दूर–पास का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

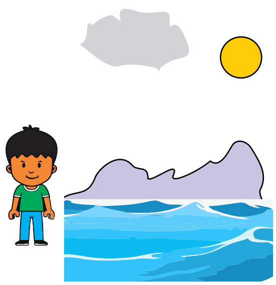

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करेंगे।

दूर गगन में सूरज है,
पास में नदी बहती है,
बादल दूर गरजता है,
पास में धारा बहती है,
झट बतला दो बच्चों प्यारे,
कौन सा पर्वत पास तुम्हारे?
ये दूर हैं, वो हैं पास,
अपने आस–पास की वस्तुओं को ऐसे ही पुकारें।

पूछें : सूरज और नदी में कौन हमारे पास हैं?
बादल और धारा में कौन हमारे से दूर है?

- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

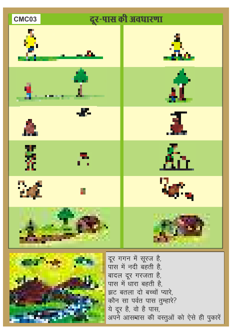

- शिक्षक दो बच्चों को बुलाकर एक बच्चे को अपने थोड़ा पास और एक बच्चे को अपने से थोड़ी दूर खड़े होने को कहें।

पूछें : कौन मेरे पास खड़ा है?
कौन मेरे से दूर खड़ा है?

- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।
- प्रक्रिया को और कुछ बच्चों को सामने बुलाकर दोहराएं।

अब शिक्षक "दूर–पास" के चार्ट पर चर्चा प्रारंभ करें।

पूछें: जिस चित्र में बच्चा गेंद के पास है, क्या आप उस पर अँगुली रख सकते हो? शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

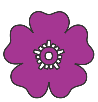

- श्यामपट्ट पर एक गेंद, एक पत्ता और एक फूल का चित्र बनायें। पत्ते को गेंद के थोड़ा पास और फूल को गेंद से थोड़ी दूरी पर बनायें।

गेंद किसके पास है?

कौन बॉल से दूर है?

ऐसी कोई एक चीज बताओ जो आज तुमने कक्षा में सीखी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|2 कराएँ–पृष्ठ 39

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|2 कराएँ–पृष्ठ 53

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।

संसाधन : गेंद और अन्य परिवेश की सामग्री।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : छोटा और बड़ा।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के छोटा–बड़ा का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

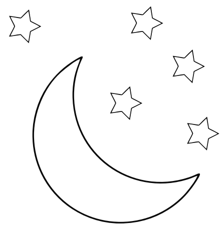

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करेंगे।
  रात में टिम–टिम करते तारे।
  लगते हमको कितने प्यारे।
  चंदा मामा बड़े निराले।
  घटते–बढ़ते रहने वाले।
- **पूछें** : रात में आपने आसमान में क्या–क्या देखा है?
- तारों की तुलना में चाँद का आकार कैसा है?
- क्या चाँद हर रात एक समान दिखता है?
- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

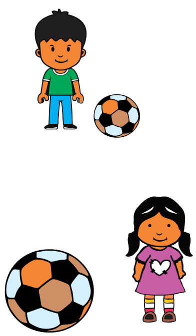

- मेज पर दो असमान आकार की गेंद रखें और बच्चों को बुलाकर एक को छोटी तथा दूसरे को बड़ी गेंद उठाने को कहें।
- **पूछें** : छोटी गेंद किसने उठाई है? बड़ी गेंद किसने उठाई है? तुमने कैसे जाना कि कौन सी गेंद छोटी है या बड़ी?
- इस प्रक्रिया को और भी बच्चों को बुलाकर दोहराएं।
- **समझाएँ**– अपने आस–पास की वस्तुओं में छोटा–बड़ा पता करना होगा तो उन्हें गौर से देखना चाहिए।
- बच्चों को दो–दो के समूह में बाँटकर बोलिए कॉपी में अपने पसंद का कुछ चित्र बनायें और अपने साथी को दिखाएँ।
- **पूछें** : दोनों चित्र में कौन सा बड़ा है और कौन सा छोटा है?
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : जिस समूह के बच्चों को छोटा–बड़ा समझने में दिक्कत हो, उनकी मदद करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

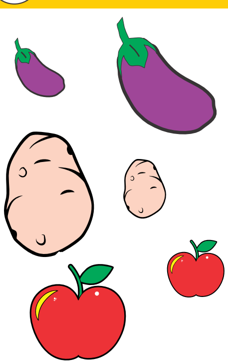

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ फल, सब्जी और फूल के दो–दो, छोटे–बड़े चित्र बनायें।
- कौन सी सब्जी बड़ी है?
- कौन सा फल छोटा है?
- ऐसा कोई एक चीज बताओ जो आज तुमने कक्षा में सीखी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|3 कराएँ–पृष्ठ 40

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|3 कराएँ–पृष्ठ 53

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

कम-ज्यादा की समझ बना सकें।

संसाधन

कम–ज्यादा के लिए चार्ट, कंकड़ एवं अनाज के दाने।

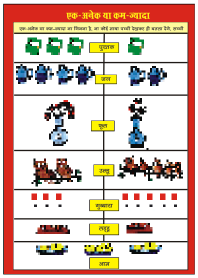

- कक्षा के बच्चों को दो–दो के समूह में बाटें। प्रत्येक समूह में दो ढेरी दीजिये एक कंकड़ की और एक अनाज की।
- बच्चों से पूछें–किस ढेरी में सामग्री कम है? किस ढेरी में सामग्री ज्यादा है?
- कंकड़ और अनाज की मात्रा बदल–बदल कर ये प्रक्रिया बार–बार करवाएँ।
- बच्चों से अपने जवाब का कारण बताने के लिए कहें।
- बच्चे एक–एक की संगति की सहायता से कम–ज्यादा बता सकते हैं।
- इसके बाद कम–ज्यादा के चार्ट की सहायता से कम–ज्यादा पर बच्चों के साथ बात करें।
- बच्चों से उनके जबाब का आधार जरूर पूछें और आधार बताने में सहायता करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- चार्ट के किस गुलदस्ते में ज्यादा फूल हैं?
- चार्ट में किस तरफ कम गुब्बारे लगे हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

दूर-पास की समझ बना सकें।

संसाधन

दूर–पास के लिए चार्ट।

- चार्ट में दी गई वस्तुओं को परिवेश से जोड़ते हुए बच्चों के साथ संवाद करें। पूछें– किस चित्र में लड़का पेड़ के पास है? किस चित्र में लड़का पेड़ से दूर है? किस चित्र में बंदर आम के पास है? किस चित्र आम बंदर से दूर है? शिक्षक सभी बच्चों को जबाब देने अवसर दें।
- बच्चे भी परिवेश की वस्तुओं व चार्ट की सहायता से प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे से पूछें।
- शिक्षक बच्चों को अपने जबाब का कारण बताने के लिए भी प्रेरित करें।
- शिक्षक बच्चों से घर से उनके स्कूल की दूरी पर भी चर्चा करें।
- इस अवलोकन पर ध्यान दिलाएँ कि दूर की वस्तुएँ छोटी दिखाई देती हैं जबकि वास्तव में वह वस्तु बड़ी होती है।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- चार्ट में कौन सा पंछी घड़े के पास है?
- चार्ट में कौन सी बच्ची सेब से दूर है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।

संसाधन

फुटबॉल, क्रिकेट गेंद, कंचा, मटर के दाने।

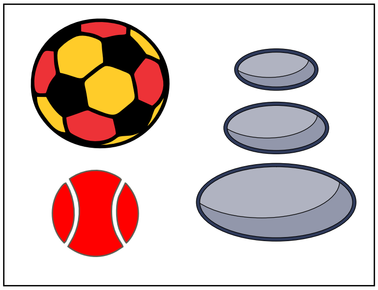

- कक्षा के बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँट दें। हर समूह को फुटबॉल, क्रिकेट गेंद, कंचा, मटर के दाने दें।
- शिक्षक बारी–बारी से सभी समूहों से पूछें–कौन–सी गेंद सबसे बड़ी है? सबसे छोटी गोल वस्तु क्या है? सभी समूह में बच्चे चर्चा करें कि कौन सी चीज छोटी है और कौन सी चीज बड़ी है।
- उसके बाद शिक्षक फुटबॉल दिखाकर पूछें–कक्षा में कौन–सी चीज फुटबॉल से बड़ी है और कौन–सी चीज उससे छोटी है।
- शिक्षक कक्षा कक्ष में उपलब्ध वस्तुओं के साथ भी छोटी–बड़ी वस्तुओं की पहचान कराएँ। शिक्षक कक्षा में से कोई भी दो चीजों को उठाकर पूछें–इनमें से कौन सी चीज छोटी है और कौन सी चीज बड़ी है?
- बच्चों से उनके जबाब का आधार जरूर पूछें और आधार बताने में सहायता करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या तुम एक छोटे और बड़े फूल का चित्र बना सकते हो?

सप्ताह 05

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- कम-ज्यादा की समझ बना सकें।
- दूर-पास की समझ बना सकें।
- छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।

संसाधन : बाल्टी और गेंद, ब्लॉक्स, लकड़ी के टुकड़े।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

- **समझाएँ** : सारे बच्चों को एक जगह बैठने को कहें।
- दो बाल्टी रखिये और उससे 2 फिट में कुछ गेंदें रखिये। दूरी ऐसी होनी चाहिए कि बच्चे जब गेंद बाल्टी में फेंकें तो वह बाल्टी के अन्दर आसानी से जा सके।
- दो बच्चों को बोलिए गेंद के पास आकर खड़े हों।
- बच्चों को दूर से गेंद फेंकना है और बाल्टी में गेंद डालने की कोशिश करना है। इस खेल को कुछ देर होने दीजिये।
- अब दूसरे बच्चों को बाल्टी के अन्दर देख कर बताने को बोलिए कि किस बाल्टी में कम गेंद हैं और किसमें ज्यादा।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

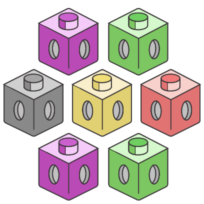

- बच्चों को किसी भी तरीके से ब्लॉक्स को व्यवस्थित करने को कहिए।
- बच्चों को गोलाकार में बैठने के लिए कहिए तथा बारी–बारी बनाई गई आकृति का ऊपरी व निचला हिस्सा बताने को कहिए। किसी दूसरे समूह के बच्चों को उनके द्वारा ब्लॉक्स के द्वारा बनाई गई आकृतियों को सामने रखने को कहिए तथा चर्चा कीजिए कि किस बच्चे की बनाई गई आकृति बोर्ड/दरवाजे से दूर व पास है?
- कक्षा का स्थानीय शब्दों का अंदर–बाहर, ऊपर–नीचे जैसे शब्दों का विकास करने में एक स्रोत के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह बच्चों को अपने आस–पास के स्थान की स्थिति समझने में मदद करता है।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

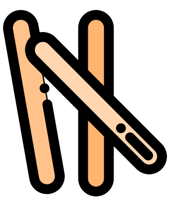

- कुछ छोटे–छोटे लकड़ी के टुकड़े व इस गतिविधि को करने के लिए बच्चों को एक लाइन में खड़ा होना पड़ेगा। बच्चों को पहले से बोलें कि वो कुछ छोटी–छोटी लकड़ी लायें।
- सभी बच्चों को एक जगह बैठने को कहें।
- बच्चे जितने लकड़ी के टुकड़े लाये हैं उसे एक जगह इकट्ठा कीजिये। अब बच्चों को अलग–अलग संख्या के लकड़ी के टुकड़े दीजिये। किसी को 3 दीजिये तो किसी को 4। पर दो बच्चों को एक ही संख्या में लकड़ी न दीजिये।
- बच्चे को बोलिए अपने–अपने टुकड़े को गिनकर उसकी संख्या बतायें।
- अब बच्चों को बोलिए अपनी लकड़ी की संख्या के हिसाब से छोटे से बड़े एक लाइन में खड़े हो जाएँ।
- आप देखिये कि बच्चे ठीक लाइन से खड़े हुए हैं या नहीं।

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- कम-ज्यादा की समझ बना सकें।
- दूर-पास की समझ बना सकें।
- छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट।
- एक–अनेक या कम–ज्यादा।
- दूर–पास की अवधारणा।
- सबसे लम्बा–ऊँचा कौन है।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

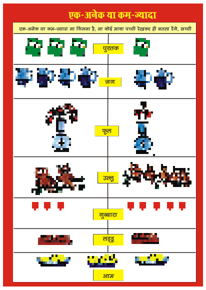

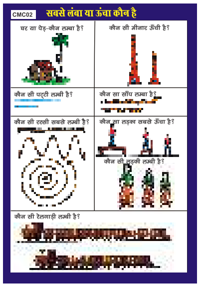

- कक्षा के बच्चों को तीनों समूहों में बैठाएं।
- तीनों समूहों को चार्ट देकर आपस में खास बातों को पता करने को कहें।
- **समझाएँ**: एक–अनेक या कम–ज्यादा के चार्ट में कम और ज्यादा पर चर्चा करें।
- बच्चों को भी अपनी बात कहने के लिए पर्याप्त समय दें।
- बच्चों से अधिक वस्तुओं पर अंगुली रखने अथवा गोला खींचने के लिए कहें।
- दूर–पास की अवधारणा पर भी इसी प्रकार काम करें। सबसे लम्बा या ऊंचा कौन है, चार्ट पर भी इसी प्रकार करें।
- अब बच्चों को अपने–अपने समूह में चार्ट पर कम–ज्यादा, दूर–पास, छोटा–बड़ा छाँटने को कहें।
- हर समूह में जाकर देखें कि बच्चे सही से कर रहे हैं या नहीं, बच्चों को उपयुक्त समय दें कार्य पूर्ण करने के लिए।

पूछें :
- कक्षा में लड़कों की संख्या ज्यादा है या लड़कियों की?
- कक्षा में सबसे लम्बा कौन है?
- श्यामपट्ट के सबसे पास कौन है और कौन सबसे दूर?
- एक बच्चे को बेंच पर खड़ा करें और दूसरे को उसके पास फर्श पर, अब चर्चा करें कि कैसे तय करेंगे कि कौन लम्बा है?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

- कक्षा के बच्चों को चार समूहों में बांटे। पहले समूह में 1 बच्चा, दूसरे समूह में 2 बच्चे, तीसरे में तीन और शेष बच्चे चौथे समूह में खड़ा करें। उन्हें कक्षा में अलग–अलग स्थान पर खड़ा करें।
- **समझाएँ**: सबसे ज्यादा बच्चों वाला समूह बड़ा है और एक बच्चे वाला समूह छोटा अथवा कम है। इसी प्रकार उनकी दूरी को भी स्पष्ट करें।
- श्यामपट्ट के पास कौन सा समूह खड़ा है? समूह चार में सबसे लम्बा कौन है?
- बच्चों को आपस में पास और दूर खड़ा होकर अवधारणा स्पष्ट करने का अवसर दें।
- मूर्त वस्तुओं (कंकड़, मोती, सिक्कों) के साथ चर्चा करते हुए भी बच्चों से एक–अनेक, कम–ज्यादा, दूर–पास, छोटा–बड़ा पर प्रश्न करके जानें कि बच्चों को यह अवधारणा स्पष्ट है या नहीं।

पूछें :
- क्या आप कम या ज्यादा बताने के कारण बता सकते हैं?
- कंकड़ के दो समूह को दिखाकर – इनमें से किस समूह में अधिक कंकड़ हैं?
- दरवाजे के पास कौन है?
  बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा करें।
- बच्चों के नाम के साथ सवाल करें जैसे– रिंकी के पास कौन है? कौन बच्चा नीरज से सबसे दूर है?

सप्ताह 06

शिक्षण योजना 1

आगे-पीछे की समझ बना सकें।

40 मिनट

संसाधन : श्यामपट्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : आगे और पीछे।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के आगे–पीछे का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक बच्चों की रेलगाड़ी बनाएँगे, जिसमें शिक्षक इंजन बनेंगे तथा उक्त कविता को लय पूर्वक गाएंगे।
  ट्रेन चली भाई ट्रेन चली।
  छुक–छुक करती ट्रेन चली।।
  आगे इंजन, पीछे डब्बे।
  सवारियाँ बैठी हैं नब्बे।।

पूछें : ट्रेन में सबसे आगे कौन था? शिक्षक के पीछे–पीछे कौन चल रहा था?

- वास्तव में किन–किन बच्चों ने ट्रेन देखी है? ट्रेन में गार्ड का डिब्बा कहाँ होता है?
- बच्चों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

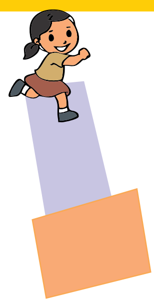

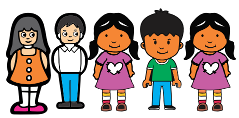

- सीधी रेखा में खड़े हो जायेंगे। मैं जब आगे कहूँगा तब आगे की ओर कूदेंगे तथा पीछे कहने पर पीछे की ओर कूदेंगे। जो ऐसा नहीं करेगा वह खेल से बाहर होता जायेगा।

पूछें : कुछ बच्चे खेल से बाहर क्यों हुए?

- अब पाँच बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा करेंगे।

पूछें: सबसे आगे वाले बच्चे का नाम बताओ? सबसे पीछे वाले बच्चे का नाम बताओ। सबसे आगे वाले बच्चे के तुरंत (ठीक) पीछे कौन है? सबसे पीछे वाले बच्चे के तुरंत (ठीक) आगे कौन है?

- इस गतिविधि को और बच्चों के साथ दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिन्दु: आगे–पीछे कहने से पहले अपने लिए एक दिशा निर्धारित करते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कोई भी एक चित्र बनाएं। फिर उसके आगे और पीछे अलग–अलग दो चित्र बनायें।

बस के आगे कौन सा चित्र है?

बस किस के आगे बना हुआ है ?

क्या आप श्यामपट्ट पर बने चित्र को ऐसे बदल सकते हैं जिससे बस के पीछे वाला चित्र बस के आगे आ जाए?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|1 कराएँ–पृष्ठ 45

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|1 कराएँ–पृष्ठ 59

सप्ताह 06

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

ऊपर-नीचे की समझ बना सकें।

संसाधन : डस्टर, किताब, चॉक, चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : ऊपर और नीचे।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के ऊपर–नीचे का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

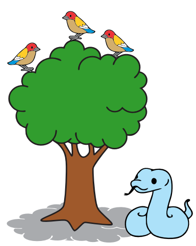

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इन पंक्तियों से करें।
  पेड़ के ऊपर पक्षी बैठे, नीचे आया साँप।
  पक्षी सारे ऊपर उड़ गये, नीचे रह गया सांप।।
  पंक्तियों को बार–बार दोहराएँ।

पूछें : पेड़ के ऊपर क्या–क्या है? पेड़ के नीचे कौन आ गया? पेड़ पर बैठे पक्षी कहाँ उड़ गये ? पक्षी नहीं उड़ते तो साँप क्या करता? तुम पेड़ पर होते तो क्या करते?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक कुछ सामान जैसे– डस्टर, चॉक, किताब आदि रखें।
- **समझाएँ**– एक–एक बच्चे को बुलाकर कुछ निर्देश दिया जायेगा। जैसे "डस्टर को मेज के निचे रखो"। तो आपको डस्टर मेज के नीचे रखना होगा। (इसे बोलते हुए शिक्षक काम को करके भी दिखायें)।
- अब बच्चों को एक–एक करके बुलाकर गतिविधि कराएं।

पूछें : क्या आप चॉक को मेज के नीचे रख सकते हैं? एक किताब और चॉक को ऐसे पकड़ो कि चॉक किताब के नीचे रहे। डस्टर को अपने सिर के ऊपर रखो।

- इसके बाद शिक्षक गणित के "ऊपर–नीचे" चार्ट से एक गतिविधि कराएँगे।

पूछें : एरोप्लेन ऊपर है या पंछी? पुल के ऊपर कौन है?

- शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक कुर्सी का चित्र बनायें। उसके ऊपर बैठी कोई एक बच्ची और नीचे एक बिल्ली का चित्र बनायें।

? कुर्सी के ऊपर कौन है?

? क्या बिल्ली कुर्सी के नीचे बैठी है? अगर हाँ, तो क्यों बैठी है?

? आप बताओ आपने किस–किस को कुर्सी पर बैठते देखा है? और किस–किस को कुर्सी के नीचे बैठते देखा है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|2 कराएँ–पृष्ठ 46

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|2 कराएँ–पृष्ठ 59

सप्ताह 06

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

हल्का-भारी की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट, परिवेश की वस्तुएँ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : हल्का और भारी।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के हल्का–भारी का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

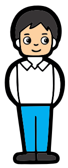

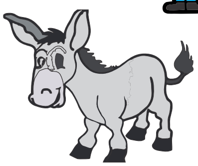

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस छोटी सी कहानी से करें।
- एक व्यापारी के पास एक गधा था। वह नमक लादकर बेचता था। एक दिन नदी पार करते हुए गधा पानी में बैठ गया। व्यापारी ने लाख उठाया पर वह न उठा। थोड़ी देर बाद जब गधा उठा तो उसे भार कम लगा। अब तो व्यापारी जब भी उस रास्ते से गुजरता तो गधा बैठ जाता। उसे अब मजा आने लगा था। एक दिन व्यापारी ने नमक के स्थान पर रूई का बोरा लादकर जा रहा था। गधा फिर नदी में बैठ गया। जब वह उठा तो उससे चला नहीं जा रहा था। सोचो क्यों?

पूछें: एक बोरा रूई व एक बोरा नमक में क्या भारी है?
गधे को चलने में क्यों कष्ट हो रहा था?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

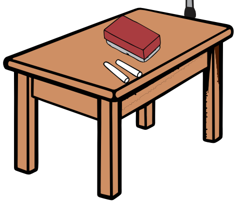

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत परिवेश से जुड़े किसी संदर्भ में कुछ संवाद से करेंगे।
- **समझाएँ**: मैं ही कुछ चीजों का नाम लूँगी/लूँगा। आपको बताना है कि आपको वह हल्का लगता है या भारी।

पूछें : कुर्सी व मेज में कौन हल्का और कौन भारी है? डस्टर व चॉक में कौन हल्का और कौन भारी है?

- चम्मच और थाली में कौन हल्का और कौन भारी है? आधी ईंट और एक पूरी ईंट में कौन हल्की और कौन भारी होती है?

शिक्षक के लिए बिंदु : बच्चों के जवाब अलग–अलग हो सकते हैं। यदि बच्चे अपनी बात का कारण बता रहे हैं तो उसे स्वीकार करें।

अब शिक्षक चार्ट की सहायता से बच्चों के साथ संवाद प्रारंभ करें।

पूछें : पंख और ईंट में कौन भारी है। क्या आप उस पर अंगुली रख सकते हैं?
शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

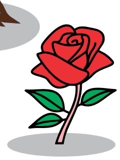

- शिक्षक एक पीपल का पेड़ और एक गुलाब के पौधे का चित्र बनाएँ।

पीपल का पेड़ और गुलाब के पौधे में कौन भारी है?

आपके घर में कौन सबसे हल्का है और कौन सबसे भारी? आपको क्या लगता है इसका कारण क्या होगा?

आपने सबसे भारी चीज क्या देखा है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|3 कराएँ–पृष्ठ 47

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|3 कराएँ–पृष्ठ 59

सप्ताह 06

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

आगे-पीछे की समझ बना सकें।

संसाधन

कहानी का चार्ट।

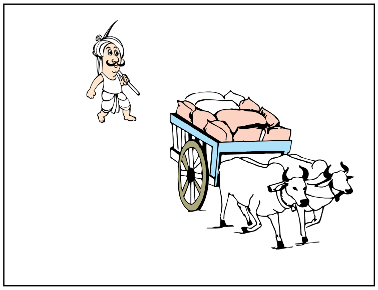

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र की सहायता से बच्चों के साथ मिलकर आगे–पीछे शब्दों का उपयोग करते हुए कहानी का चार्ट बनायें। जैसे– किसान खेत से घर जा रहा था। बैलगाड़ी ने उसे पीछे छोड़ दिया। किसान के आगे से बैलगाड़ी निकल गई और वह उसे नहीं पकड़ सका। वह तेज दौड़ा बैलगाड़ी आगे–आगे और किसान पीछे ही रह गया।
- कक्षा के बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बाँटें। प्रत्येक समूह से उपरोक्त कहानी सुनाने को कहें। बारी–बारी से सभी समूह के बच्चों से पूछें कि पीछे कौन छूट गया? किसान के आगे से क्या निकल गया? आगे किसान चल रहा था या बैलगाड़ी?
- शिक्षक ध्यान रखें कि सभी समूह के बच्चे उत्तर दे रहे हों।

बच्चों के लिए प्रश्न:

बोर्ड पर जो बस का चित्र बना है उसके आगे एक फल और पीछे फूल का चित्र बना सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

ऊपर-नीचे की समझ बना सकें।

संसाधन

पेन, कलर, चॉक, बोतल, पत्थर, कंकड़ आदि।

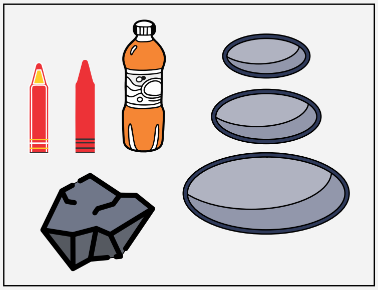

- कक्षा में उपलब्ध कुछ चीजों को मेज के ऊपर रखें और कुछ चीजों को मेज के नीचे।
- बच्चों को चार–चार के समूह में बांटें। प्रत्येक समूह से पूछें–मेज के ऊपर कौन–सी चीजें रखी हैं? मेज के नीचे कौन–सी चीजें हैं?
- उसके बाद शिक्षक कहें : मैं एक चीज का नाम लूँगा और आपको बताना है कि वह कहाँ रखी है–मेज के ऊपर या नीचे। शिक्षक एक–एक करके मेज के ऊपर और नीचे रखी चीजों का नाम लें और बच्चों को बताने का मौका दें।
- शिक्षक कक्षा की अन्य वस्तुओं के साथ उपरोक्त प्रक्रिया दोहराएं।
- शिक्षक ध्यान रखें कि सभी समूह के बच्चे उत्तर दे रहे हों।

बच्चों के लिए प्रश्न:

बच्चों से कहें कि वे एक पेड़ का चित्र बनाएँ।

क्या तुम पेड़ के ऊपर एक चिड़िया और पेड़ के नीचे बिल्ली का चित्र बना सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

हल्का-भारी की समझ बना सकें।

संसाधन

परिवेशीय वस्तुएँ जैसे– कंकड, रुई, कागज, मिट्टी, लकड़ी आदि।

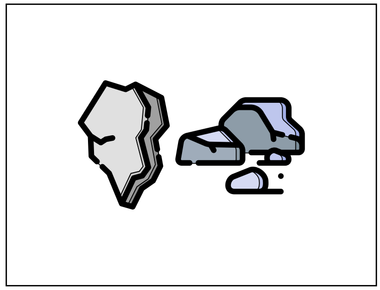

- बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बांटें। प्रत्येक समूह को कंकड़, रूई, कागज, लोहे के टुकड़े आदि दें। बच्चों को दो चीजें दिखाकर पूछें–इनमें से कौन–सी चीज भारी है और कौन सी हल्की।
- स्पष्ट करें कि जब दो या दो से अधिक वस्तुएं होती हैं, तो उनमें से हल्की और भारी वस्तुएं छांटना आसान होता है। बच्चों के साथ चर्चा करें कि जरूरी नहीं कि जो चीज बड़ी दिखती है, वह भारी हो। जैसे रूई का ढेर, लोहे के छोटे से टुकड़े से हल्की हो सकती है।
- आप बच्चों को पानी की बोतल दिखाएं और बच्चों से कहें कि वह एक ऐसी चीज बताएँ जो बोतल से हल्की और बोतल से भारी हो।

बच्चों के लिए प्रश्न:

क्या तुम दो वस्तुओं के चित्र बनाकर उसमें जो भारी है उस पर घेरा लगा सकते हो?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

लम्बाई-मोटाई-ऊँचाई की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : लम्बाई, मोटाई और ऊँचाई।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के लम्बाई–मोटाई–ऊँचाई का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक दो बच्चों को बुलाएं जिनकी लम्बाई असमान हो, उनको दीवार के पास खड़ा करें तथा दीवार पर चॉक से उनकी लम्बाई के बराबर निशान लगाएं।

पूछें: दीवार पर किस बच्चे का निशान ऊपर है?

- किसका निशान नीचे है?
- किस बच्चे की लम्बाई ज्यादा है?
- इस गतिविधि को और कुछ बच्चों के साथ दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिन्दु : लम्बाई के साथ जोड़ कर ऊँचाई पर भी चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को निम्न कहानी सुनाएगा। कविता और रुकसाना दोस्त हैं। एक दिन उन्होंने दूर आम के बाग से आम तोड़ने की सोची। दोनों अपने छोटे–छोटे पैरों से बाग की ओर चल पड़ीं। रास्ता बहुत लम्बा था। जब वे बाग के पास पहुँचीं तो देखा कि बाग का गेट बन्द था। गेट की कुछ ग्रिल टूटी हुई थीं। कविता आसानी से निकल गई पर रुखसाना बड़ी मुश्किल से घुस पाई। वे दोनों पेड़ के पास पहुँचीं और ऊपर देखा तो मोटे आम बहुत दूर थे। उनके पास दो छड़ी पड़ी थीं। उसमें से एक लंबी थी। कविता ने लंबी वाली छड़ी ले ली। अब उन दोनों ने आम तोड़ा और खुशी–खुशी घर चली गईं।

पूछें: कविता और रुकसाना में कौन ज्यादा मोटा है? कैसे आम दूर लगे थे? छोटी छड़ी किसने उठाई थी? किसने ज्यादा अधिक आम तोड़ा होगा और क्यों?

इसके बाद शिक्षक लम्बा या ऊँचा के चार्ट पर चर्चा करें।

शिक्षक के लिए बिन्दु : यह जरूर स्पष्ट करें कि सबसे ऊँचा बताने के लिए सभी का एक तल में होना आवश्यक है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक बच्चों से चार्ट पर आधारित सवाल करेगा।

क्या आप बता सकते हैं कि कौन सी मोमबत्ती मोटी है?

कौन सी बिल्ली पतली है?

क्या आप बता सकते हैं कि कौन सी किताब मोटी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|1 कराएँ–पृष्ठ 52
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|1 कराएँ–पृष्ठ 63

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

आकार व वजन की समझ बना सकें।

संसाधन : टाइल्स व अन्य सामग्री।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचाना।

नये शब्द : त्रिकोण, वर्गाकार, गोलाकार, आयताकार।

सामान्य भूल : बच्चे परिवेश की वस्तुओं के सही आकार को नहीं समझते हैं। साथ ही उनके नामों से भी परिचित नहीं होते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

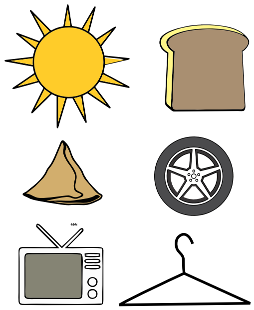

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करें।
  समोसे–पराठे तिकोने वाले,
  रोटी–पूड़ी होती गोल।
  बिस्कुट में होते छोटे कोने,
  पर कुछ बिस्कुट होते गोल।।
  भाँति–भाँति की अजब वस्तुएँ,
  कितने अलग–अलग आकार।
  कोनों के कारण हम सीखें, होते कितने भिन्न प्रकार।।
- कुछ वर्गाकार, आयताकार, गोलाकार और तिकोने आकार की वस्तुएँ बच्चों को दिखाकर आकार के नाम बताएँ।
- ? **पूछें**: समोसे और पराठे में कितने कोने होते हैं? पारले जी बिस्कुट में कितने कोने होते हैं? रोटी–पूड़ी कैसी होती है? ऐसे और सवालों पर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

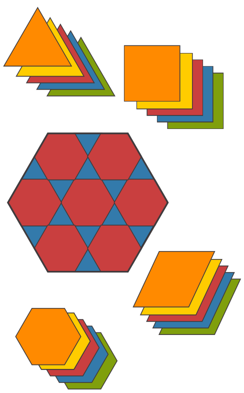

- शिक्षक टाइल्स किट का परिचय बच्चों से कराएं।
- **समझाएँ** : इन आकारों के उपयोग से अपनी इच्छा के अनुसार कोई भी नए आकार बना सकते हैं।
- ? **पूछें** : आपकी बनाई गई आकृति में टाइल्स के कौन–कौन से प्रकार प्रयोग हुए?
- बच्चों को अलग–अलग आकार की आकृति को वर्गीकृत करने को कहें। शिक्षक श्यामपट्ट पर एक गुब्बारा और हथौड़े का चित्र बनाएँ।
- ? **पूछें**: गुब्बारे और हथौड़े में किसका आकार बड़ा है? किसका वजन ज्यादा है?
- आकार और वजन में कोई संबंध होता है या नहीं, इस पर शिक्षक बच्चों के साथ चर्चा करेंगे।
- **समझाएँ**: कभी वस्तु का आकार बड़ा हो सकता है, परन्तु उसका वजन छोटे आकार की किसी वस्तु से कम हो सकता है। कई बार इसका उल्टा भी हो सकता है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

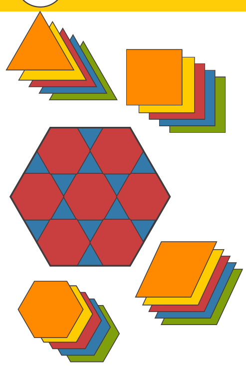

- शिक्षक चार–चार बच्चों का एक समूह बनाएं।
- शिक्षक कुछ टाइल्स बच्चों के समूह में दें और उन्हें एक जैसे आकार को अलग–अलग करने को कहें।
- ? अलग की गई इस समूह की क्या विशेषता है?
- ? इनके आकार को क्या कहेंगे?
- ? अपने आसपास ऐसे आकार कहाँ देखा है ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|2 कराएँ–पृष्ठ 53
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|2 कराएँ–पृष्ठ 63

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

बंटवारा करने की समझ बना सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ जैसे कंकड़, पत्ते।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना। एक–एक की संगति से कम ज्यादा की समझ।

नये शब्द : बराबर बाँटो।

सामान्य भूल : बच्चे बँटवारा तो कर देते हैं पर बराबर है या नहीं, इसमें भूल कर देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

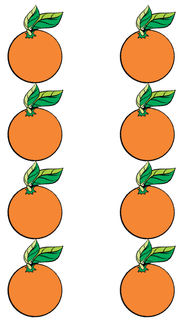

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करें।
  रोहन सोहन दो थे भाई।
  एक दिन उनकी नानी आई।।
  पास बुला कर उनसे बोली।
  आठ संतरों की यह थैली।।
  प्यारे बच्चों तुम ले जाओ।
  बाँट बराबर मिलकर खाओ।।

पूछें: रोहन कितने भाई थे?
नानी ने रोहन–सोहन को कितने संतरे दिए?
रोहन पाँच संतरे ले तथा सोहन को तीन संतरे दे, तो क्या ठीक होगा?
बराबर–बराबर संतरे कैसे बाँटेंगे?
दोनों को कितने–कितने संतरे मिलेंगे?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

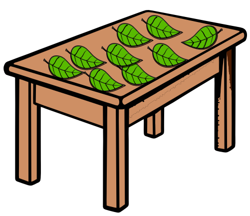

- शिक्षक कुछ कंकड या पत्ते रखें और बच्चों को समूह में बाँट दें। समूह में से एक बच्चे को चुनें, जिसे दी गई वस्तुओं को समूह में से बच्चों में बराबर बाँटना होगा।

शिक्षक के लिए बिंदु : समूह में बराबर बाँटी जा सकने वाली वस्तुएं ही दी जाएँ।

समझाएँ : बराबर बाँटने के लिए प्रत्येक बच्चे को एक–एक वस्तु देना चाहिए। बची हुई वस्तुओं को फिर एक–एक करके बाँटना चाहिए। इस प्रक्रिया को तब तक करें जब तक कि वस्तुएँ बँट नहीं जाती हैं।

- अब शिक्षक मेज पर कुछ कंकड़ रखें। चार बच्चों को आगे बुलाएँ। किसी एक बच्चे को इन कंकड़ों को बाकी के तीन बच्चों में बराबर बाँटने को कहें।

पूछें: क्या सभी को बराबर कंकड़ मिले हैं?
गतिविधि को कई बार दोहराएँ, जिससे सभी बच्चों को मौका मिले।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

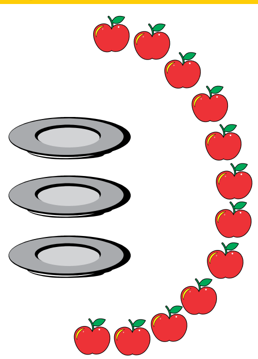

- शिक्षक श्यामपट्ट पर बारह सेब और तीन प्लेटों का चित्र बनाएँ।

क्या सारे सेब प्लेट में बँट गए?
प्रत्येक प्लेट में बराबर सेब हैं?

कोई सेब बच गया, जिसे नहीं बाँटा गया?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|3 कराएँ–पृष्ठ 54

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|3 कराएँ–पृष्ठ 63

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

लम्बाई-मोटाई-ऊँचाई की समझ बना सकें।

संसाधन

विभिन्न लम्बाई, मोटाई और ऊँचाई की परिवेशीय वस्तुएँ (जैसे डंडे, चॉक आदि)

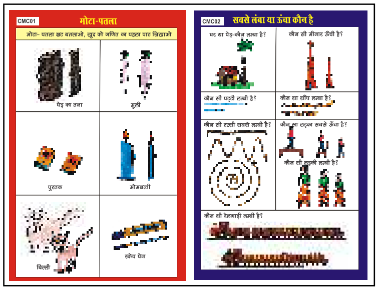

- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में बांट दें।
- बच्चों से पूछें – आपमें सबसे लम्बा साथी कौन है। बच्चों द्वारा बताया नाम श्यामपट्ट पर लिखें।
- उसके बाद, सभी समूह में विभिन्न लम्बाई, मोटाई एवं ऊंचाई की परिवेशीय वस्तुएँ दें। जैसे – (डंडे, लकड़ी के गुटके, चॉक आदि)।
- यह प्रक्रिया मोटाई और ऊँचाई के लिए भी दोहराएँ। अर्थात् आप बच्चों को मोटाई के अनुसार चीजें अलग करने के लिए कहें और फिर ऊँचाई के अनुसार चीजों को अलग करने के लिए कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- "मोटा–पतला" चार्ट में कौन मोमबत्ती मोटी है? कौन सी स्केच पेन पतली दिख रही है?
- "सबसे लम्बा या ऊँचा" चार्ट में कौन सी मीनार ऊँची है? कौन सी रेलगाड़ी लम्बी है?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

आकार और वजन की समझ बना सकें।

संसाधन

विभिन्न आकार एवं वजन की परिवेशीय वस्तुएँ, गणित किट।

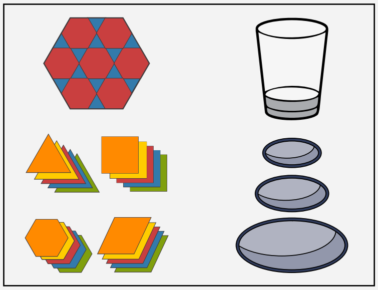

- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में बाँट दें। बच्चों से गणित किट में उपलब्ध त्रिभुज, वर्ग, आयत आदि को दिखाएँ। बच्चों को समूह में आकृतियाँ देकर उनका नाम पूछें।
- दो गिलास में अलग–अलग मात्रा में बालू/मिट्टी भरकर, बच्चों से पूछें कि किसका वजन ज्यादा है? शिक्षक सभी समूह में बच्चों द्वारा दी गई जानकारी को श्यामपट्ट पर अंकित करें। बच्चों से पूछें कि उन्होंने कैसे जाना कि किसका वजन ज्यादा है। कारण भी श्यामपट्ट पर लिखें। इसी प्रकार, अलग–अलग चीजों में मिट्टी या पत्थर डालकर वजन की तुलना करवाएं।
- सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें। अधिक से अधिक वस्तुओं का उपयोग करें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- आपके घर की कौन–सी वस्तु सबसे भारी लगती है?
- आपके घर की कौन–सी वस्तु आकार में सबसे छोटी लगती है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

बंटवारा करने की समझ बना सकें।

संसाधन

गिनी जा सकने वाली विभिन्न वस्तुएँ जैसे अनाज के दाने/कंकड़ आदि।

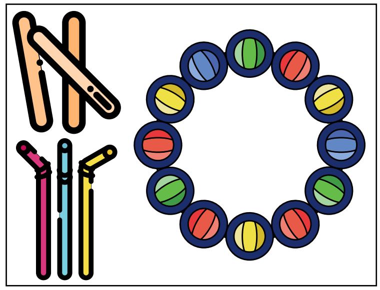

- कक्षा के बच्चों को 5–5 के समूह में विभाजित करें। प्रत्येक समूह में विभिन्न सामग्री दें।
- सामग्री को क्रमांक दो में, तीन में बांटने को कहें।
- ध्यान रखें बँटवारे की प्रक्रिया में सभी बच्चे सहभागिता कर रहे हों।
- प्रत्येक समूह के बच्चों से पूछें कि आपको हिस्से में कितना मिला।
- बँटवारा करने वाले बच्चों से बँटवारा करने की प्रक्रिया पूछें। पूछें कि आपने कैसे बाँटा।
- ध्यान रखें बँटवारा हेतु प्रयुक्त सामग्री ऐसी न हो, जिसे बच्चे खा सकते हों। लकड़ी की वस्तुएं, खेलने की वस्तुएँ, रसोईं की वस्तुओं का अधिक प्रयोग करें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- बोर्ड पर चार लड्डू के चित्र बने हैं। क्या आप लड्डुओं को दो लोगों में बाँट सकते हैं?

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ–कंकड़, पत्ती, कटोरी, चम्मच आदि।

नये शब्द : एक से एक को मिलाओ व समूह बनाओ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : संख्या पूर्व ज्ञान व अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

सामान्य भूल : बच्चे गिनती का क्रम तो आगे बढ़ा देते हैं पर उसकी मात्रा के बराबर वस्तु नहीं जोड़ पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

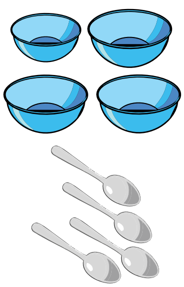

- टेबल पर कुछ कटोरी और चम्मच रखें।

पूछें : क्या तुम एक कटोरी में एक चम्मच रख सकते हो?

- उन्हें एक–दूसरे के साथ साझा करने के लिए कहें। 2–3 बच्चों से उत्तर लें।
- प्रक्रिया को एक और उदाहरण के साथ दोहराएँ। श्यामपट्ट पर यह चित्र बनाएं।

पूछें : क्या तुम एक पत्ते के साथ एक कंकड़ को मिला सकते हो?

- **समझाएँ**– बच्चों को बतायें कि ऐसी अलग–अलग चीजों में एक के साथ दूसरे को मिलाया जा सकता है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को दो–दो के समूह में बाँट दें और हर एक समूह को एक पैकेट में कुछ कंकड़ दें।
- **समझाएँ**– समूह का एक बच्चा पैकेट से एक–एक करके कंकड़ निकालेगा और प्रत्येक कंकड़ के लिए कॉपी में एक निशान लगाएगा। जब सारे कंकड़ पैकेट से निकल जाएँगे तब दूसरा बच्चा एक–एक करके कंकड़ को फिर से पैकेट के अन्दर रखेगा। अन्दर रखते हुए प्रत्येक कंकड़ के लिए वह पहले बच्चे के लगाए हुए निशान में से एक को काटेगा

शिक्षक के लिए बिंदु : ध्यान रखें कि विद्यार्थी बिना कॉपी में निशान लगाए कंकड़ को पैकेट के अन्दर न डाले।

पूछें : क्या दूसरे बच्चे ने पहले बच्चे के द्वारा लगाए हुए सारे निशान को काट पाया है?

- **समझाएँ**–जितने कंकड़ पैकेट से निकाले गए थे उतने ही अन्दर डाले गए हैं इसलिए आप सारे निशान काट पाए हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- श्यामपट्ट पर चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को एक फूल के साथ एक पत्ते का मिलान करने के लिए कहें।

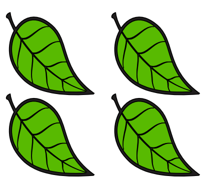

क्या कोई फूल या पत्ता बच गया जिसका मिलान नहीं किया गया है?

आपको क्या लगता है? क्यों मिलान नहीं किया जा सका?

फूल और पत्ते में कौन ज्यादा है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|1 कराएँ–पृष्ठ 59

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|1 कराएँ–पृष्ठ 67

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।

संसाधन : कंकड़, पत्ती, कटोरी, चम्मच आदि।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : संख्या पूर्व ज्ञान व अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : गिनकर बताओ, लेकर आओ।

सामान्य भूल : बच्चे गिनती तो क्रम में बोल जाते हैं, पर वस्तुएँ माँगने पर संख्या के बराबर वस्तु लाने में गड़बड़ कर देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

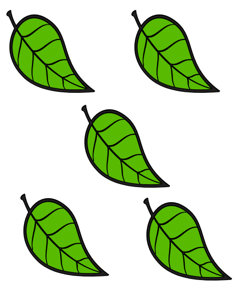

- टेबल पर कुछ कंकड़ रखें।
- **पूछें :** क्या तुम इन कंकड़ों में से तीन कंकड़ उठा सकते हो?
- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।
- बच्चे नहीं गिन पाएँ तो शिक्षक गिनकर दिखाएँ।
- प्रक्रिया को एक या दो उदाहरण के साथ दोहराएँ।
- श्यामपट्ट पर पत्तियों के चित्र बनाएँ।
- **पूछें :** क्या तुम चार पत्तों पर गोला लगा सकते हो?
- कुछ बच्चों को श्यामपट्ट पर बुलाकर गोला लगाने को कहें।
- जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें और समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक टेबल पर कुछ कंकड़ रखें और गिनें : एक कंकड़, दो कंकड़, तीन कंकड़, चार कंकड़। बच्चों को बोलें "ये हुए चार कंकड़"।
- **समझाएँ**– आप पाँच कोई भी वस्तुएँ जैसे कंकड़, पत्ते, लकड़ी के टुकड़े लायें।
- **पूछें**– आप कितनी वस्तुएँ लाए हैं? क्या आपको लगता है कि आप सही संख्या में वस्तुएँ लाए हो?
- **शिक्षक के लिए बिंदु :** बच्चों को कक्षा के अन्दर या कक्षा के बहार से कोई भी वस्तु लाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- श्यामपट्ट पर 3 फूलों के चित्र बनाएँ। चित्रों को धीरे–धीरे बोलते हुए गिने– एक चित्र, दो चित्र, तीन चित्र बताएं "ये हुए तीन चित्र"
  अब कुछ और चित्र बनाकर पूछें –
- **पूछें**–कितने चित्र बने हैं?
  ऐसे और भी सवालों के साथ चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

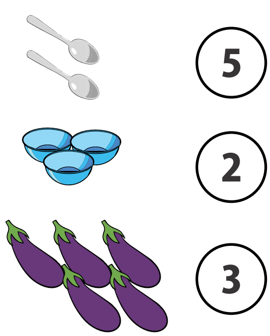

- श्यामपट्ट पर चित्र बनाएँ और बच्चों को मिलान करने के लिए कहें।
- चम्मच के चित्र को 2 से क्यों मिलाएँ?
- कटोरी के चित्र को 3 से क्यों मिलाएँ?
- बैगन के चित्र को 5 से क्यों मिलाएँ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|2 कराएँ–पृष्ठ 60

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|2 कराएँ–पृष्ठ 67

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं के प्रतीकों की समझ और लिख सकें।

संसाधन : संख्या डॉट कार्ड, आइस्क्रीम स्टिक।

नये शब्द : गिनकर बताओ, लेकर आओ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : संख्या पूर्व ज्ञान व अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना। एक से पांच तक की मात्रात्मक समझ।

सामान्य भूल : संख्या के सही प्रतीक को लिख नहीं पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

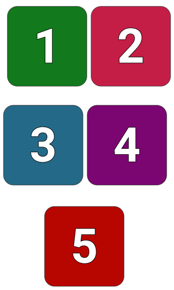

- टेबल पर 1 से 5 तक की संख्या कार्ड रखें।
- एक संख्या कार्ड उठाकर बच्चों को दिखाएँ।

पूछें: क्या तुम कार्ड पर लिखी संख्या के बराबर ताली बजा सकते हो?

शिक्षक के लिए बिन्दु: अगर बच्चे सही संख्या में ताली नहीं बजाते हैं तो शिक्षक धीरे–धीरे एक–एक कर संख्या के बराबर ताली बजा कर दिखाएँ। साथ ही संख्या नाम को बार–बार दोहराते रहें। बच्चों को अंत में पांचों संख्या कार्ड दिखाकर उनके संख्या नाम को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

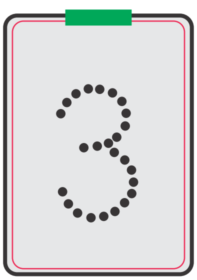

- शिक्षक श्यामपट्ट पर बिंदुओं से तीन लिखें।
- **समझाएँ:** दिए गए बिन्दु को एक साथ जोड़ कर संख्या तीन लिखा जा सकता है।

बिन्दु को जोड़ कर दिखाएँ। फिर कोई और संख्या को बिंदु में श्यामपट्ट पर बनाएं।

पूछें: कौन बिन्दु को जोड़कर संख्या लिख सकता है?

शिक्षक के लिए बिंदु : आप श्यामपट्ट पर एक से ज्यादा संख्या के बिन्दु बना सकते हैं जिससे कि एक साथ 3–4 बच्चे श्यामपट्ट पर काम कर सकते हैं।

- **समझाएँ**– अब मैं जितनी तालियाँ बजाऊँ आपको वही संख्या कॉपी में लिखना है।

शिक्षक चार तालियाँ बजाएँ और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

पूछें : मैंने कितनी तालियाँ बजायीं? क्या आप संख्या लिख पाए हैं?

ऐसे 1 से 5 तक सभी संख्याओं का

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

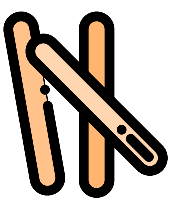

- बच्चों को आइस्क्रीम स्टिक दिखाएँ और वही संख्या को कॉपी में लिखने को कहें।
- बच्चों को लिखने में मदद करें।

मेरे हाथ में कितनी आइस्क्रीम स्टिक हैं?

क्या कॉपी उठाकर दिखा सकते हो कि आपने कौन सी संख्या लिखी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|3 कराएँ–पृष्ठ 61

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|3 कराएँ–पृष्ठ 67

सप्ताह 08

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।

संसाधन

पत्थर और पत्ते, बिंदी वाला बड़ा पासा।

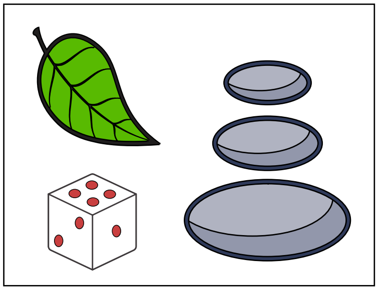

- बच्चों के साथ गोल घेरे में बेठें।
- बच्चों को एक पत्थर और एक पत्ते का समूह दिखाएँ।
  बच्चों से पूछें कि कौन से समूह में चीजें ज्यादा हैं– पत्थर ज्यादा हैं या पत्ते।
- बच्चों को बताएँ कि वह एक पत्थर को एक पत्ते से मिलाकर रख सकते हैं और फिर पता कर सकते हैं कि कौन से समूह में ज्यादा चीजें हैं। बच्चों को एक पत्थर के साथ एक पत्ता रखने का मौका दें।
- उसके बाद बच्चों को बिंदियों वाला एक पासा दिखाएं। बच्चों से कहें कि जितनी बिंदी पासे के ऊपर आएँगी, उतने पत्थर उन्हें उठाने हैं। ऐसा करने के लिए बच्चे एक–एक पत्थर को पासे की एक–एक बिंदी से मिलायेंगे।
- बच्चों को बारी–बारी बुलाकर यह गतिविधि करवाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- तुम यह कैसे कह सकते हो कि जितनी बिन्दिया पासे के ऊपर हैं उतने ही पत्थर उठाये हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, कंकड़।

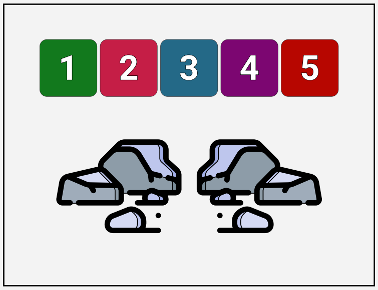

- बच्चों को दो समूह में बांट कर उन्हें बोलिए कि एक खेल खेलेंगे। इस खेल में दोनों समूह को नंबर मिलेंगे। अंत में देखेंगे कि कौन–से समूह को कितने नंबर मिले।
- **समझाइए** : एक समूह से कोई एक बच्चा आगे आयेगा। अब वह हवा में एक संख्या लिखेगा। संख्या को बड़े आकार में लिखना होगा कि बाकी बच्चे समझ पाएँ। दूसरे समूह को बोलना होगा कि बच्चे ने कौन–सी संख्या लिखी है। हर सही जवाब के लिए एक नंबर मिलेगा।
- अब समूह में खेल को शुरू करिए। दोनों समूह को कितने नंबर मिल रहे हैं यह लिखकर रखिये।
- बच्चे संख्या के समान कंकड़ और संख्या कार्ड भी दिखाएँ।
- शिक्षक हवा में बने अंक को पहचानने में बच्चों का सहयोग करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या हवा में बनाये अंक और संख्या कार्ड की संख्या समान हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन

ब्लॉक और पर्ची।

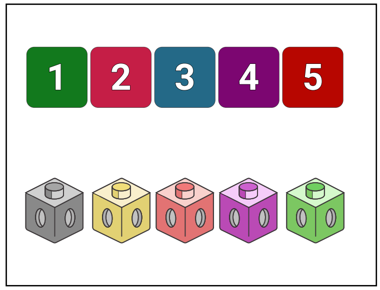

- शिक्षक 5–5 के समूह में बच्चों को बाँट दें। सभी बच्चों को एक –एक पर्ची दें और बच्चों के बीच में ब्लॉक को रख दें।
- सभी बच्चे अपनी –अपनी पर्ची पर 1 से 5 तक कोई भी संख्या लिख लेंगे। शिक्षक बच्चों के समूह को कक्षा की एक दीवार के पास एक पंक्ति में खड़ा कर दें। दूसरे समूह को पहले समूह के सामने वाली दीवार के पास खड़ा कर दें।
- दोनों समूह के बीच में ब्लॉक रखे हुए हैं। शिक्षक 1 से पाँच तक कोई भी संख्या बोलें, दोनों समूह से उस अंक की पर्ची वाला बच्चा दौड़कर शिक्षक के पास आए और अपनी पर्ची जमा करे।
- पर्ची जमा करने के बाद पर्ची की संख्या के बराबर ब्लॉक को उठाकर अपनी पंक्ति में खड़ा हो जाना है।
- सभी अंक बोल लेने के बाद शिक्षक देखें कि किस समूह में कितने ब्लॉक हैं। सभी बच्चे अपने –अपने ब्लॉक शिक्षक को दिखाएँगे।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- दोनों समूहों ने कौन–सी संख्या पर्ची जमा किया है?

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।
- 1-5 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें।
- 1-5 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन : ब्लॉक्स, पासा।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

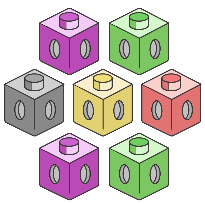

- टेबल पर कुछ ब्लॉक रखें।
- **समझाएं**–टेबल पर कुछ ब्लॉक्स हैं। अब मैं कुछ ब्लॉक उठाकर आपको दिखाऊँगी। ब्लॉक की संख्या आप सबको एक साथ बोलना है।
- समझाते हुए एक उदाहरण करके दिखाएँ। दो ब्लॉक उठाकर जोर से बोले 2। इससे बच्चे समझ पाएँगे कि उन्हें क्या करना है।
- अब अलग–अलग संख्या के ब्लॉक उठायें और बच्चों से उत्तर लें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले रहा हो। अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे अलग से उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें। शिक्षक ब्लॉक्स के दो समूह बनाकर पूछें कि बिना गिने बताएँ कि किस समूह में ज्यादा ब्लॉक्स हैं?

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

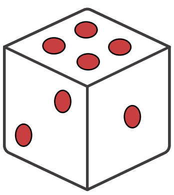

- टेबल पर एक पासा रखें।
- **समझाएँ**–टेबल पर एक पासा रखा हुआ है। कोई एक बच्चे को मैं बुलाऊंगी जो आकर इस पासे को उछालेगा। बाकी बच्चे अंदाज़ा लगायेंगे कि उस पासे में कौन सी संख्या आई। फिर जिसने पासा उछाला था वह पासे को देख कर बताएगा कि कौन सी संख्या है।
- समझाते हुए उदाहरण के लिए आप एक बार पासा उछालिये और बच्चों को अंदाज़ा लगाने को बोलिए। फिर आप पासा देख कर संख्या बताइए जैसे "पासे में आया है 4"।
- अब बच्चों को एक–एक करके बुलायें और गतिविधि आगे बढ़ाने दीजिये।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले रहा हो। अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे सामने आकर पासा उछालने के लिए प्रोत्साहित करें।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

A

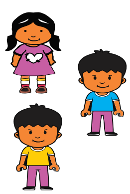

B

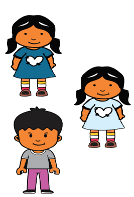

- कक्षा के पूरे बच्चों को दो समूह में बाँट दें।
- एक समूह का नाम **A** दें। और दूसरे को **B**। श्यामपट्ट पर दोनों समूह के नाम लिख दें।
- **समझाएँ**–दोनों समूह मिलकर अभी एक खेल खेलेंगे। पहले समूह **A** से एक बच्चा समूह **B** के पास जायेगा। समूह **B** उसके कान में एक संख्या बोलेगा। अब उस बच्चे को बिना कुछ बोले अपने समूह को समझाना है कि कौन सी संख्या बताया है। आप कोई भी तरीका अपना सकते हो जैसे– लिखना या कोई वस्तु दिखाना लेकिन मुँह से कुछ बोलना मना है।
- अब समूह **A** से एक बच्चे को समूह **B** में भेजिये और गतिविधि शुरू कीजिये।
- अगर वो बच्चा अपने समूह को सही संख्या समझा पाए तो श्यामपट्ट में समूह **A** के आगे 1 प्वाइंट लिख दीजिये।

सप्ताह 08

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।
- 1-5 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।
- 1 से 5 तक की संख्याओं की प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन : डोमिनो

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

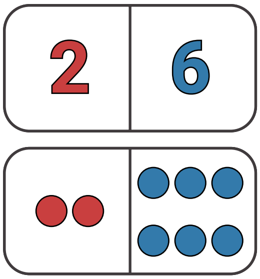

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को दो–दो के समूह में बाँट दीजिये।
- हर एक समूह को कुछ डोमिनो संख्या कार्ड दीजिये।
- ☞ **समझाएं** : आपके पास कुछ डोमिनो कार्ड हैं। आपको उसके बिंदु वाले साइड से एक कड़ी बनानी है। कड़ी बनाने के लिए पहला बच्चा एक कार्ड रखेगा। दूसरे बच्चे को भी उतने ही बिंदु वाले दूसरे कार्ड को रखना होगा। फिर पहला बच्चा दूसरा डोमिनो कार्ड रखेगा और इसी तरह से कड़ी आगे बढ़ती जाएगी।
- समझाते हुए डोमिनो कार्ड से आप एक उदाहरण करके दिखाइए।
- अब बच्चों को अपने समूह में कार्य करने को कहें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** हर समूह में जाकर देखें कि बच्चे सही प्रक्रिया से कड़ी बना रहे हैं या नहीं। बच्चों को उपयुक्त समय दीजिये कार्य को पूर्ण करने के लिए।

- ? आप कैसे समझोगे कि बनी हुई कड़ी सही है?
- ? इस कार्ड पर कितने बिन्दु हैं? कार्ड में जितने बिन्दु हैं उस संख्या को कॉपी में लिख कर दिखाइए।
- ? बनी हुई कड़ी में कौन से कार्ड में सबसे ज्यादा बिंदु हैं?
- ? बनी हुई कड़ी में कौन से कार्ड में सबसे ज्यादा बिंदु हैं?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

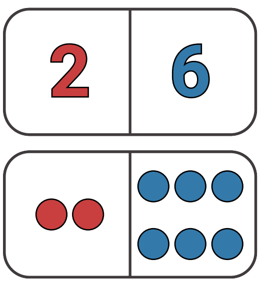

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को दो–दो के समूह में बाँट दीजिये।
- हर एक समूह को कॉपी और पेंसिल रखने बोलिए।
- **समझाएँ** : आपने थोड़ी देर पहले जो कड़ी डोमिनो संख्या कार्ड से बनायी अब वैसी ही कड़ी कॉपी में लिखकर बनाना होगा। कड़ी बनाने के लिए पहला बच्चा एक संख्या लिखेगा। दूसरे बच्चे को भी वही संख्या लिखनी होगी। फिर पहला बच्चा कोई संख्या लिखेगा। इसी तरह से कड़ी बनती जाएगी।
- समझाते हुए उदाहरण के लिए श्यामपट्ट पर एक कड़ी बनाकर दिखाइए।
- अब बच्चों को अपने समूह में कार्य करने को कहें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** हर समूह में जाकर देखें कि बच्चे सही प्रक्रिया से कड़ी बना रहे हैं या नहीं। बच्चों को उपयुक्त समय दीजिये कार्य को पूर्ण करने के लिए। प्रक्रिया 2 को करने के दौरान पूछे जाने वाले सवाल–

- ? आप कैसे समझोगे कि बनी हुई कड़ी सही है?
- ? ये कौन सी संख्या लिखी है आपने? कार्ड में जो संख्या लिखी है उतनी बार ताली बजा कर दिखाइए।
- ? बनी हुई कड़ी में कौन सी संख्या सबसे ज्यादा है?
- ? बनी हुई कड़ी में कौन सी संख्या सबसे कम है?

सप्ताह 09

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ– कंकड़, पत्ती आदि।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चों को 1 से 5 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ हो।

नये शब्द : गिन कर बताओ, लेकर जाओ।

सामान्य भूल : बच्चे गिनती तो क्रम में बोल जाते हैं पर वस्तुएँ माँगने पर संख्या के बराबर वस्तु लाने में गड़बड़ कर देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- टेबल पर कुछ कंकड़ रखें।

पूछें: क्या तुम इन कंकड़ों में से सात कंकड़ उठा सकते हो?

- 2–3 बच्चों से उत्तर लें। बच्चे नहीं गिन पाएं तो शिक्षक गिनकर दिखाएँ।
- प्रक्रिया को दो या तीन उदाहरण के साथ दोहराएँ।

☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु :** संख्या 6 से 9 के बीच ही हो।

शिक्षक श्यामपट्ट पर यह चित्र बनायें।

पूछें: क्या तुम इनमें से आठ पत्ते को गोला लगा सकते हो?

- ऐसे और प्रश्नों पर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

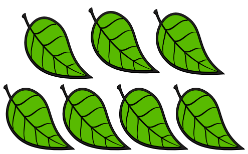

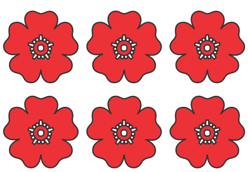

- शिक्षक टेबल पर कुछ कंकड़ रखें और गिनें : एक कंकड़, दो कंकड़, तीन कंकड़.....नौ कंकड़। बच्चों को बोलें "ये हुए नौ कंकड़"।
- **समझाएँ**– आप कोई भी सात वस्तुएँ जैसे कंकड़, पत्ते, लकड़ी के टुकड़े लायें।

पूछें : आप कितनी वस्तुएँ लाए हैं? क्या आपको लगता है कि आप सही संख्या में वस्तुएँ लाए हो?

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु :** बच्चों को कक्षा के अन्दर या कक्षा के बाहर से कोई भी वस्तु लाने के लिए प्रोत्साहित करें।

- श्यामपट्ट पर 6 फूलों के चित्र बनाएँ। चित्रों को धीरे–धीरे बोलते हुए गिनें और बताएं "ये हुए छह चित्र"

अब कुछ और चित्र बनाकर पूछें –

पूछें : कितने चित्र बने हैं?

ऐसे और भी सवालों के साथ चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

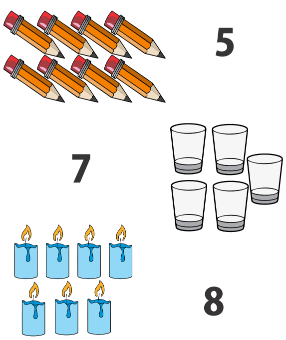

- श्यामपट्ट पर चित्र बनाएं और बच्चों को मिलान करने के लिए कहें।

गिलास के चित्र को 5 से क्यों मिलाएँ?

बच्चों को पूछें कि उन्होंने पेंसिल के चित्र को 8 से क्यों मिलाएँ?

बच्चों को पूछें कि उन्होंने मोमबत्ती के चित्र को 7 से क्यों मिलाएँ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|1 कराएँ–पृष्ठ 66

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|1 कराएँ–पृष्ठ 73

सप्ताह 09

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन : संख्या डॉट कार्ड , आइसक्रीम स्टिक।

नये शब्द : गिन कर बताओ, लेकर आओ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक संख्याओं की मात्रात्मक समझ (ठोस वस्तु और चित्र के साथ)।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या के सही प्रतीक को लिख नहीं पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- टेबल पर एक से नौ तक की संख्या कार्ड रखें और एक संख्या कार्ड उठाकर दिखाएँ।

पूछें : क्या तुम उतनी ही ताली बजा सकते हो जितनी संख्या कार्ड पर लिखी हुई है?

शिक्षक के लिए बिन्दु: अगर बच्चे सही संख्या में ताली नहीं बजाते हैं तो शिक्षक धीरे–धीरे एक–एक संख्या के बराबर ताली बजा कर दिखाएँ।

पूछें: क्या तुम उतनी ही अँगुली दिखा सकते हो जितनी संख्या कार्ड पर लिखी हुई है?

- अंत में एक से नौ तक के सारे संख्या कार्ड दिखाकर संख्या नाम को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

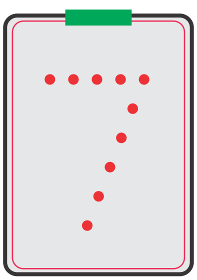

- शिक्षक श्यामपट्ट पर बिंदुओं से सात लिखें।
- **समझाएँ** : दिए गए बिंदु को एक साथ जोड़ कर संख्या सात लिखा जा सकता है। डॉट को जोड़ कर दिखाएँ। फिर कोई और संख्या का डॉट श्यामपट्ट पर बनाएं।

पूछें: कौन बिंदु को जोड़कर संख्या लिख सकता है?

शिक्षक के लिए बिंदु : आप श्यामपट्ट पर एक से ज्यादा संख्या के बिंदु बना सकते हैं जिससे कि एक साथ 3–4 बच्चे श्यामपट्ट पर कार्य कर सकें।

- **समझाएँ** : अब मैं तालियाँ बजाऊँ आपको वही संख्या कॉपी में लिखना है। शिक्षक सात तालियाँ बजाएँ और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

पूछें : मैंने कितनी तालियाँ बजाईं? क्या आप संख्या लिख पाए हैं?

ऐसे 6 से 9 तक सभी संख्याओं का अभ्यास कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

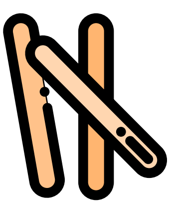

- बच्चों को आइसक्रीम स्टिक दिखाएँ और वही संख्या को कॉपी में लिखने को कहें।

मेरे हाथ में कितनी आइसक्रीम स्टिकें हैं?

क्या आप कॉपी दिखा सकते हो कि आपने कौन सी संख्या लिखी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|2 कराएँ–पृष्ठ 67

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|2 कराएँ–पृष्ठ 73

शिक्षण योजना 3

सप्ताह 09

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं का मान और क्रमांक की समझ में अंतर कर सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चों को गिनना आता हो तथा एक से नौ तक की संख्याओं का मात्रात्मक समझ हो।

नये शब्द : गिनो, आखरी नाम।

सामान्य भूल : गिनते समय दूसरे को दो व पांचवें को पांच समझ लेते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

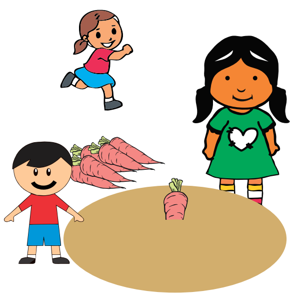

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत नीचे लिखी कहानी से करें।
- एक बुढ़िया ने बाग में गाजर का दाना बोया। एक दिन बूढ़े को गाजर का हलवा खाने का मन हुआ। बुढ़िया बोली जाओ बाग से गाजर ले आओ। बूढा बाग में गाजर का पौधा पकड़ कर खूब जोर लगाया। पर गाजर जमीन से बाहर नहीं आया। बूढ़े ने बुढ़िया को बुलाया। अब दोनों मिल कर जोर लगाया फिर भी गाजर जमीन से बाहर नहीं आया। तब बुढ़िया ने अपनी पोती को बुलाया और तीनों मिल कर जोर लगाया। अब गाजर निकल आया।

पूछें: सबसे पहले गाजर निकालने बगीचे में कौन आया? पंक्ति में दूसरे स्थान पर कौन गाजर निकालने में मदद कर रहा है?

- बच्चे अपनी बारी आने पर जवाब देंगे।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

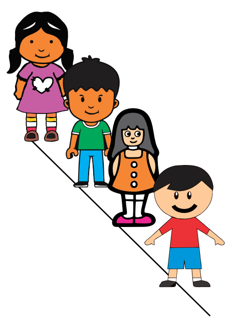

- शिक्षक कक्षा में चॉक से एक सीधी रेखा बनाएँ और नौ बच्चों को बुलाकर रेखा पर खड़े होने को कहें।

  पंक्ति की शुरुआत कहाँ से है उसे निर्धारित करें।

पूछें: पंक्ति में सबसे पहले कौन खड़ा है? चौथे बच्चे के आगे कितने लड़के खड़े हैं? पंक्ति के पीछे से अगर तीसरे लड़के को बैठने को कहा जाए तो कौन–कौन बैठेगा?

शिक्षक के लिए बिन्दु : सभी प्रश्नों का उत्तर समझाते हुए संख्या की मात्रात्मक समझ और क्रमांक की समझ को स्पष्ट करें। अब शिक्षक टेबल पर एक लाइन में कुछ कंकड़ रखें।

पूछें: क्या तुम लाइन पर रखे तीसरे कंकड़ को उठा सकते हो? क्या तुम लाइन पर रखे पहले तीन कंकड़ मुझे दे सकते हो? ऐसे कुछ और सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

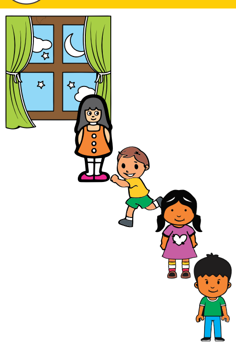

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक टिकट काउंटर बनाएं। काउंटर के सामने कुछ लड़के और लड़कियों का चित्र बनाएँ। साथ ही बच्चों के नाम भी लिख दें।

? चित्र में कितने बच्चे टिकट लेने के लिए खड़े हैं?

? काउंटर से दूसरे स्थान पर कौन खड़ा है?

? काउंटर से जो तीसरे स्थान पर खड़े हैं उसके पीछे कितने बच्चे खड़े हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|3 कराएँ–पृष्ठ 68

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|3 कराएँ–पृष्ठ 73

सप्ताह 09

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, कंकड़।

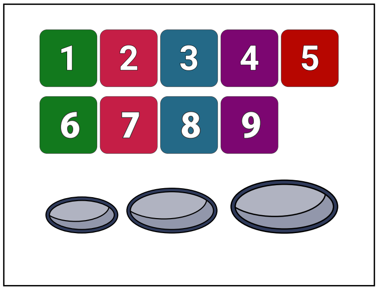

- बच्चों को दो समूह में बांट कर उन्हें बोलिए कि एक खेल खेलेंगे। इस खेल में दोनों समूहों को नंबर मिलेंगे। अंत में देखेंगे कि कौन से समूह को कितने नंबर मिले।
- समझाइए – एक समूह से कोई एक बच्चा आगे आयेगा। अब वह हवा में एक संख्या लिखेगा। संख्या को बड़े आकार में लिखना होगा कि बाकी बच्चे समझ पाएँ। दूसरे समूह को बोलना होगा कि बच्चे ने कौन सी संख्या लिखी है। हर सही जवाब के लिए एक नंबर मिलेगा।
- अब समूह में खेल को शुरू करिए। दोनों समूह को कितने नंबर मिल रहे हैं यह लिखकर रखिये।
- बच्चे संख्या के समान कंकड़ और संख्या कार्ड भी दिखाएँ।
- शिक्षक हवा में बने अंक को पहचानने में बच्चों का सहयोग करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या हवा में बनाये अंक और संख्या कार्ड की संख्या समान हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन

अवधारणा बोर्ड।

- कक्षा के बच्चों को चार या पांच समूह में सुविधा अनुसार बाँटें।
- शिक्षक बच्चों को अवधारणा बोर्ड पर दिए गए अंकों की वस्तुओं को रखने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों को अंक बोल कर बताएँगे और वस्तुओं को निर्धारित जगह रखने में मदद करेंगे।
- सभी समूह के बच्चों से उक्त कार्य को करने के लिए कहें एवं आपस में चर्चा करें।
- अन्य परिवेशीय वस्तुओं के साथ उक्त प्रक्रिया कराएँ।
- बच्चे बोले गये अंक को लिखकर भी दिखाएँ।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।
- सभी बच्चों की सहभागिता हो।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या तुम अवधारणा बोर्ड में संख्या आठ को पहचान सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के मान और क्रमांक की समझ में अन्तर कर सकें।

संसाधन

श्यामपट्ट।

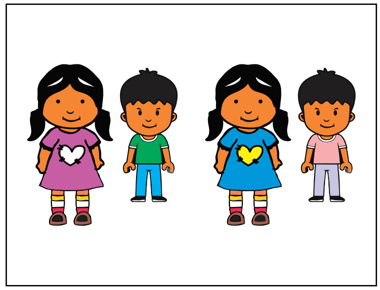

- कक्षा के सभी बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँट दें।
- अपने समूह के बच्चों की संख्या गिनने को कहें।
- फिर उन्हें एक कतार में खड़े होने को कहें।
- पूछें अमुक बच्चा किस क्रम पर आता है।
- श्यामपट्ट पर विभिन्न संख्या में स्टार बना कर और गिनने को कहें संख्या नोट करें।
- पूछें– कहाँ से गिरना प्रारंभ किया और क्यों?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर बने स्टार को एक निश्चित स्तर से गिनने को कहें, सभी समूहों से गिनने को कहें।
- पूछें– पहले गिनना आसान था या बाद में, क्यों भूल किसमें ज्यादा हो सकती थी?
- सभी की सहभागिता हो।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- अपनी कापी में कोई चार चीजें बनाकर तीसरी चीज पर घेरा लगा सकते हो?
- सात गोले बनाकर पाँचवें गोले पर टिक का निशान बना सकते हो?

शिक्षण योजना 1

1-9 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

40 मिनट

संसाधन : कंकड़ और संख्या कार्ड्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से नौ तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बड़ी और छोटी संख्या। गणित चिह्न (<, >, =)

सामान्य भूल : तुलना करने की चिह्नों (<, >, =) की गलती।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

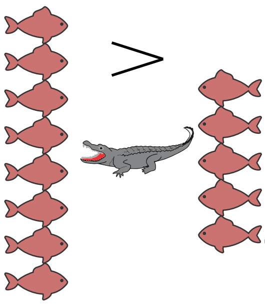

- शिक्षक अपने हाथ से मगरमच्छ की भूमिका निभाएं और बताएं कि एक भूखा मगरमच्छ हमेशा अधिक भोजन की तरफ जायेगा।
  शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में पांच और दूसरे समूह में आठ मछली बनाएं।
- **पूछें :** मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा? मगरमच्छ के मुँह की तरफ कितनी मछली हैं? उसके पूंछ की तरफ कितनी मछली हैं?

शिक्षक के लिए बिन्दु : एक से नौ तक की ही संख्या का प्रयोग करें।
इस प्रक्रिया को कुछ और उदाहरण लेकर दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक कुछ कंकड़ और संख्या कार्ड (1 से 9) साथ रखें। अब कंकड़ के दो समूह बनाएँ।
- **पूछें:** किस समूह में ज्यादा कंकड़ हैं?
- शिक्षक दोनों समूह के कंकड़ को बोल–बोल कर गिनें और उचित संख्या कार्ड रखें।
- **पूछें :** कौन सी संख्या बड़ी हुई और कौन सी छोटी?
  एक या दो और उदाहरण लेकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।

शिक्षक के लिए बिंदु : चर्चा के दौरान शिक्षक संख्याओं को श्यामपट्ट पर लिखें। संख्या की तुलना करते हुए सही तुलना चिह्न भी लगाकर दिखाएँ।

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या चार और आठ लिखें।
- **पूछें :** मगरमच्छ का मुँह किस तरफ रहेगा? क्या आप सही चिह्न (< या =) लगा सकते हैं?
- ऐसे और सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

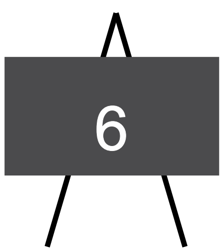

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक संख्या 6 लिखें।
- छह से बड़ी एक संख्या लिखें।
- छह से छोटी एक संख्या बताएँ
- छह से बड़ी और नौ से छोटी कोई एक संख्या लिखें?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|1 कराएँ–पृष्ठ 73

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|1 कराएँ–पृष्ठ 77

सप्ताह 10

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से नौ तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : संख्याओं का क्रम।

सामान्य भूल : बच्चे आगे की संख्या तो बोल पाते हैं लेकिन पीछे की संख्या नहीं बोल पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

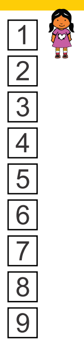

- शिक्षक फर्श पर संख्या रेखा (1–9) बनाएं।
- एक बच्चे को संख्या "1" से शुरू करके संख्या रेखा पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? आगे कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा?
- पीछे कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- जब बच्चा संख्या "9" पर पहुँच जाए, तो उसे पीछे एक–एक कूद लगाते हुए संख्या "1" पर वापस आने को कहें।
- इस प्रक्रिया को अन्य बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

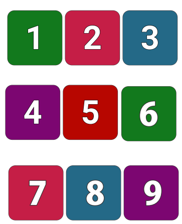

- शिक्षक एक से नौ तक की संख्या कार्ड रखें और बच्चों को बारी–बारी से बुलाकर संख्या कार्ड को एक से नौ तक क्रम में रखने को कहें।
- **पूछें:** (कार्ड दिखाते हुए) यह कौन सी संख्या है? इसके बाद तुम कौन सी संख्या का कार्ड रखोगे?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।
- अब शिक्षक कोई भी एक संख्या कार्ड निकाल कर टेबल पर रखें और दो बच्चों को एक साथ बुलाएं। दोनों बच्चों से अलग–अलग सवाल पूछें।
- **पूछें :** कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या क्या है? कार्ड पर लिखी संख्या के बाद वाली संख्या क्या है?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** यह करके दिखाएँ कि एक कंकड़ जोड़ कर आगे की संख्या और एक कंकड़ कम कर पीछे की संख्या पता कर सकते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

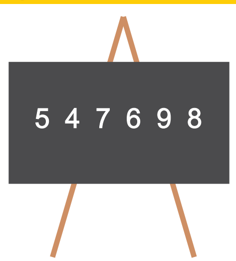

- श्यामपट्ट पर दी गई संख्याएँ लिखें।
- क्या यह संख्याएँ क्रम में हैं?
- क्रम में सजायें तो आठ के पहले कौन की संख्या आएगी।
- छह के बाद कौन की संख्या आएगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|2 कराएँ–पृष्ठ 74

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|2 कराएँ–पृष्ठ 77

सप्ताह 10

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

वस्तुओं (1-9 तक) को विभिन्न व्यवस्थाओं में गिन सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस की तीली, subitizing cards-

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से नौ तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द :

सामान्य भूल : बच्चों को लगता है वस्तुओं को रखने की व्यवस्था बदल जाने से संख्याओं की कुल संख्या भी बदल जाती है।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

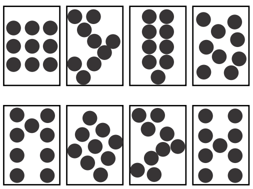

- शिक्षक सभी बच्चों को थोड़ी देर (3 सेकंड) के लिए संलग्न कार्ड्स बारी–बारी से दिखाएँगे और बिंदी पर बिंदी की संख्या का अनुमान लगाने को कहें।
- **पूछें**: इस कार्ड पर कितनी बिंदी बनी हुई हैं?
- कुछ बच्चों को कार्ड्स देकर बिंदियों को गिनने को कहें।
- **पूछें**: क्या सभी कार्ड पर बिंदियों की संख्या बराबर है? ऐसा कैसे हुआ?
- **समझाएँ** : सभी कार्ड्स पर बिंदियों की संख्या बराबर है सिर्फ इन बिंदियों को सजाने का तरीका अलग–अलग है।
- अन्य संख्या कार्ड्स के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

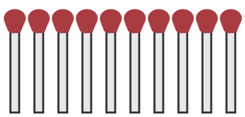

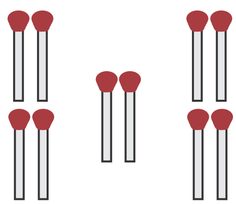

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँटें और प्रत्येक समूह को 10 माचिस की तीलियाँ दें।
- बच्चों को माचिस की तीलियों को व्यवस्थित करके 2 पैटर्न बनाने को कहें।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : समूह में जा कर पैटर्न बनाने में बच्चों की मदद करें।
- **पूछें** : प्रत्येक पैटर्न बनाने में कितनी तीलियाँ लगी हैं?
- **समझाएँ** : वस्तुओं की व्यवस्था गिनती को प्रभावित नहीं करती है।
- कुछ और पैटर्न लेकर प्रक्रिया को दोहराएँ।
- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर सात मोतियों की एक सीधी और एक गोल माला बनाएं।
- **पूछें**: दोनों मालाओं में कितनी–कितनी मोतियाँ हैं? क्या दोनों मालाओं में मोतियों की संख्या बराबर है?
- कुछ और उदाहरण लेकर प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

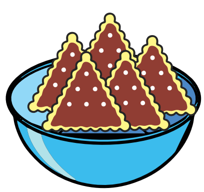

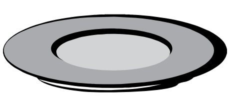

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक डिब्बे और उसके अन्दर कुछ बिस्कुट का चित्र बनाएं। उसके साथ एक प्लेट का भी चित्र बनाएं।
- बिस्कुट अभी डिब्बे में बंद हैं। अगर डिब्बे को खोल कर सारे बिस्कुटों को प्लेट में रख दिया जाए, तो प्लेट में बिस्कुट की संख्या क्या होगी?
- आज आप सबने कक्षा में नया क्या

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|3 कराएँ–पृष्ठ 75

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|3 कराएँ–पृष्ठ 77

सप्ताह 10

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड।

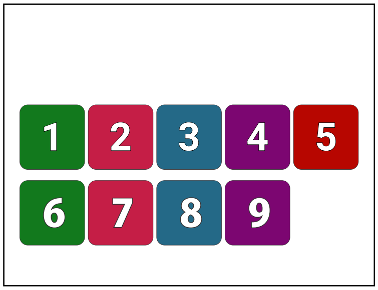

- कक्षा के बच्चों को 9–9 के समूह में बांट दें।
- सभी समूहों को कदवार खड़ा होने को कहें।
- सभी बच्चों को क्रमवार गिनती करने को कहें।
- सभी की संख्या पूछकर स्पष्ट कर दें कि यह संख्या ही आपका क्रमांक है।
- समूह के बच्चों से पूछें कि एक बड़ा है या 9।
- बच्चों से बारी–बारी संख्या में बदलकर छोटी संख्या या बड़ी संख्या पूछें।
- बच्चों से पूछें कि छोटी संख्या वाले बच्चे आगे और बड़ी संख्या वाले बच्चे पीछे क्यों हैं?
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- सात और पाँच में कौन बड़ा है?
- आठ से छोटी कोई भी एक संख्या लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड।

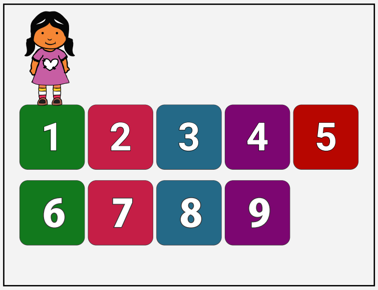

- 9–9 बच्चों के समूह बनाकर प्रत्येक समूह को एक सीधी रेखा में कदवार खड़ा करें।
- प्रत्येक बच्चे का नामकरण संख्या से करें तथा बच्चों से अपनी संख्या याद रखने को कहें।
- अब बच्चों को संख्या नाम से पुकारें और पूछें, अमुक बच्चा आगे है या पीछे।
- सभी बच्चों से बारी–बारी से प्रक्रिया कराएँ।
- अब क्रमशः एक–एक बच्चे को पहले आगे से बच्चों की गिनती करवाएँ, फिर पीछे से गिनती करवाएँ।
- सभी बच्चों को अपना–अपना क्रम याद रखने को बोलें यदि आगे से शुरू करें तब भी वही क्रम संख्या और पीछे से शुरू करें तो भी वहीं क्रम संख्या आए।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या तुम 1 से 9 तक की संख्याओं को उल्टे क्रम में लिख सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

वस्तुओं (1-9 तक) को विभिन्न व्यवस्थाओं में गिन सकें।

संसाधन

विभिन्न परिवेशीय वस्तु या ब्लॉक्स / गणित चार्ट।

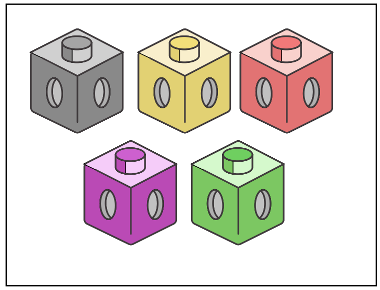

- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बैठाएं।
- सभी समूह को 15 ब्लॉक्स दें।
- अब समूह के एक बच्चे को फर्श पर ब्लॉक्स को अपने हिसाब से रखने को कहें।
- दूसरे बच्चों को ब्लॉक्स को गिनकर संख्या बोलने को कहें।
- ये प्रक्रिया ख़त्म होने के बाद समूह को बोलें कि वो ब्लॉक्स के विन्यास को बदल दें।
- फिर से बच्चों को ब्लॉक्स को गिनने को कहें।
- समूह को इस प्रक्रिया को ब्लॉक्स के अलग–अलग विन्यास के साथ दोहराने को कहें।
- कुछ देर बाद ब्लॉक्स की संख्या बदल दें और इसी गतिविधि को दोहराएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- ब्लॉक्स के विन्यास बदलने से क्या उनकी कुल संख्या बदल जाती है?

सप्ताह 11

सावधिक आकलन

10 सावधिक आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}

पिछले 6 सप्ताह की रेमीडीयल गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
सावधिक आकलन सप्ताह — सप्ताह 11	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 रेमीडीयल गतिविधि	रिक्त कालांश

सावधिक ट्रैकर:

सप्ताह 12–21

प्रति सप्ताह के लिए शिक्षक संदर्शिका में संसाधन

3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	वार्षिक ट्रैकर	सावधिक ट्रैकर

प्रति सप्ताह के लिए कार्यपुस्तिका के पत्रक

3 अभ्यास पत्रक	1 मैंने सीख लिया	1 साप्ताहिक अभ्यास	1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति	1 गृह कार्य

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
अनुदेशात्मक कार्य दिन 1–4	3 शिक्षण योजना	3 1,2,3 अभ्यास पत्रक	3 अभ्यास गतिविधि
समेकन और आकलन दिन 5	1 समेकन	रिक्त कालांश	1 मैंने सीख लिया
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति दिन 6	1+1 रेमीडीयल और साप्ताहिक अभ्यास	रिक्त कालांश	1+1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति और गृह कार्य

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

शून्य की अवधारणा को समझ सकें।

संसाधन : आइस्क्रीम स्टिक।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना।

नये शब्द : एक भी नहीं, शून्य।

सामान्य भूल : बच्चे कुछ भी नहीं को शून्य समझ लेते हैं, इसे स्पष्ट करें कि शून्य माने एक भी नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

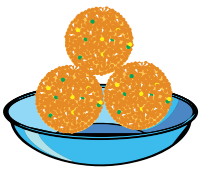

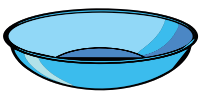

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत एक कहानी से करें।
- "तीन लड्डू की एक टोकरी लेकर अजय घर की तरफ जा रहा था। (शिक्षक श्यामपट्ट पर 3 लिखेंगे) अचानक टोकरी हिली और टोकरी से एक लड्डू गिर गया।"
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- अब अजय जैसे ही थोड़ा तेज चलने लगा, टोकरी से फिर एक लड्डू गिर गया।
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- इस बार फिर से टोकरी हिली और एक लड्डू नीचे गिर गया।
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- **समझाएँ** – अब टोकरी में एक भी लड्डू नहीं बचा। इस को बोलते है शून्य। (शिक्षक श्यामपट्ट पर 0 लिखें)

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

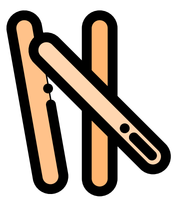

- शिक्षक मेज पर चार आइस्क्रीम स्टिक रखेंगे। श्यामपट्ट पर चार आइस्क्रीम स्टिक का चित्र बनाएँगे।
- **पूछें** : मेज पर कितनी आइस्क्रीम स्टिक रखी हुई हैं?
- वह संख्या अपनी कॉपी में लिखकर दिखाइए।
- एक आइस्क्रीम स्टिक मेज से हटा लीजिए और श्यामपट्ट से भी एक आइस्क्रीम स्टिक का चित्र मिटा दें।
- **पूछें** : मेज पर कितनी आइस्क्रीम स्टिक रखी हुई हैं?
- वह संख्या अपनी कॉपी में लिखकर दिखाइए।
- इस तरह से मेज से अंतिम आइस्क्रीम स्टिक भी हटा दें।
- **पूछें** : अब मेज पर कितनी आइस्क्रीम स्टिक रखी हुई हैं?
- **समझाएँ** – मेज पर एक भी आइस्क्रीम स्टिक नहीं हैं और श्यामपट्ट पर एक भी चित्र नहीं बचा। इसका मतलब मेज पर शून्य आइस्क्रीम स्टिक बची और श्यामपट्ट पर भी शून्य चित्र है। श्यामपट्ट पर "0" लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

7	☐
0	☐
4	☐

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दिए गए चित्र को बनाएँ।
- बच्चों को बोलें कि जो संख्या लिखी है, उतने ही गोले बॉक्स के अन्दर बनाएँ।
- पहले बॉक्स में कितने गोले बनाए?
- तीसरे बॉक्स में कितने गोले बनाए?
- दूसरे बॉक्स में एक भी गोला क्यों नहीं आया?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|1 कराएँ–पृष्ठ 92

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|1 कराएँ–पृष्ठ 83

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

गिनने के सिद्धांत के साथ 1-20 तक की संख्याओं को समझ सकें।

संसाधन : माचिस की तीली, कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना व लिख पाना, शून्य की समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : :बच्चे 1 से 20 तक की संख्या नाम क्रम में बोल लेते है लेकिन ठोस वस्तुओं या चित्र को गिनते हुए गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

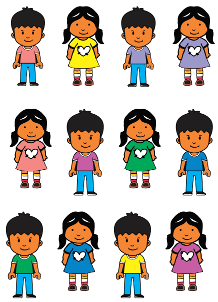

- शिक्षक 12 बच्चों को सामने बुलाएँगे।
- **समझाएँ** – पहले मैं गिनकर दिखाऊँगा कि कुल कितने बच्चे हैं। फिर आप सबको मेरे साथ गिनना होगा।
- शिक्षक गिनती करेंगे और बताएँगे कि यहाँ कुल 12 बच्चे हैं। साथ ही बच्चों को उनके साथ गिनती दोहराने को बोलें।

पूछें : यहाँ कुल कितने बच्चे हैं?

- शिक्षक इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या के साथ दोहराएँगे।

शिक्षक के लिए बिंदु : गिनते हुए संख्या नामों को जोर से बोलें और एक बच्चे के साथ एक संख्या का एक–एक की संगति पर जोर दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

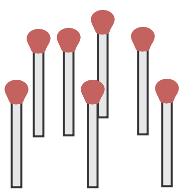

- मेज पर 20 कंकड़ रखें और एक बच्चे को मेज के पास बुलाएं।
- **समझाएँ** –मैं जो संख्या बोलूँगा, उतने ही ककड़ आपको उठाना है।

पूछें : क्या आप सोलह कंकड़ उठा सकते हो?

- गतिविधि को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँगे।
- इसके बाद बच्चों को 4–4 के समूह में बाँट दें और सभी समूह को 20–20 माचिस की तीली दें।
- **समझाएँ:** मैं जो संख्या बोलूँगा, उतनी ही तीली आपको उठा कर दिखाना है।

पूछें : क्या आप ग्यारह तीली उठाकर दिखा सकते हो?

- इस गतिविधि को कुछ और संख्याओं के साथ दोहराएँगे।

शिक्षक के लिए बिंदु : शिक्षक समूह में जाकर देखें कि सारे बच्चे गतिविधि में भाग ले रहे हैं। जिन बच्चों को गिनने में दिक्कत हो रही हो, उनकी मदद करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

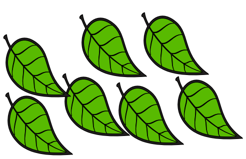

- शिक्षक श्यामपट्ट पर अठारह गोले, बारह फूल और दस पत्तों का चित्र बनायेंगे।
- बच्चों से कहें कि वह सभी चित्रों को गिनें और उनकी संख्या बताएँ।

कुल कितने गोले हैं?
फूलों की संख्या कितनी है?
कितने पत्तों का चित्र बना हुआ है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|2 कराएँ–पृष्ठ 93

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|2 कराएँ–पृष्ठ 83

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

गिनने के सिद्धांत के साथ 1-20 तक की संख्याओं को समझ सकें।

संसाधन : चौकोर पर्ची

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना व लिख पाना, शून्य की समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : दिए गए समूह में गिनने के क्रम को बदल देने से बच्चों को लगता है कि समूह की कुल संख्या भी बदल जाती है।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

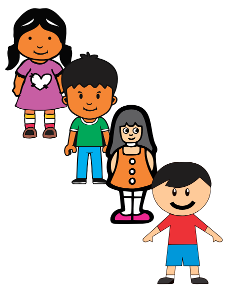

- शिक्षक बीस बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा करें। बाकी बच्चों में से किसी दो बच्चों को चुनें और उन्हें पंक्ति में खड़े बच्चों को गिनने को कहें।
- **पूछें** : बाएं तरफ से गिनकर बताओ कि कुल कितने बच्चे पंक्ति में खड़े हैं?
- **पूछें** : दाएँ तरफ से गिनकर बताओ कि कुल कितने बच्चे पंक्ति में खड़े हैं?
- **समझाएँ**– पंक्ति को चाहे दाएँ तरफ से गिना जाए या बाएँ तरफ से। कुल संख्या बदलती नहीं है।
- पंक्ति को बीच के किसी जगह से भी गिनकर दिखाएँगे कि कुल संख्या में कोई बदलाव नहीं होता।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

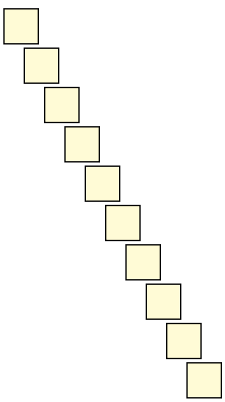

- शिक्षक सोलह चौकोर पर्चियों को एक रेखा में रखें। कक्षा से किसी एक बच्चे को बुलाएँ और पर्चियों को बाएँ ओर से गिनने को कहें।
- **पूछें**: सीधी रेखा में कुल कितने चिट हैं?
- अब बच्चे को इन पर्चियों को दाएँ ओर से गिनने को कहें।
- **पूछें**: सीधी रेखा में कुल कितनी चिट हैं?
- शिक्षक अब इन पर्चियों को थोड़ा अव्यवस्थित कर रखें और बच्चों को पर्चियों को बिना छुए गिनती करने को कहें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चों को गिने जा चुके पर्चियों को अलग रखने की सलाह दें।
- **समझाएँ**– समूह में दी गई वस्तुओं को कहीं से भी गिना जा सकता है पर समूह की कुल संख्या नहीं बदलती।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

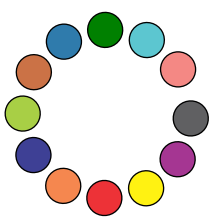

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ गोले बनाएं।
- कक्षा के कुछ बच्चों को अपने स्थान से ही श्यामपट्ट पर बने गोलों को गिनने को कहें।
- श्यामपट्ट पर कितने गोले बने हुए हैं?
- आपने गोलों को गिनने की शुरुआत किस गोले से की थी?
- क्या मैं किसी और गोले से गिनना शुरू करूँ तो हम दोनों द्वारा गिने गए गोलों की संख्या बराबर होगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|3 कराएँ–पृष्ठ 94

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|3 कराएँ–पृष्ठ 83

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

शून्य की अवधारणा को समझ सकें।

संसाधन

मनके/तीलियाँ।

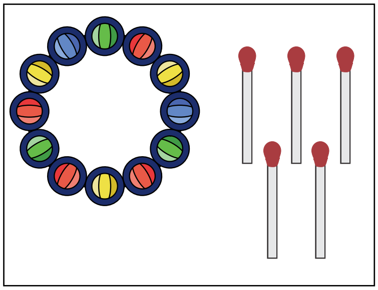

- कक्षा के बच्चों को एक समूह में बैठायें।
- शिक्षक, बच्चों के साथ बैठें तथा अपने पास कुछ मनके/तीलियाँ या टॉफियाँ रखें।
- शिक्षक, शून्य की अवधारणा स्पष्ट करने के लिए कुछ कहानियों का सहारा लें।
- उदाहरणः सोहन की प्लेट में 4 टॉफियाँ थीं, उसने एक मोहन को दे दिया, अब उसकी प्लेट में 3 टॉफियाँ रह गईं, फिर उसने एक टॉफी मीरा को दे दिया, अब उसकी प्लेट में 2 टॉफी रह गईं।
- फिर उसने एक टॉफी खुद खा लिया, अब उसकी प्लेट में कितनी टॉफियाँ बचीं।
- अब प्लेट में एक भी टॉफी नहीं बची, बच्चों को बताएँ कि 'एक भी न रह जाना', शून्य कहलाता है।
- इसी तरह की प्रक्रिया मनकों/तीलियों की सहायता से कक्षा में करवाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- कोई तुमसे शून्य फूल के चित्र बनाने को कहे तो तुम कितने चित्र बनाओगे?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

गिनने के सिद्धांत के साथ 1-20 तक की संख्याओं को समझ सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियां एवं रबर बैंड।

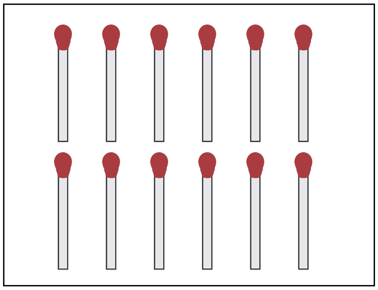

- शिक्षक माचिस की तीली झाड़ू की सीकें का बच्चों से परिचय कराएं।
- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में बांटकर बिठाएं एवं प्रत्येक समूह में पर्याप्त माचिस की तीली /झाड़ू की सींक दें।
- सभी समूहों के लिए शिक्षक 1 से 20 के मध्य की संख्या बोलें एवं बोली गई संख्या के बराबर तीली या सींक अलग कराएं।
- अब बारी–बारी से प्रत्येक समूह से तीली/सींक दिखाने को कहें।
- अब कुछ तीली/सींक का समूह बच्चों को दें और पूछें कि किस समूह में ज्यादा तीलियाँ/सींकें हैं?
- आपको बिना गिने बताना है?
- बच्चों से पूछें कि आपने कैसे जाना कि किस समूह में ज्यादा तीलियाँ/सींकें हैं?
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- पाँचवीं तीली और पाँच तीली में क्या फर्क है, क्या आप बता सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

गिनने के सिद्धांत के साथ 1-20 तक की संख्याओं को समझ सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियां एवं रबर बैंड।

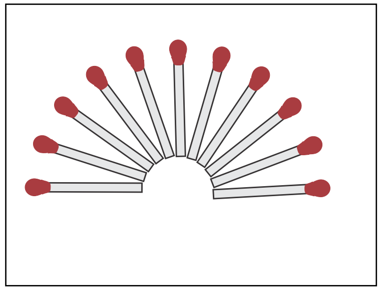

- शिक्षक माचिस की तीली झाड़ू की सींकों का बच्चों से परिचय कराएं।
- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में बाँटकर बैठाएँ एवं प्रत्येक समूह में पर्याप्त माचिस की तीली/झाड़ू की सींक दें।
- सभी समूहों के लिए शिक्षक 1 से 20 के मध्य की संख्या बोलें एवं बोली गई संख्या के बराबर तीली या सींक अलग कराएँ।
- अब बारी–बारी से प्रत्येक समूह से तीली/सींक दिखाने को कहें।
- बच्चों से पूछें कि आपने कैसे जाना कि इतनी सींकों को ही उपयुक्त संख्या कहते हैं?
- सभी बच्चों की सहभागिता हो।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- क्या आप झाड़ू की सींकें से 1 से 20 तक की संख्याओं के अलग–अलग बंडल बना सकते हो?

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

बंडल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।

संसाधन : माचिस की तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : बण्डल, खुले।

सामान्य भूल : कितने बण्डल हैं? पूछने पर बच्चे बण्डलों की संख्या न बता कर कुल संख्या बता देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत एक कहानी से करें।
- मोनू ने अपनी गुल्लक तोड़ी तो उसमें से बहुत सारे सिक्के निकले। मोनू को सिक्कों की संख्या गिननी थी। वह उन्हें एक–एक कर गिन रहा था। तभी उसकी बहन ने उसे बुला लिया। मोनू भूल गया कि वह कहाँ तक गिना था। अब उसे फिर शुरू से गिनना होगा और इसमें बहुत समय लगेगा।

पूछें : मोनू कैसे गिने जिससे कि वह बीच में अगर भूल भी जाए तो भी उसे गिनने में ज्यादा समय न लगे?

- बच्चों की अलग–अलग प्रतिक्रियाओं को सुनें।
- **समझाएँ** –सिक्कों को छोटे–छोटे ढ़ेर में रख कर गिनने से आसानी होगी। एक ढ़ेर को हम बण्डल बोलेंगे और बाकी को खुले।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

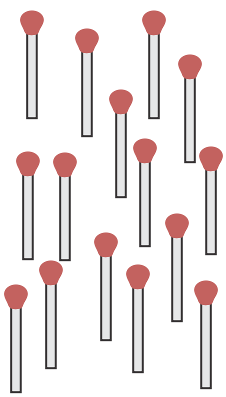

- शिक्षक बच्चों को 6–6 के समूह में बाँट दें और हर समूह को 15–15 तीलियाँ दें।
- **समझाएँ** – हर एक समूह में, पहला बच्चा तीलियाँ खुले रखेगा। दूसरा बच्चा दो–दो तीलियों का, तीसरा बच्चा तीन–तीन तीलियों का, चौथा बच्चा चार–चार तीलियों का, पांचवां बच्चा पाँच–पाँच तीलियों का तथा छठवाँ बच्चा दस–दस तीलियों का बण्डल बनाएगा और शेष तीलियाँ खुली रखेगा।
- समझाते हुए बच्चों को दिखाएँ कि बण्डल कैसे बनाना है।

पूछें : गिनने में सबसे कम समय किसे लगा? किसको गिनने में ज्यादा आसानी हुई?

- कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ** – सभी के पास 15 तीलियाँ थीं। लेकिन जिसने बण्डल बनाकर गिना वो जल्दी गिन पाया। परन्तु जिसके पास सभी तीलियाँ खुली थीं उसे ज्यादा समय लगा। इसलिए जब ज्यादा वस्तुओं को गिनना होता है तो हम बण्डल बनाकर गिनते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

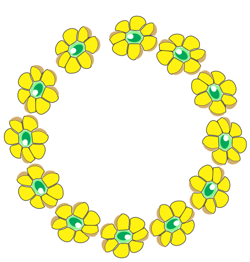

- शिक्षक श्यामपट्ट पर 12 फूलों के चित्र बनायेंगे।
- बच्चों को पहले दो–दो के, फिर पाँच–पाँच के और अंत में दस–दस के समूह में घेरा लगाने को कहें।

? दो–दो के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

? पांच–पांच के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

? दस–दस के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|1 कराएँ–पृष्ठ 99

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|1 कराएँ–पृष्ठ 87

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई व दहाई में समझ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना और लिख पाना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

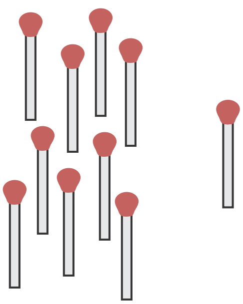

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में नौ माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें:** पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ–** पेज पर तीलियों के नीचे (9 + 1= 10) लिखते हुए बताएं कि नौ में एक मिलाया तो बने दस।
- इसी प्रकार से दो समूह बनाते हुए, दस (बण्डल) में एक मिलाया तो बना ग्यारह।
- **शिक्षक के लिए निर्देश:** इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए 20 तक प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

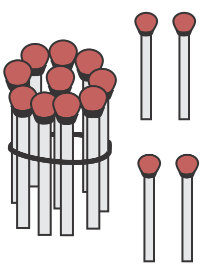

- शिक्षक एक–एक बच्चों को बुलाएँ और कुछ माचिस की तीलियाँ दें।
  उदाहरण: 14
  बच्चे को कुल तीलियाँ गिनकर दस के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें:** कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएँ–** बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। चौदह में एक बण्डल यानी एक दहाई और चार खुले यानी चार इकाई होती है।
- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ चित्र बनाएं
  उदाहरण– 9
  बच्चे से दस–दस के समूह में गोला लगाने को कहें।
- **पूछें:** दस के कितने समूह बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ–** एक भी दस का समूह/बण्डल नहीं बन पाएगा। "9" केवल नौ इकाई से है।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

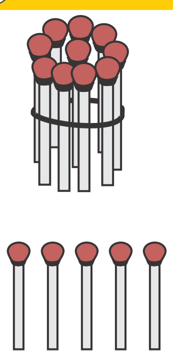

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। साथ में कुछ दस के बण्डल और खुली माचिस की तीलियाँ रखें।
- **समझाएँ:** मैं जो संख्या बोलूँगा आपको उतनी ही माचिस की तीली मेरे हाथ में देनी हैं।
- मैंने कौन सी संख्या बोली?
- तुमने मुझे कितने बण्डल/दहाई दिए?
- दी गई संख्या में कितनी इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|2 कराएँ–पृष्ठ 100

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|2 कराएँ–पृष्ठ 87

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, संख्या कार्ड, गिनमाला।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

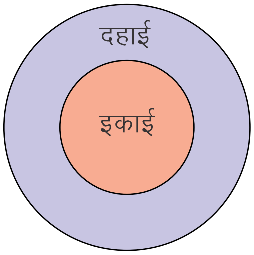

- शिक्षक कक्षा की फर्श पर उक्त चित्र बनाएं।
- एक बच्चे को दो से अधिक कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें:** इकाई में कितने कंकड़ आए? दहाई में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ:** तुम्हारे इकाई में चार और दहाई में एक कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास एक दहाई और चार इकाई है?
- **पूछे:** एक इकाई और चार दहाई मिलकर कौन सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** जरूरत पड़ने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल करके समझाएँ कि दहाई का एक कंकड़ एक दस के बण्डल को दर्शा रहा है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

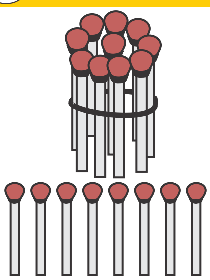

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों को 18 माचिस की तीलियाँ दें और तीलियाँ गिनकर संख्या लिखने को कहें।
- इसके बाद बच्चों को बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें:** कितने बण्डल/दहाई बने और कितने खुले/इकाई बचे? बण्डल और खुले की संख्या चार्ट पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ:** 18 में 1 दहाई और 8 इकाई होते है। बाईं तरफ से पहले दहाई और फिर इकाई लिखते हैं।
- अब गिनमाला से गतिविधि शुरू करें। बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 15–15 मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ:** यहाँ लाल रंग के दस मोती एक दहाई को और पाँच सफेद मोती पांच इकाई को दर्शा रहे हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें। 18, 20
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को अपनी–अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

- अठारह में कितनी दहाई और इकाई होगी?
- बीस में कितनी दहाई और इकाई होगी?
- एक दहाई और नौ इकाई मिलकर कौन सी संख्या बनाएँगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|3 कराएँ–पृष्ठ 101

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|3 कराएँ–पृष्ठ 87

सप्ताह 13

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

बन्डल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियाँ / परिवेशीय वस्तुएँ

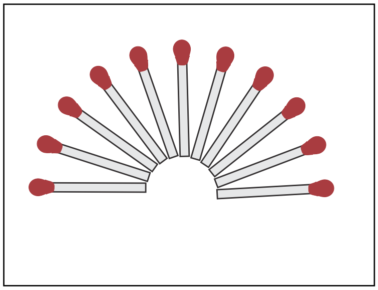

- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बांटें।
- प्रत्येक समूह में माचिस की तीलियाँ / झाड़ू की सींकें / नीम के पत्तियों की सींक पर्याप्त मात्रा में दें।
- समूह में बैठे अन्य बच्चे अब किसी एक बच्चे के द्वारा निकाली गयी सींकों को गिनकर देखेंगे कि सही संख्या निकाली है या नहीं।
- बच्चों को निर्देश दें कि बच्चे को दूसरे बच्चे की सींकें जल्दी और नए तरीके से गिननी हैं जैसे 2, 3 के समूह में या 4, 5 के आदि।
- प्रत्येक समूह में 10 से अधिक तीली / सींक होने पर एक बण्डल बनाने को कहें।
- बच्चों से पूछें कि 10 के बण्डल को कोई नाम भी दे सकते हैं क्या, जैसे 2 को जोड़ा कहते हैं?

बच्चों के लिए प्रश्न:

बच्चों को कुछ तीलियाँ दें। दी गई तीलियों से पाँच के कितने बण्डल बना सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

ठोस आकृतियाँ, अवधारणा बोर्ड (स्थानीय मान)

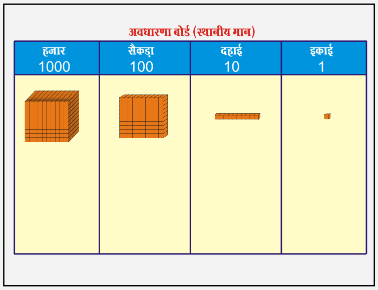

- प्रत्येक समूह को अलग–अलग 1–20 तक स्ट्रॉ के सेट दें।

  प्रत्येक समूह के बच्चों को गिनने को कहें और दस–दस के बण्डल बनाने को कहें।
- प्रत्येक समूह से बातचीत करें बण्डल और शेष बची हुई स्ट्रॉ के बारे में, शेष बची हुई स्ट्रॉ को और बण्डलों को क्या कहेंगे?
- शिक्षक बताएंगे– बण्डल को दहाई व शेष बची हुई स्ट्रॉ इकाई।
- समूह के बच्चों द्वारा किए गए कार्य के बारे में चर्चा करने हेतु उन्हें आमंत्रित करें।
- हर समूह को स्थानीय मान के अवधारणा बोर्ड की मदद से बच्चों को दहाई के चित्रण में और इकाई के चित्रण में गिनकर अंतर बताने के लिए आमंत्रित करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

9, 12, 17, 20, 5

दी गई संख्याओं के बराबर स्ट्रॉ उठा कर दिखा सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

फ्लेश कार्ड, मोती की माला, स्थानीय मान चार्ट।

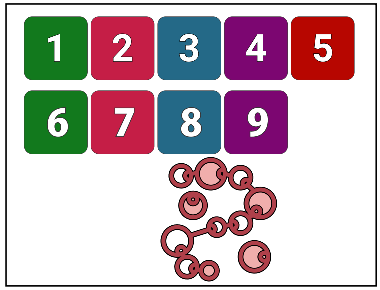

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को फ्लेश कार्ड और मोतियाँ दें।
- 10 मोतियों की माला बनाने को कहें, शेष मोती को अलग रखें और कोई 10–20 तक की संख्या को बोलेंगे।
- बच्चों से पूछें कि 10 मोतियों की माला को क्या कहेंगे और अलग रखे मोती को क्या कहेंगे ?
- समूह से एक–एक बच्चा आएगा और बताएगा, बोले गए अंक में कितनी मोतियों की माला यानी दहाई और कितने अलग मोती यानी इकाई है।
- बच्चों को दहाई की संख्या व इकाई की संख्या को दिए गए स्थानीय मान चार्ट पर लिखने को कहें।
- 10 से 20 तक की संख्या, प्रत्येक समूह को अलग–अलग भी दे सकते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्न :

बच्चों को अपनी कापी में 10–20 की गिनती लिखने को कहें।

किसी भी संख्या में कितनी इकाई और दहाई है, लिख सकते हैं?

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- बण्डल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।
- 1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।
- 1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : ब्लॉक्स एवं खेल मुद्रा, संख्या कार्ड।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

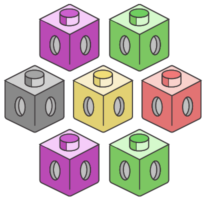

- प्रत्येक समूह को ब्लॉक दें।
- **समझाएँ :** समूह के प्रत्येक छात्र से दो ब्लॉक को एक साथ जोड़ने को कहें।
- अब सभी छात्रों को 3 ब्लॉक को, 4 ब्लॉक को, 5 ब्लॉक को और 10 ब्लॉक को एक साथ जोड़ने को कहें।
- प्रत्येक समूह का अवलोकन करते रहें कि क्या प्रत्येक समूह ब्लॉक को सही से जोड़ रहा है।
- अब मेज पर कुछ ब्लॉक रखें और बच्चों को बारी–बारी से बुलाकर उनसे (2, 3, 4, 5, 10) संख्या में ब्लॉक को जोड़ने को कहें।
- ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

- संख्याओं को इकाई और दहाई में सिक्के, नोट और ब्लॉक से समझना। प्रत्येक समूह को ब्लॉक, सिक्के और नोट दें।
- **समझाएँ :** समूह के प्रत्येक छात्र से दस ब्लॉक को एक साथ जोड़ने को कहें।
- अब सभी छात्रों को 1 रुपये के दस सिक्कों को मिलाकर पूछें कि यह किस नोट के बराबर है? चूंकि छात्र सामान्यत: 10 रुपये से परिचित है तो वह दस रुपये का नोट बोलेगा।
- अब 11 से 20 तक के रुपये को सिक्के और दस रुपये के नोट के रूप में व्यक्त करने को कहें।
- अब ब्लॉकों को भी 11 से 20 तक के रूप में व्यक्त करने को कहें।
- इस बात का ध्यान रखें कि छात्र ब्लॉक को 10 –10 की संख्या में जोड़ें।
- छात्रों को समझाएं कि ये 10–10 के बण्डल दहाई और खुले ब्लॉक इकाई को प्रदर्शित करते हैं।
- ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

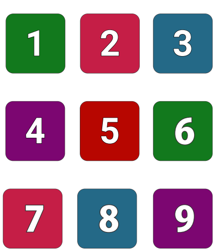

- दो अंकों की संख्या को दहाई व इकाई में संख्या कार्ड और ब्लॉक की सहायता से लिख पाना।
- प्रत्येक समूह को 20–20 ब्लॉक और 1–20 तक की संख्या के संख्या कार्ड दें।
- **समझाएँ :** समूह को बताएं कि दस के बण्डल को दहाई तथा खुले ब्लॉक को इकाई कहते हैं।
- प्रत्येक छात्र से दिये हुए संख्या कार्ड को दहाई व इकाई में ब्लॉक की सहायता से बनाने को कहें।
- सभी छात्रों को बनाई गई दहाई व इकाई को अलग–अलग लिखवायें।
- अब प्रत्येक समूह को अलग–अलग संख्या कार्ड को ब्लॉकों से दहाई व इकाई में बनाने को कहें और देखें कि क्या छात्र सही लिख रहे हैं।
- अब टेबल पर कुछ संख्या कार्ड रखें और समूह से छात्रों को बारी–बारी बुलाकर उनसे दहाई व इकाई अलग–अलग लिखवाएं।
- ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- बंडल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।
- 1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।
- 1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : माचिस की तीलियां, रबर बैंड, संख्या कार्ड, गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

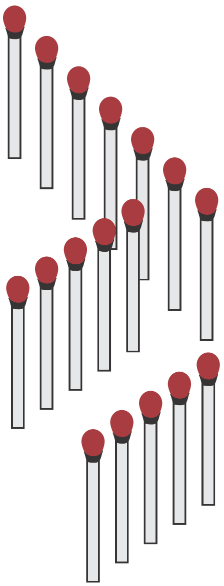

- शिक्षक, माचिस की तीलियों से बच्चों को परिचित कराएँ।
- कक्षा के बच्चों को दो–दो के समूह में बांट दें।
- सभी समूहों को माचिस की तीलियों से क्रमशः 2, 3, 4, 5, 10 तीलियों के बण्डल बनाने को कहें।

☞ **समझाएँ** : प्रत्येक बण्डल, एक निश्चित संख्या को प्रदर्शित करता है।

- दो के बण्डल को जोड़ा कहते हैं। इसी प्रकार 10 तीलियों का एक बण्डल, दहाई कहलाता है और खुली तीली को इकाई बोलेंगे।
- दस का एक बण्डल और 1 तीली –ग्यारह। दस का एक बण्डल और 2 तीली–बारह ऐसे ही क्रमशः 19 तक बोलेंगे। दो दहाई मिलाकर 20 या दो 10 बनेंगे। बच्चे, माचिस की तीली की सहायता से गिनती बोलकर दिखाएँगे।

☞ **पूछें** :

- ? बण्डल कितनी तीलियों के बनाए जा सकते हैं?
- ? 10 तीलियों के बण्डल को क्या कहेंगे?
- ? दो दहाई से क्या संख्या बनेगी?
- ? खुली तीलियों को क्या कहते हैं?
- ? 18 में कितने बण्डल, दस तीलियों के और कितनी खुली तीली होगी?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

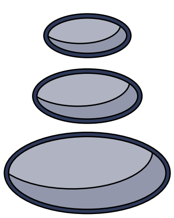

- शिक्षक, बच्चों के लिए श्यामपट्ट पर चित्र (कंकड़ आदि) सहित 1 से 20 तक की संख्या बोल–बोल कर लिखें।
- संख्या कार्ड को मेज पर बिना किसी क्रम के रखें।
- एक एक बच्चे को बुलाकर कार्ड उठाकर लिखी संख्या को बोलने के लिए कहें।

☞ **समझाएं** : शिक्षक, श्यामपट्ट पर लिखी संख्या को संख्या कार्ड से मिलाने को प्रत्येक बच्चे से बारी–बारी से कहें।

- सभी बच्चों को गतिविधि में सम्मिलित किया जाए।
- शिक्षक, हर बच्चे को देखें कि क्या वह संख्या कार्ड को श्यामपट्ट पर लिखी सही संख्या से मिलान कर रहा है? यदि नहीं तो क्यों?
- शिक्षक, बच्चों को संख्या लेखन के लिए भी तैयार करें।
- कक्षा में 3 या 4 बच्चों के समूह बनाएं। प्रत्येक समूह को एक संख्या कार्ड देकर, उस संख्या को श्यामपट्ट पर लिखने के लिए बोलें।
- बच्चों को कार्य पूर्ण करने के लिए उपयुक्त समय दें।

☞ **पूछें** :

- ? 12 और 14 के बीच में कौन सी संख्या आती है?
- ? 10 से 20 तक संख्या को कॉपी में कैसे लिखेंगे?
- ? 9 से विपरीत क्रम में 1 तक संख्या लिखो।
- ? क्या 20 से आगे भी संख्या हो सकती हैं?
- ? 20 से आगे की संख्या को कैसे लिखेंगे? सोचें?

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से बीस तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

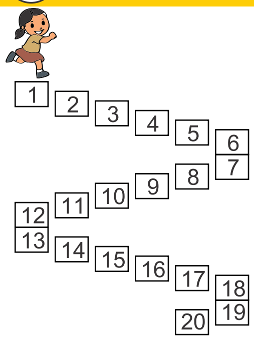

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (एक से बीस)
- **समझाएँ:** एक बच्चे को संख्या 1 से शुरू करके संख्या रेखा पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को अन्य बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें और एक से बीस तक का संख्या कार्ड दें।
  समझाएँ– संख्या कार्ड को एक से बीस तक क्रम में रखना है।
- **पूछें:** (कार्ड दिखाते हुए) यह कौन सी संख्या है? इसके बाद तुम कौन की संख्या का कार्ड रखोगे?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु:** संख्या कार्ड को बीस से एक तक क्रम में रखने के लिए भी कह सकते हैं।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएँ और कोई भी एक कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएँ**–एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या और दूसरे बच्चे को बाद वाली संख्या कार्ड रखने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

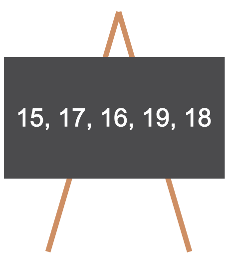

- शिक्षक श्यामपट्ट पर संख्याएँ लिखें। जैसे : 15, 17,16, 19,18
- बच्चे को इन संख्याओं को अपने कॉपी में क्रम में लगाने को कहें।
- किस संख्या को सबसे पहले रखा है?
- बीच में रखी संख्या का नाम क्या है?
- अठारह के बाद कौन की संख्या आएगी।
- सोलह के पहले कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|1 कराएँ–पृष्ठ 106

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|1 कराएँ–पृष्ठ 93

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

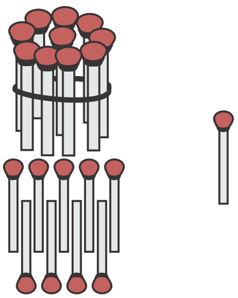

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में उन्नीस माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें**: पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं? दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ**– पेज पर तीलियों के नीचे (19 + 1= 20) लिखते हुए बताएं कि उन्नीस में एक मिलाया तो बने बीस।
- इसी प्रकार से दो समूह बनाते हुए। दस के दो बण्डल (बीस) में एक मिलाया तो बना इक्कीस।
- 50 तक की कुछ संख्याओं के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

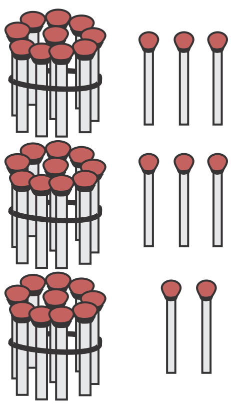

- शिक्षक बच्चों को 38 माचिस की तीलियाँ दें।
- **पूछें**: तुम्हारे पास कितनी तीलियाँ हैं? बच्चों को तीलियों से दस के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएं**– बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। अड़तीस में तीन बण्डल यानी तीन दहाई और आठ खुले यानी आठ इकाई होती है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 29 रेखा खंड बनाएं और बच्चे को चित्रों की संख्या गिनकर दस–दस के समूह में घेरा लगाने को कहें।
- **पूछें**: श्यामपट्ट पर कितने चित्र हैं? दस के कितने समूह बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ**–उन्तीस में दस का समूह दो और 9 खुले बने। यानी दो दहाई और नौ खुले मिल कर उन्तीस बनाते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

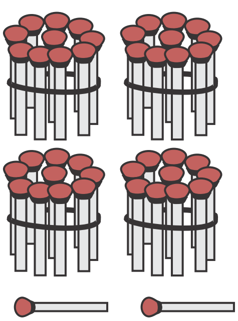

- शिक्षक कुछ दस के बण्डल और खुले माचिस की तीलियाँ रखें।
- बच्चों को बोलें कि जो संख्या बोला जाए उतनी ही माचिस की तीलियाँ दें ।

- मैंने कौन सी संख्या बोली?
- तुमने मुझे कितने बण्डल / दहाई दिए?
- दी गई संख्या में कितनी इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|2 कराएँ–पृष्ठ 107

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|2 कराएँ–पृष्ठ 93

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड, गिनमाला।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 50 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को अचानक नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

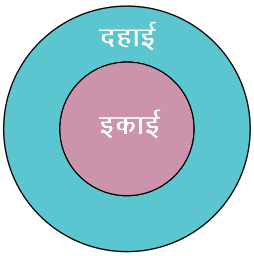

- शिक्षक कक्षा के फर्श पर उक्त चित्र बनाएं और बच्चे को पाँच से अधिक कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें**: इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए? दहाई के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएं**– इकाई में चार और दहाई में तीन कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें**: चार इकाई और तीन दहाई मिलकर कौन सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

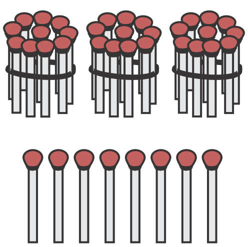

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों को 38 माचिस की तीलियाँ दें और बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने बण्डल / दहाई बने और कितने खुले बचे?
- कितने बण्डल बने और कितने खुले बचे उसे चार्ट पर लिखने को कहें।
- **समझाएं**: दी गई संख्या में 3 बण्डल और 8 खुले होते हैं। बाएँ / पहले बण्डल लिखते हैं फिर खुली तीलियों की संख्या।
- शिक्षक कक्षा में उचित ऊँचाई पर गिनमाला लटका दें।
- बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 25
- अब संख्या के बराबर मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ**: बच्चों को बताएँ कि यहाँ लाल रंग की दस–दस मोतियों के दो समूह यानी दो दहाई को और पाँच सफेद मोती यानी पाँच इकाई है। बीस और पांच हुए पच्चीस।
- इसी प्रकार एक या दो बार प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें। बच्चों को पूछे गए सवालों के जवाब अपने कॉपी में लिखने को कहें।
- इकतालीस में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- चालीस में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- तीन दहाई और नौ इकाई मिल कर कौन सी संख्या बनाएंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|3 कराएँ–पृष्ठ 108

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|3 कराएँ–पृष्ठ 93

सप्ताह 14

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड और ब्लॉक्स।

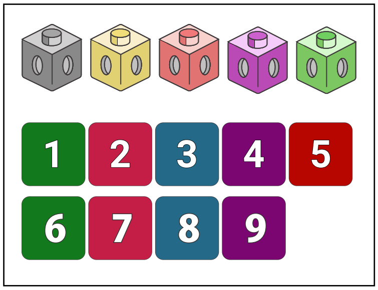

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- 1–20 तक कोई भी संख्या बोलें, प्रत्येक समूह संख्या से संबंधित फ्लैश कार्ड व ब्लॉक्स को निकालेंगे।
- प्रत्येक समूह से उस संख्या से पहले की संख्या (छोटी संख्या) का फ्लैश कार्ड निकालने को और बाईं तरफ रखने को कहें।
- अब बच्चों को उस संख्या के बाद की संख्या (बड़ी संख्या) निकालने को कहें और दाईं तरफ रखने को कहें।
- उस संख्या के आगे और पीछे की संख्या के बारे में प्रत्येक समूह से चर्चा करें और उनसे पूछें कि कौन–सी संख्या बड़ी है और कौन–सी संख्या छोटी है? फिर उन्हें क्रम से इन तीनों संख्याओं को कॉपी में लिखने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

बच्चों को 1–20 तक की संख्या क्रमवार कॉपी में लिखने को कहें।

क्या आप 1 से 20 तक की संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

स्ट्रॉ और रबर बैंड।

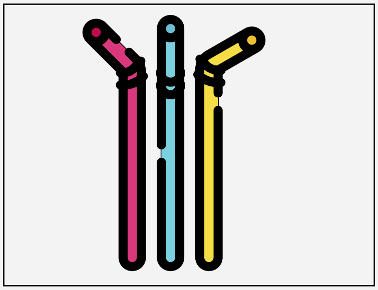

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।

  प्रत्येक समूह को 50–50 स्ट्रॉ दें 10–10 स्ट्रॉ का बण्डल बनाने को कहें।
- पूछें प्रत्येक स्ट्रॉओं के बण्डल में कितनी स्ट्रा हैं?

  50 की संख्या में कुल कितने बण्डल बने हैं?
- उनके पूर्वज्ञान को आंकने और यदि यह समझ अभी विकसित नहीं हुई तो उसे स्थापित करने का अच्छा मौका है।
- प्रत्येक समूह को अलग–अलग संख्या बताएँ जैसे– 21, 37, 19, 45 आदि।
- अब समूह के बच्चे बताई गई संख्या के अनुसार स्ट्रा के बण्डल और स्ट्रा को गिनकर निकालेंगे ।

  दहाई और इकाई के स्थान पर रखेंगे।

बच्चों के लिए सवाल:

18, 23, 33, 46

दी गई संख्याओं के बराबर स्ट्रॉ उठाकर लिखा सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, स्थानीय मान कार्ड।

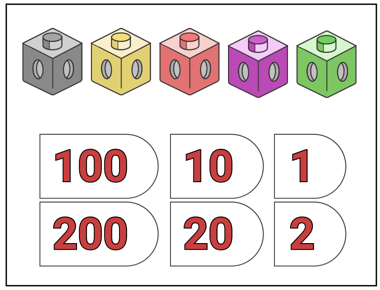

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड और ब्लॉक्स का सेट दें।
- प्रत्येक समूह को 10–10 ब्लॉक्स के समूह बनाने को कहें और कुछ खुले ब्लॉक्स अपने पास रखें।
- संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें और निर्देश दें कि बच्चे ब्लॉक्स से उस संख्या को दर्शायें 10 ब्लॉक्स के समूह और खुले ब्लॉक्स से।
- स्थानीय मान कार्ड से भी संख्या के अनुसार दहाई और इकाई वाले कार्ड्स उठाएँ और उनको मिलाकर लिखी संख्या दिखाएं।
- बच्चों से बातचीत करें कि दहाई में कितने ब्लॉक्स हैं और इकाई में कितने?
- बच्चों से पूछें कि लिखी गयी संख्या में कितने दहाई और कितने इकाई हैं अपने कार्ड्स से देख कर बताएं?

बच्चों के लिए प्रश्न:

14, 19, 49, 38

किसी भी संख्या में कितने इकाई और दहाई हैं, लिख सकते हैं?

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स और तीलियाँ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से पचास तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बड़ी और छोटी संख्या। गणित चिह्न (< , >, =)

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

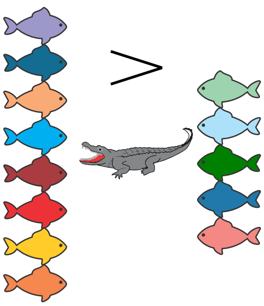

- शिक्षक अपने हाथ से इशारा करें कि आप एक मगरमच्छ की भूमिका निभाएंगे।
- **समझाएं**– एक भूखा मगरमच्छ हमेशा वहीं जाएगा जहाँ अधिक भोजन है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में बारह और दूसरे समूह में अठारह मछली बनाएं।

पूछें : मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा?

शिक्षक के लिए बिन्दु : एक से पचास तक की ही संख्या का प्रयोग करें।

- प्रक्रिया को और उदाहरण लेकर दोहराएँ।
- जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें और एक–एक की संगति करके समझाएं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

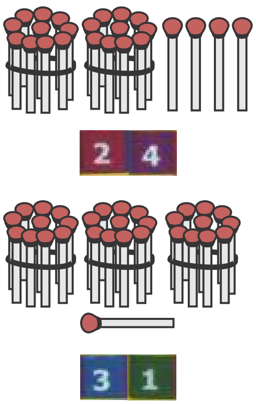

- शिक्षक दस के बण्डल, कुछ खुली तीलियाँ और संख्या कार्ड रखें। माचिस की तीलियों के दो समूह बनाएँ।

पूछें : किस समूह में ज्यादा तीलियाँ हैं?

- शिक्षक दोनों समूह के तीलियों को बोल कर गिने और उचित संख्या कार्ड रखें।

पूछें : कौन सी संख्या बड़ी हुई और कौन सी छोटी?

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत पड़ने पर बच्चों को एक–एक की संगति करने दें। बातचीत के अंत में बच्चों को तीनों चिह्नों से परिचय कराएँ।

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में कुछ चित्र बनाएं।
- बच्चों को दोनों समूह के नीचे संख्या लिखने और उचित चिह्न लगाने को कहें।
- **समझाएँ**–चिह्न लगते हुए यह याद रखो कि मगरमच्छ का मुँह हमेशा ज्यादा वस्तुओं की तरफ जाता है ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

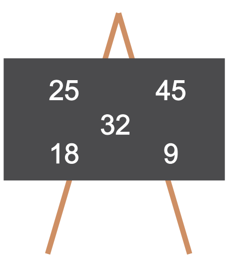

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या लिखें। जैसे 25 और 45।
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

? पैंतीस और पैंतालिस में कौन–सी संख्या बड़ी हैं?

? बत्तीस से छोटी एक संख्या लिखें।

? अठारह और नौ में कौन–सी संख्या छोटी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|1 कराएँ–पृष्ठ 113

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|1 कराएँ–पृष्ठ 97

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : माचिस तीली। संख्या कार्ड्स, संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से 99 तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : बच्चे आगे की संख्या तो बता देते हैं लेकिन पीछे की संख्या नहीं बता पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20

- शिक्षक फ़र्श पर 10 से 20 तक संख्या रेखा बनाएँ।
- **समझाएँ**: एक बच्चे को संख्या 10 से शुरू करके संख्या रेखा पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- अन्य बच्चों को वह संख्या बताने को कहें जिस पर वह बच्चा कूद रहा है।
- ? **पूछें**: बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को 1 से 50 की संख्या रेखा पर कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक 1 से 50 तक की संख्या कार्ड रखें।
- **समझाएँ**– जो संख्या कार्ड दिखाया जाए उसके आगे और पीछे की संख्या कार्ड दिखानी है। इसके लिए संख्या चार्ट की मदद ले सकते हैं।
- ? **पूछें**: यह कौन–सी संख्या है? इसके आगे कौन सी संख्या का कार्ड आयेगा?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएँ।
- शिक्षक कोई भी एक संख्या कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएँ**– एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या कार्ड और दूसरे बच्चे को बाद वाली संख्या कार्ड रखने को कहें।
- बच्चे को उनके द्वारा रखे गए कार्ड का संख्या नाम भी बताने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

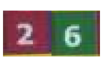

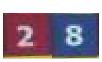

- शिक्षक बच्चे को कोई भी तीन लगातार संख्या कार्ड दें। जैसे– 26, 27 और 28 बच्चे को इन कार्ड्स को क्रम में लगाने को कहें।
- ? तुमने इस कार्ड को सबसे पहले क्यों रखा है?
- ? बीच में रखी संख्या कार्ड का संख्या नाम क्या है?
- ? 27 के पहले कौन की संख्या आएगी।
- ? 27 के बाद कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|2 कराएँ–पृष्ठ 114

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|2 कराएँ–पृष्ठ 97

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

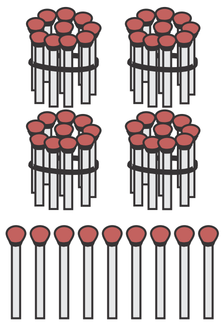

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में उन्चास माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें**: पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं? दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ**— पेज पर तीलियों के नीचे (49+1= 50) लिखते हुए बताएं कि उन्चास में एक मिलाया तो बने पचास।
- इसी प्रकार से दोसमूह बनाते हुए। दस के पांच बण्डल (पचास) में एक मिलाया तो बना इक्यावन।
- **शिक्षक के लिए निर्देश**: इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए 50 से 99 तक की कुछ संख्याओं के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

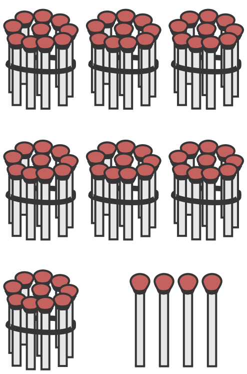

- शिक्षक बच्चों को 74 माचिस की तीलियाँ दें।
- **पूछें**: तुम्हारे पास कितनी तीलियाँ हैं? बच्चों को तीलियाँ गिनकर बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएँ**— बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। चौहत्तर में सात बण्डल यानी सात दहाई और चार खुले यानी चार इकाई होती है। अब शिक्षक श्यामपट्ट पर 69 रेखा खंड बनाएँ।
- बच्चे को रेखाखण्डों की संख्या गिनकर दस–दस के समूह में गोला लगाने को कहें।
- **पूछें**: श्यामपट्ट पर कितने रेखाखण्ड हैं? दस के कितने समूह बने? कितने खुले चित्र रह गए?
- **समझाएँ**—उनहत्तर में दस का समूह/बण्डल छह बन पाएगा और नौ खुले बच गए। यानी छह दहाई और नौ खुले मिल कर उनहत्तर बनाते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

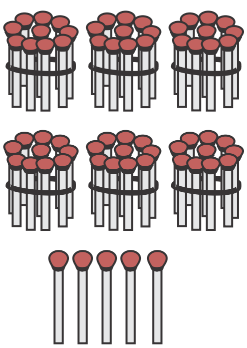

- शिक्षक कुछ दस के बण्डल और खुले माचिस की तीलियाँ रखें।
- बच्चों को बोलें जो संख्या बोला जाए उतनी ही माचिस की तीली रखनी है।
- मैंने कौन–सी संख्या बोली?
- तुमने मुझे कितने बण्डल/दहाई दिए?
- दी गई संख्या में कितने इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|3 कराएँ–पृष्ठ 115

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|3 कराएँ–पृष्ठ 97

सप्ताह 15

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, संख्या कार्ड।

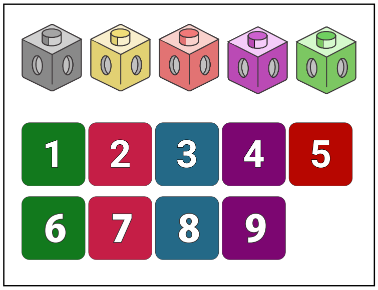

- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को ठोस आकृतियों का सेट और संख्या कार्ड दें ।
- प्रत्येक समूह को अलग–अलग ब्लॉक्स दें और गिनने को कहें, जैसे– 15, 25, 36 आदि।
- प्रत्येक समूह को दिए गए ब्लॉक्स की संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चों से पूछें कि किस समूह के पास सबसे ज्यादा ब्लॉक्स हैं?

  बच्चों को एक–दूसरे के समूह में रखे ब्लॉक्स को देखकर जवाब की पुष्टि करने को कहें।

  किस समूह के बराबर ब्लॉक्स हैं?
- फिर बच्चों से दो संख्या कार्ड दिखाकर पूछें कि इनमें से कौन सी संख्या बड़ी है और कौन सी छोटी?

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 2 व 7 में जो छोटा है, उतनी ताली बजा सकते हो?
- 34 और 43 में कौन संख्या बड़ी है?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

संख्या चार्ट।

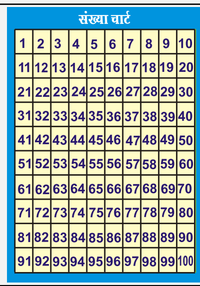

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- फर्श पर 1 से 50 तक की गिनती लिखें।
- समूह के एक बच्चे को खड़ा करें और दूसरा बच्चा गिनती बोलेगा (1, 2, 3, ... 50)।
- पहला बच्चा बोली गई संख्या 1 पर कूदेगा, 2 बोलने पर 2 पर कूदेगा, इस प्रकार वह 50 तक कूदेगा।
- तीसरा और चौथा बच्चा बोली गई संख्या को अपनी कॉपी में लिखेगा।
- ठीक यही प्रक्रिया उल्टी तरफ 50 से 1 तक दोहराएँ।
- फिर कोई भी संख्या को बोलें और पूछें कि इस संख्या के आगे या पीछे कौन–सी संख्या आएगी?
- संख्या के आगे और पीछे की संख्या को लिखने के लिए भी कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 34 से 49 तक की संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

तीली और बंडल।

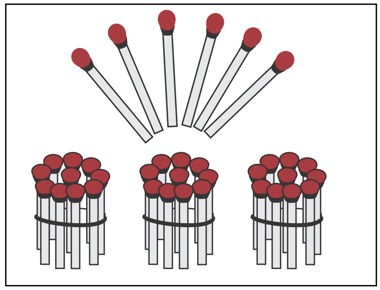

- दस तीलियों के बण्डल और खुली तीलियाँ।
- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को दस तीलियों के 9 बण्डल व 9 तीलियाँ दें।
- कोई भी एक संख्या बोलें और बोली गई संख्या के अनुसार बच्चों को बण्डल और तीलियाँ उठाने को बोलें।
- बच्चे बताएँगे कि उन्होंने कुल कितनी तीलियाँ उठाई हैं।

  बण्डल और तीलियों को बच्चे इकाई और दहाई के स्थान पर रखेंगे।
- बच्चों से पूछें इकाई के स्थान पर कितनी तीलियाँ हैं और दहाई के स्थान पर कितनी तीलियाँ हैं?
- यह प्रक्रिया अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- पूछें कि आपने दहाई के लिए बण्डल और इकाई के लिए खुली तीलियों को क्यों चुना?

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 89 में कितनी इकाई और कितनी दहाई है?
- 60 में कितनी इकाई और कितनी दहाई है?

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को अचानक नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

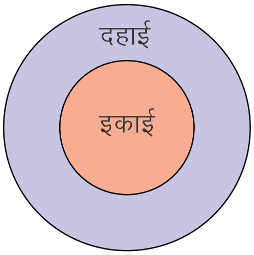

- शिक्षक कक्षा के फर्श पर उक्त चित्र बनाएं और बच्चे को नौ कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें**: इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए? दहाई के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ**— इकाई में चार और दहाई में तीन कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें**: चार इकाई और तीन दहाई मिलकर कौन–सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

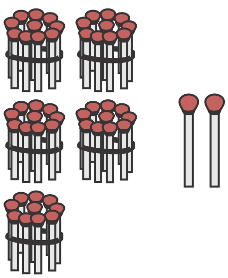

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों 52 माचिस की तीलियाँ दें और बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने बण्डल/दहाई बने और कितने खुले बचे?
- कितने बण्डल बने और कितने खुले बचे उसे चार्ट (ऊपर) पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ**: दी गई संख्या में 5 बण्डल और 2 खुले होते हैं। बाएँ/पहले बण्डल लिखते हैं फिर खुली तीलियों की संख्या।
- शिक्षक कक्षा में उचित ऊँचाई पर गिनमाला लटका दें।
- बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 85
- अब संख्या के बराबर मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ**: बच्चों को बताएँ कि यहाँ लाल रंग की दस–दस मोतियों के आठ समूह यानी आठ दहाई को और पाँच सफेद मोती यानी पाँच इकाई है। आठ और पाँच हुए पचासी।
- इसी प्रकार एक या दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें।
- बच्चों को पूछे गए सवालों के जवाब अपने कॉपी में लिखने को कहें।
- इकसठ में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- सत्तर में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- आठ दहाई और नौ इकाई मिल कर कौन की संख्या बनाएँगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|1 कराएँ–पृष्ठ 120

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|1 कराएँ–पृष्ठ 101

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स और तीलियां।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से निन्यान्बे तक की संख्या की मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बड़ी और छोटी संख्या। गणित चिह्न (< , >, =)

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

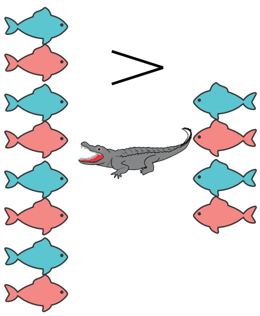

- शिक्षक अपने हाथ से इशारा करें कि आप एक मगरमच्छ की भूमिका निभाएंगे।
- **समझाएँ**– एक भूखा मगरमच्छ हमेशा वहीं जाएगा जहाँ अधिक भोजन है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में मछली बनाएँ।

पूछें : मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा?

शिक्षक के लिए बिन्दु : पचास से निन्यानबे तक की ही संख्या का प्रयोग करें।

- प्रक्रिया को और उदाहरण लेकर दोहराएँ।
- जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें और एक–एक की संगति करके समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

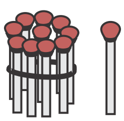

- शिक्षक दस के बण्डल, कुछ खुली तीलियाँ और संख्या कार्ड रखें।
- माचिस की तीलियों के दो समूह बनाएँ।

पूछें : किस समूह में ज्यादा तीलियाँ हैं?

- शिक्षक दोनों समूह की तीलियों को बोल कर गिनें और उचित संख्या कार्ड रखें।

पूछें : कौन सी संख्या बड़ी हुई और कौन सी छोटी?

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत पड़ने पर बच्चों को एक–एक की संगति करने दें। बातचीत के अंत में बच्चों को तीनों चिह्नों से परिचय कराएँ।

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में कुछ चित्र बनाएँ।
- बच्चों को दोनों समूह के नीचे संख्या लिखने और उचित चिह्न लगाने को कहें।
- **समझाएँ**–चिह्न लगाते हुए यह याद रखो कि मगरमच्छ का मुँह हमेशा ज्यादा वस्तुओं की तरफ जाती है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

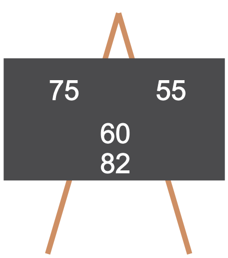

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या लिखें। जैसे 75 और 55 ।
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

? पचहत्तर और पचपन में कौन सी संख्या बड़ी हैं?

? साठ से छोटी एक संख्या लिखें।

? बयासी से छोटी संख्या लिखें।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|2 कराएँ–पृष्ठ 121
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|2 कराएँ–पृष्ठ 101

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : माचिस तीली। संख्या कार्ड्स, संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से 99 तक की संख्या की मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : बच्चे आगे की संख्या तो बता देते हैं लेकिन पीछे की संख्या नहीं बता पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

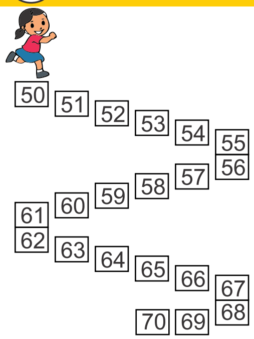

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (पचास से सत्तर)
- **समझाएं**—एक बच्चे को संख्या 50 से शुरू करके संख्या पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- अन्य बच्चों को वह संख्या बताने को कहें जिस पर वह बच्चा कूद रहा है।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को सत्तर से नब्बे की संख्या रेखा पर कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक एक से निन्यान्नबे तक की संख्या कार्ड रखें।
- **समझाएं**— जो संख्या कार्ड दिखाया जाए उसके आगे और पीछे की संख्या कार्ड दिखानी है। इसके लिए संख्या चार्ट की मदद ले सकते हैं।
- **पूछे:** यह कौन सी संख्या है? इसके आगे कौन सी संख्या का कार्ड आयेगा?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएं। शिक्षक कोई भी एक संख्या कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएं**— एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाले संख्या कार्ड और दूसरे बच्चे को बाद वाले संख्या कार्ड रखने को कहें।
- बच्चे को उनके द्वारा रखे गए कार्ड का संख्या नाम भी बताने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

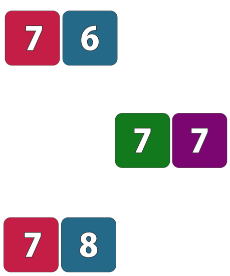

- शिक्षक बच्चे को कोई भी तीन लगातार संख्या कार्ड दें। जैसे : 76, 77 और 78 बच्चे को इन कार्ड्स को क्रम में लगाने को कहें।
- तुमने इस कार्ड को सबसे पहले क्यों रखा है?
- बीच में रखी संख्या कार्ड का संख्या नाम क्या है?
- सतत्तर के पहले कौन की संख्या आएगी।
- अठत्तरके बाद कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|3 कराएँ–पृष्ठ 122

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|3 कराएँ–पृष्ठ 101

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड, संख्या कार्ड।

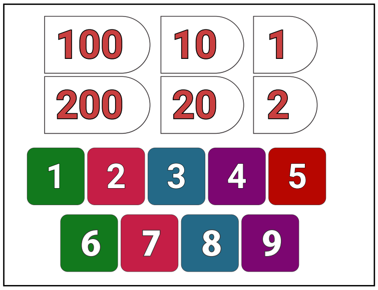

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड और संख्या कार्ड दें।
- कोई दो अंकों की संख्या श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चों को संख्या कार्ड और स्थानीय मान कार्ड के उपयोग से उसे दर्शायें।
- बच्चों से पूछें कि दायीं ओर कौन–सी संख्या है और बायीं ओर कौन सी?
- स्थानीय मान कार्ड में दायीं ओर की संख्या और बायीं ओर की संख्या को मेल करने को कहें। संख्या कार्ड की बायीं ओर लिखी संख्या का मान स्थानीय कार्ड के बायीं संख्या से पता चलेगा जिसे दहाई कहते हैं और दायीं ओर का दायीं वाली संख्या से जिसे इकाई कहते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 73 से 99 तक की सभी संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन

मोती, फ्लेश कार्ड।

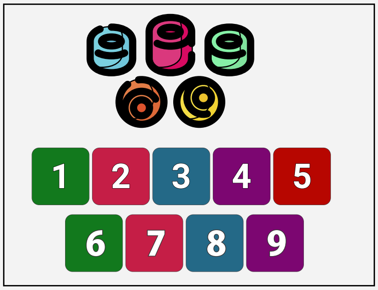

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को ठोस आकृतियां (मोती) और फ्लेश कार्ड दें।

  दो संख्या प्रत्येक समूह को बताएं।
- समूह के बच्चे उस संख्या के अनुसार मोतियों का समूह बनाएंगे।
- साथ ही साथ फ्लेश कार्ड लें, उस संख्या का कार्ड भी निकालेंगे।
- प्रत्येक समूह के पास जाएं और अवलोकन करें तथा पूछें कि कौन सा मोतियों का समूह ज्यादा है, कौन सा कम?
- यह भी पूछें कि मोतियों का समूह कम या ज्यादा क्यों है?

  इस प्रक्रिया को बार–बार दोहराएं और नई संख्या दें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 89 और 98 में कौन बड़ा है?
- 57 और 75 में कौन छोटा है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

फ्लेश कार्ड, आगे पीछे की अवधारणा का चार्ट।

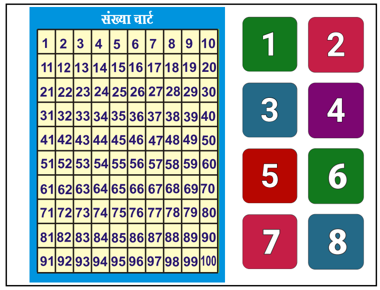

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को फ्लेश कार्ड (1 से 99 तक) दें।
- आगे–पीछे के चार्ट की सहायता से क्रम की अवधारणा पर काम करें और उसमें दिए सवाल पूछें –जानवरों की दौड़ में सबसे पीछे कौन है? ऑटो के आगे की गाडी का रंग बताओ?
- एक बच्चा समूह से एक फ्लेश कार्ड लेकर आएगा और उसे बड़े टेबल पर या जमीन पर रख देगा।
- समूह के बच्चे फ्लेश कार्ड को रखेंगे और बोलेंगे भी, एक–एक करके समूह के सारे बच्चे संख्या को क्रम से लगाएं।
- साथ ही साथ उस बोली गई संख्या को प्रत्येक समूह अपनी कॉपी में लिखेगा।
- इसी तरह संख्या की एक लम्बी कतार बन जाएगी।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 70 से पहले कौन–सी संख्या आती है?
- 59 के बाद कौन–सी संख्या आती है?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

स्थिर अंतराल में (2, 3, 4, 5, 10) गिनती बोल और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड।

नये शब्द : पैटर्न।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे स्वभाविक रूप से आसान पैटर्न में छुपे नियम को समझ लेते हैं। बच्चे संख्या और उसके क्रम से परिचित हैं।

सामान्य भूल : बच्चे संख्याओं को क्रम में तो बोल लेते हैं, लेकिन किसी संख्या के स्थिर अंतराल में क्रम को बोल नहीं पाते।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

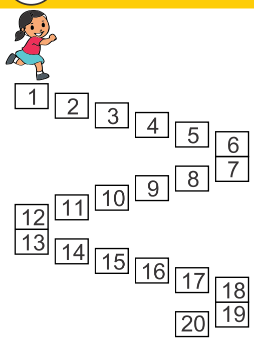

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (एक से बीस)
- **समझाएँ** –आप लोगों को इस संख्या पर कूदना है। पहले आपको एक–एक संख्या छोड़कर कूदना है। जैसे : अगर आप पहले संख्या 1 पर खड़े हैं तो आप संख्या 3 पर कूदेंगे।
- एक बच्चे को बुला कर उसे दो–दो के अंतराल में कूदने को कहें।
- **पूछें** : एक बार कूदने के बाद कौन–सी संख्या पर खड़े हो?
- इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या जैसे 3, 4 और 5 के अंतराल में दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

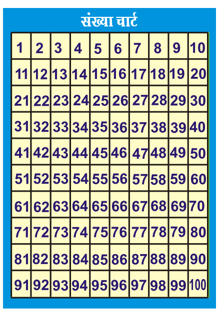

- शिक्षक 10 से 30 तक के संख्या कार्ड प्रत्येक बच्चों में एक–एक बाँट दें।
- मैं जो संख्या बोलूँगा, उस संख्या के बच्चे को सामने आकर खड़े होना है। इसके बाद दो–दो के अंतराल में जो संख्या आएगी उन सबको एक के बाद एक खड़े होना है। जैसे– अगर मैंने बोला ग्यारह, तो जिसके पास संख्या कार्ड 11 है, वह बच्चा आगे आएगा। फिर उसके आगे 13, 15, 17 वाले बच्चे आएंगे।
- एक संख्या बोलकर गतिविधि शुरू करें।
- **पूछें** : इसके बाद कौन–सी संख्या आएगी?
- इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या के अंतराल में दोहराएँ।
- गतिविधि कराते हुए क्रम में आने वाली संख्याओं को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि 2, 3, 4, 5 और 10 इन सभी संख्याओं के अंतराल में पैटर्न बनाए जाएं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

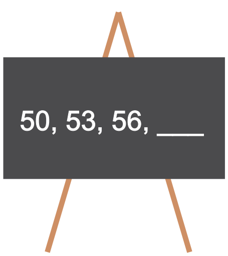

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह पैटर्न बनाएँ। 50, 53, 56,............, ..., ..., ...
- बच्चों को यह पैटर्न अपने कॉपी में बनाकर खाली स्थान सही संख्या से भरने को कहें।
- पहले स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?
- दूसरे स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?
- क्या इस पैटर्न में 58 आएगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|1 कराएँ–पृष्ठ 127

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|1 कराएँ–पृष्ठ 105

सप्ताह 17

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी-बड़ी संख्या बता सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक संख्या चार्ट में कोई भी तीन संख्या को दर्शाएँ। जैसे 45, 46 और 47।
- **समझाएँ** : संख्या चार्ट देख कर यह पता लगाया जा सकता है कि तीनों संख्याएं किस क्रम में आती हैं। पहले 45 फिर 46 उसके बाद 47 आता है।
- अब शिक्षक किसी तीन संख्याएँ 33, 32 और 34 लिखें और बच्चों को इन्हें क्रम में लगाने को कहें।

पूछें : कौन–सी संख्या पहले आयेगी? कौन सी संख्या अंत में आएगी?

- गतिविधि को चार और पाँच संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

6	7

7	0

- शिक्षक संख्या चार्ट में कोई भी दो संख्या को दर्शाएँ। जैसे 67 और 70।
- **समझाएँ** : दोनों संख्याओं में दहाई अंक को देख कर बता सकते हैं कि कौन–सी संख्या बड़ी है। 67 में 6 दहाई है लेकिन 70 में 7 दहाई है। इसलिए 70 संख्या बड़ी है। संख्या चार्ट से भी यह पता चलता है। 70 संख्या चार्ट में 67 के बाद आती है। इसलिए 70 बड़ी और 67 छोटी है।
- श्यामपट्ट पर कोई भी दो संख्या लिखें। जैसे: 56 और 64।

पूछें: कौन–सी संख्या बड़ी है? उचित चिह्न भी लगाओ। तुम्हें कैसे पता लगाया कि 64 बड़ी संख्या है?

- कुछ और बच्चों को आगे बुला कर प्रक्रिया को दोहराएँ।

☞ **शिक्षक के लिए निर्देश** : जरूरत होने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल कर समझाएँ। बच्चों को संख्या चार्ट दिखा कर बताएँ कि जो संख्या पहले आएगी वह छोटी होगी।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

60	70	80
61		
		82
	73	
64		
		85
	76	
67		87
	78	
69		89

- शिक्षक श्यामपट्ट पर उक्त चित्र बनाएँ।
- बच्चों को खाली बॉक्स में उचित संख्या लिखने को कहें।
- प्रक्रिया को दोहराते रहें जब तक संख्या चार्ट पूरा ना हो जाए।

? 76 और 67 में कौन सी संख्या छोटी है?

? पैंसठ से बड़ी एक संख्या बताओ।

? श्यामपट्ट पर अस्सी से नब्बे तक संख्या लिखो।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|2 कराएँ–पृष्ठ 128

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|2 कराएँ–पृष्ठ 105

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को जोड़ सकें।

संसाधन : कंकड़, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक कि संख्याओं का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : मिलाकर बताओ, जोड़ना।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के जोड़ की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में जोड़ का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

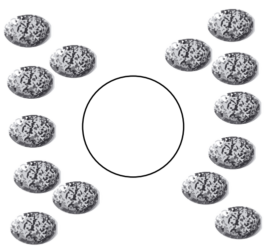

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह को 9 कंकड़ दें। बीच में चॉक से एक गोला बना दें।
- **समझाएँ :** दाएँ हाथ से मैं जितनी अँगुलियाँ दिखाऊँगा, उतने कंकड़ गोले के अन्दर दाएँ तरफ रखो। बाएं हाथ से मैं जिनती अँगुलियाँ दिखाऊँगा, उतने कंकड़ गोले के अन्दर दाएँ तरफ रखो। गोले के अन्दर कुल कंकड़ों की संख्या बताओ।

पूछें : अब गोले में कितने कंकड़ हो गए हैं?

गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को 1 से 9 तक संख्या कार्ड और कुछ तीली दें।
- **समझाएँ :** मैं जो संख्या कार्ड दिखाऊँगा उतनी तीली गिनकर अलग रखो। दूसरा संख्या कार्ड दिखने पर उतनी ही तीली फिर से अलग करनी हैं। अब दोनों अलग की गई तीलियों के समूह को मिलाकर कुल संख्या को कार्ड से दर्शाना है।
- पहले संख्या कार्ड 7 और फिर संख्या कार्ड 9 दिखाएँ।

पूछें : तुमने कितनी तीलियाँ अलग करके रखीं? दोनों अलग रखी हुई तीलियों को मिलाकर कुल कितनी तीलियाँ हुईं?

- **समझाएँ :** इस तरह से समूह के मिलान को हम जोड़ना कहते हैं।

शिक्षक के लिए बिंदु : संख्याओं और जोड़ के प्रतीक को श्यामपट्ट पर जरूर लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

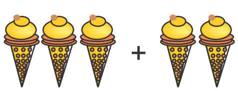

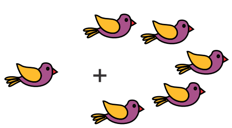

- शिक्षक श्यामपट्ट पर चित्र बनाएँ।

कुल कितनी आइस्क्रीम हैं?
कुल कितने पंछी हुए?
कुल चश्मे की संख्या बताएँ।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|3 कराएँ–पृष्ठ 129
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|3 कराएँ–पृष्ठ 105

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

स्थिर अंतराल में (2, 3, 4, 5, 10) गिनती बोल और लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड।

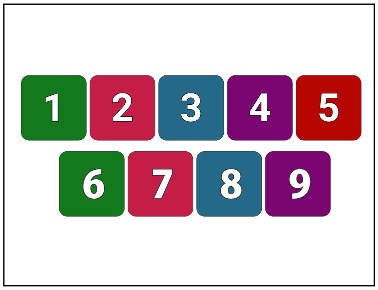

- कक्षा के बच्चों को एक घेरे में बैठा दें और उनको एक–एक करके गिनती करने को बोलें, जब तक पूरे घेरे के बच्चों की बारी न आ जाये, गिनती करते हुए उनसे संख्या कार्ड भी दिखाने को कहें।
- फिर इस नियम में 2 के अंतराल पर संख्या के साथ ताली बजाने तो बोलें।
- ऐसा फिर 3 और 5 के साथ भी करें।
- बच्चों को 5–5 के समूह में बाँटें और इस खेल को अन्य संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- 10–10 के अंतराल के खेल को बार–बार दोहरायें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 24 से शुरू करके 2 के अंतराल में गिनती बोल सकते हैं?
- क्या आप 12 से शुरू करके 5 के अंतराल में गिनती बोल सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी-बड़ी संख्या बता सकें।

संसाधन

संख्या चार्ट, फ्लैश कार्ड।

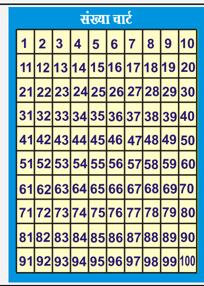

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- संख्या चार्ट को दिखा कर किसी भी एक संख्या पर आँख बंद करके उंगली रख दें और बच्चों को वहां से आगे की 10 तक के क्रम की संख्या मिलकर पढने को बोलें।
- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- सभी बच्चों को फ्लैश कार्ड दें।
- शिक्षक एक गीत गाएगा और बच्चे दोहराएँगे।
- 'कदमताल–कदमताल, आओ चलें गिनती की चाल' बोलो बच्चों 1 (एक)।
- प्रथम समूह के पहला बच्चा 1 संख्या फ्लैश कार्ड दिखाएगा, उसके बाद दूसरा बच्चा 2 संख्या का फ्लैश कार्ड दिखाएगा।
- इसी प्रकार यह गतिविधि सभी ग्रुप के बच्चों द्वारा की जाएगी और 99 संख्या तक गिनती गाएँगे।

बच्चों के लिए प्रश्न–

- क्या आप 52 से 70 तक संख्याओं को सीधे क्रम में लिख सकते हैं?
- क्या आप 42 से 65 तक संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) जोड़ सकें।

संसाधन

गोलियां, चित्रों का चार्ट।

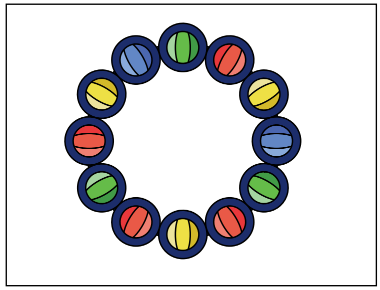

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- सभी बच्चों को कुछ गोलियाँ दें।
- प्रत्येक समूह से 4 और 2 गोलियों के समूह बनाने को कहें।
- बच्चों से पूछें, 4 गोलियों और 2 गोलियों को मिलाकर कितनी गोलियाँ हुईं।
- इसी प्रकार शिक्षक चित्रों को भी दिखाएँ, जिसे 4 गुब्बारे और 2 गुब्बारे बने हों। उन्हें मिलाकर बताने को कहें।
- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे प्रतिभागिता करें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न–

- बच्चों से पूछें कि चार गुब्बारे और दो गुब्बारे मिलाकर 6 गुब्बारे क्यों हो गए?
- क्या आप जोड़ के कुछ सवाल अपने से बना सकते हैं?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में जोड़ सकें।

संसाधन : ब्लॉक, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक की संख्याओं का मात्रात्मक समझ ।

नये शब्द : मिलाकर बताओ, जोड़ना।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के जोड़ की संक्रिया तो कर लेते हैं, लेकिन किसी सन्दर्भ में जोड़ का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

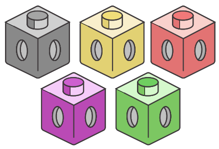

$$\begin{array}{r} 8 \\ +6 \\ \hline 14 \\ \hline \end{array}$$

- शिक्षक दाएँ हाथ में 6 ब्लॉक और बाएँ हाथ में 8 ब्लॉक लेकर बच्चों को दिखाएँ।

पूछें : मेरे दाएँ हाथ में कितने ब्लॉक हैं?

- मेरे बाएँ हाथ में कितने ब्लॉक हैं?
- संख्याओं को श्यामपट्ट पर लम्बवत रूप में लिखें।

पूछें : कुल ब्लॉक की संख्या जोड़ कर बताओ?

- कुल संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

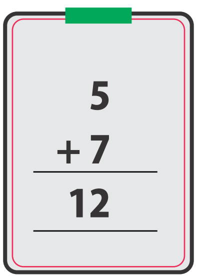

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँटें।
- **समझाएँ** : दोनों समूह को 1 से 9 तक की कोई भी एक–एक संख्या बोलना होगा। जिसे श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा। फिर कोई एक बच्चा संख्याओं को जोड़कर श्यामपट्ट पर लिखेगा।

पूछें : पहले समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है? दूसरा समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है?

- एक बच्चे को श्यामपट्ट पर दोनों संख्याओं को जोड़ने को कहें।

पूछें : क्या संख्याओं को सही से जोड़ा गया है?

- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि जब एक बच्चा श्यामपट्ट पर जोड़ रहा है तब बाकी बच्चे उसे अपने कॉपी में हल करें। जरूरत होने पर बच्चों को ठोस वस्तु/चित्र की सहायता लेने दें।

☞ ध्यान रखें कि बच्चे इकाई के नीचे इकाई अंक और उसके बाईं ओर दहाई अंक लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

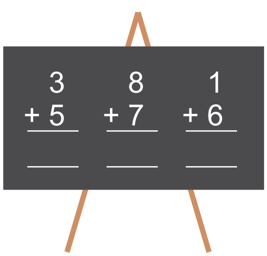

- शिक्षक श्यामपट्ट पर इन सवालों को लिखें।

? तीन और पाँच को जोड़कर कितना होगा?

? आठ जोड़ सात क्या होता है?

? एक और छह मिलकर क्या होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|1 कराएँ–पृष्ठ 134

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|1 कराएँ–पृष्ठ 109

सप्ताह 18

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को वस्तुओं और चित्रों के साथ घटा सकें।

संसाधन : कंकड़, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 0 से 9 तक की संख्याओं का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बचे हुए, घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के घटाव की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में घटाव का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

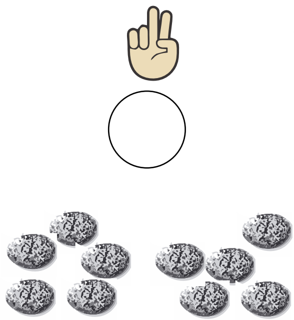

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह को 9 कंकड़ दें। बीच में चॉक से एक गोला बना दें।
- **समझाएँ** : दाएं हाथ में जितनी अँगुलियाँ दिखाऊँगा उतने कंकड़ गोले के अन्दर रखें। बाएँ हाथ से दिखाई अँगुलियाँ के बराबर कंकड़ गोले से हटा लेगा। फिर गोले के अन्दर बचे हुए कंकड़ों की संख्या बतानी होगी।

पूछें : अब गोले में कितने कंकड़ बचे हुए हैं?

- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

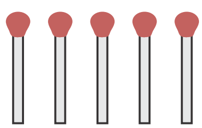

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को 1 से 9 तक संख्या कार्ड और कुछ तीली दें।
- **समझाएँ** : मैं जो संख्या कार्ड दिखाऊँगा उतनी तीली गिनकर अलग रखना होगा। दूसरा संख्या कार्ड दिखने पर उतनी तीली अलग रखी हुई तीलियों से हटाना होगा। बची हुई तीलियों की संख्या को कार्ड से दर्शाना होगा।
- पहले संख्या कार्ड 9 और फिर संख्या कार्ड 4 दिखाएँ।

पूछें : आपने कितनी तीलियों को अलग करके रखा? कितनी तीलियाँ हटा ली? हटाने के बाद कितनी तीलियाँ बचीं?

- **समझाएँ** : इस तरह समूह के हटाने को हम घटाव कहते हैं।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : संख्याओं और घटाव के प्रतीक को श्यामपट्ट पर जरूर लिखें ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

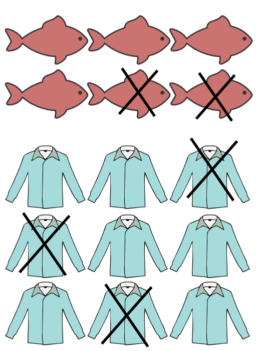

- शिक्षक श्यामपट्ट पर चित्र बनाएँ ।

? कितनी मछलियाँ बचीं?

? पहले कितने शर्ट थे और फिर कितने कम हुए?

? कम होने के बाद शर्ट की संख्या क्या है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|2 कराएँ–पृष्ठ 135

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|2 कराएँ–पृष्ठ 109

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप से घटाव कर सकें।

संसाधन : ब्लॉक, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 0 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ ।

नये शब्द : बचे हुए, घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के घटाव की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में घटाव का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

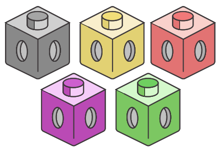

- शिक्षक हाथ में 9 ब्लॉक लेकर बच्चों को दिखाएँ।
- **पूछें** : मेरे हाथ में कितने ब्लॉक हैं? 9 ब्लॉक में से 6 ब्लॉक हटा कर मेज पर रख दें।
- **पूछें** : मैंने कितने ब्लॉक हटा लिए? मेरे हाथ में कितने ब्लॉक बच गए?
- संख्याओं को श्यामपट्ट पर लम्बवत रूप से घटाव कर लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : बच्चों को समझाएँ कि बड़ी संख्या में छोटी संख्या घटाई जाती है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

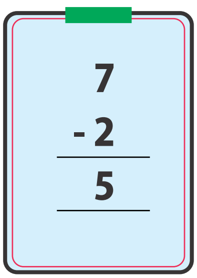

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँटें।
- **समझाएँ** : दोनों समूह को 1 से 9 तक की कोई भी एक–एक संख्या बोलनी होगी। संख्याओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा। फिर कोई एक बच्चा संख्याओं को घटा कर श्यामपट्ट पर लिखेगा।
- **पूछें** : पहला समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है? दूसरा समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है?
- एक बच्चे को श्यामपट्ट पर दोनों संख्याओं को घटाव करने को कहें।
- **पूछें** : क्या संख्याओं को सही से घटाव किया गया है?
- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि जब एक बच्चा श्यामपट्ट पर घटाव कर रहा हो तब बाकी बच्चे उसे अपने कॉपी में हल करें। जरूरत होने पर बच्चों को ठोस वस्तु/चित्र की सहायता लेने दें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

$$\begin{array}{r} 6 \\ -\,2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -\,5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 4 \\ -\,4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

- शिक्षक श्यामपट्ट पर इन सवालों को लिखें।
- छह से दो घटाएँ तो कितना होगा?
- नौ से पाँच कम करने पर कौन सी संख्या मिली?
- चार से चार को घटाव करने से क्या होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|3 कराएँ–पृष्ठ 136

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|3 कराएँ–पृष्ठ 109

सप्ताह 18

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में जोड़ सकें।

संसाधन

जोड़ का चार्ट, ब्लॉक्स।

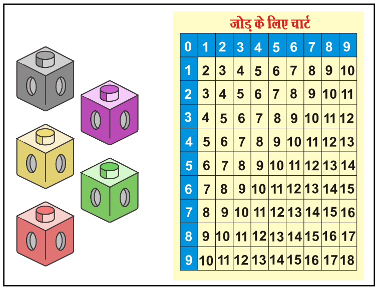

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
9	10	11	12	13	14	15	16	17	18

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक बच्चे को अंकों का चार्ट और ब्लॉक्स दें।
- बच्चे जोड़ चार्ट पर अपने–अपने समूह में कार्य करेंगे।
- जोड़ने से पंक्ति और स्तंभ में अँगुली चलाने पर जहाँ मिलती है वही जोड़ का जवाब होता है।
- जैसे 4 और 5 से शुरू करेंगे तो 9 पर अँगुली आएगी।
- समूह को बच्चों से बताई गई संख्या को लम्बवत रूप में लिखने को कहें।
- ब्लॉक्स का उपयोग कर जोड़ने को कहें।
- यही प्रक्रिया पुनः दोहराई जाए।
- फिर चार्ट की मदद से बच्चों को एक अंकीय जोड़ की अवधारणा समझाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- जोड़ने पर जो संख्या आई है वह दी गई संख्याओं से बड़ी है या छोटी?
- क्या आप लम्बवत रूप से जोड़ने के कुछ सवाल अपने से बना सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, डोमिनो कार्ड।

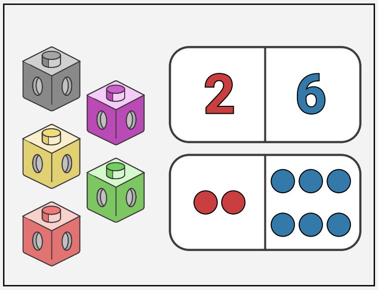

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को डोमिनो कार्ड ब्लॉक्स दें।
- बच्चों से एक डोमिनो कार्ड दिखाने को कहें।
- बच्चों ने जो डोमिनो कार्ड हाथ में लिया है उसके बिंदु को गिनने को कहें और उतने ही ब्लॉक्स निकालने को कहें।
- बच्चों को निर्देश दें यदि किसी डोमिनो कार्ड में बिंदु 4 और 2 है, तो बच्चे 4 ब्लॉक्स निकालेंगे और उनमें से दो ब्लॉक्स अपने साथी को दे दें।
- अब बच्चों से पूछें कि आपके पास अब कितने ब्लॉक्स बचे हैं?
- बच्चों को समझाएँ कि 4 ब्लॉक्स में 2 ब्लॉक्स निकाल देने को 4 में से 2 घटाव करना भी कहते हैं और घटाव करने की शब्दावली बच्चों को दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 5 वस्तुओं में 2 वस्तुएँ हटा दी जाएँ तो कितनी वस्तुएँ बचेंगी?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

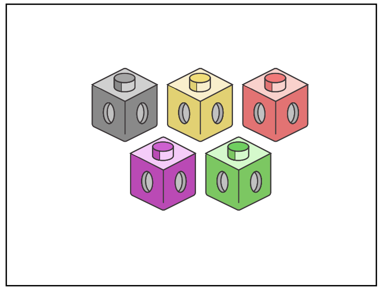

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को कुछ ब्लॉक्स (1–9) दें।
- बच्चों से इन ब्लॉक्स को अपने सामने रख कर कोई मिठाई मानने को कहें।
- फिर कुछ उनमें से कल्पना कर खाने को कहें जैसे 2 ब्लॉक्स और उन्हें बच्चों को सामने से निकालने को कहें।
- फिर बचे हुए ब्लॉक्स को गिनने को कहें और उनमें से कुछ जैसे 3 और ब्लॉक्स अपने दूसरे साथी को देने के लिए कहें।
- बच्चों से पूछें कि आपके पास कितने ब्लॉक बचे हैं?
- बच्चों को चार्ट को पढ़कर इस प्रक्रिया को घटाव की शब्दावली से समझने को कहें।
- बच्चों को यही प्रक्रिया कुछ दूसरी संख्या के साथ दोहराने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- घटाव करने के बाद बची हुई संख्या पहले वाली संख्या से कम होती है या ज्यादा?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।

संसाधन : कंकड़, मोतियाँ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

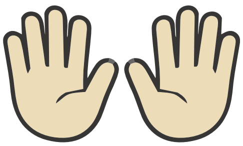

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत कविता से करें।
- चाहे जोड़ो या घटाओ।
  उत्तर में अंतर न पाओ।।
  अपनी–अपनी बुद्धि लगाओ।
  मुझको वह संख्या बतलाओ।।
- **पूछें** : वह संख्या कौन–सी है? बच्चों को उत्तर देने का समय दें। एक संख्या बोलें और बच्चों को उतनी बार ताली बजाने को कहें।
- अगल–अगल संख्या बोलें। बीच में शून्य भी बोलें।
- **समझाएँ** : शून्य के लिए ताली नहीं बजानी है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

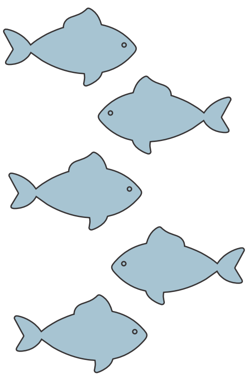

- शिक्षक एक संदर्भ देकर बच्चों के जोड़/घटाव का एक सवाल करें। जैसे : एक तालाब में 5 मछलियाँ थीं। एक बगुले ने झपटा मारा लेकिन एक भी मछली बगुले के हाथ न आयी।
- **पूछें** : अब तालाब में कितनी मछलियाँ हैं?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बोर्ड पर चित्र की सहायता से भी समझाएं।
- कुछ और संदर्भ लेकर प्रक्रिया को दोहराएँ।
- श्यामपट्ट पर एक कटोरी में तीन मोतियाँ और एक खाली कटोरी दिखाएँ।
- श्यामपट्ट पर 3 + 0 लिखें।
- **समझाएँ** : बच्चों को बताएँ कि +0 का अर्थ है कि कोई भी और संख्या नहीं जोड़ी गई।
- **पूछें** : मैं सात गेंदों में शून्य "0" और गेंदों को जोड़कर कैसे लिखूँगा।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

5	7
+ 0	- 0
____	____

9 + 0 =

8 - 0 =

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ सवाल लिखें।
- बच्चों को अपनी कॉपी में सवाल हल करने को कहें।
- शिक्षक बच्चों को मौखिक रूप से कुछ इबारती सवाल भी दें।
- किसी भी संख्या में शून्य जोड़ने पर क्या होता है?
- सात से शून्य घटाव करने पर कौन सी संख्या मिलेगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|1 कराएँ–पृष्ठ 141

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|1 कराएँ–पृष्ठ 113

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतियों को पहचान सकें।

संसाधन : पेंसिल, पेन, सिक्का, चूड़ी, छड़ी और रस्सी। आकार–परिवार।

नये शब्द : वक्र, तिकोन, गोला, वर्ग व आयत।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : :बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

सामान्य भूल : बच्चे आकृतियों को अलग–अलग ओरिएंटेशन में नहीं पहचान पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

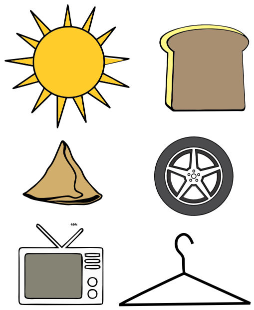

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करें।

  समोसे–पराठे कोने वाले, रोटी–पूड़ी होती गोल।
  बिस्कुट में होते छोटे कोने, पर कुछ बिस्कुट होते गोल।।
  भाँति–भाँति की अजब वस्तुएँ, कितने अलग–अलग आकार।
  कोनों के कारण हम सीखें, होते कितने भिन्न प्रकार।।

  कविता में उक्त संसाधनों के चित्र श्यामपट्ट पर बनाएँ।

पूछें: कौन सी वस्तु सीधी है और कौन सी घुमावदार? किस वस्तु में कोने होते हैं?

शिक्षक के लिए बिन्दु : ऐसे और भी परिवेश के वस्तुओं के उदाहरण लेकर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

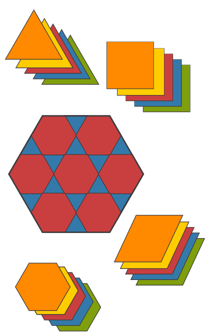

- शिक्षक आकार–परिवार से अलग–अलग नाप की त्रिभुजाकार वस्तुएँ/आकृतियाँ छाँटकर बच्चों को दें और अपनी कॉपी में ट्रेस करने को कहें।

पूछें: क्या सभी आकृति एक जैसी हैं या अलग–अलग? इस आकृति में कितनी सीधी रेखा हैं?

- **समझाएँ:** सभी आकृतियाँ एक जैसी हैं। इसे त्रिभुज कहते हैं। अपने परिवेश से कुछ उदाहरण भी दें। बच्चों को भुजा और कोने भी समझाएँ।

शिक्षक के लिए बिन्दु : इसी प्रकार वर्ग आयत और वृत्त पर बातचीत करें।

- अब शिक्षक माचिस की तीलियों से आकृति बनाएँ।
- बच्चे को तीली से वही आकृति बनाने को कहें।

पूछें: इस आकृति का क्या नाम है? इस आकृति में कितनी रेखाएँ हैं? इस आकृति में कितने कोने हैं?

- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

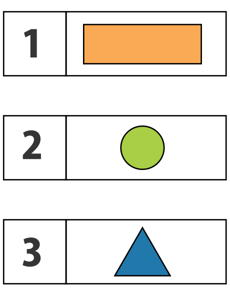

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह चित्र बनाएँ। बने हुए चित्रों के ऊपर बच्चों से सवाल करें।

पूछें: पहला आकृति का नाम क्या है?

अपने परिवेश से एक उदाहरण दो जो ऐसे दिखता है ?

तीसरे वाले आकृति में कितनी रेखाएँ और कोने हैं?

दूसरे आकृति का नाम क्या है? अपने परिवेश से एक उदाहरण दो जो ऐसे दिखता है ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|2 कराएँ–पृष्ठ 142

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|2 कराएँ–पृष्ठ 113

सप्ताह 19

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

वस्तुओं की विशेषताएं जैसे सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।

संसाधन : गेंद, डस्टर, गुब्बारे, किताब और लकड़ी की बनी त्रि–विमीय आकृतियाँ (ठोस आकृतियाँ)।

नये शब्द : घन, घनाभ, बेलन और गोला।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

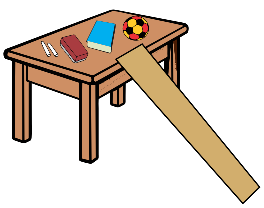

- शिक्षक किताब की मदद से एक फिसल पट्टी बनाएँ।
- **पूछें:** बच्चे लुढ़कने और खिसकने/फिसलने में क्या अंतर समझते हैं?
- बच्चों के अनुभवों को सुनें और फिर समझाएँ।
- एक–एक बच्चे को बुलाएँ।
- **पूछें:** यह लुढ़केगा या सरकेगा?
- अब वस्तु को पट्टी पर रखने को कहें।
- इसी प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएं।
- अंत में किसी एक बच्चों को सभी वस्तुओं को दो समूह में वर्गीकृत करने को कहें।
- **समझाएँ:** बच्चों को वक्र पृष्ठ और समतल पृष्ठ में अंतर समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

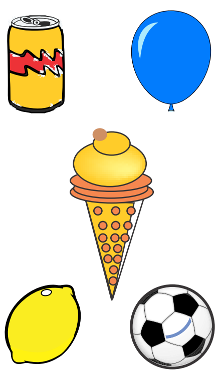

- शिक्षक कुछ वस्तुएं इकट्ठा करें। जैसे: गेंद, फुटबॉल, गुब्बारे, नींबू, पाइप, मोमबत्ती, बोतल, ग्लास, पासा, ईंटें आदि। अब श्यामपट्ट पर एक बेलन, गोला, शंकु और एक घनाभ का चित्र बनाएँ।
- बच्चों को बारी–बारी से बुलाकर इकट्ठा की गई वस्तुओं में से कोई एक वस्तु उठाने को कहें।
- **पूछें:** वस्तु का आकार चार्ट पर बने किस आकृति से मेल खाता है?
- **समझाएँ:** बच्चों द्वारा चुनी गई ठोस वस्तु में कितने पृष्ठ, भुजा और कोने हैं।
- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर एक घन और एक घनाभ का चित्र बनाएं।
- **पूछें:** दोनों चित्रों में क्या अंतर है?
- **शिक्षक के बिन्दु:** जरूरत होने पर बच्चे को एक ठोस घन और घनाभ दें।
- **समझाएँ:** शिक्षक घन और घनाभ में अंतर स्पष्ट करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

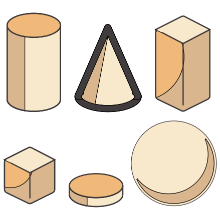

- इकट्ठा की गई सभी आकृतियों को एक थैले में रखें।
- बारी–बारी से एक बच्चे को बुलाएं और उसकी आँखों को किसी कपड़े से ढंक दें।
- बच्चे के हाथ में एक वस्तु दें।
- इस ठोस आकृति का क्या नाम है?
- अपने परिवेश से एक उदाहरण दो।
- इस आकृति में कितने तल हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|3 कराएँ–पृष्ठ 143

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|3 कराएँ–पृष्ठ 113

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

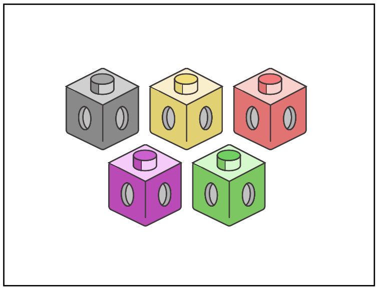

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को दो के समूह में विभाजित करें।
- बच्चों को एक–दूसरे को ब्लॉक्स देने को कहें जैसे पहले बच्चे ने अपने में से 2 ब्लॉक्स दूसरे को दे दिए तो दोनों से पूछें कि उन्होंने कितने ब्लॉक्स और जोड़े या घटाव करें?
- बच्चों से पूछें कि कुल कितने ब्लॉक्स हो गए उनके पास? ऐसा उन्हें कुछ और ब्लॉक्स के साथ करने को कहें।
- इस बार कोई किसी को ब्लॉक्स नहीं देगा।
- फिर पूछें कि इस बार कितने ब्लॉक्स उन्होंने जोड़े या घटाव करें? और कुछ नहीं के लिए शून्य की शब्दावली का इस्तेमाल करने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- साँप तालाब के पास 5 मेंढक खाने के लिए आया, सभी पानी में कूद गए। साँप को कितने मेंढक खाने को मिले?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतिओं को पहचान सकें।

संसाधन

आकृतियों का टाइल्स।

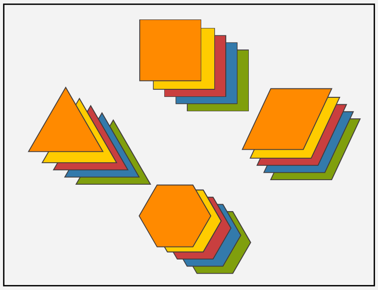

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- हर समूह को कुछ आकृतियाँ बैग से दें और उनसे मिलाकर कुछ सजाने को कहें।
- बच्चों को कोई भी एक आकृति का चित्र दिखाएँ।
- बच्चों से पूछें कि यह कौन सी आकृति है?
- आकृतियों के चित्र दिखाकर आकृतियों से परिचित करायें त्रिभुज, वर्ग और आयत।
- फिर बच्चों से पूछें कि जो उन्होंने मिलकर बनाया है वह क्या है और उसमें कितने वर्ग, कितने त्रिभुज और कितने आयत का इस्तेमाल किया है?
- बच्चों के जवाब एक तालिका में लिखें जैसे आकृति का नाम, वर्ग, त्रिभुज, आयत और उनके नीचे बच्चों के जवाब लिखें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- वर्ग और आयत में क्या–क्या समानताएँ हैं?
- आयत और त्रिभुज में क्या अंतर है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

वस्तुओं की विशेषताएँ जैसे सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।

संसाधन

ठोस आकृतियाँ

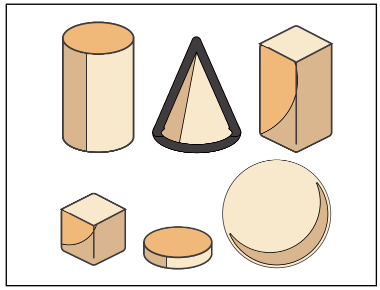

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें
- प्रत्येक समूह को कुछ आकृतियाँ दें।
- एक शीट दें जिसमें लुढ़कने वाली वस्तु वह सरकने वाली वस्तु लिखा हो।
- बच्चों को ढलान पर आकृतियों को रखने को कहें, बच्चे जो आकृतियाँ लुढ़क रही हैं उनको लुढ़कने वाले स्थान पर लिखें।
- बच्चों से पूछें कि लुढ़कने वाली वस्तुएँ कौन–कौन सी हैं और सरकने वाली वस्तुएँ कौन–कौन सी हैं?
- बच्चों से सवाल करें कि यह वस्तुएँ लुढ़क या सरक कैसे रही हैं और क्यों?
- आकृतियों के पृष्ठों पर भी बच्चों से चर्चा करें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- क्या कुछ ऐसी आकृतियों का उदाहरण दें सकते हैं जो लुढ़कती भी हैं और सरकती भी हैं?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

विभिन्न आकृतियों को मिला कर नई आकृतियों को बना सकें।

संसाधन : टेनग्राम और आकार–परिवार।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

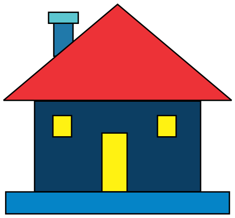

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें।
- सभी समूह में एक–एक आकार–परिवार किट दें।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर उक्त चित्र में से कोई एक चित्र बनाएं।
- **समझाएँ**: श्यामपट्ट पर बनी चित्र को दी गई आकृतियों की सहायता से बनाओ।

पूछें: तुमने कितने वर्ग का इस्तेमाल किया? तुमने कितने आयत का इस्तेमाल किया?

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत पड़ने पर बच्चों की मदद करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

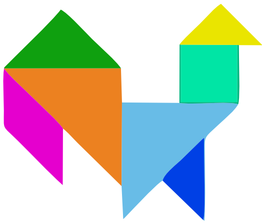

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँट दें और सभी समूह में एक–एक टेन ग्राम किट दें। टेन ग्राम में मौजूद आकृतियों से कोई एक चित्र बनाने कहें।

पूछें: चित्र में कितने त्रिभुज हैं? चित्र में कितने वर्ग हैं?

- कुछ और चित्र के साथ गतिविधि को दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिन्दु : जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें।

अलग–अलग ओरिएंटेशन में रखें आकृतियों पर बच्चों को ध्यान दिलाएं।

- अब बच्चों को एक–एक डॉट शीट दें और डॉट शीट पर उक्त चित्र बनाने कहें।

शिक्षक के लिए बिन्दु : बच्चों को आकृति में रंग भरने को भी कह सकते हैं।

- सभी बच्चों से कहें कि वो अपना डॉट शीट दोस्तों को दिखाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

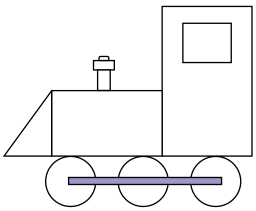

- शिक्षक श्यामपट्ट पर ये चित्र बनाएँ। पूछे गए सवालों के उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें ।

कौन से आकारों से यह चित्र बना है?

इसमें कितने वर्ग हैं?

आयत की संख्या कितनी हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|1 कराएँ–पृष्ठ 148

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|1 कराएँ–पृष्ठ 117

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

वस्तुओं को विभिन्न असमान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन : सबसे लम्बा या छोटा कौन है–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : :बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

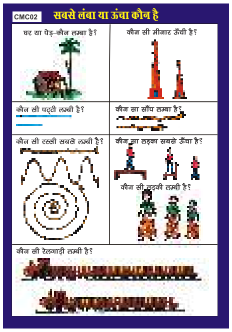

- शिक्षक लंबा–छोटा चार्ट से चर्चा शुरू करें ।
- **पूछें**: कौन–सा मीनार लम्बा है? कौन सी लड़की लम्बी है? शिक्षक आस–पास की कुछ वस्तुओं का उदाहरण लेकर भी बच्चों से बातचीत करें।
- **पूछें**: कक्षा के दो बच्चों में लम्बा कौन है? आपने कैसे पता किया? विद्यालय में कौन ज्यादा ऊँचाई पर है घड़ी या घंटी? सभी बच्चों से जवाब लें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश :** देखें बच्चे क्या उत्तर देते हैं? बच्चों के तर्कों पर बातचीत करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

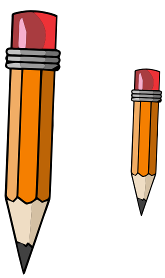

- शिक्षक दो अलग–अलग लम्बाई की पेंसिल लें।
- **पूछें**: कौन सी पेंसिल लम्बी है? आपने कैसे पता किया?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** देखें बच्चे क्या उत्तर देते हैं? क्या दोनों पेंसिल को एक–दूसरे के ऊपर रखने या बित्ते के इस्तेमाल का सुझाव देते हैं।
- अब शिक्षक बच्चों के साथ बैठें।
- कुछ वस्तुओं को अँगुली और बालिश्त का इस्तेमाल करते हुए माप कर दिखाएँ।
- **समझाएँ**– वस्तु की लम्बाई कितनी बालिश्त और अँगुल है।
- अब एक–एक कर बच्चों को मेज, डेस्क, टेबल और श्यामपट्ट की लम्बाई मापने को कहें।
- इस प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** ध्यान दें कि बच्चों के दो लगातार बालिश्त या अँगुली के बीच कोई गैप नहीं हो।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

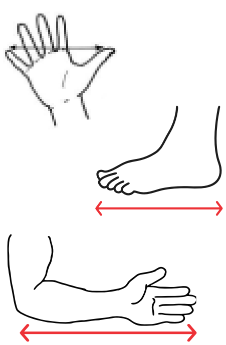

- शिक्षक कदम से किसी वस्तु को नाप कर दिखाएँ।
- **समझाएँ:** हम किसी वस्तु की लम्बाई या ऊंचाई मापने के लिए अँगुली, बालिश्त, हाथ और कदम का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को कदम से कक्षा की लम्बाई / चौड़ाई, चटाई / दरी की लम्बाई मापने को कहें।
- चटाई की लम्बाई कितने कदम है?
- टेबल की लम्बाई कितने बालिश्त है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|2 कराएँ–पृष्ठ 149

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|2 कराएँ–पृष्ठ 117

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

वस्तुओं को विभिन्न समान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन : पेंसिल, डस्टर, रबर, लकड़ी का गुटका।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

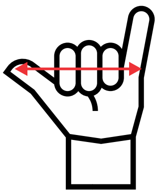

- शिक्षक दो बच्चों को आगे बुलाएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : एक बड़े बच्चे और एक छोटे बच्चे को बुलाएँ।
- अब दोनों बच्चों को बालिश्त से मेज की लम्बाई मापने को कहें।
- **पूछें**: मेज की लम्बाई कितना बालिश्त है?

  अब शिक्षक मेज की लम्बाई नाप कर दिखाएँ।
- **पूछें**: हर बार मेज की लम्बाई अलग–अलग क्यों आ रहा है?
- सभी बच्चों से उत्तर लें।
- **समझाएँ**– तीनों लोगों के बालिश्त की लम्बाई अलग–अलग होने की वजह से मेज की लम्बाई अलग–अलग आई है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

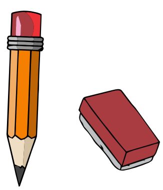

- शिक्षक डस्टर से मेज की लम्बाई कैसे नापते है दिखाएँ।

  अब बच्चों से मापने को कहें।
- **पूछें**: मेज की लम्बाई कितना डस्टर है?
- बच्चों को पेंसिल, डस्टर और लकड़ी के गुटके से अलग–अलग लम्बाई मापने को कहें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चों से बातचीत करते रहें। ध्यान दें कि बच्चों के दो लगातार पेंसिल या डस्टर के बीच कोई गैप न हो।
- किसी एक बच्चे को बुलाकर रबर से मेज की लम्बाई मापने को कहें।
- **पूछें**: मेज की लम्बाई मापने के लिए आप किसका इस्तेमाल करना चाहेंगे रबर या डस्टर? और क्यों?
- **समझाएँ**: बच्चों को समझाएँ कि मेज की लम्बाई डस्टर से जल्दी मापी जा सकती है जिससे हमें आसानी होगी।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

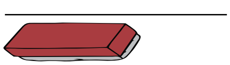

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक रेखाखंड खीचें।
- एक–एक बच्चे को बुलाकर डस्टर, पेंसिल और रबर से मापने को कहें।
- रेखाखंड की लम्बाई कितनी रबर है ?
- रेखाखंड की लम्बाई कितनी पेंसिल हुए?
- किसका इस्तेमाल करना आसान रहा?

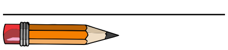

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|3 कराएँ–पृष्ठ 150

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|3 कराएँ–पृष्ठ 117

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

विभिन्न आकृतियों को मिलाकर नई आकृतियों को बना सकें।

संसाधन

आकृतियों के टाइल्स।

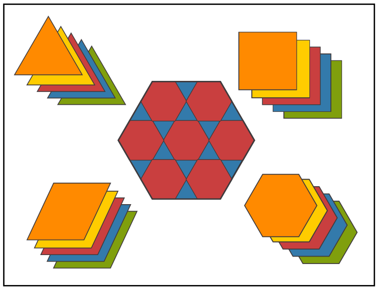

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को ठोस आकृतियों की टाइल्स दें।
- बच्चों से इच्छानुसार आकृतियां बनाने को कहें।
- समूह द्वारा बनाई गई वस्तुओं को सभी को दिखाने को कहें।
- दूसरे बच्चे अनुमान लगाकर बताएंगे कि उन्हें क्या दिखाई दे रहा है जैसे–मंदिर, चरखी, आदमी आदि।
- बच्चों से इन आकृतियों के बारे में बताने को कहें।
- बातचीत करें कि उन्होंने यह कैसे बनाया?
- इसी प्रकार दूसरे समूह को आमंत्रित करें और उनसे बातचीत करें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

आपने जो नई आकृति बनाई है उसमें कौन–कौन सी आकृतियां मिली हुई हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

वस्तुओं को विभिन्न असमान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन

स्टिक, रस्सी।

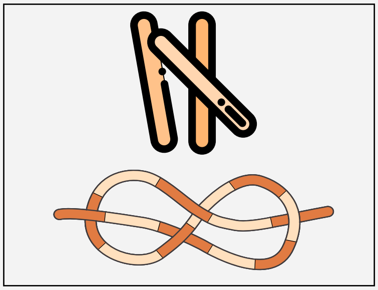

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- कक्षा के एक छोर पर रेखा बनाकर START लिखें।
- दूसरे छोर पर END लिखें।
- श्यामपट्ट पर समूह का टेबल बना लें।
- बच्चों को निर्देशित करें आपको START से END तक की दूरी पता करनी है।
- यह देखना कि किसने दूरी कैसे पता लगाई, इसे श्यामपट्ट पर अंकित किया जाएगा।
- जिसकी जितनी कम माप में दूरी नापी जायेगी उतना ही अच्छा।
- हर एक समूह से एक बच्चे को अपने समूह द्वारा सुझाई वस्तु जैसे स्टिक, रस्सी इत्यादि से मापने को कहें।
- इसी प्रकार बालिश्त या कदम से भी प्रतियोगिता करा सकते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्नः

नापने वाली वस्तु अगर बड़ी हो तो दूरी का माप बड़ा आएगा या छोटा?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

वस्तुओं का विभिन्न समान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन

पेंसिल, डस्टर, चॉक आदि।

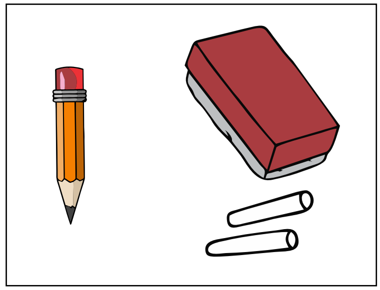

- कक्षा के बच्चों को उपलब्ध वस्तुओं द्वारा समूह में बांटें जैसे डस्टर, चॉक, पेंसिल आदि।
- प्रत्येक समूह को वह वस्तु दें।
- प्रत्येक वस्तु की लंबाई का अनुमान लगाने को बच्चों से कहें।
- समूह द्वारा पेंसिल, डस्टर और चॉक से कक्षा के श्यामपट्ट, खिड़की, दरवाजा आदि के एक सिरे को नापने को कहें।
- उनसे पूछें कि क्या सभी को नापने में बराबर–बराबर संख्या में वस्तुओं का प्रयोग हो रहा है?
- कमरे की फर्श को नापने में क्या पेंसिल, डस्टर तथा चॉक समान बार प्रयोग हो रहा है?
- उनसे बातचीत करें, यह किस प्रकार संभव है और उनसे उनके जवाब का आधार पूछें?

बच्चों के लिए प्रश्नः

नापने वाली वस्तु अगर एक ही है तो क्या हर समूह का माप संख्या समान ही होगी?

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

परिवेश और चित्रों से वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें।

संसाधन : 2D और 3D आकृतियाँ।

नये शब्द : आंकड़े

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे गिनना जानते हैं, छोटा/बड़ा की समझ हो और अपने परिवेश के विभिन्न आकारों को समझते हों।

सामान्य भूल : बच्चे दी गई सूचना से निष्कर्ष नहीं निकल पाते।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

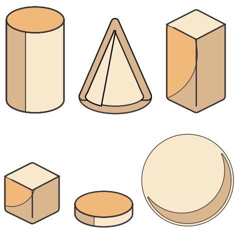

- शिक्षक कुछ 3D आकृतियाँ जैसे घन, घनाभ, शंकु, बेलन और गोला बच्चों को दिखाएँ।

पूछें : शंकु की संख्या कितनी है? कितने घन हैं? उस आकृति का नाम बताओ जो सबसे अधिक है? उस आकृति का नाम बताओ जो सबसे कम है?

- 3D आकृतियों की संख्या बदलकर गतिविधि को दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिंदु : अगर 3D आकृतियाँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं तो आसपास की अलग-अलग वस्तुओं का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

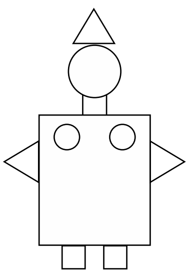

- शिक्षक इस चित्र को श्यामपट्ट पर बनाएं।
- **समझाएँ**: चित्र में विभिन्न प्रकार की आकृतियाँ हैं। सभी आकृतियों के नाम और संख्या कॉपी में लिखो। यह जानकारी एक आंकड़ा है। उदाहरण के लिए शिक्षक त्रिभुज या चतुर्भुज की आकृति को श्यामपट्ट पर बनाएँ और संख्या भी लिखें।

पूछें : कुल कितने प्रकार की आकृतियाँ हैं?

- शिक्षक बच्चों को चित्र से देखकर प्रत्येक आकृतियों की संख्या कॉपी में लिखने को बोलें।

पूछें: कुल कितने त्रिभुज हैं? वर्गों की संख्या क्या है? क्या वर्ग की संख्या त्रिभुज की संख्या से ज्यादा है? कौन सी आकृति की संख्या सबसे ज्यादा है?

- शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें जिससे कि दी गई आकृतियों के आकड़े से बच्चे कुछ निष्कर्ष निकाल पाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

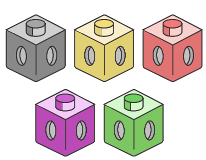

- अलग-अलग रंग के कुछ ब्लॉक मेज पर रखें।
- एक-एक बच्चे को आगे बुलाएँ।

पीले ब्लॉक कितने हैं?

क्या लाल ब्लॉक की संख्या हरे ब्लॉक की संख्या से अधिक है?

किस रंग के ब्लॉक सबसे कम हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका-कार्यपत्रक सप्ताह-21|1 कराएँ-पृष्ठ 155

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका-अभ्यास गतिविधि सप्ताह-21|1 कराएँ-पृष्ठ 121

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 2

सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।

40 मिनट

संसाधन : खेल मुद्रा।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 100 तक की संख्या का समझ।

नये : नोट, सिक्के।

सामान्य भूल : संख्याओं के मात्रा का अंदाजा संख्या नाम सुनकर तुरंत नहीं लगा पाते।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

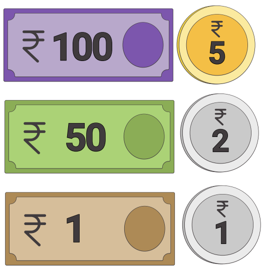

- शिक्षक मेज पर खेल–मुद्रा से कुछ नोट और सिक्के रखें और श्यामपट्ट पर एक गुल्लक का चित्र बनाएँ।
- **समझाएँ**: इस गुल्लक में डालने के लिए रुपया चाहिए। एक बच्चा जितने रुपया बोले दूसरा बच्चा नोट या सिक्का की मदद से उतना रुपया उठाकर दिखाएँ।

दो बच्चे को बुलाकर गतिविधि शुरू करें।

पूछें: कितने रुपये डालने को कहा गया? कौन सी नोट या सिक्का उठाया गया? गतिविधि को और उदाहरणों के साथ दोहराएँ जिससे कि बच्चे सभी खेल मुद्रा पहचान पाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें और प्रत्येक समूह को खेल मुद्रा दें।
- **समझाएँ**– जिस वस्तु का नाम लिया जाए उसकी कीमत का अनुमान लगाकर खेल मुद्रा से उचित रुपया निकाल कर दिखाना है।
- शिक्षक बारी–बारी से एक वस्तु का नाम लें जैसे–पतंग, गेंद, बैग, फुटबॉल, पेंसिल।

पूछें : इसकी कीमत कितनी होगी? किस खेल मुद्रा का इस्तेमाल करेंगे? इसमें कितने नोट हैं और कितने सिक्के हैं?

- शिक्षक ऐसे और सवालों पर चर्चा करें।

शिक्षक के लिए बिंदु : शिक्षक ध्यान दें कि बच्चे सही नोटों का चयन कर रहे हैं और उतनी ही खेल मुद्रा दे रहे हैं जितना वस्तु का मूल्य है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

2 रुपये

10 रुपये

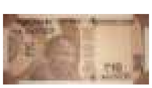

5 रुपये

- श्यामपट्ट पर यह चित्र बनाएँ और मिलान करने को कहें।
- एक–एक बच्चे को बुलाएँ और गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

पहले नोट को किससे मिलाया?
दूसरे सिक्के को किससे मिलाया?
सबसे ज्यादा कीमत कौन से नोट की है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|2 कराएँ–पृष्ठ 156

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|2 कराएँ–पृष्ठ 121

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।

संसाधन : आकार–परिवार।

नये शब्द : पैटर्न

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे स्वाभाविक रूप से आसान पैटर्न में छिपे नियम को समझ लेते हैं।

सामान्य भूल : बच्चे पैटर्न के नियमों का सामान्यीकरण नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

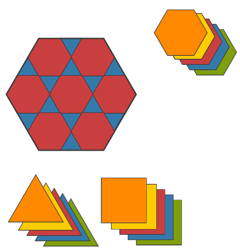

- शिक्षक फर्श पर विभिन्न रंग के कुछ टाइल्स रखें।
- **समझाएँ** –टाइल्स को एक नियम से रखा गया है। पहले लाल, फिर पीला और उसके बाद हरा। इसी नियम से आगे भी टाइल्स लगाना है।
- एक–एक बच्चे को बुलाकर टाइल्स के पैटर्न आगे बढ़ाने को कहें।

पूछें: इस लाल टाइल्स के बाद पीला टाइल्स ही क्यों रखा? पीला टाइल्स के बाद लाल टाइल्स क्यों नहीं लगाया?

- ऐसे और सवालों पर चर्चा करें जिससे बच्चे पैटर्न के नियम को समझ कर उसे सामान्यीकरण करते हुए आगे बढ़ा पाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

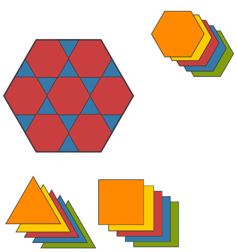

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें और प्रत्येक समूह को विभिन्न आकृतियों के टुकड़े दें।
- **समझाएँ**– श्यामपट्ट पर आकृतियों का एक पैटर्न बनाया जायेगा। समूह में दिए गए आकृतियों के टुकड़े से उसी पैटर्न को आगे बढ़ाना है। शिक्षक श्यामपट्ट पर आकृतियों का एक पैटर्न बनाएँ।

पूछें : इसके बाद कौन–सी आकृति आएगी? पैटर्न को और दो कदम आगे बढ़ाया जाए तो कौन–सी आकृति आनी चाहिए?

- शिक्षक ऐसे और सवालों पर चर्चा करें।
- अब शिक्षक प्रत्येक समूह में एक बच्चे को अपने पसंद से कोई पैटर्न बनाने को कहें। बाकी बच्चे उसको आगे बढ़ाएँ।

शिक्षक के लिए बिंदु : बच्चे अपनी पसंद से रंग या आकृति किसी भी आधार पर पैटर्न बना सकते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

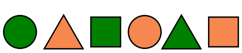

- श्यामपट्ट पर यह पैटर्न बनाएँ।
- इस पैटर्न के ऊपर कुछ सवालों पर चर्चा करें।

ये पैटर्न रंग के आधार पर बनाया गया है या आकृति के आधार पर?

इस पैटर्न के अगले कदम की आकृति क्या होगा?

इस पैटर्न के अगले कदम का रंग क्या होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|3 कराएँ–पृष्ठ 157

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|3 कराएँ–पृष्ठ 121

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

परिवेश और चित्रों से वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें।

संसाधन

विभिन्न वस्तुओं के चित्र चार्ट

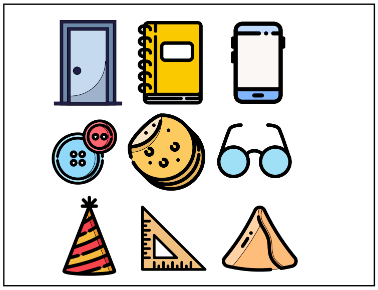

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- हर समूह को अपने परिवेश से वस्तुओं को एकत्रित करने को कहें।
- समूह के बच्चों द्वारा एकत्रित वस्तुओं को पहचानने और उनका नाम बताने को कहें।
- उनसे बातचीत करें कि इन वस्तुओं के क्या कार्य हैं?
- अब समूह द्वारा सभी वस्तुओं को हल्की–भारी, धातु, प्लास्टिक, लकड़ी से बनी वस्तुओं को अलग करने को कहें।
- सभी समूह को गोले में बैठाकर सभी वर्गीकृत वस्तुओं के नाम बच्चों से बताने को कहें।
- चित्र चार्ट से वस्तुओं का आकार, रंग उपयोग पर चर्चा करें।
- श्यामपट्ट पर तालिका बनाकर बच्चों से पूछ–पूछ कर वस्तुओं के नाम लिखें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप दी गई वस्तुओं को उनकी आकृति के आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।

संसाधन

खेल मुद्रा।

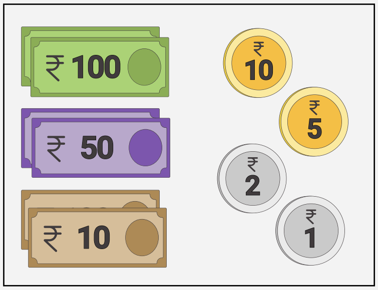

- कक्षा के बच्चों को 5–6 के समूह में बाँटें।
- प्रत्येक समूह को अलग–अलग मूल्यों के नोटों को वितरित करें।
- कुछ समूह को सिक्के दें।
- बच्चों से नोटों पर लिखी संख्या बताने को कहें।
- उन्हें रुपये तथा पैसे के अंतर को समझाएँ।
- श्यामपट्ट पर एक संख्या जैसे 100, 200, 500, 700 आदि लिखकर बच्चों को इतने रुपये बनाकर अलग करने को कहें।
- शिक्षक किसी वस्तु का मूल्य रुपये में बता कर उसके मूल्य के बराबर 10, 50, 100 आदि के कितने नोटों को बनाया जा सकता है, बच्चों से चर्चा करने को कहें।
- श्यामपट्ट पर संख्या के साथ नोटों और सिक्कों की तालिका बनाकर बच्चों से पूछें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 10 रुपये में 1 रुपये के कितने सिक्के होंगे?
- 200 रुपये की किताब को खरीदने में कितने 50 रुपये के नोट होंगे?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।

संसाधन

ब्लॉक, कलर, फ्लैश कार्ड, टाइल्स।

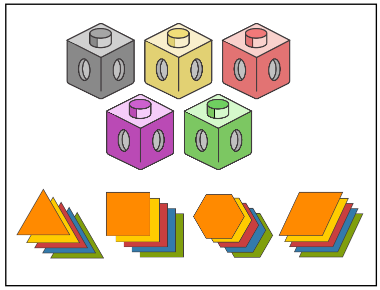

- बच्चों के बच्चों को 3–3 समूहों में बांटें।
- बच्चों को सामग्री वितरित करें।
- बच्चों के प्रत्येक समूह को टाइल्स का सेट देकर उनसे कोई आकृति बनाने को कहिए।
- एक समूह को एक समान आकृति की टाइल्स को आगे बढ़ाते हुए पैटर्न बनाने को कहें।
- गोलाकार आकृति, पतंग, आयत या वर्ग में किस आकार की कौन और कितनी टाइल्स का प्रयोग होगा?
- अब 2 या 3 आकृति के टाइल्स से पैटर्न बनाने को कहें।
- नंबर ब्लॉक को रंग के अनुसार क्रमवार रखने को कहें, जैसे लाल–लाल, नीला–नीला, हरा–हरा।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- एक आकार की टाइल्स से कितना बड़ा पैटर्न क्रम बनाया जा सकता है?

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- परिवेश और चित्रों से वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें।
- सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।
- रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।

संसाधन : ब्लॉक्स, खेल मुद्रा, स्टैम्प पैड।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

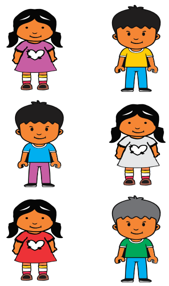

- परिवेश के वस्तुओं से सूचना एकत्रित करना और वर्गीकरण करना
- सभी बच्चों को 4 पंक्तियों में खड़ा करें।
- **समझाएँ**– एक पंक्ति के बच्चे पशु का नाम, दूसरी पंक्ति के बच्चे पक्षी का नाम, तीसरी पंक्ति के बच्चे फल का नाम और चौथी पंक्ति के बच्चे फूल का नाम बताएँगे।
- श्यामपट्ट पर 4 कॉलम बनाएँ–एक पशु का, एक पक्षी का, एक फल का और एक फूल का। जैसे–जैसे बच्चे नाम बताएँ आप उपयुक्त कॉलम में उनका नाम लिखते जायें।
- जब सभी नाम बता दें, तो पूछें – पशु पक्षी फल और फूल में कौन सबसे ज्यादा है? पशु, पक्षी, फल और फूल में कौन सबसे कम है?

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

- बच्चों को दो–दो के समूह में बाँटें। सभी को खेल मुद्रा दें।
- **समझाएँ**– मैं एक नोट या सिक्के का नाम बोलूंगी। आप सभी को वह नोट और सिक्का उठाकर दिखाना है।
- एक–एक करके नोट या सिक्के का नाम बोलें जैसे– 1 रुपये, 50 रुपये आदि।
- ध्यान दें कि सभी बच्चे सक्रिय भागीदारी कर रहे हों।
- शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर दें।
- **समझाएँ**– पचास के दो नोट मिलाकर 100 रुपये हो जाते हैं, 10 के पाँच नोट मिलाकर पचास रुपये हो जाते हैं।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

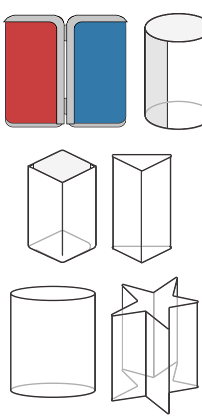

- स्टांप पैड की एक आकृति लें। उस आकृति में दो रंग की स्याही लगाकर पैटर्न बना कर दिखाएं। आप बड़े चार्ट पेपर पर पैटर्न बना सकते हैं। जैसे – पहले लाल त्रिभुज, पुनः नीला त्रिभुज, फिर लाल त्रिभुज, ...। बच्चों से पूछें इस पैटर्न में आगे क्या आएगा।
- बच्चों को भी स्टांप पैड दें और उनसे यह पैटर्न बनाने के लिए कहें।
- इस तरह अलग–अलग रंग और आकृतियों से अलग–अलग पैटर्न बच्चों को बनाकर दिखाएं और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कहें।
- शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर दें।
- बच्चों को पैटर्न के नियम बताने को प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 21

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- **परिवेश और चित्रों से की वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें।**
- **सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।**
- **रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।**

संसाधन : खेल मुद्रा।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

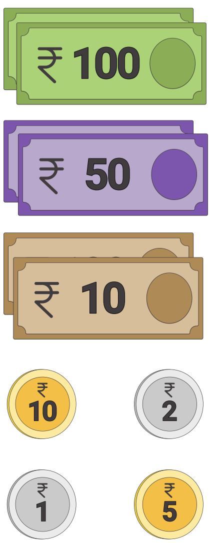

- शिक्षक सभी समूह को नोट व सिक्के उपलब्ध करवाएँ।

☞ **समझाएँ:** शिक्षक प्रत्येक समूह को कुछ राशि जैसे 17 को नोटों व सिक्कों का इस्तेमाल करके दर्शाने के लिए कहें।

- शिक्षक इस दौरान अलग–अलग समूह में जाकर अवलोकन करें तथा चर्चा करें किन–किन तरीकों से ये धनराशि बनाई जा सकती है। शिक्षक बच्चों को तालिका भरने में मदद करें।
- उदाहरण के लिए 17 को दो पाँच के नोट, 2 के तीन सिक्के व 1 का एक सिक्के से दर्शा सकते हैं, अलग–अलग बच्चों के जबाब अलग–अलग हो सकते हैं।

☞ **पूछें** : किन नोटों या सिक्कों को मिलाकर राशि प्राप्त की।

? कौन नोट या सिक्का सबसे ज्यादा उपयोग किया गया है?

? कौन सा नोट या सिक्का सबसे कम उपयोग किया गया है?

? शिक्षक एक–दूसरे के जबाब को अवलोकन करने के लिए भी प्रेरित करें।

? एक ही राशि के लिए अलग–अलग संयोजनों पर चर्चा करें।

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

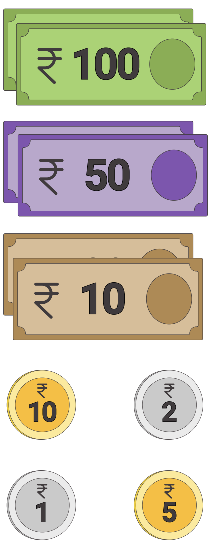

- शिक्षक खेल मुद्रा की सहायता से कोई पैटर्न बनाकर दिखायें।
- बच्चे इस पैटर्न का अवलोकन कर इसके नियम को बताएँ।
- इस पैटर्न को आगे बढ़ा कर भी दिखायें।

उदाहरण के लिए:

- एक 10 का नोट, एक पाँच का सिक्का, एक दस का नोट, एक पाँच का सिक्का कृ
- अब बच्चों को दो–दो के समूह में बांटें।
- प्रत्येक समूह में खेल मुद्रा उपलब्ध करवाएँ।
- एक बच्चा खेल मुद्रा की सहायता से पैटर्न बनाएँ, दूसरा इसे पहचान कर आगे बढ़ाएगा।
- इसके बाद दूसरा बच्चा पैटर्न बनाए और पहला बच्चा इसे आगे बढ़ाए।

☞ **पूछें:** क्या आप इस पैटर्न के नियम को बता सकते हैं?

? आपने अपने पैटर्न में कितने तरह के नोट और सिक्के उपयोग किए हैं?

? शिक्षक एक–दूसरे के पैटर्न को अवलोकन करने के लिए भी प्रेरित करें।

सप्ताह 22

सावधिक आकलन

10. सावधिक आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}

पिछले 10 सप्ताह की रेमीडीयल गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
सावधिक आकलन सप्ताह — सप्ताह 22	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 रेमीडीयल गतिविधि	रिक्त कालांश

सावधिक ट्रैकर

शिक्षण अधिगम सामग्री

उपयुक्त वातावरण के निर्माण और शिक्षण कार्य के लिए संसाधन सभी विद्यालयों को उपलब्ध कराए गए हैं। इनका कक्षा कार्य में अधिगम सहायक सामग्री के रूप में योजना के अनुसार उपयोग करें।

उपलब्ध शिक्षण अधिगम सहायक सामग्रियों का विवरण और उनके उपयोग से संबंधित जानकारी यहाँ दी गई है।

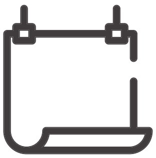

पोस्टर (12)

बच्चों के दैनिक जीवन और बुनियादी गणित की अवधारणाओं को चित्रित करते पोस्टर कक्षा में उपयुक्त वातावरण निर्माण के लिए उपयोगी हैं।
कक्षा की दीवारों पर सभी पोस्टर को लगाएँ।

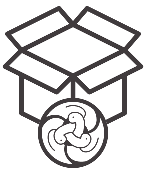

गणित किट (11)

शिक्षण कार्य के दौरान गणित किट के साथ कार्य करने के अवसर बच्चों को दक्षता प्राप्त करने में सहयोग करते हैं और अवधारणात्मक समझ को स्पष्ट करते हैं।
कक्षा में गणित किट को रखने के लिए गणित कोना बनाएँ।

गणित कार्ड और बोर्ड (7)

अवधारणात्मक समझ को स्पष्ट करने और उनके अनुप्रयोग में गणित कार्ड और बोर्ड उपयोगी हैं। गणित कार्ड और बोर्ड का उपयोग बच्चे में अवधारणाओं के संकेतीय पहलुओं को भी स्पष्ट करता है।
गणित कार्ड और बोर्ड के साथ बच्चों को समूह में कार्य दें।

पोस्टर

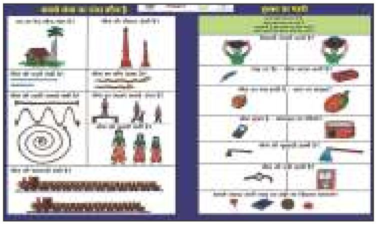

ऊंचा–नीचा, हल्का–भारी

मोटा–पतला, एक–अनेक, कम–ज्यादा

दूर–पास व ऊपर–नीचे

अंदर–बाहर, दायें–बाएँ

एक से दस की गिनती व शून्य

1 से 100 की संख्या

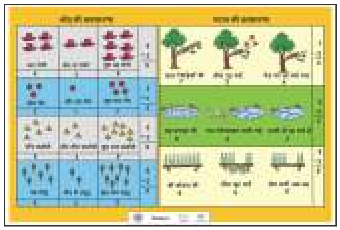

जोड़ व घटाव

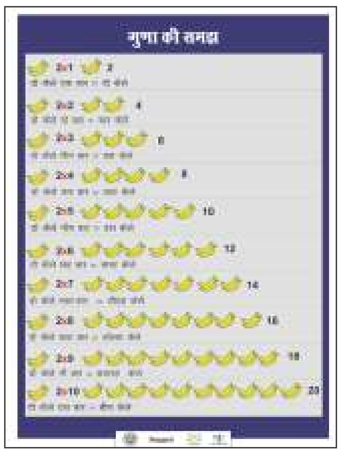

गुणा की समझ

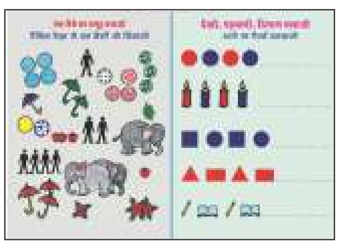

वर्गीकरण व पैटर्न

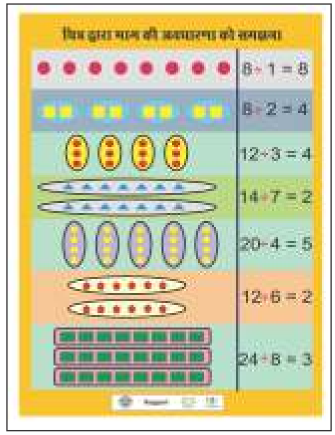

भाग की अवधारणा

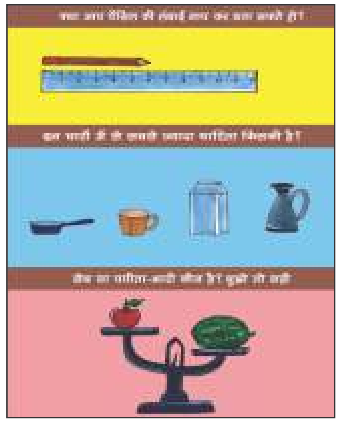

लंबाई, भार व धारिता

2 डी व 3 डी आकार

गणित किट

ठोस आकृतियाँ

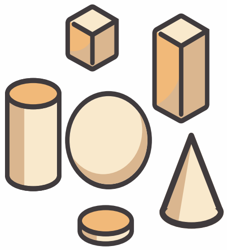

टाइल्स

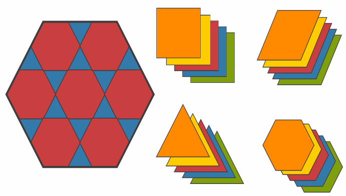

स्टाम्पिंग पात्र और स्टाम्प पैड

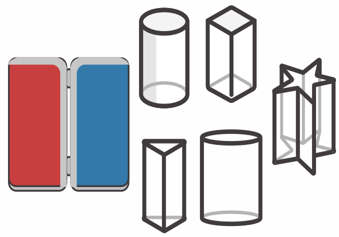

स्थानीय मान कार्ड

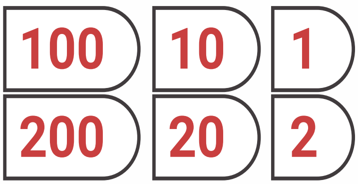

घड़ी

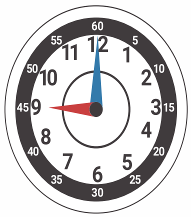

पासे

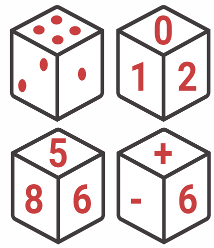

ब्लॉक्स

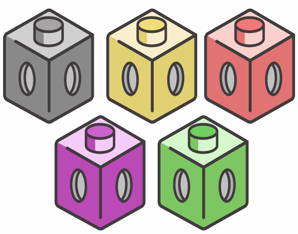

रस्सी

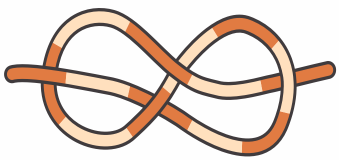

संख्या कार्ड

डोमिनो संख्या कार्ड

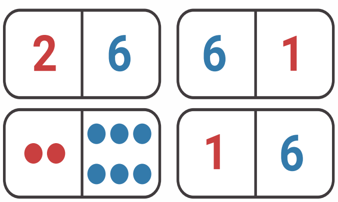

खेल मुद्रा

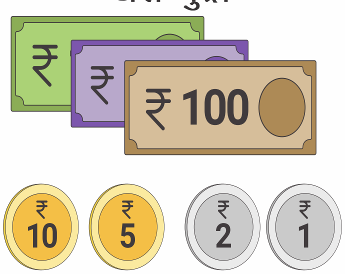

गणित कार्ड और बोर्ड

1	अवधारणा बोर्ड
2	अवधारणा बोर्ड (स्थानीय मान)
3	संख्या चार्ट
4	गिनती गिनना सीखने के लिये बोर्ड
5	संख्या कार्ड व डॉट कार्ड
6	जोड़ के लिये चार्ट
7	गुणा के लिये चार्ट

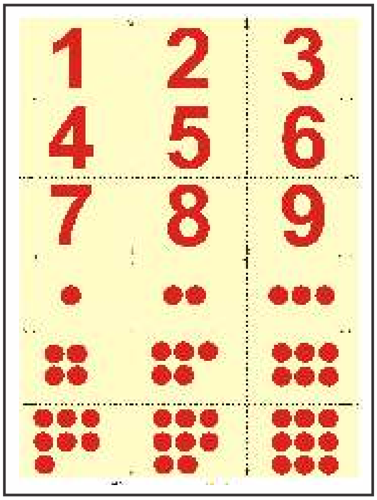

संख्या कार्ड व डॉट कार्ड

संख्या चार्ट

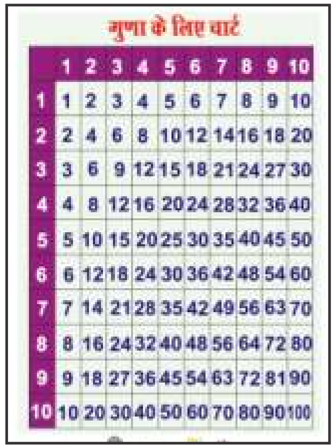

गुणा के लिये चार्ट

गिनती गिनना सीखने के लिये बोर्ड

जोड़ के लिये चार्ट

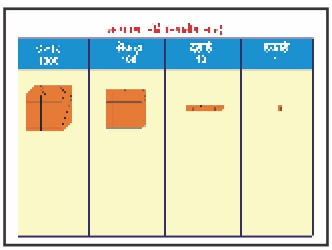

अवधारणा बोर्ड (स्थानीय मान)

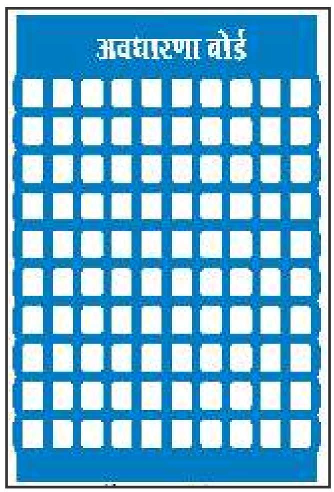

अवधारणा बोर्ड

कक्षा प्रबन्धन

कक्षा प्रबन्धन सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़े रखने और प्रतिभाग के लिए उपयुक्त वातावरण बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कक्षा प्रबन्धन की एक सीमित परिभाषा "अनुपालन" की ओर इंगित करता है जैसे कि बच्चे अपनी जगह पर बैठे हों या दिशा–निर्देश सुन रहे हों आदि।

कक्षा प्रबन्धन शिक्षण योजना का ही एक अंग है जो शिक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाता और बच्चों को कक्षा कार्य के दौरान समझने–सीखने में मदद करता है। शिक्षक का व्यवहार और वातावरण (बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और उनकी बातों को कक्षा में जगह देना), वास्तविक अपेक्षाएं (बच्चों से अपेक्षित कार्य की जानकारी साझा करना), शिक्षण सामग्री का उपयोग (सार्थक एवं विभिन्न शिक्षण सामग्री का उपयोग), शिक्षण कार्य में विविधता और समय नियोजन आदि कक्षा प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण आयाम हैं।

1. सहज वातावरण

- सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें। इसके लिए मौखिक प्रश्न और संवाद का प्रयोग करें।
- कक्षा व्यवस्था सम्बन्धी नियमों को बच्चों के साथ मिलकर आपसी सहमति से तय करें जैसे:
  - जब कोई एक बोल रहा हो तो सभी उसकी बातों को ध्यान से सुनेंगे।
  - सभी अपनी बारी का इन्तजार करेंगे और बारी आने पर अपनी बात सामने रखेंगे।
  - सभी एक दूसरे की मदद करेंगे और किसी का मजाक नहीं उड़ायेंगे ।
- शिक्षण कार्य के दौरान सभी बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें जैसे:
  - अगर बच्चे दरी पर बैठे हों तो आप भी उनके साथ दरी पर ही बैठें ।
  - लड़कियों और लड़कों को प्रतिभाग के समान अवसर दें।
  - बच्चों की घर की भाषा को कक्षा में शामिल करें और संवाद के पर्याप्त मौके दें ।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- शिक्षण के दौरान बच्चों के साथ बातचीत करें और उनकी भावनाओं के प्रति संवेदशील रहें। ऐसी बातचीत के कुछ उदाहरण यहाँ नीचे देखे जा सकते हैं।
  - आज आपको कैसा लग रहा है ?
  - गृहकार्य को पूरा करने के लिए घर में किसने मदद की ?
  - घर से विद्यालय तक के रास्ते में आप क्या–क्या देखते हैं और किन से मिलते हैं ?
- प्रतिदिन अलग–अलग बच्चों से उनके दैनिक अनुभव के बारे में कक्षा में बात करें ताकि कक्षा कार्य के लिए पर्याप्त समय हो और शिक्षण योजना प्रभावित न हो।

3. भौतिक वातावरण गणित शिक्षण के अनुरूप

- पोस्टर को दीवारों पर उचित ऊँचाई पर लगाएँ जिसे बच्चे आसानी से देख और पढ़ सकें।
- बच्चों द्वारा उपयोग किए जाने वाले TLM को कक्षा–कक्ष में व्यवस्थित तरीके से रखें या गणित कोना बनाएं।
- बच्चों के द्वारा किए गए कार्यों को कक्षा में प्रदर्शित करें।

4. बैठक व्यवस्था

- बैठक व्यवस्था कक्षा–कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार बनाएँ। सामूहिक कार्य जैसे कहानी सुनाने के दौरान बच्चों को नजदीक गोल घेरे में और गतिविधियों के दौरान छोटे–छोटे समूहों में बैठाएं।
- बैठक व्यवस्था ऐसी बनाएँ, जिसमें सभी बच्चे आपस में घुल–मिलकर कार्य करें।
- जो बच्चे सहज नहीं हों या पीछे की तरफ बैठने की कोशिश करते हैं, उन्हें आगे बैठने के लिए प्रोत्साहित करें।
- सभी बच्चों श्यामपट्ट को स्पष्ट रूप से देख पाएँ।

5. बच्चों में रुचि जाग्रत करने के लिए शिक्षण कार्य में विविधता

- कहानी, कविता या बातचीत से शिक्षण कार्य की शुरुआत करें।
- शिक्षण अभिगम सामग्री का प्रतिदिन उपयोग करें।
- सभी बच्चों को गणितीय कार्ड और श्यामपट्ट के उपयोग के लिए पर्याप्त अवसर दें।
- सभी बच्चों के अनुभव को कक्षा कार्य में शामिल करें।
- बच्चों को अपने पिछले कार्य को देखने और अपनी प्रगति को समझने का अवसर दें।

6. समय नियोजन

- कालांश को विद्यालय समय सारणी के अनुसार शुरू करें।
- शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक सामग्रियों को अपने साथ ले कर कक्षा में प्रवेश करें।
- बच्चों को अगले दिन या अगले कालांश में किए जाने वाले कार्य के बारे में बताएँ।
- रिक्त कालांश का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करें।
- बच्चों की कार्यपुस्तिका की जाँच कक्षा कार्य के बाद करें। वस्तुओं के बारे में बताएँ कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

व्यवधान प्रबंधन की रणनीति

इस बात की संभावना अभी भी बनी हुई है कि कोरोना के कारण इस अकादमिक सत्र में भी विद्यालय को कुछ समय के लिए बंद करने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जो बच्चों की शिक्षण प्रक्रिया को पुनः बाधित करेगी। हमने पहले भी इस बात पर चर्चा की है कि विद्यालय के अचानक बंद होने से बच्चों के प्रगति में बाधा आती है और अधिगम क्षति होती है। इसलिए अब हमारे पास इस प्रकार के संभावित व्यवधानों से होने वाले नुकसानों से बचने और उसके प्रबंधन की प्रभावी रणनीति होनी चाहिए। जिसमें बच्चों के अधिगम क्षति का आकलन कर, पुनरावृत्ति और अभ्यास करने के उपयुक्त तरीके हों। इसके साथ–साथ हमे अभिवावकों के साथ मिलकर ऐसी व्यवयस्था बनानी चाहिए, जिससे बच्चों को घर पर भी सीखने के अवसर और सहयोग प्राप्त होते रहें।

व्यवधान प्रबंधन के लिए दो तरह की रणनीति प्रस्तावित की गई है

1–4 सप्ताह का व्यवधान

यदि विद्यालय 4 सप्ताह या उससे कम समय के लिए बंद होते है तो विद्यालय के पुनः खुलने पर शिक्षक आखिरी सप्ताह में किए कार्यों के दोहराव से शुरुआत करें।

1. आखिरी सप्ताह का दोहराव

- समूह बना कर अभ्यास गतिविधियों कराएँ।
- श्यामपट्ट पर प्रश्न और मौखिक प्रश्न–उत्तर के माध्यम कक्षा कार्य कराएँ।
- समेकन गतिविधि कराएँ।
- अतिरिक्त अभ्यास के लिए गृह कार्य दें।
- रेमीडीयल गतिविधि कराएँ।

2. वार्षिक योजना के अनुसार आगे का शिक्षण कार्य करें

4 सप्ताह से अधिक का व्यवधान

यदि विद्यालय 4 सप्ताह से अधिक समय के लिए बंद होते हैं तो विद्यालय के पुनः खुलने पर शिक्षक समृद्ध कार्यक्रम के स्तर 1 और 2 पुस्तिका के मदद से 2–3 सप्ताह तक रेमीडीयल कार्य करें।

1. बच्चों को अपनी कक्षा में ही बैठायें।
2. समृद्ध कार्यक्रम पुस्तिका–आकलन टूल के माध्यम से बच्चों का Baseline कर वर्तमान स्तर पता करें।
3. बच्चों का स्तर के अनुसार समूह बना रेमीडीयल कार्य करें। (2–3 सप्ताह)

- समूह बना कर अभ्यास गतिविधियों कराएँ।
- श्यामपट्ट पर प्रश्न और मौखिक प्रश्न–उत्तर के माध्यम कक्षा कार्य कराएँ।
- समेकन गतिविधि कराएँ।
- अतिरिक्त अभ्यास के लिए गृह कार्य दें।
- रेमीडीयल गतिविधि कराएँ।

4. समृद्ध कार्यक्रम पुस्तिका–आकलन टूल के माध्यम से बच्चों की Baseline कर वर्तमान स्तर पता करें

5. वार्षिक योजना के अनुसार आगे का शिक्षण कार्य करें

अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों को दैनिक रूप से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से जोड़े रखने के लिए लगातार संवाद करें और घर पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सरल सुझाव दें।

अभिभावकों की भूमिका

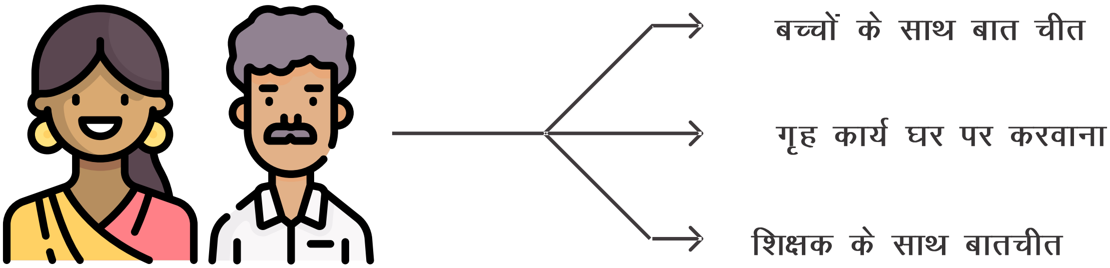

बच्चे निरंतर रूप से सीखने की प्रक्रियाओं में शामिल हों इसके लिए जरुरी है कि कक्षा–कक्ष में एक तरफ जहाँ शिक्षक उनके साथ काम करें वही दूसरी तरफ अभिभावक भी घर पर उन्हें पर्याप्त समय दें, और व्यवस्थित ढंग से उनके साथ काम करें। इसलिए हम शिक्षकों को सभी बच्चों के अभिभावकों के साथ नियमित रूप से बातचीत एवं चर्चा करते रहनी चाहिए। विद्यालय में आयोजित अभिभावकों एवं शिक्षकों की बैठकों (PTM) में उनसे यह बात करें कि उनके सक्रिय और सकारात्मक जुड़ाव से बच्चों के सीखने की गति बेहतर होती जाती है।

इस भाग में हम यह देखने और समझने की कोशिश करेंगे कि एक अभिभावक की पूरी शिक्षण प्रक्रिया में क्या भूमिका हो सकती है। आप अभिभावकों तक यह बात पहुँचाएँ कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका को तीन मुख्य भागों में बाँटकर देखा जा सकता है

1. शिक्षक के साथ बातचीत

आप अभिभावकों को बताएँ कि अपने बच्चों की प्रगति पर ध्यान रखना अच्छा होगा ताकि बच्चों को समय से ज़रूरी मदद मिल सके। साथ में उनसे अपेक्षित है कि शिक्षकों से लगातार संवाद बनाएँ रखें और अपने बच्चे के बारे में संवाद करते रहें।

- विद्यालय से जुड़े कार्यों में अभिभावकों की भूमिका को नीचे देखा जा सकता है।
- वार्षिक लक्ष्य और बच्चों की प्रगति पर बात करें।
- शिक्षक से बच्चों को विद्यालय में सीखने में हो रही कठिनाइयों पर बात करें।
- बच्चों को घर में कक्षा कार्यों को दोहराने में प्रतिदिन मदद करें।
- कक्षा में किए गए कार्य के बारे में पूछें।
- गृह कार्य के बारे में पूछें।

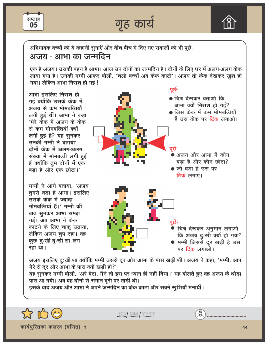

2. साप्ताहिक रूप से गृहकार्य घर पर करवाएं

आप अभिभावकों को बच्चों से उनके विद्यालय में व्यतीत किए गए समय और उनके सीखने के अनुभवों के बारे में बात कर गृहकार्य को पूरा करने में सहयोग के लिए प्रेरित करें।

- बच्चों से शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देश के बारे में पूछें।
- बच्चों के साथ बैठ कर गृहकार्य को पूरा करवाएँ।
- बच्चों के साप्ताहिक कार्य और ट्रैकर को देखें।
- बच्चों को सीखने में हो रही कठिनाइयों को समझने का प्रयास करें और शिक्षक को अवगत कराएँ।

3. बच्चों के साथ बात चीत

अभिभावक किन–किन सामान्य बातों का ध्यान रख सकते हैं इसे नीचे देखा जा सकता है।

- बच्चे मजे के साथ सीख सकें, इसके लिए घर पर अनुकूल वातावरण बनाना।
- बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सराहें और उन्हें प्रोत्साहित करें।
- बच्चों के साथ खेलें और लगातार संवाद करें।
- बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और उन्हें टहलने, खेलने आदि को प्रोत्साहित करते रहें।
- बच्चों के गिनने, जोड़ने और घटाव करने जैसे कौशलों के विकास हेतु उनके साथ अलग–अलग मुद्दों पर लगातार संवाद करते रहें।
- कहानी या कविता के माध्यम से बच्चों से छोटे–छोटे सवाल करें जैसे कि घर में कितने दरवाजे हैं, हम सभी में सबसे लम्बा कौन हैं इत्यादि।
- बच्चों से चित्रकारी, रंग भरवाने, आटे, मिट्टी या कागज़ से कुछ बनवाने का काम करवाएँ।
- अपने परिवेश, घर की आवश्यक वस्तुओं के बारे में बताएं कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1

सप्ताह
दिवस 5

प्रत्येक बच्चे का साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- A– सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग से कम का सही उत्तर
- B– सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग या ज्यादा का सही उत्तर

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह					
		5	6	7	8	9	10
1							

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह					
		5	6	7	8	9	10

सावधिक आकलन ट्रैकर 1

सप्ताह
11

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- A-- सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- B-- सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

जिला: .... ब्लॉक: .... स्कूल: .... कक्षा: ....

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह									
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2

हर सप्ताह
दिवस 5

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- A-- सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- B-- सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह									
		12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
1											

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह									
		12	13	14	15	16	17	18	19	20	21

सावधिक आकलन ट्रैकर 2

सप्ताह 22

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- A-- सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- B-- सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

जिला: .... ब्लॉक: .... स्कूल: .... कक्षा: ....

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

1	2	3	4	5	6
भाषा	भाषा	भाषा	गणित	गणित	गणित

भाषा एवं गणित के लिए प्रतिदिन 3–3 कालांश प्रस्तावित हैं। पहले 3 कालांशों में भाषा (हिन्दी) से संबंधित कार्य किए जाएँगे और बाद के 3 कालांशों में बुनियादी गणित पर कार्य किया जाना है।

22 सप्ताह

48 सप्ताह

- विद्यालय रेडीनेस: गणित।
- 1–99 तक की संख्याओं को समझ, लिख और तुलना कर सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई लिख सकें।
- एक अंक की संख्याओं का जोड़ और घटा कर सकें।
- परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतिओं को पहचान सकें और वस्तुओं की विशेषताएँ पहचान सकें।
- वस्तुओं को विभिन्न अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।
- रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।
- परिवेश और चित्रों से वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें।
- सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।

संसाधन

- 48 शिक्षण योजना
- 48 अभ्यास गतिविधि
- 4 समेकन गतिविधि
- 4 रेमीडीयल गतिविधि

ट्रैकर

- वार्षिक ट्रैकर (2022–23)
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1 और 2
- सावधिक आकलन ट्रैकर 1 और 2

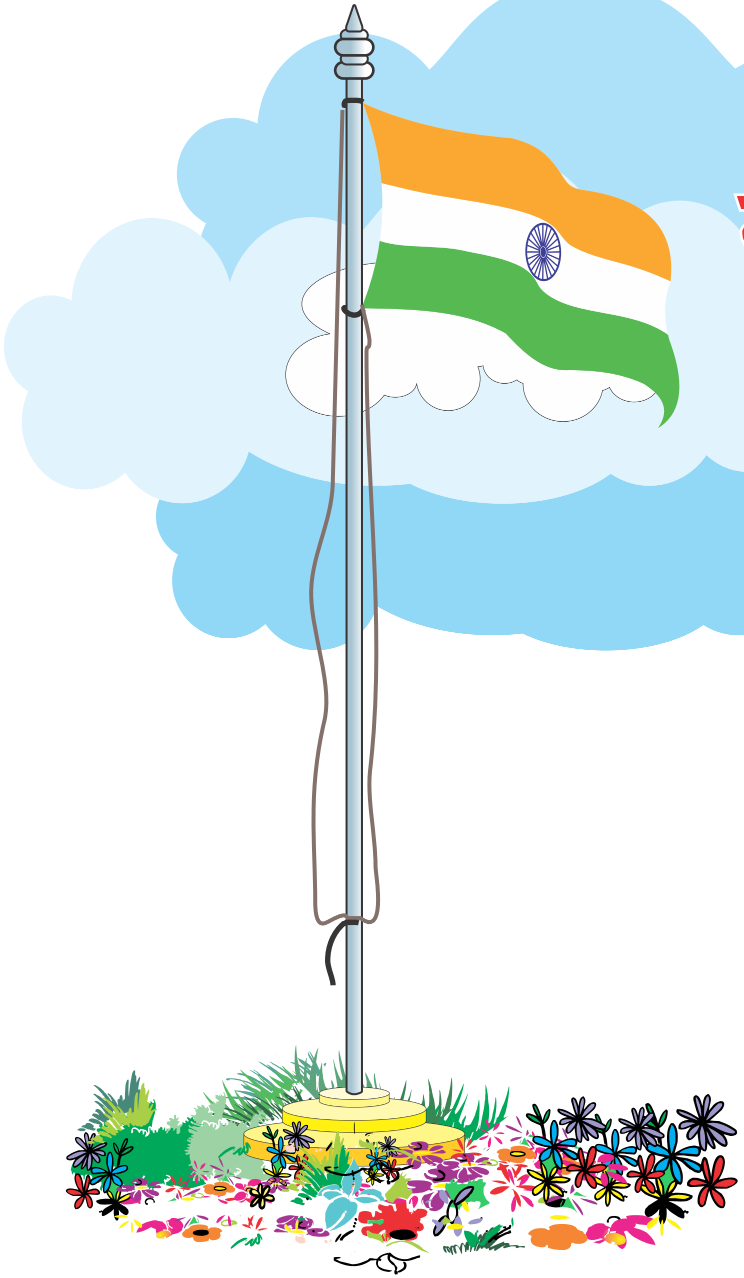

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा–
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!

सत्र 2022-2023

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरणः प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी X 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

L4N9Z9

निःशुल्क वितरण हेतु

उत्तर प्रदेश शासन

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

Vikramshila

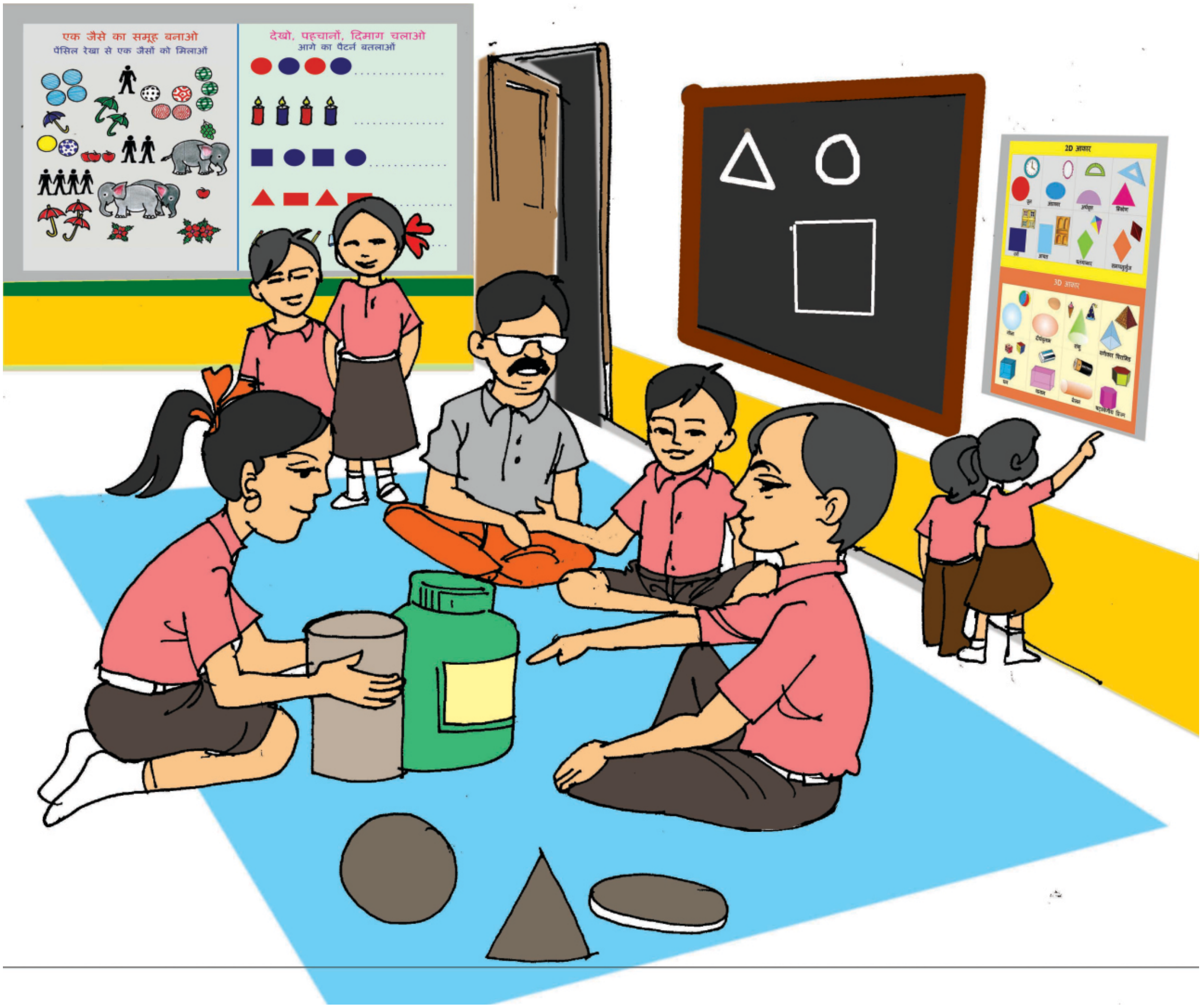

2

कक्षा

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
गणित

सत्र 2022-2023

शिक्षक संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और संसाधनों को पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका में संसाधनः

शिक्षण योजना | अभ्यास गतिविधि | समेकन गतिविधि | रेमीडीयल गतिविधि | वार्षिक ट्रैकर | साप्ताहिक ट्रैकर | सावधिक ट्रैकर

शिक्षण योजना | अभ्यास गतिविधि | समेकन गतिविधि | रेमीडीयल गतिविधि

सप्ताह | समय | शिक्षण उद्देश्य | आवश्यक पूर्व ज्ञान | सामान्य भूल | नये शब्द

मैं करूँ | हम करें | तुम करो | संसाधन | शिक्षक के लिए बिन्दु | बच्चों के लिए प्रश्न

कार्यपुस्तिका

अभ्यास | मैंने सीख लिया (आकलन) | साप्ताहिक अभ्यास | साप्ताहिक पुरावृत्ति | गृहकार्य | सावधिक आकलन | कार्यपुस्तिका ट्रैकर

NCERT गणित किट | पोस्टर | गणित कार्ड और बोर्ड | कार्यपत्रक | संख्या समझ | संक्रिया | ज्यामिति व मापन | डाटा हैंडलिंग

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
कक्षा–2

सीखने–सिखाने के अनुभवों में विविधता एवं रोचकता!

बुनियादी गणित पर आधारित यह संदर्शिका शिक्षक के सहयोग के लिए बनाई गई है जिसमे वार्षिक योजना और दैनिक शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक संसाधन दिये गए हैं।

60	60	4	4	3
शिक्षण योजना	अभ्यास गतिविधि	समेकन गतिविधि	रेमीडीयल गतिविधि	ट्रैकर

\+ 160 कार्यपत्रक

शिक्षण संसाधन (शिक्षक) और कार्य पुस्तिका (बच्चों) मिलकर प्रेरणा लक्ष्य को निपुणता से एवं समय से प्राप्त करने में मार्ग दर्शन करेंगे।

उत्तर प्रदेश शासन

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

Vikramshila

मुख्य संरक्षण : श्री दीपक कुमार, आई. ए. एस, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ, ऊ. प्र.।
संरक्षण : श्रीमती अनामिका सिंह, आई. ए. एस, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
निर्देशन : डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
समन्वयन : श्री आनंद कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा।
डॉ. प्रदीप जायसवाल, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
श्री पी. एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा।
विशेष सहयोग : श्री अतनु सांई, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी।
श्री राकेश कुमार, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी।
श्री रेवंथ पेड्डी, सेंट्रल स्क्वायर फॉउंडेशन।
श्री शिवम् रावल, सेंट्रल स्क्वायर फॉउंडेशन।
सुश्री जूही निझावन, कंसलटेंट।
समीक्षा : श्री आशुतोष दुबे, प्राचार्य, एस. आई. ई., प्रयागराज।
श्रीमती रिचा जोशी, प्राचार्य, राज्य हिंदी संस्तान, वाराणसी।
लेखन मंडल : डॉ. जनार्दन सिंह, प्रवक्ता गणित, (राज्य शिक्षा संस्थान उ. प्र, प्रयागराज), श्रीमती मनीषा, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, खैराबाद–सीतापुर), श्री दिनेश कुमार, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उन्नाव), श्री राजकुमार सिंह, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, श्री अवधेश कुमार पाण्डेय, प्रधानाध्याप SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय करपिया, बाराबंकी), श्री पंकज कुमार वर्मा, प्रधानाध्यापक SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटवा, लखीमपुर खीरी, श्री पंकज सोनी, प्रधानाध्यापक ARP (प्राथमिक विद्यालय भतोइया, मलिहाबाद), श्री सुभाष चन्द्र कुशवाहा, प्रधानाध्यापक, (प्राथमिक विद्यालय शेखनापुर घाट, लखनऊ), श्री देवांकुर, सहायक अध्यापक SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय भटजन, गाजियाबाद), श्री संदीप कुमार दूबे, सहायक अध्यापक ARP (उच्च प्राथमिक विद्यालय रैपुरी, भदोही), डॉ ओम प्रकाश गुप्त, सहायक अध्यापक ARP (कम्पोजिट विद्यालय बडेरी, बदलापुर, जौनपुर), श्री विवेक कुमार, सहायक अध्यापक (प्राथमिक विद्यालय मंगलपुरवा रेउसा, सीतापुर), श्री हरिहर पाठक, सहायक अध्यापक (उच्च प्राथमिक विद्यालय टी.पी. नगर कादीपुर, सुलतानपुर), श्री दिनेश कुमार वर्मा, सहायक अध्यापक (उच्च प्राथमिक विद्यालय कोपवा, बाराबंकी), सुश्री आकांक्षा मिश्रा, सहायक अध्यापक (प्राथमिक विद्यालय बेनीमाधवपुर पहला, सीतापुर), श्री विकास शर्मा (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी), श्री सायण वंद्योपाध्याय (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी), श्रीमती पूजा मंडल (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी)।
लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे
ग्राफिक्स : श्री रामबाबू पाल
आभार : पाठ्यपुस्तक के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य–सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :
संस्करण :
शिक्षा सत्र : 2022–2023
मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अन्तः पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल **सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स** वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. X 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम–85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग–टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड–1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है।
पुस्तकों में प्रिण्ट साइज : 15.9 सेमी. X 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. X 24.13 सेमी. है।

उत्पादन : पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उत्तर प्रदेश।
© उत्तर प्रदेश शासन।

सन्देश

घर और समाज से शुरू हुई अनौपचारिक शिक्षा विद्यालय में औपचारिक और व्यवस्थित हो जाती है। प्राथमिक शिक्षा बच्चों के विकास की बुनियाद होती है। यह मजबूत बुनियाद बच्चों को एक सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करती है, और ऐसे बच्चे आगे चलकर एक प्रगतिशील एवं विकसित समाज का सृजन करने में महत्त्वपूर्ण एवं सक्रिय योगदान देते है।

उत्तर प्रदेश में 'मिशन प्रेरणा' कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिली है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्त्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्त्व को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गयी है।

विगत दो वर्षों में कोविड महामारी ने बच्चों की शिक्षा, विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ खड़ी की हैं, जिसके कारण बच्चों के अधिगम की क्षति हुई है। बच्चों की अधिगम क्षति को दूर कर कक्षा के अनुसार निर्धारित शिक्षण सम्बन्धी परिणामों को सुनिश्चित कराना एक बड़ी चुनौती है। इस परिप्रेक्ष्य में कार्ययोजना तैयार करायी गयी है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हुए उनकी अधिगम क्षति को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इससे सभी बच्चे आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएं प्राप्त कर पायें। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 के बच्चों के लिए 'कार्यपुस्तिकाओं' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाओं' का विकास कराया गया है।

बच्चों को केन्द्र में रखकर तैयार करी गयी ये संदर्शिकाएँ एवं कार्यपुस्तिकाएँ शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, गतिविधियों आदि से परिचित करायेंगी और बच्चों को अभ्यास के विविध अवसर प्रदान करेंगी। वहीं दूसरी ओर यह पुस्तिकाएँ अभिभावकों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करेंगी कि वें बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर शिक्षकों से सतत् संवाद बनाये रखें।

भाषा की संदर्शिका मुख्य रूप से 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' एवं गणित की संदर्शिका मुख्य रूप से (अनुभव, भाषा, चित्र, संकेत/प्रतीक) के सिद्धांतों पर तैयार की गयी हैं। संदर्शिका में गतिविधियों एवं अभ्यास कार्यों को क्रमशः सरल से कठिन के क्रम में रखा गया है, ताकि बच्चे सतत् रूप से सीखते हुए वांछित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। आकलन की भी सम्यक व्यवस्था की गई है, जिसमें साप्ताहिक और सावधिक आकलन के द्वारा एक तरफ शिक्षक बच्चों के सीखने की गति पर दृष्टि बनाएँ रख पाएँगे वहीं आवश्यकता पड़ने पर अपनी शिक्षण विधि में भी बदलाव कर पाएँगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये संदर्शिकाएँ शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी। इनके द्वारा न केवल बच्चों के सीखने की शक्ति को पूरा किया जा सकेगा, बल्कि सीखने को गति प्रदान करते हुए प्राथमिक शिक्षा की नींव को सुदृढ़ किया जा सकेगा। ये संदर्शिकाएँ शिक्षा के वृहत्तर लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगी।

शुभकामनाओं के साथ।

अप्रैल–2022

डॉ. (सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद् उ.प्र., लखनऊ।

वार्षिक ट्रैकर (2022–23)

अकादमिक सत्र में कुल 32–35 सप्ताह होंगे, जिसमें 22 सप्ताह को शिक्षण सप्ताह माना गया है। एक शिक्षण सप्ताह में तीन चरण हैं– 1. अनुदेशात्मक कार्य (1–4 दिन), 2. समेकन और आकलन (5वाँ दिन) और 3. रेमीडीयल और पुनरावृत्ति (6वाँ दिन)। इस ट्रैकर से आपको यह नियमित रूप से पता चलता रहेगा कि अभी तक कितना कार्य हो पाया है।

साप्ताहिक कार्य

सप्ताह — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

साप्ताहिक कक्षा कार्य के शुरुआत और समाप्ति के दिनांक भरें।

सावधिक कार्य

सप्ताह 11, 22 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

प्रत्येक दिन के शिक्षण एवं कार्य योजना पर कार्य करने के बाद इस ट्रैकर के संबंधित गोले में सही का निशान लगाएँ। साप्ताहिक एवं दैनिक योजना और आकलन एवं पुनरावृत्ति से जुड़े भाग में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन भागों एवं शिक्षण योजनाओं को ध्यान से पढ़ें।

सप्ताह 1 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 2 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 3 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 4 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 5 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 6 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 7 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 8 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 9 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 10 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 11 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

सप्ताह 12 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 13 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 14 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 15 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 16 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 17 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 18 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 19 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 20 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 21 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 ...

सप्ताह 22 DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

संदर्शिका का उपयोग

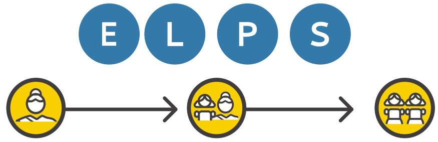

सीखने–सिखाने के सिद्धांतों को समझें

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। ये बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेंगे।

60 शिक्षण उद्देश्य

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों को जानें

अकादमिक वर्ष 2022–23 की रूपरेखा दी गई है जिसमे लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है।

सप्ताह के 3 चरण और कालांशवार संसाधनों की संरचना समझें

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए साप्ताहिक कार्य में अनुदेशात्मक कार्य, समेकन, आकलन और रेमीडीयल कार्य को शामिल किया गया है। क्रियान्वयन के लिए क्रमबद्ध तरीके से शिक्षण सामग्री संदर्शिका में दी गई है।

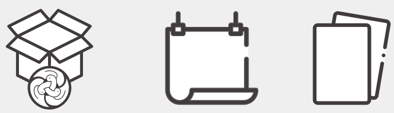

अधिगम सामग्री और कक्षा प्रबंधन जानें

शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक अधिगम सामग्री को विद्यालय स्तर पर उपलब्ध कराया गया है जिसमें गणित किट, पोस्टर और गणित कार्ड–बोर्ड शामिल हैं। दिए गए शिक्षण सामग्रीं में इन्हें पूर्ण रूप से शामिल किया गया है।

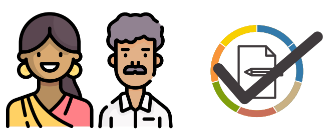

बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में अभिभावकों की भूमिका को समझें

कक्षा में बच्चों द्वारा किए गए कार्यों के घर पर अभ्यास करने और उसमे अभिभावकों की भूमिका को संदर्शिका में रेखांकित किया गया है। साप्ताहिक गृह कार्य और व्यवधान के प्रबंधन के लिए अभिभावकों के साथ संवाद के लिए दिशा–निर्देश दिए गए हैं।

संदर्शिका का उपयोग

हर सप्ताह के शुरुआत में

- वार्षिक योजना के अनुसार दिए गये साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों को समझें।
- शिक्षण योजनाओं के उपयोग के लिए रणनीति बनाएँ और आवश्यक अधिगम सहायक सामग्री को चिह्नित करें।
- बच्चों द्वारा किए गये पिछले सप्ताह के गृह कार्य को जाचें।

हर सप्ताह के अंत में

- प्रत्येक बच्चे की प्रगति और कठिनाइयों को चिह्नित कर उनके लिए कार्य की योजना बनाएँ।
- साप्ताहिक गृह कार्य के लिए बच्चों को निर्देश दें और अभिभावकों के साथ संवाद करें।
- प्रत्येक बच्चे का साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार साप्ताहिक ट्रैकर में ग्रेड दर्ज करें।

हर दिन की शुरुआत में

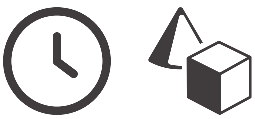

- शिक्षण सामग्री के अनुसार कालांश से पहले तैयारी करें।
- आवश्यक अधिगम सहायक सामग्री को लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन सभी बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच करें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर को भरना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक ट्रैकर भरें।

सप्ताह 11 और 22 में

- कार्यपुस्तिका में दिए सावधिक आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन पहले कालांश में आकलन करें।
- क्रमशः रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएँ।
- प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार सावधिक ट्रैकर में ग्रेड दर्ज करें।

व्यवधान आने पर

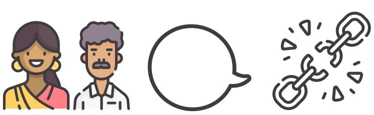

- अभिभावकों को दैनिक रूप से घर पर पढ़ाई करवाने के लिए प्रेरित करें।
- अभिभावकों और बच्चों के साथ संवाद करते रहें।
- व्यवधान की अवधि के अनुसार दी गई रणनीति के अनुसार तैयारी और शिक्षण कार्य करें।

विषय सूची

वार्षिक ट्रैकर ———————————— 4–5

शिक्षक के लिए स्वयं साप्ताहिक कार्य में प्रगति को आंकने के लिए वार्षिक ट्रैकर दिया गया है।

संदर्शिका का उपयोग ———————————— 6–7

संदर्शिका के सभी भागों के मुख्य बिंदुओं को और उपयोग से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं का चरणवार विवरण दिया गया है।

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा ———————————— 10–11

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। ये बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

बुनियादी गणित सीखने के सिद्धांत ———————————— 12–14

प्रारम्भिक कक्षाओं के बच्चों के साथ सीखने–सिखाने के मूलभूत सिद्धांतों को इस भाग में प्रस्तुत किया गया है। पूरे अकादमिक योजना के निर्माण में इन सिद्धांतों को ध्यान में रखा गया है जो प्रभावशाली शिक्षण कार्य के लिए महत्वपूर्ण है।

सामाजिक – भावनात्मक जुड़ाव ———————————— 15

संदर्शिका में बुनियादी गणित की दक्षताओं पर कार्य करने से साथ–साथ सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव के पहलुओं पर कार्य करने के लिए आवश्यक जानकारी पर कुछ महत्वपूर्ण बिंदु दिये गये हैं।

अकादमिक योजना ———————————— 16–35

वार्षिक योजना से दैनिक शिक्षण योजना तक की रूपरेखा संदर्शिका में प्रस्तुत की गई है। यह आपको लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में नियमित रूप से मार्ग दर्शन करेगा। सतत् आकलन (साप्ताहिक और सावधिक) व्यवस्थित रूप से साप्ताहिक और दैनिक योजना में एकीकृत किया गया है।

- 2022–23 **वार्षिक योजना** ———————————— 18–21
- सप्ताह **साप्ताहिक योजना** ———————————— 22
- दिन **दैनिक योजना** ———————————— 23
- **आकलन एवं पुनरावृत्ति** ———————————— 24–26
- ① ② ③ **कालांशवार की रणनीतियाँ और संसाधन** ———————————— 27–35

शिक्षण सामग्री और संसाधन —————————————————— 36–144

इस भाग में उपयोग में आने वाली सभी शिक्षण सामग्री का विवरण दिया गया है। संदर्शिका में उपलब्ध संसाधनों के उपयोग के तरीकों को चरणबद्ध तरीके से बताया गया है। सभी शिक्षण योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य हैं जो बच्चों को क्रमिक रूप से लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगे।

सप्ताहवार शिक्षण सामग्री ———————————————————— **36–126**

शिक्षण अधिगम सामग्री ———————————————————— **127–129**

कक्षा प्रबंधन ———————————————————————— 130–131

बच्चों के सक्रिय प्रतिभाग के लिए सौहार्दपूर्ण और भयरहित वातावरण आवश्यक है। इस भाग में कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई है।

व्यवधान संभावनाएँ —————————————————————132–133

इस भाग में संभावित व्यवधानों को ध्यान में रखते हुए रणनीतियाँ दी गई हैं। व्यवधान के प्रबन्धन के लिए अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों के सीखने को निरन्तर रखने पर बल दिया गया है।

अभिभावकों की भूमिका ——————————————————— 134–135

इस भाग में बच्चों के दैनिक शिक्षण कार्य का अभिभावक द्वारा नियमित रूप से सहयोग और इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित करने में शिक्षक की भूमिका पर चर्चा की गई है।

आकलन ट्रैकर

इस भाग में शिक्षक और बच्चों के आकलन के लिए ट्रैकर दिए गए हैं। ये ट्रैकर शिक्षक को अपने कार्य और बच्चों की प्रगति की जानकारी को व्यवस्थित रूप से रखने में मदद करेंगे।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1 ——————————————————— 136–137

सावधिक आकलन ट्रैकर 1 ——————————————————— 138–139

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2 ——————————————————— 140–141

सावधिक आकलन ट्रैकर 2 ——————————————————— 142–143

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत विद्यालयों में ऐसे अनुकूल वातावरण बनाने पर जोर दिया गया है जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को सीखने के लिए सुनिश्चित किया जा सके, जिससे प्रत्येक बच्चा ग्रेड–3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित क्षमताओं को प्राप्त कर ले। ये मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम जरूरतों पर केंद्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है।

निपुण भारत मिशन का लक्ष्य

निपुण भारत मिशन के तहत दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना है। इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026–27 तक प्राप्त करने के लिए कार्य किया जायेगा। निपुण भारत कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है।

समझ के साथ पढ़ना

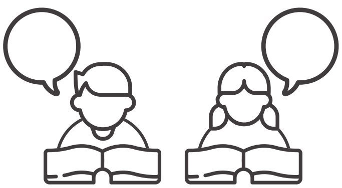

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है "समझ के साथ पढ़ना"। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद जरूरी चरण होते हैं उनपर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जायेगा। जैसे कि ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन।

लिखना

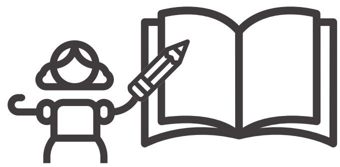

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उनकी लेखन क्षमता को देखते हुए विभिन्न चरणों से गुजरना होगा।

बुनियादी गणितीय संक्रिया

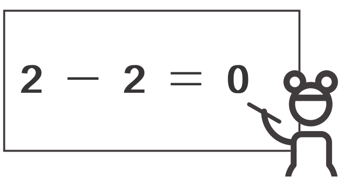

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं है। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएँ विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन को केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल भी देना है जिससे वे जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएँ। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएँगी।

बुनियादी शिक्षा के लिए सीखने के परिणामों के विकासात्मक लक्ष्य

दिए गए लक्ष्यों के साथ ही निपुण भारत के अन्तर्गत तीन विकासात्मक लक्ष्य भी दिए गए हैं।

बच्चे अच्छा स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती बनाए रखें

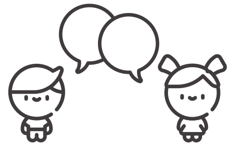

बच्चे प्रभावी संचारक बनें

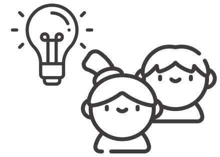

बच्चे विकसित शिक्षार्थी बनें और अपने परिवेश से जुड़ें

निपुण भारत मिशन का उद्देश्य

निपुण भारत मिशन के दीर्घकालीन वृहत्तर लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कुछ उद्देश्य रखे गए हैं, इन उद्देश्यों पर काम करते हुए निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

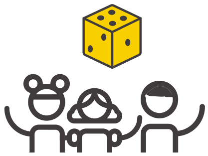

खेल, खोज और गतिविधि–आधारित शिक्षण

शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षा प्रशासकों का क्षमता संवर्धन

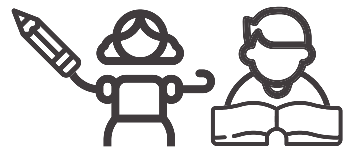

बच्चों को स्वतंत्र रूप से समझ के साथ पढ़ने और लिखने लायक बनाना

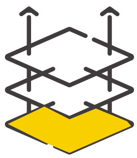

आजीवन सीखने की एक मजबूत नींव बनाना

बच्चों की परिचित/घर/मातृभाषा (भाषाओं) में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

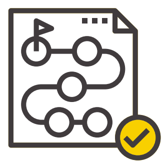

सभी विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को देखते रहने के लिए सतत आकलन करना

निपुण भारत एवं मिशन प्रेरणा

मिशन प्रेरणा
उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

निपुण भारत मिशन को साकार करने के लिए हमारे उत्तर प्रदेश में 'मिशन प्रेरणा' के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है ताकि 2025–2026 तक कक्षा 1–3 के सभी बच्चे बुनियादी भाषा और गणित की लक्षित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ।

इस शिक्षक संदर्शिका में हम गणित से सम्बन्धित उद्देश्यों, गतिविधियों और शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए कार्य करेंगे, इस पर विस्तार से बात की गई है।

NIPUN BHARAT

बुनियादी गणित सीखने के सिद्धांत

बुनियादी गणित सीखने–सिखाने का क्रम

गणित शिक्षण ऐसा होना चाहिए जो बच्चों में समझ आधारित अनुप्रयोग की दक्षता को विकसित करे। इसके लिए शिक्षण कार्य के दौरान बच्चों के अनुभव और परिवेश को गणितीय अवधारणाओं से जीवंत रूप में जोड़ना आवश्यक है।

ELPS का यह सिद्धांत पामेला लिएबेक्क (PAMELA LIEBECK) द्वारा 1984 में दिया गया था।

E

1- Experience with solid/concrete objects

ठोस/मूर्त वस्तुओं के द्वारा अनुभव: शिक्षक बच्चों को परिवेश में उपलब्ध ठोस वस्तुओं (पत्तियाँ, फूल, कांच की गोलियां और इमली के बीज आदि) के माध्यम से संख्या बोध कराएँ और इन्हीं वस्तुओं का प्रयोग करते हुए गिनने, जोड़ने और घटाव करने की अवधारणाएँ सिखायें।

L

2- Language

ज्ञानेन्द्रियों द्वारा मूर्त वस्तुओं को अनुभव करते समय शिक्षक और बच्चों के मध्य वार्तालाप। शिक्षक बच्चों से ठोस/मूर्त वस्तुओं के प्रयोग के समय प्रश्न पूछते हैं, बच्चे उत्तर देते हैं, निर्देशानुसार बच्चे गतिविधि करते हुए दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रहती है।

P

3- Pictures

चित्रों के प्रदर्शन के द्वारा समझ: शिक्षक चित्रों को दिखाकर उनसे बातचीत करते हुए "संख्या समझ" की पुनरावृत्ति करते हैं। इस प्रक्रिया में बच्चों और शिक्षक के बीच लगातार बातचीत चलती रहती है।

S

4- Symbols

संकेत/प्रतीक: प्रक्रिया के अंत में शिक्षक बच्चों और गणितीय संकेतों/प्रतीकों के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए संकेतों + (जोड़), – (घटाव), X (गुणा), ÷ (भाग), = (बराबर), > (छोटी संख्या), < (बड़ी संख्या) का बोध कराएँ।

स्रोतः आधारशिला, शिक्षक हस्तपुस्तिका (2019–2020), समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश

सीखने की प्रक्रिया

मैं करूँ **हम करें** **तुम करो**

कक्षा में बच्चों की सहभागिता शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाती हैं जिसके लिए इस प्रक्रिया में सभी बच्चों का शामिल होना अनिवार्य है। सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक को अवधारणा की समझ पर कार्य करने के साथ–साथ बच्चों में स्वतंत्र रूप से अपनी समझ का अनुप्रयोग/उपयोग करने के कौशलों के विकास पर भी बल देने की आवश्यकता है। संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं को इस प्रकार बनाया गया है जो शिक्षक द्वारा अवधारणा का परिचय (मैं करूँ), बच्चों के साथ मिलकर मूर्त वस्तुओं के साथ कार्य (हम करें) और बच्चों के स्वतंत्र कार्य का अवलोकन (तुम करो) की क्रमवार प्रक्रिया पर आधारित है।

सीखने की प्रक्रिया

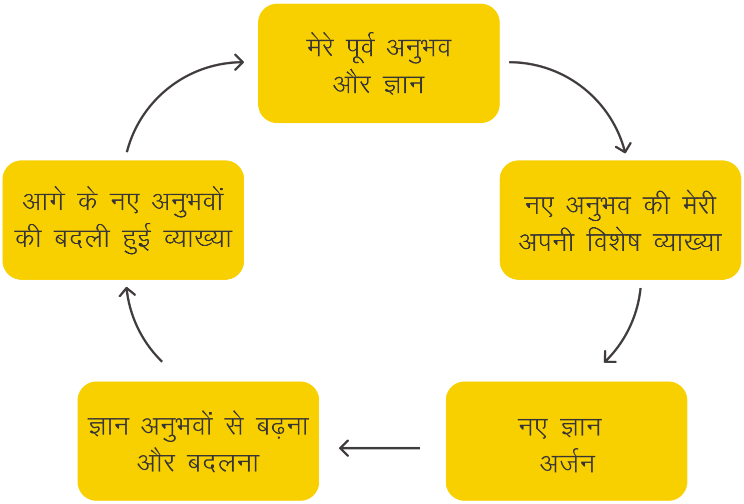

सीखना एक सतत् प्रक्रिया है– यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितना कि वयस्कों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते और बढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नये विचारों को बनाते हैं। इस तरह से प्रत्येक नया अनुभव, उसके पहले के (सम्बन्धित) अनुभवों से जुड़ता और उनकी समझ को समृद्ध करता है, या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए ताकि हम हमेशा सजग रहें कि क्या हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, उपयोग में लायी जा रही शिक्षण सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाई की पहचान कर आवश्यकता अनुसार दी जाने वाली मदद द्वारा लक्षित दक्षताओं के हासिल करने में बच्चों की मदद कर पा रहें है। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएंगे या उनमें संशोधन या बदलाव कर बिलकुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएंगे, जो उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगी।

सीखने–सिखाने के सामान्य सिद्धांत

सीखने–सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं जो कक्षा–कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

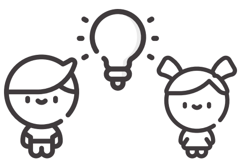

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं:** सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण से सभी बच्चे सीखने की लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह जरूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रायः इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान क्या इन बच्चों को सक्रिय रूप से हिस्सा लेने के मौके मिलते हैं?

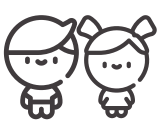

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव को इस्तेमाल करना:** अगर हम शिक्षण प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो कक्षा प्रक्रिया में एक तरफ जहाँ बच्चों के समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वही कक्षा कार्य रोचक हो जाता है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को शिक्षण प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक है।

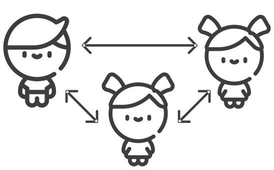

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना:** शिक्षण प्रक्रिया शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने उम्र के साथियों के साथ ज्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नयी बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों से/के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो परिणाम निश्चित ही बेहतर आएंगे।

4. सीखने में बच्चों की मदद करना: शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहे तो बच्चों को स्वयं से कार्य या अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर आवश्यकता के अनुसार उनकी मदद करनी चाहिए।

5. कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना: हमने ऊपर भी अनुकूल वातावरण की बात की है। यह सबसे जरूरी होता है कि कक्षा कार्य सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करा सकते हैं। शिक्षक–बच्चों के मध्य और बच्चों के आपसी सम्बन्ध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

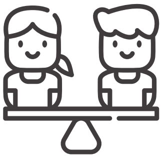

6. सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना: शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग–अलग रणनीतियां बनाई जा सकती हैं।

7. सोचने के मौके और प्रोत्साहन देना: कक्षा प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही उन्हें कक्षा कार्य में सहभागिता के दौरान सतत् रूप से प्रोत्साहित भी करते रहना चाहिए।

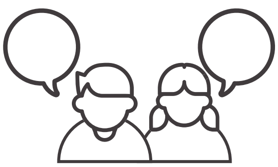

8. बच्चों के घर की भाषा का उपयोग और विस्तृत बातचीत के अवसर देना : प्रारम्भिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारे चिंतन संबन्धित कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा और इस चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे वे भाषाई रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ में, उनमें अभिव्यक्ति क्षमता और कल्पना शक्ति का भी विकास होगा। सीखने की प्रक्रिया में यह एक कारगर कदम है।

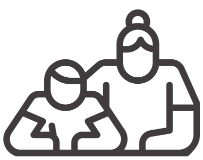

9. सतत आकलन : कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत् आकलन सीखने के चरणों में बेहद जरूरी चरण है। सतत् आकलन द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन–सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और कौन–सी शिक्षण रणनीति ज्यादा कारगर है।

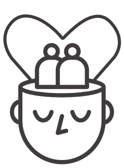

10. सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम : तमाम शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में शिक्षक, बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग–अलग पहलुओं पर भी काम करें। सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा इस संदर्शिका में आगे की गई है।

सामाजिक–भावनात्मक जुड़ाव

बच्चों के साथ कक्षा–कक्ष में काम शुरू करने से पहले आइए देखते हैं कि सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव में कौन–कौन से घटक शामिल हैं।

1. लक्ष्य तय करना

बच्चे स्वयं या शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से यह तय कर पाएँ कि उन्हें किसी निश्चित समय में क्या करना है और उसके लिए क्या–क्या उपाय किये जा सकते हैं।

2. व्यवहार में संतुलन रखना

व्यवहार में संतुलन रखना भी एक महत्वपूर्ण आयाम है। इसमें एक–दूसरे से व्यवहार करना, अपने भावनाओं को कैसे और कब तथा कितना व्यक्त करना है इस पर ध्यान दिया जाता है।

3. सूचनाओं को समझना और निर्णय लेना–

सूचनाओं की समझ और उसके आधार पर निर्णय लेने का कौशल भी इसी में आता है। सूचनाओं के आधार पर व्यवहार और समाज सम्मत निर्णय के कौशलों का विकास किया जाता है।

4. बेहतर सम्बन्ध का निर्माण करना

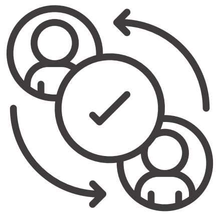

एक सामाजिक प्राणी के रूप में हम एक–दूसरे से कैसे बेहतर तरीके से सम्बन्ध बनाकर रखें, समूह में काम कैसे करें जैसे आयाम भी सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के हिस्से हैं।

कक्षा 1 से 3 में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की रणनीति

प्रारम्भिक कक्षाओं में बच्चों के साथ सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव पर कार्य करना आवश्यक है। संदर्शिका में शिक्षण के लिए दी गई योजनाओं और विभिन्न गतिविधियों में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के घटक को एकीकृत रूप से शामिल किया गया है, जिसका विवरण इस प्रकार से है।

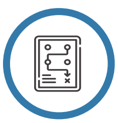

शिक्षण योजना

अभ्यास गतिविधि

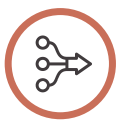

समेकन गतिविधि

रेमीडीयल गतिविधि

कार्य पत्रक

- संवाद और प्रश्नों के माध्यम से बच्चों से बातचीत करना।
- प्रत्येक कार्य से पहले बच्चों को निर्देश और लक्ष्य को स्पष्ट करना।
- बच्चों को स्वयं को अभिव्यक्त करने और अपने अनुभव को साझा करने के लिए प्रेरित करना।
- बच्चों को स्वयं द्वारा किए गए कार्यों और उसके लिए अपनाई गयी प्रक्रिया की व्याख्या करने के अवसर देना।
- बच्चों के साथ समस्या को हल करने के लिए उपयोग की गई विधि और उसके चयन के तर्क पर बातचीत करना।
- बच्चों को अपनी गणितीय समझ को दैनिक जीवन के अनुभव से गतिविधि के माध्यम से जोड़ना।
- दैनिक जीवन में होने वाली गणितीय प्रक्रियाओं को गतिविधि के माध्यम से समझने के अवसर देना।
- किसी भी कार्य को एक से ज्यादा विधि से करने और समझने के अवसर देना।
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से और समूह में कार्य करने के पर्याप्त अवसर देना।
- गतिविधि के दौरान बच्चों को एक–दूसरे को सहयोग करने के लिए प्रेरित करना।

अधिगम क्षति

अधिगम क्षति और उसको कम करने की जरूरत

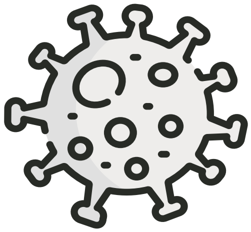

कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 के मार्च माह से ही विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित रहा है, जिसके कारण बच्चों में अधिगम की क्षति हुई है। यह क्षति सिर्फ अधिगम तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि बच्चों ने इस दौरान अपने परिजनों को भी खोया है, जिसके कारण बच्चों पर मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से भी प्रभाव पड़ा है। इस दौरान हुए अधिगम क्षति के कारक इस प्रकार हैं।

- विद्यालय बंद होने के कारण कक्षाएं सुचारु रूप से नहीं चल सकीं।
- बच्चों को शिक्षकों का पर्याप्त मार्गदर्शन व सहयोग नहीं मिल सका।
- कोविड से पूर्व प्राप्त दक्षताओं को बच्चे भूल गए।
- उम्र के अनुसार दक्षताओं में कमी पायी गयी।
- बच्चे अपनी भावनाओं और मनोभावों को व्यक्त कर पाने में असमर्थ पाये गए आदि।

बुनियादी गणित में हुई अधिगम क्षति

कोरोना काल में बच्चों के अधिगम पर हुए प्रभाव को समझने के लिए कई शोध हुए हैं, जो हमें लम्बे समय तक विद्यालय के बंद रहने के दौरान हुए अधिगम क्षति का आकलन कर क्षति के स्तर को समझने में मदद करते हैं।

20% बच्चों ने दो अंकों की संख्याओं (21–30) में संख्यांक को पढ़ने की क्षमता को खो दिया है।

23% बच्चों ने दो अंकों की संख्याओं को जोड़ (चित्रों के माध्यम से) पाने की क्षमता को खो दिया है।

23% बच्चों ने अपने परिवेश के 3D मूर्त आकृतियों को पहचानने की क्षमता को खो दिया है।

14% बच्चों ने दैनिक जीवन की समस्याओं को घटाव के माध्यम से हल करने की क्षमता को खो दिया है।

शोध के आँकड़े और निष्कर्ष एक ऐसी अकादमिक योजना की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं जिसमें हम चरणबद्ध तरीके से बच्चों के साथ काम करते हुए उन्हें अपेक्षित अधिगम स्तर तक ले जाएँ। अधिगम क्षति पूर्ति के लिए सामान्य तौर पर हम रेमीडीयल योजना के सहयोग से एक तय समय के लिए बच्चों के साथ कार्य करते हैं। कोरोना महामारी के कारण विशेष परिस्थिति सामने आई है, जिसके लिए हमे विशेष योजना बनानी होगी जो क्षति को पाटने के साथ–साथ बच्चों को कक्षा स्तर पर आने में मदद करें। आप संदर्शिका में दी गई अकादमिक योजना की आवश्यकता को समझने के लिए इन रिपोर्ट का अध्ययन कर सकते हैं। (स्रोत 1)

इस शिक्षक संदर्शिका में 2 वर्षीय अकादमिक योजना (2022–24) दी गयी है, जिसके क्रियान्वयन से अधिगम क्षति पूर्ति को कम करते हुए हम बच्चों में बुनियादी कौशलों के विकास पर कार्य कर पाएंगे। इस विशेष योजना में जिन दक्षताओं को केंद्र में रखकर कार्य किया जाएगा उन्हें प्रेरणा सूची में प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। सत्र 2022–23 में पिछले और वर्तमान कक्षा की उन दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा, जिन्हें बच्चों द्वारा ग्रहण करना एवं उसमें महारत प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। सत्र 2023–24 में बच्चों के अधिगम स्तर को आगे बढ़ाया जायेगा ताकि वे कक्षा स्तर पर कार्य करने के लिए तैयार हो सकें। अकादमिक सत्र 2022–23 की लक्षित दक्षताओं का विवरण अगले पृष्ठ पर दिया गया है। (स्रोत 2 और 3)

स्रोत 1– azimpremjiuniversity-edu-in/field-studies-in-education/loss-of-learning-during-the-pandemic

स्रोत 2– https://blogs-worldbank-org/education/getting-back-learning-key-policy-actions-reopening-schools

स्रोत 3– https://www-the74million-org/a-better-equation-new-pandemic-data-supports-acceleration-rather than--remediation-to-make-up-for-covid-learning-loss/

2022–23 के लिए लक्षित दक्षताएँ

दक्षताएं : 2022–23

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर तरीके से जानते और समझते हैं कि शिक्षण प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में लक्षित दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएँ विषयवार अलग–अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। लक्षित दक्षताएँ नीचे दी गयी सूची में वर्णित हैं।

संख्या समझ

- संख्या पूर्व अवधारणाओं (कम–ज्यादा, दूर–पास, एक–एक की संगति आदि) की समझ बना सकें।
- 1–9 तक की संख्याओं के मान व प्रतीकों को समझ और लिख सकें।
- 1–9 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।
- शून्य की अवधारणा को समझ सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ और लिख सकें।
- 10–99 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।
- स्थिर अंतराल में (2,3,4,5,10) गिनती बोल और लिख सकें।

→ **33 शिक्षण उद्देश्य**

संक्रिया

- एक अंक की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकें।
- एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।
- दो अंकों की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकें (बिना हासिल और हासिल के साथ)।
- एक अंक की संख्याओं का गुणा और भाग कर सकें।

→ **19 शिक्षण उद्देश्य**

ज्यामिति व मापन

- परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतियों को पहचान सकें।
- वस्तुओं की विशेषताएँ जैसे–सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।
- वस्तुओं का विभिन्न अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

→ **5 शिक्षण उद्देश्य**

- चित्रों से सामान्य सूचनाएं इकट्ठा कर अनुमान लगा सकें।
- सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।
- चित्रों और संख्या पैटर्न को पहचानकर आगे बढ़ाना।

→ **3 शिक्षण उद्देश्य**

ELPS सिद्धांत के अनुसार गणित का संचयी प्रकृति और सोपान क्रमिकता को ध्यान में रखते हुए लक्षित दक्षताओं पर योजनबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए दक्षताओं को 60 शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक शिक्षण उद्देश्य के लिए शिक्षण योजना, अभ्यास गतिविधि और अभ्यास पत्रक (कार्यपुस्तिका) दिए गए हैं।

वार्षिक योजना

प्रति सप्ताह संसाधन

3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	7 कार्यपत्रक
शिक्षक संदर्शिका				कार्यपुस्तिका

नमूने के रूप में दी गई गतिविधि के आधार पर समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि बनाएँ।

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या: शिक्षण योजना	अभ्यास गतिविधि	समेकन गतिविधि	रेमीडीयल गतिविधि	कार्यपत्रक
सप्ताह 1	● कम–ज्यादा की समझ बना सकें। ● दूर–पास की समझ बना सकें। ● छोटा–बड़ा की समझ बना सकें।	37 to 39	40	41	42	13 to 19
सप्ताह 2	● आगे–पीछे की समझ बना सकें। ● ऊपर–नीचे की समझ बना सकें। ● हल्का–भारी की समझ बना सकें।	43 to 45	46			20 to 26
सप्ताह 3	● लम्बाई–मोटाई–ऊँचाई की समझ बना सकें। ● आकार और वजन की समझ बना सकें। ● बंटवारा करने की समझ बना सकें।	47 to 49	50			27 to 33
सप्ताह 4	● एक–एक की संगति व समूह की समझ बना सकें। ● 1–5 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। ● 1–5 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।	51 to 53	54	55	56	34 to 40
सप्ताह 5	● 1–9 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। ● 1–9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें। ●1–9 तक की संख्याओं के मान और क्रमांक की समझ में अन्तर कर सकें। (Cardinality and Ordinality)	57 to 59	60			41 to 47

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 6	• 1–9 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें। • शून्य की अवधारणा को समझ सकें। • बन्डल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।	61 to 63	64			48 to 54
सप्ताह 7	• 1–20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। • 1–20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। (प्रतीक के द्वारा)। • 1–20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।	65 to 67	68			55 to 61
सप्ताह 8	• 1–50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। • 1–50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। (प्रतीक के द्वारा)। • 1–50 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।	69 to 71	72			62 to 68
सप्ताह 9	• 1–50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें । • 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। • 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।	73 to 75	76			69 to 75
सप्ताह 10	• 1–99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें। • 1–99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें। • स्थिर अंतराल में (2, 3, 4, 5, 10) गिनती बोल और लिख सकें।	77 to 79	80			76 to 82
सप्ताह 11	• **सावधिक आकलन (सप्ताह 1–10)।** • **आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन सप्ताहवार सभी बच्चों का आकलन करें।** • **क्रमशः सप्ताहवार रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएँ।**					84 to 93

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 12	● 1–99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी–बड़ी संख्या बता सकें। ● 10–50 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें। ● 51–100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।	83 to 85	86			95 to 101
सप्ताह 13	● एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) जोड़ सकें। ● एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप मे जोड़ सकें। ● एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटाव कर सकें।	87 to 89	90			102 to 108
सप्ताह 14	● एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप मे घटाव कर सकें। ● एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के जोड़ सकें।	91 to 93	94			109 to 115
सप्ताह 15	● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) हासिल के साथ जोड़ सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें।	95 to 97	98			116 to 122
सप्ताह 16	● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटाव कर सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तु और चित्र के साथ) हासिल के साथ घटाव कर सकें।	99 to 101	102	103	104	123 to 129
सप्ताह 17	● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ घटाव कर सकें। ● गुणा की अवधारणा को बार–बार जोड़ (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें। ● गुणा की अवधारणा को समूह और समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।	105 to 107	108			130 to 136

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 18	● एक अंक की संख्याओं को गुणा कर सकें। ● वस्तुओं (9 तक) को बराबर बाँट सकें। ● भाग की अवधारणा को बार–बार घटाव (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।	109 to 111	112			137 to 143
सप्ताह 19	● एक अंक की संख्याओं को भाग कर सकें। ● परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतियों को पहचान सकें। ● वस्तुओं की विशेषताएँ जैसे सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।	113 to 115	116			144 to 150
सप्ताह 20	● विभिन्न आकृतियों को मिला कर नई आकृतियों को बना सकें ● वस्तुओं को विभिन्न असमान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें। (कदम, पैर, अंगुली, बालिश्त और हाथ)। ● वस्तुओं का विभिन्न समान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें। (पेंसिल और डस्टर आदि)।	117 to 119	120			151 to 157
सप्ताह 21	● सिक्कों और नोटों को पहचान सकें। ● चित्रों और संख्या पैटर्न को पहचानकर आगे बढ़ाना। ● चित्रों से सामान्य सूचनाएं इकट्ठा कर अनुमान लगा सकें।	121 to 123	124	125	126	158 to 164
सप्ताह 22	**सावधिक आकलन (सप्ताह 12–21)** ● **आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन सप्ताहवार सभी बच्चों का आकलन करें।** ● **क्रमशः सप्ताहवार रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएँ।**				↑	166 to 175

साप्ताहिक एवं दैनिक योजना

साप्ताहिक योजना को 3 चरणों में बाँटा गया है। 1. अनुदेशात्मक कार्य 2. समेकन और आकलन 3. रेमीडीयल और पुनरावृत्ति। प्रत्येक चरण के लिए संदर्शिका में उपयुक्त शिक्षण और अधिगम सामग्री दी गई है।

	दिन	संसाधन	कालांश 1	कालांश 2	कालांश 3	विवरण	ट्रैकर
अनुदेशात्मक कार्य	1	3 शिक्षण योजना (शिक्षण संदर्शिका)		1		3 कालांश को योजना में रिक्त रखा गया है जिसे शिक्षक कक्षा की आवश्यकता के अनुसार उपयोग करें।	वार्षिक ट्रैकर
	2	3 अभ्यास पत्रक (कार्यपुस्तिका)		2			
	3			3			कार्यपुस्तिका ट्रैकर
	4	3 अभ्यास गतिविधि (शिक्षण संदर्शिका)				**शिक्षण योजना दोहराव या अभ्यास गतिविधि दोहराव**	
समेकन और आकलन	5	समेकन गतिविधि (शिक्षण संदर्शिका) 'मैंने सीख लिया' आकलन पत्रक (कार्यपुस्तिका)				**शिक्षक प्रत्येक बच्चे के प्रगति की जानकारी ट्रैकर में भरें** रिक्त कालांश का उपयोग समेकन गतिविधि के लिए आवश्यकता के अनुसार करें।	
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति	6	रेमीडीयल गतिविधि (शिक्षण संदर्शिका) साप्ताहिक अभ्यास (कार्यपुस्तिका) साप्ताहिक पुनरावृत्ति (कार्यपुस्तिका)				रेमीडीयल समूह पर विशेष ध्यान दें जिससे बच्चों को अगली अवधारणाओं को समझने में कठिनाई ना हो। रिक्त कालांश का उपयोग रेमीडीयल गतिविधि के लिए आवश्यकता के अनुसार करें।	
सावधिक आकलन सप्ताह		1-10 सावधिक आकलन पत्रक (कार्यपुस्तिका)				शिक्षक प्रत्येक बच्चे के प्रगति की जानकारी ट्रैकर में भरें	

दैनिक योजना में चरणवार सभी कालांशों का विवरण दिया गया है। यहाँ हर चरण और कालांश में उपयोग किए जाने वाले संदर्भ सामग्री को चिन्हित किया गया है और उनसे जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं को साझा किया गया है।

दिन	कालांश 1 (2) (3)	कालांश (1) 2 (3)	कालांश (1) (2) 3
अनुदेशात्मक कार्य 1, 2	**शिक्षण योजना** कक्षा कार्य की शुरुआत बच्चों से प्रश्न पूछें और सभी को कक्ष संवाद में शामिल करें।	1,2,3 **अभ्यास पत्रक** क्रमशः बच्चों द्वारा कक्षा कार्य प्रश्नों के उदाहरण श्यामपट्ट पर देकर पत्रक पर कार्य के लिए निर्देश दें।	**अभ्यास गतिविधि** क्रमशः बच्चों द्वारा कक्षा कार्य प्रश्न और संवाद के माध्यम से हो रही गलतियों को समझाएँ।
3, 4	क्या 70% छात्रों ने शिक्षण योजना में दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया?	**हाँ:** कालांश में अभ्यास पत्रक पर कार्य कराए **नहीं:** कालांश में शिक्षण योजना को दोहराएँ।	अभ्यास पत्रक पूर्ण होने के बाद कालांश में अभ्यास गतिविधि करवाएँ।
समेकन और आकलन 5	**समेकन गतिविधि** तीनो शिक्षण योजनाओं का साप्ताहिक समेकन प्रश्न और संवाद के माध्यम अवधारणाओं को दोहराएँ।	आवश्यकता के अनुसार समेकन गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।	**'मैंने सीख लिया' पत्रक** सभी बच्चों का **साप्ताहिक आकलन** बच्चों को उत्तर के अनुसार साप्ताहिक अभ्यास या रेमीडीयल गतिविधि के लिए चिह्नित करें।
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति 6	साप्ताहिक आकलन के अनुसार कक्षा के बच्चों को दो समूह में बाँटें। **रेमीडीयल गतिविधि** समूह के बच्चों की कठिनाइयों को समझते हुए कक्षा कार्य करवाएँ। **साप्ताहिक अभ्यास पत्रक** अभ्यास समूह से कक्षा कार्य करवाएँ।	आवश्यकता के अनुसार रेमीडीयल गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।	**साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक** सभी बच्चों से एक साथ कक्षा कार्य। **गृह कार्य {अभ्यास पुस्तिका}** अभिभावकों से संवाद करें और बच्चों के गृहकार्य में सहयोग के लिए उन्हें प्रेरित करें।
सावधिक आकलन सप्ताह	1-10 **सावधिक आकलन पत्रक** सभी बच्चों का सावधिक आकलन	**रेमीडीयल गतिविधि** सभी बच्चों के साथ कक्षा कार्य	आवश्यकता के अनुसार रेमीडीयल गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत् आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण को उद्देश्य आधारित प्रक्रिया बनाता है जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन एवं उद्देश्य

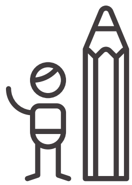

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग–अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों का बारीक तौर पर विश्लेषण करने में सहायक होता है।

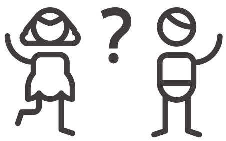

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों को अवधारणों को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को समझने में सतत् आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से किए गए प्रश्न और संवाद बच्चों द्वारा की गई सामान्य भूल को भी उजागर करता है।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर करने का कार्य करता है। शिक्षण कार्य की तैयारी में मदद और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह हैं। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण पद्धति में आवश्यकता के अनुसार बदलाव और नई–नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

आकलन प्रक्रिया

आकलन सतत प्रक्रिया के रूप में साप्ताहिक योजना के तीनों चरणों में लगातार चलती रहेगी। यह शिक्षक को बच्चों को हो रही कठिनाइयों से अवगत और शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाए रखने में मदद करेगी।

दिन 1–4 अनुदेशात्मक कार्य → दिन 5 समेकन और आकलन → दिन 6 रेमीडीयल और पुनरावृति → सावधिक आकलन और रेमीडीयल

प्रत्येक सप्ताह | सप्ताह 11 & 22

अनुदेशात्मक कार्य

हर सप्ताह
दिन 1–4

कालांश
1 2 3

- अनुदेशात्मक कार्य के दौरान प्रत्येक सप्ताह 3 शिक्षण उद्देश्यों पर बच्चों के साथ कक्षा में कार्य करें। शिक्षण के साथ–साथ बच्चों की समझ, सामान्य भूल और उन्हें हो रही कठिनाइयों का निरंतर आकलन कर उनपर आवश्यक कार्य करें।

बच्चों के लिए कुछ प्रश्न शिक्षण योजना और अभ्यास गतिविधि में दिए गए हैं। ये प्रश्न अनुदेशात्मक कार्य के दौरान आकलन के लिए बहुत उपयोगी हैं, आवश्यकता के अनुरूप और प्रश्न बनाएँ।

शिक्षण योजना: यदि 70% छात्रों ने दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर देते हैं तो अगले कालांश में कार्य पत्रक पर कार्य करें अथवा शिक्षण योजना को दोहराएँ।

1,2,3 **कार्य पत्रक** : बच्चों द्वारा दिए गए उत्तर का विश्लेषण कर उन्हे हो रही कठिनाइयों को चिह्नित करें।

अभ्यास गतिविधि: बच्चों द्वारा की जाने वाली सामान्य भूल पर संवाद कर समझ को सुदृढ़ करें।

समेकन और आकलन

हर सप्ताह
दिन 5

कालांश
1 2 3

समेकन गतिविधि: पिछले 4 दिनों में किए गए अनुदेशात्मक कार्य को एक साथ समेकित और बच्चों की प्रगति को समझने का प्रयास करें। एक निश्चित अंतराल में यह समझना आवश्यक है कि बच्चे पिछली कक्षाओं में किए गए कार्यों को याद रख पा रहे हैं या नहीं और अपनी समझ का किस प्रकार से अनुप्रयोग कर पा रहे हैं।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

आकलन प्रपत्र: प्रत्येक प्रपत्र अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं पर आधारित हैं। प्रपत्र के सभी प्रश्न दक्षताओं और उनके विभिन्न आयामों को समझने के लिए बनाया गया है। तीनों दक्षताओं को प्राप्त करने के लिए बच्चों के लिए सभी प्रश्नों के 50% भाग को करना अनिवार्य है।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर: शिक्षक प्रत्येक बच्चे का आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड ट्रैकर में दर्ज करें।

- सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर–A
- सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर–B

रेमीडीयल और पुनरावृत्ति

हर सप्ताह दिन 6

कालांश 1 2 3

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में दर्ज किए गए ग्रेड के अनुसार बच्चों को 2 समूह में बाँट कर रेमीडीयल कार्य और क्रमशः पुनरावृत्ति कराएँ।

रेमीडीयल गतिविधि– समूह A: जो बच्चे अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पाए हैं, उनपर शिक्षक विशेष ध्यान दें। गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।

साप्ताहिक अभ्यास पत्रक– समूह B: अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं को प्राप्त कर चुके बच्चों को आवश्यक निर्देश देकर स्वतंत्र रूप से पत्रक पर कार्य करने दें।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक: सभी बच्चों के साथ पत्रक पर कार्य करें।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

अकादमिक सत्र में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा, पहला 11वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 22वें सप्ताह में। सावधिक आकलन को कक्षा के आंतरिक प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए।

सावधिक आकलन 1	सप्ताह 11	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
सावधिक आकलन 2	सप्ताह 22	11 12 13 14 15 16 17 18 19 20

- पूर्व के सभी 10 सप्ताह के आकलन के लिए क्रमशः 10 सावधिक आकलन प्रपत्र दिए गए हैं।
- सावधिक आकलन के दौरान प्रत्येक दिन 1 सावधिक आकलन प्रपत्र कर रेमीडीयल कार्य करें।
- रेमीडीयल कार्य लिए पूर्व सप्ताह के सभी 10 रेमीडीयल गतिविधियों को दोहराएँ।

कालांश 1 2 3

सावधिक आकलन प्रपत्र: पहले कालांश में बच्चों का आकलन करें।

सावधिक आकलन ट्रैकर: शिक्षक प्रत्येक बच्चे का आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड ट्रैकर में दर्ज करें।
सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर–B
सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर–A

कालांश 1 2 3

रेमीडीयल गतिविधि

समूह A: जो बच्चे अपेक्षित दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पाए, उन पर शिक्षक विशेष ध्यान दें। गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

समूह B: जब शिक्षक पीछे छूटे हुए बच्चों के साथ कार्य कर रहे हो तब कक्षा के बाकी बच्चों को उनकी दक्षता अनुसार गणित किट के साथ कक्षा कार्य दें।

कालांश की रणनीतियाँ और संसाधन

प्रति सप्ताह संसाधन				
3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	7 कार्यपत्रक
शिक्षक संदर्शिका				कार्यपुस्तिका

	कालांश	1	2	3
अनुदेशात्मक कार्य	दिन 1–4	3 शिक्षण योजना	3 1,2,3 अभ्यास पत्रक	3 अभ्यास गतिविधि
समेकन और आकलन	दिन 5	1 समेकन	रिक्त कालांश	1 मैंने सीख लिया
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति	दिन 6	1+1 रेमीडीयल और साप्ताहिक अभ्यास	रिक्त कालांश	1+1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति
सावधिक आकलन सप्ताह	सप्ताह 11, 22	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	रिक्त कालांश

शिक्षण योजना

अनुदेशात्मक कार्य

दक्षता की प्राप्ति के लिए उसके विभिन्न आयामों को समझना आवश्यक है।

- संदर्शिका में एक दक्षता के लिए एक से अधिक शिक्षण योजना है जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है
- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 60 शिक्षण योजनाएँ हैं जो क्रमशः अभ्यास पत्रक और अभ्यास गतिविधि से जुड़ा है

दिन 1–4

कालांश

1 2 3

शिक्षण योजना अवलोकन

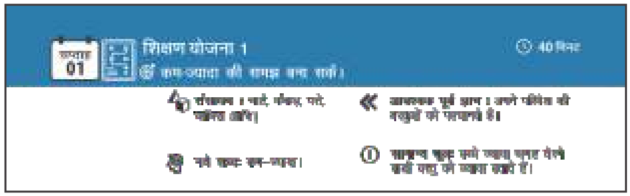

- सप्ताह।
- शिक्षण उद्देश्य।
- तैयारी के बिन्दु।

परिचय। मैं करूँ (शिक्षक)

- बच्चों का शिक्षण उद्देश्य से परिचय।
- अवधारणा का बच्चों के अनुभव से जुड़ाव।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।

अवधारणा निर्माण। हम करें (बच्चे)

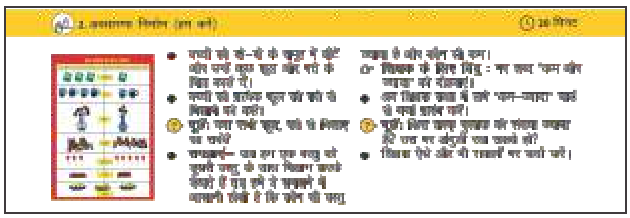

- बच्चों द्वारा मूर्त वस्तुओं के साथ सामूहिक कार्य।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण।

अभ्यास। तुम करो (बच्चे)

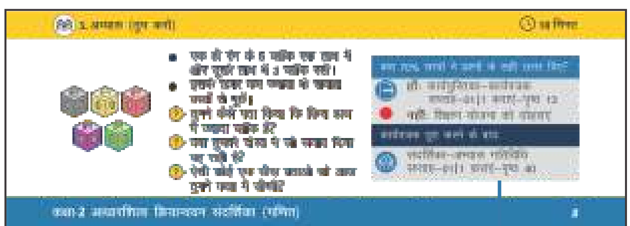

- बच्चों के लिए कक्षा कार्य।
- शिक्षक द्वारा अवलोकन।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण।

आगे के कार्य

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: अगले कालांश में अभ्यास पत्रक पर कार्य कराएँ

नहीं: अगले कालांश में शिक्षण योजना दोहराएँ

कार्यक्रम पूरा करने के बाद:

अभ्यास गतिविधि करवाएँ

महत्वपूर्ण बिंदु

- सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया हैं।
- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में 3 शिक्षण योजना पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- सभी बच्चों को संवाद में शामिल करें और प्रतिभाग के अवसर दें।
- आवश्यकता के अनुसार गतिविधियों में बदलाव करें।

अभ्यास पत्रक

अनुदेशात्मक कार्य

प्रत्येक शिक्षण योजना के लिए क्रमशः एक अभ्यास पत्रक कार्यपुस्तिका में दिया गया है।

- एक दक्षता के लिए एक से अधिक अभ्यास पत्रक हैं जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है।
- कक्षा 2 के लिए कुल 60 अभ्यास पत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं जो क्रमशः शिक्षण योजना और अभ्यास गतिविधि से जुड़ा है।

दिन 1–4

कालांश

1 2 3

अभ्यास पत्रक अवलोकन

- सप्ताह
- अभ्यास पत्रक क्रमांक
- समय

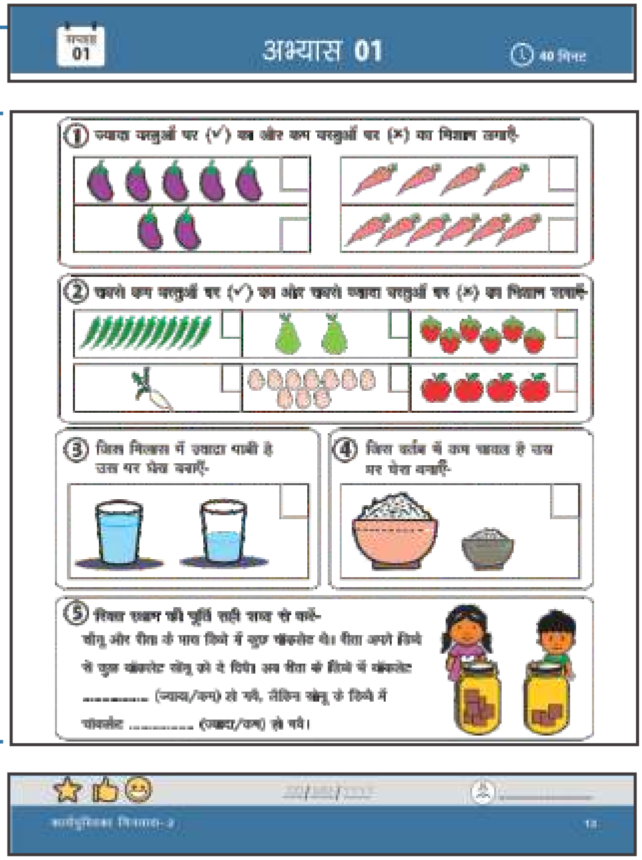

शिक्षक द्वारा हल किये उदाहरण

- प्रत्येक अभ्यास पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अलग निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।

अभ्यास पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया है।
- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में क्रमशः 3 शिक्षण योजना और 3 कार्यपत्रक पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- निर्देश को स्पष्ट करें और एक प्रश्न पूरा होने के बाद अगले प्रश्न पर जाएँ।
- कठिनाई होने पर बच्चों को आवश्यकता के अनुसार मदद करें।

शिक्षक द्वारा कक्षा कार्य की जांच

- बच्चों में उत्साह के लिए आइकॉन पर निशान
- दिनांक
- हस्ताक्षर

श्रेष्ठ

बहुत अच्छा

अच्छा

अभ्यास गतिविधि

आनुदेशात्मक कार्य

प्रत्येक शिक्षण योजना के लिए क्रमशः एक अभ्यास गतिविधि दी गई है।
- कार्यपुस्तिका में एक दक्षता के लिए एक से अधिक अभ्यास गतिविधि हैं जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है।
- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 60 अभ्यास गतिविधि हैं जो क्रमशः शिक्षण योजना और अभ्यास पत्रक से जुड़ा है।
- प्रत्येक पृष्ठ में 3 अभ्यास गतिविधियां दी गई हैं।

दिन 1—4

कालांश 1 2 3

अभ्यास पत्रक अवलोकन
- सप्ताह
- कार्यपत्रक क्रमांक
- शिक्षण उद्देश्य
- संसाधन

अभ्यास गतिविधि के चरण
- शिक्षण उद्देश्य को बच्चों के परिवेश और उनके दैनिक अनुभव से जोड़ते हुए परिचय।
- बच्चों के साथ शिक्षण योजना की गतिविधि और अभ्यास पत्रक के अनुभव पर संवाद।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- निर्देश अनुसार गतिविधि का संचालन
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।

अभ्यास गतिविधि 1 | अभ्यास गतिविधि 2 | अभ्यास गतिविधि 3

महत्वपूण बिंदु
सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया है–
- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में शिक्षण उद्देश्य 3 शिक्षण योजना, 3 कार्यपत्रक और 3 अभ्यास गतिविधि पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- कठिनाई होने पर बच्चों को आवश्यकता के अनुसार मदद करें।
- प्रश्न और संवाद के माध्यम से बच्चों की कठिनाइयों और सामान्य भूल का निवारण करें।
- आवश्यकता के अनुसार गतिविधियों में बदलाव करें।

समेकन गतिविधि

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के समेकन के लिए एक समेकन गतिविधि किया जाना निर्धारित किया गया है

- 20 शिक्षण सप्ताह में कुल 20 समेकन गतिविधि किए जाने है जिनमे से 4 सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि नमूने के रूप में संदर्शिका में दिया गया है

दिन
5

कालांश

1 2 3

समेकन गतिविधि अवलोकन

- सप्ताह
- साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों
- संसाधन

प्रक्रिया

- साप्ताहिक अनुदेशात्मक कार्य के शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएँ और और बच्चों के दैनिक अनुभव से जोड़ें।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- निर्देश अनुसार गतिविधि का संचालन
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

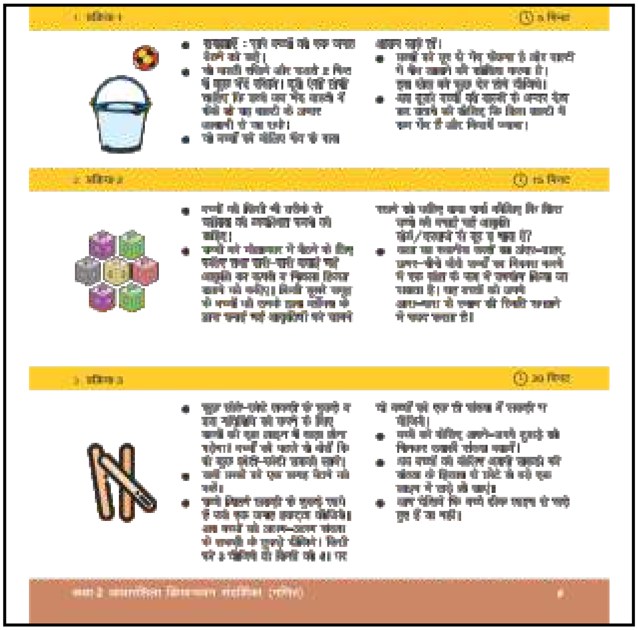

स्वयं बनाएं

4 सप्ताह के लिए समेकन और रेमीडीयल गतिविधि संदर्शिका में नमूने के रूप में दी गई है। साप्ताहिक 3 शिक्षण योजनाओं (अनुदेशात्मक कार्य) का उपयोग कर शिक्षक बाकी सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि स्वयं बनाएँ।

- तीनों शिक्षण उद्देश्यों को उनकी संचयी प्रकृति के अनुसार क्रम में रखें।
- गतिविधि में बच्चों को वस्तुओं के साथ कार्य करने के लिए ज्यादा अवसर दें।
- प्रश्न और संवाद के बिंदुओं को स्पष्ट रूप से लिखे।
- संसाधन के लिए गणित किट, गणित कार्ड और बोर्ड, पोस्टर और आसानी से उपलब्ध वस्तुओं का ही उपयोग करें।

मैंने सीख लिया

समेकन और आकलन

कार्यपुस्तिका में प्रत्येक साप्ताहिक आकलन के लिए एक कार्यपत्रक 'मैंने सीख लिया' दिया गया है

- 20 सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक आकलन प्रपत्र दिए गए हैं

दिन 5

कालांश 1 2 3

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

- प्रत्येक साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अगल निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- आकलन पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

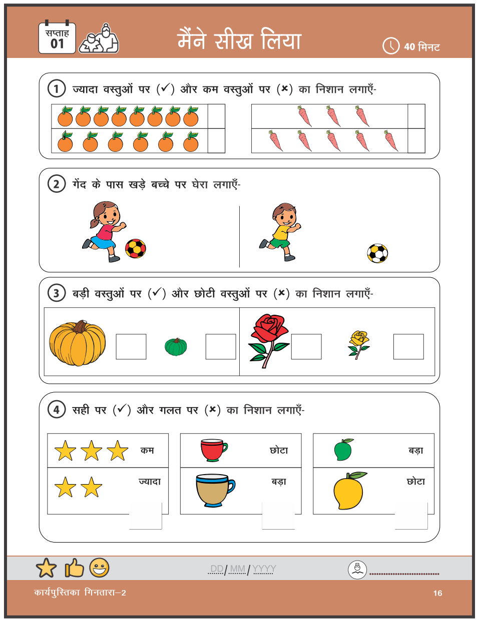

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

प्रत्येक बच्चे के साप्ताहिक आकलन की जानकारी को रखने के लिए 2 साप्ताहिक आकलन ट्रैकर दिए गए हैं

- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1– सप्ताह 1–10।
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2– सप्ताह 12–21 ।

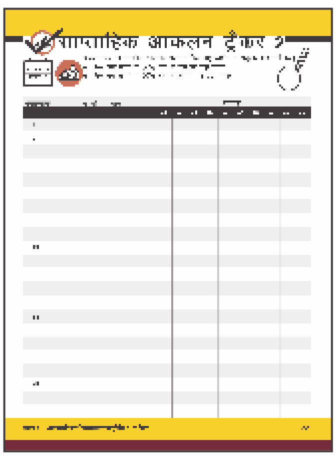

बच्चों द्वारा साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में दिए गए उत्तर को जाँचें। उनकी द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण कर अवधारणा को समझने में आ रही कठिनाइयों को चिह्नित कर रेमीडीयल कार्य की योजना बनाएं। प्रत्येक बच्चे का साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड (A/B) दर्ज करें।

A — सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर

B — सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

समूह 1 रेमीडीयल गतिविधि

समूह 2 साप्ताहिक अभ्यास सत्रह

पुनरावृत्ति और अभ्यास

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के रेमीडीयल के लिए एक रेमीडीयल गतिविधि किया जाना निर्धारित किया गया है

- **समूह 1**: 20 सप्ताह में कुल 20 समेकन गतिविधि किए जाने है जिनमें से 4 सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि नमूने के रूप में संदर्शिका में दिया गया हैं।
- **समूह 2**: 20 सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक अभ्यास प्रपत्र दिए गए हैं।

दिन 6

कालांश

1 2 3

समूह 1 रेमीडीयल गतिविधि

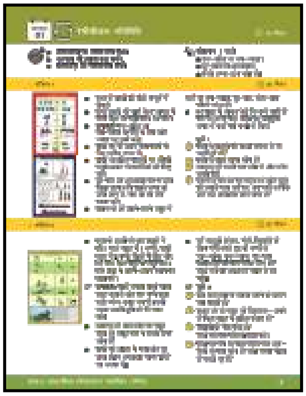

समूह 2 साप्ताहिक अभ्यास पत्रक

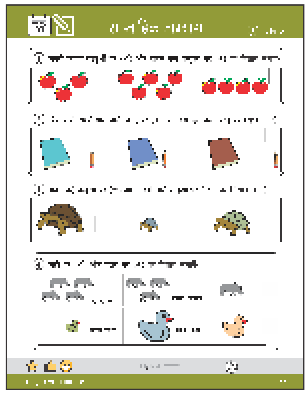

प्रक्रिया

- समूह के बच्चों को एक साथ बैठाए और साप्ताह के शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएँ।
- उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- समूह के बच्चों पर विशेष ध्यान दें और गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।
- प्रश्न पूछें और संवाद।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता अनुसार रिक्त कालांश का उपयोग करें।

शिक्षक के लिए निर्देश

- समूह के बच्चों को एक साथ बैठाएँ।
- बच्चों को आवश्यक निर्देश देकर स्वतंत्र रूप से पत्रक पर कार्य करने दें।
- साप्ताहिक अभ्यास पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

स्वयं बनाएं

- 4 सप्ताह के लिए समेकन और रेमिडियल गतिविधि संदर्शिका में नमूने के रूप में दी गई है। साप्ताहिक 3 शिक्षण योजनाओं (अनुदेशात्मक कार्य) का उपयोग कर शिक्षक बाकी सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि स्वयं बनाएं।
- तीनों शिक्षण उद्देश्यों को उनकी संचयी प्रकृति के अनुसार क्रम में रखें।
- गतिविधि में बच्चों को वस्तुओं के साथ कार्य करने के लिए ज्यादा अवसर दें।
- प्रश्न और संवाद के बिंदुओं को स्पष्ट रूप से लिखे।
- संसाधन के लिए गणित किट, गणित कार्ड और बोर्ड, पोस्टर और आसानी से उपलब्ध वस्तुओं का ही उपयोग करें।

पुनरावृत्ति और गृह कार्य

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के पुनरावृत्ति के लिए एक साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक कार्यपुस्तिका में दिया गया है।

- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक दिया गया है।

दिन 6

कालांश 1 2 **3**

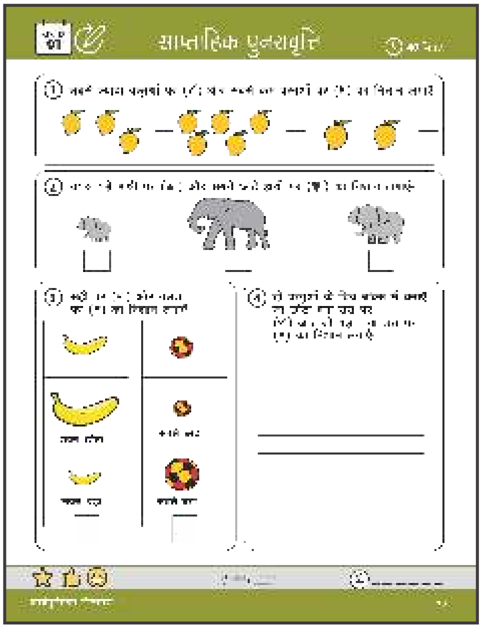

साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

- प्रत्येक साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अलग निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

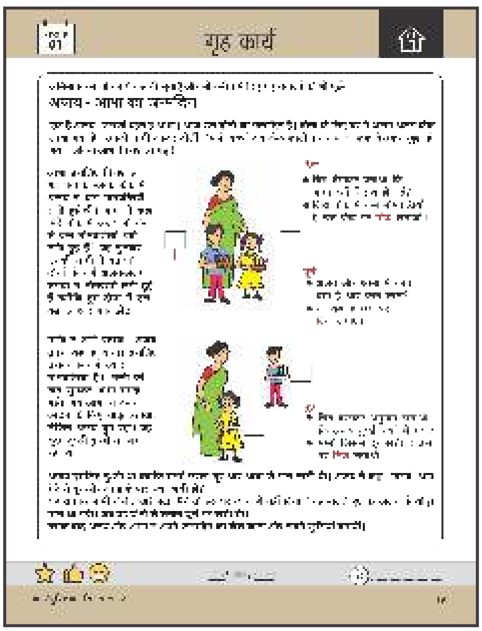

गृह कार्य

अभिभावकों को बच्चों के दैनिक पठन–पाठन कार्य से जोड़ने के लिए साप्ताहिक गृहकार्य पत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं।

- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 20 गृह कार्य पत्रक दिया गया हैं।

शिक्षक के लिए निर्देश

- बच्चों को 6वें दिन गृह कार्य के लिए आवश्यक निर्देश दें।
- अभिभावकों से संवाद करें और उन्हे बच्चों से उनके कक्षा के अनुभव पर बातचीत करने के लिए प्रेरित करें।
- अगले दिन शिक्षक गृह कार्य पत्रक को देखें और बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएं।

सप्ताह 11, 22

सावधिक आकलन

अकादमिक सत्र में दो सावधिक आकलन 11वें सप्ताह और 22वें सप्ताह में रखे गए हैं।
- पिछले 10 सप्ताह में किए शिक्षण कार्य और बच्चों के प्रगति का आकलन सावधिक आकलन में किया जाएगा।
- सावधिक आकलन 1 और 2 के लिए 10–10 कार्यपत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं।

कालांश 1 2 **3**

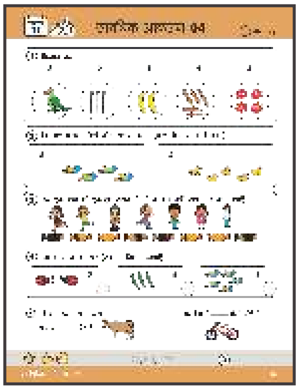

सावधिक आकलन पत्रक

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण
- प्रत्येक आकलन पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न और उनके अलग निर्देश हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण **(संख्या और वस्तु बदलकर)** श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- आकलन पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

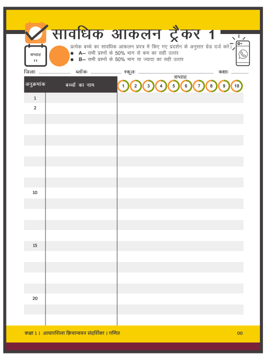

सावधिक आकलन ट्रैकर

बच्चों द्वारा सावधिक आकलन प्रपत्र में दिए गए उत्तर को जाँचें। उनके द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण कर अवधारणा को समझने में आ रही कठिनाइयों को चिह्नित कर रेमीडीयल कार्य की योजना बनाएँ।

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।
A––सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग से कम का सही उत्तर।
B––सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग या ज्यादा का सही उत्तर।

कालांश 1 **2** **3**

रेमीडीयल गतिविधि

रेमीडीयल गतिविधि को पूरी कक्षा के साथ दोहराएँ।
- शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएं और और बच्चों के दैनिक अनुभव से जोड़ें।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- जिन बच्चों ने A ग्रेड पाया है उन पर विशेष ध्यान दें और गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

सप्ताह 1—10	सप्ताह 12—21

प्रति सप्ताह के लिए शिक्षक संदर्शिका में संसाधन

3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	वार्षिक ट्रैकर	सावधिक ट्रैकर

प्रति सप्ताह के लिए कार्यपुस्तिका के पत्रक

3 अभ्यास पत्रक	1 मैंने सीख लिया	1 साप्ताहिक अभ्यास	1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति	1 गृह कार्य

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
अनुदेशात्मक कार्य (सप्ताह 1—4)	3 शिक्षण योजना	3 1,2,3 अभ्यास पत्रक	3 अभ्यास गतिविधि
समेकन और आकलन (दिन 5)	1 समेकन	रिक्त कालांश	1 मैंने सीख लिया
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति (दिन 6)	1+1 रेमीडीयल और साप्ताहिक अभ्यास	रिक्त कालांश	1+1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति और गृह कार्य

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

कम-ज्यादा की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट, कंकड़, पत्ते, ब्लॉक्स आदि।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द: कम–ज्यादा।

सामान्य भूल: बच्चे ज्यादा जगह घेरने वाली वस्तु को ज्यादा बताते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

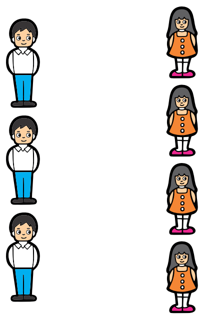

- शिक्षक कक्षा में सभी छात्र–छात्राओं को खड़े होने को कहेगा तथा निम्न कार्य कराएगा।
- सभी बालक तथा सभी बालिकाएँ अलग–अलग पंक्ति में, एक बालक के सम्मुख एक बालिका के क्रम में खड़े होंगे।
- **पूछें** : क्या सभी बालक के सामने बालिका खड़ी हो सकीं?
- प्रक्रिया को एक उदाहरण से दोहराएँ–मेज पर कुछ कंकड़ व कुछ पत्तों के ढेर रखते हुए।
- प्रत्येक कंकड़ को अलग–अलग पत्ते के ऊपर बच्चों से रखने को कहें।
- **पूछें** : क्या सभी पत्तों पर कंकड़ रखे जा सके?
- पत्तों और कंकड़ों में कौन ज्यादा तथा कौन कम है?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

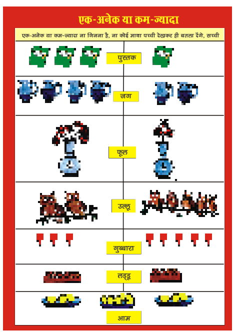

- बच्चों को दो–दो के समूह में बाँटें और उन्हें कुछ फूल और पत्ते के चित्र कार्ड दें।
- बच्चों को प्रत्येक फूल को पत्ते से मिलाने को कहें।
- **पूछें**: क्या सभी फूल, पत्ते से मिलाए जा सके?
- **समझाएँ**– जब हम एक वस्तु को दूसरी वस्तु के साथ मिलान करके देखते हैं तब हमें ये समझने में आसानी होती है कि कौन सी वस्तु ज्यादा है और कौन सी कम।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : नए शब्द "कम और ज्यादा" को दोहराएं।
- अब शिक्षक कक्षा में लगे "कम–ज्यादा" चार्ट से चर्चा प्रारंभ करें।
- **पूछें**: किस तरफ़ पुस्तक की संख्या ज्यादा है? उस पर अंगुली रख सकते हो?
- शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

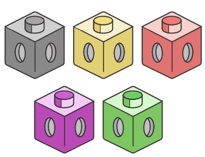

- एक ही रंग के 5 ब्लॉक एक हाथ में और दूसरे हाथ में 3 ब्लॉक रखें।
- इसके ऊपर कम ज्यादा के सवाल बच्चों से पूछें।
- तुमने कैसे पता किया कि किस हाथ में ज्यादा ब्लॉक हैं?
- क्या तुम्हारे दोस्त ने जो जवाब दिया वह सही है?
- ऐसी कोई एक चीज़ बताओ जो आज तुमने कक्षा में सीखी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–01|1 कराएँ–पृष्ठ 13

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–01|1 कराएँ–पृष्ठ 40

सप्ताह 01

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

दूर-पास की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : दूर–पास।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ को समझे, दूर–पास का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

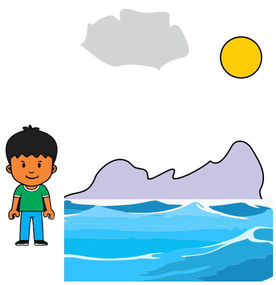

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करेंगे।

दूर गगन में सूरज है,
पास में नदी बहती है,
बादल दूर गरजता है,
पास में धारा बहती है,
झट बतला दो बच्चों प्यारे,
कौन सा पर्वत पास तुम्हारे?
ये दूर हैं, वो हैं पास,
अपने आस–पास की वस्तुओं को ऐसे ही पुकारें।

पूछें : सूरज और नदी में कौन हमारे पास हैं?
बादल और धारा में कौन हमारे से दूर है?

- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

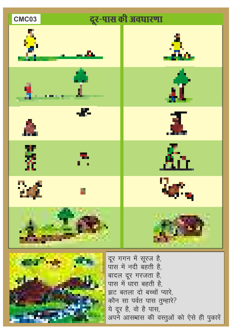

- शिक्षक दो बच्चों को बुलाकर एक बच्चे को अपने थोड़ा पास और एक बच्चे को अपने से थोड़ी दूर खड़े होने को कहें।

पूछें : कौन मेरे पास खड़ा है?
कौन मेरे से दूर खड़ा है?

- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।
- प्रक्रिया को और कुछ बच्चों को सामने बुलाकर दोहराएँ।

अब शिक्षक "दूर–पास" के चार्ट पर चर्चा प्रारंभ करें।

पूछें: जिस चित्र में बच्चा गेंद के पास है, क्या आप उस पर अंगुली रख सकते हो?
शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

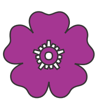

- श्यामपट्ट पर एक गेंद, एक पत्ता और एक फूल का चित्र बनायें। पत्ते को गेंद के थोड़ा पास और फूल को गेंद से थोड़ी दूरी पर बनायें।

? गेंद किसके पास है?
? कौन बॉल से दूर है?
? ऐसी कोई एक चीज बताओ जो आज तुमने कक्षा में सीखी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–01|2 कराएँ–पृष्ठ 14

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–01|2 कराएँ–पृष्ठ 40

सप्ताह 01

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।

संसाधन : गेंद और अन्य परिवेश की सामग्री।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : छोटा और बड़ा।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के छोटा–बड़ा का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

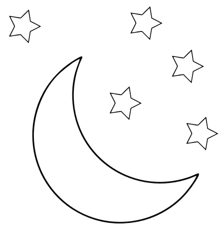

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करेंगे।
  रात में टिम–टिम करते तारे।
  लगते हमको कितने प्यारे।
  चंदा मामा बड़े निराले।
  घटते–बढ़ते रहने वाले।
- **पूछें** : रात में आपने आसमान में क्या–क्या देखा है?
- तारों की तुलना में चांद का आकार कैसा है?
- क्या चाँद हर रात एक समान दिखता है?
- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

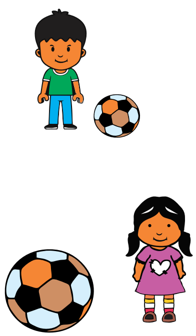

- मेज पर दो असमान आकार की गेंद रखें और बच्चों को बुलाकर एक को छोटी तथा दूसरे को बड़ी गेंद उठाने को कहें।
- **पूछें** : छोटी गेंद किसने उठाई है? बड़ी गेंद किसने उठाई है? तुमने कैसे जाना कि कौन सी गेंद छोटी है या बड़ी?
- इस प्रक्रिया को और भी बच्चों को बुलाकर दोहराएँ।
- **समझाएँ**– अपने आस–पास की वस्तुओं में छोटा–बड़ा पता करना होगा तो उन्हें गौर से देखना चाहिए।
- बच्चों को दो–दो के समूह में बाँटकर बोलिए कॉपी में अपने पसंद का कुछ चित्र बनायें और अपने साथी को दिखाएँ।
- **पूछें** : दोनों चित्र में कौन सा बड़ा है और कौन सा छोटा है?
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : जिस समूह के बच्चों को छोटा–बड़ा समझने में दिक्कत हो, उनकी मदद करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

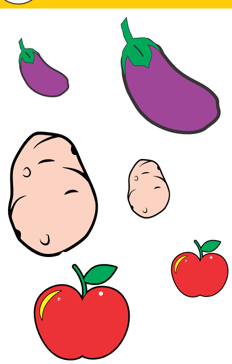

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ फल, सब्जी और फूल के दो–दो, छोटे–बड़े चित्र बनायें।
- कौन सी सब्जी बड़ी है?
- कौन सा फल छोटा है?
- ऐसा कोई एक चीज बताओ जो आज तुमने कक्षा में सीखी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–01|3 कराएँ–पृष्ठ 15

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–01|3 कराएँ–पृष्ठ 40

सप्ताह 01 अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

कम-ज्यादा की समझ बना सकें।

संसाधन

कम–ज्यादा के लिए चार्ट, कंकड़ एवं अनाज के दाने।

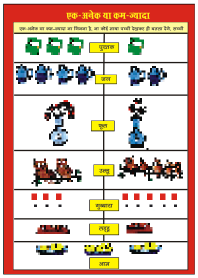

- कक्षा के बच्चों को दो–दो के समूह में बाटें। प्रत्येक समूह में दो ढेरी दीजिये एक कंकड़ की और एक अनाज की।
- बच्चों से पूछें–किस ढेरी में सामग्री कम है? किस ढेरी में सामग्री ज्यादा है?
- कंकड़ और अनाज की मात्रा बदल–बदल कर ये प्रक्रिया बार–बार करवाएँ।
- बच्चों से अपने जवाब का कारण बताने के लिए कहें।
- बच्चे एक–एक की संगति की सहायता से कम–ज्यादा बता सकते हैं।
- इसके बाद कम–ज्यादा के चार्ट की सहायता से कम–ज्यादा पर बच्चों के साथ बात करें।
- बच्चों से उनके जबाब का आधार जरूर पूछें और आधार बताने में सहायता करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- चार्ट के किस गुलदस्ते में ज्यादा फूल हैं?
- चार्ट में किस तरफ कम गुब्बारे लगे हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

दूर-पास की समझ बना सकें।

संसाधन

दूर–पास के लिए चार्ट।

- चार्ट में दी गई वस्तुओं को परिवेश से जोड़ते हुए बच्चों के साथ संवाद करें। पूछें– किस चित्र में लड़का पेड़ के पास है? किस चित्र में लड़का पेड़ से दूर है? किस चित्र में बंदर आम के पास है? किस चित्र में आम बंदर से दूर है? शिक्षक सभी बच्चों को जबाब देने अवसर दें।
- बच्चे भी परिवेश की वस्तुओं व चार्ट की सहायता से प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे से पूछें।
- शिक्षक बच्चों को अपने जबाब का कारण बताने के लिए भी प्रेरित करें।
- शिक्षक बच्चों के घर से उनके स्कूल की दूरी पर भी चर्चा करें।
- इस अवलोकन पर ध्यान दिलाएँ कि दूर की वस्तुएँ छोटी दिखाई देती हैं जबकि वास्तव में वह वस्तु बड़ी होती है।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- चार्ट में कौन सा पंछी घड़े के पास है?
- चार्ट में कौन सी बच्ची सेब से दूर है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।

संसाधन

फुटबॉल, क्रिकेट गेंद, कंचा, मटर के दाने।

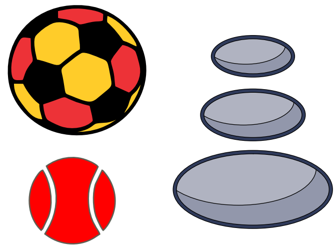

- कक्षा के बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँट दें। हर समूह को फुटबॉल, क्रिकेट गेंद, कंचा, मटर के दाने दें।
- शिक्षक बारी–बारी से सभी समूहों से पूछें–कौन–सी गेंद सबसे बड़ी है? सबसे छोटी गोल वस्तु क्या है? सभी समूह में बच्चे चर्चा करें कि कौन सी चीज छोटी है और कौन सी चीज बड़ी है।
- उसके बाद शिक्षक फुटबॉल दिखाकर पूछें–कक्षा में कौन–सी चीज फुटबॉल से बड़ी है और कौन–सी चीज उससे छोटी है।
- शिक्षक कक्षा कक्ष में उपलब्ध वस्तुओं के साथ भी छोटी–बड़ी वस्तुओं की पहचान कराएँ। शिक्षक कक्षा में से कोई भी दो चीजों को उठाकर पूछें–इनमें से कौन सी चीज छोटी है और कौन सी चीज बड़ी है?
- बच्चों से उनके जबाब का आधार जरूर पूछें और आधार बताने में सहायता करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या तुम एक छोटे और बड़े फूल का चित्र बना सकते हो?

सप्ताह 01

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- कम-ज्यादा की समझ बना सकें।
- दूर-पास की समझ बना सकें।
- छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।

संसाधन : बाल्टी और गेंद, ब्लॉक्स, लकड़ी के टुकड़े।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

- **समझाएँ** : सारे बच्चों को एक जगह बैठने को कहें।
- दो बाल्टी रखिये और उससे 2 फिट में कुछ गेंदें रखिये। दूरी ऐसी होनी चाहिए कि बच्चे जब गेंद बाल्टी में फेंकें तो वह बाल्टी के अन्दर आसानी से जा सके।
- दो बच्चों को बोलिए गेंद के पास आकर खड़े हों।
- बच्चों को दूर से गेंद फेंकना है और बाल्टी में गेंद डालने की कोशिश करना है। इस खेल को कुछ देर होने दीजिये।
- अब दूसरे बच्चों को बाल्टी के अन्दर देख कर बताने को बोलिए कि किस बाल्टी में कम गेंद हैं और किसमें ज्यादा।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

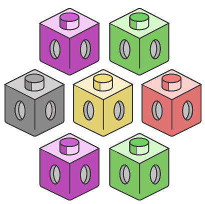

- बच्चों को किसी भी तरीके से ब्लॉक्स को व्यवस्थित करने को कहिए।
- बच्चों को गोलाकार में बैठने के लिए कहिए तथा बारी–बारी बनाई गई आकृति का ऊपरी व निचला हिस्सा बताने को कहिए। किसी दूसरे समूह के बच्चों को उनके द्वारा ब्लॉक्स के द्वारा बनाई गई आकृतियों को सामने रखने को कहिए तथा चर्चा कीजिए कि किस बच्चे की बनाई गई आकृति बोर्ड/दरवाजे से दूर व पास है?
- कक्षा का स्थानीय शब्दों का अंदर–बाहर, ऊपर–नीचे जैसे शब्दों का विकास करने में एक स्रोत के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह बच्चों को अपने आस–पास के स्थान की स्थिति समझने में मदद करता है।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

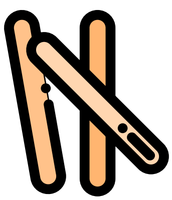

- कुछ छोटे–छोटे लकड़ी के टुकड़े व इस गतिविधि को करने के लिए बच्चों को एक लाइन में खड़ा होना पड़ेगा। बच्चों को पहले से बोलें कि वो कुछ छोटी–छोटी लकड़ी लायें।
- सभी बच्चों को एक जगह बैठने को कहें।
- बच्चे जितने लकड़ी के टुकड़े लाये हैं उसे एक जगह इकट्ठा कीजिये। अब बच्चों को अलग–अलग संख्या के लकड़ी के टुकड़े दीजिये। किसी को 3 दीजिये तो किसी को 4। पर दो बच्चों को एक ही संख्या में लकड़ी न दीजिये।
- बच्चे को बोलिए अपने–अपने टुकड़े को गिनकर उसकी संख्या बतायें।
- अब बच्चों को बोलिए अपनी लकड़ी की संख्या के हिसाब से छोटे से बड़े एक लाइन में खड़े हो जाएँ।
- आप देखिये कि बच्चे ठीक लाइन से खड़े हुए हैं या नहीं।

सप्ताह 01

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- **कम-ज्यादा की समझ बना सकें।**
- **दूर-पास की समझ बना सकें।**
- **छोटा-बड़ा की समझ बना सकें।**

संसाधन : चार्ट।
- एक–अनेक या कम–ज्यादा।
- दूर–पास की अवधारणा।
- सबसे लम्बा–ऊँचा कौन है।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

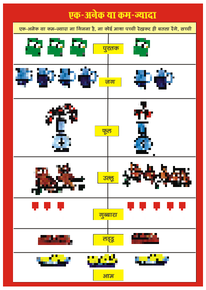

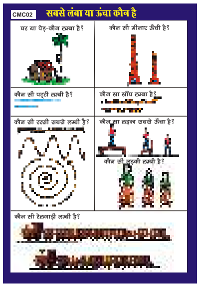

- कक्षा के बच्चों को तीन समूहों में बैठाएँ।
- तीनों समूहों को चार्ट देकर आपस में खास बातों को पता करने को कहें।
- **समझाएँ:** एक–अनेक या कम–ज्यादा के चार्ट में कम और ज्यादा पर चर्चा करें।
- बच्चों को भी अपनी बात कहने के लिए पर्याप्त समय दें।
- बच्चों से अधिक वस्तुओं पर अंगुली रखने अथवा गोला खींचने के लिए कहें।
- दूर–पास की अवधारणा पर भी इसी प्रकार काम करें। सबसे लम्बा या ऊँचा कौन है, चार्ट पर भी इसी प्रकार करें।
- अब बच्चों को अपने–अपने समूह में चार्ट पर कम–ज्यादा, दूर–पास, छोटा–बड़ा छाँटने को कहें।
- हर समूह में जाकर देखें कि बच्चे सही से कर रहे हैं या नहीं, बच्चों को उपयुक्त समय दें कार्य पूर्ण करने के लिए।

पूछें :
- कक्षा में लड़कों की संख्या ज्यादा है या लड़कियों की?
- कक्षा में सबसे लम्बा कौन है?
- श्यामपट्ट के सबसे पास कौन है और कौन सबसे दूर?
- एक बच्चे को बेंच पर खड़ा करें और दूसरे को उसके पास फर्श पर, अब चर्चा करें कि कैसे तय करेंगे कि कौन लम्बा है?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

- कक्षा के बच्चों को चार समूहों में बांटे। पहले समूह में 1 बच्चा, दूसरे समूह में 2 बच्चे, तीसरे में तीन और शेष बच्चे चौथे समूह में खड़ा करें। उन्हें कक्षा में अलग–अलग स्थान पर खड़ा करें।
- ☞ **समझाएँ:** सबसे ज्यादा बच्चों वाला समूह बड़ा है और एक बच्चे वाला समूह छोटा अथवा कम है। इसी प्रकार उनकी दूरी को भी स्पष्ट करें।
- श्यामपट्ट के पास कौन सा समूह खड़ा है? समूह चार में सबसे लम्बा कौन है?
- बच्चों को आपस में पास और दूर खड़ा होकर अवधारणा स्पष्ट करने का अवसर दें।
- मूर्त वस्तुओं (कंकड़, मोती, सिक्कों) की सहायता से चर्चा करते हुए भी बच्चों से एक–अनेक, कम–ज्यादा, दूर–पास, छोटा–बड़ा पर प्रश्न करके जानें कि बच्चों को यह अवधारणा स्पष्ट है या नहीं।

☞ **पूछें** :
- क्या आप कम या ज्यादा बताने के कारण बता सकते हैं?
- कंकड़ के दो समूह को दिखाकर – इनमें से किस समूह में अधिक कंकड़ हैं?
- दरवाजे के पास कौन है?

  बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा करें।
- बच्चों के नाम के साथ सवाल करें जैसे– रिंकी के पास कौन है? कौन बच्चा नीरज से सबसे दूर है?

सप्ताह 02

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

आगे-पीछे की समझ बना सकें।

संसाधन : श्यामपट्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : आगे और पीछे।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के आगे–पीछे का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक बच्चों की रेलगाड़ी बनाएँगे, जिसमें शिक्षक इंजन बनेंगे तथा उक्त कविता को लय पूर्वक गाएँगे।
  ट्रेन चली भाई ट्रेन चली।
  छुक–छुक करती ट्रेन चली।।
  आगे इंजन, पीछे डब्बे।
  सवारियाँ बैठी हैं नब्बे।।

पूछें : ट्रेन में सबसे आगे कौन था? शिक्षक के पीछे–पीछे कौन चल रहा था?

- वास्तव में किन–किन बच्चों ने ट्रेन देखी है? ट्रेन में गार्ड का डिब्बा कहाँ होता है?
- बच्चों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

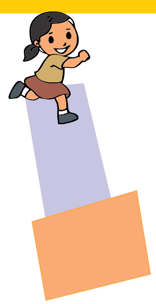

- सीधी रेखा में खड़े हो जायेंगे। मैं जब आगे कहूँगा तब आगे की ओर कूदेंगे तथा पीछे कहने पर पीछे की ओर कूदेंगे। जो ऐसा नहीं करेगा वह खेल से बाहर होता जायेगा।

पूछें : कुछ बच्चे खेल से बाहर क्यों हुए?

- अब पाँच बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा करेंगे।

पूछें: सबसे आगे वाले बच्चे का नाम बताओ? सबसे पीछे वाले बच्चे का नाम बताओ। सबसे आगे वाले बच्चे के तुरंत (ठीक) पीछे कौन है? सबसे पीछे वाले बच्चे के तुरंत (ठीक) आगे कौन है?

- इस गतिविधि को और बच्चों के साथ दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिन्दु: आगे–पीछे कहने से पहले अपने लिए एक दिशा निर्धारित करते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कोई भी एक चित्र बनाएँ। फिर उसके आगे और पीछे अलग–अलग दो चित्र बनायें।

बस के आगे कौन सा चित्र है?

बस किस के आगे बना हुआ है ?

क्या आप श्यामपट्ट पर बने चित्र को ऐसे बदल सकते हैं जिससे बस के पीछे वाला चित्र बस के आगे आ जाए?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–02|1 कराएँ–पृष्ठ 20

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–02|1 कराएँ–पृष्ठ 46

सप्ताह 02

शिक्षण योजना 2

ऊपर-नीचे की समझ बना सकें।

40 मिनट

संसाधन : डस्टर, किताब, चॉक, चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : ऊपर और नीचे।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के ऊपर–नीचे का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

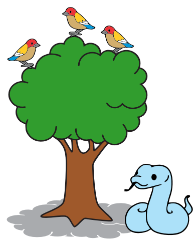

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इन पंक्तियों से करें।
  पेड़ के ऊपर पक्षी बैठे, नीचे आया साँप।
  पक्षी सारे ऊपर उड़ गये, नीचे रह गया सांप।।
  पंक्तियों को बार–बार दोहराएँ।

पूछें : पेड़ के ऊपर क्या–क्या है? पेड़ के नीचे कौन आ गया? पेड़ पर बैठे पक्षी कहाँ उड़ गये ? पक्षी नहीं उड़ते तो साँप क्या करता? तुम पेड़ पर होते तो क्या करते?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक कुछ सामान जैसे– डस्टर, चॉक, किताब आदि रखें।
- **समझाएँ**– एक–एक बच्चे को बुलाकर कुछ निर्देश दिया जायेगा। जैसे "डस्टर को मेज के निचे रखो"। तो आपको डस्टर मेज के नीचे रखना होगा। (इसे बोलते हुए शिक्षक काम को करके भी दिखायें)।
- अब बच्चों को एक–एक करके बुलाकर गतिविधि कराएं।

पूछें : क्या आप चॉक को मेज के नीचे रख सकते हैं? एक किताब और चॉक को ऐसे पकड़ो कि चॉक किताब के नीचे रहे। डस्टर को अपने सिर के ऊपर रखो।

- इसके बाद शिक्षक गणित के "ऊपर–नीचे" चार्ट से एक गतिविधि कराएँगे।

पूछें : एरोप्लेन ऊपर है या पंछी? पुल के ऊपर कौन है?

- शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक कुर्सी का चित्र बनायें। उसके ऊपर बैठी कोई एक बच्ची और नीचे एक बिल्ली का चित्र बनायें।

? कुर्सी के ऊपर कौन है?

? क्या बिल्ली कुर्सी के नीचे बैठी है? अगर हाँ, तो क्यों बैठी है?

? आप बताओ आपने किस–किस को कुर्सी पर बैठते देखा है? और किस–किस को कुर्सी के नीचे बैठते देखा है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–02|2 कराएँ–पृष्ठ 21

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–02|2 कराएँ–पृष्ठ 46

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

हल्का-भारी की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट, परिवेश की वस्तुएं।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : हल्का और भारी।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के हल्का–भारी का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

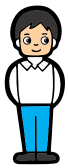

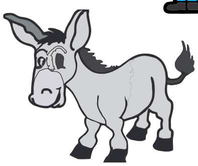

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस छोटी सी कहानी से करें।
- एक व्यापारी के पास एक गधा था। वह नमक लादकर बेचता था। एक दिन नदी पार करते हुए गधा पानी में बैठ गया। व्यापारी ने लाख उठाया पर वह न उठा। थोड़ी देर बाद जब गधा उठा तो उसे भार कम लगा। अब तो व्यापारी जब भी उस रास्ते से गुजरता तो गधा बैठ जाता। उसे अब मजा आने लगा था। एक दिन व्यापारी ने नमक के स्थान पर रूई का बोरा लादकर जा रहा था। गधा फिर नदी में बैठ गया। जब वह उठा तो उससे चला नहीं जा रहा था। सोचो क्यों?

पूछें: एक बोरा रूई व एक बोरा नमक में क्या भारी है?
गधे को चलने में क्यों कष्ट हो रहा था?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

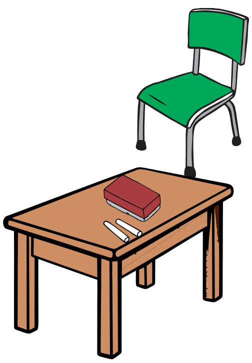

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत परिवेश से जुड़े किसी संदर्भ में कुछ संवाद से करेंगे।
- **समझाएँ**: मैं ही कुछ चीजों का नाम लूँगी/लूँगा। आपको बताना है कि आपको वह हल्का लगता है या भारी।

पूछें : कुर्सी व मेज में कौन हल्का और कौन भारी है? डस्टर व चॉक में कौन हल्का और कौन भारी है?

- चम्मच और थाली में कौन हल्का और कौन भारी है? आधी ईंट और एक पूरी ईंट में कौन हल्की और कौन भारी होती है?

शिक्षक के लिए बिंदु : बच्चों के जवाब अलग–अलग हो सकते हैं। यदि बच्चे अपनी बात का कारण बता रहे हैं तो उसे स्वीकार करें।
अब शिक्षक चार्ट की सहायता से बच्चों के साथ संवाद प्रारंभ करें।

पूछें : पंख और ईंट में कौन भारी है। क्या आप उस पर अंगुली रख सकते हैं?
शिक्षक ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

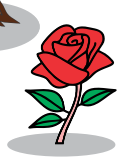

- शिक्षक एक पीपल का पेड़ और एक गुलाब के पौधे का चित्र बनाएँ।

पीपल का पेड़ और गुलाब के पौधे में कौन भारी है?

आपके घर में कौन सबसे हल्का है और कौन सबसे भारी? आपको क्या लगता है इसका कारण क्या होगा?

आपने सबसे भारी चीज क्या देखा है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–02|3 कराएँ–पृष्ठ 22

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–02|3 कराएँ–पृष्ठ 46

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

आगे-पीछे की समझ बना सकें।

संसाधन

कहानी का चार्ट।

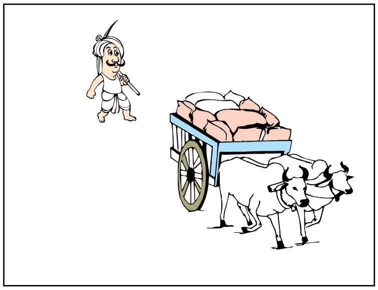

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र की सहायता से बच्चों के साथ मिलकर आगे–पीछे शब्दों का उपयोग करते हुए कहानी का चार्ट बनायें। जैसे– किसान खेत से घर जा रहा था। बैलगाड़ी ने उसे पीछे छोड़ दिया। किसान के आगे से बैलगाड़ी निकल गई और वह उसे नहीं पकड़ सका। वह तेज दौड़ा बैलगाड़ी आगे–आगे और किसान पीछे ही रह गया।
- कक्षा के बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बाँटें। प्रत्येक समूह से उपरोक्त कहानी सुनाने को कहें। बारी–बारी से सभी समूह के बच्चों से पूछें कि पीछे कौन छूट गया? किसान के आगे से क्या निकल गया? आगे किसान चल रहा था या बैलगाड़ी?
- शिक्षक ध्यान रखें कि सभी समूह के बच्चे उत्तर दे रहे हों।

बच्चों के लिए प्रश्न:

बोर्ड पर जो बस का चित्र बना है उसके आगे एक फल और पीछे फूल का चित्र बना सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

ऊपर-नीचे की समझ बना सकें।

संसाधन

पेन, कलर, चॉक, बोतल, पत्थर, कंकड़ आदि।

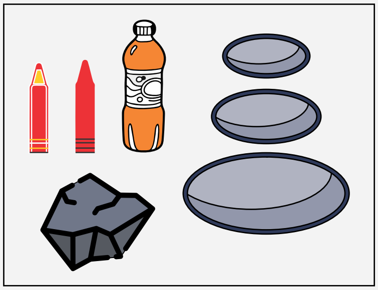

- कक्षा में उपलब्ध कुछ चीजों को मेज के ऊपर रखें और कुछ चीजों को मेज के नीचे।
- बच्चों को चार–चार के समूह में बांटें। प्रत्येक समूह से पूछें–मेज के ऊपर कौन–सी चीजें रखी हैं? मेज के नीचे कौन–सी चीजें हैं?
- उसके बाद शिक्षक कहें : मैं एक चीज का नाम लूँगा और आपको बताना है कि वह कहाँ रखी है– मेज के ऊपर या नीचे। शिक्षक एक–एक करके मेज के ऊपर और नीचे रखी चीजों का नाम लें और बच्चों को बताने का मौका दें।
- शिक्षक कक्षा की अन्य वस्तुओं के साथ उपरोक्त प्रक्रिया दोहराएं।
- शिक्षक ध्यान रखें कि सभी समूह के बच्चे उत्तर दे रहे हों।

बच्चों के लिए प्रश्न:

बच्चों से कहें कि वे एक पेड़ का चित्र बनाएँ।

क्या तुम पेड़ के ऊपर एक चिड़िया और पेड़ के नीचे बिल्ली का चित्र बना सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

हल्का-भारी की समझ बना सकें।

संसाधन

परिवेशीय वस्तुएं जैसे– कंकड, रुई, कागज, मिट्टी, लकड़ी आदि।

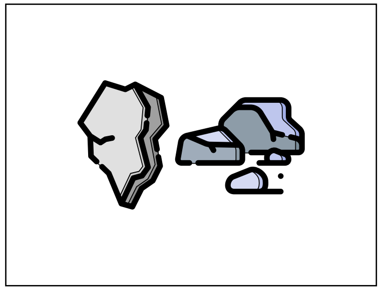

- बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बांटें। प्रत्येक समूह को कंकड़, रूई, कागज, लोहे के टुकड़े आदि दें। बच्चों को दो चीजें दिखाकर पूछें–इनमें से कौन–सी चीज भारी है और कौन सी हल्की।
- स्पष्ट करें कि जब दो या दो से अधिक वस्तुएँ होती हैं, तो उनमें से हल्की और भारी वस्तुएँ छाँटना आसान होता है। बच्चों के साथ चर्चा करें कि जरूरी नहीं कि जो चीज बड़ी दिखती है, वह भारी हो। जैसे रूई का ढेर, लोहे के छोटे से टुकड़े से हल्की हो सकती है।
- आप बच्चों को पानी की बोतल दिखाएं और बच्चों से कहें कि वह एक ऐसी चीज बताएँ जो बोतल से हल्की और बोतल से भारी हो।

बच्चों के लिए प्रश्न:

क्या तुम दो वस्तुओं के चित्र बनाकर उसमें जो भारी है उस पर घेरा लगा सकते हो?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

लम्बाई-मोटाई-ऊँचाई की समझ बना सकें।

संसाधन : चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : लम्बाई, मोटाई और ऊँचाई।

सामान्य भूल : बच्चे बातचीत में बिना सही अर्थ के लम्बाई–मोटाई–ऊँचाई का उपयोग करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

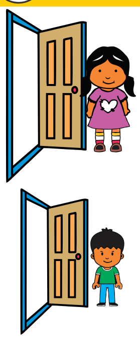

- शिक्षक दो बच्चों को बुलाएं जिनकी लम्बाई असमान हो, उनको दीवार के पास खड़ा करें तथा दीवार पर चॉक से उनकी लम्बाई के बराबर निशान लगाएं।

पूछें: दीवार पर किस बच्चे का निशान ऊपर है?

- किसका निशान नीचे है?
- किस बच्चे की लम्बाई ज्यादा है?
- इस गतिविधि को और कुछ बच्चों के साथ दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिन्दु : लम्बाई के साथ जोड़ कर ऊँचाई पर भी चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को निम्न कहानी सुनाएगा। कविता और रुकसाना दोस्त हैं। एक दिन उन्होंने दूर आम के बाग से आम तोड़ने की सोची। दोनों अपने छोटे–छोटे पैरों से बाग की ओर चल पड़ीं। रास्ता बहुत लम्बा था। जब वे बाग के पास पहुँचीं तो देखा कि बाग का गेट बन्द था। गेट की कुछ ग्रिल टूटी हुई थीं। कविता आसानी से निकल गई पर रुखसाना बड़ी मुश्किल से घुस पाई। वे दोनों पेड़ के पास पहुँचीं और ऊपर देखा तो आम बहुत दूर थे। उनके पास दो छड़ी पड़ी थीं। उसमें से एक लंबी थी। कविता ने लंबी वाली छड़ी ले ली। अब उन दोनों ने आम तोड़ा और खुशी–खुशी घर चली गईं।

पूछें: कविता और रुकसाना में कौन ज्यादा मोटा है? कैसे आम दूर लगे थे? छोटी छड़ी किसने उठाई थी? किसने ज्यादा अधिक आम तोड़ा होगा और क्यों?

इसके बाद शिक्षक लम्बा या ऊँचा के चार्ट पर चर्चा करें।

शिक्षक के लिए बिन्दु : यह जरूर स्पष्ट करें कि सबसे ऊँचा बताने के लिए सभी का एक तल में होना आवश्यक है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक बच्चों से चार्ट पर आधारित सवाल करेगा।

क्या आप बता सकते हैं कि कौन सी मोमबत्ती मोटी है?

कौन सी बिल्ली पतली है?

क्या आप बता सकते हैं कि कौन सी किताब मोटी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–03|1 कराएँ–पृष्ठ 27
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–03|1 कराएँ–पृष्ठ 50

सप्ताह 03

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

आकार व वजन की समझ बना सकें।

संसाधन : टाइल्स व अन्य सामग्री।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचाना।

नये शब्द : त्रिकोण, वर्गाकार, गोलाकार, आयताकार।

सामान्य भूल : बच्चे परिवेश की वस्तुओं के सही आकार को नहीं समझते हैं। साथ ही उनके नामों से भी परिचित नहीं होते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

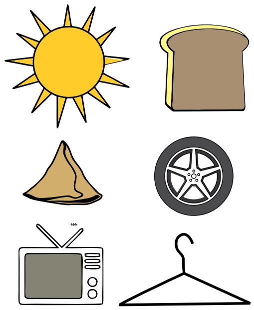

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करें।
  समोसे–पराठे तिकोने वाले,
  रोटी–पूड़ी होती गोल।
  बिस्कुट में होते छोटे कोने,
  पर कुछ बिस्कुट होते गोल।।
  भाँति–भाँति की अजब वस्तुएँ,
  कितने अलग–अलग आकार।
  कोनों के कारण हम सीखें, होते कितने भिन्न प्रकार।।
- कुछ वर्गाकार, आयताकार, गोलाकार और तिकोने आकार की वस्तुएँ बच्चों को दिखाकर आकार के नाम बताएँ।
- **पूछें**: समोसे और पराठे में कितने कोने होते हैं? पारले जी बिस्कुट में कितने कोने होते हैं? रोटी–पूड़ी कैसी होती है? ऐसे और सवालों पर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

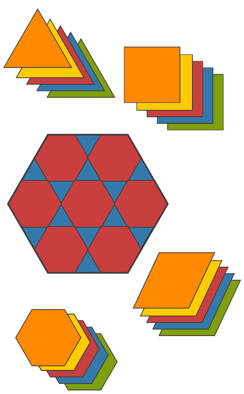

- शिक्षक टाइल्स किट का परिचय बच्चों से कराएँ।
- **समझाएं** : इन आकारों के उपयोग से अपनी इच्छा के अनुसार कोई भी नए आकार बना सकते हैं।
- **पूछें** : आपकी बनाई गई आकृति में टाइल्स के कौन–कौन से प्रकार प्रयोग हुए?
- बच्चों को अलग–अलग आकार की आकृति को वर्गीकृत करने को कहें। शिक्षक श्यामपट्ट पर एक गुब्बारा और हथौड़े का चित्र बनाएँ।
- **पूछें**: गुब्बारे और हथौड़े में किसका आकार बड़ा है? किसका वजन ज्यादा है?
- आकार और वजन में कोई संबंध होता है या नहीं, इस पर शिक्षक बच्चों के साथ चर्चा करेंगे।
- **समझाएँ**: कभी वस्तु का आकार बड़ा हो सकता है, परन्तु उसका वजन छोटे आकार की किसी वस्तु से कम हो सकता है। कई बार इसका उल्टा भी हो सकता है।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

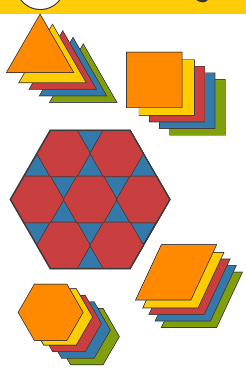

- शिक्षक चार–चार बच्चों का एक समूह बनाएं।
- शिक्षक कुछ टाइल्स बच्चों के समूह में दें और उन्हें एक जैसे आकार को अलग–अलग करने को कहें।
- अलग की गई इस समूह की क्या विशेषता है?
- इनके आकार को क्या कहेंगे?
- अपने आसपास ऐसे आकार कहां देखा है ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–03|2 कराएँ–पृष्ठ 28

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–03|2 कराएँ–पृष्ठ 50

सप्ताह 03

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

बंटवारा करने की समझ बना सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएं जैसे कंकड़, पत्ते।

नये शब्द : बराबर बाँटो।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना। एक–एक की संगति से कम ज्यादा की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे बंटवारा तो कर देते हैं पर बराबर है या नहीं, इसमें भूल कर देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

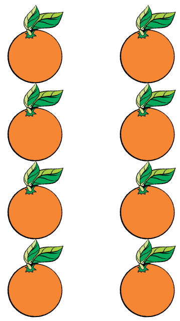

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करें।

रोहन सोहन थे दो भाई।
एक दिन उनकी नानी आई।।
पास बुला कर उनसे बोली।
आठ संतरों की यह थैली।।
प्यारे बच्चों तुम ले जाओ।
बाँट बराबर मिलकर खाओ।।

पूछें: रोहन कितने भाई थे?
नानी ने रोहन–सोहन को कितने संतरे दिए?
रोहन पाँच संतरे ले तथा सोहन को तीन संतरे दे, तो क्या ठीक होगा?
बराबर–बराबर संतरे कैसे बाटेंगे?
दोनों को कितने–कितने संतरे मिलेंगे?

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

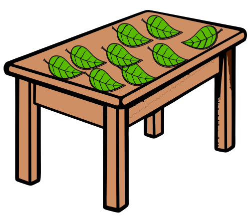

- शिक्षक कुछ कंकड या पत्ते रखें और बच्चों को समूह में बाँट दें। समूह में से एक बच्चे को चुनें, जिसे दी गई वस्तुओं को समूह में से बच्चों में बराबर बाँटना होगा।

शिक्षक के लिए बिंदु : समूह में बराबर बाँटी जा सकने वाली वस्तुएं ही दी जाएँ।

समझाएँ : बराबर बाँटने के लिए प्रत्येक बच्चे को एक–एक वस्तु देना चाहिए। बची हुई वस्तुओं को फिर एक–एक करके बाँटना चाहिए। इस प्रक्रिया को तब तक करें जब तक कि वस्तुएँ बँट नहीं जाती हैं।

- अब शिक्षक मेज पर कुछ कंकड़ रखें। चार बच्चों को आगे बुलाएँ। किसी एक बच्चे को इन कंकड़ों को बाकी के तीन बच्चों में बराबर बाँटने को कहें।

पूछें: क्या सभी को बराबर कंकड़ मिले हैं?
गतिविधि को कई बार दोहराएँ, जिससे सभी बच्चों को मौका मिले।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

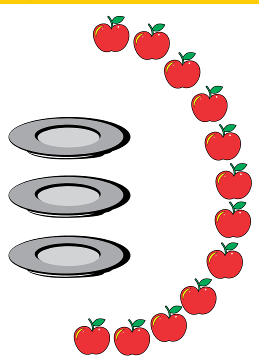

- शिक्षक श्यामपट्ट पर बारह सेब और तीन प्लेटों का चित्र बनाएँ।

क्या सारे सेब प्लेट में बंट गए? प्रत्येक प्लेट में बराबर सेब हैं?

कोई सेब बच गया, जिसे नहीं बाँटा गया?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–03|3 कराएँ–पृष्ठ 29

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–03|3 कराएँ–पृष्ठ 50

सप्ताह 03

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

लम्बाई-मोटाई-ऊँचाई की समझ बना सकें।

संसाधन

विभिन्न लम्बाई, मोटाई और ऊँचाई की परिवेशीय वस्तुएँ (जैसे डंडे, चॉक आदि)

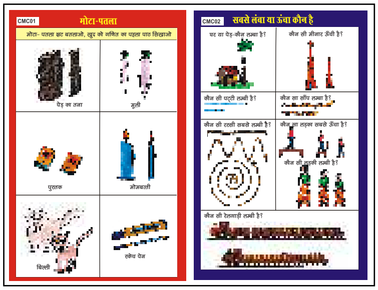

- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में बांट दें।
- बच्चों से पूछें – आपमें सबसे लम्बा साथी कौन है। बच्चों द्वारा बताया नाम श्यामपट्ट पर लिखें।
- उसके बाद, सभी समूह में विभिन्न लम्बाई, मोटाई एवं ऊँचाई की परिवेशीय वस्तुएँ दें। जैसे – (डंडे, लकड़ी के गुटके, चॉक आदि)।
- यह प्रक्रिया मोटाई और ऊँचाई के लिए भी दोहराएँ। अर्थात् आप बच्चों को मोटाई के अनुसार चीजें अलग करने के लिए कहें और फिर ऊँचाई के अनुसार चीजों को अलग करने के लिए कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- ''मोटा–पतला'' चार्ट में कौन मोमबत्ती मोटी है? कौन सी स्केच पेन पतली दिख रही है?
- ''सबसे लम्बा या ऊँचा'' चार्ट में कौन सी मीनार ऊँची है? कौन सी रेलगाड़ी लम्बी है?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

आकार और वजन की समझ बना सकें।

संसाधन

विभिन्न आकार एवं वजन की परिवेशीय वस्तुएँ, गणित किट।

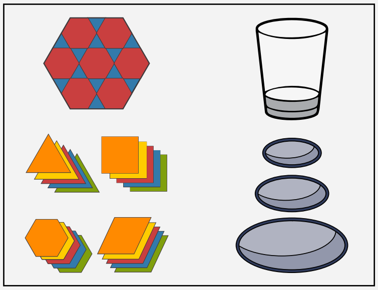

- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में बांट दें। बच्चों से गणित किट में उपलब्ध त्रिभुज, वर्ग, आयत आदि को दिखाएँ। बच्चों को समूह में आकृतियाँ देकर उनका नाम पूछें।
- दो गिलास में अलग–अलग मात्रा में बालू/मिट्टी भरकर, बच्चों से पूछें कि किसका वजन ज्यादा है? शिक्षक सभी समूह में बच्चों द्वारा दी गई जानकारी को श्यामपट्ट पर अंकित करें। बच्चों से पूछें कि उन्होंने कैसे जाना कि किसका वजन ज्यादा है। कारण भी श्यामपट्ट पर लिखें। इसी प्रकार, अलग–अलग चीजों में मिट्टी या पत्थर डालकर वजन की तुलना करवाएं।
- सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें। अधिक से अधिक वस्तुओं का उपयोग करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- आपके घर की कौन–सी वस्तु सबसे भारी लगती है?
- आपके घर की कौन–सी वस्तु आकार में सबसे छोटी लगती है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

बँटवारा करने की समझ बना सकें।

संसाधन

गिनी जा सकने वाली विभिन्न वस्तुएँ जैसे अनाज के दाने/कंकड़ आदि।

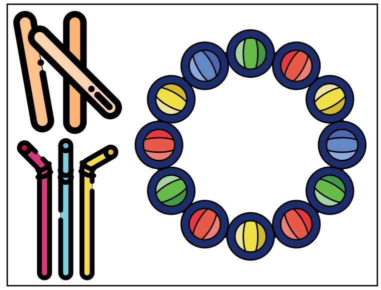

- कक्षा के बच्चों को 5–5 के समूह में विभाजित करें। प्रत्येक समूह में विभिन्न सामग्री दें।
- सामग्री को क्रमांक दो में, तीन में बाँटने को कहें।
- ध्यान रखें बँटवारे की प्रक्रिया में सभी बच्चे सहभागिता कर रहे हों।
- प्रत्येक समूह के बच्चों से पूछें कि आपको हिस्से में कितना मिला।
- बंटवारा करने वाले बच्चों से बँटवारा करने की प्रक्रिया पूछें। पूछें कि आपने कैसे बाँटा।
- ध्यान रखें बँटवारा हेतु प्रयुक्त सामग्री ऐसी न हो, जिसे बच्चे खा सकते हों। लकड़ी की वस्तुएँ, खेलने की वस्तुएँ, रसोईं की वस्तुओं का अधिक प्रयोग करें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- बोर्ड पर चार लड्डू के चित्र बने हैं। क्या आप लड्डुओं को दो लोगों में बाँट सकते हैं?

सप्ताह 04

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ–कंकड़, पत्ती, कटोरी, चम्मच आदि।

नये शब्द : एक से एक को मिलाओ व समूह बनाओ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : संख्या पूर्व ज्ञान व अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

सामान्य भूल : बच्चे गिनती का क्रम तो आगे बढ़ा देते हैं पर उसकी मात्रा के बराबर वस्तु नहीं जोड़ पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

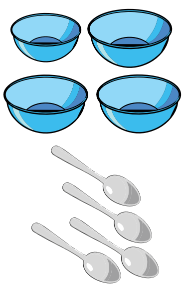

- टेबल पर कुछ कटोरी और चम्मच रखें।
- **पूछें** : क्या तुम एक कटोरी में एक चम्मच रख सकते हो?
- उन्हें एक–दूसरे के साथ साझा करने के लिए कहें। 2–3 बच्चों से उत्तर लें।
- प्रक्रिया को एक और उदाहरण के साथ दोहराएँ। श्यामपट्ट पर यह चित्र बनाएँ।
- **पूछें** : क्या तुम एक पत्ते के साथ एक कंकड़ को मिला सकते हो?
- **समझाएँ**– बच्चों को बतायें कि ऐसी अलग–अलग चीजों में एक के साथ दूसरे को मिलाया जा सकता है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को दो–दो के समूह में बाँट दें और हर एक समूह को एक पैकेट में कुछ कंकड़ दें।
- **समझाएँ**– समूह का एक बच्चा पैकेट से एक–एक करके कंकड़ निकालेगा और प्रत्येक कंकड़ के लिए कॉपी में एक निशान लगाएगा। जब सारे कंकड़ पैकेट से निकल जाएंगे तब दूसरा बच्चा एक–एक करके कंकड़ को फिर से पैकेट के अन्दर रखेगा। अन्दर रखते हुए प्रत्येक कंकड़ के लिए वह पहले बच्चे के लगाए हुए निशान में से एक को काटेगा

शिक्षक के लिए बिंदु : ध्यान रखें कि विद्यार्थी बिना कॉपी में निशान लगाए कंकड़ को पैकेट के अन्दर न डाले।

- **पूछें** : क्या दूसरे बच्चे ने पहले बच्चे के द्वारा लगाए हुए सारे निशान को काट पाया है?
- **समझाएँ**–जितने कंकड़ पैकेट से निकाले गए थे उतने ही अन्दर डाले गए हैं इसलिए आप सारे निशान काट पाए हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

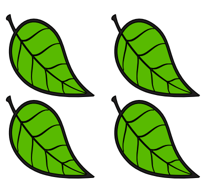

- श्यामपट्ट पर चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को एक फूल के साथ एक पत्ते का मिलान करने के लिए कहें।
- क्या कोई फूल या पत्ता बच गया जिसका मिलान नहीं किया गया है?
- आपको क्या लगता है? क्यों मिलान नहीं किया जा सका?
- फूल और पत्ते में कौन ज्यादा है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–04|1 कराएँ–पृष्ठ 34

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–04|1 कराएँ–पृष्ठ 54

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।

संसाधन : कंकड़, पत्ती, कटोरी, चम्मच आदि।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : संख्या पूर्व ज्ञान व अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना।

नये शब्द : गिनकर बताओ, लेकर आओ।

सामान्य भूल : बच्चे गिनती तो क्रम में बोल जाते हैं, पर वस्तुएँ माँगने पर संख्या के बराबर वस्तु लाने में गड़बड़ कर देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

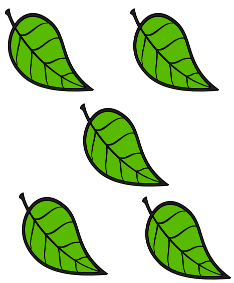

- टेबल पर कुछ कंकड़ रखें।
- **पूछें** : क्या तुम इन कंकड़ों में से तीन कंकड़ उठा सकते हो?
- 2–3 बच्चों से उत्तर लें।
- बच्चे नहीं गिन पाएं तो शिक्षक गिनकर दिखाएँ।
- प्रक्रिया को एक या दो उदाहरण के साथ दोहराएँ।
- श्यामपट्ट पर पत्तियों के चित्र बनाएँ।
- **पूछें** : क्या तुम चार पत्तों पर गोला लगा सकते हो?
- कुछ बच्चों को श्यामपट्ट पर बुलाकर गोला लगाने को कहें।
- जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें और समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक टेबल पर कुछ कंकड़ रखें और गिनें : एक कंकड़, दो कंकड़, तीन कंकड़, चार कंकड़। बच्चों को बोलें "ये हुए चार कंकड़"।
- **समझाएं**– आप पाँच कोई भी वस्तुएं जैसे कंकड़, पत्ते, लकड़ी के टुकड़े लायें।
- **पूछें**– आप कितनी वस्तुएँ लाए हैं? क्या आपको लगता है कि आप सही संख्या में वस्तुएँ लाए हो?
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : बच्चों को कक्षा के अन्दर या कक्षा के बहार से कोई भी वस्तु लाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- श्यामपट्ट पर 3 फूलों के चित्र बनाएँ। चित्रों को धीरे–धीरे बोलते हुए गिने– एक चित्र, दो चित्र, तीन चित्र बताएँ "ये हुए तीन चित्र"

  अब कुछ और चित्र बनाकर पूछें –
- **पूछें**–कितने चित्र बने हैं?

  ऐसे और भी सवालों के साथ चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

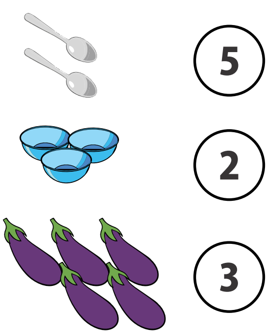

- श्यामपट्ट पर चित्र बनाएं और बच्चों को मिलान करने के लिए कहें।
- चम्मच के चित्र को 2 से क्यों मिलाएँ?
- कटोरी के चित्र को 3 से क्यों मिलाएँ?
- बैगन के चित्र को 5 से क्यों मिलाएँ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–04|2 कराएँ–पृष्ठ 35

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–04|2 कराएँ–पृष्ठ 54

सप्ताह 04

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं के प्रतीकों की समझ और लिख सकें।

संसाधन : संख्या डॉट कार्ड, आइस्क्रीम स्टिक।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : संख्या पूर्व ज्ञान व अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानना। एक से पाँच तक की मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : गिनकर बताओ, लेकर आओ।

सामान्य भूल : संख्या के सही प्रतीक को लिख नहीं पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

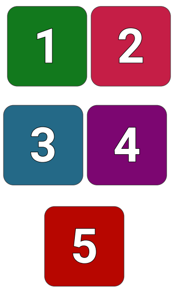

- टेबल पर 1 से 5 तक की संख्या कार्ड रखें।
- एक संख्या कार्ड उठाकर बच्चों को दिखाएँ।
- **पूछें**: क्या तुम कार्ड पर लिखी संख्या के बराबर ताली बजा सकते हो?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु**: अगर बच्चे सही संख्या में ताली नहीं बजाते हैं तो शिक्षक धीरे–धीरे एक–एक कर संख्या के बराबर ताली बजा कर दिखाएँ। साथ ही संख्या नाम को बार–बार दोहराते रहें। बच्चों को अंत में पांचों संख्या कार्ड दिखाकर उनके संख्या नाम को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

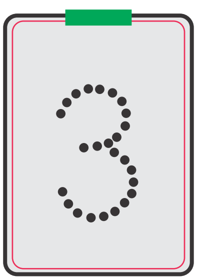

- शिक्षक श्यामपट्ट पर बिंदुओं से तीन लिखें।
- **समझाएँ**: दिए गए बिन्दुओं को एक साथ जोड़ कर संख्या तीन लिखा जा सकता है।
  बिन्दु को जोड़ कर दिखाएं। फिर कोई और संख्या को बिंदु में श्यामपट्ट पर बनाएँ।
- **पूछें**: कौन बिन्दु को जोड़कर संख्या लिख सकता है?
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : आप श्यामपट्ट पर एक से ज्यादा संख्या के बिन्दु बना सकते हैं जिससे कि एक साथ 3–4 बच्चे श्यामपट्ट पर काम कर सकते हैं।
- **समझाएँ**– अब मैं जितनी तालियाँ बजाऊँ आपको वही संख्या कॉपी में लिखना है। शिक्षक चार तालियाँ बजाएँ और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।
- **पूछें** : मैंने कितनी तालियाँ बजायीं? क्या आप संख्या लिख पाए हैं?
  ऐसे 1 से 5 तक सभी संख्याओं का अभ्यास कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

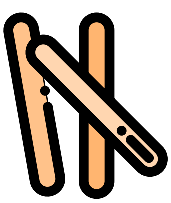

- बच्चों को आइस्क्रीम स्टिक दिखाएँ और वही संख्या को कॉपी में लिखने को कहें।
- बच्चों को लिखने में मदद करें।
- मेरे हाथ में कितनी आइस्क्रीम स्टिक हैं?
- क्या कॉपी उठाकर दिखा सकते हो कि आपने कौन सी संख्या लिखी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–04|3 कराएँ–पृष्ठ 36

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–04|3 कराएँ–पृष्ठ 54

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।

संसाधन

पत्थर और पत्ते, बिंदी वाला बड़ा पासा।

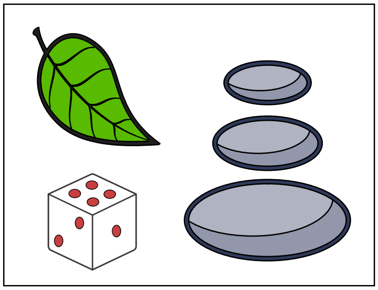

- बच्चों के साथ गोल घेरे में बेठें।
- बच्चों को एक पत्थर और एक पत्ते का समूह दिखाएँ। बच्चों से पूछें कि कौन से समूह में चीजें ज्यादा हैं– पत्थर ज्यादा हैं या पत्ते।
- बच्चों को बताएँ कि वह एक पत्थर को एक पत्ते से मिलाकर रख सकते हैं और फिर पता कर सकते हैं कि कौन से समूह में ज्यादा चीजें हैं। बच्चों को एक पत्थर के साथ एक पत्ता रखने का मौका दें।
- उसके बाद बच्चों को बिंदियों वाला एक पासा दिखाएँ। बच्चों से कहें कि जितनी बिंदी पासे के ऊपर आएँगी, उतने पत्थर उन्हें उठाने हैं। ऐसा करने के लिए बच्चे एक–एक पत्थर को पासे की एक–एक बिंदी से मिलायेंगे।
- बच्चों को बारी–बारी बुलाकर यह गतिविधि करवाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

तुम यह कैसे कह सकते हो कि जितनी बिन्दिया पासे के ऊपर हैं उतने ही पत्थर उठाये हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, कंकड़।

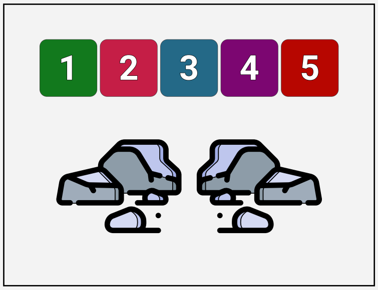

- बच्चों को दो समूह में बांट कर उन्हें बोलिए कि एक खेल खेलेंगे। इस खेल में दोनों समूह को नंबर मिलेंगे। अंत में देखेंगे कि कौन–से समूह को कितने नंबर मिले।
- **समझाइए** : एक समूह से कोई एक बच्चा आगे आयेगा। अब वह हवा में एक संख्या लिखेगा। संख्या को बड़े आकार में लिखना होगा कि बाकी बच्चे समझ पाएं। दूसरे समूह को बोलना होगा कि बच्चे ने कौन–सी संख्या लिखी है। हर सही जवाब के लिए एक नंबर मिलेगा।
- अब समूह में खेल को शुरू करिए। दोनों समूह को कितने नंबर मिल रहे हैं यह लिखकर रखिये।
- बच्चे संख्या के समान कंकड़ और संख्या कार्ड भी दिखाएँ।
- शिक्षक हवा में बने अंक को पहचानने में बच्चों का सहयोग करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

क्या हवा में बनाये अंक और संख्या कार्ड की संख्या समान हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-5 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन

ब्लॉक और पर्ची।

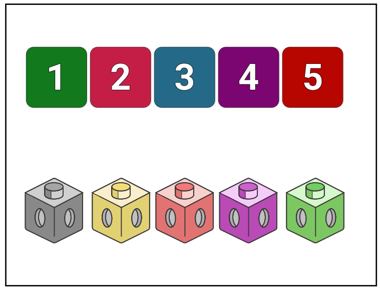

- शिक्षक 5–5 के समूह में बच्चों को बाँट दें। सभी बच्चों को एक –एक पर्ची दें और बच्चों के बीच में ब्लॉक को रख दें।
- सभी बच्चे अपनी –अपनी पर्ची पर 1 से 5 तक कोई भी संख्या लिख लेंगे। शिक्षक बच्चों के समूह को कक्षा की एक दीवार के पास एक पंक्ति में खड़ा कर दें। दूसरे समूह को पहले समूह के सामने वाली दीवार के पास खड़ा कर दें।
- दोनों समूह के बीच में ब्लॉक रखे हुए हैं। शिक्षक 1 से पाँच तक कोई भी संख्या बोलें, दोनों समूह से उस अंक की पर्ची वाला बच्चा दौड़कर शिक्षक के पास आए और अपनी पर्ची जमा करे।
- पर्ची जमा करने के बाद पर्ची की संख्या के बराबर ब्लॉक को उठाकर अपनी पंक्ति में खड़ा हो जाना है।
- सभी अंक बोल लेने के बाद शिक्षक देखें कि किस समूह में कितने ब्लॉक हैं। सभी बच्चे अपने –अपने ब्लॉक शिक्षक को दिखाएँगे।

बच्चों के लिए प्रश्न:

दोनों समूहों ने कौन–सी संख्या पर्ची जमा किया है?

सप्ताह 04 समेकन गतिविधि

40 मिनट

- एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।
- 1-5 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें।
- 1-5 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन : ब्लॉक्स, पासा।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

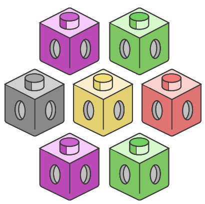

- टेबल पर कुछ ब्लॉक रखें।
- **समझाएँ**–टेबल पर कुछ ब्लॉक्स हैं। अब मैं कुछ ब्लॉक उठाकर दिखाएँ। ब्लॉक की संख्या आप सबको एक साथ बोलना है।
- समझाते हुए एक उदाहरण करके दिखाएं। दो ब्लॉक उठाकर जोर से बोले 2। इससे बच्चे समझ पाएंगे कि उन्हें क्या करना है।
- अब अलग–अलग संख्या के ब्लॉक उठायें और बच्चों से उत्तर लें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले रहा हो। अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे अलग से उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें। शिक्षक ब्लॉक्स के दो समूह बनाकर पूछें कि बिना गिने बताएँ कि किस समूह में ज्यादा ब्लॉक्स हैं?

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

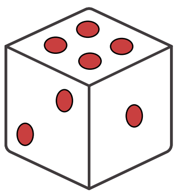

- टेबल पर एक पासा रखें।
- **समझाएं**–टेबल पर एक पासा रखा हुआ है। कोई एक बच्चे को बुलाएं जो आकर इस पासे को उछालेगा। बाकी बच्चे अंदाज़ा लगायेंगे कि उस पासे में कौन सी संख्या आई। फिर जिसने पासा उछाला था वह पासे को देख कर बताएगा कि कौन सी संख्या है।
- समझाते हुए उदाहरण के लिए आप एक बार पासा उछालिये और बच्चों को अंदाज़ा लगाने को बोलिए। फिर आप पासा देख कर संख्या बताइए जैसे "पासे में आया है 4"।
- अब बच्चों को एक–एक करके बुलायें और गतिविधि आगे बढ़ाने दीजिये।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले रहा हो। अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे सामने आकर पासा उछालने के लिए प्रोत्साहित करें।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

A

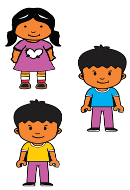

B

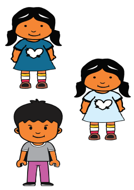

- कक्षा के पूरे बच्चों को दो समूह में बाँट दें।
- एक समूह का नाम **A** दें। और दूसरे को **B**। श्यामपट्ट पर दोनों समूह के नाम लिख दें।
- **समझाएँ**–दोनों समूह मिलकर अभी एक खेल खेलेंगे। पहले समूह **A** से एक बच्चा समूह **B** के पास जायेगा। समूह **B** उसके कान में एक संख्या बोलेगा। अब उस बच्चे को बिना कुछ बोले अपने समूह को समझाना है कि कौन सी संख्या बताया है। आप कोई भी तरीका अपना सकते हो जैसे– लिखना या कोई वस्तु दिखाना लेकिन मुँह से कुछ बोलना मना है।
- अब समूह **A** से एक बच्चे को समूह **B** में भेजिये और गतिविधि शुरू कीजिये।
- अगर वो बच्चा अपने समूह को सही संख्या समझा पाए तो श्यामपट्ट में समूह **A** के आगे 1 प्वाइंट लिख दीजिये।

सप्ताह 04

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- एक-एक की संगति व समूह की समझ बना सकें।
- 1-5 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।
- 1 से 5 तक की संख्याओं की प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन : डोमिनो

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

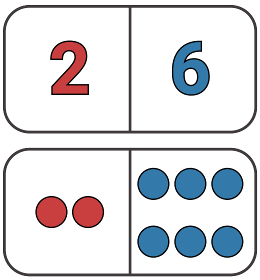

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को दो–दो के समूह में बाँट दीजिये।
- हर एक समूह को कुछ डोमिनो संख्या कार्ड दीजिये।

☞ **समझाएँ** : आपके पास कुछ डोमिनो कार्ड हैं। आपको उसके बिंदु वाले साइड से एक कड़ी बनानी है। कड़ी बनाने के लिए पहला बच्चा एक कार्ड रखेगा। दूसरे बच्चे को भी उतने ही बिंदु वाले दूसरे कार्ड को रखना होगा। फिर पहला बच्चा दूसरा कोई कार्ड रखेगा और इसी तरह से कड़ी आगे बढ़ती जाएगी।

- समझाते हुए डोमिनो कार्ड से आप एक उदाहरण करके दिखाइए।
- अब बच्चों को अपने समूह में कार्य करने को कहें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** हर समूह में जाकर देखें कि बच्चे सही प्रक्रिया से कड़ी बना रहे हैं या नहीं। बच्चों को उपयुक्त समय दीजिये कार्य को पूर्ण करने के लिए।

(?) आप कैसे समझोगे कि बनी हुई कड़ी सही है?

(?) इस कार्ड पर कितने बिन्दु हैं? कार्ड में जितने बिन्दु हैं उस संख्या को कॉपी में लिख कर दिखाइए।

(?) बनी हुई कड़ी में कौन से कार्ड में सबसे ज्यादा बिंदु हैं?

(?) बनी हुई कड़ी में कौन से कार्ड में सबसे कम बिंदु हैं?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

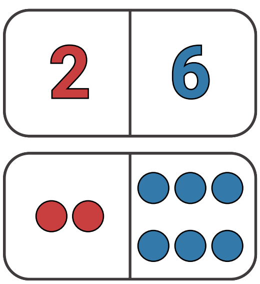

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को दो–दो के समूह में बाँट दीजिये।
- हर एक समूह को कॉपी और पेंसिल निकालकर रखने बोलिए।
- **समझाएँ** : आपने थोड़ी देर पहले जो कड़ी डोमिनो संख्या कार्ड से बनायी अब वैसी ही कड़ी कॉपी में लिखकर बनाना होगा। कड़ी बनाने के लिए पहला बच्चा एक संख्या लिखेगा। दूसरे बच्चे को भी वही संख्या लिखनी होगी। फिर पहला बच्चा कोई संख्या लिखेगा। इसी तरह से कड़ी बनती जाएगी।
- समझाते हुए उदाहरण के लिए श्यामपट्ट पर एक कड़ी बनाकर दिखाइए।
- अब बच्चों को अपने समूह में कार्य करने को कहें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु:** हर समूह में जाकर देखें कि बच्चे सही प्रक्रिया से कड़ी बना रहे हैं या नहीं। बच्चों को उपयुक्त समय दीजिये कार्य को पूर्ण करने के लिए। प्रक्रिया 2 को करने के दौरान पूछे जाने वाले सवाल–

(?) आप कैसे समझोगे कि बनी हुई कड़ी सही है?

(?) ये कौन सी संख्या लिखी है आपने? कार्ड में जो संख्या लिखी है उतनी बार ताली बजा कर दिखाइए।

(?) बनी हुई कड़ी में कौन सी संख्या सबसे ज्यादा है?

(?) बनी हुई कड़ी में कौन सी संख्या सबसे कम है?

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ– कंकड़, पत्ती आदि।

नये शब्द : गिन कर बताओ, लेकर जाओ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चों को 1 से 5 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ हो।

सामान्य भूल : बच्चे गिनती तो क्रम में बोल जाते हैं पर वस्तुएँ माँगने पर संख्या के बराबर वस्तु लाने में गड़बड़ कर देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

- टेबल पर कुछ कंकड़ रखें।
- **पूछें**: क्या तुम इन कंकड़ों में से सात कंकड उठा सकते हो?
- 2–3 बच्चों से उत्तर लें। बच्चे नहीं गिन पाएँ तो शिक्षक गिनकर दिखाएँ।
- प्रक्रिया को दो या तीन उदाहरण के साथ दोहराएँ।

☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु** : संख्या 6 से 9 के बीच ही हो।

शिक्षक श्यामपट्ट पर यह चित्र बनायें।

- **पूछें**: क्या तुम इनमें से आठ पत्ते को गोला लगा सकते हो?
- ऐसे और प्रश्नों पर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

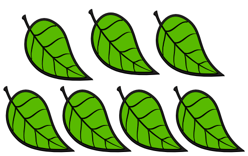

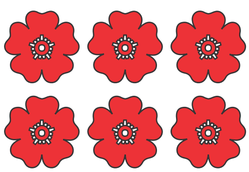

- शिक्षक टेबल पर कुछ कंकड़ रखें और गिनें : एक कंकड़, दो कंकड़, तीन कंकड़.....नौ कंकड़। बच्चों को बोलें "ये हुए नौ कंकड़"।
- **समझाएँ**– आप कोई भी सात वस्तुएं जैसे कंकड़, पत्ते, लकड़ी के टुकड़े लायें।
- **पूछें** : आप कितनी वस्तुएँ लाए हैं? क्या आपको लगता है कि आप सही संख्या में वस्तुएँ लाए हो?

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : बच्चों को कक्षा के अन्दर या कक्षा के बहार से कोई भी वस्तु लाने के लिए प्रोत्साहित करें।

- श्यामपट्ट पर 6 फूलों के चित्र बनाएँ। चित्रों को धीरे–धीरे बोलते हुए गिनें और बताएं "ये हुए छह चित्र"
  अब कुछ और चित्र बनाकर पूछें –
- **पूछें** : कितने चित्र बने हैं?
  ऐसे और भी सवालों के साथ चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

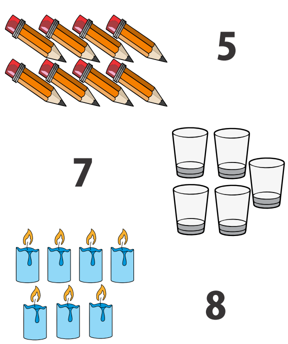

- श्यामपट्ट पर चित्र बनाएँ और बच्चों को मिलान करने के लिए कहें।
- गिलास के चित्र को 5 से क्यों मिलाएँ?
- बच्चों को पूछें कि उन्होंने पेंसिल के चित्र को 8 से क्यों मिलाएँ?
- बच्चों को पूछें कि उन्होंने मोमबत्ती के चित्र को 7 से क्यों मिलाएँ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|1 कराएँ–पृष्ठ 41

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|1 कराएँ–पृष्ठ 60

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन : संख्या डॉट कार्ड , आइस्क्रीम स्टिक।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक संख्याओं की मात्रात्मक समझ (ठोस वस्तु और चित्र के साथ)।

नये शब्द : गिन कर बताओ, लेकर आओ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या के सही प्रतीक को लिख नहीं पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- टेबल पर एक से नौ तक की संख्या कार्ड रखें और एक संख्या कार्ड उठाकर दिखाएँ।

पूछें : क्या तुम उतनी ही ताली बजा सकते हो जितनी संख्या कार्ड पर लिखी हुई है?

शिक्षक के लिए बिन्दु: अगर बच्चे सही संख्या में ताली नहीं बजाते हैं तो शिक्षक धीरे–धीरे एक–एक संख्या के बराबर ताली बजा कर दिखाएँ।

पूछें: क्या तुम उतनी ही अँगुली दिखा सकते हो जितनी संख्या कार्ड पर लिखी हुई है?

- अंत में एक से नौ तक के सारे संख्या कार्ड दिखाकर संख्या नाम को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

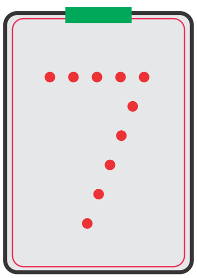

- शिक्षक श्यामपट्ट पर बिंदुओं से सात लिखें।
- **समझाएँ :** दिए गए बिंदु को एक साथ जोड़ कर संख्या सात लिखा जा सकता है।

डॉट को जोड़ कर दिखाएँ। फिर कोई और संख्या का डॉट श्यामपट्ट पर बनाएँ।

पूछें: कौन बिंदु को जोड़कर संख्या लिख सकता है?

शिक्षक के लिए बिंदु : आप श्यामपट्ट पर एक से ज्यादा संख्या के बिंदु बना सकते हैं जिससे कि एक साथ 3–4 बच्चे श्यामपट्ट पर कार्य कर सकें।

- **समझाएँ :** अब मैं तालियाँ बजाऊँ आपको वही संख्या कॉपी में लिखना है। शिक्षक सात तालियाँ बजाएं और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

पूछें : मैंने कितनी तालियाँ बजायी? क्या आप संख्या लिख पाए हैं?

ऐसे 6 से 9 तक सभी संख्याओं का अभ्यास कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

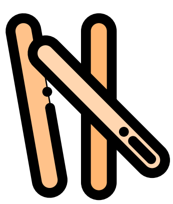

- बच्चों को आइस्क्रीम स्टिक दिखाएँ और वही संख्या को कॉपी में लिखने को कहें।

मेरे हाथ में कितनी आइस्क्रीम स्टिकें हैं?

क्या आप कॉपी दिखा सकते हो कि आपने कौन सी संख्या लिखी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|2 कराएँ–पृष्ठ 42

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|2 कराएँ–पृष्ठ 60

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं का मान और क्रमांक की समझ में अंतर कर सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ।

नये शब्द : गिनो, आखरी नाम।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चों को गिनना आता हो तथा एक से नौ तक की संख्याओं का मात्रात्मक समझ हो।

सामान्य भूल : गिनते समय दूसरे को दो व पाँचवें को पांच समझ लेते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

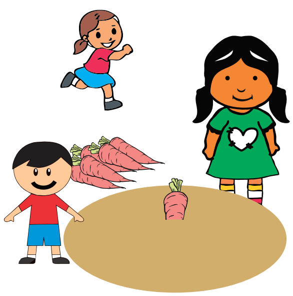

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत नीचे लिखी कहानी से करें।
- एक बुढ़िया ने बाग में गाजर का दाना बोया। एक दिन बूढ़े को गाजर का हलवा खाने का मन हुआ। बुढ़िया बोली जाओ बाग से गाजर ले आओ। बूढा बाग में गाजर का पौधा पकड़ कर खूब जोर लगाया। पर गाजर जमीन से बाहर नहीं आया। बूढ़े ने बुढ़िया को बुलाया। अब दोनों मिल कर जोर लगाया फिर भी गाजर जमीन से बाहर नहीं आया। तब बुढ़िया ने अपनी पोती को बुलाया और तीनों मिल कर जोर लगाया। अब गाजर निकल आया।

पूछें: सबसे पहले गाजर निकालने बगीचे में कौन आया? पंक्ति में दूसरे स्थान पर कौन गाजर निकालने में मदद कर रहा है?

- बच्चे अपनी बारी आने पर जवाब देंगे।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

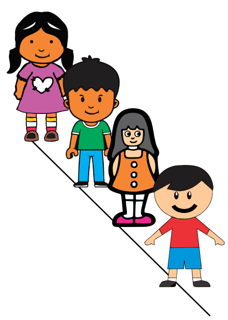

- शिक्षक कक्षा में चॉक से एक सीधी रेखा बनाएं और नौ बच्चों को बुलाकर रेखा पर खड़े होने को कहें। पंक्ति की शुरुआत कहाँ से है उसे निर्धारित करें।

पूछें: पंक्ति में सबसे पहले कौन खड़ा है? चौथे बच्चे के आगे कितने लड़के खड़े हैं? पंक्ति के पीछे से अगर तीसरे लड़के को बैठने को कहा जाए तो कौन–कौन बैठेगा?

शिक्षक के लिए बिन्दु : सभी प्रश्नों का उत्तर समझाते हुए संख्या की मात्रात्मक समझ और क्रमांक की समझ को स्पष्ट करें। अब शिक्षक टेबल पर एक लाइन में कुछ कंकड़ रखें।

पूछें: क्या तुम लाइन पर रखे तीसरे कंकड़ को उठा सकते हो? क्या तुम लाइन पर रखे पहले तीन कंकड़ मुझे दे सकते हो? ऐसे कुछ और सवालों पर चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

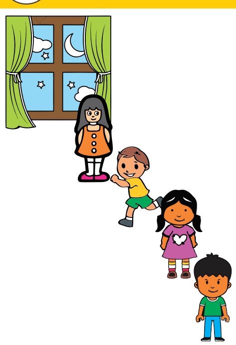

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक टिकट काउंटर बनाएं। काउंटर के सामने कुछ लड़के और लड़कियों का चित्र बनाएँ। साथ ही बच्चों के नाम भी लिख दें।

चित्र में कितने बच्चे टिकट लेने के लिए खड़े हैं?

काउंटर से दूसरे स्थान पर कौन खड़ा है?

काउंटर से जो तीसरे स्थान पर खड़े हैं उसके पीछे कितने बच्चे खड़े हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|3 कराएँ–पृष्ठ 43

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|3 कराएँ–पृष्ठ 60

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, कंकड़।

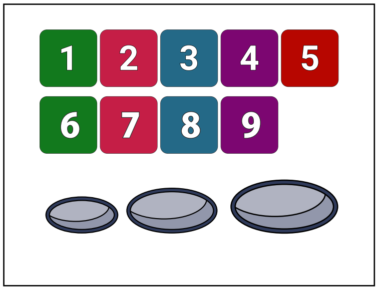

- बच्चों को दो समूह में बाँट कर उन्हें बोलिए कि एक खेल खेलेंगे। इस खेल में दोनों समूहों को नंबर मिलेंगे। अंत में देखेंगे कि कौन से समूह को कितने नंबर मिले।
- समझाइए – एक समूह से कोई एक बच्चा आगे आयेगा। अब वह हवा में एक संख्या लिखेगा। संख्या को बड़े आकार में लिखना होगा कि बाकी बच्चे समझ पाएँ। दूसरे समूह को बोलना होगा कि बच्चे ने कौन सी संख्या लिखी है। हर सही जवाब के लिए एक नंबर मिलेगा।
- अब समूह में खेल को शुरू करिए। दोनों समूह को कितने नंबर मिल रहे हैं यह लिखकर रखिये।
- बच्चे संख्या के समान कंकड़ और संख्या कार्ड भी दिखाएँ।
- शिक्षक हवा में बने अंक को पहचानने में बच्चों का सहयोग करें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- क्या हवा में बनाये अंक और संख्या कार्ड की संख्या समान हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन

अवधारणा बोर्ड।

- कक्षा के बच्चों को चार या पाँच समूह में सुविधा अनुसार बाँटें।
- शिक्षक बच्चों को अवधारणा बोर्ड पर दिए गए अंकों की वस्तुओं को रखने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों को अंक बोल कर बताएंगे और वस्तुओं को निर्धारित जगह रखने में मदद करेंगे।
- सभी समूह के बच्चों से उक्त कार्य को करने के लिए कहें एवं आपस में चर्चा करें।
- अन्य परिवेशीय वस्तुओं के साथ उक्त प्रक्रिया कराएं।
- बच्चे बोले गये अंक को लिखकर भी दिखाएँ।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।
- सभी बच्चों की सहभागिता हो।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- क्या तुम अवधारणा बोर्ड में संख्या आठ को पहचान सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के मान और क्रमांक की समझ में अन्तर कर सकें।

संसाधन

श्यामपट्ट।

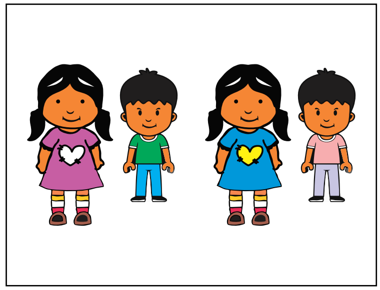

- कक्षा के सभी बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँट दें।
- अपने समूह के बच्चों की संख्या गिनने को कहें।
- फिर उन्हें एक कतार में खड़े होने को कहें।
- पूछें अमुक बच्चा किस क्रम पर आता है।
- श्यामपट्ट पर विभिन्न संख्या में स्टार बना कर और गिनने को कहें संख्या नोट करें।
- पूछें– कहाँ से गिनना प्रारंभ किया और क्यों?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर बने स्टार को एक निश्चित स्तर से गिनने को कहें, सभी समूहों से गिनने को कहें।
- पूछें– पहले गिनना आसान था या बाद में, क्यों भूल किसमें ज्यादा हो सकती थी?
- सभी की सहभागिता हो।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- अपनी कापी में कोई चार चीजें बनाकर तीसरी चीज पर घेरा लगा सकते हो?
- सात गोले बनाकर पाँचवें गोले पर टिक का निशान बना सकते हो?

सप्ताह 06

शिक्षण योजना 01

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से नौ तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : संख्याओं का क्रम।

सामान्य भूल : बच्चे आगे की संख्या तो बोल पाते हैं लेकिन पीछे की संख्या नहीं बोल पाते।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

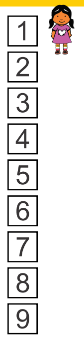

- शिक्षक फर्श पर संख्या रेखा (1–9) बनाएं।
- एक बच्चे को संख्या "1" से शुरू करके संख्या रेखा पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? आगे कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा?
- पीछे कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- जब बच्चा संख्या "9" पर पहुँच जाए, तो उसे पीछे एक–एक कूद लगाते हुए संख्या "1" पर वापस आने को कहें।
- इस प्रक्रिया को अन्य बच्चों के साथ दोहराएं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक एक से नौ तक की संख्या कार्ड रखें और बच्चों को बारी–बारी से बुलाकर संख्या कार्ड को एक से नौ तक क्रम में रखने को कहें।
- **पूछें:** (कार्ड दिखाते हुए) यह कौन सी संख्या है? इसके बाद तुम कौन सी संख्या का कार्ड रखोगे?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।
- अब शिक्षक कोई भी एक संख्या कार्ड निकाल कर टेबल पर रखें और दो बच्चों को एक साथ बुलाएँ। दोनों बच्चों से अलग–अलग सवाल पूछें।
- **पूछें :** कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या क्या है? कार्ड पर लिखी संख्या के बाद वाली संख्या क्या है?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** यह करके दिखाएँ कि एक कंकड़ जोड़ कर आगे की संख्या और एक कंकड़ कम कर पीछे की संख्या पता कर सकते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- श्यामपट्ट पर दी गई संख्याएँ लिखें।
- क्या यह संख्याएँ क्रम में हैं?
- क्रम में सजायें तो आठ के पहले कौन की संख्या आएगी।
- छह के बाद कौन की संख्या आएगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|1 कराएँ–पृष्ठ 48

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|1 कराएँ–पृष्ठ 64

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

शून्य की अवधारणा को समझ सकें।

संसाधन : आइस्क्रीम स्टिक।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना।

नये शब्द : एक भी नहीं, शून्य।

सामान्य भूल : बच्चे कुछ भी नहीं को शून्य समझ लेते हैं, इसे स्पष्ट करें कि शून्य माने एक भी नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

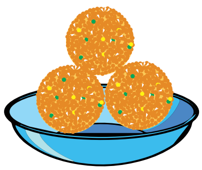

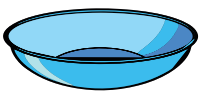

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत एक कहानी से करें।
- "तीन लड्डू की एक टोकरी लेकर अजय घर की तरफ जा रहा था। (शिक्षक श्यामपट्ट पर 3 लिखेंगे) अचानक टोकरी हिली और टोकरी से एक लड्डू गिर गया।"
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- अब अजय जैसे ही थोड़ा तेज चलने लगा, टोकरी से फिर एक लड्डू गिर गया।
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- इस बार फिर से टोकरी हिली और एक लड्डू नीचे गिर गया।
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- **समझाएं** – अब टोकरी में एक भी लड्डू नहीं बचा। इस को बोलते है शून्य। (शिक्षक श्यामपट्ट पर 0 लिखें)

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

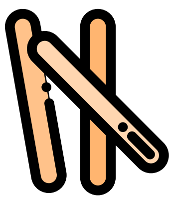

- शिक्षक मेज पर चार आइस्क्रीम स्टिक रखेंगे। श्यामपट्ट पर चार आइस्क्रीम का चित्र बनाएँगे।
- **पूछें** : मेज पर कितनी आइस्क्रीम रखी हुई हैं?
- वह संख्या अपनी कॉपी में लिखकर दिखाइए।
- एक आइस्क्रीम स्टिक मेज से हटा लीजिए और श्यामपट्ट से भी एक आइस्क्रीम स्टिक का चित्र मिटा दें।
- **पूछें** : मेज पर कितनी आइस्क्रीम रखी हुई हैं?
- वह संख्या अपनी कॉपी में लिखकर दिखाइए।
- इस तरह से मेज से अंतिम आइस्क्रीम स्टिक भी हटा दें।
- **पूछें** : अब मेज पर कितनी आइस्क्रीम रखी हुई हैं?
- **समझाएँ** – मेज पर एक भी आइस्क्रीम स्टिक नहीं हैं और श्यामपट्ट पर एक भी चित्र नहीं बचा। इसका मतलब मेज पर शून्य आइस्क्रीम स्टिक बची और श्यामपट्ट पर भी शून्य चित्र है। श्यामपट्ट पर "0" लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

7	
0	
4	

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दिए गए चित्र को बनाएँ।
- बच्चों को बोलें कि जो संख्या लिखी है, उतने ही गोले बॉक्स के अन्दर बनाएँ।
- पहले बॉक्स में कितने गोले बनाए?
- तीसरे बॉक्स में कितने गोले बनाए?
- दूसरे बॉक्स में एक भी गोला क्यों नहीं आया?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|2 कराएँ–पृष्ठ 49

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|2 कराएँ–पृष्ठ 64

सप्ताह 06

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

बंडल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।

संसाधन : माचिस की तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : बण्डल, खुले।

सामान्य भूल : कितने बण्डल हैं? पूछने पर बच्चे बण्डलों की संख्या न बता कर कुल संख्या बता देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत एक कहानी से करें।
- मोनू ने अपनी गुल्लक तोड़ी तो उसमें से बहुत सारे सिक्के निकले। मोनू को सिक्कों की संख्या गिननी थी। वह उन्हें एक–एक कर गिन रहा था। तभी उसकी बहन ने उसे बुला लिया। मोनू भूल गया कि वह कहाँ तक गिना था। अब उसे फिर शुरू से गिनना होगा और इसमें बहुत समय लगेगा।

पूछें : मोनू कैसे गिने जिससे कि वह बीच में अगर भूल भी जाए तो भी उसे गिनने में ज्यादा समय न लगे?

- बच्चों की अलग–अलग प्रतिक्रियाओं को सुनें।
- **समझाएँ** –सिक्कों को छोटे–छोटे ढ़ेर में रख कर गिनने से आसानी होगी। एक ढ़ेर को हम बण्डल बोलेंगे और बाकी को खुले।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

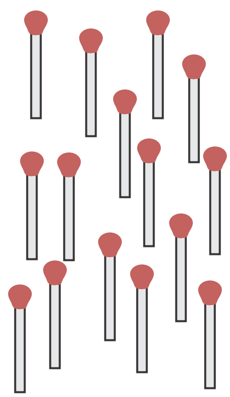

- शिक्षक बच्चों को 6–6 के समूह में बाँट दें और हर समूह को 15–15 तीलियाँ दें।
- **समझाएं** – हर एक समूह में, पहला बच्चा तीलियाँ खुले रखेगा। दूसरा बच्चा दो–दो तीलियों का, तीसरा बच्चा तीन–तीन तीलियों का, चौथा बच्चा चार–चार तीलियों का, पांचवां बच्चा पाँच–पाँच तीलियों का तथा छठवाँ बच्चा दस–दस तीलियों का बण्डल बनाएगा और शेष तीलियाँ खुली रखेगा।
- समझाते हुए बच्चों को दिखाएँ कि बण्डल कैसे बनाना है।

पूछें : गिनने में सबसे कम समय किसे लगा? किसको गिनने में ज्यादा आसानी हुई?

- कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ** – सभी के पास 15 तीलियाँ थीं। लेकिन जिसने बण्डल बनाकर गिना वो जल्दी गिन पाया। परन्तु जिसके पास सभी तीलियाँ खुली थीं उसे ज्यादा समय लगा। इसलिए जब ज्यादा वस्तुओं को गिनना होता है तो हम बण्डल बनाकर गिनते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

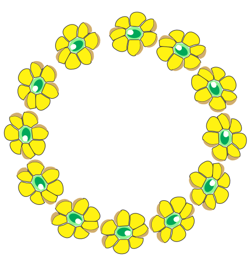

- शिक्षक श्यामपट्ट पर 12 फूलों के चित्र बनायेंगे।
- बच्चों को पहले दो–दो के, फिर पाँच–पाँच के और अंत में दस–दस के समूह में घेरा लगाने को कहें।

? दो–दो के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

? पाँच–पाँच के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

? दस–दस के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|3 कराएँ–पृष्ठ 50

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|3 कराएँ–पृष्ठ 64

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड।

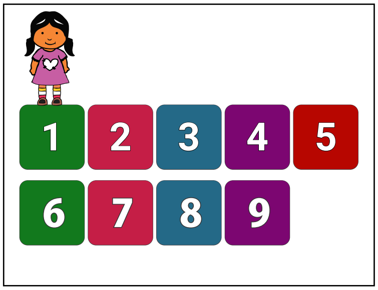

- 9–9 बच्चों के समूह बनाकर प्रत्येक समूह को एक सीधी रेखा में कदवार खड़ा करें।
- प्रत्येक बच्चे का नामकरण संख्या से करें तथा बच्चों से अपनी संख्या याद रखने को कहें।
- अब बच्चों को संख्या नाम से पुकारें और पूछें, अमुक बच्चा आगे है या पीछे।
- सभी बच्चों से बारी–बारी से प्रक्रिया कराएँ।
- अब क्रमशः एक–एक बच्चे को पहले आगे से बच्चों की गिनती करवाएँ, फिर पीछे से गिनती करवाएँ।
- सभी बच्चों को अपना–अपना क्रम याद रखने को बोलें यदि आगे से शुरू करें तब भी वही क्रम संख्या और पीछे से शुरू करें तो भी वहीं क्रम संख्या आए।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

? क्या तुम 1 से 9 तक की संख्याओं को उल्टे क्रम में लिख सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

शून्य की अवधारणा को समझ सकें।

संसाधन

मनके/तीलियाँ।

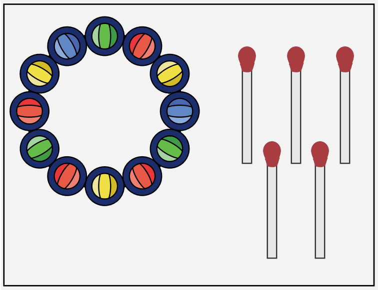

- कक्षा के बच्चों को एक समूह में बैठायें।
- शिक्षक, बच्चों के साथ बैठें तथा अपने पास कुछ मनके/तीलियाँ या टॉफियाँ रखें।
- शिक्षक, शून्य की अवधारणा स्पष्ट करने के लिए कुछ कहानियों का सहारा लें।
- उदाहरणः सोहन की प्लेट में 4 टॉफियाँ थीं, उसने एक मोहन को दे दिया, अब उसकी प्लेट में 3 टॉफियाँ रह गईं, फिर उसने एक टॉफी मीरा को दे दिया, अब उसकी प्लेट में 2 टॉफी रह गईं।
- फिर उसने एक टॉफी खुद खा लिया, अब उसकी प्लेट में कितनी टॉफियाँ बचीं।
- अब प्लेट में एक भी टॉफी नहीं बची, बच्चों को बताएं कि 'एक भी न रह जाना', शून्य कहलाता है।
- इसी तरह की प्रक्रिया मनकों/तीलियों की सहायता से कक्षा में करवाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्नः

? कोई तुमसे शून्य फूल के चित्र बनाने को कहे तो तुम कितने चित्र बनाओगे?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

बन्डल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियाँ/परिवेशीय वस्तुएँ

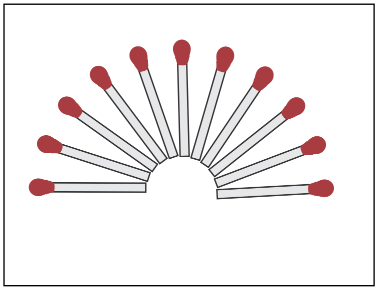

- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बांटें।
- प्रत्येक समूह में माचिस की तीलियाँ/झाडू की सींकें/नीम के पत्तियों की सींक पर्याप्त मात्रा में दें।
- समूह में बैठे अन्य बच्चे अब किसी एक बच्चे के द्वारा निकाली गयी सींकों को गिनकर देखेंगे कि सही संख्या निकाली है या नहीं।
- बच्चों को निर्देश दें कि बच्चे को दूसरे बच्चे की सींकें जल्दी और नए तरीके से गिननी हैं जैसे 2, 3 के जोड़े में या 4, 5 के आदि।
- प्रत्येक समूह में 10 से अधिक तीली/सींक होने पर एक बण्डल बनाने को कहें।
- बच्चों से पूछें कि 10 के बण्डल को कोई नाम भी दे सकते हैं क्या, जैसे 2 को जोड़ा कहते हैं?

बच्चों के लिए प्रश्नः

? बच्चों को कुछ तीलियां दें। दी गई तीलियों से पांच के कितने बण्डल बना सकते हो?

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई व दहाई में समझ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना और लिख पाना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

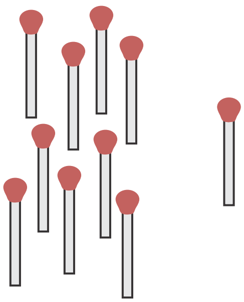

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में नौ माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें**: पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ**– पेज पर तीलियों के नीचे (9 + 1= 10) लिखते हुए बताएं कि नौ में एक मिलाया तो बने दस।
- इसी प्रकार से दो समूह बनाते हुए, दस (बण्डल) में एक मिलाया तो बना ग्यारह।
- **शिक्षक के लिए निर्देश**: इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए 20 तक प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

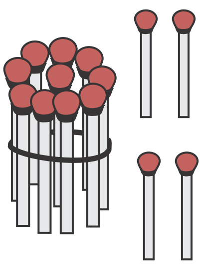

- शिक्षक एक–एक बच्चों को बुलाएं और कुछ माचिस की तीलियाँ दें।
  उदाहरण: 14
  बच्चे को कुल तीलियाँ गिनकर दस के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएँ**– बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। चौदह में एक बण्डल यानी एक दहाई और चार खुले यानी चार इकाई होती है।
- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ चित्र बनाएं
  उदाहरण– 9
  बच्चे से दस–दस के समूह में गोला लगाने को कहें।
- **पूछें**: दस के कितने समूह बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ**– एक भी दस का समूह/बण्डल नहीं बन पाएगा। "9" केवल नौ इकाई से है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

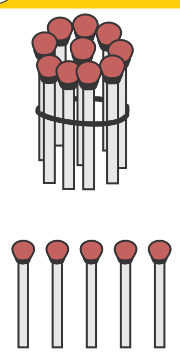

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। साथ में कुछ दस के बण्डल और खुली माचिस की तीलियाँ रखें।
- **समझाएं**: मैं जो संख्या बोलूँगा आपको उतनी ही माचिस की तीली मेरे हाथ में देनी हैं।
- मैंने कौन सी संख्या बोली?
- तुमने मुझे कितने बण्डल/दहाई दिए?
- दी गई संख्या में कितनी इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|1 कराएँ–पृष्ठ 55

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|1 कराएँ–पृष्ठ 68

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, संख्या कार्ड, गिनमाला।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

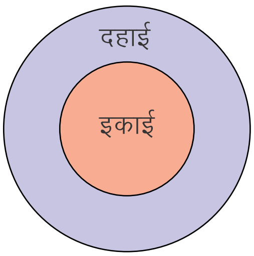

- शिक्षक कक्षा की फर्श पर उक्त चित्र बनाएं।
- एक बच्चे को दो से अधिक कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें:** इकाई में कितने कंकड़ आए? दहाई में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ:** तुम्हारे इकाई में चार और दहाई में एक कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास एक दहाई और चार इकाई है?
- **पूछे:** एक इकाई और चार दहाई मिलकर कौन सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** जरूरत पड़ने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल करके समझाएँ कि दहाई का एक कंकड़ एक दस के बण्डल को दर्शा रहा है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

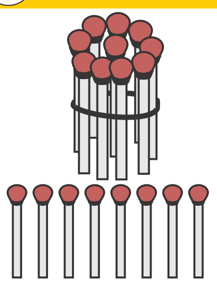

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों को 18 माचिस की तीलियाँ दें और तीलियाँ गिनकर संख्या लिखने को कहें।
- इसके बाद बच्चों को बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें:** कितने बण्डल/दहाई बने और कितने खुले/इकाई बचे? बण्डल और खुले की संख्या चार्ट पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ:** 18 में 1 दहाई और 8 इकाई होते है। बाईं तरफ से पहले दहाई और फिर इकाई लिखते हैं।
- अब गिनमाला से गतिविधि शुरू करें। बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 15–15 मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ:** यहाँ लाल रंग के दस मोती एक दहाई को और पांच सफेद मोती पांच इकाई को दर्शा रहे हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें। 18, 20
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को चित्र अपनी–अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

- अठारह में कितनी दहाई और इकाई होगी?
- बीस में कितनी दहाई और इकाई होगी?
- एक दहाई और नौ इकाई मिलकर कौन सी संख्या बनाएंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|2 कराएँ–पृष्ठ 56

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|2 कराएँ–पृष्ठ 68

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से बीस तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

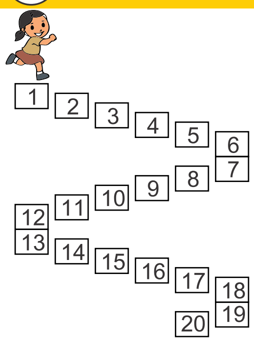

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (एक से बीस)
- **समझाएँ:** एक बच्चे को संख्या 1 से शुरू करके संख्या पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को अन्य बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें और एक से बीस तक का संख्या कार्ड दें।

  समझाएँ– संख्या कार्ड को एक से बीस तक क्रम में रखना है।
- **पूछें:** (कार्ड दिखाते हुए) यह कौन सी संख्या है? इसके बाद तुम कौन की संख्या का कार्ड रखोगे?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु:** संख्या कार्ड को बीस से एक तक क्रम में रखने के लिए भी कह सकते हैं।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएँ और कोई भी एक कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएँ**–एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या और दूसरे बच्चे को बाद वाली संख्या कार्ड रखने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

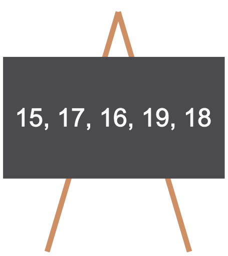

- शिक्षक श्यामपट्ट पर संख्याएँ लिखें। जैसे : 15, 17,16, 19,18
- बच्चे को इन संख्याओं को अपने कॉपी में क्रम में लगाने को कहें।
- किस संख्या को सबसे पहले रखा है?
- बीच में रखी संख्या का नाम क्या है?
- अठारह के बाद कौन की संख्या आएगी।
- सोलह के पहले कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|3 कराएँ–पृष्ठ 57

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|3 कराएँ–पृष्ठ 68

सप्ताह 07

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

ठोस आकृतियाँ, अवधारणा बोर्ड (स्थानीय मान)

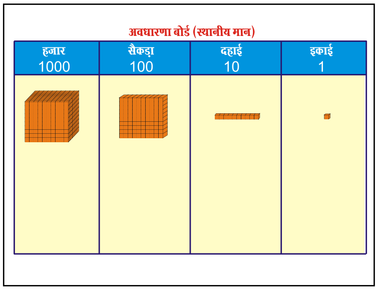

- प्रत्येक समूह को अलग–अलग 1–20 तक स्ट्रॉ के सेट दें।

  प्रत्येक समूह के बच्चों को गिनने को कहें और दस–दस के बण्डल बनाने को कहें।
- प्रत्येक समूह से बातचीत करें बण्डल और शेष बची हुई स्ट्रॉ के बारे में, शेष बची हुई स्ट्रॉ को और बण्डलों को क्या कहेंगे?
- शिक्षक बताएंगे– बण्डल को दहाई व शेष बची हुई स्ट्रॉ इकाई।
- समूह के बच्चों द्वारा किए गए कार्य के बारे में चर्चा करने हेतु उन्हें आमंत्रित करें।
- हर समूह को स्थानीय मान के अवधारणा बोर्ड की मदद से बच्चों को दहाई के चित्रण में और इकाई के चित्रण में गिनकर अंतर बताने के लिए आमंत्रित करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

9, 12, 17, 20, 5

दी गई संख्याओं के बराबर स्ट्रॉ उठा कर दिखा सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड, मोती की माला, स्थानीय मान चार्ट।

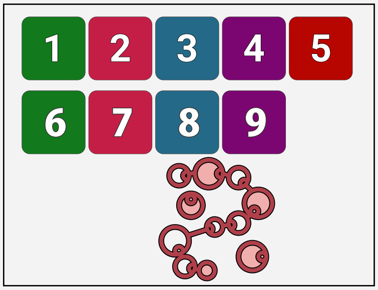

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को फ्लैश कार्ड और मोतियाँ दें।
- 10 मोतियों की माला बनाने को कहें, शेष मोती को अलग रखें और कोई 10–20 तक की संख्या को बोलेंगे।
- बच्चों से पूछें कि 10 मोतियों की माला को क्या कहेंगे और अलग रखे मोती को क्या कहेंगे ?
- समूह से एक–एक बच्चा आएगा और बताएगा, बोले गए अंक में कितनी मोतियों की माला यानी दहाई और कितने अलग मोती यानी इकाई है।
- बच्चों को दहाई की संख्या व इकाई की संख्या को दिए गए स्थानीय मान चार्ट पर लिखने को कहें।
- 10 से 20 तक की संख्या, प्रत्येक समूह को अलग–अलग भी दे सकते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्न :

बच्चों को अपनी कापी में 10–20 की गिनती लिखने को कहें।

किसी भी संख्या में कितनी इकाई और दहाई है, लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड और ब्लॉक्स।

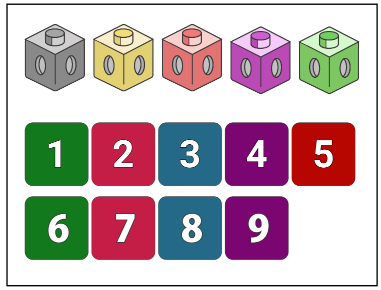

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- 1–20 तक कोई भी संख्या बोलें, प्रत्येक समूह संख्या से संबंधित फ्लैश कार्ड व ब्लॉक्स को निकालेंगे।
- प्रत्येक समूह उस संख्या से पहले की संख्या (छोटी संख्या) का फ्लैश कार्ड निकालने को और बाईं तरफ रखने को कहें।
- अब बच्चों को उस संख्या के बाद की संख्या (बड़ी संख्या) निकालने को कहें और दाईं तरफ रखने को कहें।
- उस संख्या के आगे और पीछे की संख्या के बारे में प्रत्येक समूह से चर्चा करें और उनसे पूछें कि कौन–सी संख्या बड़ी है और कौन–सी संख्या छोटी है? फिर उन्हें क्रम से इन तीनों संख्याओं को कॉपी में लिखने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

बच्चों को 1–20 तक की संख्या क्रमवार कॉपी में लिखने को कहें।

क्या आप 1 से 20 तक की संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हैं?

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

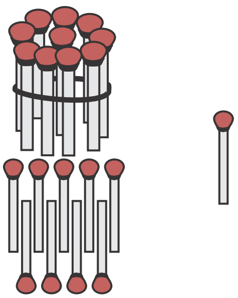

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में उन्नीस माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।

(?) **पूछें**: पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं? दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?

- **समझाएँ**– पेज पर तीलियों के नीचे (19 + 1= 20) लिखते हुए बताएं कि उन्नीस में एक मिलाया तो बने बीस।
- इसी प्रकार से दो समूह बनाते हुए। दस के दो बण्डल (बीस) में एक मिलाया तो बना इक्कीस।
- 50 तक की कुछ संख्याओं के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

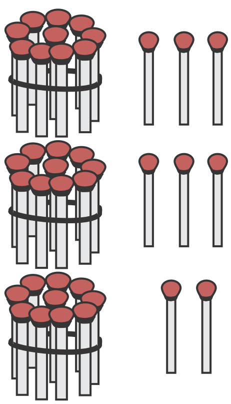

- शिक्षक बच्चों को 38 माचिस की तीलियाँ दें।

(?) **पूछें**: तुम्हारे पास कितनी तीलियाँ हैं? बच्चों को तीलियों से दस के बण्डल बनाने को कहें।

(?) **पूछें**: कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?

- **समझाएँ**– बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। अड़तीस में तीन बण्डल यानी तीन दहाई और आठ खुल्ले यानी आठ इकाई होती है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 29 रेखा खंड बनाएं और बच्चे को चित्रों की संख्या गिनकर दस–दस के समूह में घेरा लगाने को कहें।

(?) **पूछें**: श्यामपट्ट पर कितने चित्र हैं? दस के कितने समूह बने? कितने खुले रह गए?

- **समझाएँ**–उन्तीस में दस का समूह दो और 9 खुले बने। यानी दो दहाई और नौ खुले मिल कर उन्तीस बनाते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

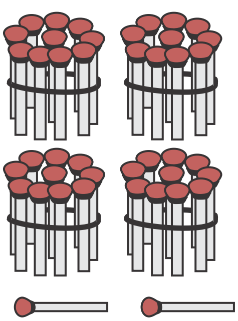

- शिक्षक कुछ दस के बण्डल और खुले माचिस की तीलियाँ रखें।
- बच्चों को बोलें कि जो संख्या बोला जाए उतनी ही माचिस की तीलियाँ दें ।

(?) मैंने कौन सी संख्या बोली?

(?) तुमने मुझे कितने बण्डल / दहाई दिए?

(?) दी गई संख्या में कितनी इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|1 कराएँ–पृष्ठ 62

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|1 कराएँ–पृष्ठ 72

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड, गिनमाला।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 50 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को अचानक नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

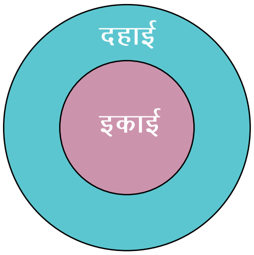

- शिक्षक कक्षा के फर्श पर उक्त चित्र बनाएँ और बच्चे को पाँच से अधिक कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें**: इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए? दहाई के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ**– इकाई में चार और दहाई में तीन कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें**: चार इकाई और तीन दहाई मिलकर कौन सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

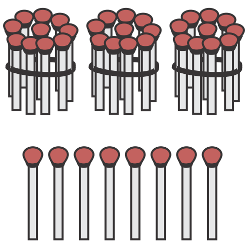

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों 38 माचिस की तीलियाँ दें और बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने बण्डल/दहाई बने और कितने खुले बचे?
- कितने बण्डल बने और कितने खुले बचे उसे चार्ट (ऊपर) पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ**: दी गई संख्या में 3 बण्डल और 8 खुले होते हैं। बाएँ/पहले बण्डल लिखते हैं फिर खुली तीलियों की संख्या।
- शिक्षक कक्षा में उचित ऊँचाई पर गिनमाला लटका दें।
- बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 25
- अब संख्या के बराबर मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ**: बच्चों को बताएँ कि यहाँ लाल रंग की दस–दस मोतियों के दो समूह यानी दो दहाई को और पाँच सफेद मोती यानी पाँच इकाई है। बीस और पाँच हुए पच्चीस।
- इसी प्रकार एक या दो बार प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें। बच्चों को पूछे गए सवालों के जवाब अपने कॉपी में लिखने को कहें।
- इकतालीस में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- चालीस में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- तीन दहाई और नौ इकाई मिल कर कौन सी संख्या बनाएँगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|2 कराएँ–पृष्ठ 63

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|2 कराएँ–पृष्ठ 72

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स और तीलियाँ।

नये शब्द : बड़ी और छोटी संख्या। गणित चिह्न (< , >, =)

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से पचास तक की संख्या की मात्रात्मक समझ।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

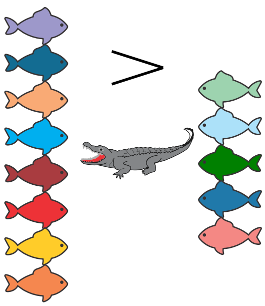

- शिक्षक अपने हाथ से इशारा करें कि आप एक मगरमच्छ की भूमिका निभाएँगे।
- **समझाएँ**– एक भूखा मगरमच्छ हमेशा वहीं जाएगा जहाँ अधिक भोजन है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में बारह और दूसरे समूह में अठारह मछली बनाएँ।

पूछें : मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा?

शिक्षक के लिए बिन्दु : एक से पचास तक की ही संख्या का प्रयोग करें।

- प्रक्रिया को और उदाहरण लेकर दोहराएँ।
- जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें और एक–एक की संगति करके समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

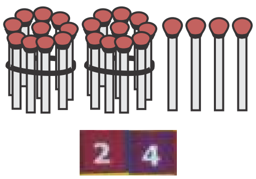

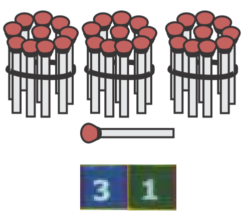

- शिक्षक दस के बण्डल, कुछ खुली तीलियाँ और संख्या कार्ड रखें। माचिस की तीलियों के दो समूह बनाएँ।

पूछें : किस समूह में ज्यादा तीलियाँ हैं?

- शिक्षक दोनों समूह के तीलियों को बोल कर गिने और उचित संख्या कार्ड रखें।

पूछें : कौन सी संख्या बड़ी हुई और कौन सी छोटी?

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत पड़ने पर बच्चों को एक–एक की संगति करने दें। बातचीत के अंत में बच्चों को तीनों चिह्नों से परिचय कराएँ।

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में कुछ चित्र बनाएं।
- बच्चों को दोनों समूह के नीचे संख्या लिखने और उचित चिह्न लगाने को कहें।
- **समझाएँ**–चिह्न लगते हुए यह याद रखो कि मगरमच्छ का मुँह हमेशा ज्यादा वस्तुओं की तरफ जाता है ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

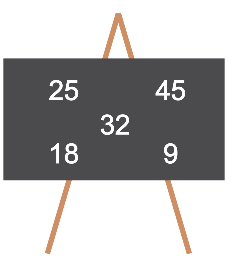

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या लिखें। जैसे 25 और 45।
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

? पैंतीस और पैंतालीस में कौन–सी संख्या बड़ी हैं?

? बत्तीस से छोटी एक संख्या लिखें।

? अठारह और नौ में कौन–सी संख्या छोटी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|3 कराएँ–पृष्ठ 64

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|3 कराएँ–पृष्ठ 72

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

स्ट्रॉ और रबर बैंड।

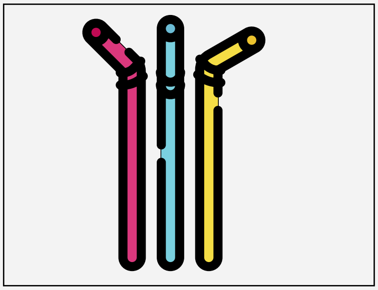

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।

  प्रत्येक समूह को 50–50 स्ट्रॉ दें 10–10 स्ट्रॉ का बण्डल बनाने को कहें।
- पूछें प्रत्येक स्ट्रॉओं के बण्डल में कितनी स्ट्रा हैं?

  50 की संख्या में कुल कितने बण्डल बने हैं?
- उनके पूर्वज्ञान को आंकने और यदि यह समझ अभी विकसित नहीं हुई तो उसे स्थापित करने का अच्छा मौका है।
- प्रत्येक समूह को अलग–अलग संख्या बताएं जैसे– 21, 37, 19, 45 आदि।
- अब समूह के बच्चे बताई गई संख्या के अनुसार स्ट्रा के बण्डल और स्ट्रा को गिनकर निकालेंगे ।

  दहाई और इकाई के स्थान पर रखेंगे।

बच्चों के लिए सवाल:

18, 23, 33, 46

- दी गई संख्याओं के बराबर स्ट्रॉ उठाकर लिखा सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, स्थानीय मान कार्ड।

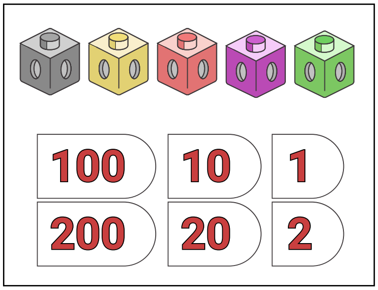

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड और ब्लॉक्स का सेट दें।
- प्रत्येक समूह को 10–10 ब्लॉक्स के समूह बनाने को कहें और कुछ खुले ब्लॉक्स अपने पास रखें।
- संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें और निर्देश दें कि बच्चे ब्लॉक्स से उस संख्या को दर्शायें 10 ब्लॉक्स के समूह और खुले ब्लॉक्स से।
- स्थानीय मान कार्ड से भी संख्या के अनुसार दहाई और इकाई वाले कार्ड्स उठाएँ और उनको मिलाकर लिखी संख्या दिखाएँ।
- बच्चों से बातचीत करें कि दहाई में कितने ब्लॉक्स हैं और इकाई में कितने?
- बच्चों से पूछें कि लिखी गयी संख्या में कितने दहाई और कितने इकाई हैं अपने कार्ड्स से देख कर बताएँ?

बच्चों के लिए प्रश्न:

14, 19, 49, 38

- किसी भी संख्या में कितने इकाई और दहाई हैं, लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, संख्या कार्ड।

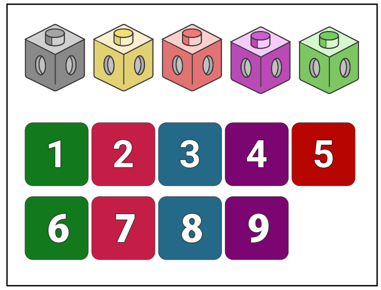

- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को ठोस आकृतियों का सेट और संख्या कार्ड दें ।
- प्रत्येक समूह को अलग–अलग ब्लॉक्स दें और गिनने को कहें, जैसे– 15, 25, 36 आदि।
- प्रत्येक समूह को दिए गए ब्लॉक्स की संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चों से पूछें कि किस समूह के पास सबसे ज्यादा ब्लॉक्स हैं?

  बच्चों को एक–दूसरे के समूह में रखे ब्लॉक्स को देखकर जवाब की पुष्टि करने को कहें।

  किस समूह के बराबर ब्लॉक्स हैं?
- फिर बच्चों से दो संख्या कार्ड दिखाकर पूछें कि इनमें से कौन सी संख्या बड़ी है और कौन सी छोटी?

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 2 व 7 में जो छोटा है, उतनी ताली बजा सकते हो?
- 34 और 43 में कौन संख्या बड़ी है?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : माचिस तीली। संख्या काड्र्स, संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से 99 तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : बच्चे आगे की संख्या तो बता देते हैं लेकिन पीछे की संख्या नहीं बता पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20

- शिक्षक फ़र्श पर 10 से 20 तक संख्या रेखा बनाएं।
- **समझाएं:** एक बच्चे को संख्या 10 से शुरू करके संख्या रेखा पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- अन्य बच्चों को वह संख्या बताने को कहें जिस पर वह बच्चा कूद रहा है।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को 1 से 50 की संख्या रेखा पर कुछ और बच्चों के साथ दोहराएं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक 1 से 50 तक की संख्या कार्ड रखें।
- **समझाएँ**– जो संख्या कार्ड दिखाया जाए उसके आगे और पीछे की संख्या कार्ड दिखानी है। इसके लिए संख्या चार्ट की मदद ले सकते हैं।
- **पूछें:** यह कौन–सी संख्या है? इसके आगे कौन सी संख्या का कार्ड आयेगा?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएँ।
- शिक्षक कोई भी एक संख्या कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएँ**– एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या कार्ड और दूसरे बच्चे को बाद वाली संख्या कार्ड रखने को कहें।
- बच्चे को उनके द्वारा रखे गए कार्ड का संख्या नाम भी बताने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

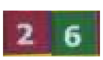

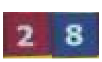

- शिक्षक बच्चे को कोई भी तीन लगातार संख्या कार्ड दें। जैसे– 26, 27 और 28 बच्चे को इन काड्र्स को क्रम में लगाने को कहें।
- तुमने इस कार्ड को सबसे पहले क्यों रखा है?
- बीच में रखी संख्या कार्ड का संख्या नाम क्या है?
- 27 के पहले कौन की संख्या आएगी।
- 27 के बाद कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|1 कराएँ–पृष्ठ 69

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|1 कराएँ–पृष्ठ 76

सप्ताह 09

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

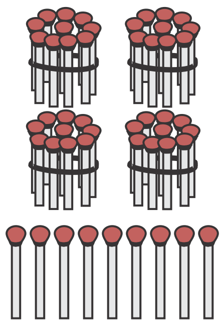

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में उन्चास माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें**: पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं? दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ**– पेज पर तीलियों के नीचे (49+1= 50) लिखते हुए बताएं कि उन्चास में एक मिलाया तो बने पचास।
- इसी प्रकार से दोसमूह बनाते हुए। दस के पाँच बण्डल (पचास) में एक मिलाया तो बना इक्यावन।

☞ **शिक्षक के लिए निर्देश**: इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए 50 से 99 तक की कुछ संख्याओं के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

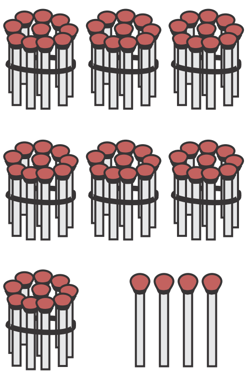

- शिक्षक बच्चों को 74 माचिस की तीलियाँ दें।
- **पूछें**: तुम्हारे पास कितनी तीलियाँ हैं? बच्चों को तीलियाँ गिनकर बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएँ**– बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। चौहत्तर में सात बण्डल यानी सात दहाई और चार खुले यानी चार इकाई होती है। अब शिक्षक श्यामपट्ट पर 69 रेखा खंड बनाएँ।
- बच्चे को चित्रों की संख्या गिनकर दस–दस के समूह में गोला लगाने को कहें।
- **पूछें**: श्यामपट्ट पर कितने चित्र हैं? दस के कितने समूह बने? कितने खुले चित्र रह गए?
- **समझाएँ**–उनहत्तर में दस का समूह/बण्डल छह बन पाएगा और नौ खुले बच गए। यानी छह दहाई और नौ खुले मिल कर उनहत्तर बनाते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

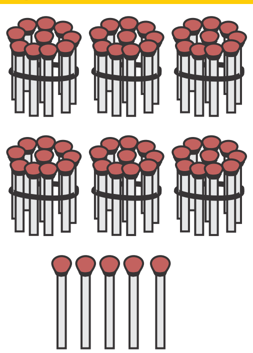

- शिक्षक कुछ दस के बण्डल और खुले माचिस की तीलियाँ रखें।
- बच्चों को बोलें जो संख्या बोला जाए उतनी ही माचिस की तीली रखनी है।

- मैंने कौन–सी संख्या बोली?
- तुमने मुझे कितने बण्डल/दहाई दिए?
- दी गई संख्या में कितने इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|2 कराएँ–पृष्ठ 70

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|2 कराएँ–पृष्ठ 76

सप्ताह 09

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को अचानक नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

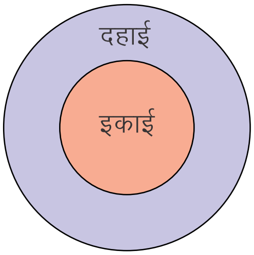

- शिक्षक कक्षा के फर्श पर उक्त चित्र बनाएँ और बच्चे को नौ कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें**: इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए? दहाई के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ**– इकाई में चार और दहाई में तीन कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें**: चार इकाई और तीन दहाई मिलकर कौन–सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

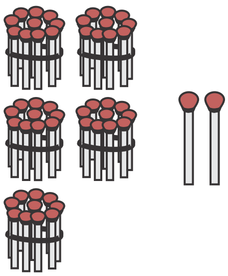

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों 52 माचिस की तीलियाँ दें और बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने बण्डल/दहाई बने और कितने खुले बचे?
- कितने बण्डल बने और कितने खुले बचे उसे चार्ट (ऊपर) पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ**: दी गई संख्या में 5 बण्डल और 2 खुले होते हैं। बाएँ/पहले बण्डल लिखते हैं फिर खुली तीलियों की संख्या।
- शिक्षक कक्षा में उचित ऊँचाई पर गिनमाला लटका दें।
- बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 85
- अब संख्या के बराबर मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ**: बच्चों को बताएं कि यहाँ लाल रंग की दस–दस मोतियों के आठ समूह यानी आठ दहाई को और पांच सफेद मोती यानी पांच इकाई है। आठ और पांच हुए पचासी।
- इसी प्रकार एक या दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें।
- बच्चों को पूछे गए सवालों के जवाब अपने कॉपी में लिखने को कहें।
- इकसठ में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- सत्तर में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- आठ दहाई और नौ इकाई मिल कर कौन की संख्या बनाएँगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|3 कराएँ–पृष्ठ 71

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|3 कराएँ–पृष्ठ 76

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

संख्या चार्ट।

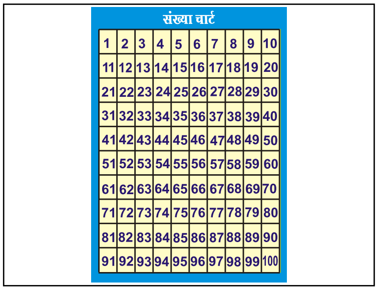

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- फर्श पर 1 से 50 तक की गिनती लिखें।
- समूह के एक बच्चे को खड़ा करें और दूसरा बच्चा गिनती बोलेगा (1, 2, 3, ... 50)।
- पहला बच्चा बोली गई संख्या 1 पर कूदेगा, 2 बोलने पर 2 पर कूदेगा, इस प्रकार वह 50 तक कूदेगा।
- तीसरा और चौथा बच्चा बोली गई संख्या को अपनी कॉपी में लिखेगा।
- ठीक यही प्रक्रिया उल्टी तरफ 50 से 1 तक दोहराएँ।
- फिर कोई भी संख्या को बोलें और पूछें कि इस संख्या के आगे या पीछे कौन–सी संख्या आएगी?
- संख्या के आगे और पीछे की संख्या को लिखने के लिए भी कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 34 से 49 तक की संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

तीली और बंडल।

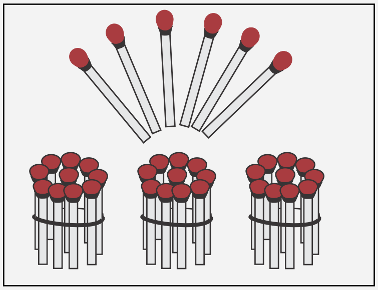

- दस तीलियों के बण्डल और खुली तीलियाँ।
- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को दस तीलियों के 9 बण्डल व 9 तीलियाँ दें।
- कोई भी एक संख्या बोलें और बोली गई संख्या के अनुसार बच्चों को बण्डल और तीलियाँ उठाने को बोलें।
- बच्चे बताएँगे कि उन्होंने कुल कितनी तीलियाँ उठाई हैं। बण्डल और तीलियों को बच्चे इकाई और दहाई के स्थान पर रखेंगे।
- बच्चों से पूछें इकाई के स्थान पर कितनी तीलियाँ हैं और दहाई के स्थान पर कितनी तीलियाँ हैं?
- यह प्रक्रिया अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- पूछें कि आपने दहाई के लिए बण्डल और इकाई के लिए खुली तीलियों को क्यों चुना?

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 89 में कितनी इकाई और कितनी दहाई है?
- 60 में कितनी इकाई और कितनी दहाई है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड, संख्या कार्ड।

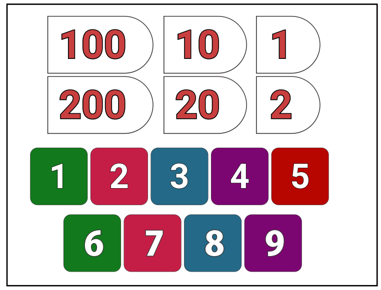

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड और संख्या कार्ड दें।
- कोई दो अंकों की संख्या श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चों को संख्या कार्ड और स्थानीय मान कार्ड के उपयोग से उसे दर्शायें।
- बच्चों से पूछें कि दायीं ओर कौन–सी संख्या है और बायीं ओर कौन सी?
- स्थानीय मान कार्ड में दायीं ओर की संख्या और बायीं ओर की संख्या को मेल करने को कहें। संख्या कार्ड की बायीं ओर लिखी संख्या का मान स्थानीय कार्ड के बायीं संख्या से पता चलेगा जिसे दहाई कहते हैं और दायीं ओर का दायीं वाली संख्या से जिसे इकाई कहते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 73 से 99 तक की सभी संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकते हो?

सप्ताह 10

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स और तीलियां।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से निन्यान्बे तक की संख्या की मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बड़ी और छोटी संख्या। गणित चिह्न (< , >, =)

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

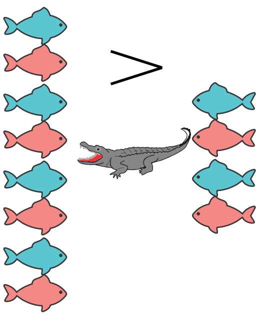

- शिक्षक अपने हाथ से इशारा करें कि आप एक मगरमच्छ की भूमिका निभाएंगे।
- **समझाएँ**– एक भूखा मगरमच्छ हमेशा वहीं जाएगा जहाँ अधिक भोजन है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में मछली बनाएँ।

पूछें : मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा?

शिक्षक के लिए बिन्दु : पचास से निन्यानवे तक की ही संख्या का प्रयोग करें।

- प्रक्रिया को और उदाहरण लेकर दोहराएँ।
- जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें और एक–एक की संगति करके समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

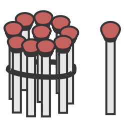

- शिक्षक दस के बण्डल, कुछ खुली तीलियाँ और संख्या कार्ड रखें।
- माचिस की तीलियों के दो समूह बनाएं।

पूछें : किस समूह में ज्यादा तीलियाँ हैं?

- शिक्षक दोनों समूह की तीलियों को बोल कर गिनें और उचित संख्या कार्ड रखें।

पूछें : कौन सी संख्या बड़ी हुई और कौन सी छोटी?

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत पड़ने पर बच्चों को एक–एक की संगति करने दें। बातचीत के अंत में बच्चों को तीनों चिह्नों से परिचय कराएँ।

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में कुछ चित्र बनाएं।
- बच्चों को दोनों समूह के नीचे संख्या लिखने और उचित चिह्न लगाने को कहें।
- **समझाएँ**–चिह्न लगाते हुए यह याद रखो कि मगरमच्छ का मुँह हमेशा ज्यादा वस्तुओं की तरफ जाती है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

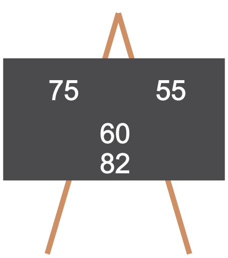

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या लिखें। जैसे 75 और 55 ।
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

पचहत्तर और पचपन में कौन सी संख्या बड़ी हैं?

साठ से छोटी एक संख्या लिखें।

बयासी से छोटी संख्या लिखें।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|1 कराएँ–पृष्ठ 76

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|1 कराएँ–पृष्ठ 80

सप्ताह 10

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : माचिस तीली। संख्या कार्ड्स, संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से 99 तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : बच्चे आगे की संख्या तो बता देते हैं लेकिन पीछे की संख्या नहीं बता पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

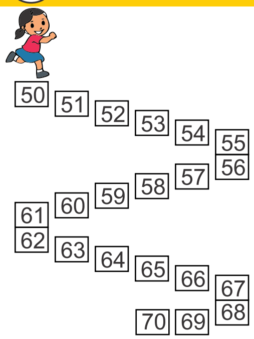

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (पचास से सत्तर)
- **समझाएँ**—एक बच्चे को संख्या 50 से शुरू करके संख्या पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- अन्य बच्चों को वह संख्या बताने को कहें जिस पर वह बच्चा कूद रहा है।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को सत्तर से नब्बे की संख्या रेखा पर कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक एक से निन्यान्नबे तक की संख्या कार्ड रखें।
- **समझाएँ**— जो संख्या कार्ड दिखाया जाए उसके आगे और पीछे की संख्या कार्ड दिखानी है। इसके लिए संख्या चार्ट की मदद ले सकते हैं।
- **पूछे:** यह कौन सी संख्या है? इसके आगे कौन सी संख्या का कार्ड आयेगा?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएँ। शिक्षक कोई भी एक संख्या कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएँ**— एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाले संख्या कार्ड और दूसरे बच्चे को बाद वाले संख्या कार्ड रखने को कहें।
- बच्चे को उनके द्वारा रखे गए कार्ड का संख्या नाम भी बताने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

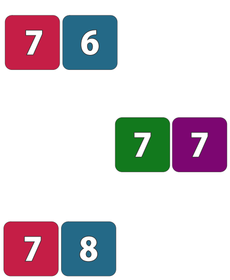

- शिक्षक बच्चे को कोई भी तीन लगातार संख्या कार्ड दें। जैसे : 76, 77 और 78 बच्चे को इन कार्ड्स को क्रम में लगाने को कहें।
- तुमने इस कार्ड को सबसे पहले क्यों रखा है?
- बीच में रखी संख्या कार्ड का संख्या नाम क्या है?
- सतत्तर के पहले कौन की संख्या आएगी।
- अठत्तरके बाद कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|2 कराएँ–पृष्ठ 77

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|2 कराएँ–पृष्ठ 80

सप्ताह 10

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

स्थिर अंतराल में (2, 3, 4, 5, 10) गिनती बोल और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड।

नये शब्द : पैटर्न।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे स्वाभाविक रूप से आसान पैटर्न में छुपे नियम को समझ लेते हैं। बच्चे संख्या और उसके क्रम से परिचित हैं।

सामान्य भूल : बच्चे संख्याओं को क्रम में तो बोल लेते हैं, लेकिन किसी संख्या के स्थिर अंतराल में क्रम को बोल नहीं पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

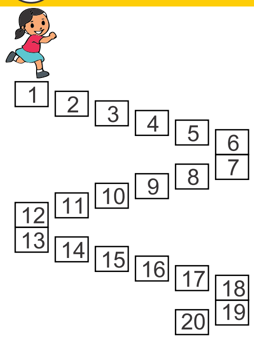

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (एक से बीस)
- **समझाएँ** —आप लोगों को इस संख्या पर कूदना है। पहले आपको एक–एक संख्या छोड़कर कूदना है। जैसे : अगर आप पहले संख्या 1 पर खड़े हैं तो आप संख्या 3 पर कूदेंगे।
- एक बच्चे को बुला कर उसे दो–दो के अंतराल में कूदने को कहें।

पूछें : एक बार कूदने के बाद कौन–सी संख्या पर खड़े हो?

- इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या जैसे 3, 4 और 5 के अंतराल में दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

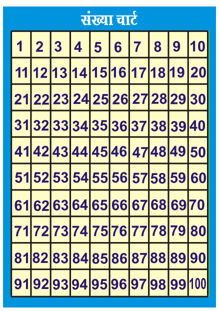

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक 10 से 30 तक के संख्या कार्ड प्रत्येक बच्चों में एक–एक बाँट दें।
- मैं जो संख्या बोलूँगा, उस संख्या के बच्चे को सामने आकर खड़े होना है। इसके बाद दो–दो के अंतराल में जो संख्या आएगी उन सबको एक के बाद एक खड़े होना है। जैसे– अगर मैंने बोला ग्यारह, तो जिसके पास संख्या कार्ड 11 है, वह बच्चा आगे आएगा। फिर उसके आगे 13, 15, 17 वाले बच्चे आएंगे।
- एक संख्या बोलकर गतिविधि शुरू करें।

पूछें : इसके बाद कौन–सी संख्या आएगी?

- इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या के अंतराल में दोहराएँ।
- गतिविधि कराते हुए क्रम में आने वाली संख्याओं को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखें।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि 2, 3, 4, 5 और 10 इन सभी संख्याओं के अंतराल में पैटर्न बनाए जाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

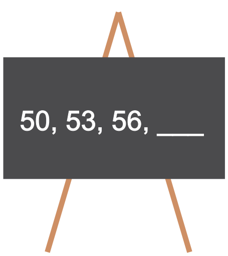

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह पैटर्न बनाएँ।
  50, 53, 56,............, ..., ..., ...
- बच्चों को यह पैटर्न अपने कॉपी में बनाकर खाली स्थान सही संख्या से भरने को कहें।

पहले स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?

दूसरे स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?

क्या इस पैटर्न में 58 आएगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|3 कराएँ–पृष्ठ 78

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|3 कराएँ–पृष्ठ 80

सप्ताह 10

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन

मोती, फ्लैश कार्ड।

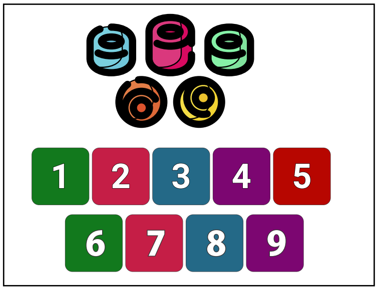

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को ठोस आकृतियाँ (मोती) और फ्लैश कार्ड दें।

  दो संख्या प्रत्येक समूह को बताएँ।
- समूह के बच्चे उस संख्या के अनुसार मोतियों का समूह बनाएँगे।
- साथ ही साथ फ्लैश कार्ड लें, उस संख्या का कार्ड भी निकालेंगे।
- प्रत्येक समूह के पास जाएँ और अवलोकन करें तथा पूछें कि कौन सा मोतियों का समूह ज्यादा है, कौन सा कम?
- यह भी पूछें कि मोतियों का समूह कम या ज्यादा क्यों है?

  इस प्रक्रिया को बार–बार दोहराएँ और नई संख्या दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 89 और 98 में कौन बड़ा है?
- 57 और 75 में कौन छोटा है?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड, आगे पीछे की अवधारणा का चार्ट।

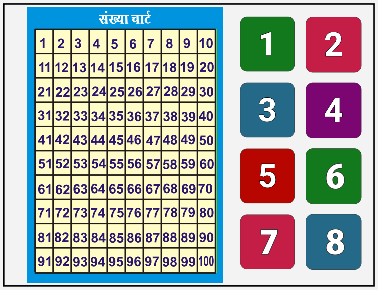

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को फ्लैश कार्ड (1 से 99 तक) दें।
- आगे–पीछे के चार्ट की सहायता से क्रम की अवधारणा पर काम करें और उसमें दिए सवाल पूछें –जानवरों की दौड़ में सबसे पीछे कौन है? ऑटो के आगे की गाडी का रंग बताओ?
- एक बच्चा समूह से एक फ्लैश कार्ड लेकर आएगा और उसे बड़े टेबल पर या जमीन पर रख देगा।
- समूह के बच्चे फ्लैश कार्ड को रखेंगे और बोलेंगे भी, एक–एक करके समूह के सारे बच्चे संख्या को क्रम से लगाएं।
- साथ ही साथ उस बोली गई संख्या को प्रत्येक समूह अपनी कॉपी में लिखेगा।
- इसी तरह संख्या की एक लम्बी कतार बन जाएगी।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 70 से पहले कौन–सी संख्या आती है?
- 59 के बाद कौन–सी संख्या आती है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

स्थिर अंतराल में (2, 3, 4, 5, 10) गिनती बोल और लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड।

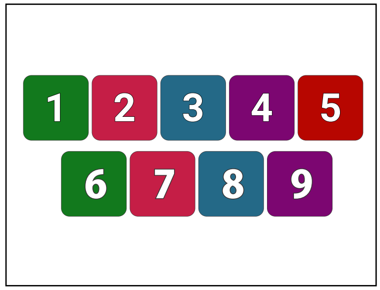

- कक्षा के बच्चों को एक घेरे में बैठा दें और उनको एक–एक करके गिनती करने को बोलें, जब तक पूरे घेरे के बच्चों की बारी न आ जाये, गिनती करते हुए उनसे संख्या कार्ड भी दिखाने को कहें।
- फिर इस नियम में 2 के अंतराल पर संख्या के साथ ताली बजाने तो बोलें।
- ऐसा फिर 3 और 5 के साथ भी करें।
- बच्चों को 5–5 के समूह में बाँटें और इस खेल को अन्य संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- 10–10 के अंतराल के खेल को बार–बार दोहरायें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 24 से शुरू करके 2 के अंतराल में गिनती बोल सकते हैं?
- क्या आप 12 से शुरू करके 5 के अंतराल में गिनती बोल सकते हैं?

सप्ताह 11

सावधिक आकलन

10 सावधिक आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}

पिछले 10 सप्ताह की रेमीडीयल गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
सावधिक आकलन सप्ताह (सप्ताह 11)	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 रेमीडीयल गतिविधि	रिक्त कालांश

सावधिक ट्रैकर:

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी-बड़ी संख्या बता सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक संख्या चार्ट में कोई भी तीन संख्या को दर्शाएँ। जैसे 45, 46 और 47।
- **समझाएँ** : संख्या चार्ट देख कर यह पता लगाया जा सकता है कि तीनों संख्याएँ किस क्रम में आती हैं। पहले 45 फिर 46 उसके बाद 47 आता है।
- अब शिक्षक किसी तीन संख्याएँ 33, 32 और 34 लिखें और बच्चों को इन्हें क्रम में लगाने को कहें।

पूछें : कौन–सी संख्या पहले आयेगी? कौन सी संख्या अंत में आएगी?

- गतिविधि को चार और पाँच संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

6	7

7	0

- शिक्षक संख्या चार्ट में कोई भी दो संख्या को दर्शाएँ। जैसे 67 और 70।
- **समझाएँ** : दोनों संख्याओं में दहाई अंक को देख कर बता सकते हैं कि कौन–सी संख्या बड़ी है। 67 में 6 दहाई है लेकिन 70 में 7 दहाई है। इसलिए 70 संख्या बड़ी है। संख्या चार्ट से भी यह पता चलता है। 70 संख्या चार्ट में 67 के बाद आती है। इसलिए 70 बड़ी और 67 छोटी है।
- श्यामपट्ट पर कोई भी दो संख्या लिखें। जैसे: 56 और 64।

पूछें: कौन–सी संख्या बड़ी है? उचित चिह्न भी लगाओ। तुम्हें कैसे पता लगाया कि 64 बड़ी संख्या है?

- कुछ और बच्चों को आगे बुला कर प्रक्रिया को दोहराएँ।

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत होने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल कर समझाएँ। बच्चों को संख्या चार्ट दिखा कर बताएँ कि जो संख्या पहले आएगी वह छोटी होगी।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

60	70	80
61		
		82
	73	
64		
		85
	76	
67		87
	78	
69		89

- शिक्षक श्यामपट्ट पर उक्त चित्र बनाएँ।
- बच्चों को खाली बॉक्स में उचित संख्या लिखने को कहें।
- प्रक्रिया को दोहराते रहें जब तक संख्या चार्ट पूरा ना हो जाए।

? 76 और 67 में कौन सी संख्या छोटी है?

? पैंसठ से बड़ी एक संख्या बताओ।

? श्यामपट्ट पर अस्सी से नब्बे तक संख्या लिखो।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|1 कराएँ–पृष्ठ 95

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|1 कराएँ–पृष्ठ 86

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

10-50 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन : आइस्क्रीम स्टिक, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती, 1 से 99 तक के संख्या नाम।

नये शब्द : विस्तारित रूप।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या नाम तो जानते है लेकिन संख्याओं को विस्तारित रूप में लिखने में गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

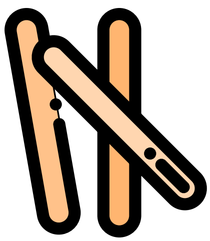

- शिक्षक बच्चों को 20 आइस्क्रीम स्टिक और रबर बैंड दें। अब उन्हें आइस्क्रीम स्टिक से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: आपके पास कुल कितनी आइस्क्रीम स्टिक थीं? कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएँ** : बीस आइस्क्रीम स्टिक से 2 बण्डल बने। इसका मतलब 2 बण्डल बराबर 20 आइस्क्रीम स्टिक है।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : शुरू में बच्चों को 10 के गुणज में आइस्क्रीम स्टिक दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

45	=	4 बंडल	+	5 खुले

45	=	40	+	5

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह को 45 आइस्क्रीम स्टिक और रबर बैंड दें।
- बच्चों को आइस्क्रीम स्टिक से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछे**: कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएँ**: 45 आइस्क्रीम स्टिक से 10–10 के 4 बण्डल बने और 5 खुले बचे।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 45 को 4 दहाई और 5 इकाई के रूप में लिखें।
- **समझाएँ**: 4 बण्डल बराबर 40 और 5 खुले बराबर 5 आइस्क्रीम स्टिक। इसका मतलब 40 और 5 मिलाकर 45 बनते हैं। हम बोल सकते हैं 45 का विस्तारित रूप हैं 40 + 5।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

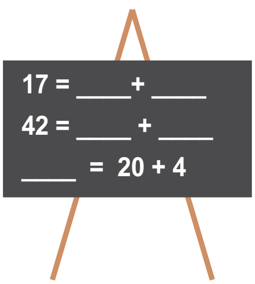

- श्यामपट्ट पर यह तीन सवाल दें।
- पहले सवाल का उत्तर क्या है?
- बयालीस का विस्तारित रूप क्या है?
- 20 + 4 किसका विस्तारित रूप है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|2 कराएँ–पृष्ठ 96

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|2 कराएँ–पृष्ठ 86

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

51-100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन : स्ट्रॉ, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती, 1 से 99 तक के संख्या नाम।

नये शब्द : विस्तारित रूप।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या नाम तो जानते हैं लेकिन संख्याओं को विस्तारित रूप में लिखने में गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

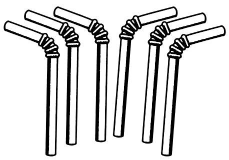

- शिक्षक बच्चों को 60 स्ट्रॉ और रबर बैंड दें। अब उन्हें स्ट्रॉ से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें :** आपके पास कुल कितने स्ट्रॉ थे? कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएं :** सत्तर स्ट्रॉ से 7 बण्डल बने। इसका मतलब 7 बण्डल बराबर 70 स्ट्रॉ हैं।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु :** शुरू में बच्चों को 10 के गुणज में स्ट्रॉ दें जिससे बण्डल बनाने के बाद खुले न बचे।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

83	=	8 बंडल	+	3 खुले

83	=	80	+	3

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह को 83 स्ट्रॉ और रबर बैंड दें।
- बच्चों को स्ट्रॉ से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें:** कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएं :** 83 स्ट्रॉ से 10–10 के 8 बण्डल बने और 3 खुले बचे।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 83 को 8 दहाई और 3 इकाई के रूप में लिखें।
- **समझाएं :** 8 बण्डल बराबर 80 और 3 खुले बराबर 3 स्ट्रॉ। इसका मतलब 80 और 3 मिलाकर 83 बनते हैं। हम बोल सकते हैं कि 83 का विस्तारित रूप है 80 + 3।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

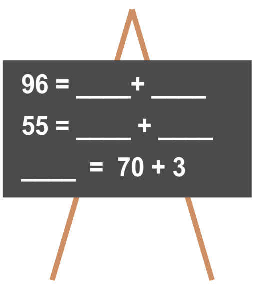

- श्यामपट्ट पर यह तीन सवाल दें।
- 96 को विस्तारित रूप में कैसे लिखेंगे?
- दूसरे सवाल के खाली स्थान में कौन सी संख्या आएगी?
- 70 + 3 किसका विस्तारित रूप है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|3 कराएँ–पृष्ठ 97

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|3 कराएँ–पृष्ठ 86

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी-बड़ी संख्या बता सकें।

संसाधन

संख्या चार्ट, फ्लैश कार्ड।

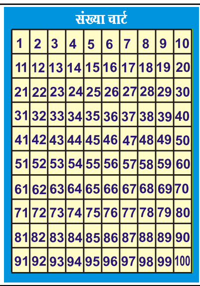
संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- संख्या चार्ट को दिखा कर किसी भी एक संख्या पर आँख बंद करके अँगुली रख दें और बच्चों को वहाँ से आगे की 10 तक के क्रम की संख्या मिलकर पढने को बोलें।
- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- सभी बच्चों को फ्लैश कार्ड दें।
- शिक्षक एक गीत गाएगा और बच्चे दोहराएँगे।
- 'कदमताल–कदमताल, आओ चलें गिनती की चाल' बोलो बच्चों 1 (एक)।
- प्रथम समूह के पहला बच्चा 1 संख्या फ्लैश कार्ड दिखाएगा, उसके बाद दूसरा बच्चा 2 संख्या का फ्लैश कार्ड दिखाएगा।
- इसी प्रकार यह गतिविधि सभी ग्रुप के बच्चों द्वारा की जाएगी और 99 संख्या तक गिनती गाएँगे।

बच्चों के लिए प्रश्न–

- क्या आप 52 से 70 तक संख्याओं को सीधे क्रम में लिख सकते हैं?
- क्या आप 42 से 65 तक संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

10-50 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड।

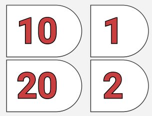

- बच्चों को स्थानीय मान कार्ड दें।
- बच्चों से कहें– मैं एक संख्या बोलूँगा। आपको वह संख्या कार्ड से बनाकर दिखाना है उदाहरण के लिए, 38 को 30 और 8 को कार्ड से दिखाया जा सकता है।
- अब आप एक से पचास के बीच की कोई एक संख्या बोलें। सभी बच्चे संख्या को ध्यान से सुनकर, उस संख्या को स्थानीय मान कार्ड से दिखायेंगे।
- उसके बाद किसी एक बच्चे को आगे बुलाकर बोर्ड पर वह संख्या और उसका विस्तृत रूप लिखने के लिए कहें।
- अन्य बच्चे बतायें कि उसने ठीक लिखा है या नहीं।
- बच्चों के साथ चर्चा करें कि इस संख्या में कितनी दहाई है और कितनी इकाई।
- इस प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएं।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- रिक्त स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?

34 = ______ + 4

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

51-100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन

कागज के बने कुछ दस के नोट एवं कुछ एक के सिक्के।

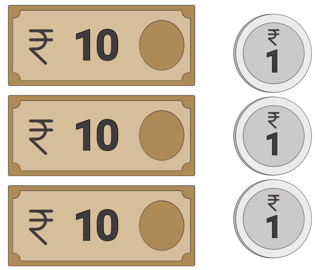

- शिक्षक मेज पर कुछ दस के नोट एवं कुछ खुले सिक्के (एक के सिक्के) रख दें।
- अब आप 51 से 100 के बीच कोई एक संख्या बोलें (उदाहरण–65)।
- बच्चा बताई हुई संख्या (उदाहरण 65) के अनुसार नोट उठाए।
- शिक्षक बच्चों से पूछें कि इस संख्या को बनाने में कितने 10 के नोट लगे और कितने खुले नोट लगे।
- बच्चों को बताएँ कि दस के नोट को दहाई और खुले को इकाई कहते हैं। 1 दहाई, 10 इकाई से मिलकर बना है। उदाहरण के लिए, 65 में अंक 6, दस का नोट/दहाई (मतलब 60) को दर्शाता है। और 5 खुला नोट, इकाई को दर्शाता है।
- कोशिश करें, 51 से 100 तक सभी संख्या पर वार्तालाप हो।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 73 में कितने 10 के नोट और कितने एक रुपये के सिक्के होंगे?

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को जोड़ सकें।

संसाधन : कंकड़, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक कि संख्याओं की मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : मिलाकर बताओ, जोड़ना।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के जोड़ की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में जोड़ का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

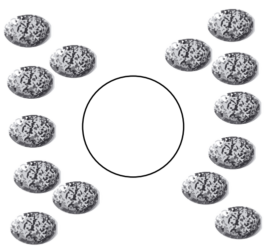

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह को 9 कंकड़ दें। बीच में चॉक से एक गोला बना दें।
- **समझाएँ** : दाएँ हाथ से मैं जितनी अँगुलियाँ दिखाऊँगा, उतने कंकड़ गोले के अन्दर दाएँ तरफ रखो। बाएँ हाथ से मैं जितनी अँगुलियाँ दिखाऊँगा, उतने कंकड़ गोले के अन्दर दाएँ तरफ रखो। गोले के अन्दर कुल कंकड़ों की संख्या बताओ।

पूछें : अब गोले में कितने कंकड़ हो गए हैं?

गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

1	2	3
4	5	6
7	8	9

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को 1 से 9 तक संख्या कार्ड और कुछ तीली दें।
- **समझाएँ** : मैं जो संख्या कार्ड दिखाऊँगा उतनी तीली गिनकर अलग रखो। दूसरा संख्या कार्ड दिखने पर उतनी ही तीली फिर से अलग करनी हैं। अब दोनों अलग की गई तीलियों के समूह को मिलाकर कुल संख्या को कार्ड से दर्शाना है।
- पहले संख्या कार्ड 7 और फिर संख्या कार्ड 9 दिखाएँ।

पूछें : तुमने कितनी तीलियाँ अलग करके रखीं? दोनों अलग रखी हुई तीलियों को मिलाकर कुल कितनी तीलियाँ हुईं?

- **समझाएँ** : इस तरह से समूह के मिलान को हम जोड़ना कहते हैं।

शिक्षक के लिए बिंदु : संख्याओं और जोड़ के प्रतीक को श्यामपट्ट पर जरूर लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

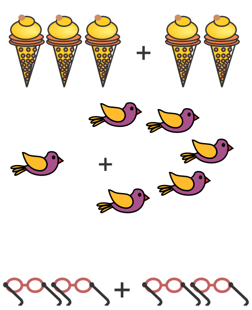

- शिक्षक श्यामपट्ट पर चित्र बनाएँ।

? कुल कितनी आइस्क्रीम हैं?

? कुल कितने पंछी हैं?

? कुल चश्मे की संख्या बताएँ।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|1 कराएँ–पृष्ठ 102

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|1 कराएँ–पृष्ठ 90

सप्ताह 13 — शिक्षण योजना 2

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में जोड़ सकें।

संसाधन : ब्लॉक, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक की संख्याओं का मात्रात्मक समझ ।

नये शब्द : मिलाकर बताओ, जोड़ना।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के जोड़ की संक्रिया तो कर लेते हैं, लेकिन किसी सन्दर्भ में जोड़ का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

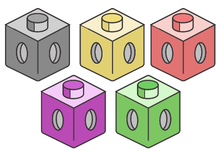

8
+ 6
———
14

- शिक्षक दाएँ हाथ में 6 ब्लॉक और बाएँ हाथ में 8 ब्लॉक लेकर बच्चों को दिखाएँ।
- **पूछें** : मेरे दाएं हाथ में कितने ब्लॉक हैं?
- मेरे बाएँ हाथ में कितने ब्लॉक हैं?
- संख्याओं को श्यामपट्ट पर लम्बवत रूप में लिखें।
- **पूछें** : कुल ब्लॉक की संख्या जोड़ कर बताओ?
- कुल संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

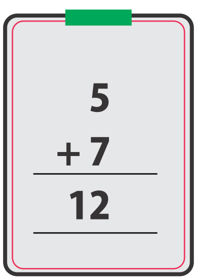

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँटें।
- **समझाएँ** : दोनों समूह को 1 से 9 तक की कोई भी एक–एक संख्या बोलना होगा। जिसे श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा। फिर कोई एक बच्चा संख्याओं को जोड़कर श्यामपट्ट पर लिखेगा।
- **पूछें** : पहले समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है? दूसरा समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है?
- एक बच्चे को श्यामपट्ट पर दोनों संख्याओं को जोड़ने को कहें।
- **पूछें** : क्या संख्याओं को सही से जोड़ा गया है?
- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।
- ☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि जब एक बच्चा श्यामपट्ट पर जोड़ रहा है तब बाकी बच्चे उसे अपने कॉपी में हल करें। जरूरत होने पर बच्चों को ठोस वस्तु/चित्र की सहायता लेने दें।
- ☞ ध्यान रखें कि बच्चे इकाई के नीचे इकाई अंक और उसके बाईं ओर दहाई अंक लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

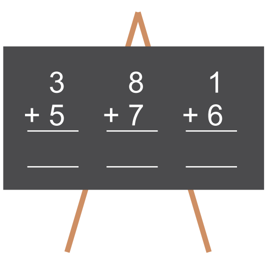

- शिक्षक श्यामपट्ट पर इन सवालों को लिखें।
- **?** तीन और पाँच को जोड़कर कितना होगा?
- **?** आठ में सात जोड़ने पर कितना आएगा?
- **?** एक और छह मिलकर क्या होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|2 कराएँ–पृष्ठ 103

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|2 कराएँ–पृष्ठ 90

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को प्रतीकों को घटाव सकें।

संसाधन : कंकड़, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 0 से 9 तक की संख्याओं का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बचे हुए, घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के घटाव की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में घटाव का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

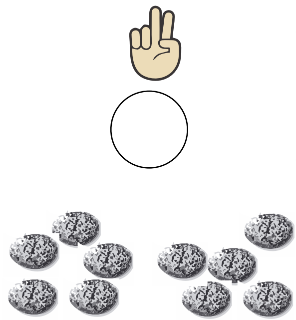

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह को 9 कंकड़ दें। बीच में चॉक से एक गोला बना दें।
- **समझाएँ** : हाथ में जितनी अँगुलियाँ दिखाऊँगा उतने कंकड़ गोले के अन्दर रखें। बाएँ हाथ से दिखाई अँगुलियाँ के बराबर कंकड़ गोले से हटा लेगा। फिर गोले के अन्दर बचे हुए कंकड़ों की संख्या बतानी होगी।

पूछें : अब गोले में कितने कंकड़ बचे हुए हैं?

- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

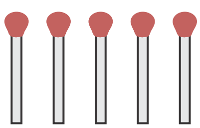

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को 1 से 9 तक संख्या कार्ड और कुछ तीली दें।
- **समझाएँ** : मैं जो संख्या कार्ड दिखाऊँगा उतनी तीली गिनकर अलग रखना होगा। दूसरा संख्या कार्ड दिखने पर उतनी तीली अलग रखी हुई तीलियों से हटाना होगा। बची हुई तीलियों की संख्या को कार्ड से दर्शाना होगा।
- पहले संख्या कार्ड 9 और फिर संख्या कार्ड 4 दिखाएँ।

पूछें : आपने कितनी तीलियों को अलग करके रखा? कितनी तीलियाँ हटा ली? हटाने के बाद कितनी तीलियाँ बचीं?

- **समझाएँ** : इस तरह समूह के हटाने को हम घटाव कहते हैं।

शिक्षक के लिए बिंदु : संख्याओं और घटाव के प्रतीक को श्यामपट्ट पर जरूर लिखें ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

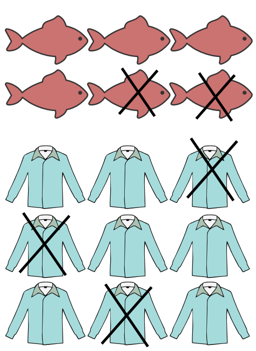

- शिक्षक श्यामपट्ट पर चित्र बनाएँ ।

कितनी मछलियाँ बचीं?

पहले कितने शर्ट थे और फिर कितने कम हुए?

कम होने के बाद शर्ट की संख्या क्या है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|3 कराएँ–पृष्ठ 104
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|3 कराएँ–पृष्ठ 90

सप्ताह 13

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) जोड़ सकें।

संसाधन

गोलियाँ, चित्रों का चार्ट।

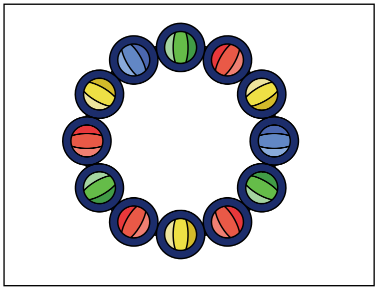

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- सभी बच्चों को कुछ गोलियाँ दें।
- प्रत्येक समूह से 4 और 2 गोलियों के समूह बनाने को कहें।
- बच्चों से पूछें, 4 गोलियों और 2 गोलियों को मिलाकर कितनी गोलियाँ हुईं।
- इसी प्रकार शिक्षक चित्रों को भी दिखाएं, जिसे 4 गुब्बारे और 2 गुब्बारे बने हों। उन्हें मिलाकर बताने को कहें।
- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे प्रतिभागिता करें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न–

- बच्चों से पूछें कि चार गुब्बारे और दो गुब्बारे मिलाकर 6 गुब्बारे क्यों हो गए?
- क्या आप जोड़ के कुछ सवाल अपने से बना सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में जोड़ सकें।

संसाधन

जोड़ का चार्ट, ब्लॉक्स।

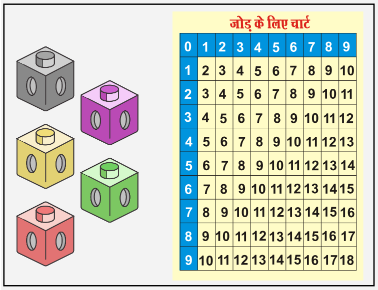

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
9	10	11	12	13	14	15	16	17	18

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक बच्चे को अंकों का चार्ट और ब्लॉक्स दें।
- बच्चे जोड़ चार्ट पर अपने–अपने समूह में कार्य करेंगे।
- जोड़ने से पंक्ति और स्तंभ में अंगुली चलाने पर जहां मिलती है वही जोड़ का जवाब होता है।
- जैसे 4 और 5 से शुरू करेंगे तो 9 पर उंगली आएगी।
- समूह को बच्चों से बताई गई संख्या को लम्बवत रूप में लिखने को कहें।
- ब्लॉक्स का उपयोग कर जोड़ने को कहें।
- यही प्रक्रिया पुनः दोहराई जाए।
- फिर चार्ट की मदद से बच्चों को एक अंकीय जोड़ की अवधारणा समझाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- जोड़ने पर जो संख्या आई है वह दी गई संख्याओं से बड़ी है या छोटी?
- क्या आप लम्बवत रूप से जोड़ने के कुछ सवाल अपने से बना सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, डोमिनो कार्ड।

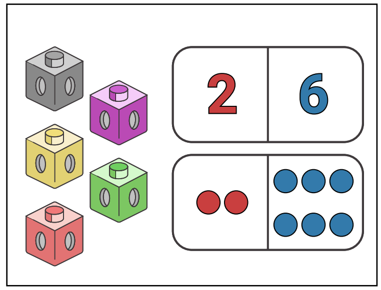

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को डोमिनो कार्ड ब्लॉक्स दें।
- बच्चों से एक डोमिनो कार्ड दिखाने को कहें।
- बच्चों ने जो डोमिनो कार्ड हाथ में लिया है उसके बिंदु को गिनने को कहें और उतने ही ब्लॉक्स निकालने को कहें।
- बच्चों को निर्देश दें यदि किसी डोमिनो कार्ड में बिंदु 4 और 2 है, तो बच्चे 4 ब्लॉक्स निकालेंगे और उनमें से दो ब्लॉक्स अपने साथी को दे दें।
- अब बच्चों से पूछें कि आपके पास अब कितने ब्लॉक्स बचे हैं?
- बच्चों को समझाएँ कि 4 ब्लॉक्स में 2 ब्लॉक्स निकाल देने को 4 में से 2 घटाव करना भी कहते हैं और घटाव करने की शब्दावली बच्चों को दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 5 वस्तुओं में 2 वस्तुएँ हटा दी जाएँ तो कितनी वस्तुएं बचेंगी?

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप से घटाव कर सकें।

संसाधन : ब्लॉक, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 0 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ ।

नये शब्द : बचे हुए, घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के घटाव की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में घटाव का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

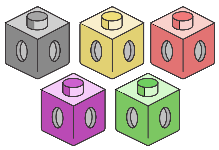

- शिक्षक हाथ में 9 ब्लॉक लेकर बच्चों को दिखाएँ।
- **पूछें** : मेरे हाथ में कितने ब्लॉक हैं? 9 ब्लॉक में से 6 ब्लॉक हटा कर मेज पर रख दें।
- **पूछें** : मैंने कितने ब्लॉक हटा लिए? मेरे हाथ में कितने ब्लॉक बच गए?
- संख्याओं को श्यामपट्ट पर लम्बवत रूप से घटाव कर लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : बच्चों को समझाएँ कि बड़ी संख्या में छोटी संख्या घटाई जाती है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

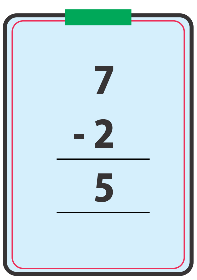

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँटें।
- **समझाएँ** : दोनों समूह को 1 से 9 तक की कोई भी एक–एक संख्या बोलनी होगी। संख्याओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा। फिर कोई एक बच्चा संख्याओं को घटा कर श्यामपट्ट पर लिखेगा।
- **पूछें** : पहला समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है? दूसरा समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है?
- एक बच्चे को श्यामपट्ट पर दोनों संख्याओं को घटाव करने को कहें।
- **पूछें** : क्या संख्याओं को सही से घटाव किया गया है?
- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि जब एक बच्चा श्यामपट्ट पर घटाव कर रहा हो तब बाकी बच्चे उसे अपने कॉपी में हल करें। जरूरत होने पर बच्चों को ठोस वस्तु/चित्र की सहायता लेने दें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

$$\begin{array}{r} 6 \\ -\,2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -\,5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 4 \\ -\,4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

- शिक्षक श्यामपट्ट पर इन सवालों को लिखें।
- छह से दो घटाएँ तो कितना होगा?
- नौ से पाँच कम करने पर कौन सी संख्या मिली?
- चार से चार को घटाव करने से क्या होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|1 कराएँ–पृष्ठ 109

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|1 कराएँ–पृष्ठ 94

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।

संसाधन : कंकड़, मोतियाँ।

नये शब्द : कोई नहीं।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

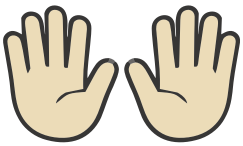

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत कविता से करें।
- चाहे जोड़ो या घटाओ।
  उत्तर में अंतर न पाओ।।
  अपनी–अपनी बुद्धि लगाओ।
  मुझको वह संख्या बतलाओ।।
- **पूछें** : वह संख्या कौन–सी है?
  बच्चों को उत्तर देने का समय दें। एक संख्या बोलें और बच्चों को उतनी बार ताली बजाने को कहें।
- अगल–अगल संख्या बोलें। बीच में शून्य भी बोलें।
- **समझाएँ** : शून्य के लिए ताली नहीं बजानी है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

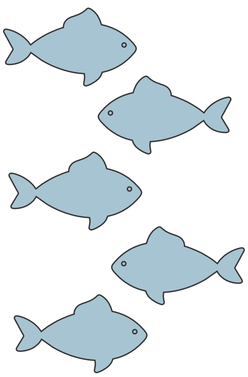

- शिक्षक एक संदर्भ देकर बच्चों के जोड़/घटाव का एक सवाल करें। जैसे : एक तालाब में 5 मछलियाँ थीं। एक बगुले ने झपटा मारा लेकिन एक भी मछली बगुले के हाथ न आयी।
- **पूछें** : अब तालाब में कितनी मछलियाँ हैं?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बोर्ड पर चित्र की सहायता से भी समझाएँ।
- कुछ और संदर्भ लेकर प्रक्रिया को दोहराएँ।
- श्यामपट्ट पर एक कटोरी में तीन मोतियाँ और एक खाली कटोरी दिखाएँ।
- श्यामपट्ट पर 3 + 0 लिखें।
- **समझाएँ** : बच्चों को बताएँ कि +0 का अर्थ है कि कोई भी और संख्या नहीं जोड़ी गई।
- **पूछें** : मैं सात गेंदों में शून्य "0" और गेंदों को जोड़कर कैसे लिखूँगा।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

5	7
+ 0	- 0
____	____

9 + 0 =

8 - 0 =

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ सवाल लिखें।
- बच्चों को अपनी कॉपी में सवाल हल करने को कहें।
- शिक्षक बच्चों को मौखिक रूप से कुछ इबारती सवाल भी दें।
- किसी भी संख्या में शून्य जोड़ने पर क्या होता है?
- सात से शून्य घटाने पर कौन सी संख्या मिलेगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|2 कराएँ–पृष्ठ 110

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|2 कराएँ–पृष्ठ 94

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं व चित्रों के साथ) बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन : पेंसिल/कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : जोड़ना, मिलाना, इकट्ठा करना।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

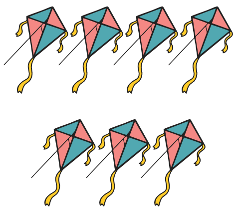

- शिक्षक जोड़ के कुछ अलग–अलग रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- ? **पूछें:** दीपक के पास 4 पतंग थी और उसकी दीदी ने उसे और 3 पतंग दी। अब दीपक के पास कितनी पतंगें हैं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़ उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ:** कंकड़ की सहायता से बच्चों को समझाएं कैसे दो समूह की वस्तुओं को इकट्ठा कर बने नए समूह में वस्तुओं की संख्या पता करना जोड़ है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

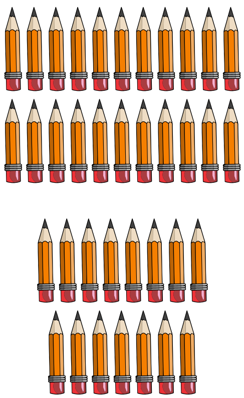

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और जोड़ के एक सवाल से शुरुआत करें।
- ? **पूछें:** अमन के पास 22 पेंसिलें थीं। उसने दुकान से 15 पेंसिलें और खरीदीं। अब उसके पास कुल कितनी पेंसिलें हो गई हैं?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएं और सवाल हल करने को कहें।
- ? **पूछें:** अमन के पास कितने पेंसिलें थीं? अमन ने कितनी पेंसिलें खरीदीं?
- **समझाएँ:** पहले 22 पेंसिलों का एक समूह बनाओ। अब 15 पेंसिलों का एक समूह बनाओ। दोनों को मिलाकर गिनो।
- ? **पूछें:** अब कुल कितनी पेंसिलें हो गईं? मतलब अमन के पास कितनी पेंसिलें हैं? कुछ और बच्चों के साथ गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- ☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु :** बच्चों को जोड़ के चिह्न से परिचय कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में 26 गोले और दूसरे में 13 गोले बनाएँ।
- समूह के नीचे क्रमशः 26 और 13 लिखकर, जोड़ का चिह्न भी लगाएँ। ऐसे और कुछ चित्र बनाएँ।
- ? 26 में 13 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- ? 14 और 20 गोले जोड़ने से कुल कितने गोले होंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|3 कराएँ–पृष्ठ 111

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|3 कराएँ–पृष्ठ 94

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

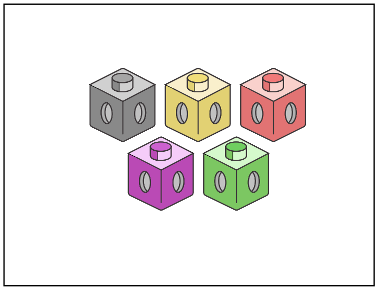

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को कुछ ब्लॉक्स (1–9) दें।
- बच्चों से इन ब्लॉक्स को अपने सामने रख कर कोई मिठाई मानने को कहें।
- फिर कुछ उनमें से कल्पना कर खाने को कहें जैसे 2 ब्लॉक्स और उन्हें बच्चों को सामने से निकालने को कहें।
- फिर बचे हुए ब्लॉक्स को गिनने को कहें और उनमें से कुछ जैसे 3 और ब्लॉक्स अपने दूसरे साथी को देने के लिए कहें।
- बच्चों से पूछें कि आपके पास कितने ब्लॉक बचे हैं?
- बच्चों को चार्ट को पढ़कर इस प्रक्रिया को घटाव की शब्दावली से समझने को कहें।
- बच्चों को यही प्रक्रिया कुछ दूसरी संख्या के साथ दोहराने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- घटाव करने के बाद बची हुई संख्या पहले वाली संख्या से कम होती है या ज्यादा?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

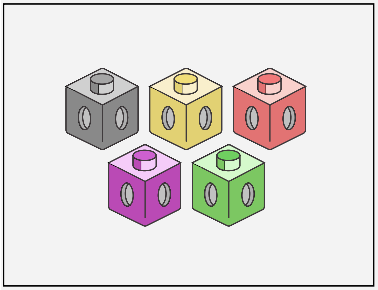

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को दो के समूह में विभाजित करें।
- बच्चों को एक–दूसरे को ब्लॉक्स देने को कहें जैसे पहले बच्चे ने अपने में से 2 ब्लॉक्स दूसरे को दे दिए तो दोनों से पूछें कि उन्होंने कितने ब्लॉक्स और जोड़े या घटाव करें?
- बच्चों से पूछें कि कुल कितने ब्लॉक्स हो गए उनके पास? ऐसा उन्हें कुछ और ब्लॉक्स के साथ करने को कहें।
- इस बार कोई किसी को ब्लॉक्स नहीं देगा।
- फिर पूछें कि इस बार कितने ब्लॉक्स उन्होंने जोड़े या घटाव करें? और कुछ नहीं के लिए शून्य की शब्दावली का इस्तेमाल करने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- साँप तालाब के पास 5 मेंढक खाने के लिए आया, सभी पानी में कूद गए। साँप को कितने मेंढक खाने को मिले?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन

परिवेश की वस्तुएं।

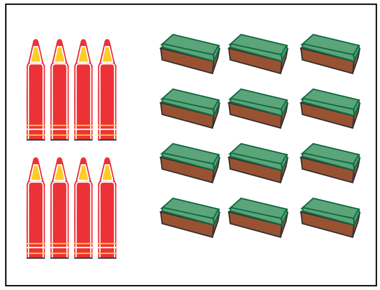

- बच्चों को 3–4 समूह में बाटें।
- सभी को कुछ वस्तुओं को दें।
- वस्तुओं को गिनकर उनकी संख्या शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखें।
- दूसरों के समूह की गिनती को श्यामपट्ट पर बड़ी संख्या के नीचे लिखें।
- बच्चों से दोनों संख्याओं की वस्तुओं को मिलाकर, गिनकर उतनी संख्या लिखें।
- श्यामपट्ट पर संख्या कार्ड दिखाते हुए इकाई के नीचे इकाई संख्या को जोड़कर लिखें।
- बच्चों से दहाई के नीचे दहाई संख्या लिखकर, बच्चों से उस संख्या को पूछें।
- दोनों समूहों की संख्या को आपस में जोड़कर उतनी ही वस्तुओं और चित्र बनाकर बच्चों से गिन कर पूछें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- इकाई में इकाई की संख्या क्यों जोड़ते हैं?
- दहाई में दहाई की ही संख्या क्यों जोड़ेंगे?

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, जोड़–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : जोड़ना, मिलाना, इकट्ठा करना।

सामान्य भूल : कई बार बच्चे लम्बवत जोड़ में दो संख्याओं को उनके स्थानीय मान के अनुसार नहीं लिखते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

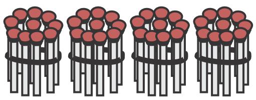

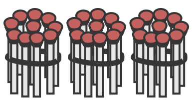

- शिक्षक बच्चों को रोचक संदर्भ में दस के गुणज को जोड़ने का सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 40 बकरियाँ हैं। उसके भाई के पास 30 बकरियाँ हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ:** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस के समूह में जोड़ना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	दहाई / बण्डल	इकाई / खुले
	3	5
+	4	3
	7	**8**

- शिक्षक जोड़ के सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 35 लड्डू हैं। उसने और 43 लड्डू बनाए। अब उसके पास कुल कितने लड्डू हैं? किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** रमन के पास कितने लड्डू थे? रमन ने कितने लड्डू और बनाए?
- **समझाएँ:** 35 माचिस की तीलियाँ लो। अब 43 माचिस की तीलियाँ लो। दोनों को मिलाकर गिनो।
- **पूछें:** अब कुल कितने हैं?
- **शिक्षक के लिए निर्देश :** पहले दोनों समूह के इकाई को इकट्ठा कर गिनने को कहें। इसके बाद इसी प्रकार दहाई को।
- शिक्षक जोड़–चार्ट पर संख्या लिख कर और माचिस की तीलियों को रखते हुए बच्चों को लम्बवत जोड़ना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

45	40
+33	+23

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत जोड़ के कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 33 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 40 अंडे हैं। उसके भाई के पास 23 अंडे हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितने अंडे हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|1 कराएँ–पृष्ठ 116

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|1 कराएँ–पृष्ठ 98

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं व चित्रों के साथ) हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस की तीलियां, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे अकसर हासिल को भूल जाते हैं या दो अंकों को जोड़कर पूरी संख्या लिख देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

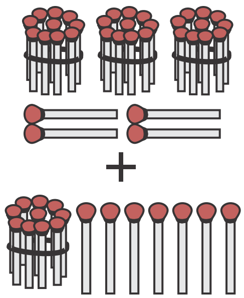

- शिक्षक जोड़ के कुछ रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- **पूछें**: दीपक के पास 34 पतंगें थीं और उसकी दीदी ने उसे और 17 पतंगें दीं। अब दीपक के पास कितनी पतंगें हैं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़/माचिस तीली का उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ**: कंकड़/माचिस तीली की सहायता से बच्चों को समझाएँ कि कैसे दो समूह की वस्तुओं को इकट्ठा कर बने नए समूह में वस्तुओं की संख्या पता करना जोड़ है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

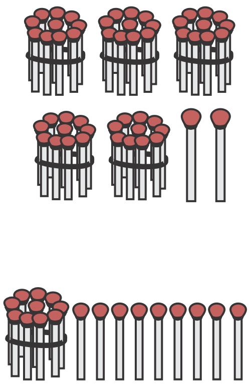

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और जोड़ के सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें**: अमन के पास 52 तीलियाँ थीं। उसने दुकान से और 19 तीलियाँ खरीदीं। अब उसके पास कुल कितनी तीलियाँ हो गईं?
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें**: अमन के पास कितनी पेंसिलें थीं? अमन ने कितनी पेंसिलें खरीदीं? समझाएँ: 52 तीलियों का एक समूह बनाओ। अब 19 तीलियों का एक समूह बनाओ। दोनों को मिलाकर गिनो।
- **पूछें**: अब कुल कितनी तीलियाँ हो गईं? मतलब अमन के पास कितनी तीलियाँ हैं?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : देखें बच्चे कैसे गिन रहे हैं। इकाइयों की संख्या 10 से ज्यादा है तो बण्डल बनाने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

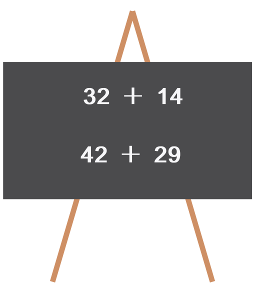

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में 36 गोले और दूसरे में 14 गोले बनाएँ।
- समूह के नीचे क्रमशः 36 और 14 लिखकर, जोड़ का चिह्न भी लगाएँ।
- 36 में 14 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- 42 और 29 गोले जोड़ने से कितने गोले होंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|2 कराएँ–पृष्ठ 117

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|2 कराएँ–पृष्ठ 98

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, जोड़–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

$$\begin{array}{r} 40 \\ +50 \\ \hline 90 \end{array}$$

- शिक्षक बच्चों को रोचक संदर्भ में दस के गुणजों को जोड़ने का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 40 बकरियाँ हैं। उसके भाई के पास 50 बकरियाँ हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस की तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ:** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस से समूह में जोड़ना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

	दहाई / बण्डल	इकाई / खुले
	1	
	5	5
+	2	9
	8	**4**

- शिक्षक जोड़ के एक सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 55 लड्डू हैं। उसने और 29 लड्डू बनाए। अब उसके पास कुल कितने लड्डू हो गए हैं?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- बच्चे को अपने स्तर से सवाल को हल करने दें।
- **समझाएँ:** पहले 55 माचिस की तीलियाँ लो। अब 29 माचिस की तीलियाँ लो। दोनों को मिलाकर गिनो। इकाइयों की संख्या दस से अधिक है। दस इकाइयों का एक बण्डल बनाकर दहाई के घर में रखते हुए हासिल की अवधारणा समझाएँ।
- शिक्षक जोड़–चार्ट पर उचित संख्या लिखकर और माचिस की तीलियों की संख्या रखते हुए बच्चों को लम्बवत जोड़ना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

$$\begin{array}{r} 45 \\ +36 \end{array} \qquad \begin{array}{r} 46 \\ +24 \end{array}$$

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत जोड़ के हासिल वाले कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 36 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 46 अंडे हैं। उसके भाई के पास 24 अंडे हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितने अंडे हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|3 कराएँ–पृष्ठ 118

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|3 कराएँ–पृष्ठ 98

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड।

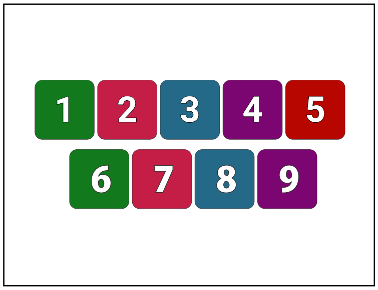

- सभी बच्चों को दो अंकीय संख्या फ्लैश कार्ड वितरित करें।
- श्यामपट्ट पर गुब्बारे का चित्र बनाकर दो बच्चों को अपने–अपने फ्लैश कार्ड की संख्या बताने को कहें।
- संख्या को लम्बवत रूप से लिखें।
- अब बच्चों से दोनों संख्याओं को वस्तुओं से गिनकर कुल संख्या को बतलाएँ।
- इसे श्यामपट्ट पर करते हुए बताएँ इकाई के साथ इकाई वाली संख्या लिखकर जोड़कर बताएँ।
- इसी तरह दहाई वाली संख्या को दहाई वाली संख्या के साथ ऊपर नीचे करके जोड़कर बताएँ और कॉपी पर लिखने का अभ्यास करें।
- इस प्रक्रिया को रोचक बनाने के लिए गुब्बारे के चित्र में दो अंकीय संख्याओं को लिखें और प्रत्येक बच्चे को आपसी बातचीत से सवाल हल करने को प्रेरित करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- इकाई के नीचे इकाई की संख्या को क्यों जोड़ते हैं?
- जोड़ते समय इकाई की तरफ से क्यों शुरुआत करते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन

स्ट्रॉ/माचिस की तीलियाँ।

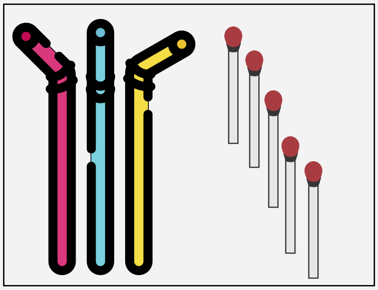

- बच्चों के दो–दो समूह बनाकर स्ट्रा या माचिस की तीलियाँ दें। बच्चों को स्ट्रॉ/माचिस की तीलियों के 10–10 के कुछ बण्डल बनाने को कहें।
- उदाहरण के लिए, 38 को 3 बण्डल व 8 खुली तीलियों से और 46 को 4 बण्डल और 6 खुली तीलियों से दिखाया जा सकता है।
- अगर हम इन बण्डल और तीलियों को मिला दें, तो हमे कितनी बण्डल व खुली तीलियाँ मिलेंगी?
- समझाएँ– 8 और 6 खुली तीलियों को मिलाने पर हो जाएँगी 14 तीलियाँ। 14 दस से ज्यादा है इसलिये, हम 10 तीलियों का 1 बण्डल बना देंगे और 4 तीलियाँ खुली रहेगी। पहले हमारे पास 3 और 4 बण्डल थे, और अब 1 बण्डल और हो गया। इसलिये हमारे पास हो गए 8 बण्डल।
- हमारे पास कुल हुए 8 बण्डल और 4 खुली तीलियाँ, यानी 84।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 27 और 54 को जोड़ने से कौन सी संख्या बनेगी?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड।

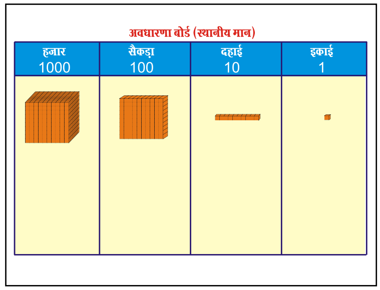

- बच्चों को 2– 2 के समूह में बाँटें। हर समूह को स्थानीय मान कार्ड दें।
- आप 2 संख्या बोलें। बच्चे स्थानीय मान कार्ड की मदद से वो संख्या दिखाएँ। जैसे, बच्चे 35 को 30 और 5 के कार्ड से दिखाएँ। 27 को 20 और 7 के कार्ड से दिखाएँ। बच्चों से पूछे इन संख्या में कितने दहाई है और कितनी इकाई है।
- बच्चों को संख्याओं को नोटबुक में लिखकर जोड़ने के लिए कहें। समझाएं कि हम इकाई के नीचे इकाई और दहाई के नीचे दहाई लिखेंगे।
- अब बच्चों से इकाई वाली संख्या को जोड़ने को कहें। जैसे 5 और 7, होगा 12। यह संख्या 10 से ज्यादा है। इसमें 2 इकाई है, इसलिये 2 को इकाई के नीचे लिखें। 1 को दहाई वाली संख्याओं के ऊपर हासिल के रूप में लिखें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- हल करें:

$$\begin{array}{r} 41 \\ +79 \\ \hline \end{array}$$

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं व चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन : कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : घटाव, निकालना/कम करना।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

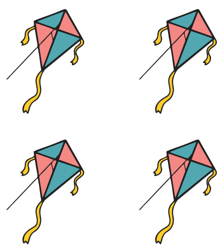

- शिक्षक घटाव के रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- **पूछें**: दीपक के पास 4 पतंगें थीं और उसकी दीदी ने 2 पतंगें ले लीं। अब दीपक के पास कितनी पतंगें हैं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़ उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ**: कंकड़ की सहायता से बच्चों को समझाएँ कि कैसे एक समूह की वस्तुओं से कुछ वस्तुएँ निकाल कर बने नए समूह में वस्तुओं की संख्या पता करना घटाव है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और घटाव के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें**: अमन के पास 22 कंकड़ थे। अमन के 15 कंकड़ गुम हो गए। अब उसके पास कितने कंकड़ बच्चे?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें**: अमन के पास कितने कंकड़ थे? अमन के कितने कंकड़ गुम हो गए?
- **समझाएँ** : पहले 22 कंकड़ों का एक समूह बनाओ। अब 15 कंकड़ों को समूह से निकालो। अब गिनकर देखो कितने कंकड़ बचे हैं?
- **पूछें**: अब कितने कंकड़ बचे हैं? कुछ और बच्चों के साथ इसी प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु** : बच्चों को घटाव के चिह्न से परिचय कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर समूह में 26 गोले बनाएं और उसके नीचे 26 लिखें। समूह से 15 गोले को क्रॉस लगाएँ। ऐसे और भी चित्र बनाएँ।
- 26 में 15 घटाने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- 43 में 31 कम करने से कितने गोले बचेंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|1 कराएँ–पृष्ठ 123

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|1 कराएँ–पृष्ठ 102

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, घटाव–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : घटाव, निकालना/कम करना।

सामान्य भूल : कई बार बच्चे लम्बवत जोड़ में दो संख्याओं को उनके स्थानीय मान के अनुसार नहीं लिखते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

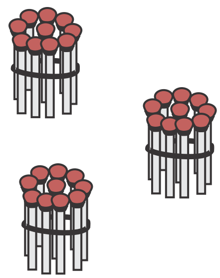

- शिक्षक बच्चों को किसी रोचक संदर्भ में दस के गुणजों में घटाव का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 30 बकरियाँ हैं। वह 10 बकरियों को बाजार में बेच आया। अब उसके कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस की तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ:** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस के समूह में घटाव करने में आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	दहाई/ बण्डल	इकाई/ खुले
	4	3
–	3	2
	1	1

- शिक्षक घटाव के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 43 लड्डू हैं। 32 लड्डू बिक गए। अब रमन हलवाई के पास कितने लड्डू बचे हैं?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएं और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** रमन के पास कितने लड्डू थे? रमन ने कितने लड्डू बेच दिए?
- **समझाएँ:** पहले 43 माचिस की तीलियाँ लो। अब 32 माचिस की तीलियाँ निकाल लो। गिनकर देखो कितनी तीलियाँ बचीं।
- **पूछें:** अब कितने लड्डू बच गए?
- **शिक्षक के लिए निर्देश :** बच्चों को पहले समूह से इकाई को। इसके बाद दहाई को अलग करने को कहें।
- शिक्षक घटाव–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर बच्चों को लम्बवत घटाव करना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

45	58
-33	-23

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत घटाव के कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 33 घटाव करने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 58 अंडे हैं। उसने भाई को 23 अंडे दे दिए। आरिफ के पास कितने अंडे बचे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|2 कराएँ–पृष्ठ 124

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|2 कराएँ–पृष्ठ 102

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तु और चित्र के साथ) हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे हासिल की अवधारणा में अक्सर गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

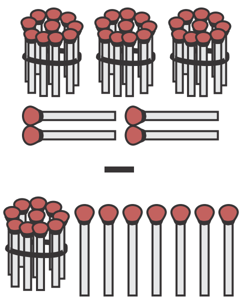

- शिक्षक घटाव के रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- **पूछें**: दीपक के पास 34 पतंगें हैं। उसकी दीदी ने उससे 17 पतंगें ले लीं। अब दीपक के पास कितनी पतंगें बचीं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़/माचिस तीली उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ**: कंकड़/माचिस तीली की सहायता से बच्चों को समझाएँ कि कैसे एक समूह की वस्तुओं से कुछ वस्तुओं को निकाल कर बची हुई वस्तुओं की संख्या पता करना ही घटाव है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

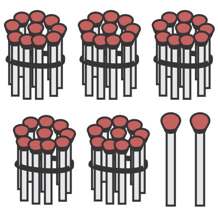

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और घटाव के एक सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें**: अमन के पास 52 तीलियाँ थीं। अमन के 19 तीलियाँ गुम हो गईं। उसके पास कितनी तीलियाँ बची हैं?
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें**: अमन के पास कितनी तीलियाँ थी? कितनी तीलियाँ गुम हो गईं?
- **समझाएँ**: 52 तीलियाँ लो। अब 19 तीलियाँ निकाल दो। देखो कितनी तीलियाँ बचीं?
- **पूछें**: नौ तीलियाँ कैसे कम करेंगे?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : देखें बच्चे कैसे 19 तीलियाँ कम करते हैं। इकाइयों की संख्या 9 से कम हैं। तो एक दस के बण्डल को खोल कर इकाइयों में बदलने को कहें।
- **पूछें**: अमन के पास कितनी तीलियाँ बची हैं?
- कुछ और बच्चों के साथ इसी प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

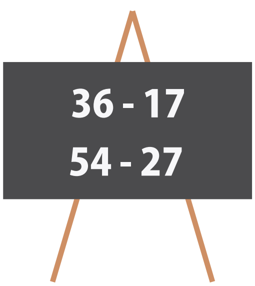

- शिक्षक मेज पर 36 तीलियाँ (तीन दस के बण्डल और 6 खुली) रखें।
- एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और 17 तीलियाँ कम करने को कहें।
- ऐसे और कुछ उदाहरण लें।
- 36 में 17 तीलियाँ कम करने से कितनी तीलियाँ बचीं?
- 54 से 27 तीलियाँ घटाव करने से कितनी तीलियाँ बचेंगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|3 कराएँ–पृष्ठ 125

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|3 कराएँ–पृष्ठ 102

सप्ताह 15

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियाँ।

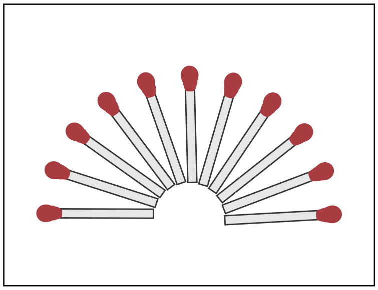

- बच्चों के दो–दो समूह बनाकर माचिस की तीलियाँ दें। बच्चों को माचिस की तीलियों के 10–10 के कुछ बण्डल बनाने को कहें।
- कोई भी दो अंकीय संख्या बोलें और उसे बण्डल और खुली तीलियों से प्रदर्शित करने को कहें। उदाहरण के लिए, 36 को 3 बण्डल और 6 खुली तीलियों से दिखाया जा सकता है।
- बच्चों से पूछें– अगर हम इन बण्डल और तीलियों में से 12 हटा दें, तो कितने बण्डल और खुली तीलियाँ बचेंगे?
- समझाएँ– 12 तीलियों का मतलब है 1 बण्डल और 2 खुली तीलियाँ।
- सभी बच्चों को 3 बण्डल और 6 खुली तीलियों में से 1 बण्डल और 2 खुली तीलियाँ हटाने का मौका दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- अब हमारे पास कितने बण्डल और तीलियाँ बचीं?
- 2 बण्डल और 4 खुली तीलियाँ कौन सी संख्या दिखाता है?
- 36 में से 12 घटाव करने पर कितना बचता है?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन

पर्चियाँ।

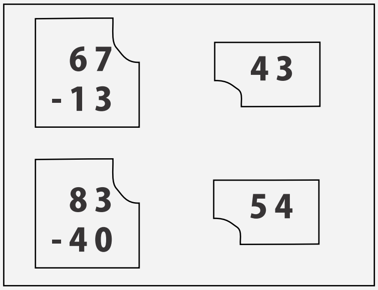

- कक्षा के बच्चों को 4 के समूह में बांटें हर समूह में 8 पर्चियाँ दें। 4 ऐसी पर्चियाँ जिस पर 2 अंकीय बिना हासिल वाले घटाव के सवाल लम्बवत रूप से लिखे हों और 4 ऐसी पर्चियाँ जिस पर उनके जवाब लिखे हों।
- बच्चों को समझाएँ आपको सवाल वाली पर्ची पर दिया गया सवाल हल करना है। फिर उसके उत्तर वाली पर्ची ढूंढनी है। सवाल और उत्तर वाली पर्ची का मिलान करके रखना है। जो समूह पहले मिलान करेगा वो विजेता होगा।
- बिना हासिल का घटाव् वाला सवाल लम्बवत रूप में लिखकर दिखाएँ। ऊपर बड़ी संख्या लिखें और नीचे छोटी संख्या। समझाएँ– पहले हम इकाई में से इकाई वाला अंक घटाव करते है और फिर दहाई में से दहाई वाला अंक हटाते हैं। सवाल हल करके दिखाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 67 से 13 घटाव करने पर कितना बचता है?
- 83 से 40 घटाव करने पर कितना बचता है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तु और चित्र के साथ) हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियाँ।

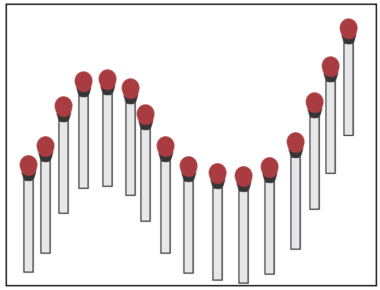

- बच्चों के दो–दो समूह बनाकर माचिस की तीलियाँ दें। बच्चों को माचिस की तीलियों के 10–10 के कुछ बण्डल बनाने को कहें।
- कोई भी दो अंकीय संख्या जैसे 36 बोलें और उसे बण्डल व खुली तीलियों से प्रदर्शित करने को कहें।
- अगर हम इन बण्डल और तीलियों में से 19 हटा दें, तो कितने बण्डल और खुली तीलियाँ बचेंगे?
- समझाएँ– 19 तीलियों का मतलब है 1 बण्डल और 9 खुली तीलियाँ।
- हमारे पास 6 खुली तीलियाँ हैं। 6 खुली तीलियों में से 9 खुली तीलियाँ हटाना मुश्किल है, इसलिए हम 1 बण्डल को खोल देंगे। अब हो जायेगा 16 खुली तीलियाँ। 16 तीलियों में से 9 तीलियाँ हटा देंगे। बचेंगी 7 खुली तीलियाँ।
- अब 3 में से 2 बण्डल बचे, हम 2 बण्डल में से 1 बण्डल हटा देंगे। इस तरह हमारे पास बचेगा 1 बण्डल और 7 खुली तीलियाँ यानी 17।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 32 से 17 घटाव करें तो कितना बचेगा?

सप्ताह 16

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटाव कर सकें।
- दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।
- दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन : ब्लॉक्स, स्ट्रा और डोमिनो।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

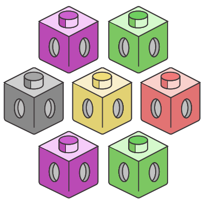

- **समझाएँ:** प्रत्येक समूह में जाकर दिये ब्लॉकों/स्ट्रा में से कुछ ब्लॉक/स्ट्रा रख दें।
- अब प्रत्येक समूह में से रखे ब्लॉक/स्ट्रा को 10–10 के बण्डल बनाकर गिनने को कहें तत्पश्चात् कोई दो अंकीय संख्या को बण्डल और खुले ब्लॉक में से गिनकर निकलवायें।
- यदि पहली संख्या के खुले ब्लॉक/स्ट्रा दूसरी संख्या के इकाई से कम है तो एक बण्डल खोल कर खुली ब्लॉक/स्ट्रा में मिलाने के पश्चात घटाव करें।
- अब प्रत्येक समूह को 10 और 10 से अधिक वस्तुओं के स्वनिर्मित चित्र अथवा श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर हासिल के घटाव की अवधारणा को स्पष्ट करें।
- अब श्यामपट्ट पर की गई हासिल के घटाव की संक्रिया को ब्लॉक/स्ट्रा द्वारा अभ्यास करवायें।
- ध्यान रखें की हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

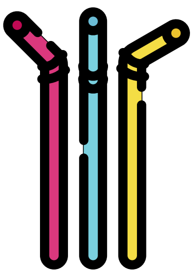

- **समझाएँ** : प्रत्येक समूह में जाकर दिये ब्लॉकों/स्ट्रा में से कुछ ब्लॉक/स्ट्रा समूह में रख दें।
- अब प्रत्येक समूह से में रखे ब्लॉक को 10 –10 के बण्डल बनाकर गिनने को कहें तत्पश्चात कोई दो अंकीय संख्या को बण्डल और खुले ब्लॉक में से गिनकर निकलवायें।
- अब प्रत्येक समूह को 10 और 10 से अधिक वस्तुओं के स्वनिर्मित चित्र अथवा श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर बिना हासिल के घटाव की अवधारणा को स्पष्ट करें।
- अब श्यामपट्ट पर की गई बिना हासिल के घटाव की संक्रिया को ब्लॉक द्वारा अभ्यास करवायें।
- ध्यान रखें की हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

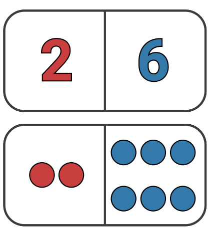

- **समझाएँ** : समूह से किसी डोमिनो पर लिखी संख्या को कार्ड के पीछे बनी बिंदियों को गिनने को कहें। समूह को एक–दूसरी दो अंक की संख्या कार्ड के पीछे बनी बिंदी के बराबर मात्रा पहले कार्ड से प्राप्त संख्या में से घटाव कर प्राप्त संख्या का डोमिनो कार्ड ढूँढने को कहें।
- अब इसी प्रकार 2 दो अंकीय संख्याओं के डॉट कार्ड को ऊपर–नीचे रखकर पहली संख्या के बिंदियों में से दूसरी संख्या के बिंदियों घटाव करने को कहें और प्राप्त संख्या नीचे लिखें।
- छात्रों को अब दो अंकीय संख्याओं को ऊपर–नीचे लिखकर घटाव करना समझाएँ।
- छात्रों को लम्बवत घटाव का अभ्यास समूह में करने को प्रेरित करें।
- ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 16

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटाव कर सकें।
- दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।
- दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन : खेल मुद्रा।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

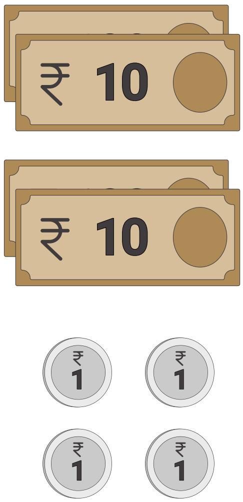

- कक्षा के बच्चों को 2–2 के समूह में विभाजित करें।
- हर समूह को 20 एक के सिक्के व 5 दस के नोट दें।

समझाएँ:

- शिक्षक बच्चों को दैनिक जीवन के संदर्भ पर समस्या दें, और एक उदाहरण के साथ समझाएँ कि कैसे खेल मुद्रा की सहायता से इसे हल किया जा सकता है।
- जैसे– सहदेव के पास 25 रुपये थे, उसने 13 रुपये का रंग का पैकेट ले लिया तो उसके पास कितने रुपये बच गए?
- शिक्षक 25 रुपये को खेल मुद्रा की सहायता से दर्शा कर समझाएँ।
- दो दस के नोट व 5 एक के सिक्के, फिर इसमें से 13 को निकालकर दिखाएँ, 12 शेष रहे। एक दस का नोट व तीन एक सिक्के हटाने पर एक दस का नोट और दो एक के सिक्के बचे।
- शिक्षक बच्चों को ऐसे संदर्भ दें जिसे बच्चे खेल मुद्रा की सहायता से हल कर सकें।
- प्रक्रिया को लम्बवत रूप से भी हल करके बच्चों को समझाएँ। 25–13=12 बच्चे भी इसी तरह हल करके दिखाएंगे।

पूछें:

- हम इस तरह के संदर्भों में घटाव करने की प्रक्रिया कर रहे हैं, जोड़ की नहीं– ऐसा क्यों?
- 25 रुपये को खेल मुद्रा से कैसे दिखा सकते हैं?
- क्या आप ऐसा कोई संदर्भ बना सकते हैं?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

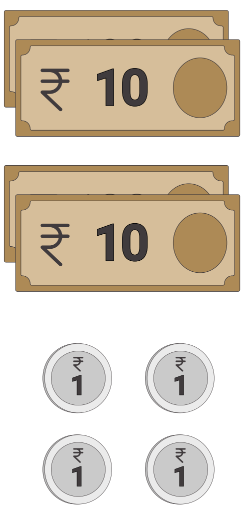

- **समझाएँ:** शिक्षक दैनिक संदर्भों की सहायता से अब ऐसी समस्याएँ बच्चों से करवाएँगे, जिसमें पुनः समूहन की आवश्यकता हो।
- उदाहरण के लिए रानी के पास 30 रुपये थे, उसने 13 रुपये के गुब्बारे खरीद लिए, अब रानी के पास कितने रुपये शेष बचे?
- शिक्षक बच्चों को खेल मुद्रा की सहायता से इसे समझायें, तीस के लिए दस के तीन नोट, इसमें से 13 निकालने के लिए एक दस के नोट को दस सिक्के से बदलना होगा, अब दो दस के नोट व 10 एक के सिक्के में से 13 को निकाल लेंगे।
- एक दस का नोट और तीन सिक्के निकालने के पश्चात् एक दस का नोट और साथ एक के सिक्के कुल 17 रुपये शेष बचेंगे।
- शिक्षक बच्चों को और ऐसे संदर्भ देंगे जिसे बच्चे खेल मुद्रा की सहायता से हल करेंगे।

पूछें:

- 30 रुपये में कितने नोट व सिक्के होंगे? 13 निकालने के लिए हम क्या कर सकते हैं?
- बच्चों को थोड़ा सोचने का समय दें और उन्हें स्वयं इस निष्कर्ष पर आने का अवसर दें कि 10 का एक नोट को बदलकर 1 के दस सिक्के लें।
- बच्चों को भी ऐसी उनके दैनिक जीवन की समस्या को कक्षा में चर्चा करने व हल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 17

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, घटाव–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे अक्सर हासिल को भूल जाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

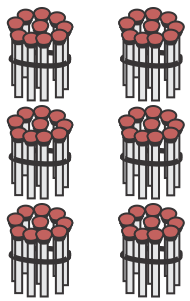

- शिक्षक बच्चों को रोचक संदर्भ में दस के गुणजों में घटाव का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 90 बकरियाँ हैं। वह 40 बकरियों को बाजार में बेच आया। अब उसके कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस की तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ:** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस के समूह में घटाव करना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	दहाई / बण्डल	इकाई / खुले
	4	
	5	5
−	2	9
	2	**4**

- शिक्षक घटाव के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 55 लड्डू हैं। उसने 29 लड्डू बेच दिए। अब उसके पास कितने लड्डू बचे?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएं और सवाल हल करने को कहें।
- बच्चे को अपने स्तर से सवाल को हल करने दें।
- **समझाएँ:** पहले 55 माचिस की तीलियाँ लो। अब 29 माचिस की तीलियाँ कम करनी हैं। इकाइयों की संख्या 9 से कम है। इसलिए दहाई का एक बण्डल खोलकर इकाई के घर में रखते हुए हासिल की अवधारणा समझाएँ।
- शिक्षक घटाव–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर बच्चों को लम्बवत घटाव करना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

45	54
−36	−27

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत घटाव के हासिल वाले कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 36 घटाव करने पर कौन सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 54 अंडे हैं। उसने अपने भाई को 27 अंडे दे दिए। आरिफ के पास कितने अंडे बचे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|1 कराएँ–पृष्ठ 130

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|1 कराएँ–पृष्ठ 108

सप्ताह 17 — शिक्षण योजना 2

40 मिनट

गुणा की अवधारणा को बार-बार जोड़ (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन : कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : समूह बनाने की समझ, समूह की संख्या व समूह में वस्तुओं की संख्या। 1 से 99 तक संख्या ज्ञान और जोड़।

नये शब्द : बार–बार जोड़ना।

सामान्य भूल : बच्चे यह नहीं समझते कि बार–बार जोड़ करना ही गुणा होता है।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

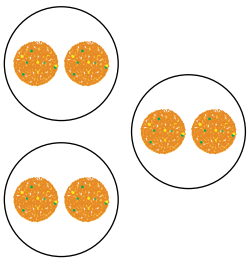

- शिक्षक प्रत्येक बच्चे को कुछ कंकड़ दें और कक्षा की शुरुआत एक सवाल से करें।
- **पूछें** : छोटा भीम नाश्ते, दिन के खाने और रात के खाने में दो–दो लड्डू खाता है? वह पूरे दिन में कितने लड्डू खाता है?
- बच्चों को सवाल हल करने के लिए कंकड़ इस्तेमाल करने की सलाह दें। फिर बच्चों से उत्तर लें।
- शिक्षक कंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए दो–दो कंकड़ों के तीन समूह बनाएं और बच्चों को दिखाएँ कि कुल संख्या "6" है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

8 + 8 + 8 = 24

- शिक्षक एक पेड़ का चित्र बनाएँ, जिसमें तीन शाखाएँ हों और हर शाखा में आठ पत्तियाँ हों।
- **पूछें**: कुल कितनी पत्तियां हैं?
- **समझाएँ** : आप 8 को 3 बार जोड़कर कुल पत्तियों की संख्या पता लगा सकते हैं और उसे ऐसे "8+8+8 = 24" लिख सकते हैं।
- अब चित्र में 3 की जगह 4 शाखाएँ और हर शाखा में 8 की जगह 7 पत्तियाँ बना दीजिए।
- **पूछें** : कुल कितनी शाखाएँ हैं? हर शाखा में कितनी पत्तियाँ हैं? कौन सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा? कुल पत्तियों की संख्या क्या है?

शिक्षक के लिए बिंदु: ध्यान दें कि बच्चे समूह में सभी वस्तुओं को गिनकर उत्तर देने की जगह बार–बार जोड़ का इस्तेमाल करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

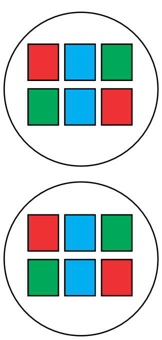

- शिक्षक 2 वृत्त में 6–6 बॉक्स बनाएँ। इसके ऊपर बच्चों से कुछ सवाल पूछें।
- कितने बॉक्स हैं?
- प्रत्येक वृत्त में कितने बॉक्स हैं?
- कौन–सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा?
- कुल कितने वृत्त हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|2 कराएँ–पृष्ठ 131

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|2 कराएँ–पृष्ठ 108

सप्ताह 17

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

गुणा की अवधारणा को समूह व समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन : टाइल्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या की समझ।

नये शब्द : कितने समूह, समूह में कितनी वस्तुएँ।

सामान्य भूल : कितने समूह हैं और प्रत्येक समूह में कितनी वस्तुएँ हैं? यह बच्चे आसानी से नहीं समझ पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

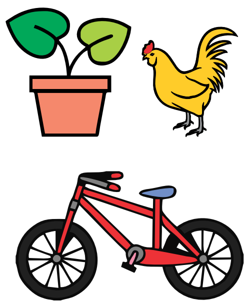

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत जोड़े की अवधारणा से करें। उदाहरण : साइकिल के पहिए, मुर्गे के पैर और इंसानों की आँख आदि।
- **पूछें**: दिए गए उदाहरणों में क्या समानता है?
- बच्चों को सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
- **समझाएँ** : दिए गए सारे उदाहरण जोड़ी में है।
- **पूछें** : ऐसे कुछ वस्तुओं के उदाहरण दीजिए जो चार–चार के समूह में आती हों।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : चर्चा के दौरान समूह और एक समूह में कितनी वस्तुएँ हैं, इस पर जोर दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

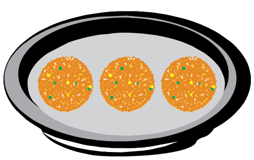

- शिक्षक श्यामपट्ट पर 6 जोड़ी मोजों के चित्र बनाएँ।
- **समझाएँ** : यहाँ मोजों के 6 जोड़े हैं। हर जोड़ी में दो मोजे हैं। हम देख सकते हैं कि समूह की संख्या छह है। और प्रत्येक समूह में वस्तुओं की संख्या दो है। कुल वस्तुओं की संख्या पता करने के लिए दो को छह बार जोड़ना होगा।
- **पूछें**: कुल मोजों की संख्या कितनी है?

शिक्षक श्यामपट्ट पर 7 प्लेट बनाएँ और हर एक प्लेट में 3–3 लड्डू बनाएँ।

- **पूछें** : कितने समूह हैं? प्रत्येक समूह में कितनी वस्तुएँ हैं? कुल वस्तुओं की संख्या पता करने के लिए कौन–सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा?
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

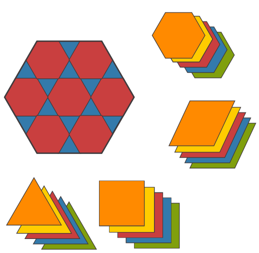

- शिक्षक फर्श पर तीन–तीन टाइल्स के नौ समूह बनाएँ।
- बच्चों से सवाल पूछें और कॉपी में उत्तर लिखने को बोलें।
- टाइल्स के कितने समूह हैं? प्रत्येक समूह में कितने टाइल्स हैं?
- कुल टाइल्स की संख्या पता करने के लिए कौन–सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|3 कराएँ–पृष्ठ 132

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|3 कराएँ–पृष्ठ 108

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन

कुछ खुली माचिस की तीलियाँ और कुछ 10–10 के बंडल।

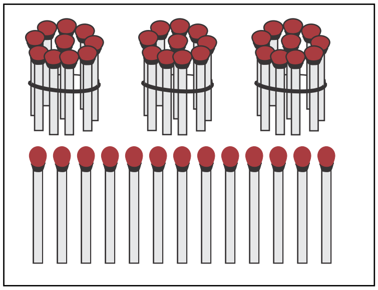

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- बच्चों के लिए सामने घटाव का एक सवाल रखें (उदाहरण– 33–16)।
- प्रश्न के अनुसार बच्चों के समूह को पर्याप्त माचिस की तीलियाँ और बण्डल दें।
- बच्चों को घटाव का सवाल हल करने के लिए पर्याप्त समय दें।
- बच्चों से पूछें, उनमें (33 में) से कितनी तीलियाँ कम करनी हैं। जितनी तीलियाँ कम करनी हैं, उन्हें निकालकर अलग करें।
- बच्चे तीलियाँ नहीं निकाल सके, तो सवाल पूछें कि इतनी (16) तीलियाँ कम करने के लिए कितने खुले और दस के बण्डल चाहिए? अगर इकाइयाँ पर्याप्त नहीं है तो क्या करें? क्या इतने बण्डल पर्याप्त हैं?
- बण्डल और तीलियों से सवाल हल करने के बाद बच्चों को लम्बवत रूप से सवाल लिखकर हल करने के लिए कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

हल करें–

$$\begin{array}{r} 80 \\ -67 \\ \hline \end{array}$$

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

गुणा की अवधारणा को बार-बार जोड़ (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन

कुछ नहीं।

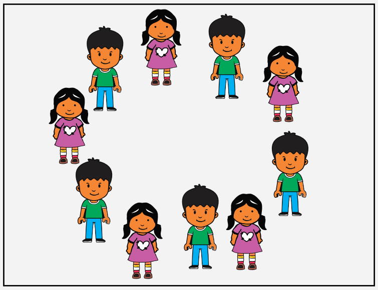

- बच्चों को एक गोल घेरे में खड़ा करें।
- बच्चों को निर्देश दें : 'आपको गोल घेरे में घूमते हुए बोलना है 'आप चाहें जितने', 'हम दें उतने'। जब मैं एक संख्या बोलूँगा तो आपको रुकना है और उतने के समूह बनाने हैं। जैसे–अगर मैंने कहा 4, तो आपको 4–4 के समूह में खड़े होना है।"
- बच्चों के साथ यह खेल खेलें।
- जब बच्चे 4–4 के समूह में खड़े हो जायें, तब उनसे पूछें 4–4 के कितने समूह हैं? जितने समूह हैं, उन सभी समूहों में कुल कितने बच्चे हैं? जैसे– अगर 4–4 के 10 समूह है तो कुल बच्चे हुए 40। कुल बच्चों की संख्या पता करने के लिए 4 को 10 बार जोड़ना होगा। 10 बार 4 को जोड़ा तो हुआ 40।
- इस प्रकार अन्य संख्या के साथ खेल आगे बढ़ाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

7 को 3 बार जोड़ने पर कितना आएगा?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

गुण की अवधारणा को समूह और समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में

संसाधन

माचिस की तीलियाँ।

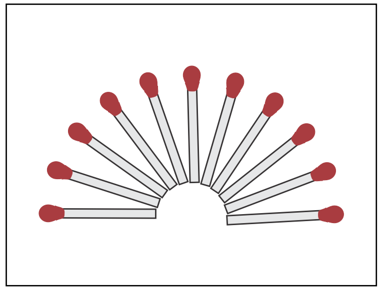

- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें। अपने पास माचिस की तीलियाँ रखें।
- इन तीलियों से कुछ समूह बनाएँ। उदाहरण– तीन–तीन तीलियों के 5 समूह बनाएँ।
- अब बच्चे से प्रश्न करें कि यहाँ कितने समूह हैं? प्रत्येक समूह में कितनी तीलियाँ हैं? कुल कितनी तीलियाँ हैं?
- बच्चों को जवाब देने के लिए प्रेरित करें। फिर समझाएँ– यहाँ 5 समूह हैं। हर समूह में 3 तीलियाँ हैं। और यह कुल 15 तीलियाँ हैं।
- इसी प्रकार तीलियों के अलग–अलग समूह बनाकर दिखाएं और इसी तरह सवाल पूछें।
- इसके बाद शिक्षक बच्चों को बारी–बारी से आगे बुलाएं और समूह बनाने को कहें, जैसे–6 वस्तुओं के 3 तीन समूह, 2 वस्तुओं के 4 समूह आदि।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 6 वस्तुओं को 3 समूह हैं, तो कुल कितनी वस्तुएँ हैं?
- 2 वस्तुओं को 4 समूह हैं, तो कुल कितनी वस्तुएँ हैं?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को गुणा कर सकें।

संसाधन : कंकड़, झाड़ू की सीकें।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या समझ और जोड़ की अधारणा।

नये शब्द : गुणा।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

3 बार 5 बिस्कुट = 15 बिस्कुट

3 गुणा 5 = 15

3 × 5 = 15

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कोई रोचक संदर्भ लेते हुए एक अंकीय गुणा का एक सवाल दें।
- **पूछें**: बिस्कुट के किसी पैकेट में 5 बिस्कुट आते हैं। तो ऐसे 3 पैकेट में कितने बिस्कुट होंगे?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- **समझाएँ**– शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखते हुए समझाएँ।
- इसी प्रकार कुछ और सवालों पर बातचीत करें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चों को गुणा के चिह्न से परिचय कराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

3 × 2 = 6

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कागज पर एक–अंकीय गुणा का एक सवाल लिखें।
- **पूछें** : 4 × 5 =
- **समझाएँ**–बच्चों को समझाते हुए चार बार पांच–पांच कंकड़ों का समूह बनाएँ। नीचे लिखें 5 + 5 + 5 + 5= 20। अब एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और एक अंकीय गुणा का एक सवाल लिखें।
- बच्चों को पर्याप्त समय दें और मनकों की सहायता से सवाल हल करने दें। इस प्रकार गतिविधि को दोहराएँ। अब एक और सवाल कागज पर लिखें।
- **पूछें** : 3 × 2=

चित्र के अनुसार झाड़ू की सीकों को रखें। बच्चों को उन बिन्दुओं को गिन कर दिखाएँ जहाँ दो सीकें मिल रही हैं। समझाएँ – 3 बार 2 हुए 6।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

8 × 9 =   5 × 6 =

पेंसिल के चार डब्बे हैं। हर डब्बे में 6 पेंसिल है। कुल कितने पेंसिल हैं?

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक अंकीय गुणा के कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 8 × 9=?
- 5 × 6 कितना होता है?
- पेंसिल के चार डब्बे हैं। हर डब्बे में 6 पेंसिल हैं। कुल कितनी पेंसिल हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|1 कराएँ–पृष्ठ 137

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|1 कराएँ–पृष्ठ 112

सप्ताह 18

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

वस्तुओं (9 तक) को बराबर बाँट सकें।

संसाधन : कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या समझ।

नये शब्द : बराबर बाँटना।

सामान्य भूल : बच्चे वस्तुओं को बाँट देते हैं। परन्तु बराबर है या नहीं यह पता नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक कोई रोचक संदर्भ लेते हुए बराबर बाँटने का एक सवाल बच्चों के सामने रखें।
- **पूछें**: आठ केलों को डेविड, शालू, मंगल और हीरा में बराबर कैसे बाटेंगे?
- किन्ही चार बच्चों को आगे बुलाएँ और आठ कंकड़ों को आपस में बराबर बाँटने को कहें। बच्चों को पर्याप्त समय दें।
- **समझाएँ** : अब शिक्षक सभी बच्चों को समझते हुए आठ कंकड़ों को चार बच्चों में बाँटें।
- कुछ और उदाहरण के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

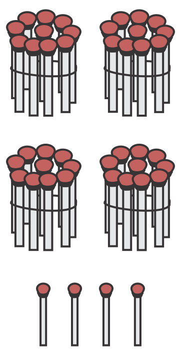

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। किन्ही चार बच्चों को आगे बुलाएँ।
- **पूछें**: 44 मिठाइयों को 4 हलवाई आपस में कैसे बराबर बाँटेंगे?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चों को कंकड़ का इस्तेमाल करने दें। जरूरत पड़ने पर बच्चे की मदद करें।
- **समझाएँ** : शिक्षक 44 कंकडों को चार जगह बाँट कर दिखाएं।
- इसी प्रकार प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।
- शिक्षक बराबर बाँटने पर एक और सवाल करें।
- **पूछें**: 44 गन्नों को 4 किसान आपस में कैसे बराबर बाँटेंगे?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : इस बार बच्चों को 44 तीलियाँ दें। (4 दस के बण्डल और चार खुले।)
- **समझाएँ** : 44 तीलियों को बिना खोले बाँटना, 44 कंकड़ों को बाँटने में कैसे आसान है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

24 आमों को तीन बच्चों में बराबर बांटो।

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ सवाल दें।
- बच्चों को सवालों के हल कॉपी में चित्र बनाकर करने को कहें।
- 24 आमों को तीन बच्चों में बराबर बांटो।
- 48 कंचों को चार लड़कियों में बराबर बाँटो।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|2 कराएँ–पृष्ठ 138

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|2 कराएँ–पृष्ठ 112

सप्ताह 18

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

भाग की अवधारणा को बार-बार घटाव (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन : कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान :

नये शब्द : भाग, बार–बार घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे यह नहीं समझते कि बार–बार घटाव ही भाग है।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

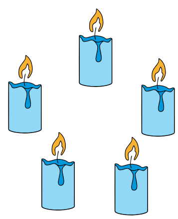

- शिक्षक भाग का एक सवाल बच्चों के सामने रखें।
- **पूछें**: एक दुकानदार के पास 21 मोमबत्तियाँ हैं। 7 मोमबत्तियों का एक पैकेट बनाना है, तो कितने पैकेट बनेंगे?
- बच्चों को सवाल हल करने का पर्याप्त समय दें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चे माचिस की तीली या कंकड़ इस्तेमाल करना चाहें तो करने दें।
- **समझाएँ** : 21 खुली तीलियाँ रखें। 7 तीलियाँ अलग कर एक पैकेट बनाएं। प्रक्रिया को दो बार और दोहराएँ। बच्चों को बताएँ कि हम तीन पैकेट बना सकते हैं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

24 - 4 = 20

20 - 4 = 16

16 - 4 = 12

12 - 4 = 8

8 - 4 = 4

4 - 4 = 0

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें, पास में कुछ मनके और कागज रखें।
- **पूछें** : एक डिब्बे में 24 मिठाइयाँ हैं। कक्षा के प्रत्येक बच्चे को चार–चार मिठाइयाँ देनी हैं, तो कितने बच्चों को मिठाइयाँ मिलेगी?
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ और कंकड़ का इस्तेमाल कर सवाल हल करने को कहें।
- अब सभी बच्चों को समझाते हुए सवाल हल करें।
- **समझाएँ** : कागज में एक डिब्बा बनाएँ, उसके अन्दर 24 कंकड़ रखें। अब चार कंकड़ उठाएँ और एक बच्चे को दें। कागज पर लिखें "24– 4= 20"। बच्चों को बताएँ कि अब 20 मिठाइयाँ बची हैं। फिर से 4 कंकड़ उठाएँ और किसी एक बच्चे को दें। बीस में चार गए तो बचे 16 बोलते हुए लिखें "20–4= 16"। इसी प्रकार आगे बाँटें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक बच्चों से कुछ सवाल करें। बच्चों को सवालों के हल कॉपी में करने को कहें।
- एक दुकानदार के पास 28 मोमबत्तियाँ हैं। 4 मोमबत्तियों का एक पैकेट बनाना है, तो कितने पैकेट बनेंगे?
- एक डिब्बे में 44 पेंसिलें हैं। कक्षा के प्रत्येक बच्चे को चार–चार पेंसिलें देनी हैं तो कितने बच्चों को पेंसिलें मिलेंगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|3 कराएँ–पृष्ठ 139

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|3 कराएँ–पृष्ठ 112

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को गुणा कर सकें।

संसाधन

तीलियों के समूह।

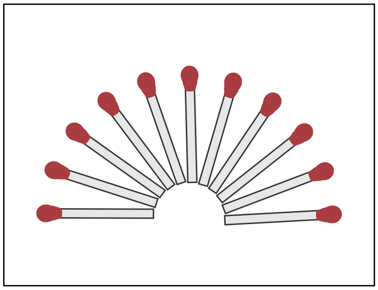

- बच्चों को दो–दो के समूह में विभाजित करें। सभी समूहों को कुछ तीलियाँ दें।
- जिस संख्या का गुणा करना है, इतनी संख्या में तीलियों के समूह बनाकर रख ले। जैसे: 3 का गुणा सिखाना है, 3–3 तीलियों के गुच्छे बनाकर रखें। सभी समूहों को तीलियों के गुच्छे दें।
- बच्चों से पूछें: 3 तीलियों के 2 गुच्छे में कुल कितनी तीलियाँ होंगी?
- बच्चे तीलियाँ गिनकर कुल संख्या पता कर सकते हैं।
- समझाएँ : यह 2 गुच्छे हैं। इसमें 2 बार 3 तीलियाँ आ रही हैं। इसलिए इसे 2 X 3 = 6 लिखा जा सकता है। श्यामपट्ट पर लिखकर उनका परिचय के चिह्न से भी कराएँ।
- अब 3 गुच्छे लें, यही प्रक्रिया करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

हल करें–

4 X 3 = ______

7 X 4 = ______

अभ्यास गतिविधि 74 — 40 मिनट

वस्तुओं को बराबर बाँट सकें।

संसाधन

कंचे।

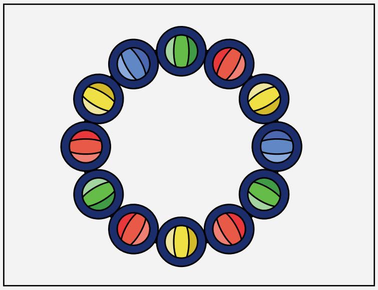

- बच्चों को कुछ कंचे दिखाते हुए बोलें यह मेरे पास 30 कंचे हैं। इन कंचों को 5 बच्चे आपस में बराबर कैसे बाँटेंगे?
- कक्षा में किन्हीं पाँच बच्चों को आगे बुलाएँ और उनमें से किसी एक बच्चे को 30 कंचे दें और उन्हें अपने 5 साथियों को देने को कहें। यह भी बताएँ कि सभी को बराबर–बराबर कंचे देना है।
- पहले पाँचों साथियों को एक–एक कंचे बाँटने को कहें। फिर यही प्रक्रिया तब तक दोहराने को कहें, जब तक उसके पास कंचे खत्म न हो जाए।
- बच्चों से सवाल करें कि 30 कंचों को 5 लोगों में बाँटा तो हर एक बच्चे को कितने कंचे मिले?
- इसी प्रकार कुछ और सवाल का अभ्यास कराएं।

बच्चों के लिए प्रश्न:

36 कंचों को 4 लोगों में बराबर बाँटें तो हर एक को कितने कंचे मिलेंगे?

40 कंचों को 8 लोगों में बराबर–बराबर बाँटो?

अभ्यास गतिविधि 75 — 40 मिनट

भाग की अवधारणा को बार-बार घटाव (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

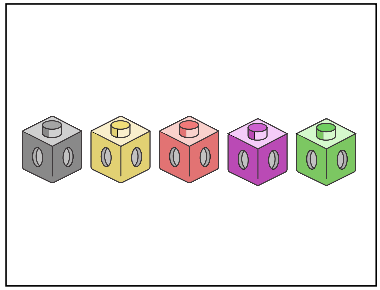

- बच्चों के 12 ब्लॉक्स दिखाते हुए पूछें कि अगर इन्हें 4 बच्चों में बराबर बाँटना है तो कैसे बाँटेंगे।
- पहले चार साथियों को एक–एक ब्लॉक्स बाँटने को कहें। समझाएँ 12 कंचो में से 4 कम हो गए बचे 8। यानी 12 – 4 = 8
- फिर एक–एक ब्लॉक्स और बाँटने को कहें। अब 8 में से 4 गए, बचे 4। यानी 8 – 4 = 4
- फिर एक–एक ब्लॉक्स और बाँटने को कहें। अब 4 में से 4 गए, बचे 0। यानी 4 – 4 = 0
- बच्चों से चर्चा करें कि 12 में से 4 को 3 बार घटाव किया तो शेष शून्य आया।
- समझाएँ कि किसी संख्या में से एक ही संख्या को बार–बार घटाव करने की संक्षिप्त प्रक्रिया को भाग कहते हैं।
- उनका परिचय भाग के चिह्न से भी कराएँ 12 ÷ 4

बच्चों के लिए प्रश्न:

हल करें–

9 ÷ 3 = ______

10 ÷ 2 = ______

सप्ताह 19

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को भाग कर सकें।

संसाधन : कंकड़। माचिस तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या समझ और घटाव की अवधारणा।

नये शब्द : भाग।

सामान्य भूल : कोई भूल नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कुछ तीलियाँ और एक कागज साथ रखें। किसी एक बच्चों को आगे बुलाएँ।

? **पूछें** : 9 मोमबत्तियों को अगर तीन पैकेटों में बराबर–बराबर रखना है। हर पैकेट में कितनी मोमबत्तियाँ होंगी?

- बच्चों को पर्याप्त समय दें और तीलियों का इस्तेमाल करने का सुझाव दें।
- **समझाएँ** : 9 तीलियाँ रखें। कागज पर तीन बॉक्स बनाएँ। एक–एक कर 9 तीलियों को बाँट दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

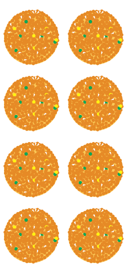

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कुछ कंकड़ और एक कागज साथ रखें।
  किसी एक बच्चों को आगे बुलाएँ।

? **पूछें** : 8 लड्डुओं को 4 प्लेट पर बराबर–बराबर रखें तो एक प्लेट पर कितने लड्डू होंगे?

- बच्चों को पर्याप्त समय दें और कंकड़ का इस्तेमाल करने का सुझाव दें।
- अब शिक्षक कक्षा के बच्चों को समझाते हुए सवाल को हल करें।
- **समझाएँ** : 8 कंकड़ रखें। कागज पर चार प्लेट बनाएँ। एक–एक कर चार प्लेटों पर 8 कंकड़ों को बाँट दें।
- "8 लड्डुओं को बराबर बाँटा 4 प्लेटों में तो एक प्लेट में आए 2 लड्डू।"
- 8 बराबर बाँटा 4 में तो एक को मिला 2
- 8 ÷ 4 = 2
- चारों समूह को देखते हुए कहें।
  "दो–दो लड्डू के चार समूह। कुल हुए 8 लड्डू।"
  मतलब 4 बार 2 बराबर 8
  4 × 2 = 8
- इस प्रकार कुछ और सवालों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

6 ÷ 3=?
8 ÷ 4=?
4 ÷ 2=?

- शिक्षक बच्चों के सामने भाग के कुछ सवाल रखें।
- सभी बच्चे अपनी–अपनी कॉपी में चित्र/तीली की सहायता से सवाल हल करेंगे।

? 6 ÷ 3=?
? 8 ÷ 4=?
? 4 ÷ 2=?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19 |1 कराएँ–पृष्ठ 144

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19 |1 कराएँ–पृष्ठ 116

सप्ताह 19

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतियों को पहचान सकें।

संसाधन : पेंसिल, पेन, सिक्का, चूड़ी, छड़ी और रस्सी। आकार–परिवार।

नये शब्द : वक्र, तिकोन, गोला, वर्ग व आयत।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : :बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

सामान्य भूल : बच्चे आकृतियों को अलग–अलग अभिविन्यास में नहीं पहचान पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

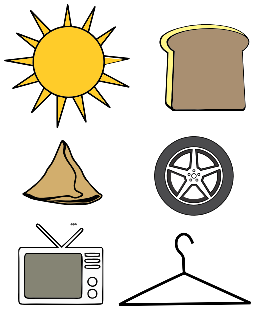

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस कविता से करें।
  समोसे–पराठे कोने वाले, रोटी–पूड़ी होती गोल।
  बिस्कुट में होते छोटे कोने, पर कुछ बिस्कुट होते गोल।।
  भाँति–भाँति की अजब वस्तुएं, कितने अलग–अलग आकार।
  कोनों के कारण हम सीखें, होते कितने भिन्न प्रकार।।
  कविता में उक्त संसाधनों के चित्र श्यामपट्ट पर बनाएँ।
- **पूछें:** कौन सी वस्तु सीधी है और कौन सी घुमावदार? किस वस्तु में कोने होते हैं?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** ऐसे और भी परिवेश की वस्तुओं के उदाहरण लेकर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

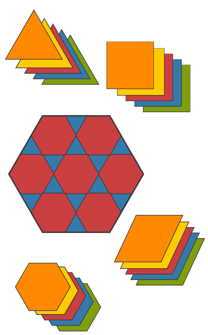

- शिक्षक आकार–परिवार से अलग–अलग आकार के त्रिभुजाकार आकृति छाँटकर बच्चों को दें और अपनी कॉपी में ट्रेस करने को कहें।
- **पूछें:** क्या सभी आकृति एक जैसी हैं या अलग–अलग? इस आकृति में कितनी सीधी रेखा हैं?
- **समझाएँ:** सभी आकृति एक जैसी हैं। इसे त्रिभुज कहते हैं। आपने परिवेश से कुछ उदाहरण भी दें। बच्चों को भुजा और कोने भी समझाएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** इसी प्रकार वर्ग आयत और वृत्त पर बातचीत करें।
- अब शिक्षक माचिस की तीलियों से आकृति बनाएँ।
- बच्चे को तीली से वही आकृति बनाने को कहें।
- **पूछें:** इस आकृति का क्या नाम है? इस आकृति में कितनी रेखाएँ हैं? इस आकृति में कितने कोने हैं?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

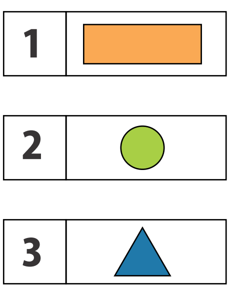

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह चित्र बनाएँ। बने हुए चित्रों के ऊपर बच्चों से सवाल करें।
- **पूछें:** पहला आकृति का नाम क्या है?
- अपने परिवेश से एक उदाहरण दो जो ऐसे दिखता है ?
- तीसरे वाले आकृति में कितनी रेखाएँ और कोने हैं?
- दूसरी आकृति का नाम क्या है? अपने
- परिवेश से एक उदाहरण दो जो ऐसे दिखता है ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|2 कराएँ–पृष्ठ 145

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|2 कराएँ–पृष्ठ 116

सप्ताह 19

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

वस्तुओं की विशेषताएँ जैसे सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।

संसाधन : गेंद, डस्टर, गुब्बारे, किताब और लकड़ी की बनी त्रि–विमीय आकृति (ठोस आकृतियाँ)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द : घन, घनाभ, बेलन और गोला।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

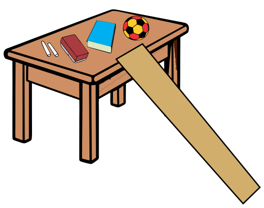

- शिक्षक किताब की मदद से एक फिसल पट्टी बनाएँ।
- **पूछें:** बच्चे लुढ़कने और खिसकने/फिसलने में क्या अंतर समझते हैं?
- बच्चों के अनुभवों को सुनें और फिर समझाएँ।
- एक–एक बच्चे को बुलाएँ।
- **पूछें:** यह लुढ़केगा या सरकेगा?
- अब वस्तु को पट्टी पर रखने को कहें।
- इसी प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- अंत में किसी एक बच्चों को सभी वस्तुओं को दो समूह में वर्गीकृत करने को कहें।
- **समझाएँ:** बच्चों को वक्र पृष्ठ और समतल पृष्ठ में अंतर समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

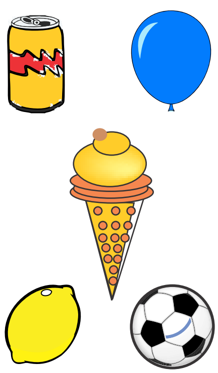

- शिक्षक कुछ वस्तुएं इकट्ठा करें। जैसे: गेंद, फुटबॉल, गुब्बारे, नींबू, पाइप, मोमबत्ती, बोतल, ग्लास, पासा, ईंटें आदि। अब श्यामपट्ट पर एक बेलन, गोला, शंकु और एक घनाभ का चित्र बनाएँ।
- बच्चों को बारी–बारी से बुलाकर इकट्ठा की गई वस्तुओं में से कोई एक वस्तु उठाने को कहें।
- **पूछें:** वस्तु का आकार चार्ट पर बने किस आकृति से मेल खाता है?
- **समझाएँ:** बच्चों द्वारा चुनी गई ठोस आकृति में कितने पृष्ठ, भुजा और कोने हैं।
- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर एक घन और एक घनाभ का चित्र बनाएँ।
- **पूछें:** दोनों चित्रों में क्या अंतर है?
- **शिक्षक के बिन्दु:** जरूरत होने पर बच्चे को एक ठोस घन और घनाभ दें।
- **समझाएँ:** शिक्षक घन और घनाभ में अंतर स्पष्ट करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

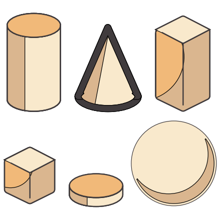

- इकट्ठा की गई सभी आकृतियों को एक थैले में रखें।
- बारी–बारी से एक बच्चे को बुलाएँ और उसकी आँखों को किसी कपड़े से ढंक दें।
- बच्चे के हाथ में एक वस्तु दें।
- इस ठोस आकृति का क्या नाम है?
- अपने परिवेश से एक उदाहरण दो।
- इस आकृति में कितने तल हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|3 कराएँ–पृष्ठ 146

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|3 कराएँ–पृष्ठ 116

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को भाग कर सकें।

संसाधन

गेंद / कंचे / कंकड़ / फूल, बॉक्स आदि

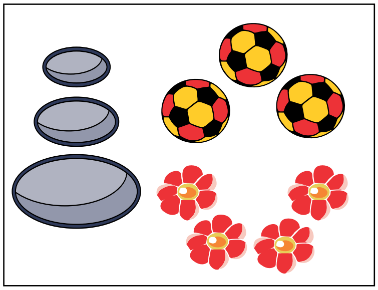

- बच्चों के सामने भाग का कोई सवाल रखें। उदाहरण— 18 गेंद को 3 बॉक्स में बराबर रखना है, तो एक बॉक्स में कितनी गेंदें रखनी होंगी?
- शिक्षक, बच्चों को 3 –3 के समूह में विभाजित कर, गेंद व बॉक्स, प्रत्येक समूह को प्रश्नानुसार वस्तुएं दें।
- बच्चों को वस्तुओं के द्वारा सवाल हल करने के पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि एक बॉक्स में कितने गेंद हैं? 18 गेंदों को 3 बॉक्स में कैसे बाँटा गया? गेंद बाँटने के बाद शेष क्या बचा?
- बच्चों को बताएँ कि किसी वस्तु को बराबर–बराबर बाँटते हैं, तो एक समूह में आई चीजें पता करने को हम भाग करते हैं। भाग करने पर मिला उत्तर भागफल कहलाता है। उदाहरण– उपरोक्त में भागफल 6 है।

बच्चों के लिए प्रश्न:

हल करें–

$8 \div 4 =$ ______

$10 \div 5 =$ ______

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतिओं को पहचान सकें।

संसाधन

आकृतियों का टाइल्स।

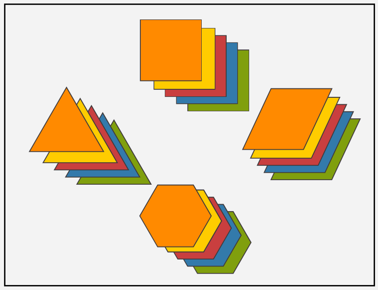

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- हर समूह को कुछ आकृतियाँ बैग से दें और उनसे मिलाकर कुछ सजाने को कहें।
- बच्चों को कोई भी एक आकृति का चित्र दिखाएँ।
- बच्चों से पूछें कि यह कौन सी आकृति है?
- आकृतियों के चित्र दिखाकर आकृतियों से परिचित करायें त्रिभुज, वर्ग और आयत।
- फिर बच्चों से पूछें कि जो उन्होंने मिलकर बनाया है वह क्या है और उसमें कितने वर्ग, कितने त्रिभुज और कितने आयत का इस्तेमाल किया है?
- बच्चों के जवाब एक तालिका में लिखें जैसे आकृति का नाम, वर्ग, त्रिभुज, आयत और उनके नीचे बच्चों के जवाब लिखें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- वर्ग और आयत में क्या–क्या समानताएँ हैं?
- आयत और त्रिभुज में क्या अंतर है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

वस्तुओं की विशेषताएँ जैसे सरकना और लुढ़कना को पहचान सकें।

संसाधन

ठोस आकृतियाँ

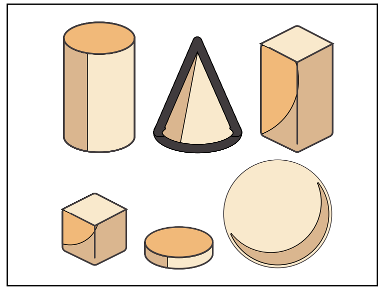

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें
- प्रत्येक समूह को कुछ आकृतियाँ दें।
- एक शीट दें जिसमें लुढ़कने वाली वस्तु वह सरकने वाली वस्तु लिखा हो।
- बच्चों को ढलान पर आकृतियों को रखने को कहें, बच्चे जो आकृतियाँ लुढ़क रही हैं उनको लुढ़कने वाले स्थान पर लिखें।
- बच्चों से पूछें कि लुढ़कने वाली वस्तुएँ कौन–कौन सी हैं और सरकने वाली वस्तुएँ कौन–कौन सी हैं?
- बच्चों से सवाल करें कि यह वस्तुएँ लुढ़क या सरक कैसे रही हैं और क्यों?
- आकृतियों के पृष्ठों पर भी बच्चों से चर्चा करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या कुछ ऐसी आकृतियों का उदाहरण दें सकते हैं जो लुढ़कती भी हैं और सरकती भी हैं?

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

विभिन्न आकृतियों को मिला कर नई आकृतियों को बना सकें।

संसाधन : टेनग्राम और आकार–परिवार।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

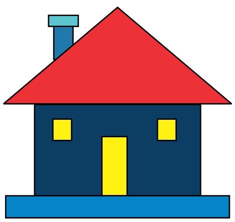

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें।
- सभी समूह में एक–एक आकार–परिवार किट दें।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर उक्त चित्र में से कोई एक चित्र बनाएँ।
- **समझाएँ:** श्यामपट्ट पर बने चित्र को दी गई आकृतियों की सहायता से बनाओ।

पूछें: तुमने कितने वर्ग का इस्तेमाल किया? तुमने कितने आयत का इस्तेमाल किया?

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत पड़ने पर बच्चों की मदद करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

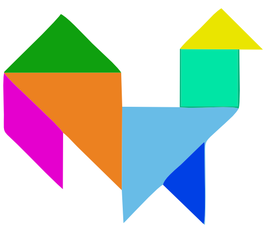

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँट दें और सभी समूह में एक–एक टेन ग्राम किट दें। टेन ग्राम में मौजूद आकृतियों से कोई एक चित्र बनाने कहें।

पूछें: चित्र में कितने त्रिभुज हैं? चित्र में कितने वर्ग हैं?

- कुछ और चित्र के साथ गतिविधि को दोहराएं।

शिक्षक के लिए बिन्दु : जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें।

अलग–अलग ओरिएंटेशन में रखीं आकृतियों पर बच्चों को ध्यान दिलाएं।

- अब बच्चों कों एक–एक डॉट शीट दें और डॉट शीट पर उक्त चित्र बनाने को कहें।

शिक्षक के लिए बिन्दु : बच्चों को आकृति में रंग भरने को भी कह सकते हैं।

- सभी बच्चों से कहें कि वो अपना डॉट शीट दोस्तों को दिखाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

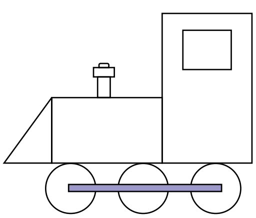

- शिक्षक श्यामपट्ट पर ये चित्र बनाएँ। पूछे गए सवालों के उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें ।

कौन से आकारों से यह चित्र बना है?

इसमें कितने वर्ग हैं?

आयत की संख्या कितनी हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|1 कराएँ–पृष्ठ 151

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|1 कराएँ–पृष्ठ 120

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

वस्तुओं को विभिन्न असमान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन : सबसे लम्बा या छोटा कौन है–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : :बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

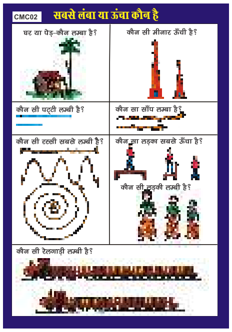

- शिक्षक लंबा–छोटा चार्ट से चर्चा शुरू करें ।
- **पूछें**: कौन–सी मीनार लम्बी है? कौन सी लड़की लम्बी है? शिक्षक आस–पास की कुछ वस्तुओं का उदाहरण लेकर भी बच्चों से बातचीत करें।
- **पूछें**: कक्षा के दो बच्चों में लम्बा कौन है? आपने कैसे पता किया? विद्यालय में कौन ज्यादा ऊंचाई पर है घड़ी या घंटी? सभी बच्चों से जवाब लें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : देखें बच्चे क्या उत्तर देते हैं? बच्चों के तर्कों पर बातचीत करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

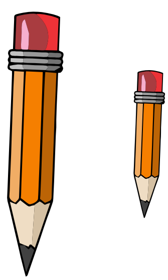

- शिक्षक दो अलग–अलग लम्बाई की पेंसिल लें।
- **पूछें**: कौन सी पेंसिल लम्बी है? आपने कैसे पता किया?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : देखें बच्चे क्या उत्तर देते हैं? क्या दोनों पेंसिल को एक–दूसरे के ऊपर रखने या बित्ते के इस्तेमाल का सुझाव देते हैं।
- अब शिक्षक बच्चों के साथ बैठें।
- कुछ वस्तुओं को अँगुली और बालिश्त का इस्तेमाल करते हुए माप कर दिखाएँ।
- **समझाएँ**– वस्तु की लम्बाई कितनी बालिश्त और अंगुल है।
- अब एक–एक कर बच्चों को मेज, डेस्क, टेबल और श्यामपट्ट की लम्बाई मापने को कहें।
- इस प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : ध्यान दें कि बच्चों के दो लगातार बालिश्त या अँगुली के बीच कोई गैप नहीं हो।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

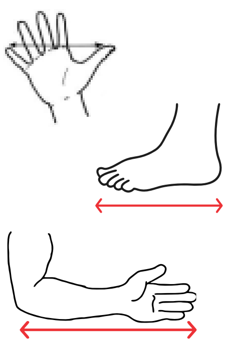

- शिक्षक कदम से किसी वस्तु को नाप कर दिखाएँ।
- **समझाएँ**: हम किसी वस्तु की लम्बाई या ऊंचाई मापने के लिए अँगुली, बालिश्त, हाथ और कदम का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को कदम से कक्षा की लम्बाई / चौड़ाई, चटाई / दरी की लम्बाई मापने को कहें।
- चटाई की लम्बाई कितने कदम है?
- टेबल की लम्बाई कितने बालिश्त है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|2 कराएँ–पृष्ठ 152

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|2 कराएँ–पृष्ठ 120

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

वस्तुओं को विभिन्न समान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन : पेंसिल, डस्टर, रबर, लकड़ी का गुटका।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानते हैं।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

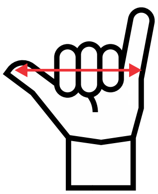

- शिक्षक दो बच्चों को आगे बुलाएँ।
- ☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु** : एक बड़े बच्चे और एक छोटे बच्चे को बुलाएँ।
- अब दोनों बच्चों को बालिश्त से मेज की लम्बाई मापने को कहें।
- ? **पूछें**: मेज की लम्बाई कितना बालिश्त है?
  अब शिक्षक मेज की लम्बाई नाप कर दिखाएँ।
- ? **पूछें**: हर बार मेज की लम्बाई अलग–अलग क्यों आ रहा है?
- सभी बच्चों से उत्तर लें।
- **समझाएँ**– तीनों लोगों के बालिश्त की लम्बाई अगल–अलग होने की वजह से मेज की लम्बाई अलग–अलग आई है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

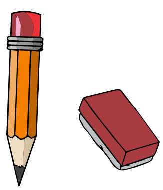

- शिक्षक डस्टर से मेज की लम्बाई कैसे नापते है दिखाएँ।
  अब बच्चों से मापने को कहें।
- ? **पूछें**: मेज की लम्बाई कितना डस्टर है?
- बच्चों को पेंसिल, डस्टर और लकड़ी के गुटके से अलग–अलग लम्बाई मापने को कहें।
- ☞ **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चों से बातचीत करते रहें। ध्यान दें कि बच्चों के दो लगातार पेंसिल या डस्टर के बीच कोई गैप न हो।
- किसी एक बच्चे को बुलाकर रबर से मेज की लम्बाई मापने को कहें।
- ? **पूछें**: मेज की लम्बाई मापने के लिए आप किसका इस्तेमाल करना चाहेंगे रबर या डस्टर? और क्यों?
- **समझाएँ**: बच्चों को समझाएं कि मेज की लम्बाई डस्टर से जल्दी मापी जा सकती है जिससे हमें आसानी होगी।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

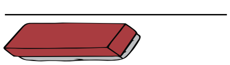

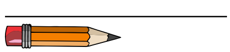

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक रेखाखंड खीचें।
- एक एक बच्चे को रूलर/पटरी डस्टर, पेंसिल और रबर से मापने को कहें।
- ? रेखाखंड की लम्बाई कितनी रबर है ?
- ? रेखाखंड की लम्बाई कितनी पेंसिल हुए?
- ? किसका इस्तेमाल करना आसान रहा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|3 कराएँ–पृष्ठ 153

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|3 कराएँ–पृष्ठ 120

सप्ताह 20 अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

विभिन्न आकृतियों को मिलाकर नई आकृतियों को बना सकें।

संसाधन

आकृतियों के टाइल्स।

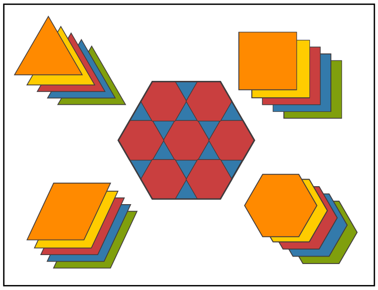

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को ठोस आकृतियों की टाइल्स दें।
- बच्चों से इच्छानुसार आकृतियां बनाने को कहें।
- समूह द्वारा बनाई गई वस्तुओं को सभी को दिखाने को कहें।
- दूसरे बच्चे अनुमान लगाकर बताएंगे कि उन्हें क्या दिखाई दे रहा है जैसे–मंदिर, चरखी, आदमी आदि।
- बच्चों से इन आकृतियों के बारे में बताने को कहें।
- बातचीत करें कि उन्होंने यह कैसे बनाया?
- इसी प्रकार दूसरे समूह को आमंत्रित करें और उनसे बातचीत करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

आपने जो नई आकृति बनाई है उसमें कौन–कौन सी आकृतियां मिली हुई हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

वस्तुओं को विभिन्न असमान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन

स्टिक, रस्सी।

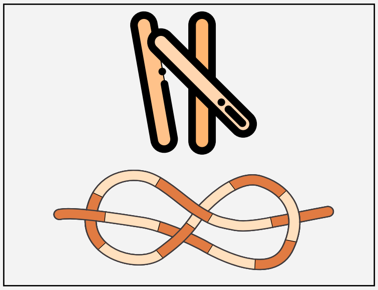

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- कक्षा के एक छोर पर रेखा बनाकर START लिखें।
- दूसरे छोर पर END लिखें।
- श्यामपट्ट पर समूह का टेबल बना लें।
- बच्चों को निर्देशित करें आपको START से END तक की दूरी पता करनी है।
- यह देखना कि किसने दूरी कैसे पता लगाई, इसे श्यामपट्ट पर अंकित किया जाएगा।
- जिसकी जितनी कम माप में दूरी नापी जायेगी उतना ही अच्छा।
- हर एक समूह से एक बच्चे को अपने समूह द्वारा सुझाई वस्तु जैसे स्टिक, रस्सी इत्यादि से मापने को कहें।
- इसी प्रकार बालिश्त या कदम से भी प्रतियोगिता करा सकते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्न:

नापने वाली वस्तु अगर बड़ी हो तो दूरी का माप बड़ा आएगा या छोटा?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

वस्तुओं का विभिन्न समान अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।

संसाधन

पेंसिल, डस्टर, चॉक आदि।

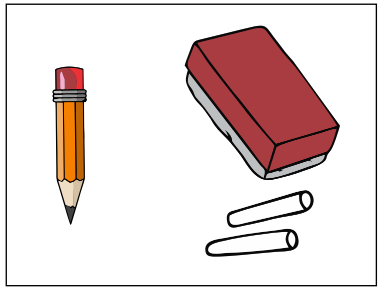

- कक्षा के बच्चों को उपलब्ध वस्तुओं द्वारा समूह में बांटें जैसे डस्टर, चॉक, पेंसिल आदि।
- प्रत्येक समूह को वह वस्तु दें।
- प्रत्येक वस्तु की लंबाई का अनुमान लगाने को बच्चों से कहें।
- समूह द्वारा पेंसिल, डस्टर और चॉक से कक्षा के श्यामपट्ट, खिड़की, दरवाजा आदि के एक सिरे को नापने को कहें।
- उनसे पूछें कि क्या सभी को नापने में बराबर–बराबर संख्या में वस्तुओं का प्रयोग हो रहा है?
- कमरे की फर्श को नापने में क्या पेंसिल, डस्टर तथा चॉक समान बार प्रयोग हो रहा है?
- उनसे बातचीत करें, यह किस प्रकार संभव है और उनसे उनके जवाब का आधार पूछें?

बच्चों के लिए प्रश्न:

नापने वाली वस्तु अगर एक ही है तो क्या हर समूह का माप संख्या समान ही होगी?

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।

संसाधन : खेल मुद्रा।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 100 तक की संख्या का समझ।

नये : नोट, सिक्के।

सामान्य भूल : संख्याओं की मात्रा का अंदाजा संख्या नाम सुनकर तुरंत नहीं लगा पाते।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

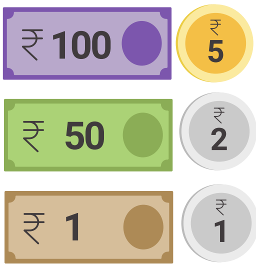

- शिक्षक मेज पर खेल–मुद्रा से कुछ नोट और सिक्के रखें और श्यामपट्ट पर एक गुल्लक का चित्र बनाएं।
- **समझाएँ**: इस गुल्लक में डालने के लिए रुपया चाहिए। एक बच्चा जितने रुपया बोले दूसरा बच्चा नोट या सिक्का की मदद से उतना रुपया उठाकर दिखाए।
- ? दो बच्चों को बुलाकर गतिविधि शुरु करें। **पूछें**: कितने रुपये डालने को कहा गया? कौन सी नोट या सिक्का उठाया गया? गतिविधि को और उदाहरणों के साथ दोहराएँ जिससे कि बच्चे सभी खेल मुद्रा पहचान पाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें और प्रत्येक समूह को खेल मुद्रा दें।
- **समझाएं**– जिस वस्तु का नाम लिया जाए उसकी कीमत का अनुमान लगाकर खेल मुद्रा से उचित रुपया निकाल कर दिखाना है।
- शिक्षक बारी–बारी से एक वस्तु का नाम लें जैसे–पतंग, गेंद, बैग, फुटबॉल, पेंसिल।
- ? **पूछें** : इसकी कीमत कितनी होगी? किस खेल मुद्रा का इस्तेमाल करेंगे? इसमें कितने नोट हैं और कितने सिक्के हैं?
- शिक्षक ऐसे और सवालों पर चर्चा करें।
- ☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : शिक्षक ध्यान दें कि बच्चे सही नोटों का चयन कर रहें हैं और उतनी ही खेल मुद्रा दे रहे हैं जितना वस्तु का मूल्य है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

2 रुपये

10 रुपये

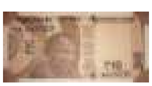

5 रुपये

- श्यामपट्ट पर यह चित्र बनाएँ और मिलान करने को कहें।
- एक–एक बच्चे को बुलाएँ और गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

? पहले नोट को किससे मिलाया?
? दूसरे सिक्के को किससे मिलाया?
? सबसे ज्यादा कीमत कौन से नोट की है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|1 कराएँ–पृष्ठ 158

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|1 कराएँ–पृष्ठ 124

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

चित्रों और संख्या पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।

संसाधन : श्यामपट्ट और चॉक।

नये शब्द : पैटर्न।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे स्वाभाविक रूप से आसान पैटर्न में छिपे नियम को समझ लेते हैं।

सामान्य भूल : बच्चे पैटर्न के कठिन नियमों का सामान्यीकरण करके उसे आगे नहीं बढ़ा पाते।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

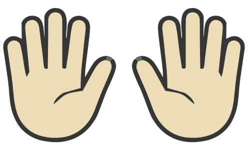

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत ध्वनि पैटर्न से करें। शिक्षक ताली या चुटकी बजाकर पैटर्न का निर्माण करें।
जैसे – दो ताली, एक चुटकी, दो ताली, एक चुटकी, ...।
बच्चों को अपने साथ ताली और चुटकी बजाने को बोलें।

पूछें: ताली और चुटकी किस पैटर्न में बज रही है? इस ध्वनि पैटर्न को और आगे बढ़ा सकते हैं?

- ऐसे और ध्वनि पैटर्न पर चर्चा करें, जिससे बच्चे पैटर्न के नियम को समझ कर उसे सामान्यीकरण करते हुए आगे बढ़ा पाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

10,
15,
20,
25
______,
______

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह पैटर्न बनाएं।
5, 10, 15 , ... , ...
- **समझाएँ** : संख्याओं का एक पैटर्न बनाया गया है, जहाँ एक संख्या उसके पहले आने वाली संख्या से पाँच ज्यादा है। इस पैटर्न में 15 के बाद आएगा 20, फिर 20 के आगे आएगा 25। इस तरह से पैटर्न को आगे बढ़ाया जा सकता है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर ऐसे और कुछ पैटर्न बनाएँ।

? **पूछें** : इसके बाद कौन सी संख्या आएगी? इस पैटर्न में कोई एक संख्या उसके पहले आने वाली संख्या से कैसे सम्बंधित है?

- अब बच्चों को समूह में बाँट दें, प्रत्येक समूह में एक बच्चे को अपने पसंद से कोई भी संख्या पैटर्न बनाने को कहें।
- बाकी बच्चे उसको आगे बढ़ाएँ।
- शिक्षक समूह में बच्चों की मदद करें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- श्यामपट्ट पर यह पैटर्न बनाएँ।

? पैटर्न को और तीन कदम आगे बढ़ाएँ तो कौन सा चेहरा आएगा?

? इस पैटर्न में अगली आकृति क्या होगी?

? इस पैटर्न में कौन सा चेहरा आपको ज्यादा पसंद है और क्यों?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|2 कराएँ–पृष्ठ 159

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|2 कराएँ–पृष्ठ 124

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

चित्रों से सामान्य सूचनाएं इकट्ठा कर अनुमान लगा सकें।

संसाधन : ब्लैक बोर्ड, चॉक।

नये शब्द : आंकड़े।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे गिनना जानते हैं, छोटा–बड़ा की समझ है और अपने परिवेश के विभिन्न आकारों को समझ रखते हैं।

सामान्य भूल : बच्चे दिए गए सूचना से निष्कर्ष नहीं निकल पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

बच्चों के नाम	सदस्यों की संख्या

- शिक्षक बोर्ड पर दस बच्चों के नाम लिखें। बच्चों को उनके परिवार के सदस्यों की संख्या बतानी है।
- बच्चों से पूछ कर उनके नाम के आगे, परिवार के सदस्यों की संख्या लिखें।
- अब अलग–अलग सवालों पर चर्चा करें।

पूछें: किसके परिवार में सबसे ज्यादा लोग हैं? किसके परिवार में सबसे कम लोग हैं? पहले तीन बच्चों के परिवार एक साथ आ जाएँ तो कुल लोगों की संख्या कितनी होगी?

- ऐसे और भी सवालों पर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

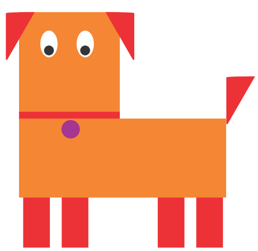

- शिक्षक इस चित्र को श्यामपट्ट पर बनाएँ।
- **समझाएँ :** चित्र में विभिन्न प्रकार की आकृतियाँ हैं। इन आकृतियों की संख्या को हम एक आंकड़ा कह सकते हैं। चित्र में उपस्थित सभी आकृतियों को कॉपी में बनाएँ। उदाहरण के लिए शिक्षक त्रिभुज या चतुर्भुज की आकृति को श्यामपट्ट पर बनाएँ।

पूछें : कुल कितने प्रकार की आकृतियाँ हैं?

- शिक्षक बच्चों को चित्र से देखकर प्रत्येक आकृतियों की संख्या कॉपी में लिखने को कहें।

पूछें: कुल कितने त्रिभुज हैं? वर्गों की संख्या क्या है? क्या वर्ग की संख्या त्रिभुज की संख्या से ज्यादा है? कौन सी आकृति की संख्या सबसे ज्यादा है?

- शिक्षक ऐसे और सवालों पर चर्चा करें, जिससे कि इस आँकड़े से बच्चे कुछ निष्कर्ष निकाल पाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

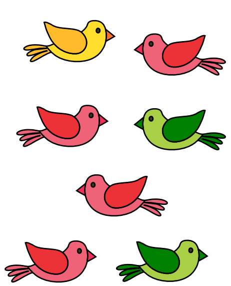

- शिक्षक इस चित्र को श्यामपट्ट पर बनाएँ।

? कौन से रंग के पंछी सबसे ज्यादा हैं?
? कौन से दो रंगों के पंछियों की संख्या बराबर है?
? हरे रंग के पंछी कितने हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|3 कराएँ–पृष्ठ 160

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|3 कराएँ–पृष्ठ 124

सप्ताह 21 अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।

संसाधन

खेल मुद्रा।

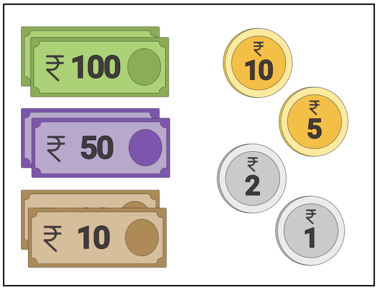

- कक्षा के बच्चों को 5–6 के समूह में बांटें।
- प्रत्येक समूह को अलग–अलग मूल्यों के नोटों को वितरित करें।
- कुछ समूह को सिक्के दें।
- बच्चों से नोटों पर लिखी संख्या बताने को कहें।
- उन्हें रुपये तथा पैसे के अंतर को समझाएँ।
- श्यामपट्ट पर एक संख्या जैसे 100, 200, 500, 700 आदि लिखकर बच्चों को इतने रुपये निकालकर अलग करने को कहें।
- शिक्षक किसी वस्तु का मूल्य रुपये में बता कर उसके मूल्य के बराबर 10, 50, 100 आदि के कितने नोटों में दिया जा सकता है, बच्चों से चर्चा करने को कहें।
- श्यामपट्ट पर संख्या के साथ नोटों और सिक्कों की तालिका बनाकर बच्चों से पूछें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 10 रुपये में 1 रुपये के कितने सिक्के होंगे?
- 200 रुपये की किताब को खरीदने में कितने 50 रुपये के नोट होंगे?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

चित्रों और संख्या पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।

संसाधन

टाइल्स।

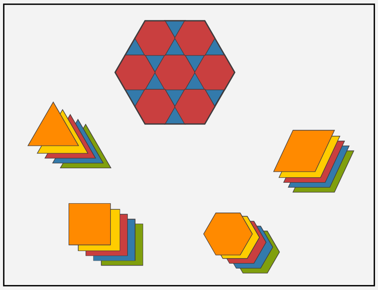

- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठे। बीच में आकृतियों से एक पैटर्न बनाए जैसे– एक लाल त्रिकोण, एक नीला त्रिकोण, एक लाल त्रिकोण, एक नीला त्रिकोण।
- बच्चों से पूछें– इसके बाद क्या आएगा? बच्चों से उनके जवाब का कारण पूछें।
- समझाएं कि यह एक पैटर्न है क्योंकि इसमें लाल और नीला त्रिकोण बार–बार दोहराया जा रहा है नीले त्रिकोण के बाद लाल त्रिकोण आएगा और लाल त्रिकोण के बाद नीला त्रिकोण।
- इसी प्रकार अलग–अलग पैटर्न बनाकर बच्चों से बातचीत करें और उस पैटर्न को आगे बढ़ाने के लिए कहें।
- पहले आसान पैटर्न से शुरू करें। फिर धीरे–धीरे कठिनाई स्तर बढ़ाते हुए पैटर्न की समझ बनाएं।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- क्या आप इस पैटर्न को आगे बढ़ा सकते हैं?

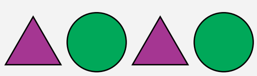

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

चित्रों से सामान्य सूचनाएँ इकट्ठा कर अनुमान लगा सकें।

संसाधन

टाइल्स।

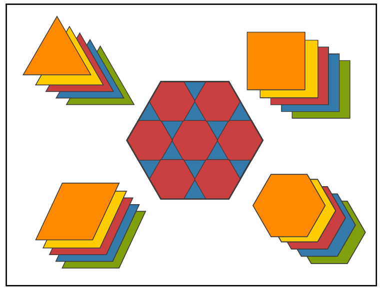

- शिक्षक संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 2–2 के समूह में विभाजित करें।
- बच्चों के प्रत्येक समूह को टाइल्स का सेट दें।
- बच्चों को इनका उपयोग कर, कुछ भी, बनाने को कहें।
- बच्चों द्वारा कुछ बनाने के बाद प्रत्येक समूह को अपनी बनाई हुई वस्तु बारी–बारी से सभी को दिखानी है एवं शिक्षक इस पर चर्चा करेगा।
- अन्य बच्चे अनुमान लगाकर बताएंगे कि उन्हें क्या दिखाई दे रहा है, जैसे: फूल, तारा, बिल्डिंग, घर आदि।
- शिक्षक आगे बातचीत करेंगे कि इसमें कौन–कौन से रंग का टाइल्स उपयोग किया गया है।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- एक समूह द्वारा बताई गई आकृति में कितने टाइल्स का उपयोग हुआ है?
- किस आकृति का उपयोग सबसे कम किया गया है?

सप्ताह 21

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- **सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।**
- **चित्रों और संख्या पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।**
- **चित्रों से सामान्य सूचनाएँ इकट्ठा कर अनुमान लगा सकें।**

संसाधन : खेल मुद्रा, स्टैम्प पैड।

1. प्रक्रिया-1 (5 मिनट)

- बच्चों को दो–दो के समूह में बाँटे। सभी को खेल मुद्रा दें।
- **समझाएँ**—मैं एक नोट या सिक्के का नाम बोलूँगी। आप सभी को वह नोट और सिक्का उठाकर दिखाना है।
- एक एक करके नोट या सिक्के का नाम बोलें जैसे 1 रुपये, 50 रुपये आदि।
- ध्यान दें कि सभी बच्चे सक्रिय भागीदारी कर रहे हों।
- शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर दें।

2. प्रक्रिया-2 (15 मिनट)

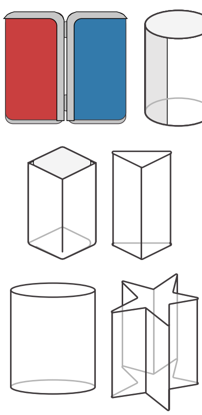

- स्टांप पैड की एक आकृति लें। उस आकृति में दो रंग की स्याही लगाकर पैटर्न बना कर दिखाएँ। आप बड़े चार्ट पेपर पर पैटर्न बना सकते हैं। जैसे–पहले लाल त्रिभुज, पुनः नीला त्रिभुज, फिर लाल त्रिभुज, ...। बच्चों से पूछें इस पैटर्न में आगे क्या आएगा।
- बच्चों को भी स्टांप पैड दें और उनसे यह पैटर्न बनाने के लिए कहें।
- इस तरह अलग–अलग रंग और आकृतियों से अलग–अलग पैटर्न बच्चों को बनाकर दिखाएँ और उन्हें आगे बढाने के लिए कहें।
- शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर दें।
- क्या बच्चे पैटर्न का नियम बता सकते हैं?

3. प्रक्रिया-3 (20 मिनट)

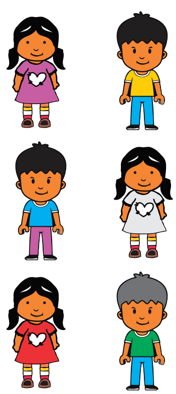

- सभी बच्चों को 4 पंक्तियों में खड़ा करें।
- **समझाएँ**—एक पंक्ति के बच्चे पशु का नाम, दूसरी पंक्ति के बच्चे पक्षी का नाम, तीसरी पंक्ति के बच्चे फल का नाम और चौथी पंक्ति के बच्चे फूल का नाम बताएँगे।
- श्यामपट्ट पर 4 कॉलम बनाए–एक पशु का, एक पक्षी का, एक फल का और एक फूल का। जैसे–जैसे बच्चे नाम बताएँ आप उपयुक्त कॉलम में उनका नाम लिखते जायें।
- जब सभी नाम बता दें, तो पूछें – पशु पक्षी फल और फूल में कौन सबसे ज्यादा है?
- क्या आप पशु, पक्षी, फल और फूल को संख्या के आधार पर बढ़ते क्रम में बता सकते हो?
- पशु पक्षी फल और फूल में कौन सबसे कम हैं?

सप्ताह 21

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।
- चित्रों और संख्या पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।
- चित्रों से सामान्य सूचनाएँ इकट्ठा कर अनुमान लगा सकें।

संसाधन : खेल मुद्रा।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

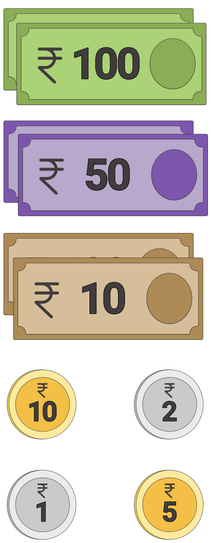

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4 या 5 के समूह में विभाजित कीजिये।
- शिक्षक सभी समूह को नोट व सिक्के उपलब्ध करवाएँ।

☞ **समझाएँ:**

- शिक्षक प्रत्येक समूह को कुछ राशि जैसे 19 को नोटों और सिक्कों का इस्तेमाल करके दर्शाने के लिए कहें।
- शिक्षक इस दौरान अलग–अलग समूह में जाकर अवलोकन करें तथा चर्चा करें किन–किन तरीकों से ये धनराशि बनाई जा सकती है। शिक्षक बच्चों को तालिका भरने में मदद करें।
- उदाहरण के लिए 19 को तीन पाँच के नोट, 2 के दो सिक्के से दर्शा सकते हैं। या दस का एक नोट, पाँच का एक नोट, चार एक–एक के सिक्के से भी दर्शा सकते हैं। अलग–अलग बच्चों के जबाब अलग हो सकते हैं।

☞ **पूछें:** किन नोट या सिक्कों को मिलाकर राशि प्राप्त की–

- ? कौन नोट या सिक्का सबसे ज्यादा उपयोग किया गया है?
- ? कौन सा नोट या सिक्का सबसे कम उपयोग किया गया है?
- ? शिक्षक एक–दूसरे के जबाब को अवलोकन करने के लिए भी प्रेरित करें।
- ? एक ही राशि के लिए अलग–अलग संयोजनों पर चर्चा करें।

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

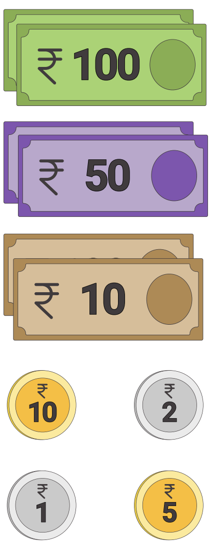

☞ **समझाएँ:**

- शिक्षक खेल मुद्रा की सहायता से कोई पैटर्न बनाकर दिखायें।
- बच्चे इस पैटर्न का अवलोकन कर इसके नियम को बताएं।
- इस पैटर्न को आगे बढ़ा कर भी दिखायें।

उदाहरण के लिए:

- एक 10 का नोट, एक पाँच का सिक्का, एक दस का नोट, एक पाँच का सिक्का...
- अब बच्चों को दो–दो के समूह में बांटे।
- प्रत्येक समूह में खेल मुद्रा उपलब्ध करवाएँ।
- एक बच्चा खेल मुद्रा की सहायता से पैटर्न बनाएँ, दूसरा इसे पहचान कर आगे बढ़ाएगा।
- इसके बाद दूसरा बच्चा पैटर्न बनाएँ व पहला बच्चा इसे आगे बढ़ाएँ।

☞ **पूछें:**

- ? क्या आप इस पैटर्न के नियम को बता सकते हैं?
- ? आपने अपने पैटर्न में कितने तरह के नोट व सिक्के उपयोग किए हैं?
- शिक्षक एक–दूसरे के पैटर्न को अवलोकन करने के लिए भी प्रेरित करें।

सप्ताह

22

सावधिक आकलन	
10. सावधिक आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}	पिछले 10 सप्ताह की रेमीडीयल गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
सावधिक आकलन सप्ताह — सप्ताह 22	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 रेमीडीयल गतिविधि	रिक्त कालांश

सावधिक ट्रैकर

शिक्षण अधिगम सामग्री

उपयुक्त वातावरण के निर्माण और शिक्षण कार्य के लिए संसाधन सभी विद्यालयों के लिए सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इनका कक्षा कार्य में अधिगम सहायक सामग्री के रूप में योजना के अनुसार उपयोग करें।

उपलब्ध शिक्षण अधिगम सहायक सामग्रियों का विवरण और उनके उपयोग से संबंधित जानकारी यहाँ दी गई है।

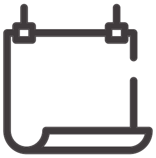

पोस्टर (12)

बच्चों के दैनिक जीवन और बुनियादी गणित की अवधारणाओं को चित्रित करते पोस्टर कक्षा में उपयुक्त वातावरण निर्माण के लिए उपयोगी हैं।
कक्षा की दीवारों पर सभी पोस्टर को लगाएँ।

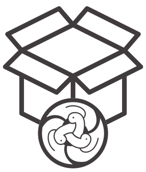

गणित किट (11)

शिक्षण कार्य के दौरान गणित किट के साथ कार्य करने के अवसर बच्चों को दक्षता प्राप्त करने में सहयोग करते हैं और अवधारणात्मक समझ को स्पष्ट करते हैं।
कक्षा में गणित किट को रखने के लिए गणित कोना बनाएँ।

गणित कार्ड और बोर्ड (7)

अवधारणात्मक समझ को स्पष्ट करने और उनके अनुप्रयोग में गणित कार्ड और बोर्ड उपयोगी हैं। गणित कार्ड और बोर्ड का उपयोग बच्चे में अवधारणाओं के संकेतीय पहलुओं को भी स्पष्ट करता है।
गणित कार्ड और बोर्ड के साथ बच्चों को समूह में कार्य दें।

पोस्टर

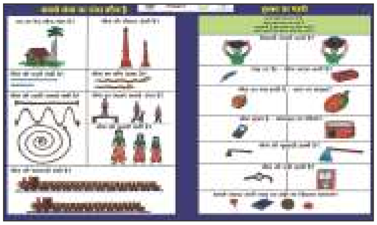

ऊंचा–नीचा, हल्का–भारी

मोटा–पतला, एक–अनेक, कम–ज्यादा

दूर–पास व ऊपर–नीचे

अंदर–बाहर, दायें–बाएँ

एक से दस की गिनती व शून्य

1 से 100 की संख्या

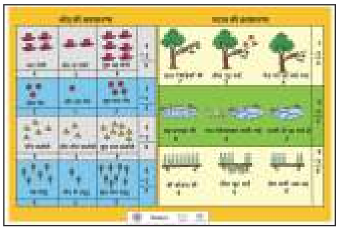

जोड़ व घटाव

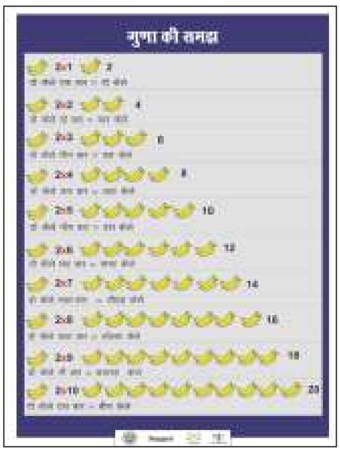

गुणा की समझ

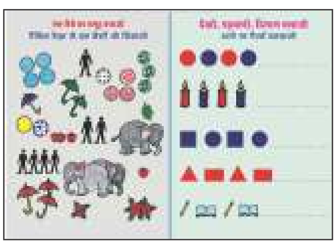

वर्गीकरण व पैटर्न

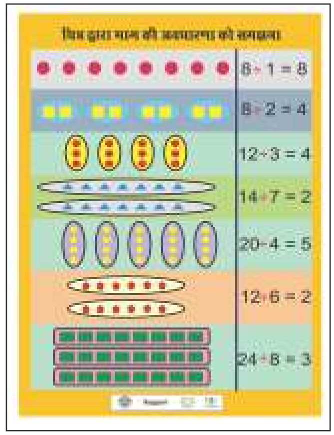

भाग की अवधारणा

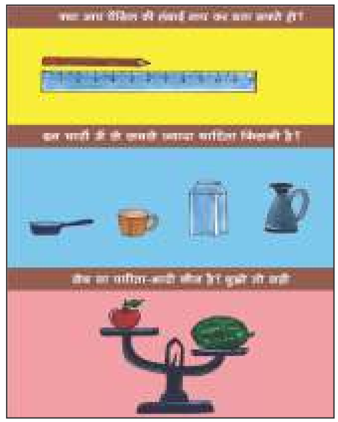

लंबाई, भार व धारिता

2 डी व 3 डी आकार

गणित किट

ठोस आकृतियाँ

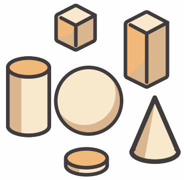

टाइल्स

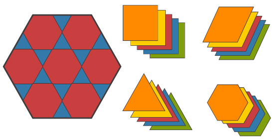

स्टाम्पिंग पात्र और स्टाम्प पैड

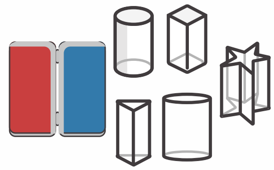

डोमिनो संख्या कार्ड

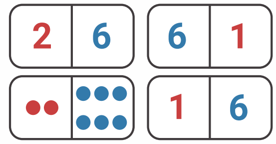

स्थानीय मान कार्ड

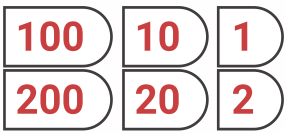

घड़ी

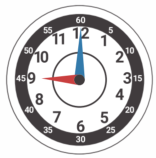

पासे

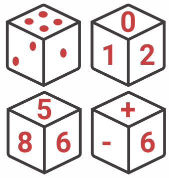

खेल मुद्रा

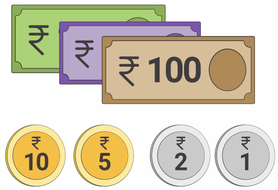

ब्लॉक्स

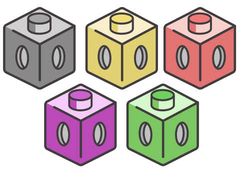

रस्सी

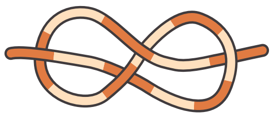

संख्या कार्ड

गणित कार्ड और बोर्ड

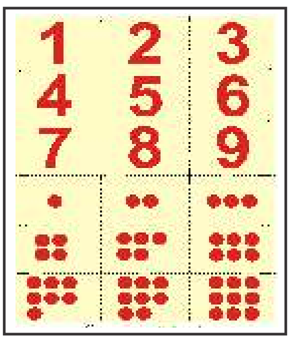

संख्या कार्ड व डॉट कार्ड

संख्या चार्ट

गुणा के लिये चार्ट

जोड़ के लिये चार्ट

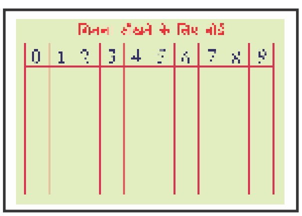

गिनती गिनना सीखने के लिये बोर्ड

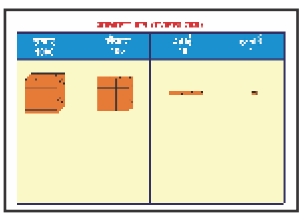

अवधारणा बोर्ड (स्थानीय मान)

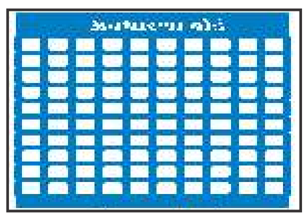

अवधारणा बोर्ड

कक्षा प्रबन्धन

कक्षा प्रबन्धन सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़े रखने और प्रतिभाग के लिए उपयुक्त वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कक्षा प्रबन्धन की एक सीमित परिभाषा "अनुपालन" की ओर इंगित करता है जैसे कि बच्चे अपनी जगह पर बैठे हों या दिशा–निर्देश सुन रहे हों आदि।

कक्षा प्रबन्धन शिक्षण योजना का ही एक अंग है जो शिक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाता और बच्चों को कक्षा कार्य के दौरान समझने–सीखने में मदद करता है। शिक्षक का व्यवहार और वातावरण (बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और उनकी बातों को कक्षा में जगह देना), वास्तविक अपेक्षाएँ (बच्चों से अपेक्षित कार्य की जानकारी साझा करना), शिक्षण सामग्री का उपयोग (सार्थक एवं विभिन्न शिक्षण सामग्री का उपयोग), शिक्षण कार्य में विविधता और समय नियोजन आदि कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

1. सहज वातावरण

- सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें। इसके लिए मौखिक प्रश्न और संवाद का प्रयोग करें।
- कक्षा व्यवस्था सम्बन्धी नियमों को बच्चों के साथ मिलकर आपसी सहमति से तय करें जैसे:
  - जब कोई एक बोल रहा हो तो सभी उसकी बातों को ध्यान से सुनेंगे।
  - सभी अपनी बारी का इन्तजार करेंगे और बारी आने पर अपनी बात सामने रखेंगे।
  - सभी एक दूसरे की मदद करेंगे और किसी का मजाक नहीं उड़ायेंगे ।
- शिक्षण कार्य के दौरान सभी बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें जैसे:
  - अगर बच्चे दरी पर बैठे हों तो आप भी उनके साथ दरी पर ही बैठें ।
  - लड़कियों और लड़कों को प्रतिभाग के समान अवसर दें।
  - बच्चों की घर की भाषा को कक्षा में शामिल करें और संवाद के पर्याप्त मौके दें ।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- शिक्षण के दौरान बच्चों के साथ बातचीत करें और उनकी भावनाओं के प्रति संवेदशील रहें। ऐसी बातचीत के कुछ उदाहरण यहाँ नीचे देखे जा सकते हैं।
  - आज आपको कैसा लग रहा है ?
  - गृहकार्य को पूरा करने के लिए घर में किसने मदद की ?
  - घर से विद्यालय तक के रास्ते में आप क्या–क्या देखते हैं और किन से मिलते हैं ?
- प्रतिदिन अलग–अलग बच्चों से उनके दैनिक अनुभव के बारे में कक्षा में बात करें ताकि कक्षा कार्य के लिए पर्याप्त समय हो और शिक्षण योजना प्रभावित न हो।

3. भौतिक वातावरण गणित शिक्षण के अनुरूप

- पोस्टर को दीवारों पर उचित ऊँचाई पर लगाएं जिसे बच्चे आसानी से देख और पढ़ सकें।
- बच्चों द्वारा उपयोग किए जाने वाले TLM को कक्षा–कक्ष में व्यवस्थित तरीके से रखें या गणित कोना बनाएँ।
- बच्चों के द्वारा किए गए कार्यों को कक्षा में प्रदर्शित करें।

4. बैठक व्यवस्था

- बैठक व्यवस्था कक्षा–कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार बनाएँ। सामूहिक कार्य जैसे कहानी सुनाने के दौरान बच्चों को नजदीक गोल घेरे में और गतिविधियों के दौरान छोटे–छोटे समूहों में बैठाएँ।
- बैठक व्यवस्था ऐसी बनाएँ, जिसमें सभी बच्चे आपस में घुल–मिलकर कार्य करें।
- जो बच्चे सहज नहीं हों या पीछे की तरफ बैठने की कोशिश करते हैं, उन्हें आगे बैठने के लिए प्रोत्साहित करें।
- सभी बच्चों श्यामपट्ट को स्पष्ट रूप से देख पाएँ।

5. बच्चों में रुचि लाने के लिए शिक्षण कार्य में विविधता

- कहानी, कविता या बातचीत से शिक्षण कार्य की शुरुआत करें।
- शिक्षण अभिगम सामग्री का प्रतिदिन उपयोग करें।
- सभी बच्चों को गणितीय कार्ड और श्यामपट्ट के उपयोग के लिए पर्याप्त अवसर दें।
- सभी बच्चों के अनुभव को कक्षा कार्य में शामिल करें।
- बच्चों को अपने पिछले कार्य को देखने और अपनी प्रगति को समझने का अवसर दें।

6. समय नियोजन

- कालांश को विद्यालय समय सारणी के अनुसार शुरू करें।
- शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक सामग्रियों को अपने साथ ले कर कक्षा में प्रवेश करें।
- बच्चों को अगले दिन या अगले कालांश में किए जाने वाले कार्य के बारे में बताए ।
- रिक्त कालांश का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करें।
- बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच कक्षा कार्य के बाद करें। वस्तुओं के बारे में बताएं कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

व्यवधान प्रबंधन की रणनीति

इस बात की संभावना अभी भी बनी हुई है कि कोरोना के कारण इस अकादमिक सत्र में भी विद्यालय को कुछ समय के लिए बंद करने की स्तिथि उत्पन्न हो सकती है, जो बच्चों की शिक्षण प्रक्रिया को पुनः बाधित करेगी। हमने पहले भी इस बात पर चर्चा की है कि विद्यालय के अचानक बंद होने से बच्चों के प्रगति में बाधा आती है और अधिगम क्षति होती है। इसलिए अब हमारे पास इस प्रकार के संभावित व्यवधानों से होने वाले नुकसानों से बचने और उसके प्रबंधन की प्रभावी रणनीति होनी चाहिए। जिसमें बच्चों के अधिगम क्षति का आकलन कर, पुनरावृत्ति और अभ्यास करने के उपयुक्त तरीके हों। इसके साथ–साथ हमे अभिवावकों के साथ मिलकर ऐसी व्यवयस्था बनानी चाहिए, जिससे बच्चों को घर पर भी सीखने के अवसर और सहयोग प्राप्त होते रहें।

व्यवधान प्रबंधन के लिए दो तरह की रणनीति प्रस्तावित की गई है

1–4 सप्ताह का व्यवधान

यदि विद्यालय 4 सप्ताह या उससे कम समय के लिए बंद होते है तो विद्यालय के पुनः खुलने पर शिक्षक आखिरी सप्ताह में किए कार्यों के दोहराव से शुरुआत करें।

1. आखिरी सप्ताह का दोहराव

- समूह बना कर अभ्यास गतिविधियाँ कराएँ।
- श्यामपट्ट पर प्रश्न और मौखिक प्रश्न–उत्तर के माध्यम से कक्षा कार्य कराएँ।
- समेकन गतिविधि कराएँ।
- अतिरिक्त अभ्यास के लिए गृह कार्य दें।
- रेमीडीयल गतिविधि कराएँ।

2. वार्षिक योजना के अनुसार आगे का शिक्षण कार्य करें

4. सप्ताह से अधिक का व्यवधान

यदि विद्यालय 4 सप्ताह से अधिक समय के लिए बंद होते हैं तो विद्यालय के पुनः खुलने पर शिक्षक समृद्ध कार्यक्रम के स्तर 1 और 2 पुस्तिका के मदद से 2–3 सप्ताह तक रेमीडीयल कार्य करें।

1. बच्चों को अपनी कक्षा में ही बैठायें
2. समृद्ध कार्यक्रम पुस्तिका–आकलन टूल के माध्यम से बच्चों का Baseline कर वर्तमान स्तर पता करें
3. बच्चों का स्तर के अनुसार समूह बना रेमीडीयल कार्य करें (2–3 सप्ताह)

- समूह बना कर अभ्यास गतिविधियाँ कराएँ।
- श्यामपट्ट पर प्रश्न और मौखिक प्रश्न–उत्तर के माध्यम से कक्षा कार्य कराएँ।
- समेकन गतिविधि कराएँ।
- अतिरिक्त अभ्यास के लिए गृह कार्य दें।
- रेमीडीयल गतिविधि कराएँ।

4. समृद्ध कार्यक्रम पुस्तिका–आकलन टूल के माध्यम से बच्चों की Baseline कर वर्तमान स्तर पता करें

5. वार्षिक योजना के अनुसार आगे का शिक्षण कार्य करें

अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों को दैनिक रूप से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से जोड़े रखने के लिए लगातार संवाद करें और घर पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सरल सुझाव दें।

अभिभावकों की भूमिका

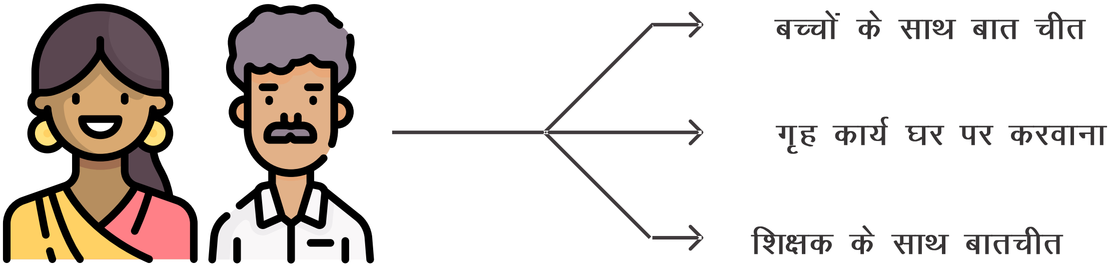

बच्चे निरंतर रूप से सीखने की प्रक्रियाओं में शामिल हों इसके लिए जरुरी है कि कक्षा–कक्ष में एक तरफ जहाँ शिक्षक उनके साथ काम करें वही दूसरी तरफ अभिभावक भी घर पर उन्हें पर्याप्त समय दें, और व्यवस्थित ढंग से उनके साथ काम करें। इसलिए हम शिक्षकों को सभी बच्चों के अभिभावकों के साथ नियमित रूप से बातचीत एवं चर्चा करते रहनी चाहिए। विद्यालय में आयोजित अभिभावकों एवं शिक्षकों की बैठकों (PTM) में उनसे यह बात करें कि उनके सक्रिय और सकारात्मक जुड़ाव से बच्चों के सीखने की गति बेहतर होती जाती है।

इस भाग में हम यह देखने और समझने की कोशिश करेंगे कि एक अभिभावक की पूरी शिक्षण प्रक्रिया में क्या भूमिका हो सकती है। आप अभिभावकों तक यह बात पहुंचाएँ कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका को तीन मुख्य भागों में बाँटकर देखा जा सकता है

1. शिक्षक के साथ बातचीत

आप अभिभावकों को बताएँ कि अपने बच्चों की प्रगति पर ध्यान रखना अच्छा होगा ताकि बच्चों को समय से ज़रूरी मदद मिल सके। साथ में उनसे अपेक्षित है कि शिक्षकों से लगातार संवाद बनाएँ रखें और अपने बच्चे के बारे में संवाद करते रहें।

- विद्यालय से जुड़े कार्यों में अभिभावकों की भूमिका को नीचे देखा जा सकता है।
- वार्षिक लक्ष्य और बच्चों की प्रगति पर बात करें।
- शिक्षक से बच्चों को विद्यालय में सीखने में हो रही कठिनाइयों पर बात करें।
- बच्चों को घर में कक्षा कार्यों को दोहराने में प्रतिदिन मदद करें।
- कक्षा में किए गए कार्य के बारे में पूछें।
- गृह कार्य के बारे में पूछें।

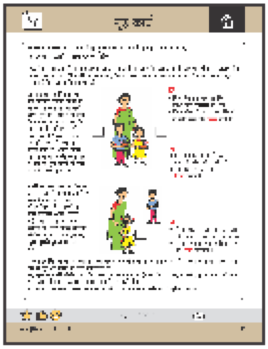

2. साप्ताहिक रूप से गृहकार्य घर पर करवाएं

आप अभिभावकों को बच्चों से उनके विद्यालय में व्यतीत किए गए समय और उनके सीखने के अनुभवों के बारे में बात कर गृहकार्य को पूरा करने में सहयोग के लिए प्रेरित करें।

- बच्चों से शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देश के बारे में पूछें।
- बच्चों के साथ बैठ कर गृहकार्य को पूरा करवाएँ।
- बच्चों के साप्ताहिक कार्य और ट्रैकर को देखें।
- बच्चों को सीखने में हो रही कठिनाइयों को समझने का प्रयास करें।

3. बच्चों के साथ बात चीत

अभिभावक किन–किन सामान्य बातों का ध्यान रख सकते हैं इसे नीचे देखा जा सकता है।

- बच्चे मजे के साथ सीख सकें, इसके लिए घर पर अनुकूल वातावरण बनाना।
- बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सराहें और उन्हें प्रोत्साहित करें।
- बच्चों के साथ खेलें और लगातार संवाद करें।
- बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और उन्हें टहलने, खेलने आदि को प्रोत्साहित करते रहें।
- बच्चों के गिनने, जोड़ने और घटाव करने जैसे कौशलों के विकास हेतु उनके साथ अलग–अलग मुद्दों पर लगातार संवाद करते रहें।
- कहानी या कविता के माध्यम से बच्चों से छोटे–छोटे सवाल करें जैसे कि घर में कितने दरवाजे हैं, हम सभी में सबसे लम्बा कौन हैं इत्यादि।
- बच्चों से चित्रकारी, रंग भरवाने, आटे, मिट्टी या कागज़ से कुछ बनवाने का काम करवाएँ।
- अपने परिवेश, घर की आवश्यक वस्तुओं के बारे में बताएं कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1

हर सप्ताह
दिवस 5

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- **A--** सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- **B--** सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह									
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह									
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

सावधिक आकलन ट्रैकर 1

सप्ताह
11

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।
- A-- सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- B-- सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

जिला: .... ब्लॉक: .... स्कूल: .... कक्षा: ....

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2

हर सप्ताह
दिवस 5

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- **A--** सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- **B--** सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह									
		12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
1											

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह									
		12	13	14	15	16	17	18	19	20	21

सावधिक आकलन ट्रैकर 2

सप्ताह
22

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- **A--** सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- **B--** सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

जिलाः .... ब्लॉकः .... स्कूलः .... कक्षाः ....

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

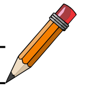

भाषा एवं गणित के लिए प्रतिदिन 3–3 कालांश प्रस्तावित हैं। पहले 3 कालांशों में भाषा (हिन्दी) से संबंधित कार्य किए जाएंगे और बाद के 3 कालांशों में बुनियादी गणित पर कार्य किया जाना है।

22 सप्ताह

60 सप्ताह

- 1–99 तक की संख्याओं को समझ, लिख और तुलना कर सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई लिख सकें।
- दो अंक की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकें (बिना हासिल और हासिल के साथ)।
- एक अंक की संख्याओं का गुणा और भाग कर सकें।
- परिवेश और चित्रों में दो आयामी आकृतियों को पहचान सकें और वस्तुओं की विशेषताएँ पहचान सकें
- वस्तुओं को विभिन्न अमानक इकाइयों से मापन कर सकें।
- रंग, आकार और आकृति के आधार पर बने पैटर्न को पहचान कर आगे बढ़ा सकें।
- परिवेश और चित्रों से वस्तुओं की सूचना एकत्रित कर वर्गीकृत कर सकें।
- सिक्कों और नोटों को पहचान सकें।

संसाधन

- 60 शिक्षण योजना
- 60 अभ्यास गतिविधि
- 4 समेकन गतिविधि
- 4 रेमीडीयल गतिविधि

ट्रैकर

- वार्षिक ट्रैकर (2022–23)
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1 और 2
- सावधिक आकलन ट्रैकर 1 और 2

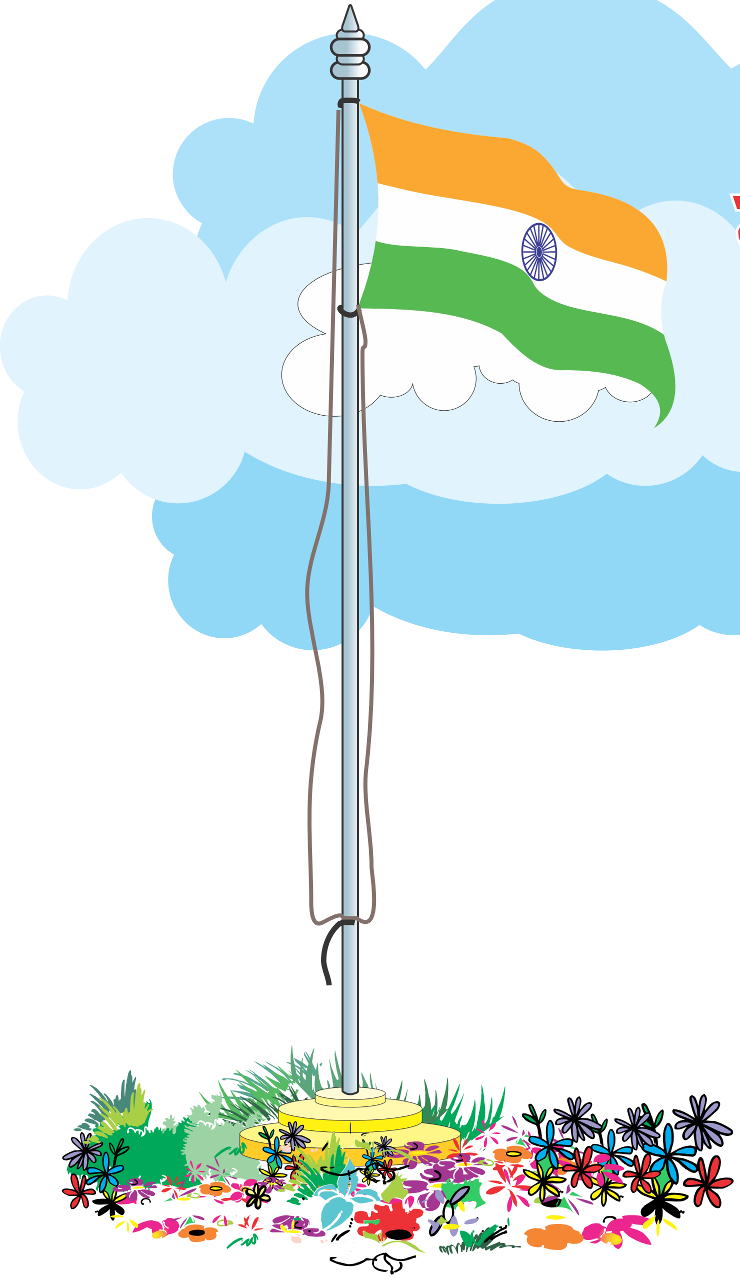

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा–
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!

सत्र 2022-2023

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरणः प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी X 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

P4L5B6

निःशुल्क वितरण हेतु

उत्तर प्रदेश शासन

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

Vikramshila

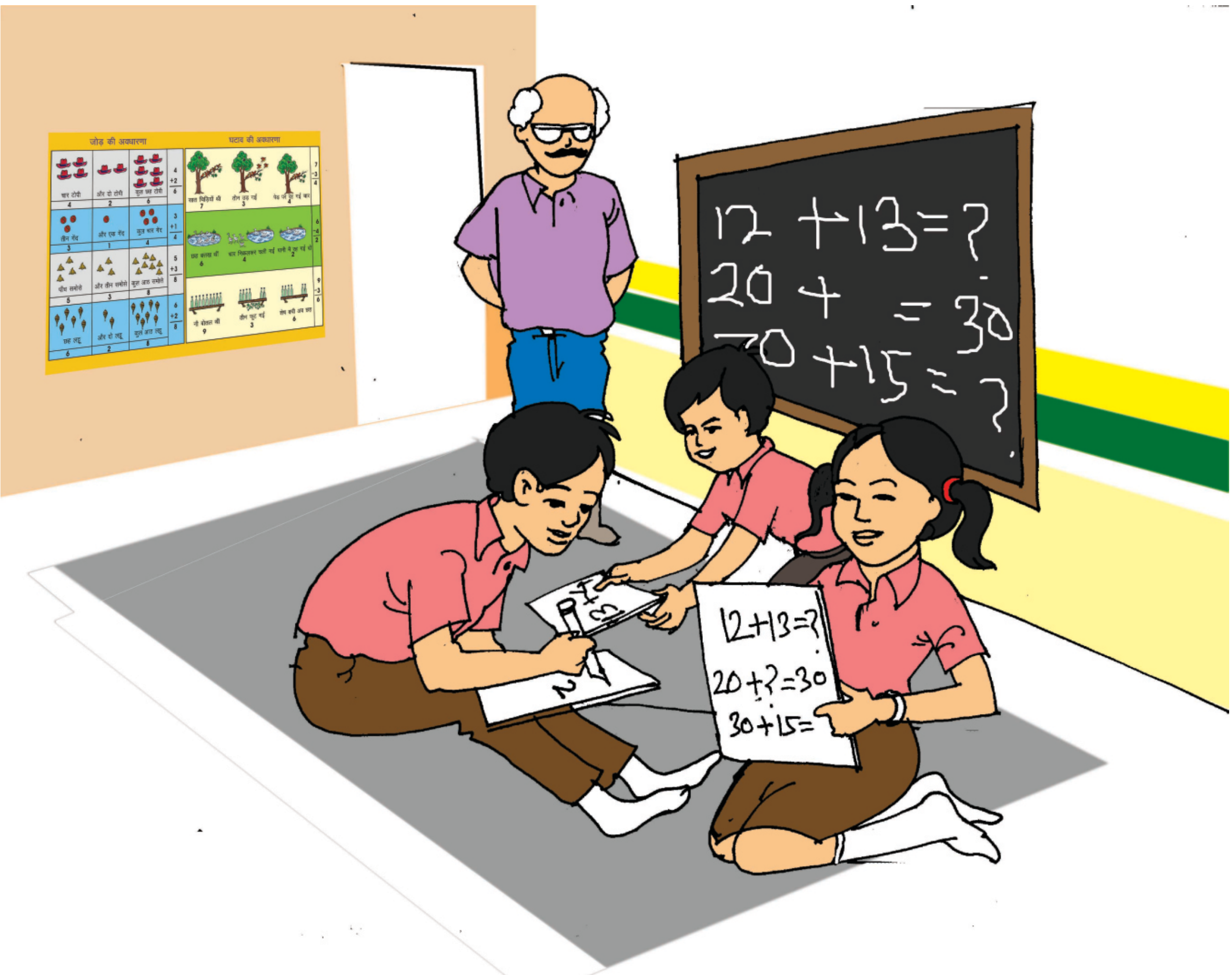

कक्षा 3

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
गणित
सत्र 2022-2023

शिक्षक संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और संसाधनों को पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका में संसाधन:

शिक्षण योजना

अभ्यास गतिविधि

समेकन गतिविधि

रेमीडीयल गतिविधि

वार्षिक ट्रैकर

साप्ताहिक ट्रैकर

सावधिक ट्रैकर

शिक्षण योजना | अभ्यास गतिविधि | समेकन गतिविधि | रेमीडीयल गतिविधि

सप्ताह

समय

शिक्षण उद्देश्य

आवश्यक पूर्व ज्ञान

सामान्य भूल

नये शब्द

मैं करूँ

हम करें

तुम करो

संसाधन

शिक्षक के लिए बिन्दु

बच्चों के लिए प्रश्न

कार्यपुस्तिका

अभ्यास

मैंने सीख लिया (आकलन)

साप्ताहिक अभ्यास

साप्ताहिक पुनरावृत्ति

गृह कार्य

सावधिक आकलन

कार्यपुस्तिका ट्रैकर

NCERT गणित किट

पोस्टर

गणित कार्ड और बोर्ड

कार्यपत्रक

संख्या समझ

संक्रिया

ज्यामिति व मापन

डाटा हैंडलिंग

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
कक्षा–3

सीखने–सिखाने के अनुभवों में विविधता एवं रोचकता!

बुनियादी गणित पर आधारित यह संदर्शिका शिक्षक के सहयोग के लिए बनाई गई है जिसमे वार्षिक योजना और दैनिक शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक संसाधन दिये गए हैं।

- **60** शिक्षण योजना
- **60** अभ्यास गतिविधि
- **4** समेकन गतिविधि
- **4** रेमीडीयल गतिविधि
- **3** ट्रैकर

+ 160 कार्यपत्रक

शिक्षण संसाधन (शिक्षक) और कार्य पुस्तिका (बच्चों) मिलकर प्रेरणा लक्ष्य को निपुणता से एवं समय से प्राप्त करने में मार्ग दर्शन करेंगे।

मुख्य संरक्षण : श्री दीपक कुमार, आई. ए. एस, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ, ऊ. प्र.।

संरक्षण : श्रीमती अनामिका सिंह, आई. ए. एस, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश।

निर्देशन : डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

समन्वयन : श्री आनंद कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा।
डॉ. प्रदीप जायसवाल, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
श्री पी. एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा।

विशेष सहयोग : श्री अतनु सांई, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी।
श्री राकेश कुमार, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी।
श्री रेवंथ पेड्डी, सेंट्रल स्क्वायर फॉउंडेशन।
श्री शिवम् रावल, सेंट्रल स्क्वायर फॉउंडेशन।
सुश्री जूही निझावन, कंसलटेंट।

समीक्षा : श्री आशुतोष दुबे, प्राचार्य, एस. आई. ई., प्रयागराज।
श्रीमती रिचा जोशी, प्राचार्य, राज्य हिंदी संस्तान, वाराणसी।

लेखन मंडल : डॉ. जनार्दन सिंह, प्रवक्ता गणित, (राज्य शिक्षा संस्थान उ. प्र, प्रयागराज), श्रीमती मनीषा, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, खैराबाद–सीतापुर), श्री दिनेश कुमार, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उन्नाव), श्री राजकुमार सिंह, प्रवक्ता गणित (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, श्री अवधेश कुमार पाण्डेय, प्रधानाध्याप SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय करपिया, बाराबंकी), श्री पंकज कुमार वर्मा, प्रधानाध्यापक SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटवा, लखीमपुर खीरी, श्री पंकज सोनी, प्रधानाध्यापक ARP (प्राथमिक विद्यालय भतोइया, मलिहाबाद), श्री सुभाष चन्द्र कुशवाहा, प्रधानाध्यापक, (प्राथमिक विद्यालय शेखनापुर घाट, लखनऊ), श्री देवांकुर, सहायक अध्यापक SRG (उच्च प्राथमिक विद्यालय भटजन, गाजियाबाद), श्री संदीप कुमार दूबे, सहायक अध्यापक ARP (उच्च प्राथमिक विद्यालय रैपुरी, भदोही), डॉ ओम प्रकाश गुप्त, सहायक अध्यापक ARP (कम्पोजिट विद्यालय बडेरी, बदलापुर, जौनपुर), श्री विवेक कुमार, सहायक अध्यापक (प्राथमिक विद्यालय मंगलपुरवा रेउसा, सीतापुर), श्री हरिहर पाठक, सहायक अध्यापक (उच्च प्राथमिक विद्यालय टी.पी. नगर कादीपुर, सुलतानपुर), श्री दिनेश कुमार वर्मा, सहायक अध्यापक (उच्च प्राथमिक विद्यालय कोपवा, बाराबंकी), सुश्री आकांक्षा मिश्रा, सहायक अध्यापक (प्राथमिक विद्यालय बेनीमाधवपुर पहला, सीतापुर), श्री विकास शर्मा (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी), श्री सायण वंद्योपाध्याय (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी), श्रीमती पूजा मंडल (विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी)।

लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे

ग्राफिक्स : श्री रामबाबू पाल

आभार : पाठ्यपुस्तक के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य–सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :
संस्करण :
शिक्षा सत्र : 2022–2023
मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अन्तः पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल **सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स** वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. X 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम–85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग–टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड–1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है।
पुस्तकों में प्रिण्ट साइज : 15.9 सेमी. X 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. X 24.13 सेमी. है।

उत्पादन : पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उत्तर प्रदेश।
© उत्तर प्रदेश शासन।

सन्देश

घर और समाज से शुरू हुई अनौपचारिक शिक्षा विद्यालय में औपचारिक और व्यवस्थित हो जाती है। प्राथमिक शिक्षा बच्चों के विकास की बुनियाद होती है। यह मजबूत बुनियाद बच्चों को एक सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करती है, और ऐसे बच्चे आगे चलकर एक प्रगतिशील एवं विकसित समाज का सृजन करने में महत्त्वपूर्ण एवं सक्रिय योगदान देते है।

उत्तर प्रदेश में 'मिशन प्रेरणा' कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिली है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्त्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्त्व को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गयी है।

विगत दो वर्षों में कोविड महामारी ने बच्चों की शिक्षा, विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ खड़ी की हैं, जिसके कारण बच्चों के अधिगम की क्षति हुई है। बच्चों की अधिगम क्षति को दूर कर कक्षा के अनुसार निर्धारित शिक्षण सम्बन्धी परिणामों को सुनिश्चित कराना एक बड़ी चुनौती है। इस परिप्रेक्ष्य में कार्ययोजना तैयार करायी गयी है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हुए उनकी अधिगम क्षति को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इससे सभी बच्चे आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएं प्राप्त कर पायें। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 के बच्चों के लिए 'कार्यपुस्तिकाओं' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाओं' का विकास कराया गया है।

बच्चों को केन्द्र में रखकर तैयार करी गयी ये संदर्शिकाएँ एवं कार्यपुस्तिकाएँ शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, गतिविधियों आदि से परिचित करायेंगी और बच्चों को अभ्यास के विविध अवसर प्रदान करेंगी। वहीं दूसरी ओर यह पुस्तिकाएँ अभिभावकों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करेंगी कि वें बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर शिक्षकों से सतत् संवाद बनाये रखें।

भाषा की संदर्शिका मुख्य रूप से 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' एवं गणित की संदर्शिका मुख्य रूप से (अनुभव, भाषा, चित्र, संकेत/प्रतीक) के सिद्धांतों पर तैयार की गयी हैं। संदर्शिका में गतिविधियों एवं अभ्यास कार्यों को क्रमशः सरल से कठिन के क्रम में रखा गया है, ताकि बच्चे सतत् रूप से सीखते हुए वांछित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। आकलन की भी सम्यक व्यवस्था की गई है, जिसमें साप्ताहिक और सावधिक आकलन के द्वारा एक तरफ शिक्षक बच्चों के सीखने की गति पर दृष्टि बनाएँ रख पाएँगे वहीं आवश्यकता पड़ने पर अपनी शिक्षण विधि में भी बदलाव कर पाएँगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये संदर्शिकाएँ शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी। इनके द्वारा न केवल बच्चों के सीखने की शक्ति को पूरा किया जा सकेगा, बल्कि सीखने को गति प्रदान करते हुए प्राथमिक शिक्षा की नींव को सुदृढ़ किया जा सकेगा। ये संदर्शिकाएँ शिक्षा के वृहत्तर लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगी।

शुभकामनाओं के साथ।

अप्रैल–2022

डॉ. (सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद् उ.प्र., लखनऊ।

वार्षिक ट्रैकर (2022–23)

अकादमिक सत्र में कुल 32–35 सप्ताह होंगे, जिसमें 22 सप्ताह को शिक्षण सप्ताह माना गया है। एक शिक्षण सप्ताह में तीन चरण हैं– 1. अनुदेशात्मक कार्य (1–4 दिन), 2. समेकन और आकलन (5वाँ दिन) और 3. रेमीडीयल और पुनरावृत्ति (6वाँ दिन)। इस ट्रैकर से आपको यह नियमित रूप से पता चलता रहेगा कि अभी तक कितना कार्य हो पाया है।

साप्ताहिक कार्य

सप्ताह — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

साप्ताहिक कक्षा कार्य के शुरुआत और समाप्ति के दिनांक भरें।

सावधिक कार्य

सप्ताह 11, 22 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

प्रत्येक दिन के शिक्षण एवं कार्य योजना पर कार्य करने के बाद इस ट्रैकर के संबंधित गोले में सही का निशान लगाएँ। साप्ताहिक एवं दैनिक योजना और आकलन एवं पुनरावृत्ति से जुड़े भाग में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन भागों एवं शिक्षण योजनाओं को ध्यान से पढ़ें।

सप्ताह 1 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 2 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 3 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 4 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 5 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 6 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 7 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 8 — DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY — 1 2 3 ...

सप्ताह 9

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 10

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 11

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

सप्ताह 12

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 13

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 14

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 15

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 16

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 17

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 18

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 19

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 20

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 21

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 ...

सप्ताह 22

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

संदर्शिका का उपयोग

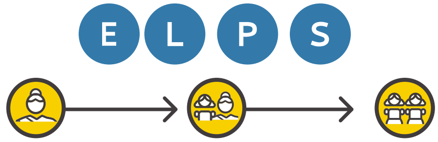

सीखने–सिखाने के सिद्धांतों को समझें

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। ये बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेंगे।

60 शिक्षण उद्देश्य

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों को जानें

अकादमिक वर्ष 2022–23 की रूपरेखा दी गई है जिसमे लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है।

सप्ताह के 3 चरण और कालांशवार संसाधनों की संरचना समझें

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए साप्ताहिक कार्य में अनुदेशात्मक कार्य, समेकन, आकलन और रेमीडीयल कार्य को शामिल किया गया है। क्रियान्वयन के लिए क्रमबद्ध तरीके से शिक्षण सामग्री संदर्शिका में दी गई है।

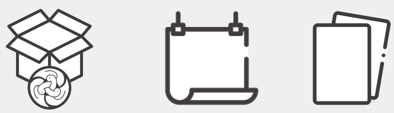

अधिगम सामग्री और कक्षा प्रबंधन जानें

शिक्षण कार्य के लिए अवशयक अधिगम सामग्री को विद्यालय स्तर पर उपलब्ध कराया गया है जिसमे गणित किट, पोस्टर और गणित कार्ड–बोर्ड शामिल हैं। दिए गए शिक्षण सामग्रीं में इन्हे पूर्ण रूप से शामिल किया गया है।

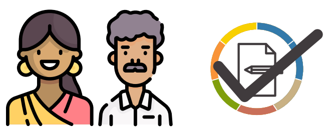

बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में अभिभावकों की भूमिका को समझें

कक्षा में बच्चों द्वारा किए गए कार्यों के घर पर अभ्यास करने और उसमे अभिभावकों की भूमिका को संदर्शिका को रेखांकित किया गया है। साप्ताहिक गृह कार्य और व्यवधान के प्रबंधन के लिए अभिभावकों के साथ संवाद के लिए दिशा–निर्देश दिए गए हैं।

संदर्शिका का उपयोग

हर सप्ताह के शुरुआत में

- वार्षिक योजना के अनुसार दिए गये साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्यों को समझें।
- शिक्षण योजनाओं के उपयोग के लिए रणनीति बनाएँ और आवश्यक अधिगम सहायक सामग्री को चिह्नित करें।
- बच्चों द्वारा किए गये पिछले सप्ताह के गृह कार्य को जाचें।

हर सप्ताह के अंत में

- प्रत्येक बच्चे की प्रगति और कठिनाइयों को चिह्नित कर उनके लिए कार्य की योजना बनाएँ।
- साप्ताहिक गृह कार्य के लिए बच्चों को निर्देश दें और अभिभावकों के साथ संवाद करें।
- प्रत्येक बच्चे का साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार साप्ताहिक ट्रैकर में ग्रेड दर्ज करें।

हर दिन की शुरुआत में

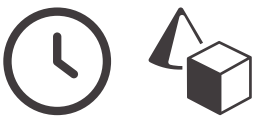

- शिक्षण सामग्री के अनुसार कालांश से पहले तैयारी करें।
- आवश्यक अधिगम सहायक सामग्री को लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन सभी बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच करें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर को भरना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक ट्रैकर भरें।

सप्ताह 11 और 22 में

- कार्यपुस्तिका में दिए सावधिक आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन पहले कालांश में आकलन करें।
- क्रमशः रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएँ।
- प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार सावधिक ट्रैकर में ग्रेड दर्ज करें।

व्यवधान आने पर

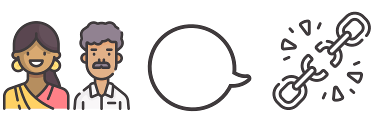

- अभिभावकों को दैनिक रूप से घर पर पढ़ाई करवाने के लिए प्रेरित करें।
- अभिभावकों और बच्चों के साथ संवाद करते रहें।
- व्यवधान की अवधि के अनुसार दी गई रणनीति के अनुसार तैयारी और शिक्षण कार्य करें।

विषय सूची

वार्षिक ट्रैकर ———————————————— 4—5

शिक्षक के लिए स्वयं साप्ताहिक कार्य में प्रगति को आंकने के लिए वार्षिक ट्रैकर दिया गया है।

संदर्शिका का उपयोग ———————————————— 6—7

संदर्शिका के सभी भागों के मुख्य बिंदुओं को और उपयोग से जुड़े महत्त्वपूर्ण पहलुओं को चरणवार विवरण दिया गया है।

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा ———————————————— 10—11

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। ये बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

बुनियादी गणित सीखने के सिद्धांत ———————————————— 12—14

प्रारम्भिक कक्षाओं के बच्चों के साथ सीखने—सिखाने के मूलभूत सिद्धांतों को इस भाग में प्रस्तुत किया गया है। पूरे अकादमिक योजना के निर्माण में इन सिद्धांतों को ध्यान में रखा गया है जो प्रभावशाली शिक्षण कार्य के लिए महत्वपूर्ण है।

सामाजिक – भावनात्मक जुड़ाव ———————————————— 15

संदर्शिका में बुनियादी गणित की दक्षताओं पर कार्य करने से साथ—साथ सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव के पहलुओं पर कार्य करने के लिए आवश्यक जानकारी पर कुछ महत्वपूर्ण बिंदु दिये गये हैं।

अकादमिक योजना ———————————————— 16—35

वार्षिक योजना से दैनिक शिक्षण योजना तक की रूपरेखा संदर्शिका में प्रस्तुत की गई है। यह आपको लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में नियमित रूप से मार्ग दर्शन करेगा। सतत् आकलन (साप्ताहिक और सावधिक) व्यवस्थित रूप से साप्ताहिक और दैनिक योजना में एकीकृत किया गया है।

2022—23 **वार्षिक योजना** ———————————————— 18—21

सप्ताह **साप्ताहिक योजना** ———————————————— 22

दिन **दैनिक योजना** ———————————————— 23

आकलन एवं पुनरावृत्ति ———————————————— 24—26

①②③ **कालांशवार की रणनीतियाँ और संसाधन** ———————————————— 27—35

शिक्षण सामग्री और संसाधन —————————————— 36—144

इस भाग में उपयोग में आने वाली सभी शिक्षण सामग्री का विवरण दिया गया है। संदर्शिका में उपलब्ध संसाधनों के उपयोग के तरीकों को चरणबद्ध तरीके से बताया गया है। सभी शिक्षण योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य हैं जो बच्चों को क्रमिक रूप से लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगे।

सप्ताहवार शिक्षण सामग्री —————————————— **36—126**

शिक्षण अधिगम सामग्री —————————————— **127—129**

कक्षा प्रबंधन —————————————— 130—131

बच्चों के सक्रिय प्रतिभाग के लिए सौहार्दपूर्ण और भयरहित वातावरण आवश्यक है। इस भाग में कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई है।

व्यवधान संभावनाएँ —————————————— 132—133

इस भाग में संभावित व्यवधानों को ध्यान में रखते हुए रणनीतियाँ दी गई हैं। व्यवधान के प्रबन्धन के लिए अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों के सीखने को निरन्तर रखने पर बल दिया गया है।

अभिभावकों की भूमिका —————————————— 134—135

इस भाग में बच्चों के दैनिक शिक्षण कार्य को अभिभावक द्वारा नियमित रूप से सहयोग और इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित करने में शिक्षक की भूमिका पर चर्चा की गई है।

आकलन ट्रैकर

इस भाग में शिक्षक और बच्चों के आकलन के लिए ट्रैकर दिए गए हैं। ये ट्रैकर शिक्षक को अपने कार्य और बच्चों की प्रगति की जानकारी को व्यवस्थित रूप से रखने में मदद करेंगे।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1 —————————————— 136—137

सावधिक आकलन ट्रैकर 1 —————————————— 138—139

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2 —————————————— 140—141

सावधिक आकलन ट्रैकर 2 —————————————— 142—143

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत विद्यालयों में ऐसे अनुकूल वातावरण बनाने पर जोर दिया गया है जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को सीखने के लिए सुनिश्चित किया जा सके, जिससे प्रत्येक बच्चा ग्रेड–3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित क्षमताओं को प्राप्त कर ले। ये मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम जरूरतों पर केंद्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है।

निपुण भारत मिशन का लक्ष्य

निपुण भारत मिशन के तहत दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना है। इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026–27 तक प्राप्त करने के लिए कार्य किया जायेगा। निपुण भारत कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है।

समझ के साथ पढ़ना

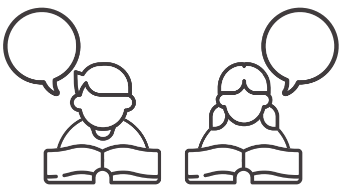

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है "समझ के साथ पढ़ना"। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद जरूरी चरण होते हैं उनपर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जायेगा। जैसे कि ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन।

लिखना

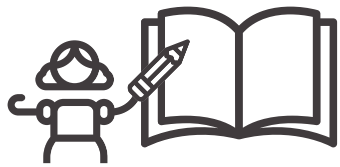

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्त्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उनकी लेखन क्षमता को देखते हुए विभिन्न चरणों से गुजरना होगा।

बुनियादी गणितीय संक्रिया

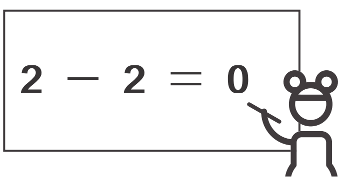

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं है। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएँ विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन के तहत केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल भी देना है जिससे वे जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएँ। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएँगी।

बुनियादी शिक्षा के लिए सीखने के परिणामों के विकासात्मक लक्ष्य

दिए गए लक्ष्यों के साथ ही निपुण भारत के अन्तर्गत तीन विकासात्मक लक्ष्य भी दिए गए हैं।

बच्चे अच्छा स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती बनाए रखें

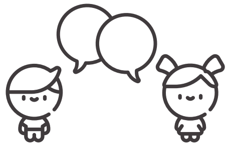

बच्चे प्रभावी संचारक बनें

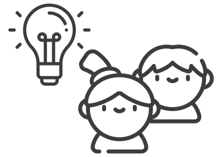

बच्चे विकसित शिक्षार्थी बनें और अपने परिवेश से जुड़ें

निपुण भारत मिशन का उद्देश्य

निपुण भारत मिशन के दीर्घकालीन वृहत्तर लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कुछ उद्देश्य रखे गए हैं, इन उद्देश्यों पर काम करते हुए निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

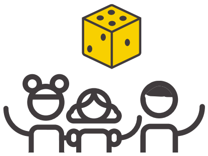

खेल, खोज और गतिविधि–आधारित शिक्षण

शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षा प्रशासकों का क्षमता निर्माण

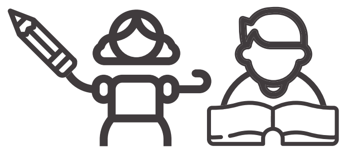

बच्चों को स्वतंत्र रूप से समझ के साथ पढ़ने और लिखने लायक बनाना

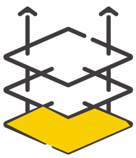

आजीवन सीखने की एक मजबूत नींव बनाना

बच्चों की परिचित/घर/मातृभाषा (भाषाओं) में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

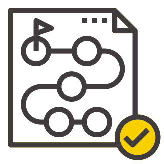

सभी विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को देखते रहने के लिए सतत आकलन करना

निपुण भारत एवं मिशन प्रेरणा

मिशन प्रेरणा
उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

निपुण भारत मिशन को साकार करने के लिए हमारे उत्तर प्रदेश में 'मिशन प्रेरणा' के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है ताकि 2025–2026 तक कक्षा 1–3 के सभी बच्चे बुनियादी भाषा और गणित की लक्षित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ।

इस शिक्षक संदर्शिका में हम गणित से सम्बन्धित उद्देश्यों, गतिविधियों और शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए कार्य करेंगे, इस पर विस्तार से बात की गई है।

NIPUN BHARAT

बुनियादी गणित सीखने के सिद्धांत

बुनियादी गणित सीखने–सिखाने का क्रम

गणित शिक्षण ऐसा होना चाहिए जो बच्चों में समझ आधारित अनुप्रयोग की दक्षता को विकसित करे। इसके लिए शिक्षण कार्य के दौरान बच्चों के अनुभव और परिवेश को गणितीय अवधारणाओं से जीवंत रूप में जोड़ना आवश्यक है।

ELPS का यह सिद्धांत पामेला लिएबेक्क (PAMELA LIEBECK) द्वारा 1984 में दिया गया था।

E

1- Experience with solid/concrete objects

ठोस/मूर्त वस्तुओं के द्वारा अनुभवः शिक्षक बच्चों को परिवेश में उपलब्ध ठोस वस्तुओं (पत्तियाँ, फूल, काँच की गोलियाँ और इमली के बीज आदि) के माध्यम से संख्या बोध कराएँ और इन्हीं वस्तुओं का प्रयोग करते हुए गिनने, जोड़ने और घटाव करने की अवधारणाएँ सिखायें।

L

2- Language

ज्ञानेन्द्रियों द्वारा मूर्त वस्तुओं को अनुभव करते समय शिक्षक और बच्चों के मध्य वार्तालाप, शिक्षक बच्चों से ठोस/मूर्त वस्तुओं के प्रयोग के समय प्रश्न पूछते हैं, बच्चे उत्तर देते हैं, निर्देशानुसार बच्चे गतिविधि करते हुए दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रहती है।

P

3- Pictures

चित्रों के प्रदर्शन के द्वारा समझः शिक्षक चित्रों को दिखाकर उनसे बातचीत करते हुए "संख्या समझ" की पुनरावृत्ति करते हैं। इस प्रक्रिया में बच्चों और शिक्षक के बीच लगातार बातचीत चलती रहती है।

S

4- Symbols

संकेत/प्रतीकः प्रक्रिया के अंत में शिक्षक बच्चों और गणितीय संकेतों/प्रतीकों के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए संकेतों + (जोड़), – (घटाव), X (गुणा), ÷ (भाग), = (बराबर), > (छोटी संख्या), < (बड़ी संख्या) का बोध कराएँ।

स्रोतः आधारशिला, शिक्षक हस्तपुस्तिका (2019–2020), समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश

सीखने की प्रक्रिया

मैं करूँ **हम करें** **तुम करो**

कक्षा में बच्चों की सहभागिता शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाती हैं जिसके लिए इस प्रक्रिया में सभी बच्चों का शामिल होना अनिवार्य है। सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक को अवधारणा की समझ पर कार्य करने के साथ–साथ बच्चों में स्वतंत्र रूप से अपनी समझ का अनुपयोग करने के कौशलों के विकास पर भी बल देने की आवश्यकता है। संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं को इस प्रकार बनाया गया है जो शिक्षक द्वारा अवधारणा का परिचय (मैं करूँ), बच्चों के साथ मिलकर मूर्त वस्तुओं के साथ कार्य (हम करें) और बच्चों के स्वतंत्र कार्य का अवलोकन (तुम करो) की क्रमवार प्रक्रिया पर आधारित है।

सीखने की प्रक्रिया

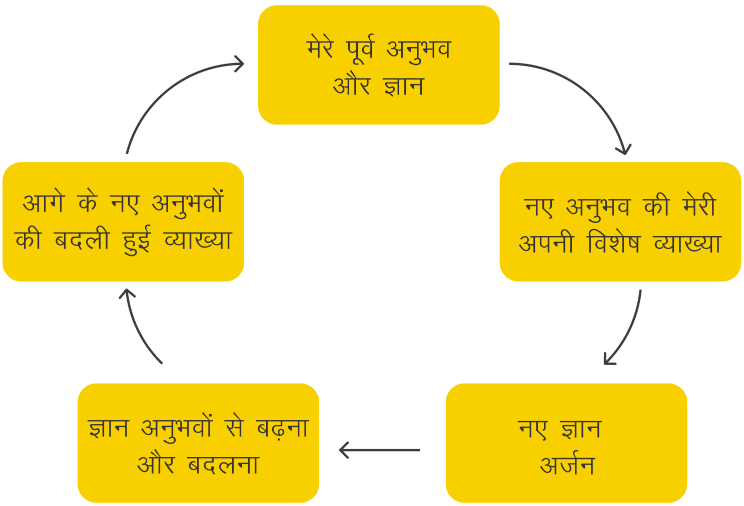

सीखना एक सतत् प्रक्रिया है– यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितना कि वयस्कों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते और बढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नये विचारों को बनाते हैं। इस तरह से प्रत्येक नया अनुभव, उसके पहले के (सम्बन्धित) अनुभवों से जुड़ता और उनकी समझ को समृद्ध करता है, या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए ताकि हम हमेशा सजग रहें कि क्या हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, उपयोग में लायी जा रही शिक्षण सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाई की पहचान कर आवश्यकता अनुसार दी जाने वाली मदद द्वारा लक्षित दक्षताओं के हासिल करने में बच्चों की मदद कर पा रहें है। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएंगे या उनमें संशोधन या बदलाव कर बिलकुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएंगे, जो उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगी।

सीखने–सिखाने के सामान्य सिद्धांत

सीखने–सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं जो कक्षा–कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

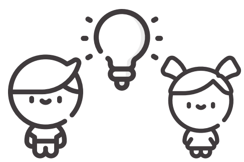

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं:** सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण से सभी बच्चे सीखने की लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह जरूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रायः इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान क्या इन बच्चों को सक्रिय रूप से हिस्सा लेने के मौके मिलते हैं?

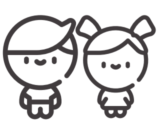

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव को इस्तेमाल करना:** अगर हम शिक्षण प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो कक्षा प्रक्रिया में एक तरफ जहाँ बच्चों के समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वही कक्षा कार्य रोचक हो जाता है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को शिक्षण प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक है।

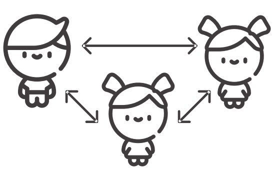

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना:** शिक्षण प्रक्रिया शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने उम्र के साथियों के साथ ज्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नयी बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों से/के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो परिणाम निश्चित ही बेहतर आएँगे।

4. सीखने में बच्चों की मदद करना: शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहे तो बच्चों को स्वयं से कार्य या अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर आवश्यकता के अनुसार उनकी मदद करनी चाहिए।

5. कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना: हमने ऊपर भी अनुकूल वातावरण की बात की है। यह सबसे जरूरी होता है कि कक्षा कार्य सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करा सकते हैं। शिक्षक–बच्चों के मध्य और बच्चों के आपसी सम्बन्ध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

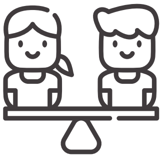

6. सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना: शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग–अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

7. सोचने के मौके और प्रोत्साहन देना: कक्षा प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही उन्हें कक्षा कार्य में सहभागिता के दौरान सतत् रूप से प्रोत्साहित भी करते रहना चाहिए।

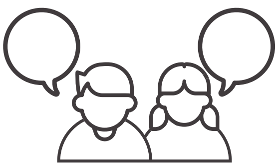

8. बच्चों के घर की भाषा का उपयोग और विस्तृत बातचीत के अवसर देना : प्रारम्भिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारे चिंतन संबन्धित कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा और इस चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे वे भाषाई रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ में, उनमें अभिव्यक्ति क्षमता और कल्पना शक्ति का भी विकास होगा। सीखने की प्रक्रिया में यह एक कारगर कदम है।

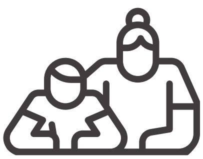

9. सतत आकलन : कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत् आकलन सीखने के चरणों में बेहद जरूरी चरण है। सतत् आकलन द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन–सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और कौन–सी शिक्षण रणनिति ज्यादा कारगर है।

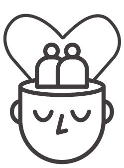

10. सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम : तमाम शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में शिक्षक, बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग–अलग पहलुओं पर भी काम करें। सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा इस संदर्शिका में आगे की गई है।

सामाजिक–भावनात्मक जुड़ाव

बच्चों के साथ कक्षा–कक्ष में काम शुरू करने से पहले आइए देखते हैं कि सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव में कौन–कौन से घटक शामिल हैं।

1. लक्ष्य तय करना

बच्चे स्वयं या शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से यह तय कर पाएँ कि उन्हें किसी निश्चित समय में क्या करना है और उसके लिए क्या–क्या उपाय किये जा सकते हैं।

2. व्यवहार में संतुलन रखना

व्यवहार में संतुलन रखना भी एक महत्वपूर्ण आयाम है। इसमें एक–दूसरे से व्यवहार करना, अपनी भावनाओं को कैसे और कब तथा कितना व्यक्त करना है इस पर ध्यान दिया जाता है।

3. सूचनाओं को समझना और निर्णय लेना–

सूचनाओं की समझ और उसके आधार पर निर्णय लेने का कौशल भी इसी में आता है। सूचनाओं के आधार पर व्यवहार और समाज सम्मत निर्णय के कौशलों का विकास किया जाता है।

4. बेहतर सम्बन्ध का निर्माण करना

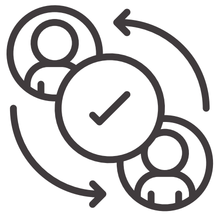

एक सामाजिक प्राणी के रूप में हम एक–दूसरे से कैसे बेहतर तरीके से सम्बन्ध बनाकर रखें, समूह में काम कैसे करें जैसे आयाम भी सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के हिस्से हैं।

कक्षा 1 से 3 में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की रणनीति

प्रारम्भिक कक्षाओं में बच्चों के साथ सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव पर कार्य करना आवश्यक है। संदर्शिका में शिक्षण के लिए दी गई योजनाओं और विभिन्न गतिविधियों में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के घटक को एकीकृत रूप से शामिल किया गया है, जिसका विवरण इस प्रकार से है।

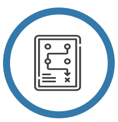

शिक्षण योजना

अभ्यास गतिविधि

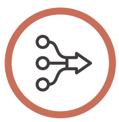

समेकन गतिविधि

रेमीडीयल गतिविधि

कार्य पत्रक

- संवाद और प्रश्नों के माध्यम से बच्चों से बातचीत करना।
- प्रत्येक कार्य से पहले बच्चों के निर्देश और लक्ष्य को स्पष्ट करना।
- बच्चों को स्वयं को अभिव्यक्त करने और अपने अनुभव को साझा करने के लिए प्रेरित करना।
- बच्चों को स्वयं द्वारा किए गए कार्यों और उसके लिए अपनाई गयी प्रक्रिया की व्याख्या करने के अवसर देना।
- बच्चों के साथ समस्या को हल करने के लिए उपयोग की गई विधि और उसके चयन के तर्क पर बातचीत करना।
- बच्चों को अपनी गणितीय समझ को दैनिक जीवन के अनुभव से गतिविधि के माध्यम से जोड़ना।
- दैनिक जीवन में होने वाली गणितीय प्रक्रियाओं की गतिविधि के माध्यम से समझने के अवसर देना।
- किसी भी कार्य को एक से ज्यादा विधि से करने और समझने के अवसर देना।
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से और समूह में कार्य करने के पर्याप्त अवसर देना।
- गतिविधि के दौरान बच्चों को एक–दूसरे को सहयोग करने के लिए प्रेरित करना।

अधिगम क्षति

अधिगम क्षति और उसको कम करने की जरूरत

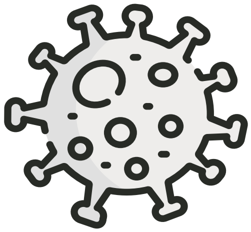

कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 के मार्च माह से ही विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित रहा है, जिसके कारण बच्चों में अधिगम की क्षति हुई है। यह क्षति सिर्फ अधिगम तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि बच्चों ने इस दौरान अपने परिजनों को भी खोया है। जिसके कारण बच्चों पर मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से भी प्रभाव पड़ा है। इस दौरान हुए अधिगम क्षति के कारक इस प्रकार हैं।

- विद्यालय बंद होने के कारण कक्षाएँ सुचारु रूप से नहीं चल सकीं।
- बच्चों को शिक्षकों के पर्याप्त मार्गदर्शन व सहयोग नहीं मिल सका।
- कोविड से पूर्व प्राप्त दक्षताओं को बच्चे भूल गए
- उम्र के अनुसार दक्षताओं में कमी पायी गयी
- बच्चे अपनी भावनाओं और मनोभावों को व्यक्त कर पाने में असमर्थ पाये गए आदि

बुनियादी गणित में हुयी अधिगम क्षति

कोरोना काल में बच्चों के अधिगम पर हुए प्रभाव को समझने के लिए कई शोध हुए हैं, जो हमें लम्बे समय तक विद्यालय के बंद रहने के दौरान हुए अधिगम क्षति का आकलन कर क्षति के स्तर को समझने में मदद करते हैं।

26% बच्चों ने दो अंकों की संख्याओं (21–30) में संख्यांक को पढ़ने की क्षमता की खो दिया है।

37% बच्चों ने दो अंकों की संख्याओं को जोड़ (चित्रों के माध्यम से) पाने की क्षमता को खो दिया है।

48% बच्चों ने अपने परिवेश के 3D मूर्त आकृतियों को पहचानने की क्षमता को खो दिया है।

44% बच्चों ने दैनिक जीवन की समस्याओं को घटाव के माध्यम से हल करने की क्षमता को खो दिया है।

शोध के आँकड़े और निष्कर्ष एक ऐसी अकादमिक योजना की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं जिसमे हम चरणबद्ध तरीके से बच्चों के साथ काम करते हुए उन्हें अपेक्षित अधिगम स्तर तक ले जाएँ। अधिगम क्षतिपूर्ति कम करने के लिए सामान्य तौर पर हम रेमीडीयल योजना के सहयोग से एक तय समय के लिए बच्चों के साथ कार्य करते हैं। कोरोना महामारी के कारण विशेष परिस्थिति सामने आई है, जिसके लिए हमे विशेष योजना बनानी होगी जो क्षति के साथ–साथ बच्चों को कक्षा स्तर पर आने में मदद करें। आप संदर्शिका में दी गई अकादमिक योजना की आवश्यकता को समझने के लिए इन रिपोर्ट का अध्ययन कर सकते हैं। (स्रोत 1)

इस शिक्षक संदर्शिका में 2 वर्षीय अकादमिक योजना (2022–24) दी गयी है, जिसके क्रियान्वयन से अधिगम क्षति को पाटने के लिए हम बच्चों में बुनियादी कौशलों के विकास पर कार्य कर पाएंगे। इस विशेष योजना में जिन दक्षताओं को केंद्र में रखकर कार्य किया जाएगा उन्हें प्रेरणा सूची से प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। सत्र 2022–23 में पिछले और वर्तमान कक्षा की उन दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा जिन्हें बच्चों द्वारा ग्रहण करना एवं उसमें निपुणता प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। सत्र 2023–24 में बच्चों के अधिगम स्तर को आगे बढ़ाया जाएगा ताकि वे कक्षा स्तर पर कार्य करने के लिए तैयार हो सकें। अकादमिक सत्र 2022–23 की लक्षित दक्षताओं का विवरण अगले पृष्ठ पर दिया गया है। (स्रोत 2 और 3)

स्रोत 1– azimpremjiuniversity-edu-in/field-studies-in-education/loss-of-learning-during-the-pandemic

स्रोत 2– https://blogs-worldbank-org/education/getting-back-learning-key-policy-actions-reopening-schools

स्रोत 3– https://www-the74million-org/a-better-equation-new-pandemic-data-supports-acceleration-rather than--remediation-to-make-up-for-covid-learning-loss/

2022–23 के लिए लक्षित दक्षताएँ

दक्षताएँ : 2022–23

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर तरीके से जानते और समझते हैं कि शिक्षण प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में लक्षित दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएँ विषयवार अलग–अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। हमें यह समझना बहुत आवश्यक है कि कक्षावार दक्षताओं का विकास किया जाना अपेक्षित है। कि बुनियादी गणित की मुख्य दक्षताओं को नीचे दी गयी सूची में देखा जा सकता है।

संख्या समझ

- 1–9 तक की संख्याओं के मान व प्रतीकों को समझ और लिख सकें।
- 1–9 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।
- शून्य की अवधारणा को समझ सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ और लिख सकें।
- 10–99 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।
- 1–99 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।
- स्थिर अंतराल में (2,3,4,5,10) गिनती बोल और लिख सकें।
- 100–999 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ और लिख सकें।
- 100–999 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।
- 1–999 तक की संख्याओं को शब्दों मे लिख सकें।
- 100–999 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।
- तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।
- 1–10 तक रोमन अंकों को पहचान और लिख सकें।

→ **37 शिक्षण उद्देश्य**

संक्रिया

- एक अंक की संख्याओं का जोड़ और घटा कर सकें।
- एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटा सकें।
- दो अंक की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकें (बिना हासिल और हासिल के साथ)।
- तीन अंक की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकें (बिना हासिल और हासिल के साथ)।
- एक अंक की संख्याओं का गुणा और भाग कर सकें।

→ **23 शिक्षण उद्देश्य**

ELPS सिद्धांत के अनुसार गणित के संचयी प्रकृति और सोपान क्रमिकता को ध्यान में रखते हुए लक्षित दक्षताओं पर योजनबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए दक्षताओं को 60 शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक शिक्षण उद्देश्य के लिए शिक्षण योजना, अभ्यास गतिविधि और अभ्यास पत्रक (कार्यपुस्तिका) दी गई है।

वार्षिक योजना

प्रति सप्ताह संसाधन

शिक्षक संदर्शिका				कार्यपुस्तिका
3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	7 कार्यपत्रक

नमूने के रूप में दी गई गतिविधि के आधार पर समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि बनाएँ।

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
		शिक्षण योजना	अभ्यास गतिविधि	समेकन गतिविधि	रेमीडीयल गतिविधि	कार्यपत्रक
सप्ताह 1	• 1–9 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। • 1–9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें। • शून्य की अवधारणा को समझ सकें।	37 to 39	40	41	42	13 to 19
सप्ताह 2	• गिनने के सिद्धांत के साथ 1–20 तक की संख्याओं को समझ सकें। 1 (One to one] Cardinality] ordinality) • बण्डल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें। • 1–20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)	43 to 45	46			20 to 26
सप्ताह 3	• 1–20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। (प्रतीक के द्वारा) • 1–20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें। • 1–50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)	47 to 49	50			27 to 33
सप्ताह 4	• 1–50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। (प्रतीक के द्वारा) • 1–50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें। • 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)	51 to 53	54			34 to 40

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 5	● 1–99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें। ● 1–99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें। ● स्थिर अंतराल में (2,3,4,5,10) गिनती बोल और लिख सकें।	55 to 57	58			41 to 47
सप्ताह 6	● 1–99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी–बड़ी संख्या बता सकें। ● एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) जोड़ सकें। ● एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप मे जोड़ सकें।	59 to 61	62			48 to 64
सप्ताह 7	● एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटा सकें। ● एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में घटा सकें। ● एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटा सकें।	63 to 65	66	67	68	55 to 61
सप्ताह 8	● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के जोड़ सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) हासिल के साथ जोड़ सकें।	69 to 71	72			62 to 68
सप्ताह 9	● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटा सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटा सकें।	73 to 75	76			69 to 75
सप्ताह 10	● दो अंकों की संख्याओं को (वस्तु और चित्र के साथ) हासिल के साथ घटा सकें। ● दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ घटा सकें। ● गुणा की अवधारणा को बार–बार जोड़ (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।	77 to 79	80			76 to 82

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 11	**सावधिक आकलन (सप्ताह 1–10)** ● आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन सप्ताहवार सभी बच्चों का आकलन करें। ● क्रमशः सप्ताहवार रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएं।				↑	84 to 93
सप्ताह 12	● गुणा की अवधारणा को समूह और समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें। ● एक अंक की संख्याओं को गुणा कर सकें। ● वस्तुओं (9 तक) को बराबर बाँट सकें।	83 to 85	86	87	88	95 to 101
सप्ताह 13	● भाग की अवधारणा को बार–बार घटाव (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें। ● एक अंक की संख्याओं को भाग कर सकें। ● दस और सौ का बंडल बना और गिन सकें।	89 to 91	92			102 to 108
सप्ताह 14	● 100–500 तक की संख्याओं को खुले, 10 और 100 के बंडल मे समझ सकें। ● 100–500 तक की संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़ा में समझ और लिख सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। ● 1–99 तक की संख्याओं को शब्दों मे लिख सकें।	93 to 95	96			109 to 115
सप्ताह 15	● 100–500 तक की संख्याओं को शब्दों मे लिख सकें। ● 501 –999 तक की संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़ा में समझ और लिख सकें। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के साथ)। ● 501–999 तक की संख्याओं को शब्दों मे लिख सकें।	97 to 99	100			106 to 112
सप्ताह 16	● दो और तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें। ● नोटों और सिक्कों का व्यवहारिक उपयोग की समझ बना सकें। ● तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।	101 to 103	104			123 to 129
सप्ताह 17	● तीन अंकों की संख्याओं के पीछे–बाएँ और आगे–दाएँ की संख्या लिख सकें। ● 1–99 तक की संख्याओं के मध्य रिक्त संख्याओं को भर सकें। ● 10–50 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।	105 to 107	108			130 to 136

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या				
सप्ताह 18	• 51–100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें। • तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें। • तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।	109 to 111	112	113	114	137 to 143
सप्ताह 19	• 1–10 तक रोमन अंकों को पहचान और लिख सकें। • तीन अंकों की संख्याओं में प्रत्येक अंक के स्थानीय मान को लिख सकें। • 10–999 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप मे लिख सकें।	115 to 117	118			144 to 150
सप्ताह 20	• स्थिर अन्तराल (2,5,10,100) के संख्या पैटर्न को समझ और आगे बढ़ा सकें। • दो अंकों की संख्याओं में सम और विषम को पहचान सकें। • तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें।	119 to 121	122			151 to 157
सप्ताह 21	• तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें। • तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में बिना हासिल के घटा सकें। • तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में हासिल के साथ घटा सकें।	123 to 125	126			158 to 164
सप्ताह 22	**सावधिक आकलन (सप्ताह 12–21)** • **आकलन प्रपत्र के माध्यम से प्रतिदिन सप्ताहवार सभी बच्चों का आकलन करें।** • **क्रमशः सप्ताहवार रेमीडीयल गतिविधि को दोहराएं।**					166 to 175

साप्ताहिक एवं दैनिक योजना

साप्ताहिक योजना को 3 चरणों में बाँटा गया है। 1. अनुदेशात्मक कार्य 2. समेकन और आकलन 3. रेमीडीयल और पुनरावृत्ति। प्रत्येक चरण के लिए संदर्शिका में उपयुक्त शिक्षण और अधिगम सामग्री दी गई है।

चरण	दिन	संसाधन	कालांश 1	कालांश 2	कालांश 3	महत्वपूर्ण बिन्दु	ट्रैकर
अनुदेशात्मक कार्य	1, 2, 3, 4	3 शिक्षण योजना (शिक्षण संदर्शिका); 3 अभ्यास पत्रक (कार्यपुस्तिका); 3 अभ्यास गतिविधि (शिक्षण संदर्शिका)		1, 2, 3		3 कालांश को योजना में रिक्त रखा गया है जिसे शिक्षक कक्षा की आवश्यकता के अनुसार उपयोग करें। **शिक्षण योजना दोहराव या अभ्यास गतिविधि दोहराव**	वार्षिक ट्रैकर; कार्यपुस्तिका ट्रैकर
समेकन और आकलन	5	समेकन गतिविधि (शिक्षण संदर्शिका); 'मैंने सीख लिया' आकलन पत्रक (कार्यपुस्तिका)				**शिक्षक प्रत्येक बच्चे के प्रगति की जानकारी ट्रैकर में भरें** रिक्त कालांश का उपयोग समेकन गतिविधि के लिए आवश्यकता के अनुसार करें।	
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति	6	रेमीडीयल गतिविधि (शिक्षण संदर्शिका); साप्ताहिक अभ्यास (कार्यपुस्तिका); साप्ताहिक पुनरावृत्ति (कार्यपुस्तिका)				रेमीडीयल समूह पर विशेष ध्यान दें जिससे बच्चों को अगली अवधारणाओं को समझने में कठिनाई न हो। रिक्त कालांश का उपयोग रेमीडीयल गतिविधि के लिए आवश्यकता के अनुसार करें	
सावधिक आकलन सप्ताह		1-10 सावधिक आकलन पत्रक (कार्यपुस्तिका)				शिक्षक प्रत्येक बच्चे के प्रगति की जानकारी ट्रैकर में भरें	

दैनिक योजना में चरणवार सभी कालांशों का विवरण दिया गया है। यहाँ हर चरण और कालांश में उपयोग किए जाने वाले संदर्भ सामग्री को चिन्हित किया गया है और उनसे जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं को साझा किया गया है।

दिन	कालांश 1	कालांश 2	कालांश 3
अनुदेशात्मक कार्य 1	**शिक्षण योजन** कक्षा कार्य की शुरुआत	1,2,3 **अभ्यास पत्रक** क्रमशः बच्चों द्वारा कक्षा कार्य	**अभ्यास गतिविधि** क्रमशः बच्चों द्वारा कक्षा कार्य
2	बच्चों से प्रश्न पूछें और सभी को कक्ष संवाद में शामिल करें।	प्रश्नों के उदाहरण श्यामपट्ट पर देकर पत्रक पर कार्य के लिए निर्देश दें।	प्रश्न और संवाद के माध्यम से हो रही गलतियों को समझाएँ।
3, 4	क्या 70% छात्रों ने शिक्षण योजना में दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया?	**हाँ:** कालांश में अभ्यास पत्रक पर कार्य कराए **नहीं:** कालांश में शिक्षण योजना को दोहराएँ।	अभ्यास पत्रक पूर होने के बाद कालांश में अभ्यास गतिविधि करवाएँ।
समेकन और आकलन 5	**समेकन गतिविधि** तीनो शिक्षण योजनाओं का साप्ताहिक समेकन प्रश्न और संवाद के माध्यम अवधारणाओं को दोहराएँ।	आवश्यकता के अनुसार समेकन गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।	**'मैंने सीख लिया' पत्रक** सभी बच्चों का **साप्ताहिक आकलन** बच्चों को उत्तर के अनुसार साप्ताहिक अभ्यास या रेमीडीयल गतिविधि के लिए चिह्नित करें।
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति 6	साप्ताहिक आकलन के अनुसार कक्षा के बच्चों को दो समूह में बाँटें। **रेमीडीयल गतिविधि** समूह के बच्चों की कठिनाइयों को समझते हुए कक्षा कार्य करवाएं **साप्ताहिक अभ्यास पत्रक** अभ्यास समूह से कक्षा कार्य करवाएँ।	आवश्यकता के अनुसार रेमीडीयल गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।	**साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक** सभी बच्चों से एक साथ कक्षा कार्य **गृह कार्य {अभ्यास पुस्तिका}** अभिभावकों से संवाद करें और बच्चों के गृहकार्य में सहयोग के लिए उन्हें प्रेरित करें।
सावधिक आकलन सप्ताह	1-10 **सावधिक आकलन पत्रक** सभी बच्चों का सावधिक आकलन	**रेमीडीयल गतिविधि** सभी बच्चों के साथ कक्षा कार्य	आवश्यकता के अनुसार रेमीडीयल गतिविधि के लिए कालांश का उपयोग करें।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत् आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण को उद्देश्य आधारित प्रक्रिया बनाता है जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन एवं उद्देश्य

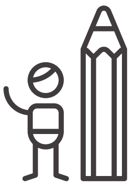

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग–अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों का बारीक तौर पर विश्लेषण करने में सहायक होता है।

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों को अवधारणों को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को समझने में सतत् आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से किए गए प्रश्न और संवाद बच्चों द्वारा की गई सामान्य भूल को भी उजागर करता है।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियां बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर करने का कार्य करता है। शिक्षण कार्य की तैयारी में मदद और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह हैं। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण पद्धति में आवश्यकता के अनुसार बदलाव और नई–नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

आकलन प्रक्रिया

आकलन सतत प्रक्रिया के रूप में साप्ताहिक योजना के तीनों चरणों में लगातार चलती रहेगी। यह शिक्षक को बच्चों को हो रही कठिनाइयों से अवगत और शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाए रखने में मदद करेगी।

दिन 1–4 अनुदेशात्मक कार्य → दिन 5 समेकन और आकलन → दिन 6 रेमीडीयल और पुनरावृति → सावधिक आकलन और रेमीडीयल

प्रत्येक सप्ताह | सप्ताह 11 & 22

अनुदेशात्मक कार्य

हर सप्ताह
दिन 1–4

1 2 3

- अनुदेशात्मक कार्य के दौरान प्रत्येक सप्ताह 3 शिक्षण उद्देश्यों पर बच्चों के साथ कक्षा में कार्य करें। शिक्षण के साथ–साथ बच्चों की समझ, सामान्य भूल और उन्हें हो रही कठिनाइयों का निरंतर आकलन कर उनपर आवश्यक कार्य करें।

बच्चों के लिए कुछ प्रश्न शिक्षण योजना और अभ्यास गतिविधि में दिए गए हैं। ये प्रश्न अनुदेशात्मक कार्य के दौरान आकलन के लिए बहुत उपयोगी हैं, आवश्यकता के अनुरूप और प्रश्न बनाएं।

शिक्षण योजना: यदि 70% छात्रों ने दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर देते हैं तो अगले कालांश में कार्य पत्रक पर कार्य करें अथवा शिक्षण योजना को दोहराएँ।

1,2,3 **कार्य पत्रक :** बच्चों द्वारा दिए गए उत्तर का विश्लेषण कर उन्हे हो रही कठिनाइयों को चिह्नित करें।

अभ्यास गतिविधि: बच्चों द्वारा की जाने वाली सामान्य भूल पर संवाद कर समझ को सुदृढ़ करें।

समेकन और आकलन

हर सप्ताह
दिन 5

कालांश
1 2 3

समेकन गतिविधि: पिछले 4 दिनों में किए गए अनुदेशात्मक कार्य को एक साथ समेकित और बच्चों की प्रगति को समझने का प्रयास करें। एक निश्चित अंतराल में यह समझना आवश्यक है कि बच्चे पिछली कक्षाओं में किए गए कार्यों को याद रख पा रहे हैं या नहीं और अपनी समझ का किस प्रकार से अनुप्रयोग कर पा रहे हैं।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

आकलन प्रपत्र: प्रत्येक प्रपत्र अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं पर आधारित हैं। प्रपत्र के सभी प्रश्न दक्षताओं और उनके विभिन्न आयामों को समझने के लिए बनाया गया है। तीनों दक्षताओं को प्राप्त करने के लिए बच्चों के लिए सभी प्रश्नों के 50% भाग को करना अनिवार्य है।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर: शिक्षक प्रत्येक बच्चे का आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रैड ट्रैकर में दर्ज करें।

- सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर–A
- सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर–B

रेमीडीयल और पुनरावृत्ति

हर सप्ताह
दिन 6

कालांश

1 2 3

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में दर्ज किए गए ग्रेड के अनुसार बच्चों को 2 समूह में बाँट कर रेमीडीयल कार्य और क्रमशः पुनरावृत्ति कराएं।

रेमीडीयल गतिविधि– समूह A: जो बच्चे अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पाए हैं, उनपर शिक्षक विशेष ध्यान दें। गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।

साप्ताहिक अभ्यास पत्रक– समूह B: अनुदेशात्मक कार्य के 3 दक्षताओं को प्राप्त कर चुके बच्चों को आवश्यक निर्देश देकर स्वतंत्र रूप से पत्रक पर कार्य करने दें।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक: सभी बच्चों के साथ पत्रक पर कार्य करें।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

अकादमिक सत्र में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा, पहला 11वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 22वें सप्ताह में। सावधिक आकलन को कक्षा के आंतरिक प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए।

सावधिक आकलन 1	सप्ताह 11	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
सावधिक आकलन 2	सप्ताह 22	11 12 13 14 15 16 17 18 19 20

- पूर्व के सभी 10 सप्ताह के आकलन के लिए क्रमशः 10 सावधिक आकलन प्रपत्र दिए गए हैं।
- सावधिक आकलन के दौरान प्रत्येक दिन 1 सावधिक आकलन प्रपत्र कर रेमीडीयल कार्य करें।
- रेमीडीयल कार्य लिए पूर्व सप्ताह के सभी 10 रेमीडीयल गतिविधियों को दोहराएँ।

कालांश

1 2 3

सावधिक आकलन प्रपत्र: पहले कालांश में बच्चों का आकलन करें।

सावधिक आकलन ट्रैकर: शिक्षक प्रत्येक बच्चे का आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड ट्रैकर में दर्ज करें।
सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर–B
सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर–A

कालांश

1 2 3

रेमीडीयल गतिविधि

समूह A: जो बच्चे अपेक्षित दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पाए, उन पर शिक्षक विशेष ध्यान दें। गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।

आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

समूह B: जब शिक्षक पीछे छूटे हुए बच्चों के साथ कार्य कर रहे हो तब कक्षा के बाकी बच्चों को उनकी दक्षता अनुसार गणित किट के साथ कक्षा कार्य दें।

कालांश की रणनीतियाँ और संसाधन

प्रति सप्ताह संसाधन

3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	7 कार्यपत्रक
शिक्षक संदर्शिका				कार्यपुस्तिका

कालांश	1	2	3
अनुदेशात्मक कार्य — दिन 1–4	3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास पत्रक (1,2,3)	3 अभ्यास गतिविधि
समेकन और आकलन — दिन 5	1 समेकन	रिक्त कालांश	1 मैंने सीख लिया
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति — दिन 6	1+1 रेमीडीयल और साप्ताहिक अभ्यास	रिक्त कालांश	1+1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति
सावधिक आकलन सप्ताह — सप्ताह 11, 22	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	रिक्त कालांश

शिक्षण योजना

अनुदेशात्मक कार्य

दक्षता की प्राप्ति के लिए उसके विभिन्न आयामों को समझना आवश्यक है।

- संदर्शिका में एक दक्षता के लिए एक से अधिक शिक्षण योजना है जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है
- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 60 शिक्षण योजनाएँ हैं जो क्रमशः अभ्यास पत्रक और अभ्यास गतिविधि से जुड़ा है

दिन 1–4

कालांश 1 2 **3**

शिक्षण योजना अवलोकन

- सप्ताह
- शिक्षण उद्देश्य
- तैयारी के बिन्दु

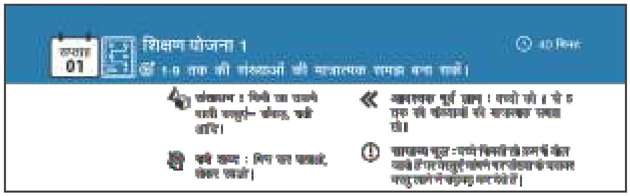

परिचय। मैं करूँ (शिक्षक)

- बच्चों का शिक्षण उद्देश्य से परिचय।
- अवधारणा का बच्चों के अनुभव से जुड़ाव।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।

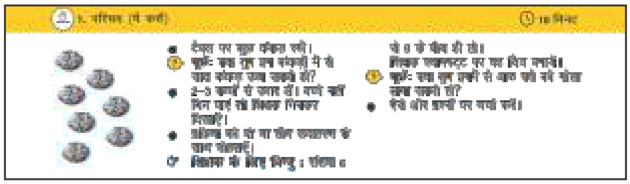

अवधारणा निर्माण। हम करें (बच्चे)

- बच्चों द्वारा मूर्त वस्तुओं के साथ सामूहिक कार्य।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण।

अभ्यास। तुम करो (बच्चे)

- बच्चों के लिए कक्षा कार्य।
- शिक्षक द्वारा अवलोकन।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण।

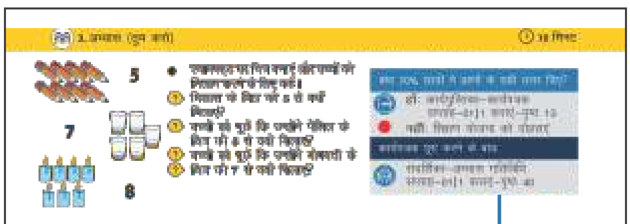

आगे के कार्य

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: अगले कालांश में अभ्यास पत्रक पर कार्य कराएं

नहीं: अगले कालांश में शिक्षण योजना दोहराएं

कार्यत्रक पूरा करने के बाद:

अभ्यास गतिविधि करवाएं

महत्वपूर्ण बिंदु

- सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया हैं।
- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में 3 शिक्षण योजना पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- सभी बच्चों को संवाद में शामिल करें और प्रतिभाग के अवसर दें।
- आवश्यकता के अनुसार गतिविधियों में बदलाव करें।

अभ्यास पत्रक

प्रत्येक शिक्षण योजना के लिए क्रमशः एक अभ्यास पत्रक कार्यपुस्तिका में दिया गया है।

- एक दक्षता के लिए एक से अधिक अभ्यास पत्रक हैं जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है।
- कक्षा 2 के लिए कुल 60 अभ्यास पत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं जो क्रमशः शिक्षण योजना और अभ्यास गतिविधि से जुड़ा है।

दिन 1–4

कालांश
1 2 3

अभ्यास पत्रक अवलोकन

- सप्ताह
- अभ्यास पत्रक क्रमांक
- समय

शिक्षक द्वारा हल किये उदाहरण

- प्रत्येक अभ्यास पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अलग निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।

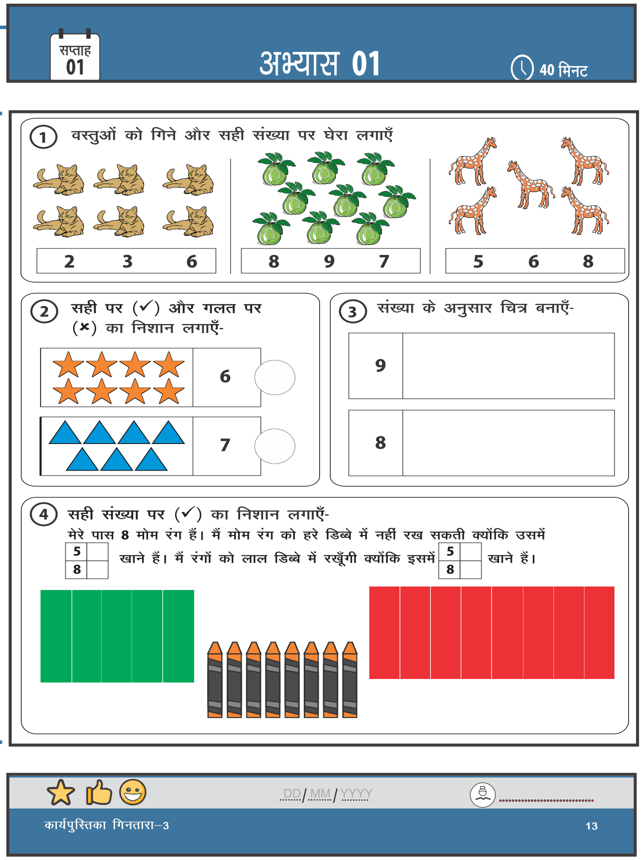

अभ्यास पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया है।
- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में क्रमशः 3 शिक्षण योजना और 3 कार्यपत्रक पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- निर्देश को स्पष्ट करें और एक प्रश्न पूरा होने के बाद अगले प्रश्न पर जाएँ।
- कठिनाई होने पर बच्चों को आवश्यकता के अनुसार मदद करें।

शिक्षक द्वारा कक्षा कार्य की जांच

- बच्चों में उत्साह के लिए आइकॉन पर निशान
- दिनांक
- हस्ताक्षर

श्रेष्ठ

बहुत अच्छा

अच्छा

अभ्यास गतिविधि

अनुदेशात्मक कार्य

प्रत्येक शिक्षण योजना के लिए क्रमशः एक अभ्यास गतिविधि दिया गया है।

- कार्यपुस्तिका में एक दक्षता के लिए एक से अधिक अभ्यास गतिविधि हैं जो अनुदेशात्मक कार्य के लिए दिया गया है।
- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 60 अभ्यास गतिविधि हैं जो क्रमशः शिक्षण योजना और अभ्यास पत्रक से जुड़ा है।
- प्रत्येक पृष्ठ में 3 अभ्यास गतिविधियाँ दी गई हैं।

दिन 1–4

कालांश

1 2 3

अभ्यास पत्रक अवलोकन

- सप्ताह
- कार्यपत्रक क्रमांक
- शिक्षण उद्देश्य
- संसाधन

अभ्यास गतिविधि के चरण

- शिक्षण उद्देश्य को बच्चों के परिवेश और उनके दैनिक अनुभव से जोड़ते हुए परिचय।
- बच्चों के साथ शिक्षण योजना की गतिविधि और अभ्यास पत्रक के अनुभव पर संवाद।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- निर्देश अनुसार गतिविधि का संचालन।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।

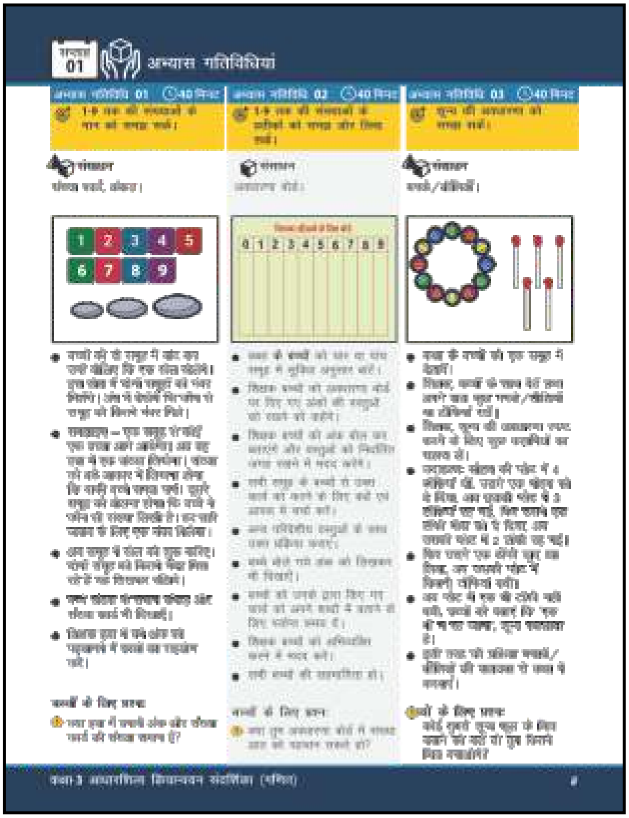

अभ्यास गतिविधि 1 | अभ्यास गतिविधि 2 | अभ्यास गतिविधि 3

महत्वपूण बिंदु

सप्ताह के पहले चार दिन अनुदेशात्मक कार्य के लिए नियोजित किया गया है–

- प्रत्येक शिक्षण सप्ताह में शिक्षण उद्देश्य 3 शिक्षण योजना, 3 कार्यपत्रक और 3 अभ्यास गतिविधि पर बच्चों के साथ कक्षा कार्य करें।
- कठिनाई होने पर बच्चों को आवश्यकता के अनुसार मदद करें।
- प्रश्न और संवाद के माध्यम से बच्चों की कठिनाइयों और सामान्य भूल का निवारण करें।
- आवश्यकता के अनुसार गतिविधियों में बदलाव करें।

समेकन गतिविधि

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के समेकन के लिए एक समेकन गतिविधि किया जाना निर्धारित किया गया है
- 20 शिक्षण सप्ताह में कुल 20 समेकन गतिविधि किए जाने है जिनमे से 4 सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि नमूने के रूप में संदर्शिका में दिया गया है

दिन
5

कालांश
1 2 3

समेकन गतिविधि अवलोकन

- सप्ताह
- साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य
- संसाधन

प्रक्रिया

- साप्ताहिक अनुदेशात्मक कार्य के शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएँ और और बच्चों के दैनिक अनुभव से जोड़ें।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- निर्देश अनुसार गतिविधि का संचालन
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

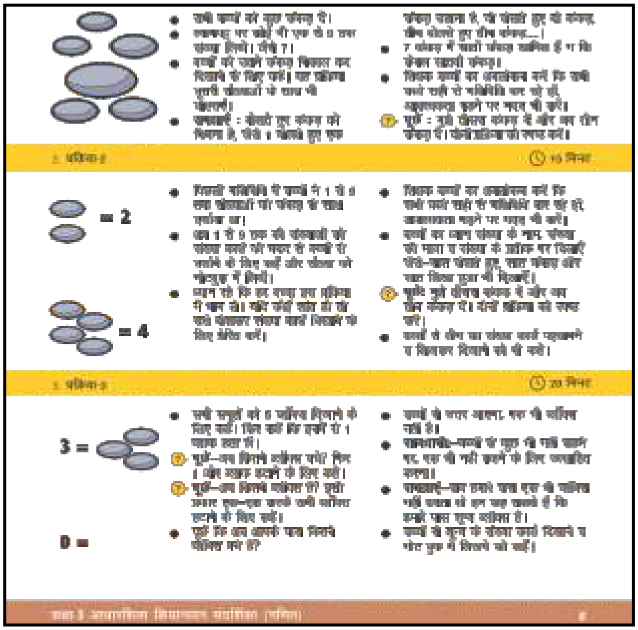

स्वयं बनाएं

4 सप्ताह के लिए समेकन और रेमीडीयल गतिविधि संदर्शिका में नमूने के रूप में दी गई है। साप्ताहिक 3 शिक्षण योजनाओं (अनुदेशात्मक कार्य) का उपयोग कर शिक्षक बाकी सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि स्वयं बनाएं।
- तीनों शिक्षण उद्देश्यों को उनकी संचयी प्रकृति के अनुसार क्रम में रखें।
- गतिविधि में बच्चों को वस्तुओं के साथ कार्य करने के लिए ज्यादा अवसर दें।
- प्रश्न और संवाद के बिंदुओं को स्पष्ट रूप से लिखे।
- संसाधन के लिए गणित किट, गणित कार्ड और बोर्ड, पोस्टर और आसानी से उपलब्ध वस्तुओं का ही उपयोग करें।

मैंने सीख लिया

कार्यपुस्तिका में प्रत्येक साप्ताहिक आकलन के लिए एक कार्यपत्रक 'मैंने सीख लिया' दिया गया है
- 20 सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक आकलन प्रपत्र दिए गए हैं।

दिन 5

कालांश 1 2 3

उदाहरण

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

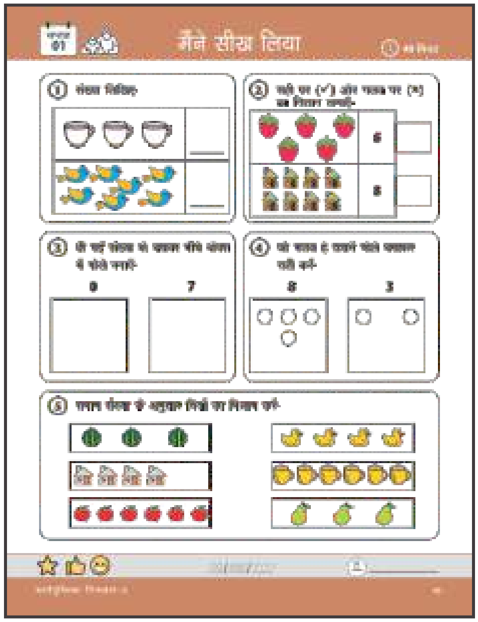

- प्रत्येक साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अगल निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- आकलन पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएं।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

प्रत्येक बच्चे के साप्ताहिक आकलन की जानकारी को रखने के लिए 2 साप्ताहिक आकलन ट्रैकर दिए गए हैं
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1– सप्ताह 1–10।
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2– सप्ताह 12–21।

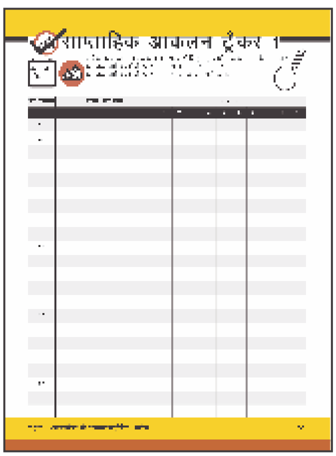

बच्चों द्वारा साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में दिए गए उत्तर को जाँचें। उनकी द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण कर अवधारणा को समझने में आ रही कठिनाइयों को चिह्नित कर रेमीडीयल कार्य की योजना बनाएँ। प्रत्येक बच्चे का साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड (A/B) दर्ज करें।

A — सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर → **समूह 1 रेमीडीयल गतिविधि**

B — सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर → **समूह 2 साप्ताहिक अभ्यास पत्रक**

पुनरावृत्ति और अभ्यास

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के रेमीडीयल के लिए एक रेमीडीयल गतिविधि किया जाना निर्धारित किया गया है
- **समूह 1**: 20 सप्ताह में कुल 20 समेकन गतिविधि किए जाने है जिनमें से 4 सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि नमूने के रूप में संदर्शिका में दिया गया हैं।
- **समूह 2**: 20 सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक अभ्यास प्रपत्र दिए गए हैं।

दिन 6

कालांश 1 2 3

समूह 1 रेमीडीयल गतिविधि

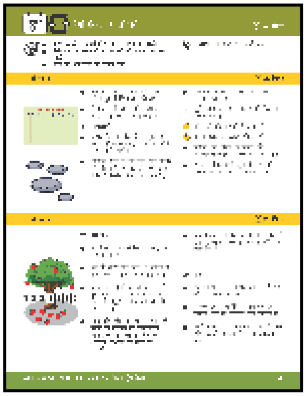

समूह 2 साप्ताहिक अभ्यास पत्रक

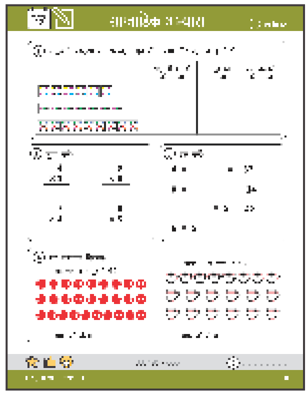

प्रक्रिया

- समूह के बच्चों को एक साथ बैठाएं और सप्ताह के शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएँ।
- उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- समूह के बच्चों पर विशेष ध्यान दें और गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।
- प्रश्न पूछें और संवाद।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता अनुसार रिक्त कालांश का उपयोग करें।

शिक्षक के लिए निर्देश

- ससमूह के बच्चों को एक साथ बैठाए।
- बच्चों को आवश्यक निर्देश देकर स्वतंत्र रूप से पत्रक पर कार्य करने दें।
- साप्ताहिक अभ्यास पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

स्वयं बनाएं

- 4 सप्ताह के लिए समेकन और रेमिडियल गतिविधि संदर्शिका में नमूने के रूप में दी गई है। साप्ताहिक 3 शिक्षण योजनाओं (अनुदेशात्मक कार्य) का उपयोग कर शिक्षक बाकी सप्ताह के लिए समेकन गतिविधि और रेमीडीयल गतिविधि स्वयं बनाएँ।
- तीनों शिक्षण उद्देश्यों को उनकी संचयी प्रकृति के अनुसार क्रम में रखें।
- गतिविधि में बच्चों को वस्तुओं के साथ कार्य करने के लिए ज्यादा अवसर दें।
- प्रश्न और संवाद के बिंदुओं को स्पष्ट रूप से लिखे।
- संसाधन के लिए गणित किट, गणित कार्ड और बोर्ड, पोस्टर और आसानी से उपलब्ध वस्तुओं का ही उपयोग करें।

पुनरावृत्ति और गृह कार्य

प्रत्येक सप्ताह अनुदेशात्मक कार्य के दौरान 3 शिक्षण उद्देश्यों पर किए गए कार्यों के पुनरावृत्ति के लिए एक साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक कार्यपुस्तिका में दिया गया है।

- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 20 साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक दिया गया है।

दिन 6

कालांश 1 2 3

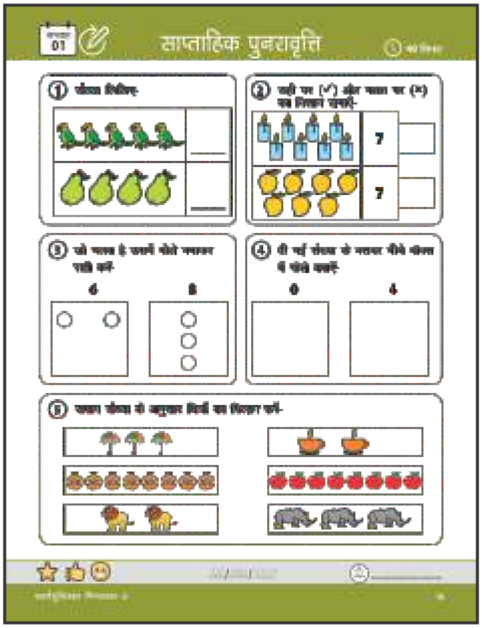

साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

- प्रत्येक साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न हैं जिनके लिए अलग–अलग निर्देश दिए गए हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण (संख्या और वस्तु बदलकर) श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

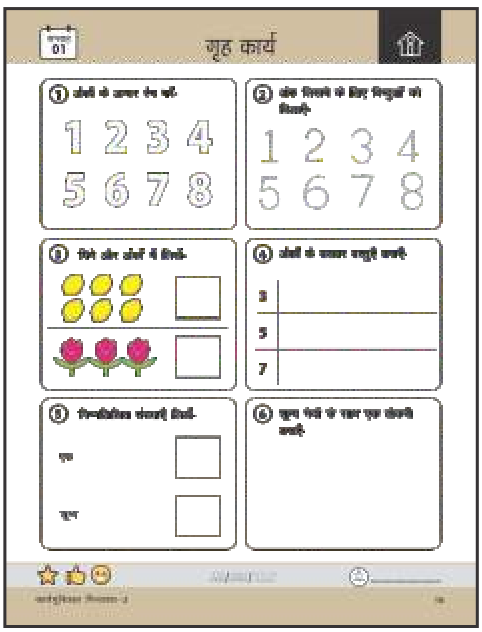

गृह कार्य

अभिभावकों को बच्चों के दैनिक पठन–पाठन कार्य से जोड़ने के लिए साप्ताहिक गृहकार्य पत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं।

- 20 शिक्षण सप्ताह के लिए कुल 20 गृह कार्य पत्रक दिए गए हैं।

शिक्षक के लिए निर्देश

- बच्चों को 6वाँ दिन गृह कार्य के लिए आवश्यक निर्देश दें।
- अभिभावकों से संवाद करें और उन्हे बच्चों से उनके कक्षा के अनुभव पर बातचीत करने के लिए प्रेरित करें।
- अगले दिन शिक्षक गृह कार्य पत्रक को देखें और बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएं।

सप्ताह 11, 22 सावधिक आकलन

अकादमिक सत्र में दो सावधिक आकलन 11 सप्ताह और 22 सप्ताह में रखे गए हैं।

- पिछले 10 सप्ताह में किए शिक्षण कार्य और बच्चों के प्रगति का आकलन सावधिक आकलन में किया जाएगा।
- सावधिक आकलन 1 और 2 के लिए 10–10 कार्यपत्रक कार्यपुस्तिका में दिए गए हैं।

कालांश 1 2 3

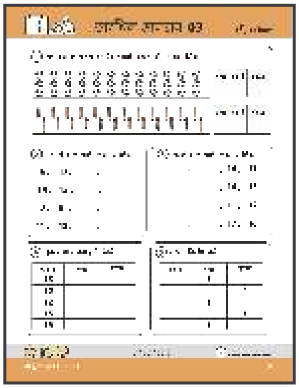

सावधिक आकलन पत्रक

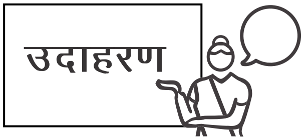

शिक्षक द्वारा हल किया उदाहरण

- प्रत्येक आकलन पत्रक में एक से अधिक प्रकार के प्रश्न और उनके अलग निर्देश हैं।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न का एक उदाहरण **(संख्या और वस्तु बदलकर)** श्यामपट्ट पर दिखाकर बच्चों को कार्यपत्रक पर कार्य करने के लिए निर्देश दें।
- आकलन पत्रक पूरा होने पर बच्चों से कार्यपुस्तिका ट्रैकर में निशान लगवाएँ।

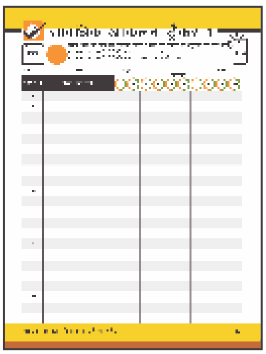

सावधिक आकलन ट्रैकर

बच्चों द्वारा सावधिक आकलन प्रपत्र में दिए गए उत्तर को जाँचें। उनके द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण कर अवधारणा को समझने में आ रही कठिनाइयों को चिह्नित कर रेमीडीयल कार्य की योजना बनाएं।

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।
A––सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग से कम का सही उत्तर।
B––सभी प्रश्नों के 50 प्रतिशत भाग या ज्यादा का सही उत्तर।

कालांश 1 2 3

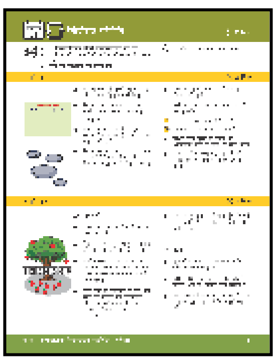

रेमीडीयल गतिविधि

रेमीडीयल गतिविधि को पूरी कक्षा के साथ दोहराएँ।

- शिक्षण उद्देश्यों को दोहराएँ और और बच्चों के दैनिक अनुभव से जोड़ें।
- गतिविधि में उपयोग होने वाले संसाधन से बच्चों का परिचय करवाएँ।
- जिन बच्चों ने A ग्रेड पाया है उन पर विशेष ध्यान दें और गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को पुनः स्पष्ट करें।
- प्रश्न पूछें और संवाद करें।
- सामान्य भूल पर बच्चों का ध्यानाकर्षण करें।
- आवश्यकता अनुसार उपलब्ध रिक्त कालांश का उपयोग करें।

सप्ताह 1—10 | **सप्ताह 12—21**

प्रति सप्ताह के लिए शिक्षक संदर्शिका में संसाधन

3 शिक्षण योजना	3 अभ्यास गतिविधि	1 समेकन गतिविधि	1 रेमीडीयल गतिविधि	वार्षिक ट्रैकर	सावधिक ट्रैकर

प्रति सप्ताह के लिए कार्यपुस्तिका के पत्रक

3 अभ्यास पत्रक	1 मैंने सीख लिया	1 साप्ताहिक अभ्यास	1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति	1 गृह कार्य

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
अनुदेशात्मक कार्य (सप्ताह 1—4)	3 शिक्षण योजना	3 (1,2,3) अभ्यास पत्रक	3 अभ्यास गतिविधि
समेकन और आकलन (दिन 5)	1 समेकन	रिक्त कालांश	1 मैंने सीख लिया
रेमीडीयल और पुनरावृत्ति (दिन 6)	1+1 रेमीडीयल और साप्ताहिक अभ्यास	रिक्त कालांश	1+1 साप्ताहिक पुनरावृत्ति और गृह कार्य

सप्ताह 01

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।

संसाधन : गिनी जा सकने वाली वस्तुएँ– कंकड़, पत्ती आदि।

नये शब्द : गिन कर बताओ, लेकर जाओ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चों को 1 से 5 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ हो।

सामान्य भूल : बच्चे गिनती तो क्रम में बोल जाते हैं पर वस्तुएँ माँगने पर संख्या के बराबर वस्तु लाने में गड़बड़ कर देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

- टेबल पर कुछ कंकड़ रखें।
- **पूछें**: क्या तुम इन कंकड़ों में से सात कंकड़ उठा सकते हो?
- 2–3 बच्चों से उत्तर लें। बच्चे नहीं गिन पाएं तो शिक्षक गिनकर दिखाएँ।
- प्रक्रिया को दो या तीन उदाहरण के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : संख्या 6 से 9 के बीच ही हो। शिक्षक श्यामपट्ट पर यह चित्र बनायें।
- **पूछें**: क्या तुम इनमें से आठ पत्ते को गोला लगा सकते हो?
- ऐसे और प्रश्नों पर चर्चा करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

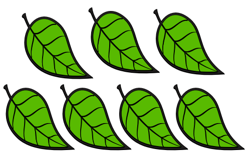

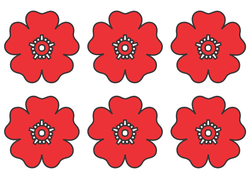

- शिक्षक टेबल पर कुछ कंकड़ रखें और गिनें : एक कंकड़, दो कंकड़, तीन कंकड़.....नौ कंकड़। बच्चों को बोलें "ये हुए नौ कंकड़"।
- **समझाएं**– आप कोई भी सात वस्तुएँ जैसे कंकड़, पत्ते, लकड़ी के टुकड़े लायें।
- **पूछें** : आप कितनी वस्तुएँ लाए हैं? क्या आपको लगता है कि आप सही संख्या में वस्तुएं लाए हो?
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : बच्चों को कक्षा के अन्दर या कक्षा के बाहर से कोई भी वस्तु लाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- श्यामपट्ट पर 6 फूलों के चित्र बनाएँ। चित्रों को धीरे–धीरे बोलते हुए गिनें और बताएं "ये हुए छह चित्र"
  अब कुछ और चित्र बनाकर पूछें –
- **पूछें** : कितने चित्र बने हैं?
  ऐसे और भी सवालों के साथ चर्चा करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

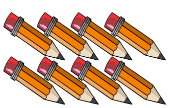

5

7

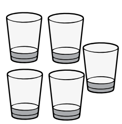

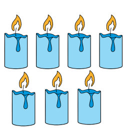

8

- श्यामपट्ट पर चित्र बनाएं और बच्चों को मिलान करने के लिए कहें।
- गिलास के चित्र को 5 से क्यों मिलाएँ?
- बच्चों को पूछें कि उन्होंने पेंसिल के चित्र को 8 से क्यों मिलाएँ?
- बच्चों को पूछें कि उन्होंने मोमबत्ती के
- चित्र को 7 से क्यों मिलाएँ?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–01|1 कराएँ–पृष्ठ 13

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–01|1 कराएँ–पृष्ठ 40

सप्ताह 01

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन : संख्या डॉट कार्ड, आइस्क्रीम स्टिक।

नये शब्द : गिन कर बताओ, लेकर आओ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक संख्याओं की मात्रात्मक समझ (ठोस वस्तु और चित्र के साथ)।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या के सही प्रतीक को लिख नहीं पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

- टेबल पर एक से नौ तक की संख्या कार्ड रखें और एक संख्या कार्ड उठाकर दिखाएं।
- **पूछें** : क्या तुम उतनी ही ताली बजा सकते हो जितनी संख्या कार्ड पर लिखी हुई है?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु**: अगर बच्चे सही संख्या में ताली नहीं बजाते हैं तो शिक्षक धीरे–धीरे एक–एक संख्या के बराबर ताली बजा कर दिखाएँ।
- **पूछें**: क्या तुम उतनी ही अंगुली दिखा सकते हो जितनी संख्या कार्ड पर लिखी हुई है?
- अंत में एक से नौ तक के सारे संख्या कार्ड दिखाकर संख्या नाम को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

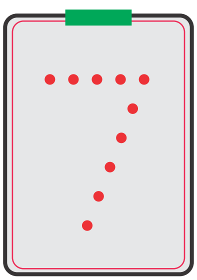

- शिक्षक श्यामपट्ट पर बिंदुओं से सात लिखें।
- **समझाएँ** : दिए गए बिंदु को एक साथ जोड़ कर संख्या सात लिखा जा सकता है।
  डॉट को जोड़ कर दिखाएँ। फिर कोई और संख्या का डॉट श्यामपट्ट पर बनाएं।
- **पूछें**: कौन बिंदु को जोड़कर संख्या लिख सकता है?
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : आप श्यामपट्ट पर एक से ज्यादा संख्या के बिंदु बना सकते हैं जिससे कि एक साथ 3–4 बच्चे श्यामपट्ट पर कार्य कर सकें।
- **समझाएँ** : अब मैं तालियाँ बजाऊँ आपको वही संख्या कॉपी में लिखना है। शिक्षक सात तालियाँ बजाएँ और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।
- **पूछें** : मैंने कितनी तालियाँ बजायी? क्या आप संख्या लिख पाए हैं?
  ऐसे 6 से 9 तक सभी संख्याओं का अभ्यास कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

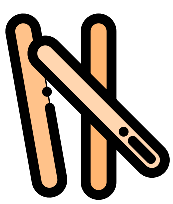

- बच्चों को आइस्क्रीम स्टिक दिखाएँ और वही संख्या को कॉपी में लिखने को कहें।
- मेरे हाथ में कितनी आइस्क्रीम स्टिकें हैं?
- क्या आप कॉपी दिखा सकते हो कि आपने कौन सी संख्या लिखी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–01|2 कराएँ–पृष्ठ 14

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–01|2 कराएँ–पृष्ठ 40

सप्ताह 01

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

शून्य की अवधारणा को समझ सकें।

संसाधन : आइस्क्रीम स्टिक।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना।

नये शब्द : एक भी नहीं, शून्य।

सामान्य भूल : बच्चे कुछ भी नहीं को शून्य समझ लेते हैं, इसे स्पष्ट करें कि शून्य माने एक भी नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

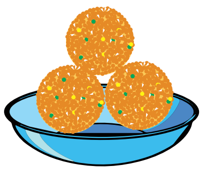

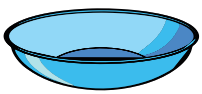

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत एक कहानी से करें।
- "तीन लड्डू की एक टोकरी लेकर अजय घर की तरफ जा रहा था। (शिक्षक श्यामपट्ट पर 3 लिखेंगे) अचानक टोकरी हिली और टोकरी से एक लड्डू गिर गया।"
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- अब अजय जैसे ही थोड़ा तेज चलने लगा, टोकरी से फिर एक लड्डू गिर गया।
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- इस बार फिर से टोकरी हिली और एक लड्डू नीचे गिर गया।
- **पूछें** : अब टोकरी में कितने लड्डू बचे?
- **समझाएँ** – अब टोकरी में एक भी लड्डू नहीं बचा। इस को बोलते है शून्य। (शिक्षक श्यामपट्ट पर 0 लिखें)

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

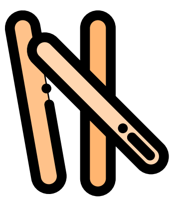

- शिक्षक मेज पर चार आइस्क्रीम स्टिक रखेंगे। श्यामपट्ट पर चार आइस्क्रीम स्टिक का चित्र बनाएंगे।
- **पूछें** : मेज पर कितनी आइस्क्रीम स्टिक रखी हुई हैं?
- वह संख्या अपनी कॉपी में लिखकर दिखाइए।
- एक आइस्क्रीम स्टिक मेज से हटा लीजिए और श्यामपट्ट से भी एक आइस्क्रीम स्टिक का चित्र मिटा दें।
- **पूछें** : मेज पर कितनी आइस्क्रीम स्टिक रखी हुई हैं?
- वह संख्या अपनी कॉपी में लिखकर दिखाइए।
- इस तरह से मेज से अंतिम आइस्क्रीम स्टिक भी हटा दें।
- **पूछें** : अब मेज पर कितनी आइस्क्रीम स्टिक रखी हुई हैं?
- **समझाएँ** – मेज पर एक भी आइस्क्रीम स्टिक नहीं हैं और श्यामपट्ट पर एक भी चित्र नहीं बचा। इसका मतलब मेज पर शून्य आइस्क्रीम स्टिक बची और श्यामपट्ट पर भी शून्य चित्र है। श्यामपट्ट पर "0" लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

7 ☐

0 ☐

4 ☐

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दिए गए चित्र को बनाएं।
- बच्चों को बोलें कि जो संख्या लिखी है, उतने ही गोले बॉक्स के अन्दर बनाएं।
- पहले बॉक्स में कितने गोले बनाए?
- तीसरे बॉक्स में कितने गोले बनाए? दूसरे बॉक्स में एक भी गोला क्यों नहीं आया?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–01|3 कराएँ–पृष्ठ 15

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–01|3 कराएँ–पृष्ठ 40

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 ⏲40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के मान को समझ सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, कंकड़।

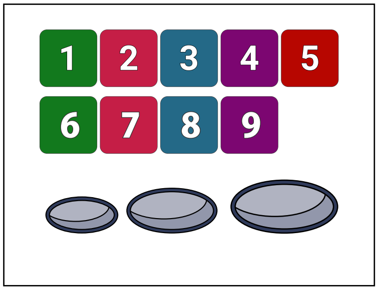

- बच्चों को दो समूह में बाँट कर उन्हें बोलिए कि एक खेल खेलेंगे। इस खेल में दोनों समूहों को नंबर मिलेंगे। अंत में देखेंगे कि कौन से समूह को कितने नंबर मिले।
- समझाइए – एक समूह से कोई एक बच्चा आगे आयेगा। अब वह हवा में एक संख्या लिखेगा। संख्या को बड़े आकार में लिखना होगा कि बाकी बच्चे समझ पाएं। दूसरे समूह को बोलना होगा कि बच्चे ने कौन सी संख्या लिखी है। हर सही जवाब के लिए एक नंबर मिलेगा।
- अब समूह में खेल को शुरू करिए। दोनों समूह को कितने नंबर मिल रहे हैं यह लिखकर रखिये।
- बच्चे संख्या के समान कंकड़ और संख्या कार्ड भी दिखाएँ।
- शिक्षक हवा में बने अंक को पहचानने में बच्चों का सहयोग करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? क्या हवा में बनाये अंक और संख्या कार्ड की संख्या समान हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 ⏲40 मिनट

1-9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।

संसाधन

अवधारणा बोर्ड।

- कक्षा के बच्चों को चार या पाँच समूह में सुविधा अनुसार बाँटें।
- शिक्षक बच्चों को अवधारणा बोर्ड पर दिए गए अंकों की वस्तुओं को रखने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों को अंक बोल कर बताएंगे और वस्तुओं को निर्धारित जगह रखने में मदद करेंगे।
- सभी समूह के बच्चों से उक्त कार्य को करने के लिए कहें एवं आपस में चर्चा करें।
- अन्य परिवेशीय वस्तुओं के साथ उक्त प्रक्रिया कराएं।
- बच्चे बोले गये अंक को लिखकर भी दिखाएँ।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।
- सभी बच्चों की सहभागिता हो।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? क्या तुम अवधारणा बोर्ड में संख्या आठ को पहचान सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 ⏲40 मिनट

शून्य की अवधारणा को समझ सकें।

संसाधन

मनके/तीलियाँ।

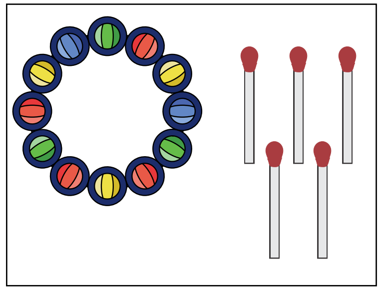

- कक्षा के बच्चों को एक समूह में बैठायें।
- शिक्षक, बच्चों के साथ बैठें तथा अपने पास कुछ मनके/तीलियाँ या टॉफियाँ रखें।
- शिक्षक, शून्य की अवधारणा स्पष्ट करने के लिए कुछ कहानियों का सहारा लें।
- उदाहरण: सोहन की प्लेट में 4 टॉफियां थीं, उसने एक मोहन को दे दिया, अब उसकी प्लेट में 3 टॉफियाँ रह गईं, फिर उसने एक टॉफी मीरा को दे दिया, अब उसकी प्लेट में 2 टॉफी रह गईं।
- फिर उसने एक टॉफी खुद खा लिया, अब उसकी प्लेट में कितनी टॉफियाँ बचीं।
- अब प्लेट में एक भी टॉफी नहीं बची, बच्चों को बताएँ कि 'एक भी न रह जाना', शून्य कहलाता है।
- इसी तरह की प्रक्रिया मनकों/तीलियों की सहायता से कक्षा में करवाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? कोई तुमसे शून्य फूल के चित्र बनाने को कहे तो तुम कितने चित्र बनाओगे?

सप्ताह 01

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- **1-9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।**
- **1-9 तक की संख्याओं के प्रतीकों को समझ और लिख सकें।**
- **शून्य की अवधारणा को समझ सकें।**

संसाधन : ब्लॉक्स, कंकड़।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

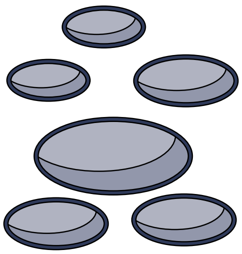

- सभी बच्चों को कुछ कंकड़ दें।
- श्यामपट्ट पर कोई भी एक से 9 तक संख्या लिखें। जैसे 7।
- बच्चों को उतने कंकड़ निकाल कर दिखाने के लिए कहें। यह प्रक्रिया दूसरी संख्याओं के साथ भी दोहराएँ।
- **समझाएँ** : बोलते हुए कंकड़ को गिनना है, जैसे 1 बोलते हुए एक कंकड़ उठाना है, दो बोलते हुए दो कंकड़, तीन बोलते हुए तीन कंकड़.....।
- 7 कंकड़ में सातों कंकड़ शामिल हैं न कि केवल सातवाँ कंकड़।
- शिक्षक बच्चों का अवलोकन करें कि सभी बच्चे सही से गतिविधि कर रहे हों, आवश्यकता पड़ने पर मदद भी करें।
- **पूछें** : मुझे तीसरा कंकड़ दें और अब तीन कंकड़ दें। दोनों प्रक्रिया को स्पष्ट करें।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

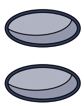

= 2

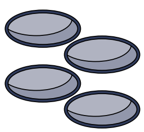

= 4

- पिछली गतिविधि में बच्चों ने 1 से 9 तक संख्याओं को कंकड़ के साथ दर्शाया था।
- अब 1 से 9 तक की संख्याओं को संख्या कार्ड की मदद से बच्चों से दर्शाने के लिए कहें और संख्या को नोटबुक में लिखें।
- ध्यान रहे कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले। यदि कोई शांत हो तो उसे बोलकर संख्या कार्ड दिखाने के लिए प्रेरित करें।
- शिक्षक बच्चों का अवलोकन करें कि सभी बच्चे सही से गतिविधि कर रहे हों, आवश्यकता पड़ने पर मदद भी करें।
- बच्चों का ध्यान संख्या के नाम, संख्या की मात्रा व संख्या के प्रतीक पर दिलाएँ जैसे–सात बोलते हुए, सात कंकड़ और सात लिखा हुआ भी दिखाएँ।
- **पूछें**: मुझे तीसरा कंकड़ दें और अब तीन कंकड़ दें। दोनों प्रक्रिया को स्पष्ट करें।
- बच्चों से तीन का संख्या कार्ड पहचानने व लिखकर दिखाने को भी कहें।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

5 =

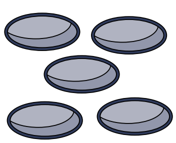

0 =

- सभी समूहों को 5 ब्लॉक्स दिखाने के लिए कहें। फिर कहें कि इनमें से 1 ब्लाक हटा लें।
- **पूछें**–अब कितने ब्लॉक्स बचे? फिर 1 और ब्लाक हटाने के लिए कहें।
- **पूछें**–अब कितने ब्लॉक्स हैं? इसी प्रकार एक–एक करके सभी ब्लॉक्स हटाने के लिए कहें।
- पूछें कि अब आपके पास कितने ब्लॉक्स बचे हैं?
- बच्चों से उत्तर आएगा, एक भी ब्लॉक्स नहीं है।
- **सावधानी**:–बच्चों के कुछ भी नहीं कहने पर, एक भी नहीं कहने के लिए उत्साहित करना।
- **समझाएं**–जब हमारे पास एक भी ब्लॉक्स नहीं बचता तो हम कह सकते हैं कि हमारे पास शून्य ब्लॉक्स हैं।
- बच्चों से शून्य के संख्या कार्ड दिखाने व नोट बुक में लिखने को कहें।

सप्ताह 01

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- **1-9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ बना सकें।**
- **1-9 तक की संख्याओं की प्रतीकों को समझ और लिख सकें।**
- **शून्य की अवधारणा को समझ सकें।**

संसाधन : अवधारणा बोर्ड, कंकड़।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

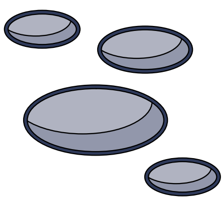

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4 या 5 के समूह में विभाजित कीजिये।
- शिक्षक सभी समूह को अवधारणा बोर्ड व कंकड़ उपलब्ध करवाएँ।
- **समझाएँ:**
- ऊपर जितना अंक लिखा हुआ है उतने ही ठोस वस्तुएं बच्चे को बोर्ड पर रखनी होंगी।
- शिक्षक ध्यान दें कि बच्चे सही प्रकार से गतिविधि कर रहे हों–जैसे 5 के लिए 5 वस्तुएं, 9 के लिए 9 वस्तुएँ।
- बच्चों से अपनी नोट बुक में संख्या लिखने को कहें।

पूछें: शून्य के स्थान पर आपने कितनी वस्तुएं रखीं।

कौन सी संख्या बड़ी है 5 या 9?

अपने उत्तर का कारण भी बताएं?

- शिक्षक एक–दूसरे के जबाव को अवलोकन करने के लिए भी प्रेरित करें।
- शून्य के लिए बच्चे कुछ भी नहीं की जगह एक भी नहीं का संदर्भ उपयोग करें।

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

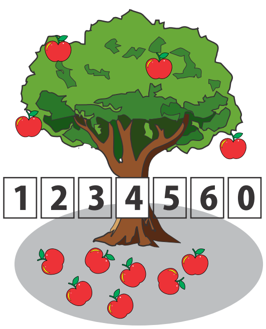

- **समझाएँ:**
- बच्चों को समूह में चित्र के अनुसार पेड़ बनाना है।
- पेड़ के साथ अंक पट्टी भी बनानी है और फल व फलों की टोकरी भी।
- बच्चे एक–दूसरे का सहयोग करते हुए और शिक्षक की मदद से पहले चित्र के अनुसार आवश्यक सामग्री काट लेंगे।
- फिर गोंद की सहायता से तने, पत्ते, फलों की टोकरी को चिपकाएँगे। फिर अंक पट्टी को भी चित्र के अनुसार शिक्षक की मदद से लगाएँगे।
- अब पेड़ के तने पर जितना अंक दिखाई देगा, उतने ही फल पेड़ पर टोकरी में से टांग देने हैं।

पूछें:

- एक भी फल न होने पर अंक पट्टी पर कौन सा अंक आएगा?
- शिक्षक इस गतिविधि में रोचक संदर्भ गढ़कर और भी मजेदार बना सकता है।
- बच्चे संख्या चित्र के बराबर फल पेड़ पर टांग रहे हों–इसका विशेष अवलोकन करें।

सप्ताह 02

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

गिनने के सिद्धांत के साथ 1-20 तक की संख्याओं को समझ सकें।

संसाधन : माचिस की तीली, कंकड़।

नये शब्द : कोई नहीं।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना व लिख पाना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : :बच्चे 1 से 20 तक की संख्या नाम क्रम में बोल लेते है लेकिन ठोस वस्तुओं या चित्र को गिनते हुए गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

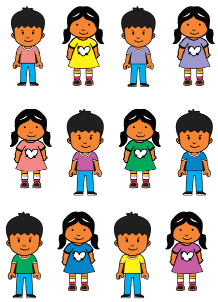

- शिक्षक 12 बच्चों को सामने बुलाएंगे।
- **समझाएँ** – पहले मैं गिनकर दिखाऊंगा कि कुल कितने बच्चे हैं। फिर आप सबको मेरे साथ गिनना होगा।
- शिक्षक गिनती करेंगे और बताएँगे कि यहाँ कुल 12 बच्चे हैं। साथ ही बच्चों को उनके साथ गिनती दोहराने को बोलें।

पूछें : यहाँ कुल कितने बच्चे हैं?

- शिक्षक इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या के साथ दोहराएंगे।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : गिनते हुए संख्या नामों को जोर से बोलें और एक बच्चे के साथ एक संख्या का एक–एक की संगति पर जोर दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

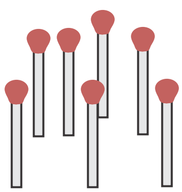

- मेज पर 20 कंकड़ रखें और एक बच्चे को मेज के पास बुलाएं।
- **समझाएँ** –मैं जो संख्या बोलूँगा, उतने ही कंकड़ आपको उठाना है।

पूछें : क्या आप सोलह कंकड़ उठा सकते हो?

- गतिविधि को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँगे।
- इसके बाद बच्चों को 4–4 के समूह में बाँट दें और सभी समूह को 20–20 माचिस की तीली दें।
- **समझाएँ**: मैं जो संख्या बोलूँगा, उतनी ही तीली आपको उठा कर दिखाना है।

पूछें : क्या आप ग्यारह तीली उठाकर दिखा सकते हो?

- इस गतिविधि को कुछ और संख्याओं के साथ दोहराएंगे।

☞ **शिक्षक के लिए बिंदु** : शिक्षक समूह में जाकर देखें कि सारे बच्चे गतिविधि में भाग ले रहे हैं। जिन बच्चों को गिनने में दिक्कत हो रही हो, उनकी मदद करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

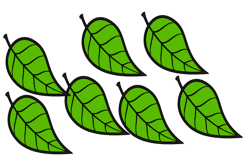

- शिक्षक श्यामपट्ट पर अठारह गोले, बारह फूल और दस पत्तों का चित्र बनायेंगे।
- बच्चों से कहें कि वह सभी चित्रों को गिनें और उनकी संख्या बताएँ।

? कुल कितने गोले हैं?

? फूलों की संख्या कितनी है?

? कितने पत्तों का चित्र बना हुआ है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–02|1 कराएँ–पृष्ठ 20

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–02|1 कराएँ–पृष्ठ 46

सप्ताह 02

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

बंडल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।

संसाधन : माचिस की तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : बण्डल, खुले।

सामान्य भूल : कितने बण्डल हैं? पूछने पर बच्चे बण्डलों की संख्या न बता कर कुल संख्या बता देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत एक कहानी से करें।
- मोनू ने अपनी गुल्लक तोड़ी तो उसमें से बहुत सारे सिक्के निकले। मोनू को सिक्कों की संख्या गिननी थी। वह उन्हें एक–एक कर गिन रहा था। तभी उसकी बहन ने उसे बुला लिया। मोनू भूल गया कि उसने कहाँ तक गिना था। अब उसे फिर शुरू से गिनना होगा और इसमें बहुत समय लगेगा।

पूछें : मोनू कैसे गिने जिससे कि वह बीच में अगर भूल भी जाए तो भी उसे गिनने में ज्यादा समय न लगे?

- बच्चों की अलग–अलग प्रतिक्रियाओं को सुनें।
- **समझाएँ** –सिक्कों को छोटे–छोटे ढ़ेर में रख कर गिनने से आसानी होगी। एक ढ़ेर को हम बण्डल बोलेंगे और बाकी को खुले।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

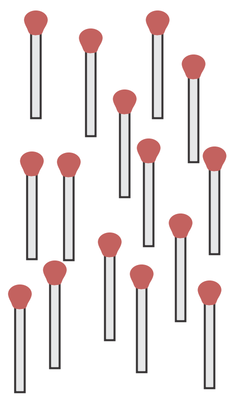

- शिक्षक बच्चों को 6–6 के समूह में बाँट दें और हर समूह को 15–15 तीलियाँ दें।
- **समझाएँ** – हर एक समूह में, पहला बच्चा तीलियाँ खुले रखेगा। दूसरा बच्चा दो–दो तीलियों का, तीसरा बच्चा तीन–तीन तीलियों का, चौथा बच्चा चार–चार तीलियों का, पाँचवाँ बच्चा पांच–पांच तीलियों का तथा छठवां बच्चा दस–दस तीलियों का बण्डल बनाएगा और शेष तीलियाँ खुली रखेगा।
- समझाते हुए बच्चों को दिखाएँ कि बण्डल कैसे बनाना है।

पूछें : गिनने में सबसे कम समय किसे लगा? किसको गिनने में ज्यादा आसानी हुई?

- कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ** – सभी के पास 15 तीलियाँ थीं। लेकिन जिसने बण्डल बनाकर गिना वो जल्दी गिन पाया। परन्तु जिसके पास सभी तीलियाँ खुली थीं उसे ज्यादा समय लगा। इसलिए जब ज्यादा वस्तुओं को गिनना होता है तो हम बण्डल बनाकर गिनते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

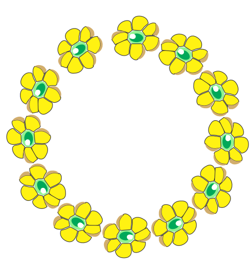

- शिक्षक श्यामपट्ट पर 12 फूलों के चित्र बनायेंगे।
- बच्चों को पहले दो–दो के, फिर पाँच–पाँच के और अंत में दस–दस के समूह में घेरा लगाने को कहें।

(?) दो–दो के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

(?) पाँच–पाँच के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

(?) दस–दस के कितने बण्डल बने? कितने खुले रह गए?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–02|2 कराएँ–पृष्ठ 21

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–02|2 कराएँ–पृष्ठ 46

सप्ताह 02

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई व दहाई में समझ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना और लिख पाना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

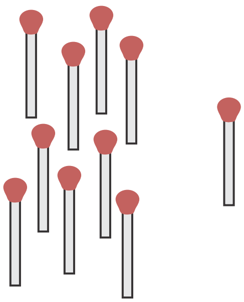

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में नौ माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें**: पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ**— पेज पर तीलियों के नीचे (9 + 1= 10) लिखते हुए बताएं कि नौ में एक मिलाया तो बने दस।
- इसी प्रकार से दो समूह बनाते हुए, दस (बण्डल) में एक मिलाया तो बना ग्यारह।
- **शिक्षक के लिए निर्देश**: इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए 20 तक प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

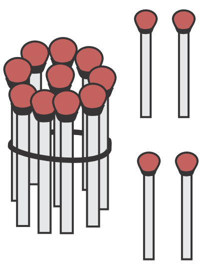

- शिक्षक एक–एक बच्चों को बुलाएं और कुछ माचिस की तीलियाँ दें।
  उदाहरण: 14
  बच्चे को कुल तीलियाँ गिनकर दस के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएँ**— बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। चौदह में एक बण्डल यानी एक दहाई और चार खुले यानी चार इकाई होती है।
- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ चित्र बनाएँ।
  उदाहरण— 9
  बच्चे से दस–दस के समूह में गोला लगाने को कहें।
- **पूछें**: दस के कितने समूह बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ**— एक भी दस का समूह/बण्डल नहीं बन पाएगा। "9" केवल नौ इकाई से है।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

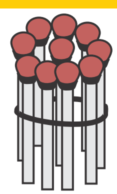

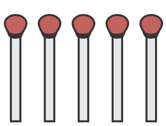

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। साथ में कुछ दस के बण्डल और खुली माचिस की तीलियाँ रखें।
- **समझाएँ**: मैं जो संख्या बोलूँगा आपको उतनी ही माचिस की तीली मेरे हाथ में देनी हैं।
- मैंने कौन सी संख्या बोली?
- तुमने मुझे कितने बण्डल/दहाई दिए?
- दी गई संख्या में कितनी इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–02|3 कराएँ–पृष्ठ 22
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–02|3 कराएँ–पृष्ठ 46

सप्ताह 02

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

गिनने के सिद्धांत के साथ 1-20 तक की संख्याओं को समझ सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियां एवं रबर बैंड।

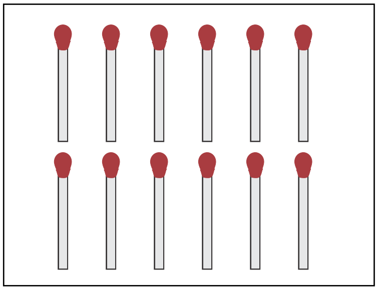

- शिक्षक माचिस की तीली झाड़ू की सीकें का बच्चों से परिचय कराएं।
- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में बांटकर बैठाएँ एवं प्रत्येक समूह में पर्याप्त माचिस की तीली /झाड़ू की सींक दें।
- सभी समूहों के लिए शिक्षक 1 से 20 के मध्य की संख्या बोलें एवं बोली गई संख्या के बराबर तीली या सींक अलग कराएँ।
- अब बारी–बारी से प्रत्येक समूह से तीली/सींक दिखाने को कहें।
- अब कुछ तीली/सींक का समूह बच्चों को दें और पूछें कि किस समूह में ज्यादा तीलियाँ/सींकें हैं?
- आपको बिना गिने बताना है?
- बच्चों से पूछें कि आपने कैसे जाना कि किस समूह में ज्यादा तीलियाँ/सींकें हैं?
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? पाँचवीं तीली और पाँच तीली में क्या फर्क है, क्या आप बता सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

बन्डल (2, 3, 4, 5, 10) बनाने की समझ बना सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियाँ/परिवेशीय वस्तुएँ

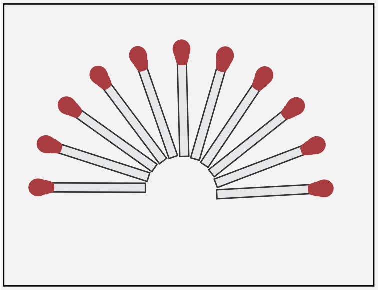

- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बांटें।
- प्रत्येक समूह में माचिस की तीलियाँ/झाड़ू की सींकें/नीम के पत्तियों की सींक पर्याप्त मात्रा में दें।
- समूह में बैठे अन्य बच्चे अब किसी एक बच्चे के द्वारा निकाली गयी सींकों को गिनकर देखेंगे कि सही संख्या निकाली है या नहीं।
- बच्चों को निर्देश दें कि बच्चे को दूसरे बच्चे की सींकें जल्दी और नए तरीके से गिननी हैं जैसे 2, 3 के जोड़े में या 4, 5 के आदि।
- प्रत्येक समूह में 10 से अधिक तीली/सींक होने पर एक बण्डल बनाने को कहें।
- बच्चों से पूछें कि 10 के बण्डल को कोई नाम भी दे सकते हैं क्या, जैसे 2 को जोड़ा कहते हैं?

बच्चों के लिए प्रश्न:

? बच्चों को कुछ तीलियाँ दें।
दी गई तीलियों से पाँच के कितने बण्डल बना सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

ठोस आकृतियाँ, अवधारणा बोर्ड (स्थानीय मान)

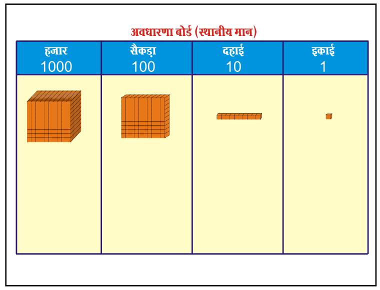

- प्रत्येक समूह को अलग–अलग 1–20 तक स्ट्रॉ के सेट दें।

  प्रत्येक समूह के बच्चों को गिनने को कहें और दस–दस के बण्डल बनाने को कहें।
- प्रत्येक समूह से बातचीत करें बण्डल और शेष बची हुई स्ट्रॉ के बारे में, शेष बची हुई स्ट्रॉ को और बण्डलों को क्या कहेंगे?
- शिक्षक बताएँगे– बण्डल को दहाई व शेष बची हुई स्ट्रॉ इकाई।
- समूह के बच्चों द्वारा किए गए कार्य के बारे में चर्चा करने हेतु उन्हें आमंत्रित करें।
- हर समूह को स्थानीय मान के अवधारणा बोर्ड की मदद से बच्चों को दहाई के चित्रण में और इकाई के चित्रण में गिनकर अंतर बताने के लिए आमंत्रित करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? 9, 12, 17, 20, 5
दी गई संख्याओं के बराबर स्ट्रॉ उठा कर दिखा सकते हो?

सप्ताह 03

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, संख्या कार्ड, गिनमाला।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

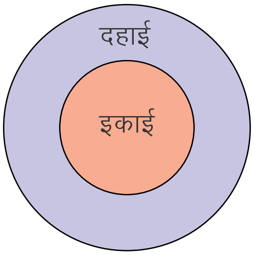

- शिक्षक कक्षा की फर्श पर उक्त चित्र बनाएं।
- एक बच्चे को दो से अधिक कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें:** इकाई में कितने कंकड़ आए? दहाई में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ:** तुम्हारे इकाई में चार और दहाई में एक कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास एक दहाई और चार इकाई है?
- **पूछे:** एक इकाई और चार दहाई मिलकर कौन सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** जरूरत पड़ने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल करके समझाएं कि दहाई का एक कंकड़ एक दस के बण्डल को दर्शा रहा है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

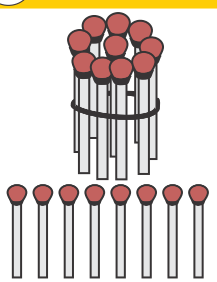

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों को 18 माचिस की तीलियाँ दें और तीलियाँ गिनकर संख्या लिखने को कहें।
- इसके बाद बच्चों को बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें:** कितने बण्डल/दहाई बने और कितने खुले/इकाई बचे? बण्डल और खुले की संख्या चार्ट पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ:** 18 में 1 दहाई और 8 इकाई होते है। बाईं तरफ से पहले दहाई और फिर इकाई लिखते हैं।
- अब गिनमाला से गतिविधि शुरू करें। बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 15–15 मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ:** यहाँ लाल रंग के दस मोती एक दहाई को और पांच सफेद मोती पांच इकाई को दर्शा रहे हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें। 18, 20
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को चित्र अपनी–अपनी कॉपी में लिखने को कहें।
- अठारह में कितनी दहाई और इकाई होगी?
- बीस में कितनी दहाई और इकाई होगी?
- एक दहाई और नौ इकाई मिलकर कौन सी संख्या बनाएँगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–03|1 कराएँ–पृष्ठ 27

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–03|1 कराएँ–पृष्ठ 50

सप्ताह 03

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से बीस तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

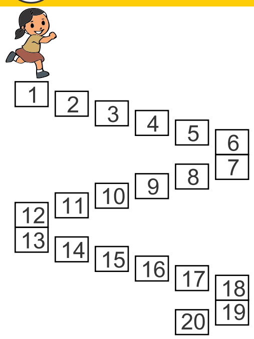

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसा संख्या लिखें। (एक से बीस)
- **समझाएँ:** एक बच्चे को संख्या 1 से शुरू करके संख्या पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- **पूछें:** बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को अन्य बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें और एक से बीस तक का संख्या कार्ड दें।
  समझाएँ– संख्या कार्ड को एक से बीस तक क्रम में रखना है।
- **पूछें:** (कार्ड दिखाते हुए) यह कौन सी संख्या है? इसके बाद तुम कौन की संख्या का कार्ड रखोगे?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु:** संख्या कार्ड को बीस से एक तक क्रम में रखने के लिए भी कह सकते हैं।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएँ और कोई भी एक कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएँ**–एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या और दूसरे बच्चे को बाद वाली संख्या कार्ड रखने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

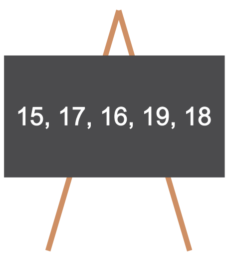

- शिक्षक श्यामपट्ट पर संख्याएँ लिखें। जैसे : 15, 17,16, 19,18
- बच्चे को इन संख्याओं को अपने कॉपी में क्रम में लगाने को कहें।
- किस संख्या को सबसे पहले रखा है?
- बीच में रखी संख्या का नाम क्या है?
- अठारह के बाद कौन की संख्या आएगी।
- सोलह के पहले कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–03|2 कराएँ–पृष्ठ 28

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–03|2 कराएँ–पृष्ठ 50

सप्ताह 03 — शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

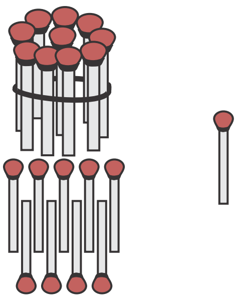

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में उन्नीस माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें**: पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं? दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ**– पेज पर तीलियों के नीचे (19 + 1= 20) लिखते हुए बताएं कि उन्नीस में एक मिलाया तो बने बीस।
- इसी प्रकार से दो समूह बनाते हुए। दस के दो बण्डल (बीस) में एक मिलाया तो बना इक्कीस।
- 50 तक की कुछ संख्याओं के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

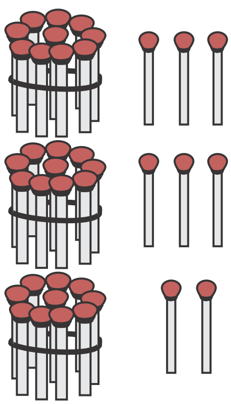

- शिक्षक बच्चों को 38 माचिस की तीलियाँ दें।
- **पूछें**: तुम्हारे पास कितनी तीलियाँ हैं? बच्चों को तीलियों से दस के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएँ**– बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। अड़तीस में तीन बण्डल यानी तीन दहाई और आठ खुल्ले यानी आठ इकाई होती है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 29 रेखा खंड बनाएं और बच्चे को चित्रों की संख्या गिनकर दस–दस के समूह में घेरा लगाने को कहें।
- **पूछें**: श्यामपट्ट पर कितने चित्र हैं? दस के कितने समूह बने? कितने खुले रह गए?
- **समझाएँ**–उन्तीस में दस का समूह दो और 9 खुले बने। यानी दो दहाई और नौ खुले मिल कर उन्तीस बनाते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

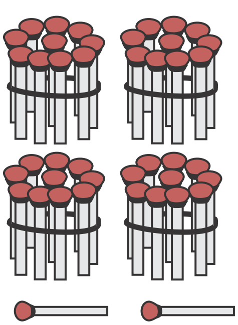

- शिक्षक कुछ दस के बण्डल और खुले माचिस की तीलियाँ रखें।
- बच्चों को बोलें कि जो संख्या बोला जाए उतनी ही माचिस की तीलियाँ दें ।

- मैंने कौन सी संख्या बोली?
- तुमने मुझे कितने बण्डल / दहाई दिए?
- दी गई संख्या में कितनी इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–03|3 कराएँ–पृष्ठ 29

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–03|3 कराएँ–पृष्ठ 50

सप्ताह 03

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड, मोती की माला, स्थानीय मान चार्ट।

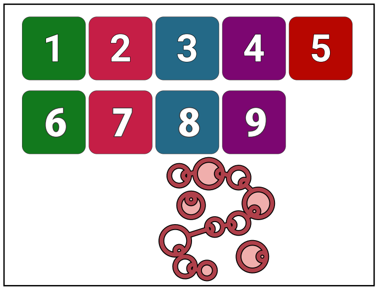

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को फ्लैश कार्ड और मोतियाँ दें।
- 10 मोतियों की माला बनाने को कहें, शेष मोती को अलग रखें और कोई 10–20 तक की संख्या को बोलेंगे।
- बच्चों से पूछें कि 10 मोतियों की माला को क्या कहेंगे और अलग रखे मोती को क्या कहेंगे ?
- समूह से एक–एक बच्चा आएगा और बताएगा, बोले गए अंक में कितनी मोतियों की माला यानी दहाई और कितने अलग मोती यानी इकाई है।
- बच्चों को दहाई की संख्या व इकाई की संख्या को दिए गए स्थानीय मान चार्ट पर लिखने को कहें।
- 10 से 20 तक की संख्या, प्रत्येक समूह को अलग–अलग भी दे सकते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्न :

बच्चों को अपनी कापी में 10–20 की गिनती लिखने को कहें।

? किसी भी संख्या में कितनी इकाई और दहाई है, लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-20 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड और ब्लॉक्स।

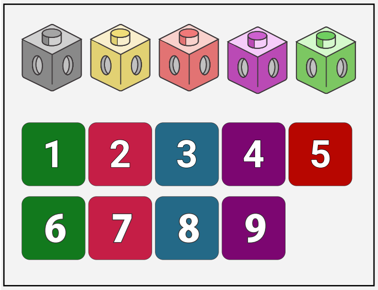

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- 1–20 तक कोई भी संख्या बोलें, प्रत्येक समूह संख्या से संबंधित फ्लैश कार्ड व ब्लॉक्स को निकालेंगे।
- प्रत्येक समूह उस संख्या से पहले की संख्या (छोटी संख्या) का फ्लैश कार्ड निकालने को और बाईं तरफ रखने को कहें।
- अब बच्चों को उस संख्या के बाद की संख्या (बड़ी संख्या) निकालने को कहें और दाईं तरफ रखने को कहें।
- उस संख्या के आगे और पीछे की संख्या के बारे में प्रत्येक समूह से चर्चा करें और उनसे पूछें कि कौन–सी संख्या बड़ी है और कौन–सी संख्या छोटी है? फिर उन्हें क्रम से इन तीनों संख्याओं को कॉपी में लिखने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

बच्चों को 1–20 तक की संख्या क्रमवार कॉपी में लिखने को कहें।

? क्या आप 1 से 20 तक की संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

स्ट्रॉ और रबर बैंड।

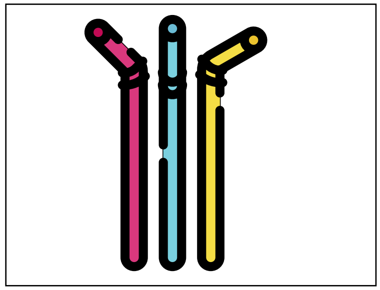

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।

  प्रत्येक समूह को 50–50 स्ट्रॉ दें 10–10 स्ट्रॉ का बण्डल बनाने को कहें।
- पूछें प्रत्येक स्ट्रॉओं के बण्डल में कितनी स्ट्रा हैं?

  50 की संख्या में कुल कितने बण्डल बने हैं?
- उनके पूर्वज्ञान को आंकने और यदि यह समझ अभी विकसित नहीं हुई तो उसे स्थापित करने का अच्छा मौका है।
- प्रत्येक समूह को अलग–अलग संख्या बताएं जैसे– 21, 37, 19, 45 आदि।
- अब समूह के बच्चे बताई गई संख्या के अनुसार स्ट्रा के बण्डल और स्ट्रा को गिनकर निकालेंगे ।

  दहाई और इकाई के स्थान पर रखेंगे।

बच्चों के लिए सवालः

18, 23, 33, 46

? दी गई संख्याओं के बराबर स्ट्रॉ उठाकर लिखा सकते हो?

सप्ताह 04

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड, गिनमाला।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 50 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को अचानक नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

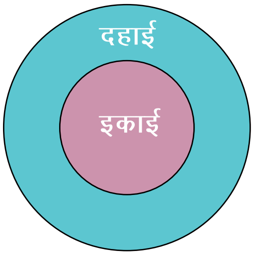

- शिक्षक कक्षा के फर्श पर उक्त चित्र बनाएं और बच्चे को पांच से अधिक कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें:** इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए? दहाई के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ–** इकाई में चार और दहाई में तीन कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें:** चार इकाई और तीन दहाई मिलकर कौन सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

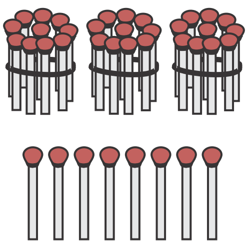

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों 38 माचिस की तीलियाँ दें और बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें:** कितने बण्डल / दहाई बने और कितने खुले बचे?
- कितने बण्डल बने और कितने खुले बचे उसे चार्ट (ऊपर) पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ:** दी गई संख्या में 3 बण्डल और 8 खुले होते हैं। बाएँ / पहले बण्डल लिखते हैं फिर खुली तीलियों की संख्या।
- शिक्षक कक्षा में उचित ऊँचाई पर गिनमाला लटका दें।
- बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 25
- अब संख्या के बराबर मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ:** बच्चों को बताएँ कि यहाँ लाल रंग की दस–दस मोतियों के दो समूह यानी दो दहाई को और पाँच सफेद मोती यानी पाँच इकाई है। बीस और पाँच हुए पच्चीस।
- इसी प्रकार एक या दो बार प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें। बच्चों को पूछे गए सवालों के जवाब अपने कॉपी में लिखने को कहें।
- इकतालीस में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- चालीस में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- तीन दहाई और नौ इकाई मिल कर कौन सी संख्या बनाएँगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–04|1 कराएँ–पृष्ठ 34

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–04|1 कराएँ–पृष्ठ 54

सप्ताह 04

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन : माचिस तीली। संख्या कार्ड्स, संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से 99 तक की संख्या का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : बच्चे आगे की संख्या तो बता देते हैं लेकिन पीछे की संख्या नहीं बता पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20

- शिक्षक फ़र्श पर 10 से 20 तक संख्या रेखा बनाएँ।
- **समझाएँ**: एक बच्चे को संख्या 10 से शुरू करके संख्या रेखा पर आगे कूदते हुए बढ़ने के लिए कहें।
- अन्य बच्चों को वह संख्या बताने को कहें जिस पर वह बच्चा कूद रहा है।
- ? **पूछें**: बच्चा अभी किस संख्या पर खड़ा है? अगली कूद लगाते ही वह किस संख्या पर खड़ा हो जाएगा? पिछली कूद लगाने से पहले वह किस संख्या पर खड़ा था?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक क्रम में संख्या लिखते जाएँ।
- इस प्रक्रिया को 1 से 50 की संख्या रेखा पर कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक 1 से 50 तक की संख्या कार्ड रखें।
- **समझाएँ**— जो संख्या कार्ड दिखाया जाए उसके आगे और पीछे की संख्या कार्ड दिखानी है। इसके लिए संख्या चार्ट की मदद ले सकते हैं।
- ? **पूछें**: यह कौन–सी संख्या है? इसके आगे कौन सी संख्या का कार्ड आयेगा?
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।
- अब दो बच्चों को एक साथ आगे बुलाएँ।
- शिक्षक कोई भी एक संख्या कार्ड निकाल कर टेबल पर रख दें।
- **समझाएँ**— एक बच्चे को कार्ड पर लिखी संख्या के पहले वाली संख्या कार्ड और दूसरे बच्चे को बाद वाली संख्या कार्ड रखने को कहें।
- बच्चे को उनके द्वारा रखे गए कार्ड का संख्या नाम भी बताने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक बच्चे को कोई भी तीन लगातार संख्या कार्ड दें। जैसे– 26, 27 और 28 बच्चे को इन कार्ड्स को क्रम में लगाने को कहें।
- ? तुमने इस कार्ड को सबसे पहले क्यों रखा है?
- ? बीच में रखी संख्या कार्ड का संख्या नाम क्या है?
- ? 27 के पहले कौन की संख्या आएगी।
- ? 27 के बाद कौन की संख्या आएगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–04|2 कराएँ–पृष्ठ 35

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–04|2 कराएँ–पृष्ठ 54

सप्ताह 04

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती और संख्या नाम।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या लिख लेते हैं परन्तु संख्या में लिखे अंकों का मतलब नहीं समझते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

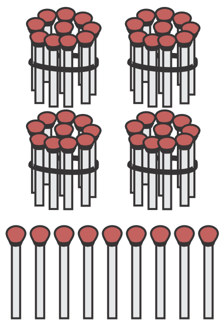

- शिक्षक एक पेज पर एक समूह में उन्चास माचिस की तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में एक तीली रखें।
- **पूछें:** पहले समूह में कितनी तीलियाँ हैं? दूसरे समूह में कितनी तीलियाँ हैं?
- **समझाएँ—** पेज पर तीलियों के नीचे (49+1= 50) लिखते हुए बताएँ कि उन्चास में एक मिलाया तो बने पचास।
- इसी प्रकार से दोसमूह बनाते हुए। दस के पांच बण्डल (पचास) में एक मिलाया तो बना इक्यावन।

शिक्षक के लिए निर्देश: इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए 50 से 99 तक की कुछ संख्याओं के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

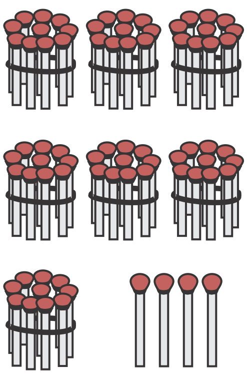

- शिक्षक बच्चों को 74 माचिस की तीलियाँ दें।
- **पूछें:** तुम्हारे पास कितनी तीलियाँ हैं? बच्चों को तीलियाँ गिनकर बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें:** कितने दस के बण्डल बने? कितने खुले बच गए?
- **समझाएँ—** बण्डल को हम दहाई कहते हैं। एक बण्डल में दस तीलियाँ होती हैं। खुले को हम इकाई कहते हैं। चौहत्तर में सात बण्डल यानी सात दहाई और चार खुले यानी चार इकाई होती है। अब शिक्षक श्यामपट्ट पर 69 रेखा खंड बनाएं।
- बच्चे को चित्रों की संख्या गिनकर दस—दस के समूह में गोला लगाने को कहें।
- **पूछें:** श्यामपट्ट पर कितने चित्र हैं? दस के कितने समूह बने? कितने खुले चित्र रह गए?
- **समझाएँ—**उनहत्तर में दस का समूह/बण्डल छह बन पाएगा और नौ खुले बच गए। यानी छह दहाई और नौ खुले मिल कर उनहत्तर बनाते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

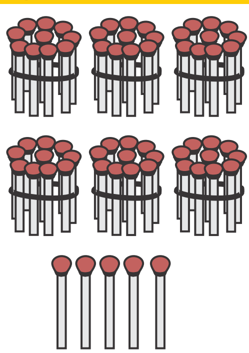

- शिक्षक कुछ दस के बण्डल और खुले माचिस की तीलियाँ रखें।
- बच्चों को बोलें जो संख्या बोला जाए उतनी ही माचिस की तीली रखनी है।

मैंने कौन—सी संख्या बोली?
तुमने मुझे कितने बण्डल/दहाई दिए?
दी गई संख्या में कितने इकाई है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका—कार्यपत्रक सप्ताह—04|3 कराएँ—पृष्ठ 36

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका—अभ्यास गतिविधि सप्ताह—04|3 कराएँ—पृष्ठ 54

सप्ताह 04

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, स्थानीय मान कार्ड।

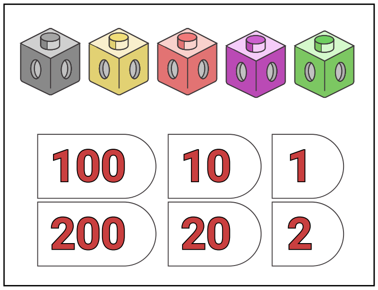

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड और ब्लॉक्स का सेट दें।
- प्रत्येक समूह को 10–10 ब्लॉक्स के समूह बनाने को कहें और कुछ खुले ब्लॉक्स अपने पास रखें।
- संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें और निर्देश दें कि बच्चे ब्लॉक्स से उस संख्या को दर्शायें 10 ब्लॉक्स के समूह और खुले ब्लॉक्स से।
- स्थानीय मान कार्ड से भी संख्या के अनुसार दहाई और इकाई वाले कार्ड्स उठाएं और उनको मिलाकर लिखी संख्या दिखाएं।
- बच्चों से बातचीत करें कि दहाई में कितने ब्लॉक्स हैं और इकाई में कितने?
- बच्चों से पूछें कि लिखी गयी संख्या में कितने दहाई और कितने इकाई हैं अपने कार्ड्स से देख कर बताएं?

बच्चों के लिए प्रश्न:

14, 19, 49, 38

- किसी भी संख्या में कितने इकाई और दहाई हैं, लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-50 तक की संख्याओं को आगे और पीछे के क्रम में गिन और लिख सकें।

संसाधन

संख्या चार्ट।

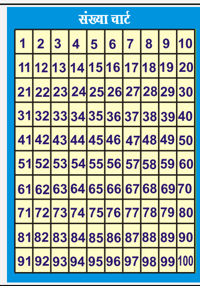

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- फर्श पर 1 से 50 तक की गिनती लिखें।
- समूह के एक बच्चे को खड़ा करें और दूसरा बच्चा गिनती बोलेगा (1, 2, 3, ... 50)।
- पहला बच्चा बोली गई संख्या 1 पर कूदेगा, 2 बोलने पर 2 पर कूदेगा, इस प्रकार वह 50 तक कूदेगा।
- तीसरा और चौथा बच्चा बोली गई संख्या को अपनी कॉपी में लिखेगा।
- ठीक यही प्रक्रिया उल्टी तरफ 50 से 1 तक दोहराएं।
- फिर कोई भी संख्या को बोलें और पूछें कि इस संख्या के आगे या पीछे कौन–सी संख्या आएगी?
- संख्या के आगे और पीछे की संख्या को लिखने के लिए भी कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 34 से 49 तक की संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में समझ सकें।

संसाधन

तीली और बंडल।

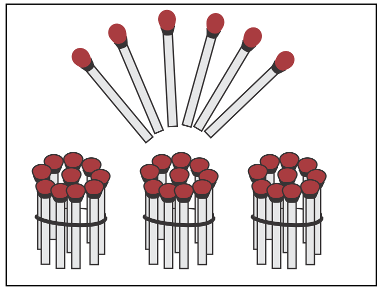

- दस तीलियों के बण्डल और खुली तीलियाँ।
- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को दस तीलियों के 9 बण्डल व 9 तीलियाँ दें।
- कोई भी एक संख्या बोलें और बोली गई संख्या के अनुसार बच्चों को बण्डल और तीलियाँ उठाने को बोलें।
- बच्चे बताएंगे कि उन्होंने कुल कितनी तीलियाँ उठाई हैं। बण्डल और तीलियों को बच्चे इकाई और दहाई के स्थान पर रखेंगे।
- बच्चों से पूछें इकाई के स्थान पर कितनी तीलियाँ हैं और दहाई के स्थान पर कितनी तीलियाँ हैं?
- यह प्रक्रिया अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- पूछें कि आपने दहाई के लिए बण्डल और इकाई के लिए खुली तीलियों को क्यों चुना?

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 89 में कितनी इकाई और कितनी दहाई है?
- 60 में कितनी इकाई और कितनी दहाई है?

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड।

नये शब्द : इकाई, दहाई।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या को क्रम में लिख पाते हैं। परन्तु बीच की किसी एक संख्या को अचानक नहीं लिख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

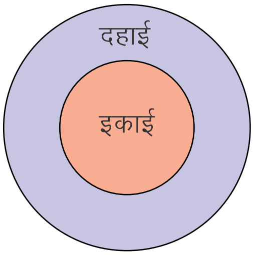

- शिक्षक कक्षा के फर्श पर उक्त चित्र बनाएं और बच्चे को नौ कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें**: इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए? दहाई के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ**– इकाई में चार और दहाई में तीन कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें**: चार इकाई और तीन दहाई मिलकर कौन–सी संख्या बनती है?
- इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

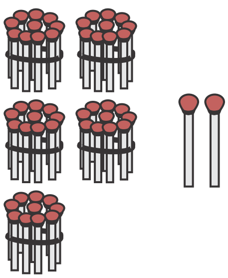

दहाई	इकाई

- शिक्षक बच्चों 52 माचिस की तीलियाँ दें और बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने बण्डल / दहाई बने और कितने खुले बचे?
- कितने बण्डल बने और कितने खुले बचे उसे चार्ट (ऊपर) पर लिखने को कहें।
- **समझाएँ**: दी गई संख्या में 5 बण्डल और 2 खुले होते हैं। बाएँ / पहले बण्डल लिखते हैं फिर खुली तीलियों की संख्या।
- शिक्षक कक्षा में उचित ऊँचाई पर गिनमाला लटका दें।
- बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड उठाने को कहें। जैसे: 85
- अब संख्या के बराबर मोतियों को बाईं ओर सरकाने के बाद संख्या कार्ड लटकाने को कहें।
- **समझाएँ**: बच्चों को बताएँ कि यहाँ लाल रंग की दस–दस मोतियों के आठ समूह यानी आठ दहाई को और पांच सफेद मोती यानी पाँच इकाई है। आठ और पांच हुए पचासी।
- इसी प्रकार एक या दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या लिखें।
- बच्चों को पूछे गए सवालों के जवाब अपने कॉपी में लिखने को कहें।
- इकसठ में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- सत्तर में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- आठ दहाई और नौ इकाई मिल कर कौन की संख्या बनाएँगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|1 कराएँ–पृष्ठ 41

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|1 कराएँ–पृष्ठ 58

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड्स और तीलियाँ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनना। एक से निन्यान्बे तक की संख्या की मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बड़ी और छोटी संख्या। गणित चिह्न (< , >, =)

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

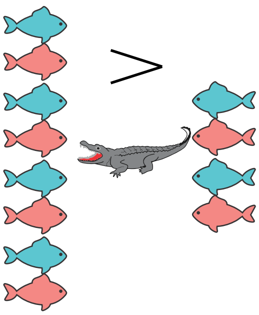

- शिक्षक अपने हाथ से इशारा करें कि आप एक मगरमच्छ की भूमिका निभाएँगे।
- **समझाएँ**– एक भूखा मगरमच्छ हमेशा वहीं जाएगा जहाँ अधिक भोजन है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में मछली बनाएँ।

पूछें : मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा?

शिक्षक के लिए बिन्दु : पचास से निन्यानवे तक की ही संख्या का प्रयोग करें।

- प्रक्रिया को और उदाहरण लेकर दोहराएँ।
- जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें और एक–एक की संगति करके समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

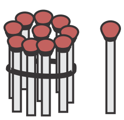

- शिक्षक दस के बण्डल, कुछ खुली तीलियाँ और संख्या कार्ड रखें।
- माचिस की तीलियों के दो समूह बनाएँ।

पूछें : किस समूह में ज्यादा तीलियाँ हैं?

- शिक्षक दोनों समूह की तीलियों को बोल कर गिनें और उचित संख्या कार्ड रखें।

पूछें : कौन सी संख्या बड़ी हुई और कौन सी छोटी?

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत पड़ने पर बच्चों को एक–एक की संगति करने दें। बातचीत के अंत में बच्चों को तीनों चिह्नों से परिचय कराएँ।

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर दो समूह में कुछ चित्र बनाएँ।
- बच्चों को दोनों समूह के नीचे संख्या लिखने और उचित चिह्न लगाने को कहें।
- **समझाएँ**–चिह्न लगाते हुए यह याद रखो कि मगरमच्छ का मुँह हमेशा ज्यादा वस्तुओं की तरफ जाता है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

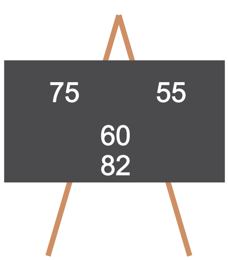

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या लिखें। जैसे 75 और 55 ।
- पूछे गए सवालों के जवाब बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

पचहत्तर और पचपन में कौन सी संख्या बड़ी हैं?

साठ से छोटी एक संख्या लिखें।

बयासी से छोटी संख्या लिखें।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|2 कराएँ–पृष्ठ 42

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|2 कराएँ–पृष्ठ 58

सप्ताह 05

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

स्थिर अंतराल में (2, 3, 4, 5, 10) गिनती बोल और लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड।

नये शब्द : पैटर्न।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे स्वाभिक रूप से आसान पैटर्न में छुपे नियम को समझ लेते हैं। बच्चे संख्या और उसके क्रम से परिचित हैं।

सामान्य भूल : बच्चे संख्याओं को क्रम में तो बोल लेते हैं, लेकिन किसी संख्या के स्थिर अंतराल में क्रम को बोल नहीं पाते।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

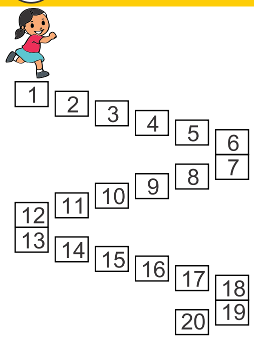

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (एक से बीस)
- **समझाएँ** –आप लोगों को इस संख्या पर कूदना है। पहले आपको एक–एक संख्या छोड़कर कूदना है। जैसे : अगर आप पहले संख्या 1 पर खड़े हैं तो आप संख्या 3 पर कूदेंगे।
- एक बच्चे को बुला कर उसे दो–दो के अंतराल में कूदने को कहें।
- **पूछें** : एक बार कूदने के बाद कौन–सी संख्या पर खड़े हो?
- इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या जैसे 3, 4 और 5 के अंतराल में दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

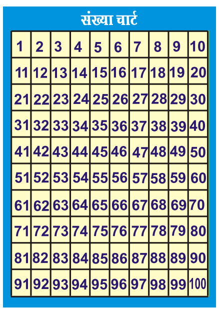
संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक 10 से 30 तक के संख्या कार्ड प्रत्येक बच्चों में एक–एक बाँट दें।
- मैं जो संख्या बोलूँगा, उस संख्या के बच्चे को सामने आकर खड़े होना है। इसके बाद दो–दो के अंतराल में जो संख्या आएगी उन सबको एक के बाद एक खड़े होना है। जैसे– अगर मैंने बोला ग्यारह, तो जिसके पास संख्या कार्ड 11 है, वह बच्चा आगे आएगा। फिर उसके आगे 13, 15, 17 वाले बच्चे आएँगे।
- एक संख्या बोलकर गतिविधि शुरू करें।
- **पूछें** : इसके बाद कौन–सी संख्या आएगी?
- इस गतिविधि को अलग–अलग संख्या के अंतराल में दोहराएँ।
- गतिविधि कराते हुए क्रम में आने वाली संख्याओं को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखें।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि 2, 3, 4, 5 और 10 इन सभी संख्याओं के अंतराल में पैटर्न बनाए जाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

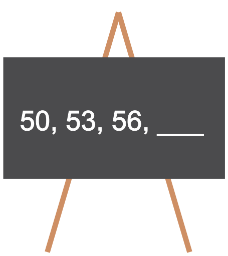

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह पैटर्न बनाएँ।
  50, 53, 56,............., ..., ..., ...
- बच्चों को यह पैटर्न अपने कॉपी में बनाकर खाली स्थान सही संख्या से भरने को कहें।
- पहले स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?
- दूसरे स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?
- क्या इस पैटर्न में 58 आएगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–05|3 कराएँ–पृष्ठ 43

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–05|3 कराएँ–पृष्ठ 58

सप्ताह 05

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड, संख्या कार्ड।

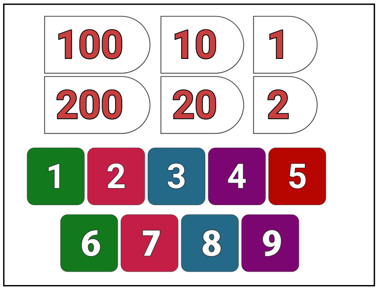

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड और संख्या कार्ड दें।
- कोई दो अंकों की संख्या श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चों को संख्या कार्ड और स्थानीय मान कार्ड के उपयोग से उसे दर्शायें।
- बच्चों से पूछें कि दायीं ओर कौन–सी संख्या है और बायीं ओर कौन सी?
- स्थानीय मान कार्ड में दायीं ओर की संख्या और बायीं ओर की संख्या को मेल करने को कहें। संख्या कार्ड की बायीं ओर लिखी संख्या का मान स्थानीय कार्ड के बायीं संख्या से पता चलेगा जिसे दहाई कहते हैं और दायीं ओर का दायीं वाली संख्या से जिसे इकाई कहते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 73 से 99 तक की सभी संख्याओं को इकाई और दहाई में लिख सकते हो?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं की तुलना कर सकें।

संसाधन

मोती, फ्लैश कार्ड।

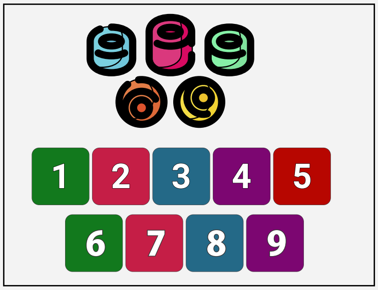

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को ठोस आकृतियां (मोती) और फ्लैश कार्ड दें।

  दो संख्या प्रत्येक समूह को बताएं।
- समूह के बच्चे उस संख्या के अनुसार मोतियों का समूह बनाएंगे।
- साथ ही साथ फ्लैश कार्ड लें, उस संख्या का कार्ड भी निकालेंगे।
- प्रत्येक समूह के पास जाएं और अवलोकन करें तथा पूछें कि कौन सा मोतियों का समूह ज्यादा है, कौन सा कम?
- यह भी पूछें कि मोतियों का समूह कम या ज्यादा क्यों है?

  इस प्रक्रिया को बार–बार दोहराएं और नई संख्या दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 89 और 98 में कौन बड़ा है?
- 57 और 75 में कौन छोटा है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

स्थिर अंतराल में (2, 3, 4, 5, 10) गिनती बोल और लिख सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड।

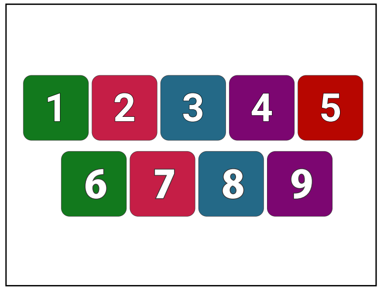

- कक्षा के बच्चों को एक घेरे में बैठा दें और उनको एक–एक करके गिनती करने को बोलें, जब तक पूरे घेरे के बच्चों की बारी न आ जाये, गिनती करते हुए उनसे संख्या कार्ड भी दिखाने को कहें।
- फिर इस नियम में 2 के अंतराल पर संख्या के साथ ताली बजाने तो बोलें।
- ऐसा फिर 3 और 5 के साथ भी करें।
- बच्चों को 5–5 के समूह में बाँटें और इस खेल को अन्य संख्याओं के साथ दोहराएँ।
- 10–10 के अंतराल के खेल को बार–बार दोहरायें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- क्या आप 24 से शुरू करके 2 के अंतराल में गिनती बोल सकते हैं?
- क्या आप 12 से शुरू करके 5 के अंतराल में गिनती बोल सकते हैं?

सप्ताह 06

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी-बड़ी संख्या बता सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक संख्या चार्ट में कोई भी तीन संख्या को दर्शाएँ। जैसे 45, 46 और 47।
- **समझाएँ** : संख्या चार्ट देख कर यह पता लगाया जा सकता है कि तीनों संख्याएं किस क्रम में आती हैं। पहले 45 फिर 46 उसके बाद 47 आता है।
- अब शिक्षक किसी तीन संख्याएं 33, 32 और 34 लिखें और बच्चों को इन्हें क्रम में लगाने को कहें।

पूछें : कौन–सी संख्या पहले आयेगी? कौन सी संख्या अंत में आएगी?

- गतिविधि को चार और पाँच संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

6 7

7 0

- शिक्षक संख्या चार्ट में कोई भी दो संख्या को दर्शाएँ। जैसे 67 और 70।
- **समझाएँ** : दोनों संख्याओं में दहाई अंक को देख कर बता सकते हैं कि कौन–सी संख्या बड़ी है। 67 में 6 दहाई है लेकिन 70 में 7 दहाई है। इसलिए 70 संख्या बड़ी है। संख्या चार्ट से भी यह पता चलता है। 70 संख्या चार्ट में 67 के बाद आती है। इसलिए 70 बड़ी और 67 छोटी है।
- श्यामपट्ट पर कोई भी दो संख्या लिखें। जैसे: 56 और 64।

पूछें: कौन–सी संख्या बड़ी है? उचित चिह्न भी लगाओ। तुम्हें कैसे पता लगाया कि 64 बड़ी संख्या है?

- कुछ और बच्चों को आगे बुला कर प्रक्रिया को दोहराएं।

शिक्षक के लिए निर्देश : जरूरत होने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल कर समझाएं। बच्चों को संख्या चार्ट दिखा कर बताएं कि जो संख्या पहले आएगी वह छोटी होगी।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

60	70	80
61		
		82
	73	
64		
		85
	76	
67		87
	78	
69		89

- शिक्षक श्यामपट्ट पर उक्त चित्र बनाएँ।
- बच्चों को खाली बॉक्स में उचित संख्या लिखने को कहें।
- प्रक्रिया को दोहराते रहें जब तक संख्या चार्ट पूरा ना हो जाए।

? 76 और 67 में कौन सी संख्या छोटी है?

? पैंसठ से बड़ी एक संख्या बताओ।

? श्यामपट्ट पर अस्सी से नब्बे तक संख्या लिखो।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|1 कराएँ–पृष्ठ 48

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|1 कराएँ–पृष्ठ 62

सप्ताह 06

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को जोड़ सकें।

संसाधन : कंकड़, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक कि संख्याओं का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : मिलाकर बताओ, जोड़ना।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के जोड़ की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में जोड़ का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

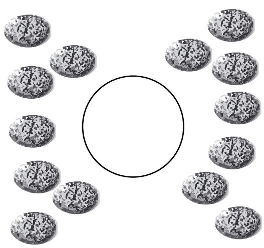

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह को 9 कंकड़ दें। बीच में चॉक से एक गोला बना दें।
- **समझाएँ** : दाएँ हाथ से मैं जितनी उँगलियाँ दिखाऊँगा, उतने कंकड़ गोले के अन्दर दाएँ तरफ रखो। बाएँ हाथ से मैं जिनती अँगुलियाँ दिखाऊँगा, उतने कंकड़ गोले के अन्दर दाएँ तरफ रखो। गोले के अन्दर कुल कंकड़ों की संख्या बताओ।

पूछें : अब गोले में कितने कंकड़ हो गए हैं?

गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को 1 से 9 तक संख्या कार्ड और कुछ तीली दें।
- **समझाएँ** : मैं जो संख्या कार्ड दिखाऊंगा उतनी तीली गिनकर अलग रखो। दूसरा संख्या कार्ड दिखने पर उतनी ही तीली फिर से अलग करनी हैं। अब दोनों अलग की गई तीलियों के समूह को मिलाकर कुल संख्या को कार्ड से दर्शाना है।
- पहले संख्या कार्ड 7 और फिर संख्या कार्ड 9 दिखाएँ।

पूछें : तुमने कितनी तीलियाँ अलग करके रखीं? दोनों अलग रखी हुई तीलियों को मिलाकर कुल कितनी तीलियाँ हुईं?

- **समझाएँ** : इस तरह से समूह के मिलान को हम जोड़ना कहते हैं।

शिक्षक के लिए बिंदु : संख्याओं और जोड़ के प्रतीक को श्यामपट्ट पर जरूर लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

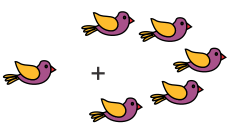

- शिक्षक श्यामपट्ट पर चित्र बनाएं।

? कुल कितनी आइसक्रीम हैं?
? कुल कितने पंछी हुए?
? कुल चश्मे की संख्या बताएँ।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|2 कराएँ–पृष्ठ 49
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|2 कराएँ–पृष्ठ 62

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में जोड़ सकें।

संसाधन : ब्लॉक, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 20 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ ।

नये शब्द : मिलाकर बताओ, जोड़ना।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के जोड़ की संक्रिया तो कर लेते हैं, लेकिन किसी सन्दर्भ में जोड़ का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

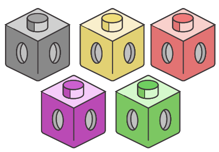

8
+ 6
14

- शिक्षक दाएँ हाथ में 6 ब्लॉक और बाएं हाथ में 8 ब्लॉक लेकर बच्चों को दिखाएँ।
- **पूछें** : मेरे दाएँ हाथ में कितने ब्लॉक हैं?
- मेरे बाएँ हाथ में कितने ब्लॉक हैं?
- संख्याओं को श्यामपट्ट पर लम्बवत रूप में लिखें।
- **पूछें** : कुल ब्लॉक की संख्या जोड़ कर बताओ?
- कुल संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

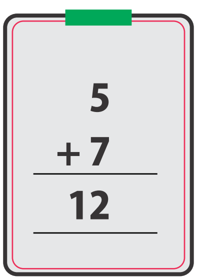

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँटें।
- **समझाएँ** : दोनों समूह को 1 से 9 तक की कोई भी एक–एक संख्या बोलना होगा। जिसे श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा। फिर कोई एक बच्चा संख्याओं को जोड़कर श्यामपट्ट पर लिखेगा।
- **पूछें** : पहले समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है? दूसरा समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है?
- एक बच्चे को श्यामपट्ट पर दोनों संख्याओं को जोड़ने को कहें।
- **पूछें** : क्या संख्याओं को सही से जोड़ा गया है?
- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : ध्यान रखें कि जब एक बच्चा श्यामपट्ट पर जोड़ रहा है तब बाकी बच्चे उसे अपने कॉपी में हल करें। जरूरत होने पर बच्चों को ठोस वस्तु/चित्र की सहायता लेने दें।
- ध्यान रखें कि बच्चे इकाई के नीचे इकाई अंक और उसके बाईं ओर दहाई अंक लिखें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

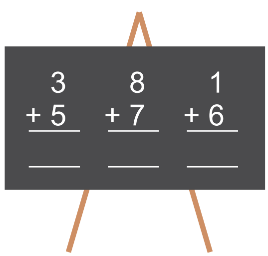

- शिक्षक श्यामपट्ट पर इन सवालों को लिखें।
- तीन और पाँच को जोड़कर कितना होगा?
- आठ जोड़ सात क्या होता है?
- एक और छह मिलकर क्या होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–06|3 कराएँ–पृष्ठ 50

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–06|3 कराएँ–पृष्ठ 62

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 ⏲40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को क्रम में लिख और छोटी-बड़ी संख्या बता सकें।

संसाधन

संख्या चार्ट, फ्लैश कार्ड।

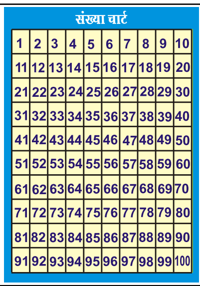
संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- संख्या चार्ट को दिखा कर किसी भी एक संख्या पर आँख बंद करके अंगुली रख दें और बच्चों को वहाँ से आगे की 10 तक के क्रम की संख्या मिलकर पढने को बोलें।
- कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- सभी बच्चों को फ्लैश कार्ड दें।
- शिक्षक एक गीत गाएगा और बच्चे दोहराएँगे।
- 'कदमताल–कदमताल, आओ चलें गिनती की चाल' बोलो बच्चों 1 (एक)।
- प्रथम समूह के पहला बच्चा 1 संख्या फ्लैश कार्ड दिखाएगा, उसके बाद दूसरा बच्चा 2 संख्या का फ्लैश कार्ड दिखाएगा।
- इसी प्रकार यह गतिविधि सभी ग्रुप के बच्चों द्वारा की जाएगी और 99 संख्या तक गिनती गाएँगे।

बच्चों के लिए प्रश्न–

- क्या आप 52 से 70 तक संख्याओं को सीधे क्रम में लिख सकते हैं?
- क्या आप 42 से 65 तक संख्याओं को उलटे क्रम में लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 ⏲40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) जोड़ सकें।

संसाधन

गोलियाँ, चित्रों का चार्ट।

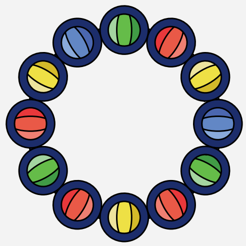

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- सभी बच्चों को कुछ गोलियाँ दें।
- प्रत्येक समूह से 4 और 2 गोलियों के समूह बनाने को कहें।
- बच्चों से पूछें, 4 गोलियों और 2 गोलियों को मिलाकर कितनी गोलियाँ हुईं।
- इसी प्रकार शिक्षक चित्रों को भी दिखाएँ, जिसे 4 गुब्बारे और 2 गुब्बारे बने हों। उन्हें मिलाकर बताने को कहें।
- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे प्रतिभागिता करें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों को अभिव्यक्ति करने में मदद करें।

बच्चों के लिए प्रश्न–

- बच्चों से पूछें कि चार गुब्बारे और दो गुब्बारे मिलाकर 6 गुब्बारे क्यों हो गए?
- क्या आप जोड़ के कुछ सवाल अपने से बना सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 ⏲40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में जोड़ सकें।

संसाधन

जोड़ का चार्ट, ब्लॉक्स।

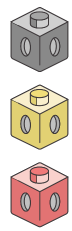

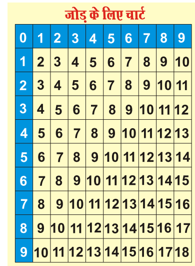
जोड़ के लिए चार्ट

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
9	10	11	12	13	14	15	16	17	18

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक बच्चे को अंकों का चार्ट और ब्लॉक्स दें।
- बच्चे जोड़ चार्ट पर अपने–अपने समूह में कार्य करेंगे।
- जोड़ने से पंक्ति और स्तंभ में अंगुली चलाने पर जहां मिलती है वही जोड़ का जवाब होता है।
- जैसे 4 और 5 से शुरू करेंगे तो 9 पर उंगली आएगी।
- समूह को बच्चों से बताई गई संख्या को लम्बवत रूप में लिखने को कहें।
- ब्लॉक्स का उपयोग कर जोड़ने को कहें।
- यही प्रक्रिया पुनः दोहराई जाए।
- फिर चार्ट की मदद से बच्चों को एक अंकीय जोड़ की अवधारणा समझाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- जोड़ने पर जो संख्या आई है वह दी गई संख्याओं से बड़ी है या छोटी?
- क्या आप लम्बवत रूप से जोड़ने के कुछ सवाल अपने से बना सकते हैं?

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को प्रतीकों को घटाव सकें।

संसाधन : कंकड़, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 0 से 9 तक की संख्याओं का मात्रात्मक समझ।

नये शब्द : बचे हुए, घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के घटाव की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में घटाव का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

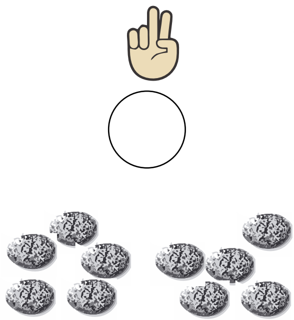

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह को 9 कंकड़ दें। बीच में चॉक से एक गोला बना दें।
- **समझाएँ** : हाथ में जितनी उँगलियाँ दिखाऊंगा उतने कंकड़ गोले के अन्दर रखें। बाएँ हाथ से दिखाई अँगुलियाँ के बराबर कंकड़ गोले से हटा लेगा। फिर गोले के अन्दर बचे हुए कंकड़ों की संख्या बतानी होगी।
- **पूछें** : अब गोले में कितने कंकड़ बचे हुए हैं?
- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

- शिक्षक बच्चों को 4–4 के समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को 1 से 9 तक संख्या कार्ड और कुछ तीली दें।
- **समझाएँ** : मैं जो संख्या कार्ड दिखाऊँगा उतनी तीली गिनकर अलग रखना होगा। दूसरा संख्या कार्ड दिखने पर उतनी तीली अलग रखी हुई तीलियों से हटाना होगा। बची हुई तीलियों की संख्या को कार्ड से दर्शाना होगा।
- पहले संख्या कार्ड 9 और फिर संख्या कार्ड 4 दिखाएँ।
- **पूछें** : आपने कितनी तीलियों को अलग करके रखा? कितनी तीलियाँ हटा ली? हटाने के बाद कितनी तीलियाँ बचीं?
- **समझाएँ** : इस तरह समूह के हटाने को हम घटाव कहते हैं।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : संख्याओं और घटाव के प्रतीक को श्यामपट्ट पर जरूर लिखें ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

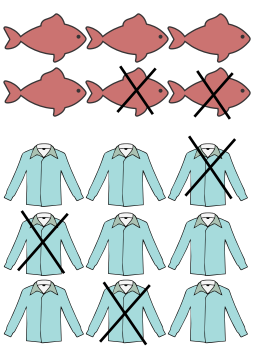

- शिक्षक श्यामपट्ट पर चित्र बनाएं ।
- कितनी मछलियाँ बचीं?
- पहले कितने शर्ट थे और फिर कितने कम हुए?
- कम होने के बाद शर्ट की संख्या क्या है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|1 कराएँ–पृष्ठ 55

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|1 कराएँ–पृष्ठ 66

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप से घटाव कर सकें।

संसाधन : ब्लॉक, संख्या कार्ड (1 से 9 तक)।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 0 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ ।

नये शब्द : बचे हुए, घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे एक अंक के घटाव की संक्रिया तो कर लेते हैं लेकिन किसी सन्दर्भ में घटाव का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

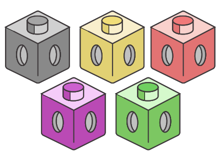

- शिक्षक हाथ में 9 ब्लॉक लेकर बच्चों को दिखाएँ।

पूछें : मेरे हाथ में कितने ब्लॉक हैं? 9 ब्लॉक में से 6 ब्लॉक हटा कर मेज पर रख दें।

पूछें : मैंने कितने ब्लॉक हटा लिए? मेरे हाथ में कितने ब्लॉक बच गए?

- संख्याओं को श्यामपट्ट पर लम्बवत रूप से घटाव कर लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्याओं के साथ दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिंदु : बच्चों को समझाएँ कि बड़ी संख्या में छोटी संख्या घटाई जाती है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

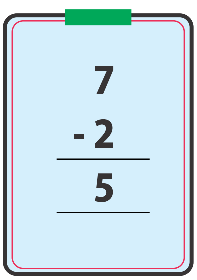

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँटें।
- **समझाएं** : दोनों समूह को 1 से 9 तक की कोई भी एक–एक संख्या बोलनी होगी। संख्याओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा। फिर कोई एक बच्चा संख्याओं को घटा कर श्यामपट्ट पर लिखेगा।

पूछें : पहला समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है? दूसरा समूह कौन–सी संख्या लिखना चाहता है?

- एक बच्चे को श्यामपट्ट पर दोनों संख्याओं को घटाव करने को कहें।

पूछें : क्या संख्याओं को सही से घटाव किया गया है?

- गतिविधि को कई बार दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिंदु : ध्यान रखें कि जब एक बच्चा श्यामपट्ट पर घटाव कर रहा हो तब बाकी बच्चे उसे अपने कॉपी में हल करें। जरूरत होने पर बच्चों को ठोस वस्तु/चित्र की सहायता लेने दें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

$$\begin{array}{r} 6 \\ -\,2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -\,5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 4 \\ -\,4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

- शिक्षक श्यामपट्ट पर इन सवालों को लिखें।

? छह से दो घटाएँ तो कितना होगा?

? नौ से पाँच कम करने पर कौन सी संख्या मिली?

? चार से चार को घटाव करने से क्या होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|2 कराएँ–पृष्ठ 56

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|2 कराएँ–पृष्ठ 66

सप्ताह 07

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।

संसाधन : कंकड़, मोतियाँ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 9 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ होना, शून्य की समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

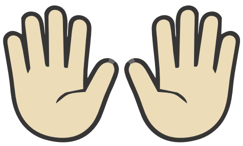

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत कविता से करें।
- चाहे जोड़ो या घटाओ।
  उत्तर में अंतर न पाओ।।
  अपनी–अपनी बुद्धि लगाओ।
  मुझको वह संख्या बतलाओ।।
- **पूछें** : वह संख्या कौन–सी है?
  बच्चों को उत्तर देने का समय दें। एक संख्या बोलें और बच्चों को उतनी बार ताली बजाने को कहें।
- अगल–अगल संख्या बोलें। बीच में शून्य भी बोलें।
- **समझाएँ** : शून्य के लिए ताली नहीं बजानी है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

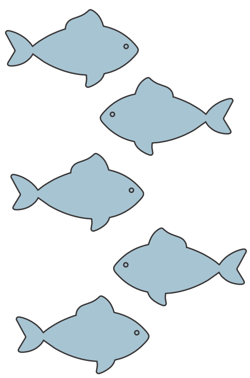

- शिक्षक एक संदर्भ देकर बच्चों के जोड़/घटाव का एक सवाल करें। जैसे : एक तालाब में 5 मछलियाँ थीं। एक बगुले ने झपटा मारा लेकिन एक भी मछली बगुले के हाथ न आयी।
- **पूछें** : अब तालाब में कितनी मछलियाँ हैं?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बोर्ड पर चित्र की सहायता से भी समझाएँ।
- कुछ और संदर्भ लेकर प्रक्रिया को दोहराएँ।
- श्यामपट्ट पर एक कटोरी में तीन मोतियाँ और एक खाली कटोरी दिखाएँ।
- श्यामपट्ट पर 3 + 0 लिखें।
- **समझाएँ** : बच्चों को बताएँ कि +0 का अर्थ है कि कोई भी और संख्या नहीं जोड़ी गई।
- **पूछें** : मैं सात गेंदों में शून्य "0" और गेंदों को जोड़कर कैसे लिखूँगा।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

$$\begin{array}{r} 5 \\ +0 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ -0 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$9 + 0 =$

$8 - 0 =$

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ सवाल लिखें।
- बच्चों को अपनी कॉपी में सवाल हल करने को कहें।
- शिक्षक बच्चों को मौखिक रूप से कुछ इबारती सवाल भी दें।
- किसी भी संख्या में शून्य जोड़ने पर क्या होता है?
- सात से शून्य घटाव करने पर कौन सी संख्या मिलेगी।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–07|3 कराएँ–पृष्ठ 57

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–07|3 कराएँ–पृष्ठ 66

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स, डोमिनो कार्ड।

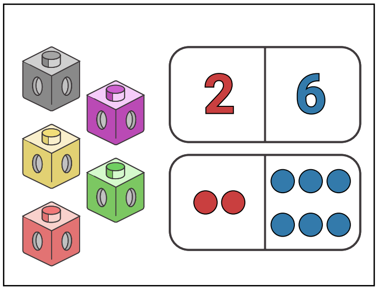

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को डोमिनो कार्ड ब्लॉक्स दें।
- बच्चों से एक डोमिनो कार्ड दिखाने को कहें।
- बच्चों ने जो डोमिनो कार्ड हाथ में लिया है उसके बिंदु को गिनने को कहें और उतने ही ब्लॉक्स निकालने को कहें।
- बच्चों को निर्देश दें यदि किसी डोमिनो कार्ड में बिंदु 4 और 2 है, तो बच्चे 4 ब्लॉक्स निकालेंगे और उनमें से दो ब्लॉक्स अपने साथी को दे दें।
- अब बच्चों से पूछें कि आपके पास अब कितने ब्लॉक्स बचे हैं?
- बच्चों को समझाएँ कि 4 ब्लॉक्स में 2 ब्लॉक्स निकाल देने को 4 में से 2 घटाव करना भी कहते हैं और घटाव करने की शब्दावली बच्चों को दें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

5 वस्तुओं में 2 वस्तुएँ हटा दी जाएँ तो कितनी वस्तुएँ बचेंगी?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

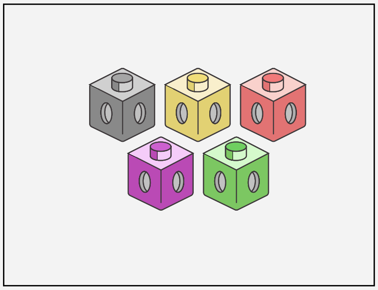

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को कुछ ब्लॉक्स (1–9) दें।
- बच्चों से इन ब्लॉक्स को अपने सामने रख कर कोई मिठाई मानने को कहें।
- फिर कुछ उनमें से कल्पना कर खाने को कहें जैसे 2 ब्लॉक्स और उन्हें बच्चों को सामने से निकालने को कहें।
- फिर बचे हुए ब्लॉक्स को गिनने को कहें और उनमें से कुछ जैसे 3 और ब्लॉक्स अपने दूसरे साथी को देने के लिए कहें।
- बच्चों से पूछें कि आपके पास कितने ब्लॉक बचे हैं?
- बच्चों को चार्ट को पढ़कर इस प्रक्रिया को घटाव की शब्दावली से समझने को कहें।
- बच्चों को यही प्रक्रिया कुछ दूसरी संख्या के साथ दोहराने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

घटाव करने के बाद बची हुई संख्या पहले वाली संख्या से कम होती है या ज्यादा?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

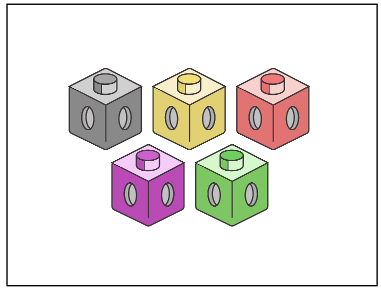

- संपूर्ण कक्षा के बच्चों को दो के समूह में विभाजित करें।
- बच्चों को एक–दुसरे को ब्लॉक्स देने को कहें जैसे पहले बच्चे ने अपने में से 2 ब्लॉक्स दूसरे को दे दिए तो दोनों से पूछें कि उन्होंने कितने ब्लॉक्स और जोड़े या घटाव करें?
- बच्चों से पूछें कि कुल कितने ब्लॉक्स हो गए उनके पास? ऐसा उन्हें कुछ और ब्लॉक्स के साथ करने को कहें।
- इस बार कोई किसी को ब्लॉक्स नहीं देगा।
- फिर पूछें कि इस बार कितने ब्लॉक्स उन्होंने जोड़े या घटाव करें? और कुछ नहीं के लिए शून्य की शब्दावली का इस्तेमाल करने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

सांप तालाब के पास 5 मेंढक खाने के लिए आया, सभी पानी में कूद गए। साँप को कितने मेंढक खाने को मिले?

सप्ताह 07

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- **एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटाव कर सकें।**
- **एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप मे घटाव कर सकें।**
- **एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।**

संसाधन : ब्लॉक्स

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

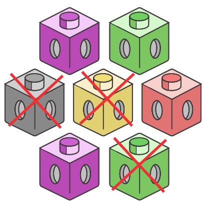

- बच्चों को 2–2 के समूह में बाँटें। प्रत्येक समूह को कुछ ब्लॉक दें।
- **समझाएँ** – मैं एक संख्या कार्ड दिखाऊँगी, आप उतने ब्लॉक्स दिखायेंगे। फिर मैं दूसरा कार्ड दिखाऊँगी, और आपको उतने ब्लॉक्स हटाकर बताना है कि आपके पास कितने ब्लॉक्स बचे। उदाहरण के लिए, मैंने आपको दिखाया 7, तो आप 7 ब्लॉक्स दिखायेंगे। फिर मैंने दिखाया 3। अब आप 7 में 3 ब्लॉक्स अलग करके बताइए कि आपके पास कितने ब्लॉक्स बचे।
- इस प्रक्रिया को अलग–अलग संख्या कार्ड दिखा कर दोहराएं।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

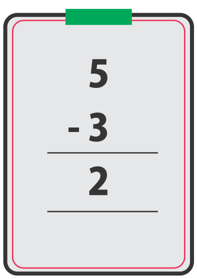

- **समझाएं** – अब ब्लॉक्स से घटाव करने के बाद हम इसे लिख कर भी दिखायेंगे।
- संख्या कार्ड से दो संख्या दिखाए। बच्चे ब्लॉक्स की मदद से घटाव करें।
- उसके बाद एक बच्चे को बुलाकर वो संख्याएँ श्यामपट्ट पर लिखकर लम्बवत रूप से घटाव करने के लिए कहें।
- ध्यान रहे कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों से उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
- बच्चों को अपनी बात अभिव्यक्त करने के लिए पर्याप्त समय दें व आवश्यकता पड़ने पर मदद भी करें।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

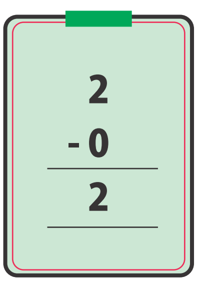

- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें। बीच में कुछ ब्लॉक्स और 2 बड़े पासे रखें। पासे में 0 से 5 तक की संख्याएँ लिखी हों।
- **समझाएँ** – सभी बच्चे बारी–बारी से आयेंगे और दोनों पासे फेंकेंगे। जो संख्या आएगी, उतने ब्लॉक्स उठाकर, उन्हें जोडें और कुल संख्या बताएंगे।
- सभी बच्चों को एक–एक करके बुलाएँ और यह प्रक्रिया कई बार कराएं।
- **समझाएँ**–पासे में 2 शून्य आने पर बच्चा कोई ब्लॉक नहीं उठाएगा। किसी संख्या में शून्य जोड़ने पर संख्या का मान वही रहता है।
- इसी प्रकार की घटाव पर अभ्यास कराएँ।
- बच्चों से उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए कहें।
- बच्चों को अपनी बात अभिव्यक्त करने के लिए पर्याप्त समय दें व आवश्यकता पड़ने पर मदद भी करें।

सप्ताह 07

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- एक अंक की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) घटाव कर सकें।
- एक अंक की संख्याओं को लम्बवत रूप में घटाव कर सकें।
- एक अंक की संख्याओं को शून्य के साथ जोड़ और घटाव कर सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड और कंकड़।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

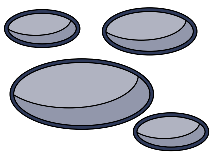

- बच्चों को 2–2 के समूह में बांटें। प्रत्येक समूह को कुछ कंकड़ दें।

☞ **समझाएँ:** मैं एक संख्या कार्ड दिखाऊँगी, आप उतने कंकड़ दिखायेंगे। फिर मैं दूसरा कार्ड दिखाऊँगी, और आपको उतने कंकड़ हटाकर बताना है कि आपके पास कितने कंकड़ बचे। उदाहरण के लिए, मैंने आपको दिखाया 6, तो आप 6 कंकड़ दिखाएँगे। फिर मैंने दिखाया 2 अब आप 2 कंकड़ अलग करके बताएँ कि आपके पास कितने कंकड़ बचे।

- इस प्रक्रिया को अलग–अलग संख्या कार्ड दिखा कर दोहराएँ।

☞ **पूछें** :

? शिक्षक अपने एक हाथ की तीन अंगुली और दूसरे हाथ की चार अँगुली दिखाकर बच्चों से कुल अंगुली बताने को कहें?

? शिक्षक तीन पुस्तकें मेज पर रखें और चार पेंसिलें भी मेज पर रखें और बच्चों से पूछें अब मेज पर कुल कितनी वस्तुएँ हैं?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

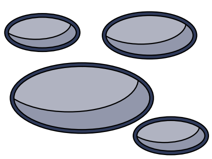

☞ **समझाएँ:** अब कंकड़ से घटाव करने के बाद हम इसे लिखकर भी दिखायेंगे।

- संख्या कार्ड से दो संख्या दिखाएँ। बच्चे कंकड़ की मदद से घटाव करें।
- उसके बाद एक बच्चे को बुलाकर वो संख्याएँ श्यामपट्ट पर लिखकर लम्बवत रूप से घटाव करने के लिए कहें।
- ध्यान रहे कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

☞ **पूछें:** जब दोनों संख्या कार्ड एक ही संख्या के हों, तब आपके पास कितने कंकड़ बचेंगे?

? कौन सी संख्या बड़ी है 5 या 9?

? अपने उत्तर का कारण भी बताएँ?

- शिक्षक एक–दूसरे के जबाव को अवलोकन करने के लिए भी प्रेरित करें।
- शून्य के लिए बच्चे कुछ भी नहीं की जगह एक भी नहीं का संदर्भ उपयोग करें।

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं व चित्रों के साथ) बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन : पेंसिल/कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : जोड़ना, मिलाना, इकट्ठा करना।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

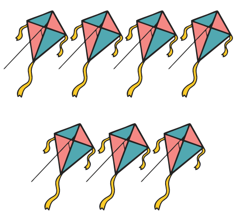

- शिक्षक जोड़ के कुछ अलग–अलग रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- **पूछें:** दीपक के पास 4 पतंग थी और उसकी दीदी ने उसे और 3 पतंग दिए। अब दीपक के पास कितनी पतंगें हैं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़ उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ:** कंकड़ की सहायता से बच्चों को समझाएं कैसे दो समूह की वस्तुओं को इकट्ठा कर बने नए समूह में वस्तुओं की संख्या पता करना जोड़ है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

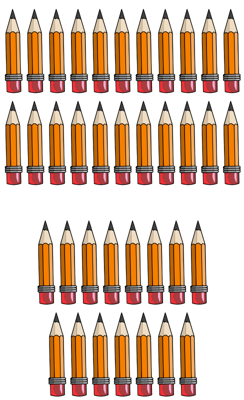

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और जोड़ के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें:** अमन के पास 22 पेंसिलें थीं। उसने दुकान से 15 पेंसिलें और खरीदीं। अब उसके पास कुल कितनी पेंसिलें हो गई हैं?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** अमन के पास कितने पेंसिलें थीं? अमन ने कितनी पेंसिलें खरीदीं?
- **समझाएँ:** पहले 22 पेंसिलों का एक समूह बनाओ। अब 15 पेंसिलों का एक समूह बनाओ। दोनों को मिलाकर गिनो।
- **पूछें:** अब कुल कितनी पेंसिलें हो गईं? मतलब अमन के पास कितनी पेंसिलें हैं? कुछ और बच्चों के साथ गतिविधि को आगे बढ़ाएं।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** बच्चों को जोड़ के चिह्न से परिचय कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में 26 गोले और दूसरे में 13 गोले बनाएँ।
- समूह के नीचे क्रमशः 26 और 13 लिखकर, जोड़ का चिह्न भी लगाएँ। ऐसे और कुछ चित्र बनाएँ।
- 26 में 13 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- 14 और 20 गोले जोड़ने से कुल कितने गोले होंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|1 कराएँ–पृष्ठ 62

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|1 कराएँ–पृष्ठ 72

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, जोड़–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : जोड़ना, मिलाना, इकट्ठा करना।

सामान्य भूल : कई बार बच्चे लम्बवत जोड़ में दो संख्याओं को उनके स्थानीय मान के अनुसार नहीं लिखते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

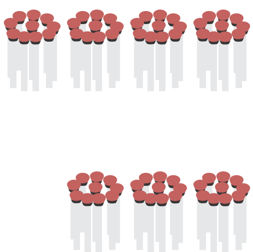

- शिक्षक बच्चों को रोचक संदर्भ में दस के गुणज को जोड़ने का सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 40 बकरियाँ हैं। उसके भाई के पास 30 बकरियाँ हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ:** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस के समूह में जोड़ना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	दहाई / बण्डल	इकाई / खुले
	3	5
+	4	3
	7	**8**

- शिक्षक जोड़ के सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 35 लड्डू हैं। उसने और 43 लड्डू बनाए। अब उसके पास कुल कितने लड्डू हैं? किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** रमन के पास कितने लड्डू थे? रमन ने कितने लड्डू और बनाए?
- **समझाएँ:** 35 माचिस की तीलियाँ लो। अब 43 माचिस की तीलियाँ लो। दोनों को मिलाकर गिनो।
- **पूछें:** अब कुल कितने हैं?
- **शिक्षक के लिए निर्देश :** पहले दोनों समूह के इकाई को इकट्ठा कर गिनने को कहें। इसके बाद इसी प्रकार दहाई को।
- शिक्षक जोड़–चार्ट पर संख्या लिख कर और माचिस की तीलियों को रखते हुए बच्चों को लम्बवत जोड़ना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

45	40
+33	+23

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत जोड़ के कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 33 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 40 अंडे हैं। उसके भाई के पास 23 अंडे हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितने अंडे हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|2 कराएँ–पृष्ठ 63

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|2 कराएँ–पृष्ठ 72

सप्ताह 08

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं व चित्रों के साथ) हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस की तीलियां, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे अकसर हासिल को भूल जाते हैं या दो अंकों को जोड़कर पूरी संख्या लिख देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

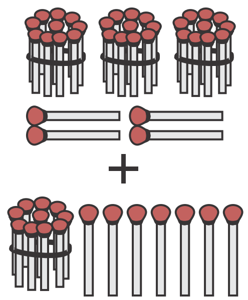

- शिक्षक जोड़ के कुछ रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- **पूछें:** दीपक के पास 34 पतंगें थीं और उसकी दीदी ने उसे और 17 पतंगें दीं। दीपक के पास कितनी पतंगें हैं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़/माचिस तीली का उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ:** कंकड़/माचिस तीली की सहायता से बच्चों को समझाएँ कि कैसे दो समूह की वस्तुओं को इकट्ठा कर बने नए समूह में वस्तुओं की संख्या पता करना जोड़ है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

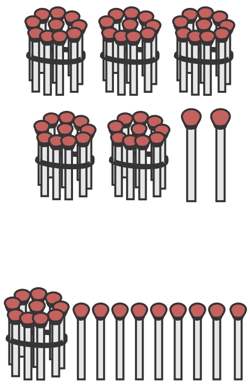

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और जोड़ के सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें:** अमन के पास 52 तीलियाँ थीं। उसने दुकान से और 19 तीलियां खरीदीं। अब उसके पास कुल कितनी तीलियाँ हो गईं?
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** अमन के पास कितनी पेंसिलें थीं? अमन ने कितनी पेंसिलें खरीदीं?
- **समझाएँ:** 52 तीलियों का एक समूह बनाओ। अब 19 तीलियों का एक समूह बनाओ। दोनों को मिलाकर गिनो।
- **पूछें:** अब कुल कितनी तीलियाँ हो गईं? मतलब अमन के पास कितनी तीलियाँ हैं?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** देखें बच्चे कैसे गिन रहे हैं। इकाइयों की संख्या 10 से ज्यादा है तो बण्डल बनाने को कहें।
- कुछ और बच्चों के साथ गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

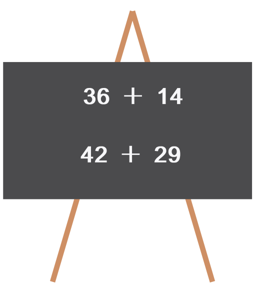

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में 36 गोले और दूसरे में 14 गोले बनाएँ।
- समूह के नीचे क्रमशः 36 और 14 लिखकर, जोड़ का चिह्न भी लगाएँ।
- **?** 36 में 14 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- **?** 42 और 29 गोले जोड़ने से कितने गोले होंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–08|3 कराएँ–पृष्ठ 64

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–08|3 कराएँ–पृष्ठ 72

सप्ताह 08

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन

परिवेश की वस्तुएँ।

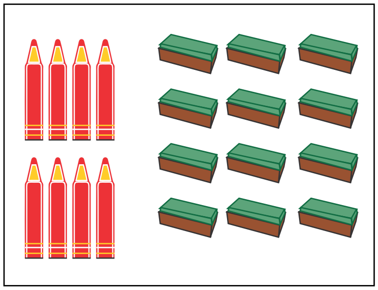

- बच्चों को 3–4 समूह में बाँटें।
- सभी को कुछ वस्तुओं को दें।
- वस्तुओं को गिनकर उनकी संख्या शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखें।
- दूसरों के समूह की गिनती को श्यामपट्ट पर बड़ी संख्या के नीचे लिखें।
- बच्चों से दोनों संख्याओं की वस्तुओं को मिलाकर, गिनकर उतनी संख्या लिखें।
- श्यामपट्ट पर संख्या कार्ड दिखाते हुए इकाई के नीचे इकाई संख्या को जोड़कर लिखें।
- बच्चों से दहाई के नीचे दहाई संख्या लिखकर, बच्चों से उस संख्या को पूछें।
- दोनों समूहों की संख्या को आपस में जोड़कर उतनी ही वस्तुओं और चित्र बनाकर बच्चों से गिन कर पूछें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- इकाई में इकाई की संख्या क्यों जोड़ते हैं?
- दहाई में दहाई की ही संख्या क्यों जोड़ेंगे?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन

फ्लैश कार्ड।

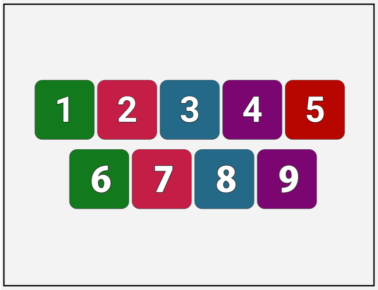

- सभी बच्चों को दो अंकीय संख्या फ्लैश कार्ड वितरित करें।
- श्यामपट्ट पर गुब्बारे का चित्र बनाकर दो बच्चों को अपने–अपने फ्लैश कार्ड की संख्या बताने को कहें।
- संख्या को लम्बवत रूप से लिखें।
- अब बच्चों से दोनों संख्याओं को वस्तुओं से गिनकर कुल संख्या को बताएँ।
- इसे श्यामपट्ट पर करते हुए बताएं इकाई के नीचे इकाई वाली संख्या लिखकर जोड़कर बताएँ।
- इसी तरह दहाई वाली संख्या को दहाई वाली संख्या के साथ ऊपर नीचे करके जोड़कर बताएँ और कॉपी पर लिखने का अभ्यास करें।
- इस प्रक्रिया को रोचक बनाने के लिए गुब्बारे के चित्र दो अंकीय संख्याओं को लिखें और प्रत्येक बच्चे को आपसी बातचीत से सवाल हल करने को प्रेरित करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- इकाई के नीचे इकाई की संख्या को क्यों जोड़ते हैं?
- जोड़ते समय इकाई की तरफ से क्यों शुरुआत करते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन

स्ट्रॉ/माचिस की तीलियाँ।

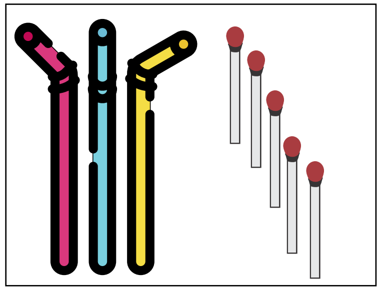

- बच्चों के दो–दो समूह बनाकर स्ट्रा या माचिस की तीलियाँ दें। बच्चों को स्ट्रॉ/माचिस की तीलियों के 10–10 के कुछ बण्डल बनाने को कहें।
- उदाहरण के लिए, 38 को 3 बण्डल व 8 खुली तीलियों से और 46 को 4 बण्डल और 6 खुली तीलियों से दिखाया जा सकता है।
- अगर हम इन बण्डल और तीलियों को मिला दें, तो हमे कितनी बण्डल व खुली तीलियाँ मिलेंगी?
- समझाएं– 8 और 6 खुली तीलियों को मिलाने पर हो जाएँगी 14 तीलियाँ। 14 दस से ज्यादा है इसलिये, हम 10 तीलियों का 1 बण्डल बना देंगे और 4 तीलियाँ खुली रहेगी। पहले हमारे पास 3 और 4 बण्डल थे, और अब 1 बण्डल और हो गया। इसलिये हमारे पास हो गए 8 बण्डल।
- हमारे पास कुल हुए 8 बण्डल और 4 खुली तीलियाँ, यानी 84।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 27 और 54 को जोड़ने से कौन सी संख्या बनेगी?

सप्ताह 09

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, जोड़–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

$$\begin{array}{r} 40 \\ +50 \\ \hline 90 \end{array}$$

- शिक्षक बच्चों को रोचक संदर्भ में दस के गुणजों को जोड़ने का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 40 बकरियाँ हैं। उसके भाई के पास 50 बकरियाँ हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस की तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ:** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस से समूह में जोड़ना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	दहाई / बण्डल	इकाई / खुले
	1	
	5	5
+	2	9
	8	**4**

- शिक्षक जोड़ के एक सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 55 लड्डू हैं। उसने और 29 लड्डू बनाए। अब उसके पास कुल कितने लड्डू हो गए हैं?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- बच्चे को अपने स्तर से सवाल को हल करने दें।
- **समझाएँ:** पहले 55 माचिस की तीलियाँ लो। अब 29 माचिस की तीलियाँ लो। दोनों को मिलाकर गिनो। इकाइयों की संख्या दस से अधिक है। दस इकाइयों का एक बण्डल बनाकर दहाई के घर में रखते हुए हासिल की अवधारणा समझाएं।
- शिक्षक जोड़–चार्ट पर उचित संख्या लिखकर और माचिस की तीलियों की संख्या रखते हुए बच्चों को लम्बवत जोड़ना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

$$\begin{array}{r} 45 \\ +36 \end{array} \qquad \begin{array}{r} 46 \\ +24 \end{array}$$

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत जोड़ के हासिल वाले कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 36 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 46 अंडे हैं। उसके भाई के पास 24 अंडे हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितने अंडे हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|1 कराएँ–पृष्ठ 69

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|1 कराएँ–पृष्ठ 76

सप्ताह 09

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं व चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन : कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : घटाव, निकालना/कम करना।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

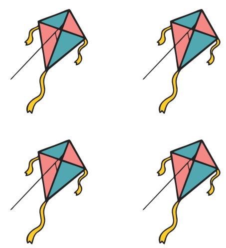

- शिक्षक घटाव के रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- **पूछें:** दीपक के पास 4 पतंगें थीं और उसकी दीदी ने 2 पतंगें ले लीं। अब दीपक के पास कितनी पतंगें हैं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़ उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ:** कंकड़ की सहायता से बच्चों को समझाएँ कि कैसे एक समूह की वस्तुओं से कुछ वस्तुएँ निकाल कर बने नए समूह में वस्तुओं की संख्या पता करना घटाव है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और घटाव के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें:** अमन के पास 22 कंकड़ थे। अमन के 15 कंकड़ गुम हो गए। अब उसके पास कितने कंकड़ बच्चे?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** अमन के पास कितने कंकड़ थे? अमन के कितने कंकड़ गुम हो गए?
- **समझाएँ :** पहले 22 कंकड़ों का एक समूह बनाओ। अब 15 कंकड़ों को समूह से निकालो। अब गिनकर देखो कितने कंकड़ बचे हैं?
- **पूछें:** अब कितने कंकड़ बचे हैं? कुछ और बच्चों के साथ इसी प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु :** बच्चों को घटाव के चिह्न से परिचय कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

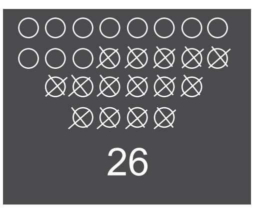

- शिक्षक श्यामपट्ट पर समूह में 26 गोले बनाएँ और उसके नीचे 26 लिखें। समूह से 15 गोले को क्रॉस लगाएँ।
ऐसे और भी चित्र बनाएँ।
- **?** 26 में 15 घटाव करने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- **?** 43 में 31 कम करने से कितने गोले बचेंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|2 कराएँ–पृष्ठ 70

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|2 कराएँ–पृष्ठ 76

सप्ताह 09

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, घटाव–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चों को 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : घटाव, निकालना/कम करना।

सामान्य भूल : कई बार बच्चे लम्बवत जोड़ में दो संख्याओं को उनके स्थानीय मान के अनुसार नहीं लिखते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

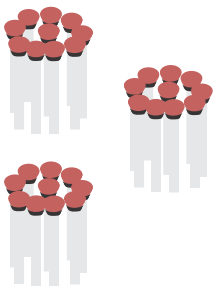

- शिक्षक बच्चों को किसी रोचक संदर्भ में दस के गुणजों में घटाव का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 30 बकरियाँ हैं। वह 10 बकरियों को बाजार में बेच आया। अब उसके कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस की तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ:** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस के समूह में घटाव करने में आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	दहाई/ बण्डल	इकाई/ खुले
	4	3
–	3	2
	1	1

- शिक्षक घटाव के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 43 लड्डू हैं। 32 लड्डू बिक गए। अब रमन हलवाई के पास कितने लड्डू बचे हैं?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** रमन के पास कितने लड्डू थे? रमन ने कितने लड्डू बेच दिए?
- **समझाएँ:** पहले 43 माचिस की तीलियाँ लो। अब 32 माचिस की तीलियाँ निकाल लो। गिनकर देखो कितनी तीलियाँ बचीं।
- **पूछें:** अब कितने लड्डू बच गए?
- **शिक्षक के लिए निर्देश :** बच्चों को पहले समूह से इकाई को। इसके बाद दहाई को अलग करने को कहें।
- शिक्षक घटाव–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर बच्चों को लम्बवत घटाव करना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

45	58
-33	-23

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत घटाव के कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 33 घटाव करने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 58 अंडे हैं। उसने भाई को 23 अंडे दे दिए। आरिफ के पास कितने अंडे बचे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–09|3 कराएँ–पृष्ठ 71

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–09|3 कराएँ–पृष्ठ 76

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड।

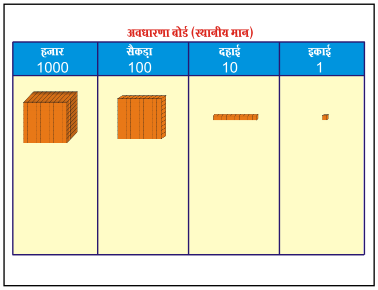

- बच्चों को 2– 2 के समूह में बांटें। हर समूह को स्थानीय मान कार्ड दें।
- आप 2 संख्या बोलें। बच्चे स्थानीय मान कार्ड की मदद से वो संख्या दिखाएँ। जैसे, बच्चे 35 को 30 और 5 के कार्ड से दिखाएँ। 27 को 20 और 7 के कार्ड से दिखाएँ। बच्चों से पूछे इन संख्या में कितने दहाई है और कितनी इकाई है।
- बच्चों को संख्याओं को नोटबुक में लिखकर जोड़ने के लिए कहें। समझाएँ कि हम इकाई के नीचे इकाई और दहाई के नीचे दहाई लिखेंगे।
- अब बच्चों से इकाई वाली संख्या को जोड़ने को कहें। जैसे 5 और 7, होगा 12। यह संख्या 10 से ज्यादा है। इसमें 2 इकाई है, इसलिये 2 को इकाई के नीचे लिखें। 1 को दहाई वाली संख्याओं के ऊपर हासिल के रूप में लिखें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- हल करें:

$$\begin{array}{r} 41 \\ +79 \\ \hline \end{array}$$

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तुओं और चित्रों के साथ) बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियाँ।

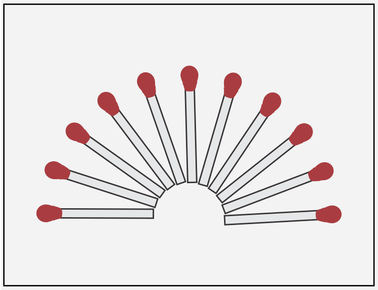

- बच्चों के दो–दो समूह बनाकर माचिस की तीलियाँ दें। बच्चों को माचिस की तीलियों के 10–10 के कुछ बण्डल बनाने को कहें।
- कोई भी दो अंकीय संख्या बोलें और उसे बण्डल और खुली तीलियों से प्रदर्शित करने को कहें। उदाहरण के लिए, 36 को 3 बण्डल और 6 खुली तीलियों से दिखाया जा सकता है।
- बच्चों से पूछें– अगर हम इन बण्डल और तीलियों में से 12 हटा दें, तो कितने बण्डल और खुली तीलियाँ बचेंगे?
- समझाएँ– 12 तीलियों का मतलब है 1 बण्डल और 2 खुली तीलियाँ।
- सभी बच्चों को 3 बण्डल और 6 खुली तीलियों में से 1 बण्डल और 2 खुली तीलियाँ हटाने का मौका दें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- अब हमारे पास कितने बण्डल और तीलियाँ बचीं?
- 2 बण्डल और 4 खुली तीलियाँ कौन सी संख्या दिखाता है?
- 36 में से 12 घटाव करने पर कितना बचता है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन

पर्चियां।

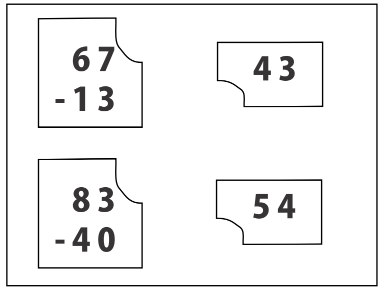

- कक्षा के बच्चों को 4 के समूह में बाँटें हर समूह में 8 पर्चियाँ दें। 4 ऐसी पर्चियां जिस पर 2 अंकीय बिना हासिल वाले घटाव के सवाल लम्बवत रूप से लिखे हों और 4 ऐसी पर्चियाँ जिस पर उनके जवाब लिखे हों।
- बच्चों को समझाएँ आपको सवाल वाली पर्ची पर दिया गया सवाल हल करना है। फिर उसके उत्तर वाली पर्ची ढूँढनी है। सवाल और उत्तर वाली पर्ची का मिलान करके रखना है। जो समूह पहले मिलान करेगा वो विजेता होगा।
- बिना हासिल का घटाव् वाला सवाल लम्बवत रूप में लिखकर दिखाएँ। ऊपर बड़ी संख्या लिखें और नीचे छोटी संख्या। समझाएँ– पहले हम इकाई में से इकाई वाला अंक घटाव करते है और फिर दहाई में से दहाई वाला अंक घटाते हैं। सवाल हल करके दिखाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 67 से 13 घटाव करने पर कितना बचता है?
- 83 से 40 घटाव करने पर कितना बचता है?

सप्ताह 10

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तु और चित्र के साथ) हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे हासिल की अवधारणा में अक्सर गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

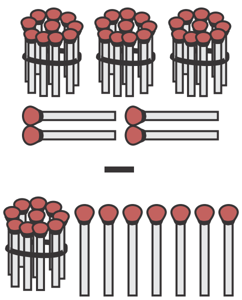

- शिक्षक घटाव के रोचक संदर्भ लेकर बच्चों से बातचीत प्रारंभ करें।
- **पूछें**: दीपक के पास 34 पतंगें हैं। उसकी दीदी ने उससे 17 पतंगें ले लीं। अब दीपक के पास कितनी पतंगें बचीं?
- बच्चों को सोचने का समय दें। जरूरत पड़ने पर कंकड़/माचिस तीली उपयोग करने की सलाह दें।
- **समझाएँ**: कंकड़/माचिस तीली की सहायता से बच्चों को समझाएँ कि कैसे एक समूह की वस्तुओं से कुछ वस्तुओं को निकाल कर बची हुई वस्तुओं की संख्या पता करना ही घटाव है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

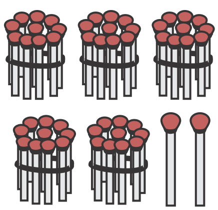

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और घटाव के एक सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें**: अमन के पास 52 तीलियाँ थीं। अमन के 19 तीलियाँ गुम हो गईं। उसके पास कितनी तीलियाँ बची हैं?
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें**: अमन के पास कितनी तीलियाँ थी? कितनी तीलियाँ गुम हो गईं?
- **समझाएँ**: 52 तीलियाँ लो। अब 19 तीलियाँ निकाल दो। देखो कितनी तीलियाँ बचीं?
- **पूछें**: नौ तीलियाँ कैसे कम करेंगे?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : देखें बच्चे कैसे 19 तीलियाँ कम करते हैं। इकाइयों की संख्या 9 से कम हैं। तो एक दस के बण्डल को खोल कर इकाइयों में बदलने को कहें।
- **पूछें**: अमन के पास कितनी तीलियाँ बची हैं?
- कुछ और बच्चों के साथ इसी प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

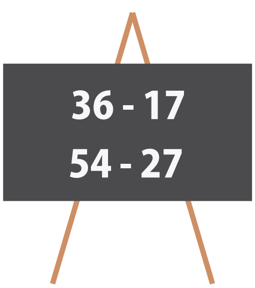

- शिक्षक मेज पर 36 तीलियाँ (तीन दस के बण्डल और 6 खुली) रखें।
- एक–एक कर बच्चों को बुलाएं और 17 तीलियाँ कम करने को कहें।
- ऐसे और कुछ उदाहरण लें।
- 36 में 17 तीलियाँ कम करने से कितनी तीलियाँ बचीं?
- 54 से 27 तीलियाँ घटाव करने से कितनी तीलियाँ बचेंगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|1 कराएँ–पृष्ठ 76

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|1 कराएँ–पृष्ठ 80

सप्ताह 10

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, घटाव–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे अक्सर हासिल को भूल जाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

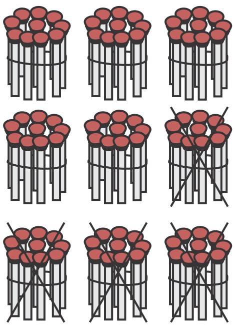

- शिक्षक बच्चों को रोचक संदर्भ में दस के गुणजों में घटाव का एक सवाल दें।
- **पूछें**: मनोज के पास 90 बकरियाँ हैं। वह 40 बकरियों को बाजार में बेच आया। अब उसके कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें।
- शिक्षक माचिस की तीली के दस के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ**: संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही दस के समूह में घटाव करना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	दहाई / बण्डल	इकाई / खुले
	4	
	5	5
–	2	9
	2	**4**

- शिक्षक घटाव के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें**: रमन हलवाई के पास 55 लड्डू हैं। उसने 29 लड्डू बेच दिए। अब उसके पास कितने लड्डू बचे?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- बच्चे को अपने स्तर से सवाल को हल करने दें।
- **समझाएँ**: पहले 55 माचिस की तीलियाँ लो। अब 29 माचिस की तीलियाँ कम करनी हैं। इकाइयों की संख्या 9 से कम है। इसलिए दहाई का एक बण्डल खोलकर इकाई के घर में रखते हुए हासिल की अवधारणा समझाएँ।
- शिक्षक घटाव–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर बच्चों को लम्बवत घटाव करना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

45	54
–36	–27

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत घटाव के हासिल वाले कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 45 में 36 घटाव करने पर कौन सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 54 अंडे हैं। उसने अपने भाई को 27 अंडे दे दिए। आरिफ के पास कितने अंडे बचे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|2 कराएँ–पृष्ठ 77

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|2 कराएँ–पृष्ठ 80

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

गुणा की अवधारणा को बार-बार जोड़ (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन : कंकड़।

नये शब्द : बार–बार जोड़ना।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : समूह बनाने की समझ, समूह की संख्या व समूह में वस्तुओं की संख्या। 1 से 99 तक संख्या ज्ञान और जोड़।

सामान्य भूल : बच्चे यह नहीं समझते कि बार–बार जोड़ करना ही गुणा होता है।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

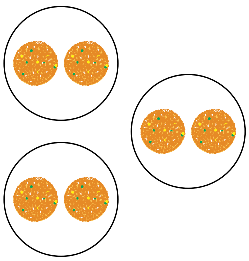

- शिक्षक प्रत्येक बच्चे को कुछ कंकड़ दें और कक्षा की शुरुआत एक सवाल से करें।
- **पूछें** : छोटा भीम नाश्ते, दिन के खाने और रात के खाने में दो–दो लड्डू खाता है? वह पूरे दिन में कितने लड्डू खाता है?
- बच्चों को सवाल हल करने के लिए कंकड़ इस्तेमाल करने की सलाह दें। फिर बच्चों से उत्तर लें।
- शिक्षक कंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए दो–दो कंकड़ों के तीन समूह बनाएँ और बच्चों को दिखाएँ कि कुल संख्या "6" है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

8 + 8 + 8 = 24

- शिक्षक एक पेड़ का चित्र बनाएं, जिसमें तीन शाखाएँ हों और हर शाखा में आठ पत्तियाँ हों।
- **पूछें**: कुल कितनी पत्तियाँ हैं?
- **समझाएँ** : आप 8 को 3 बार जोड़कर कुल पत्तियों की संख्या पता लगा सकते हैं और उसे ऐसे "8+8+8 = 24" लिख सकते हैं।
- अब चित्र में 3 की जगह 4 शाखाएँ और हर शाखा में 8 की जगह 7 पत्तियाँ बना दीजिए।
- **पूछें** : कुल कितनी शाखाएं हैं? हर शाखा में कितनी पत्तियां हैं? कौन सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा? कुल पत्तियों की संख्या क्या है?
- **शिक्षक के लिए बिंदु**: ध्यान दें कि बच्चे समूह में सभी वस्तुओं को गिनकर उत्तर देने की जगह बार–बार जोड़ का इस्तेमाल करें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

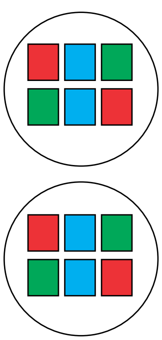

- शिक्षक 2 वृत्त में 6–6 बॉक्स बनाएँ। इसके ऊपर बच्चों से कुछ सवाल पूछें।
- कितने बॉक्स हैं?
- प्रत्येक वृत्त में कितने बॉक्स हैं?
- कौन–सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा?
- कुल कितने वृत्त हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–10|3 कराएँ–पृष्ठ 78

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–10|3 कराएँ–पृष्ठ 80

सप्ताह 10 अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को (वस्तु और चित्र के साथ) हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियाँ।

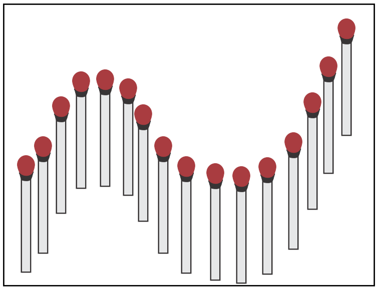

- बच्चों के दो–दो समूह बनाकर माचिस की तीलियाँ दें। बच्चों को माचिस की तीलियों के 10–10 के कुछ बण्डल बनाने को कहें।
- कोई भी दो अंकों की संख्या बालें जैसे 36 और उसे बण्डल व खुली तीलियों से प्रदर्शित करने को कहें।
- अगर हम इन बण्डल और तीलियों में से 19 हटा दें, तो कितने बण्डल और खुली तीलियाँ बचेंगे?
- समझाएँ– 19 तीलियों का मतलब है 1 बण्डल और 9 खुली तीलियाँ।
- हमारे पास 6 खुली तीलियाँ हैं। 6 खुली तीलियों में से 9 खुली तीलियाँ हटाना मुश्किल है, इसलिए हम 1 बण्डल को खोल देंगे। अब हो जायेगा 16 खुली तीलियाँ। 16 तीलियों में से 9 तीलियाँ हटा देंगे। बचेंगी 7 खुली तीलियाँ।
- अब 3 में से 2 बण्डल बचे और हम 2 बण्डल में से 1 बण्डल हटा देंगे। इस तरह हमारे पास बचेगा 1 बण्डल और 7 खुली तीलियाँ यानी 17।

बच्चों के लिए प्रश्न:

32 से 17 घटाव करें तो कितना

अभ्यास गतिविधि 02 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन

कुछ खुली माचिस की तीलियाँ और कुछ 10–10 के बंडल।

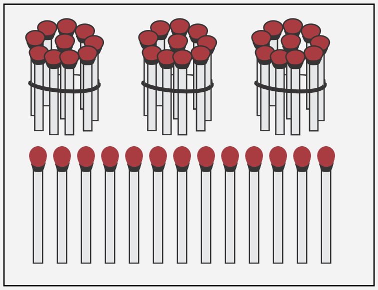

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें।
- बच्चों के लिए सामने घटाव का एक सवाल रखें (उदाहरण– 33–16)।
- प्रश्न के अनुसार बच्चों के समूह को पर्याप्त माचिस की तीलियाँ और बण्डल दें।
- बच्चों को घटाव का सवाल हल करने के लिए पर्याप्त समय दें।
- बच्चों से पूछें, उनमें (33 में) से कितनी तीलियाँ कम करनी हैं। जितनी तीलियाँ कम करनी हैं, उन्हें निकालकर अलग करें।
- बच्चे तीलियाँ नहीं निकाल सके, तो सवाल पूछें कि इतनी (16) तीलियाँ कम करने के लिए कितने खुले और दस के बण्डल चाहिए? अगर इकाइयाँ पर्याप्त नहीं है तो क्या करें? क्या इतने बण्डल पर्याप्त हैं?
- बण्डल और तीलियों से सवाल हल करने के बाद बच्चों को लम्बवत रूप से सवाल लिखकर हल करने के लिए कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

हल करें–

$$\begin{array}{r} 80 \\ -67 \\ \hline \end{array}$$

अभ्यास गतिविधि 03 40 मिनट

गुणा की अवधारणा को बार-बार जोड़ (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन

कुछ नहीं।

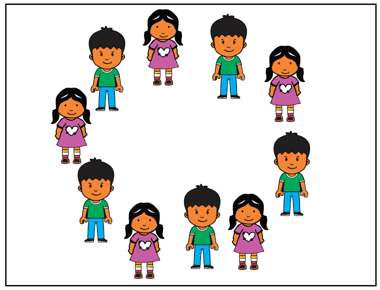

- बच्चों को एक गोल घेरे में खड़ा करें।
- बच्चों को निर्देश दें : 'आपको गोल घेरे में घूमते हुए बोलना है 'आप चाहें जितने', 'हम दें उतने'। जब मैं एक संख्या बोलूँगा तो आपको रुकना है और उतने के समूह बनाने हैं। जैसे–अगर मैंने कहा 4, तो आपको 4–4 के समूह में खड़े होना है।"
- बच्चों के साथ यह खेल खेलें।
- जब बच्चे 4–4 के समूह में खड़े हो जायें, तब उनसे पूछें 4–4 के कितने समूह हैं? जितने समूह हैं, उन सभी समूहों में कुल कितने बच्चे हैं? जैसे– अगर 4–4 के 10 समूह है तो कुल बच्चे हुए 40। कुल बच्चों की संख्या पता करने के लिए 4 को 10 बार जोड़ना होगा। 10 बार 4 को जोड़ा तो हुआ 40।
- इस प्रकार अन्य संख्या के साथ खेल आगे बढ़ाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

7 को 3 बार जोड़ने पर कितना आएगा?

सप्ताह 11

सावधिक आकलन	
10 सावधिक आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}	पिछले 10 सप्ताह की रेमीडीयल गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
सावधिक आकलन सप्ताह — सप्ताह 11	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 रेमीडीयल गतिविधि	रिक्त कालांश

सावधिक ट्रैकर:

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

गुणा की अवधारणा को समूह व समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन : टाइल्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या की समझ।

नये शब्द : कितने समूह, समूह में कितनी वस्तुएँ।

सामान्य भूल : कितने समूह हैं और प्रत्येक समूह में कितनी वस्तुएँ हैं? यह बच्चे आसानी से नहीं समझ पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

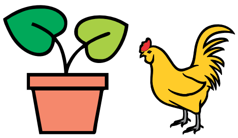

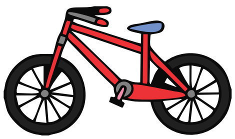

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत जोड़े की अवधारणा से करें। उदाहरण : साइकिल के पहिए, मुर्गे के पैर और इंसानों की आँख आदि।
- **पूछें**: दिए गए उदाहरणों में क्या समानता है?
- बच्चों को सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
- **समझाएँ** : दिए गए सारे उदाहरण जोड़ी में है।
- **पूछें** : ऐसे कुछ वस्तुओं के उदाहरण दीजिए जो चार–चार के समूह में आती हों।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : चर्चा के दौरान समूह और एक समूह में कितनी वस्तुएँ हैं, इस पर जोड़ दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

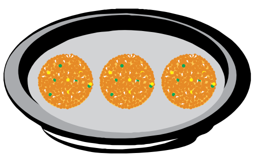

- शिक्षक श्यामपट्ट पर 6 जोड़ी मोजों के चित्र बनाएं।
- **समझाएँ** : यहाँ मोजों के 6 जोड़े हैं। हर जोड़ी में दो मोजे हैं। हम देख सकते हैं कि समूह की संख्या छह है। और प्रत्येक समूह में वस्तुओं की संख्या दो है। कुल वस्तुओं की संख्या पता करने के लिए दो को छह बार जोड़ना होगा।
- **पूछें**: कुल मोजों की संख्या कितनी है?

शिक्षक श्यामपट्ट पर 7 प्लेट बनाएँ और हर एक प्लेट में 3–3 लड्डू बनाएँ।

- **पूछें** : कितने समूह हैं? प्रत्येक समूह में कितनी वस्तुएँ हैं? कुल वस्तुओं की संख्या पता करने के लिए कौन–सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा?
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

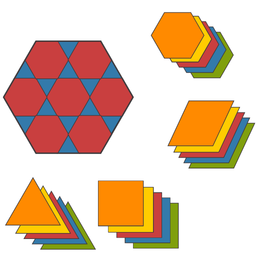

- शिक्षक फर्श पर तीन–तीन टाइल्स के नौ समूह बनाएँ।
- बच्चों से सवाल पूछें और कॉपी में उत्तर लिखने को बोलें।
- टाइल्स के कितने समूह हैं? प्रत्येक समूह में कितने टाइल्स हैं?
- कुल टाइल्स की संख्या पता करने के लिए कौन–सी संख्या को कितनी बार जोड़ना होगा?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|1 कराएँ–पृष्ठ 95

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|1 कराएँ–पृष्ठ 86

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को गुणा कर सकें।

संसाधन : कंकड़, झाडू की सीकें।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या समझ और जोड़ की अधारणा।

नये शब्द : गुणा।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

3 बार 5 बिस्कुट = 15 बिस्कुट

3 गुणा 5 = 15

3 × 5 = 15

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कोई रोचक संदर्भ लेते हुए एक अंकीय गुणा का एक सवाल दें।
- **पूछें**: बिस्कुट के किसी पैकेट में 5 बिस्कुट आते हैं। तो ऐसे 3 पैकेट में कितने बिस्कुट होंगे?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- **समझाएँ**– शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखते हुए समझाएँ।
- इसी प्रकार कुछ और सवालों पर बातचीत करें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चों को गुणा के चिह्न से परिचय कराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

3 × 2 = 6

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कागज पर एक–अंकीय गुणा का एक सवाल लिखें।
- **पूछें** : 4 × 5 =
- **समझाएँ**–बच्चों को समझाते हुए चार बार पाँच–पाँच कंकड़ों का समूह बनाएँ। नीचे लिखें 5 + 5 + 5 + 5= 20। अब एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और एक अंकीय गुणा का एक सवाल लिखें।
- बच्चों को पर्याप्त समय दें और मनकों की सहायता से सवाल हल करने दें। इस प्रकार गतिविधि को दोहराएँ। अब एक और सवाल कागज पर लिखें।
- **पूछें** : 3 × 2= चित्र के अनुसार झाड़ू की सीकों को रखें। बच्चों को उन बिन्दुओं को गिन कर दिखाएँ जहाँ दो सीकें मिल रही हैं। समझाएँ – 3 बार 2 हुए 6।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

8 × 9 =   5 × 6 =

पेंसिल के चार डब्बे हैं। हर डब्बे में 6 पेंसिल है। कुल कितने पेंसिल हैं?

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक अंकीय गुणा के कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 8 × 9=?
- 5 × 6 कितना होता है?
- पेंसिल के चार डब्बे हैं। हर डिब्बे में 6 पेंसिल हैं। कुल कितनी पेंसिल हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|2 कराएँ–पृष्ठ 96

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|2 कराएँ–पृष्ठ 86

सप्ताह 12

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

वस्तुओं (9 तक) को बराबर बाँट सकें।

संसाधन : कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या समझ।

नये शब्द : बराबर बाँटना।

सामान्य भूल : बच्चे वस्तुओं को बाँट देते हैं। परन्तु बराबर है या नहीं यह पता नहीं कर पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक कोई रोचक संदर्भ लेते हुए बराबर बाँटने का एक सवाल बच्चों के सामने रखें।
- **पूछें**: आठ केलों को डेविड, शालू, मंगल और हीरा में बराबर कैसे बाँटेंगे?
- किन्ही चार बच्चों को आगे बुलाएँ और आठ कंकड़ों को आपस में बराबर बाँटने को कहें। बच्चों को पर्याप्त समय दें।
- **समझाएँ** : अब शिक्षक सभी बच्चों को समझते हुए आठ कंकड़ों को चार बच्चों में बाँटें।
- कुछ और उदाहरण के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

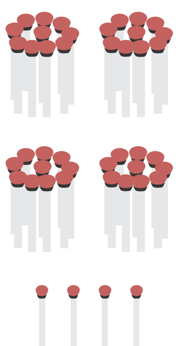

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। किन्ही चार बच्चों को आगे बुलाएँ।
- **पूछें**: 44 मिठाइयों को 4 हलवाई आपस में कैसे बराबर बाँटेंगे?
- बच्चों को सवाल हल करने दें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चों को कंकड़ का इस्तेमाल करने दें। जरूरत पड़ने पर बच्चे की मदद करें।
- **समझाएँ** : शिक्षक 44 कंकडों को चार जगह बाँट कर दिखाएँ।
- इसी प्रकार प्रक्रिया को कई बार दोहराएँ।
- शिक्षक बराबर बाँटने पर एक और सवाल करें।
- **पूछें**: 44 गन्नों को 4 किसान आपस में कैसे बराबर बाँटेंगे?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : इस बार बच्चों को 44 तीलियाँ दें। (4 दस के बण्डल और चार खुले।)
- **समझाएँ** : 44 तीलियों को बिना खोले बाँटना, 44 कंकड़ों को बाँटने में कैसे आसान है।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

24 आमों को तीन बच्चों में बराबर बांटो।

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ सवाल दें।
- बच्चों को सवालों के हल कॉपी में चित्र बनाकर करने को कहें।
- 24 आमों को तीन बच्चों में बराबर बांटो।
- 48 कंचों को चार लड़कियों में बराबर बाँटो।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–12|3 कराएँ–पृष्ठ 97

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–12|3 कराएँ–पृष्ठ 86

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

गुण की अवधारणा को समूह और समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में

संसाधन

माचिस की तीलियां।

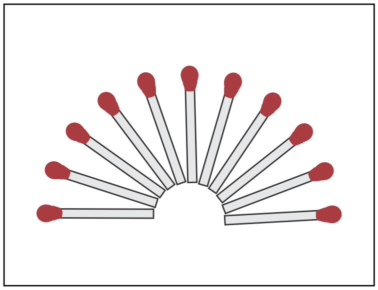

- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें। अपने पास माचिस की तीलियाँ रखें।
- इन तीलियों से कुछ समूह बनाएँ। उदाहरण– तीन–तीन तीलियों के 5 समूह बनाएँ।
- अब बच्चे से प्रश्न करें कि यहाँ कितने समूह हैं? प्रत्येक समूह में कितनी तीलियाँ हैं? कुल कितनी तीलियाँ हैं?
- बच्चों को जवाब देने के लिए प्रेरित करें। फिर समझाएँ– यहाँ 5 समूह हैं। हर समूह में 3 तीलियाँ हैं। और यह कुल 15 तीलियाँ हैं।
- इसी प्रकार तीलियों के अलग–अलग समूह बनाकर दिखाएँ और इसी तरह सवाल पूछें।
- इसके बाद शिक्षक बच्चों को बारी–बारी से आगे बुलाएँ और समूह बनाने को कहें, जैसे–6 वस्तुओं के 3 समूह, 2 वस्तुओं के 4 समूह आदि।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 6 वस्तुओं को 3 समूह हैं, तो कुल कितनी वस्तुएँ हैं?
- 2 वस्तुओं को 4 समूह हैं, तो कुल कितनी वस्तुएँ हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को गुणा कर सकें।

संसाधन

तीलियों के समूह।

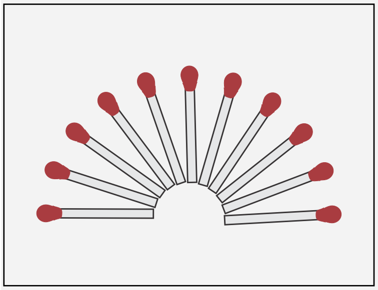

- बच्चों को दो–दो के समूह में विभाजित करें। सभी समूहों को कुछ तीलियाँ दें।
- जिस संख्या का गुणा करना है, इतनी संख्या में तीलियों के समूह बनाकर रख लें। जैसे: 3 का गुणा सिखाना है, 3–3 तीलियों के गुच्छे बनाकर रखें। सभी समूहों को तीलियों के गुच्छे दें।
- बच्चों से पूछें: 3 तीलियों के 2 गुच्छे में कुल कितनी तीलियाँ होंगी?
- बच्चे तीलियाँ गिनकर कुल संख्या पता कर सकते हैं।
- समझाएँ : यह 2 गुच्छे हैं। इसमें 2 बार 3 तीलियाँ आ रही हैं। इसलिए इसे 2 X 3 = 6 लिखा जा सकता है। श्यामपट्ट पर लिखकर उनका परिचय के चिह्न से भी कराएँ।
- अब 3 गुच्छे लें, यही प्रक्रिया करें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- हल करें–

4 X 3 = ______

7 X 4 = ______

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

वस्तुओं को बराबर बाँट सकें।

संसाधन

कंचे।

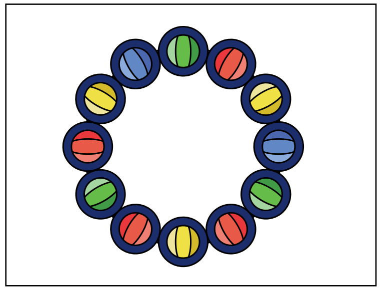

- बच्चों को कुछ कंचे दिखाते हुए बोलें यह मेरे पास 30 कंचे हैं। इन कंचों को 5 बच्चे आपस में बराबर कैसे बाँटेंगे?
- कक्षा में किन्हीं पाँच बच्चों को आगे बुलाएँ और उनमें से किसी एक बच्चे को 30 कंचे दें और उन्हें अपने 5 साथियों को देने को कहें। यह भी बताएँ कि सभी को बराबर–बराबर कंचे देना है।
- पहले पाँचों साथियों को एक–एक कंचे बाँटने को कहें। फिर यही प्रक्रिया तब तक दोहराने को कहें, जब तक उसके पास कंचे खत्म न हो जाए।
- बच्चों से सवाल करें कि 30 कंचों को 5 लोगों में बाँटा तो हर एक बच्चे को कितने कंचे मिले?
- इसी प्रकार कुछ और सवाल का अभ्यास कराएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 36 कंचों को 4 लोगों में बराबर बाँटें तो हर एक को कितने कंचे मिलेंगे?
- 40 कंचों को 8 लोगों में बराबर–बराबर बाँटो?

समेकन गतिविधि

40 मिनट

- **गुणा की अवधारणा को समूह और समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।**
- **एक अंकों की संख्याओं को गुणा कर सकें।**
- **वस्तुओं (9 तक) को बराबर बाँट सकें।**

संसाधन : ब्लॉक/कंकड़।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

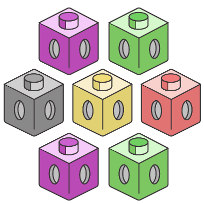

- **समझाएँ:** समूह के प्रत्येक छात्र से दिये हुए ब्लॉक/कंकड़ को 2–2 के समूह में गिनने को कहें। जैसे 2, 4, 6, 8, 10 आदि।
- अब ब्लॉक/कंकड़ 3–3, 4–4, 5–5, 6–6, 7–7, 8–8, 9–9 और 10–10 के समूह में अलग कर के गिनने को कहें।
- सभी छात्रों को प्रक्रिया को पुनः दोहराने को कहें।
- ध्यान दें कि छात्र एक–एक की संगति में गिन रहे हैं या समूह में गिन रहे हैं।
- प्रयास करे कि छात्र समूह में गिने।
- ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

3 X 4 = 12

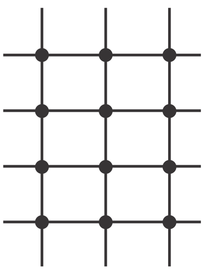

- प्रत्येक समूह को कोई दो अंक गुणा करने को दें।
- **समझाएँ:** प्रत्येक समूह को दिये अंक की संख्या के बराबर खड़ी और पड़ी रेखा खींचने को कहें।
- दोनों रेखाओं के कटान बिन्दु को गिनकर लिखने को कहें। यही संख्याओं का गुणनफल है।
- इस प्रक्रिया से अलग–अलग अंकों को कई बार दोहराएँ। अब श्यामपट्ट पर एक अंकीय गुणा की अवधारणा स्पष्ट करें।
- ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।
- शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर दें।

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

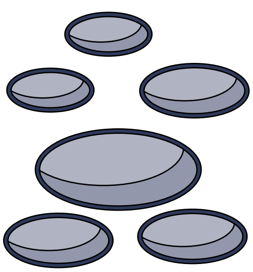

- प्रत्येक समूह को ब्लॉक/कंकड़ अलग–अलग मात्रा में दें।
- **समझाएँ:** समूह के प्रत्येक छात्र से दिये हुए ब्लॉक/कंकड़ को समूह के सदस्यों के साथ बराबर बांटने को कहें।
- इसके लिए एक सदस्य स्वयं को और अन्य सदस्यों को एक–एक करके ब्लॉक/कंकड़ तब तक देगा जब तक ब्लॉक/कंकड़ खत्म अथवा सबको देने के लिए कम न पड़ जाए।
- अब प्रत्येक समूह से पूछें कि उन्हें कितने ब्लॉक/कंकड़ मिले थे, प्रत्येक सदस्य को कितने ब्लॉक/कंकड़ मिले और कितने शेष बचे। सभी छात्रों की प्रक्रिया को अलग–अलग मात्रा के ब्लॉक/कंकड पुनः दोहराने को कहें।
- ध्यान रखें कि हर बच्चा इस प्रक्रिया में भाग ले और अगर कोई बच्चा शांत है तो उसे उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- गुणा की अवधारणा को समूह और समूह में वस्तुओं की संख्या (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।
- एक अंक की संख्याओं का गुणा कर सकें।
- वस्तुओं (नौ तक) को बराबर बाँट सकें।

संसाधन : कंकड़।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

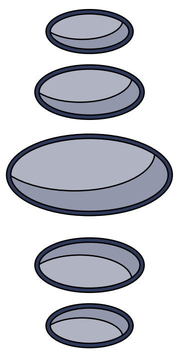

- शिक्षक 5 गुणा 5 के एक तालिका फर्श पर बनाएँ।
- बच्चों को कुछ कंकड़ (50) दीजिये और इस तालिका के खानों में बराबर भरने के लिए कहें।
- बच्चों को तालिका में कंकड़ भरने में मदद करें।
- पहले हर खाने में एक–एक कंकड़ भरने को कहें। इस तरह 25 खानों में 25 कंकड़ आ जाएँगे।
- फिर इस प्रक्रिया को दोहराएँ। इस प्रकार हर खाने में 2–2 कंकड़ आएँगे।

पूछें :

- क्या आप तालिका के खानों की संख्या बता सकते हैं?
- क्या आप कंकड़ों 2 के समूह में गिन सकते हैं?
- क्या इस तालिका को भरने का और भी कोई तरीका हो सकता है?

- शिक्षक बच्चों की प्रश्नों के जवाब देने में मदद करें व सभी बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

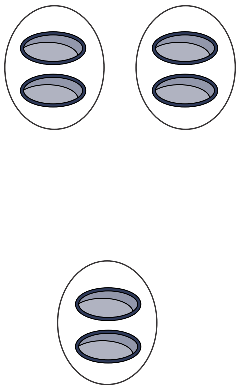

- शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर इन्हें 2 –2 के समूह में गिनें।
- 2 कंकड़ एक बार मतलब 2 कंकड़,
- 2 कंकड़ 2 बार मतलब चार कंकड़,
- 2 कंकड़ 3 बार मतलब छह कंकड़।
- बच्चों की इस प्रक्रिया में शिक्षक मदद करें।

समझाएं:

बच्चों ने किए गए कार्यों को किस प्रकार किया, उन्हें अभिव्यक्ति करने के अवसर दें और आवश्यकता पड़ने पर बच्चों मदद करें।

पूछें :

- 2 कंकड़ 3 बार मतलब कितना होगा?
- तीन कंकड़ दो बार फर्श पर रखें और इस बोलकर बताने को कहें?
- क्या दोनों बार एक ही उत्तर आया? इस पर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।

- शिक्षक बच्चों की प्रश्नों के जवाब देने में मदद करें व सभी बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

भाग की अवधारणा को बार-बार घटाव (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन : कंकड़।

आवश्यक पूर्व ज्ञान :

नये शब्द : भाग, बार–बार घटाव।

सामान्य भूल : बच्चे यह नहीं समझते कि बार–बार घटाव ही भाग है।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

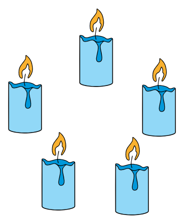

- शिक्षक भाग का एक सवाल बच्चों के सामने रखें।
- **पूछें**: एक दुकानदार के पास 21 मोमबत्तियाँ हैं। 7 मोमबत्तियों का एक पैकेट बनाना है, तो कितने पैकेट बनेंगे?
- बच्चों को सवाल हल करने का पर्याप्त समय दें।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : बच्चे माचिस की तीली या कंकड़ इस्तेमाल करना चाहें तो करने दें।
- **समझाएँ** : 21 खुली तीलियाँ रखें। 7 तीलियाँ अलग कर एक पैकेट बनाएँ। प्रक्रिया को दो बार और दोहराएँ। बच्चों को बताएँ कि हम तीन पैकेट बना सकते हैं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

24 - 4 = 20

20 - 4 = 16

16 - 4 = 12

12 - 4 = 8

8 - 4 = 4

4 - 4 = 0

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें, पास में कुछ मनके और कागज रखें।
- **पूछें** : एक डिब्बे में 24 मिठाइयाँ हैं। कक्षा के प्रत्येक बच्चे को चार–चार मिठाइयाँ देनी हैं, तो कितने बच्चों को मिठाइयाँ मिलेगी?
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ और कंकड़ का इस्तेमाल कर सवाल हल करने को कहें।
- अब सभी बच्चों को समझाते हुए सवाल हल करें।
- **समझाएँ** : कागज में एक डिब्बा बनाएँ, उसके अन्दर 24 कंकड़ रखें। अब चार कंकड़ उठाएँ और एक बच्चे को दें। कागज पर लिखें "24– 4= 20"। बच्चों को बताएँ कि अब 20 मिठाइयाँ बची हैं। फिर से 4 कंकड़ उठाएँ और किसी एक बच्चे को दें। बीस में चार गए तो बचे 16 बोलते हुए लिखें "20–4= 16"। इसी प्रकार आगे बाँटें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

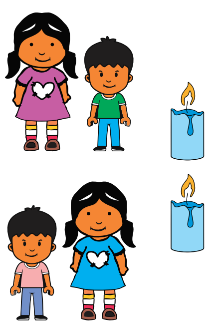

- शिक्षक बच्चों से कुछ सवाल करें। बच्चों को सवालों के हल कॉपी में करने को कहें।
- एक दुकानदार के पास 28 मोमबत्तियां हैं। 4 मोमबत्तियों का एक पैकेट बनाना है, तो कितने पैकेट बनेंगे?
- एक डिब्बे में 44 पेंसिलें हैं। कक्षा के प्रत्येक बच्चे को चार–चार पेंसिलें देनी हैं तो कितने बच्चों को पेंसिलें मिलेंगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|1 कराएँ–पृष्ठ 102

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|1 कराएँ–पृष्ठ 92

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को भाग कर सकें।

संसाधन : कंकड़। माचिस तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 99 तक की संख्या समझ और घटाव की अवधारणा।

नये शब्द : भाग।

सामान्य भूल : कोई भूल नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कुछ तीलियाँ और एक कागज साथ रखें। किसी एक बच्चों को आगे बुलाएं।
- **पूछें** : 9 मोमबत्तियों को अगर तीन पैकेटों में बराबर–बराबर रखना है। हर पैकेट में कितनी मोमबत्तियाँ होंगी?
- बच्चों को पर्याप्त समय दें और तीलियों का इस्तेमाल करने का सुझाव दें।
- **समझाएँ** : 9 तीलियाँ रखें। कागज पर तीन बॉक्स बनाएँ। एक–एक कर 9 तीलियों को बाँट दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

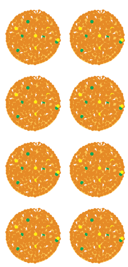

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कुछ कंकड़ और एक कागज साथ रखें। किसी एक बच्चों को आगे बुलाएँ।
- **पूछें**: 8 लड्डुओं को 4 प्लेट पर बराबर–बराबर रखें तो एक प्लेट पर कितने लड्डू होंगे?
- बच्चों को पर्याप्त समय दें और कंकड़ का इस्तेमाल करने का सुझाव दें।
- अब शिक्षक कक्षा के बच्चों को समझाते हुए सवाल को हल करें।
- **समझाएँ** : 8 कंकड़ रखें। कागज पर चार प्लेट बनाएं। एक–एक कर चार प्लेटों पर 8 कंकड़ों को बाँट दें।
- "8 लड्डुओं को बराबर बाँटा 4 प्लेटों में तो एक प्लेट में आए 2 लड्डू।"
- 8 बराबर बाँटा 4 में तो एक को मिला 2
- 8 ÷ 4 = 2
- चारों समूह को देखते हुए कहें। "दो–दो लड्डू के चार समूह। कुल हुए 8 लड्डू।" मतलब 4 बार 2 बराबर 8 4 × 2 = 8
- इस प्रकार कुछ और सवालों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

6 ÷ 3=?
8 ÷ 4=?
4 ÷ 2=?

- शिक्षक बच्चों के सामने भाग के कुछ सवाल रखें।
- सभी बच्चे अपनी–अपनी कॉपी में चित्र/तीली की सहायता से सवाल हल करेंगे।

6 ÷ 3=?
8 ÷ 4=?
4 ÷ 2=?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|2 कराएँ–पृष्ठ 103

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|2 कराएँ–पृष्ठ 92

सप्ताह 13

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

दस और सौ का बण्डल बना और गिन सकें।

संसाधन : मनके, माचिस तीली, रबड़ बैंड/धागा, ब्लॉक्स।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 99 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : सौ।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

- शिक्षक विद्यालय प्रवेश उत्सव पर चर्चा से कक्षा प्रारंभ करें।
- **पूछें**: आपने कब–कब रंग–बिरंगी कागज की झंड़ियाँ बनाई हैं?
- बच्चों के साथ साझा करें कि किस प्रकार रूबी 10–10 झंड़ियों से एक लड़ी बना रही है।
- **पूछें**: दो लड़ियाँ बनाने में कितनी झंड़ियाँ लगेंगी?
- किसी छात्र के पास 9 झंड़ियाँ हैं तो एक लड़ी बनाने के लिए और कितनी झंड़ियाँ चाहिए?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : शिक्षक इस प्रकार के और प्रश्न पूछें। दस, बीस, तीस.. .. जैसे शब्दों पर जोर दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

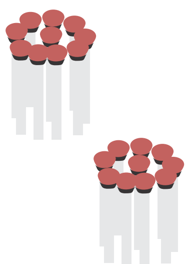

- शिक्षक माचिस तीली से दस का बण्डल बना कर दिखाएँ।
- बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट कर 40 तीलियाँ और चार रबर बैंड दें।
- **समझाएँ** : प्रत्येक बच्चे को 10 तीलियों का एक बण्डल बनाना है।
- **पूछें**: दस–दस के तीन बण्डल मतलब कितनी तीलियाँ?
- दस–दस के सात बण्डल मतलब कितनी तीलियाँ?
- अस्सी तीलियों के लिए दस के कितने बण्डल चाहिए?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : देखें बच्चों ने बण्डल में 10–10 तीलियाँ ही रखी हैं।
- शिक्षक अब मेज के एक तरफ दस के बण्डल और दूसरी तरफ खुली तीलियाँ रखें।
- **पूछें**: सौ तीलियों का एक बण्डल कैसे बनाएं?
- बच्चों को लें और अंत में शिक्षक दस बण्डलों की सहायता से सौ का एक बण्डल बना कर दिखाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

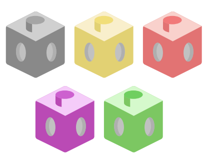

- शिक्षक मेज पर कुछ ब्लॉक्स रखें। एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और दस–दस ब्लॉक्स का एक टावर बनाने को कहें।
- क्या तुम मेरे हाथ में चालीस ब्लॉक्स रख सकते हो?
- चालीस ब्लॉक्स रखने के लिए तुमने कितने टावर रखे?
- साठ ब्लॉक्स देने के लिए 10–10 ब्लॉक्स के कितने टावर देने होंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–13|3 कराएँ–पृष्ठ 104

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–13|3 कराएँ–पृष्ठ 92

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 40 मिनट

भाग की अवधारणा को बार-बार घटाव (एक अंक) के संदर्भ में समझ सकें।

संसाधन

ब्लॉक्स।

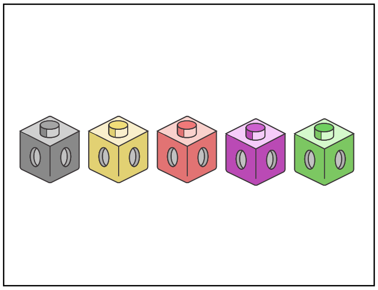

- बच्चों के 12 ब्लॉक्स दिखाते हुए पूछें कि अगर इन्हें 4 बच्चों में बराबर बाँटना है तो कैसे बाँटेंगे।
- पहले चार साथियों को एक–एक ब्लॉक्स बांटने को कहें। समझाएँ 12 कंचों में से 4 कम हो गए बचे 8। यानी 12 – 4 = 8
- फिर एक–एक ब्लॉक्स और बाँटने को कहें। अब 8 में से 4 गए, बचे 4। यानी 8 – 4 = 4
- फिर एक–एक ब्लॉक्स और बाँटने को कहें। अब 4 में से 4 गए, बचे 0। यानी 4 – 4 = 0
- बच्चों से चर्चा करें कि 12 में से 4 को 3 बार घटाव किया तो शेष शून्य आया।
- समझाएँ कि किसी संख्या में से एक ही संख्या को बार–बार घटाव करने की संक्षिप्त प्रक्रिया को भाग कहते हैं।
- उनका परिचय भाग के चिह्न से भी कराएँ 12 ÷ 4

बच्चों के लिए प्रश्न:

? हल करें–

9 ÷ 3 = ______

10 ÷ 2 = ______

अभ्यास गतिविधि 02 40 मिनट

एक अंक की संख्याओं को भाग कर सकें।

संसाधन

गेंद / कंचे / कंकड़ / फूल, बॉक्स आदि

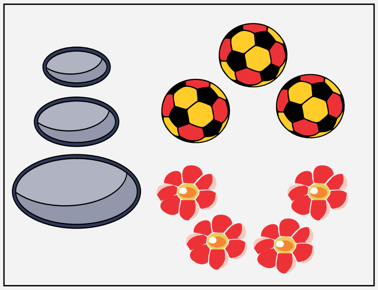

- बच्चों के सामने भाग का कोई सवाल रखें। उदाहरण– 18 गेंद को 3 बॉक्स में बराबर रखना है, तो एक बॉक्स में कितनी गेंदें रखनी होंगी?
- शिक्षक, बच्चों को 3 –3 के समूह में विभाजित कर, गेंद व बॉक्स, प्रत्येक समूह को प्रश्नानुसार वस्तुएं दें।
- बच्चों को वस्तुओं के द्वारा सवाल हल करने के पर्याप्त समय दें।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि एक बॉक्स में कितने गेंद हैं? 18 गेंदों को 3 बॉक्स में कैसे बाँटा गया? गेंद बाँटने के बाद शेष क्या बचा?
- बच्चों को बताएँ कि किसी वस्तु को बराबर–बराबर बाँटते हैं, तो एक समूह में आई चीजें पता करने को हम भाग करते हैं। भाग करने पर मिला उत्तर भागफल कहलाता है। उदाहरण– उपरोक्त में भागफल 6 है।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? हल करें–

8 ÷ 4 = ______

10 ÷ 5 = ______

अभ्यास गतिविधि 03 40 मिनट

दस और सौ का बंडल बना और गिन सकें।

संसाधन

स्ट्रॉ, लकड़ी की डंडियाँ, माचिस की तीलियाँ।

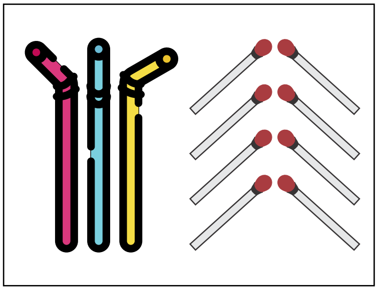

- कक्षा के सभी बच्चे वृत्ताकार में बैठेंगे।
- प्रत्येक बच्चे को एक–एक स्ट्रॉ, माचिस की तीली, डंडियाँ वितरित करें। साथ में उनको गिनकर बताने को कहें।
- जब हर बच्चे के पास 10 की संख्या हो जाए तब उनका एक बण्डल बना लें।
- यह प्रक्रिया तब तक करते रहें, जब तक प्रत्येक बच्चे के पास 10–10 के 10 बण्डल हो जाएं।
- बच्चे से पूछें कि उनके पास कितने बण्डल हैं और कुल कितनी स्ट्रॉ, माचिस की तीली या डंडी हैं?
- बच्चे को बुलाकर 10 बण्डल को गिनकर 100 का एक बण्डल बनाने को कहें।
- इसी प्रकार बच्चों से 10 –10 के 10 बण्डल को मिलाकर एक 100 तीलियाँ बनाने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? एक 10 के बण्डल में कितनी तीलियाँ होती हैं?

? दो 10 के बण्डल में कितनी तीलियाँ होती हैं?

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

100-500 तक की संख्याओं को खुले, 10 और 100 के बण्डल में समझ सकें।

संसाधन : संख्या घर, माचिस तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 99 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : सौ।

सामान्य भूल : सौ के बंडल कितने हैं? पूछने से बच्चे बण्डल की संख्या बताने की जगह कुल तीलियों की संख्या बताते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

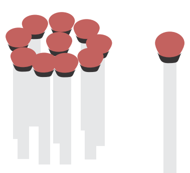

- एक पेज पर एक समूह में 9 दहाई माचिस की तीलियाँ और 9 खुली तीलियाँ एक साथ और थोड़ी दूर दूसरे समूह में 1 खुली तीली रखें।
- किसी बच्चे को दोनों समूह की तीलियों को गिनने को कहें।
- पेज पर तीलियों के नीचे (99+1= 100) लिखते हुए कहें कि "99 में एक मिलाया तो बना 100"।
- शिक्षक इसी प्रकार कुछ और संख्याओं (100–150) पर बात करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

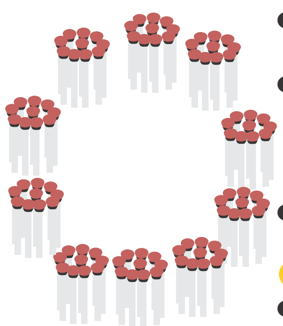

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करें।
- शिक्षक बारी–बारी से बच्चों को आगे बुलाएँ और 150 और 200 के बीच किसी भी संख्या के बराबर माचिस की तीलियाँ दें।
- शिक्षक बच्चे को तीलियाँ गिनने को कहें।
- **पूछें**: कुल कितनी तीलियाँ हैं?
- इसके बाद बच्चों को बण्डल बनाने को कहें। सौ के कितने बण्डल बने, दस के कितने बण्डल बने और खुले कितने बचे उसे चार्ट पर शिक्षक लिखें।
- बच्चे द्वारा बनाए बण्डल और खुले को उचित स्थान पर रखें।
- **समझाएं**– जब दस इकाई हो रही थी तब हम एक बण्डल बना रहे थे। अब जब हमारे पास दस वाले दस बण्डल होंगे तब हम उनसे एक सौ का बण्डल बनाएँगे।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

435
210

- शिक्षक मेज पर तीलियों से बने सौ के बण्डल, दस के बण्डल और कुछ खुले रखें।
- बच्चों को इन तीलियों से अलग–अलग संख्या दर्शाने को कहें।
- ? चार सौ पैंतीस में सौ के कितने बण्डल हैं? दस के कितने बण्डल हैं?
- ? दो सौ दस में कितने सौ के बण्डल और कितने खुले हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|1 कराएँ–पृष्ठ 109

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|1 कराएँ–पृष्ठ 96

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

100-500 तक की संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़ा में समझ और लिख सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस तीली, रबर बैंड, संख्या घर।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 99 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : सौ।

सामान्य भूल : सौ के बण्डल कितने हैं? पूछने से बच्चे बण्डल की संख्या बताने की जगह कुल तीलियों की संख्या बताते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

- शिक्षक फर्श पर उक्त चित्र बनाएँ।
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ।
- बच्चे को दस कंकड़ देकर चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें:** इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए?
- सैकड़े के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ:** तुम्हारे इकाई में चार, दहाई में तीन कंकड़ और सैकड़े में तीन कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास तीन सैकड़ा, तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें:** तीन सैकड़ा, तीन दहाई और चार इकाई मिलाकर कौन सी संख्या बनती है? इस प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु :** जरूरत पड़ने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल करके समझाएँ। बताएँ कि सैकड़े का चार कंकड़, सौ के चार बण्डल को दर्शा रहा है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

सैकड़ा	दहाई	इकाई
3	2	5

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करेंगे।
- शिक्षक एक–एक कर बच्चों को आगे बुलाएँगे। बच्चे को 200 और 500 के बीच किसी भी संख्या के बराबर माचिस की तीलियाँ दें। जैसे: तीन सौ का बण्डल, दो दस का बण्डल और पाँच खुले।
- शिक्षक बच्चे को तीलियाँ गिनने को कहें।
- **पूछें:** कुल कितनी तीलियाँ हैं? सौ के कितने बण्डल हैं?
- बच्चे द्वारा दिए गए बण्डल और खुले को उचित स्थान पर रखें।
- **समझाएँ :** बच्चों को संख्या (325) को "तीन सौ पच्चीस" पढ़कर बताएँ। समझाएँ कि सौ के बण्डल को सैकड़ा, दस के बण्डल को दहाई और खुले को इकाई कहते हैं।
- कुछ और बच्चों के साथ इसी प्रकार प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

335
440
100

- शिक्षक मेज पर सौ के बण्डल, दस के बण्डल और कुछ खुले रखें।
- बच्चों को इन तीलियों से अलग–अलग संख्या दर्शाने को कहें।
- तीन सौ पैंतीस में कितनी दहाई हैं? कितने सैकड़े हैं?
- चार सौ चालीस में कितने सैकड़े और कितनी इकाई हैं?
- एक सौ में दहाई और इकाई के स्थान पर कौन सी संख्याएँ लिखा जाता है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|2 कराएँ–पृष्ठ 110

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|2 कराएँ–पृष्ठ 96

सप्ताह 14

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

1-99 तक संख्याओं को शब्दों में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 99 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कुछ बच्चे अक्सर संख्या लिखते हुए अंकों को सही क्रम में नहीं लिखते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक कक्षा में उचित स्थान पर संख्या चार्ट लटका दें।
- शिक्षक संख्या पर अँगुली रखते हुए संख्या नाम एक–एक बोलते जाएं।
- बच्चों को संख्या नाम साथ में दोहराने को कहें।
- अब किसी एक छात्र को आगे बुलाकर पढ़ने को कहें।

☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु** : जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें।

- **समझाएँ**– शिक्षक 29, 79 और 89 जैसी संख्याओं पर विशेष ध्यान दें। साथ ही संख्या को दहाई से जोड़ कर भी समझाएँ। उदाहरण : चालीस और पाँच, बने पैतालीस।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

52–बावन

53–तिरपन

54–चौवन

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक से पचास तक संख्याओं को अंकों और शब्दों में लिखें।
- लिखते हुए संख्या नाम का उच्चारण करते रहें और बच्चों को दोहराने को कहें।
- बच्चों को इसे अपनी–अपनी कॉपी में लिखने को कहें।
- अब बारी–बारी से एक–एक बच्चों को आगे बुलाएँ।
- **समझाएँ**–बच्चों को बताएँ कि आप एक संख्या नाम बोलेंगे और बच्चों को वह संख्या चार्ट पर दिखाना होगा।

? **पूछें**: इकतालीस कहाँ पर लिखा है?

- **समझाएँ** : जरूरत होने पर बच्चों को समझाएँ कि इकतालीस मतलब चालीस और एक। तो पहले चालीस देखो उसके एक आगे होगा इकतालीस।
- इस प्रकार कुछ और बच्चों के साथ सभी संख्या पर बातचीत करें।

☞ **शिक्षक के लिए निर्देश** : ठीक इसी प्रकार 51 से 100 तक संख्या लिखकर गतिविधि को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

उन्चास

78

चौरासी

- एक–एक कर सभी बच्चों को बुलाकर शिक्षक कोई एक संख्या नाम बोलें।

? बच्चों को संख्या नाम सुनकर संख्या–चार्ट पर दिखाने को कहें।

? उन्चास संख्या चार्ट में कहाँ है? "78" को क्या पढ़ते हैं?

? चौरासी में कितनी दहाई और इकाई हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–14|3 कराएँ–पृष्ठ 111

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–14|3 कराएँ–पृष्ठ 96

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

100-500 तक की संख्याओं को खुले, 10 और 100 के बंडल में समझ सकें।

संसाधन

स्ट्रॉ, माचिस की तीलियाँ, डंडियाँ।

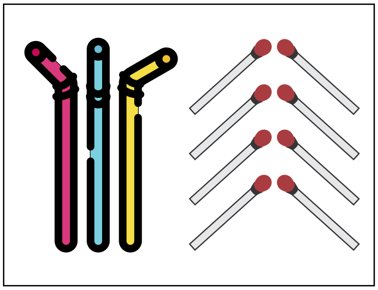

- कक्षा के बच्चों को 10–10 बच्चों के समूह में बाँटें।
- प्रत्येक समूह को स्ट्रॉ/डंडियों से 10–10 का बण्डल बनाने को कहें।
- समूह एक जो कि 10 बच्चों का है, उनको मिलाकर एक पूरा समूह 100 स्ट्रॉ का एक बण्डल बनाएँ।
- इसी तरह 10–10 के बण्डलों को एक पॉकेट में रख कर उन्हें गिनेंगे।
- 100–100 के बण्डल को क्रमशः रखकर उन्हें गिन कर बताएँगे। **जैसे–**

  100 का एक बण्डल=100 तीलियाँ

  100 के दो बण्डल =200 तीलियाँ

  100 के 5 बण्डल =500 तीलियाँ
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 100, 200, 300, 400, 500 दी गई संख्याओं को 10 के बण्डल में प्रदर्शित कर सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

100-500 तक की संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़ा में समझ और लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड।

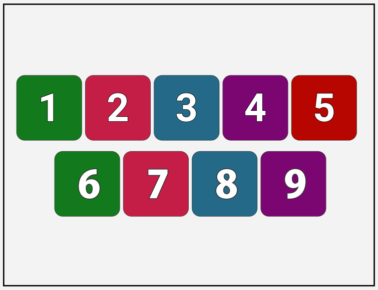

- श्यामपट्ट पर चित्र और वस्तु के माध्यम से एक पेड़, एक बालक, और एक गेंद का चित्र बनाएँ।
- दायीं ओर से शुरू कर पहले गेंद, फिर बालक और पेड़ को उनके क्रमशः नाम दें।
- गेंद की जगह को इकाई का स्थान, बालक को दहाई का स्थान और पेड़ को सैकड़े के नाम से संबोधित करें।
- अब बच्चों से इकाई के स्थान को एक वस्तु की संख्या से समझाएँ।
- बालक को 10 बालकों या 10 वस्तुओं की संख्या से गिनवाकर दहाई के अर्थ को समझाएँ।
- इसी क्रम में 10–10 की वस्तुओं के समूह और 100 का समूह बनाने की बच्चों से गतिविधि कराएं।
- 100 के लिए सैंकड़ा की शब्दावली बच्चों को दें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- बीस बालकों में 10 –10 के कितने समूह होंगे?

  120, 122, 155, 500, 400,
- दी गई संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़े में लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं को शब्दों में लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, इकाई और दहाई फ्लेश कार्ड।

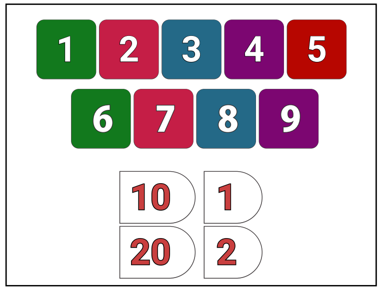

- बच्चों को संख्या कार्ड वितरित करें।
- प्रत्येक बच्चे से उसके पास मौजूद कार्ड को देख कर उसे बोलने को कहें।
- उस संख्या को उच्चारण श्यामपट्ट पर शब्दों में लिखकर उच्चारण सामूहिक कराएँ।
- एक–एक कर संख्या को लिखकर उनको शब्दों में लिखकर बच्चों से लिखने को प्रेरित करें।
- अब 10–10 के बच्चों का समूह बनाकर समूह की गिनती को अपनी कॉपी में श्यामपट्ट पर लिखी गिनती को लिखेंगे।
- शब्दों को फ्लैश कार्ड से गिनती निकालकर गिनतियाँ ढूँढ कर उसे लिखने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 95 को शब्द में लिख सकते हैं?
- पंद्रह, पचास, साठ, बहत्तर, को अंकों में लिख सकते हैं?

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

100-500 तक की संख्याओं को शब्दों में लिख सकें।

संसाधन : संख्या चार्ट, माचिस तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 99 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कुछ बच्चे अक्सर संख्या लिखते हुए अंकों को सही क्रम में नहीं लिखते हैं। अभी अधिक शून्य लगा देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

235
दो सौ पैंतीस

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक तीन अंकीय संख्या लिखें। (उदाहरण: 235)
- **पूछें**: सौ के कितने बण्डल हैं?
- दो बण्डल मतलब कितनी तीलियाँ?
- शिक्षक संख्या के आगे "दो सौ" लिखें।
  पूछें: दस के कितने बण्डल हैं?
- इकाई कितनी हैं?
- तीन दहाई और पाँच इकाई मतलब?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर संख्या के आगे पैंतीस लिखें।
- इसी प्रकार कुछ और संख्याओं के साथ बात करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

310
तीन सौ दस

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक तीन अंकीय संख्या अंकों में लिखें जैसे 310।
- **समझाएँ** : आपको इस संख्या को शब्दों में बोलना और लिखना है।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : जरूरत होने पर बच्चों से सवाल पूछते हुए उसे उत्तर तक पहुँचने में मदद करें। जैसे– इसमें सैकड़े कितने हैं? तो कितने सौ हो गए?
- गतिविधि को और संख्याओं के साथ आगे बढ़ाएं।
- बोर्ड पर एक तीन अंकीय संख्या शब्दों में लिखें जैसे–एक सौ पच्चीस और संख्या घर बनाएं।
- **पूछें**: लिखी हुई संख्या में कितने सौ लिखा है? पच्चीस में कितने दहाई और इकाई होंगे?
- **समझाएँ**: हम सौ के घर में एक, दहाई के घर में दो और इकाई के घर में पाँच लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्या नामों के साथ आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या नाम और कुछ संख्याओं को अंकों में लिखें।
- पूछे गए सवालों के उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।
- पहले संख्या को अंकों में कैसे लिखेंगे?
- दूसरी संख्या का संख्या नाम क्या है?
- तीसरी संख्या को शब्दों में कैसे

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?
हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|1 कराएँ–पृष्ठ 116
नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ
कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:
संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|1 कराएँ–पृष्ठ 100

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

501-999 तक की संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़ा में समझ और लिख सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस तीली, रबर बैंड, संख्या–घर।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 500 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

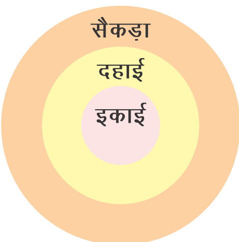

- शिक्षक फर्श पर उक्त चित्र बनाएं। बच्चे को कुछ कंकड़ चित्र पर उछालने को कहें।
- **पूछें**: इकाई के गोले में कितने कंकड़ आए? सैकड़े के गोले में कितने कंकड़ आए?
- **समझाएँ** : इकाई में चार, दहाई में तीन कंकड़ और सैकड़े में पाँच कंकड़ आए। मतलब तुम्हारे पास पाँच सैकड़ा, तीन दहाई और चार इकाई है?
- **पूछें**: पाँच सैकड़ा, तीन दहाई और चार इकाई मिलाकर कौन सी संख्या बनती है?
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : जरूरत पड़ने पर बच्चों को माचिस तीली का इस्तेमाल करके समझाएँ। बताएँ कि सैकड़े के पाँच कंकड़, सौ के पाँच बण्डल को दर्शा रहा है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

संख्या अंक में	सौ का बण्डल	दस का बण्डल	खुले
725	7	2	5

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करेंगे।
- शिक्षक एक–एक कर बच्चों को आगे बुलाएँगे। बच्चे को 500 और 999 के बीच किसी भी संख्या के बराबर माचिस की तीलियाँ दें।
  जैसे: सौ के सात बण्डल, दो दस के बण्डल और पाँच खुले।
- शिक्षक बच्चे को तीलियाँ गिनने को कहें।
- **पूछें**: कुल कितनी तीलियाँ हैं? सौ के कितने बण्डल हैं?
- बच्चे द्वारा दिए गए बण्डल और खुले को उचित स्थान पर रखें।
- **समझाएँ**: बच्चों को संख्या (725) को "सात सौ पच्चीस" पढ़कर बताएँ। समझाएँ कि सौ के बण्डल को सैकड़ा, दस के बण्डल को दहाई और खुले को इकाई कहते हैं।
- कुछ और बच्चों के साथ इसी प्रकार प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

संख्या अंक में	सौ का बण्डल	दस का बण्डल	खुले
835	8	3	5

- शिक्षक मेज पर सौ के बण्डल, दस के बण्डल और कुछ खुले रखें।
- बच्चे को एक दी गई संख्या के बराबर तीलियाँ उठाने को कहें। जैसे: आठ सौ पैंतीस।

- आठ सौ पैंतीस में कितने सैकड़े हैं?
- कितनी दहाई हैं?
- इकाई के स्थान पर कौन सा अंक है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|2 कराएँ–पृष्ठ 117

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|2 कराएँ–पृष्ठ 100

सप्ताह 15

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

501-999 तक की संख्याओं को शब्दों में लिख सकें।

संसाधन : संख्या घर, माचिस तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 999 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कुछ बच्चे अक्सर संख्या लिखते हुए अंकों को सही क्रम में नहीं लिखते हैं। कभी अधिक शून्य लगा देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

535
पांच सौ पैंतीस

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक तीन अंकीय संख्या लिखें। (उदाहरण: 535)
- **पूछें**: सौ के कितने बण्डल हैं? पांच बण्डल मतलब कितनी तीलियाँ?
- शिक्षक संख्या के आगे "पाँच सौ" लिखें।
- **पूछें**: दस के कितने बण्डल हैं? इकाई कितनी हैं?
- तीन दहाई और पाँच इकाई मतलब? शिक्षक श्यामपट्ट पर संख्या के आगे पैंतीस लिखें।
- इसी प्रकार कुछ और संख्या के साथ बात करें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

710
सैकड़ दहाई इकाई

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक तीन अंकीय संख्या अंकों में लिखें जैसे 710।
- **समझाएँ** : आपको इस संख्या को शब्दों में बोलना और लिखना है।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : जरूरत होने पर बच्चों से सवाल पूछते हुए उसे उत्तर तक पहुँचने में मदद करें। जैसे– इसमें सैकड़े कितने हैं? तो कितने सौ हो गए?
- गतिविधि को और संख्याओं के साथ आगे बढ़ाएँ।
- श्यामपट्ट पर एक तीन अंकीय संख्या शब्दों में लिखें जैसे छह सौ पच्चीस और संख्या घर बनाएँ।
- **पूछें**: लिखी हुई संख्या में कितने सौ लिखा है? पच्चीस में कितनी दहाई और इकाई होंगे?
- **समझाएँ**: हम सौ के घर में छह, दहाई के घर में दो और इकाई के घर में पाँच लिखें।
- गतिविधि को अलग–अलग संख्या नामों के साथ आगे बढ़ाएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

आठ सौ तीस
976
600

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ संख्या नाम और कुछ संख्याओं को अंकों में लिखें। पूछे गए सवालों के उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।
- पहले संख्या को अंकों में कैसे लिखेंगे? दूसरी संख्या का संख्या नाम क्या है?
- तीसरी संख्या को शब्दों में कैसे लिखेंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–15|3 कराएँ–पृष्ठ 118

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–15|3 कराएँ–पृष्ठ 100

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

100-500 तक की संख्याओं को शब्दों में लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, इकाई और दहाई फ्लैश कार्ड।

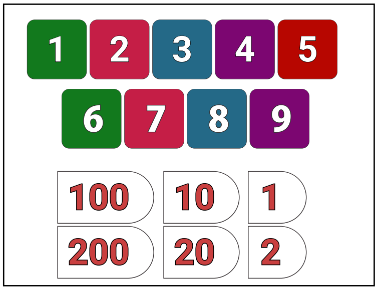

- बच्चों को एक पंक्ति में तीन–तीन के समूह में खड़ा करें।
- अब प्रत्येक बच्चे को संख्या कार्ड दें।
- दायीं ओर से शुरू करते हुए इकाई और दहाई की संख्या को मिलाकर एक समूह बनाकर शिक्षक उस संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें।
- अब तीन अंक की संख्या में दो समूह बनाकर बच्चों को बताएँ।
- बाईं तरफ की संख्या को सैकड़े के साथ पढ़कर लिखेंगे जैसे– (2) 2 3 दो सौ
- इकाई और दहाई की संख्या को एक साथ पढ़कर लिखना बताएँ।
- शिक्षक बच्चों से दायीं तरफ की दोनों संख्याओं को साथ में पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्य को अपने शब्दों में बताने के लिए पर्याप्त समय दें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 450 को शब्द में लिख सकते हैं?
- एक सौ पैंतीस, तीन सौ चार, दो सौ सत्तर को अंकों में लिख सकते हैं?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

501-999 तक की संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़ा में समझ और लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, फ्लैश कार्ड।

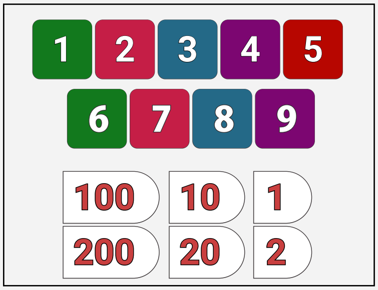

- बच्चों को तीन–तीन की पंक्ति में खड़ा कर इकाई और दहाई को एक समूह बना दें।
- सैकड़े के स्थान के बच्चे को अपनी संख्या के साथ सौ पढ़ना समझाएं और कॉपी पर लिखने को प्रेरित करें।
- दहाई के स्थान पर बच्चों को 10, 20, 30 कमीशन 90 तक के कार्ड, बच्चों को दें।
- इकाई के स्थान पर गिनती कार्ड दें।
- अब बच्चों से कहें कि दहाई वाला बच्चा अपना कार्ड, सैकड़े वाले बच्चे के कार्ड पर इस प्रकार रखे कि उसके सारे शून्य छिप जाएं।
- इसी प्रकार इकाई वाला बच्चा अपनी संख्या इस प्रकार दहाई वाले बच्चे के कार्ड पर रखें उसके सारे शून्य छिप जाएँ।
- अब बनी संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें और उसे बच्चे कॉपी पर लिखेंगे।
- सैंकड़, इकाई और दहाई की संख्या का समूह बनाकर एक साथ पढ़कर लिखेंगे।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 60 में कितनी दहाई है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

501-999 तक की संख्याओं को शब्दों मे लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, इकाई और दहाई फ्लैश कार्ड।

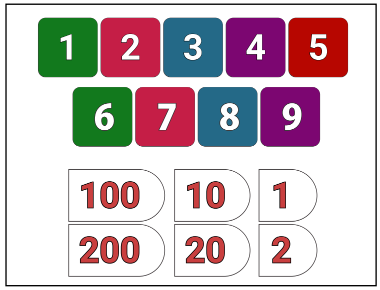

- बच्चों को एक पंक्ति में तीन–तीन के समूह में खड़ा करें।
- अब प्रत्येक बच्चे को संख्या कार्ड दें।
- दायीं ओर से शुरू करते हुए इकाई और दहाई की संख्या को मिलाकर एक समूह बनाकर शिक्षक उस संख्या को श्यामपट्ट पर लिखें।
- अब तीन अंक की संख्या में दो समूह बनाकर बच्चों को बताएँ।
- बाईं तरफ की संख्या को सैकड़े के साथ पढ़कर लिखेंगे जैसे– (2) 2 3 दो सौ।
- इकाई और दहाई की संख्या को एक साथ पढ़कर लिखना बताएं।
- शिक्षक बच्चों से दायीं तरफ की दोनों संख्याओं को साथ में पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को अंकों से बनी संख्या को शब्दों में लिखने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 842 और नौ सौ नब्बे में छोटी संख्या कौन सी है?
- 658 शब्दों में कैसे लिखेंगे?
- सात सौ पच्चीस को अंकों में कैसे लिखेंगे?

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

दो और तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें।

संसाधन : माचिस तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 999 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

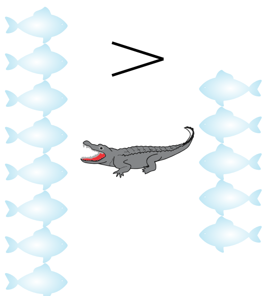

- शिक्षक अपने हाथ से इशारा करें कि वो मगरमच्छ के मुँह जैसा लगें।
- **समझाएँ:** बच्चों को बताएँ कि एक भूखा मगरमच्छ हमेशा वहीं जाएगा जहाँ अधिक भोजन है।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक समूह में बारह और दूसरे समूह में अठारह मछली बनाएँ।
- बच्चे अनुमान लगाएँगे कि मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : एक से निन्यान्नवे तक की संख्याओं का प्रयोग करें।
- इस प्रक्रिया को दोहराएँ।
- जरूरत होने पर एक–एक की संगति करके समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

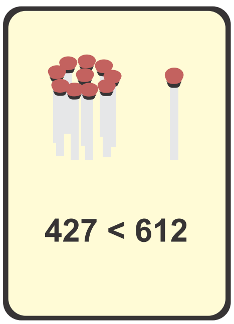

- शिक्षक माचिस की तीलियों के दो समूह बनाएँ।
- **पूछें** : किस समूह में ज्यादा तीलियाँ हैं?
- शिक्षक दोनों समूह की तीलियों को बोल कर गिनें और उचित संख्या लिखें।
- **पूछें** : कौन–सी संख्या बड़ी है और कौन सी छोटी?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : जरूरत पड़ने पर बच्चों को एक–एक की संगति करने दें। बातचीत के अंत में बच्चों को तीनों चिह्नों से परिचय कराएँ। और उदाहरण लेकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो तीन अंकीय संख्या लिखें। जैसे 427 और 612।
- **पूछें:** दोनों संख्याओं को पढ़ो? बताओ कौन सी संख्या बड़ी है? कैसे पता चला कि यह संख्या बड़ी है?
- **समझाएँ:** हम पहले सैकड़े फिर दहाई और अंत में इकाई के अंकों को देखकर तुलना कर सकते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

335, 245
465
353, 863

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या लिखें। जैसे: 335, 245
- पूछे गए सवालों के उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।
- तीन सौ पैंतीस और दो सौ पैंतालिस में कौन सी संख्या बड़ी है?
- चार सौ पैंसठ से छोटी एक संख्या बताओ।
- तीन सौ तिरपन और आठ सौ तिरसठ में कौन सी संख्या छोटी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|1 कराएँ–पृष्ठ 123

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|1 कराएँ–पृष्ठ 104

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

नोटों और सिक्कों की व्यावहारिक उपयोग की समझ बना सकें।

संसाधन : खेल–मुद्रा।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 999 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

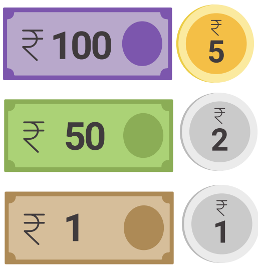

- शिक्षक गुल्लक पर बातचीत से कक्षा प्रारंभ करें।
- **पूछें**: किन–किन बच्चों के पास गुल्लक है?
- गुल्लक में कौन–कौन से सिक्के/नोट डालते हो?
- बच्चों को अपने अनुभव साझा करने दें।
- गुल्लू की गुल्लक की बातचीत साझा करें और पाठ में बने नोट और सिक्के पहचानने को कहें।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : सभी सिक्कों और नोटों के मूल्यों से बच्चों का परिचय कराएँ।
- अब एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और बोले गए रुपये के बराबर खेल–मुद्रा गुल्लक में डालने को कहें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

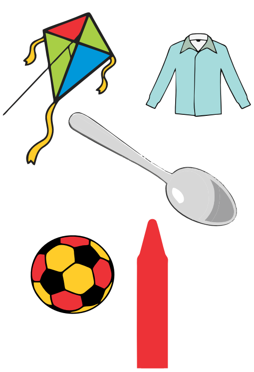

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और अपने पास खेल मुद्रा रखें।
- शिक्षक बारी–बारी से एक वस्तु का नाम लें। उदाहरणः पतंग, बैट, गेंद, बैग, बर्गर...
- **पूछें**: बच्चों को वस्तु की कीमत बताने या अनुमान लगाने को कहें।
- जब सभी बच्चों की एक ही कीमत पर सहमति बन जाए, तब किसी एक बच्चे को उतने रुपये निकालने को कहें। इस प्रकार सभी बच्चों को एक बार मौका दें।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : शिक्षक ध्यान दें कि बच्चे सही नोटों और सिक्कों का चयन कर रहें हैं और उतने ही खेल मुद्रा दे रहे हैं जितना वस्तु का मूल्य है।
- **समझाएँ**: गतिविधि के अंत में सभी सिक्कों और नोटों के मूल्यों से बच्चों का परिचय कराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

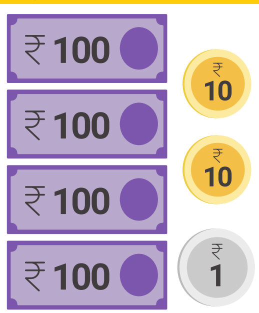

421

- शिक्षक मेज पर खेल मुद्रा रखें। शिक्षक एक संख्या बोलकर संख्या के बराबर मुद्रा देने के लिए बच्चों को कहें। जैसेः चार सौ इक्कीस।
- तुमने मुझे सौ के कितने नोट दिए?
- तुमने मुझे दस के कितने नोट दिए?
- क्या किसी अन्य तरीकों से इतने ही रुपये दिए जा सकते हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँः कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|2 कराएँ–पृष्ठ 124

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|2 कराएँ–पृष्ठ 104

सप्ताह 16

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड, संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 999 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : आरोही, अवरोही।

सामान्य भूल : बच्चे आरोही बोलने से अवरोही और अवरोही बोलने से आरोही क्रम में लगा देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

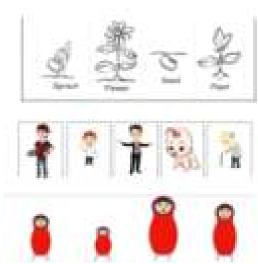

- शिक्षक बातचीत की शुरुआत कुछ ऐसे अवधारणाओं के अलग–अलग स्तर को क्रम में लगाने से करें, जिनसे बच्चे अच्छे से परिचित हों।
- बच्चों को उक्त चित्र कार्ड देकर बढ़ते या घटते क्रम में लगाने को कहें।
- **पूछें**: कौन सा कार्ड सबसे पहले आएगा? उसके बाद कौन सा कार्ड आएगा और क्यों?
- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ चित्र बनाते हुए संख्या पर आधारित बढ़ते और घटते पैटर्न पर बातचीत करें।
- **शिक्षक के लिए बिन्दु** : आरोही व अवरोही शब्दों को भी बच्चों को समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक अपने पास संख्या कार्ड (1–99) रखें।
- बच्चों को कोई भी पाँच कार्ड निकाल कर दें।
- **समझाएँ**: सभी कार्डों पर लिखी संख्या को संख्या चार्ट में ढूँढ़ना है और उन्हें बढ़ते/घटते क्रम में लगाना है।
- **पूछें**: सबसे बड़ी संख्या कौन सी है? दूसरी सबसे बड़ी संख्या कौन सी है?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : सवाल पूछते हुए, बच्चों की मदद ऐसे करें कि वह उत्तर तक पहुँच सकें।
- अब श्यामपट्ट पर चार तीन अंकीय संख्या लिखिए।
- एक बच्चे को आगे बुलाकर इन्हें अवरोही क्रम में लगाने को कहें।
- **समझाएँ**: तीन अंकीय संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में लगाने के लिए पहले सैंकड़े के स्थान के, फिर दहाई और उसके बाद इकाई के स्थान के अंक को देखना चाहिए।
- कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

240	153
569	410

- शिक्षक एक–एक कर चार तीन अंकीय संख्या बोलें।
- बच्चों को इन्हें अपनी कॉपी में अंकों में लिखने को कहें।
- अब इन संख्याओं को अवरोही/आरोही क्रम में लगाने को कहें।
- इन सब में सबसे बड़ी संख्या कौन–सी है?
- दूसरी सबसे बड़ी संख्या कौन सी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–16|3 कराएँ–पृष्ठ 125

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–16|3 कराएँ–पृष्ठ 104

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

दो और तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड ।

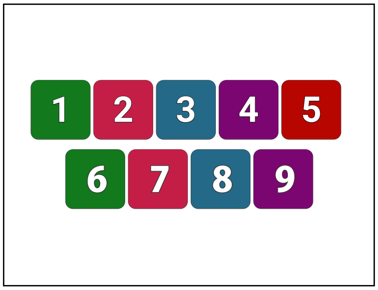

- बच्चों को संख्या कार्ड देकर दो–दो और तीन–तीन के समूह बनाएं।
- दो बच्चों को बुलाकर अपनी संख्या प्रदर्शित करने को कहें, फिर उस संख्या को आपस में बदल कर पढ़ें और श्यामपट्ट पर प्रदर्शित करें।
- तीन अंक की संख्या को बायीं तरफ से शुरू करते हुए सबसे बड़ी, फिर उससे छोटी और इकाई के स्थान पर सबसे छोटी संख्या रखते हुए उनको बताएँ।
- छोटी संख्या बनाने के लिए यही प्रक्रिया दोहराएँ और बायीं ओर से छोटी संख्या रखते हुए उसे प्रदर्शित करें।
- बच्चों को इकाई दहाई और सैकड़े के स्थान पर आई संख्या को बारी–बारी रख कर दो समूह बनाएँ।
- इस संख्या को बराबर अर्थात दोनों समूह की संख्या एक समान है, का अर्थ समझाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- बायीं तरफ की अंक का मान बड़ा करने पर संख्या बड़ी कैसे हो जाती है?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

नोटों और सिक्कों का व्यवहारिक उपयोग की समझ बना सकें।

संसाधन

नोट, सिक्के।

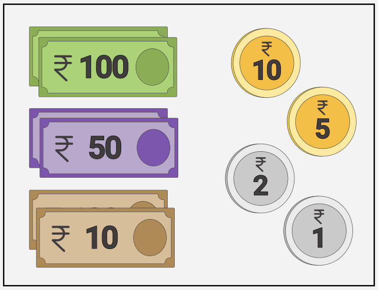

- कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बांटें।
- एक समूह को नोट और दूसरे समूह को सिक्के दें।
- बच्चों से नोट पर छपी गिनती को पूछें और दूसरे समूह के बच्चे उसे रुपये में बताते हैं, जैसे 10 संख्या अर्थात 10 रुपये।
- बच्चों से किसी वस्तु को दिखाकर, उसका मूल्य पता कर, दोनों समूहों से उतने ही रुपये के नोट और सिक्के बताने को कहें।
- संख्या कार्ड दिखाकर इतने रुपये की नोट निकलें।
- बच्चों से पूछें 50 में 10–10 की कितनी नोटें होंगी और 5–5, 2–2 या 10 के कितने सिक्के होंगे?
- बच्चों से चर्चा करें, 500 के नोट में 100–100 की कितनी नोट हैं?
- 20 रुपये के 5 नोट मिलकर कितने रुपये बनते हैं?

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 5 रुपये के 10 नोट कितने रुपये हुए?
- 10 रुपये के 3 नोट, 5 रुपये के 3 सिक्कों का मूल्य बताओ?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।

संसाधन

संख्या चार्ट, कार्ड।

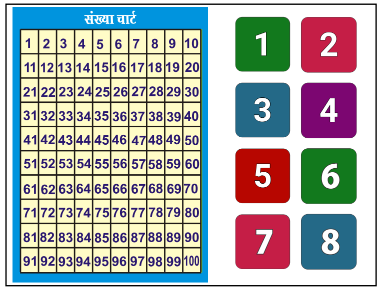

- बच्चों को एक वृत्ताकार आकृति में बैठाएँ।
- सभी बच्चों को एक–एक संख्या कार्ड देंगे।
- अब बच्चों से किसी एक संख्या को गोले के अंदर रखने को कहें।
- अब बच्चों से उस रखी हुई संख्या के आगे की संख्याओं को बढ़ते क्रम में रखने को कहें।
- इस क्रम को आरोही क्रम बताते हुए श्यामपट्ट पर चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित करें।
- शिक्षक के निर्देश पर बच्चे को अब उसी संख्या से छोटी संख्याओं को क्रम में रखते हुए, बच्चों से पूछते हुए करने को कहें।
- इस क्रम को अवरोही क्रम बताते, हुए चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित करें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- आरोही का उल्टा करने पर कौन सा क्रम बनेगा?
- अवरोही का उल्टा क्रम क्या कहलाता है?

सप्ताह 17

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं के पीछे-बाएँ और आगे-दाएँ की संख्या लिख सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे को 1 से 999 तक की संख्या की समझ है।

नये शब्द : कोई नहीं।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

- शिक्षक चार्ट की मदद से दाएँ–बाएँ की अवधारणा पर बातचीत से कक्षा प्रारंभ करें।
- बच्चे के जीवन से जुड़े कुछ और परिस्तिथियों के उदाहरण लेकर बातचीत को आगे बढ़ाएँ।
- अब कुछ बच्चों को एक रेखा में खड़े कर दें।

पूछें: किसी बच्चे के दाएँ या बाएँ में कौन हैं?

शिक्षक के लिए बिन्दु : ध्यान दें कि बच्चे दाएँ/बाएँ की अवधारणा को समझने लगे हैं।

- **समझाएँ**: साथ की बच्चों को आगे/पीछे की अवधारणा भी समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। फर्श पर संख्या चार्ट लगा दें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाएँ। शिक्षक किसी एक संख्या का चयन करें और उसके पूर्ववर्ती और अनुवर्ती संख्या को सफेद कार्ड से छिपा दें।

पूछें: इन दोनों सफेद कार्ड्स के नीचे कौन–सी संख्या छिपी है?

शिक्षक के लिए निर्देश : छिपी संख्याओं को दाएँ/बाएँ से भी संबोधित करें। जरूरत होने पर बच्चों की मदद करें।

- **समझाएँ**: अब सभी बच्चों को संबोधित करते हुए माचिस की तीली की सहायता से समझाएँ कि एक माचिस की तीली कम करके पीछे और एक माचिस की तीली जोड़ कर आगे की संख्या पता कर सकते हैं।
- इस प्रकार सभी बच्चों को आगे बुलाकर गतिविधि को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

372

400

- शिक्षक श्यामपट्ट पर एक तीन अंकीय संख्या लिखें। उसके आगे और पीछे एक बॉक्स बना दें।
- बच्चों को अपने कॉपी में इसे बनाने को कहें और पूछे गए प्रश्नों के हल कॉपी में करने को कहें।

तीन सौ बहत्तर के आगे कौन सी संख्या आएगी?

चार सौ के पीछे कौन सी संख्या आएगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|1 कराएँ–पृष्ठ 130

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|1 कराएँ–पृष्ठ 108

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

1-99 तक की संख्याओं के मध्य रिक्त संख्याओं को भर सकें।

संसाधन : माचिस तीली, संख्या चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 999 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : मध्य, बीच में।

सामान्य भूल : बच्चे क्रम में संख्या लिख/बोल लेते हैं परन्तु बीच की किसी एक संख्या को तुरंत नहीं पढ़ पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

1	2	3
4	5	6
7	8	9

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। एक–एक कर बच्चों को आगे बुलाएँ।
- संख्या–चार्ट पर किसी एक संख्या को कार्ड से छुपा दें।
- **पूछें**: कार्ड के नीचे कौन सी संख्या है?
- अब बच्चे से संख्या के बराबर तीली निकालने को कहें।
- **पूछें**: समूह में एक तीली और जोड़ दें तो कितनी तीलियाँ हो जाएँगी?
- बच्चे बिना गिने नई संख्या बताएँगे और संख्या–चार्ट पर ढूँढेंगे।
- **पूछें**: समूह से एक तीली निकाल दें तो कितनी तीलियाँ हो जाएँगी?
- इस प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

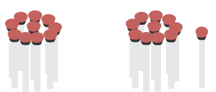

234, ____, ____, 237

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें और बच्चों को बारी–बारी से आगे बुलाएँ।
- संख्या–चार्ट में लगातार तीन संख्याओं के ऊपर कार्ड्स रखें।
- **पूछें**: इन कार्ड्स के पीछे छुपी संख्या कौन–कौन सी हैं?
- **शिक्षक के लिए निर्देश**: जरूरत पड़ने पर बच्चों की मदद करें।
- **समझाएँ**: बच्चों को तीली की मदद से समझाएँ कि कैसे एक तीली जोड़ कर हम आगे की संख्या और एक तीली कम करके पीछे की संख्या बता सकते हैं।
- श्यामपट्ट पर उक्त सवाल लिखें।
- बच्चों को आगे बुलाएँ और रिक्त स्थान भरने को कहें।
- **समझाएँ**: पहले रिक्त स्थान वाली संख्या पिछली संख्या से एक अधिक होगी। तीली की मदद से दिखाएँ कि कैसे सैकड़े और दहाई के अंक वही रहेंगे। इकाई के अंक में वृद्धि होगी।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

312, ____, 314, ____

204, ____, ____, 207

259, ____, 261, ____

- शिक्षक श्यामपट्ट पर सवाल लिखें।
- एक–एक कर बच्चों को आगे बुलाएँ और एक सवाल हल करने को कहें।
- 312 और 314 के बीच कौन की संख्या आएगी?
- 204 और 207 के बीच कौन की दो संख्याएँ आएँगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|2 कराएँ–पृष्ठ 131

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|2 कराएँ–पृष्ठ 108

सप्ताह 17

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

10-50 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन : आइसक्रीम स्टिक, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती, 1 से 99 तक के संख्या नाम।

नये शब्द : विस्तारित रूप।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या नाम तो जानते है लेकिन संख्याओं को विस्तारित रूप में लिखने में गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

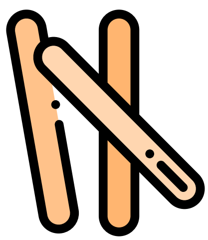

- शिक्षक बच्चों को 20 आइस्क्रीम स्टिक और रबर बैंड दें। अब उन्हें आइस्क्रीम स्टिक से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: आपके पास कुल कितनी आइस्क्रीम स्टिक थीं? कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएँ** : बीस आइसक्रीम स्टिक से 2 बण्डल बने। इसका मतलब 2 बण्डल बराबर 20 आइस्क्रीम स्टिक है।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।
- **शिक्षक के लिए बिंदु** : शुरू में बच्चों को 10 के गुणज में आइस्क्रीम स्टिक दें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

45 = 4 बंडल + 5 खुले

45 = 40 + 5

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह को 45 आइस्क्रीम स्टिक और रबर बैंड दें।
- बच्चों को आइस्क्रीम स्टिक से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछे**: कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएँ**: 45 आइस्क्रीम स्टिक से 10–10 के 4 बण्डल बने और 5 खुले बचे।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 45 को 4 दहाई और 5 इकाई के रूप में लिखें।
- **समझाएँ**: 4 बण्डल बराबर 40 और 5 खुले बराबर 5 आइस्क्रीम स्टिक। इसका मतलब 40 और 5 मिलाकर 45 बनते हैं। हम बोल सकते हैं 45 का विस्तारित रूप हैं 40 + 5।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

17 = ____ + ____
42 = ____ + ____
____ = 20 + 4

- श्यामपट्ट पर यह तीन सवाल दें।
- पहले सवाल का उत्तर क्या है?
- बयालीस का विस्तारित रूप क्या है?
- 20 + 4 किसका विस्तारित रूप है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–17|3 कराएँ–पृष्ठ 132

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–17|3 कराएँ–पृष्ठ 108

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 (40 मिनट)

तीन अंकों की संख्याओं के पीछे-बाएँ और आगे-दाएँ की संख्या लिख सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, डोमिनो, संख्या चार्ट।

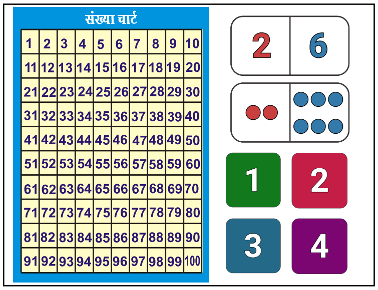

- कक्षा के बच्चों को दो–दो समूहों में बांटकर प्रत्येक समूह को संख्या कार्ड, डोमिनो और गोलियाँ दें।
- किसी एक बच्चे को संख्या कार्ड देकर दोनों समूह के बीच में आकर एक संख्या कार्ड प्रदर्शित करें।
- प्रदर्शित संख्या को देखकर एक समूह आकर, उसके आगे की गिनती पढ़कर, उतनी ही गोलियाँ गिन कर रखेंगे और उस संख्या का संख्या कार्ड प्रदर्शित करेगा।
- दूसरा समूह उसी संख्या के पीछे की गिनती को गिनकर गोलियाँ रखेंगे और वह संख्या कार्ड निकालेंगे।
- श्यामपट्ट पर संख्या का तालिका बनाकर बच्चों से प्रदर्शित संख्या की आगे और पीछे वाली संख्या को अपनी कार्यपुस्तिका में लिखें।
- बातचीत द्वारा बच्चों की मदद करेंगे।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 60 के दो स्थान आगे और चार स्थान पीछे की संख्या आएगी?
- 35 के पाँच संख्या आगे और 3 संख्या पीछे कौन–सी संख्याएँ आएँगी?

अभ्यास गतिविधि 02 (40 मिनट)

1-99 तक की संख्याओं के मध्य रिक्त संख्याओं को भर सकें।

संसाधन

1 से 100 तक की संख्याओ के फ्लैश कार्ड–ब्लाक।

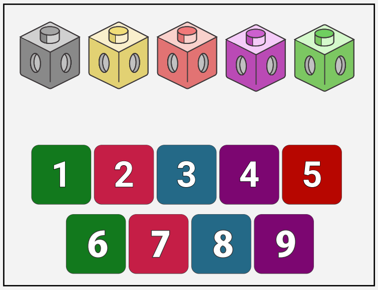

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को 2 समूह में विभाजित करें। पहले समूह को 50 संख्याओं के फ्लेश कार्ड दें और दूसरे समूह को अन्य 50 संख्याओं के फ्लेश कार्ड दें।
- बच्चों को दो संख्या के फ्लेश कार्ड दिखाएँ – 13 और 15। बीच में स्थान खाली छोड़ दें।
- पूछें– यह कौन सी संख्याएँ हैं? इनके बीच में कौन सी संख्या आएगी?
- जिस समूह के पास 14 है, वह आकर 14 लगा देगा।
- इस खेल में बच्चों को दो संख्याओं के बीच आने वाली सही संख्या का फ्लेश कार्ड रखना होगा।
- जिस समूह के फ्लेश कार्ड पहले खत्म हो जायेगा, वह जीत जाएगा।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- अगर इस ब्लॉक के समूह में एक ब्लॉक और जोड़ दें, तो कितने ब्लॉक हो जाएँगे?
- अगर एक ब्लॉक हटा दें, तो कितने ब्लॉक बचेंगे?

अभ्यास गतिविधि 03 (40 मिनट)

10-50 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड।

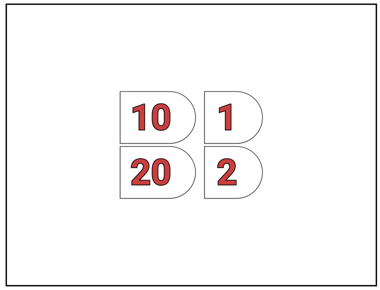

- बच्चों को स्थानीय मान कार्ड दें।
- बच्चों से कहें– मैं एक संख्या बोलूँगा। आपको वह संख्या कार्ड से बनाकर दिखाना है उदाहरण के लिए, 38 को 30 और 8 को कार्ड से दिखाया जा सकता है।
- अब आप एक से पचास के बीच की कोई एक संख्या बोलें। सभी बच्चे संख्या को ध्यान से सुनकर, उस संख्या को स्थानीय मान कार्ड से दिखायेंगे।
- उसके बाद किसी एक बच्चे को आगे बुलाकर बोर्ड पर वह संख्या और उसका विस्तारित रूप लिखने के लिए कहें।
- अन्य बच्चे बतायें कि उसने ठीक लिखा है या नहीं।
- बच्चों के साथ चर्चा करें कि इस संख्या में कितनी दहाई है और कितनी इकाई।
- इस प्रकार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- रिक्त स्थान पर कौन–सी संख्या आएगी?

34 = ______ + 4

सप्ताह 18

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

51-100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन : स्ट्रॉ, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती, 1 से 99 तक के संख्या नाम।

नये शब्द : विस्तारित रूप।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या नाम तो जानते हैं लेकिन संख्याओं को विस्तारित रूप में लिखने में गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

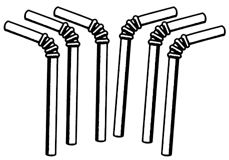

- शिक्षक बच्चों को 60 स्ट्रॉ और रबर बैंड दें। अब उन्हें स्ट्रॉ से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें** : आपके पास कुल कितने स्ट्रॉ थे? कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएँ** : सत्तर स्ट्रॉ से 7 बण्डल बने। इसका मतलब 7 बण्डल बराबर 70 स्ट्रॉ हैं।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिंदु : शुरू में बच्चों को 10 के गुणज में स्ट्रॉ दें जिससे बण्डल बनाने के बाद खुले न बचे।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

83 = 8 बंडल + 3 खुले

83 = 80 + 3

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह को 83 स्ट्रॉ और रबर बैंड दें।
- बच्चों को स्ट्रॉ से 10–10 के बण्डल बनाने को कहें।
- **पूछें**: कितने बण्डल बने? कितने खुले बचे?
- **समझाएँ** : 83 स्ट्रॉ से 10–10 के 8 बण्डल बने और 3 खुले बचे।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 83 को 8 दहाई और 3 इकाई के रूप में लिखें।
- **समझाएँ** : 8 बण्डल बराबर 80 और 3 खुले बराबर 3 स्ट्रॉ। इसका मतलब 80 और 3 मिलाकर 83 बनते हैं। हम बोल सकते हैं कि 83 का विस्तारित रूप है 80 + 3।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

96 = ____ + ____

55 = ____ + ____

____ = 70 + 3

- श्यामपट्ट पर यह तीन सवाल दें।
- 96 को विस्तारित रूप में कैसे लिखेंगे?
- दूसरे सवाल के खाली स्थान में कौन सी संख्या आएगी?
- 70 + 3 किसका विस्तारित रूप है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|1 कराएँ–पृष्ठ 137

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|1 कराएँ–पृष्ठ 112

सप्ताह 18

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें।

संसाधन : कंकड़, माचिस तीली।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 999 तक की संख्या की समझ।

नये शब्द : बड़ा–छोटा और बराबर।

सामान्य भूल : बच्चे तीन–अंकीय संख्या में आसानी से बड़ा–छोटा नहीं बता पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

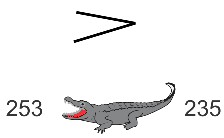

- शिक्षक एक खेल से कक्षा की शुरुआत करेंगे।
- शिक्षक हाथ से इशारा करें कि आप एक मगरमच्छ की भूमिका निभाएँगे।
- **समझाएँ :** एक भूखा मगरमच्छ हमेशा वहीं जाएगा जहाँ अधिक भोजन है।
- शिक्षक बोर्ड पर एक समूह में बारह और दूसरे समूह में अठारह मछली बनाएं।
- बच्चे अनुमान लगाएँगे कि मगरमच्छ किस तरफ मुड़ जाएगा।

☞ **शिक्षक के लिए बिन्दु :** 1 से 999 तक की संख्या का प्रयोग करें।

- इस प्रक्रिया को दोहराएँ।
- जरूरत होने पर एक–एक की संगति करके समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

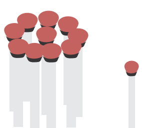

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। कुछ सौ के बण्डल, दस के बण्डल और खुली तीलियाँ रखें।
  माचिस की तीलियों के दो समूह बनाएँ।

पूछें : किस समूह में ज्यादा तीलियाँ हैं?
शिक्षक दोनों समूह की तीलियों को गिनें और संख्या लिखें।

पूछें : कौन–सी संख्या बड़ी हुई और कौन सी छोटी?

☞ **शिक्षक के लिए निर्देश :** जरूरत पड़ने पर बच्चों को एक–एक की संगति करने दें। कुछ और उदाहरण लेकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ।

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर दो तीन अंकीय संख्या लिखें।

पूछें: बताओ कौन सी संख्या बड़ी है? कैसे पता किया?

- सभी बच्चों को प्रतिभाग करने दें।
- **समझाएँ :** कैसे हम पहले सैकड़े फिर दहाई और अंत में इकाई के अंकों को देखकर तुलना कर सकते हैं।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

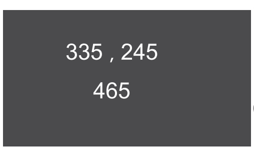

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो संख्या लिखें। जैसे 335 और 245।
- कुछ और उदाहरण लेकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं।

? तीन सौ पैंतीस और दो सौ पैंतालीस में कौन सी संख्या बड़ी है?

? चार सौ पैंसठ से छोटी एक संख्या बताओ।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|2 कराएँ–पृष्ठ 138

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|2 कराएँ–पृष्ठ 112

सप्ताह 18

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते क्रम में लगा सकें।

संसाधन : श्यामपट्ट, चॉक, संख्या कार्ड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 999 तक की संख्या की समझ।

नये शब्द : अवरोही और आरोही।

सामान्य भूल : बच्चे अक्सर इन दो शब्दों के अर्थ याद नहीं रख पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

संख्या चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

- शिक्षक बच्चों के साथ बैठें। अपने पास संख्या कार्ड (1–99) रखें। एक–एक कर बच्चों को बुलाएँ और कोई भी पाँच कार्ड दें।
- **पूछें**: सबसे बड़ी संख्या कौन–सी है?
- दूसरी सबसे बड़ी संख्या कौन सी है?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : सवाल पूछते हुए बच्चों की मदद ऐसे करें कि वह उत्तर तक पहुँच सकें।
- **समझाएँ** : बच्चों को यह समझाएँ कि कैसे पहले दहाई और फिर इकाई के अंकों को देखकर हम संख्याओं को बढ़ते क्रम में लगा सकते हैं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

सैकड़ा	दहाई	इकाई
7	8	2
6	1	9
7	8	5

619, 782, 785

- अब शिक्षक श्यामपट्ट पर चार तीन अंकीय संख्या लिखिए।
- एक बच्चे को आगे बुलाकर इन्हें बढ़ते क्रम में लगाने को कहें।
- **पूछें**: सबसे बड़ी संख्या कौन–सी है?
- दूसरी सबसे बड़ी संख्या कौन–सी है?
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : सवाल पूछते हुए बच्चों की मदद ऐसे करें कि वह उत्तर तक पहुँच सकें।
- **समझाएँ** : बच्चों को यह समझाएँ कि कैसे पहले सैकड़े, फिर दहाई और अंत में इकाई के अंकों को देखकर हम संख्याओं को बढ़ते क्रम में लगा सकते हैं।
- **शिक्षक के लिए निर्देश** : कुछ बच्चों को संख्या को घटते क्रम में लगाने को कहें। बच्चों को अवरोही और आरोही का मतलब भी समझाएँ।
- इस प्रकार कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

712, 300, 721, 348

- शिक्षक एक–एक कर चार तीन अंकीय संख्या बोलें। जैसे 712, 300, 721, 348।
- बच्चों को इन्हें अपनी कॉपी में आरोही क्रम में लगाने को कहें।
- इन सबमें सबसे बड़ी संख्या कौन–सी है?
- दूसरी सबसे बड़ी संख्या कौन–सी है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–18|3 कराएँ–पृष्ठ 139

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–18|3 कराएँ–पृष्ठ 112

सप्ताह 18 अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

51-100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन

कागज के बने कुछ दस के नोट एवं कुछ एक के नोट।

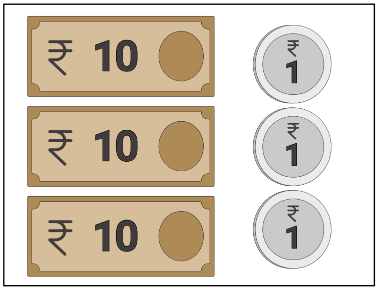

- शिक्षक मेज पर कुछ दस के नोट एवं कुछ खुले नोट (एक के नोट) रख दें।
- अब आप 51 से 100 के बीच कोई एक संख्या बोलें (उदाहरण– 65)।
- बच्चा बताई हुई संख्या (उदाहरण 65) के अनुसार नोट उठाए।
- शिक्षक बच्चों से पूछें कि इस संख्या को बनाने में कितने 10 के नोट लगे और कितने खुले नोट लगे।
- बच्चों को बताएँ कि दस के नोट को दहाई और खुले को इकाई कहते हैं। 1 दहाई, 10 इकाई से मिलकर बना है। उदाहरण के लिए, 65 में अंक 6, दस का नोट/दहाई (मतलब 60) को दर्शाता है। और 5 खुला नोट, इकाई को दर्शाता है।
- कोशिश करें, 51 से 100 तक सभी संख्या पर वार्तालाप हो।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 73 में कितने 10 के नोट और कितने एक रुपये के सिक्के होंगे?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड।

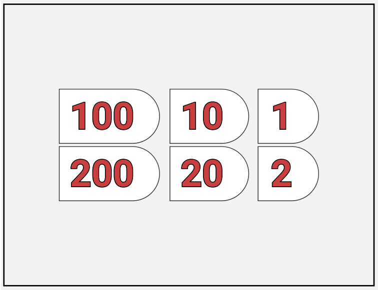

- सभी बच्चों को दो–दो के समूहों में विभाजित करें। सभी बच्चों को स्थानीय मान कार्ड दें।
- "मैं दो संख्या बोलूँगा। आपको दोनों संख्या, संख्या कार्ड से बना कर दिखानी है।"
- उदाहरण के लिए,
- 312 बनाने के लिए, 300 का कार्ड, 10 का कार्ड और 2 का कार्ड दिखाएँ।
- 435 बनाने के लिए, 400 का कार्ड, 30 का कार्ड और 5 का कार्ड दिखाएँ।
- पूछें कि 312 और 435 में से कौन–सी संख्या बड़ी और कौन–सी संख्या छोटी है? साथ ही कारण बताने को कहें।
- समझाएं कि 312 में 3 सौ है और 435 में 4 सौ है। इसलिए 435 बड़ा है।
- बच्चों के साथ बड़ा, छोटा, बराबर की चर्चा के दौरान इनको चिह्नों <, >, = से भी परिचित कराएँ।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- 450 और 540 में कौन बड़ा है?
- 611 और 617 में कौन छोटा है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड, पेंसिल, पत्तियाँ।

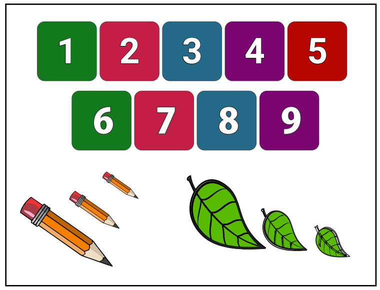

- कक्षा में बातचीत की शुरुआत कुछ वस्तुओं को क्रम में लगाने से करें। जैसे– पत्तियों को छोटे से बड़े के क्रम में लगाएँ, पेंसिलों को लम्बाई के अनुसार व्यवस्थित करें आदि।
- इसके बाद, बच्चों को तीन अंकीय संख्या के आधार पर बढ़ते और घटते पैटर्न पर चर्चा करें।
- पहले तीन अंकीय संख्या कार्ड से कोई 5 कार्ड निकाल कर दिखाएँ पूछें– इनमें से सबसे छोटी संख्या कौन–सी है, उसके बाद कौन सी संख्या है आदि। इस प्रकार, बच्चों को समझाते हुए संख्याओं को बढ़ते हुए क्रम में लगाएँ।
- इसी प्रकार कुछ अन्य संख्याओं को घटते क्रम में लगवाएँ।
- कक्षा में बच्चों को 5–5 के समूह में विभाजित करें प्रत्येक समूह को कोई 5 कार्ड दें, और उन्हें बढ़ते क्रम में लगाने को कहें।

बच्चों के लिए प्रश्नः

- क्या 425, 254, 524 को बढ़ते क्रम में लगा सकते हो?
- क्या 710, 815, 678 को घटते क्रम में लगा सकते हो?

सप्ताह 18 समेकन गतिविधि

40 मिनट

- 51-100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।
- तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें।
- तीन अंकों संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।

संसाधन : पर्ची।

1. प्रक्रिया-1

5 मिनट

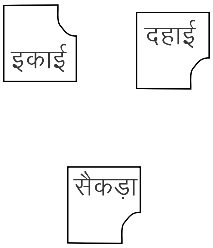

- कक्षा के तीन कोनों को इकाई, दहाई व सैकड़ा का नाम दें। पर्ची चस्पा कर दें।
- शिक्षक ताली बजाएँ व सभी बच्चों को कक्षा में दौड़ने को कहें। ताली के रुकते ही सभी बच्चे किसी भी कोने में खड़े हो जाएँगे।
- अब शिक्षक पहले समूह से इस प्रकार बनने वाली संख्या बताने को कहेंगे।
- **समझाएँ :** उदाहरण के लिए पहले कोने में 4 (इकाई), दूसरे कोने में 5 (दहाई) व तीसरे कोने में 6 (सैकड़ा) बच्चे खड़े हुए तो संख्या बनी 654।
- प्रक्रिया को दो बार और दोहराएँ, दूसरी बार समूह दो व तीसरी बार समूह तीन संख्या बताएगा।
- शिक्षक सभी संख्याओं को श्यामपट्ट पर भी लिखें।

2. प्रक्रिया-2

15 मिनट

654
= 600+50+4

- 654 को हम 6 सैकड़ा, 5 दहाई व 4 इकाई के रूप में लिख सकते हैं।
- इसी प्रकार अन्य संख्याओं को भी लिखवाएँ।
- अब इन संख्याओं को 600 + 50 + 4 के रूप में लिखने को कहें।
- शिक्षक बच्चों की इस प्रक्रिया में मदद करें।
- शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर दें।

पूछें: 545 में कितने सैकड़े हैं।
क्या आप 545 को सैकड़ा, दहाई और इकाई के रूप में लिख सकते हैं?

3. प्रक्रिया-3

20 मिनट

461, 532,
645, 972

- सभी समूह एक–दूसरे के जबाब को जाँचें।
- शिक्षक तीन अंकों की अन्य संख्याएँ श्याम पट्ट पर लिखें।
- बच्चों को घटते क्रम में लिखने को कहें।
- सभी समूह एक–दूसरे के जबाब को जाँचें।
- शिक्षक इस प्रक्रिया में बच्चों की मदद करें व सभी बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।
- शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर दें।

पूछें: क्या आप इन संख्याओं को घटते क्रम में लगा सकते हैं?
461, 532, 645, 972

सप्ताह 18 रेमीडीयल गतिविधि

40 मिनट

- 51-100 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।
- तीन अंकों की संख्याओं में बड़ा, छोटा और बराबर को पहचान सकें।
- तीन अंकों की संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड।

1. प्रक्रिया-1

20 मिनट

- बच्चों को तीन समूह में बाँट दें।
- शिक्षक 0 से 9 तक की संख्याओं की पर्ची बना लें।
- हर समूह को एक पर्ची उठानी है।
- प्रत्येक समूह को अपनी पर्ची की संख्या को श्यामपट्ट पर लिखने को कहें।

पूछें :

- अब इन तीन अंकों से कौन–कौन सी संख्या बनाई जा सकती है?

- प्रत्येक समूह अपने–अपने कार्य को शिक्षक को दिखाएँ।

पूछें:

- क्या शून्य से प्रारम्भ करके संख्या बनाई जा सकती है?
- क्या आप इन संख्याओं की तुलना कर सकते हैं?
- 346 व 420 में कौन सी संख्या छोटी है?
- 455 से बड़ी संख्या बताओ?

2. प्रक्रिया-2

20 मिनट

- प्रक्रिया 1 में बनी संख्याओं में से एक संख्या को शिक्षक विस्तारित रूप में लिखकर दिखाएँ।
- शेष संख्याओं को बच्चे विस्तारित रूप में लिखकर दिखाएँगे।
- अब इन संख्याओं को बढ़ते क्रम में लिखने को कहें।
- बच्चे एक–दूसरे के जबाबों को जाँचें।
- शिक्षक बच्चों का अवलोकन करें व आवश्यकता पड़ने पर बच्चों की

मदद करें।

समझाएँ:

बच्चों ने किए गए कार्यों को किस प्रकार किया, उन्हें अभिव्यक्ति करने के अवसर दें और आवश्यकता पड़ने पर बच्चों मदद करें।

पूछें :

- 4 सैकड़े में कितनी इकाई होती हैं?
- 6 दहाई में कितनी इकाई होगी?
- 60 इकाई में कितनी दहाई होगी?
- 5 दहाई 6 इकाई व 7 दहाई में कौन बड़ा है?

सप्ताह 19

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

1-10 तक रोमन अंकों को पहचान और लिख सकें।

संसाधन : श्यामपट्ट, चॉक।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : 1 से 999 तक की संख्या की समझ।

नये शब्द : रोमन, अंतर्राष्ट्रीय।

सामान्य भूल : कोई नहीं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

1	I
2	II
3	III
4	IV
5	V
6	VI
7	VII
8	VIII
9	IX
10	X

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो कॉलम बनाएं। इन कॉलम में एक से 10 तक क्रमशः अंतर्राष्ट्रीय और रोमन में संख्या लिखें।
- बच्चों को अपनी कॉपी में इसे लिखने को कहें।
- बच्चों से बातचीत करते हुए उनके नाम इंग्लिश और हिंदी में लिखें।
- **समझाएँ** : जिस प्रकार एक नाम को हम दो अलग तरीकों से लिख सकते हैं, उसी प्रकार हम संख्याओं को भी अलग तरीकों से लिख सकते हैं।
- बच्चों को रोमन चिह्न I, V, X और संख्या को लिखने के नियम समझाएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

4	IV
5	V
6	VI

- शिक्षक श्यामपट्ट पर दो कॉलम बनाएं। इन कॉलम में 1 से 10 तक क्रमशः अंतरराष्ट्रीय और रोमन में संख्या लिखें।
- बच्चों को अपनी–अपनी कॉपी में इसे इसी तरह लिखने को कहें।
- **समझाएँ**: शिक्षक बच्चों को रोमन चिह्न I, V, X, L और संख्या को लिखने के नियम समझाएँ।
- 1 से 10 तक प्रत्येक संख्या को नियम समझाते हुए दोबारा लिखें।
- अब एक–एक कर बच्चे को श्यामपट्ट पर बुलाएँ।
- 1 से 10 तक कोई एक संख्या बोलें और बच्चें को उसे रोमन में लिखने को कहें।

☞ **शिक्षक के लिए निर्देश** : जरूरत पड़ने पर बच्चों की मदद करें।

- इस प्रकार कुछ और बच्चों के साथ प्रक्रिया को दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

9 = ________

6 = ________

- शिक्षक 1 से 10 तक कोई एक संख्या बोलें।
- बच्चों को अपने–अपने कॉपी में संख्या को अंतरराष्ट्रीय व रोमन अंक में लिखने को कहें।

? 9 को रोमन में कैसे लिखेंगे?

? 6 को रोमन में कैसे लिखेंगे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|1 कराएँ–पृष्ठ 144

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बादः

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|1 कराएँ–पृष्ठ 118

सप्ताह 19

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं में प्रत्येक अंक का स्थानीय मान को लिख सकें।

संसाधन : स्थानीय मान कार्ड, संख्या कार्ड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती, दो अंक की स्थानीय मान की समझ।

नये शब्द : स्थानीय मान।

सामान्य भूल : कुछ बच्चे अंकों के स्थानीय मान लिखते हुए सही क्रम को भूल जाते हैं और विपरीत दिशा में एक–एक शून्य बढ़ाते जाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

संख्या	सौ का बंडल	दस का बंडल	खुले
478	4	7	8

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँट दें और श्यामपट्ट पर 100 के बण्डल, 10 के बण्डल और खुले की तालिका बनाएँ।
- पहले समूह को तीन–अंकीय संख्या कार्ड दें और उन्हें एक कार्ड दिखाने को कहें। जैसे: 478, दूसरे समूह को उस संख्या के अनुसार उचित अंक श्यामपट्ट पर लिखने को कहें।

पूछें :100 के कितने बण्डल है? 10 के कितने बण्डल? खुले के स्थान में कौन सा अंक लिखना होगा?

- **समझाएँ** : 478 में,100 के चार बण्डल, 10 के सात बण्डल और आठ खुले हैं।
  गतिविधि को एक और उदाहरण के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

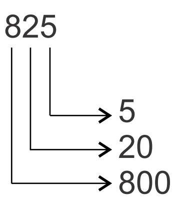

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँटें। प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड दें।
- **समझाएँ** : संख्या 825 में 8 सैकड़ा के स्थान में है। इसलिए 8 का स्थानीय मान हुआ 800। 2, दहाई के स्थान में है, तो उसका स्थानीय मान हुआ 20। 5 इकाई के स्थान पर है तो उसका स्थानीय मान है 5।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 825 के सभी अंकों के स्थानीय मान लिखें।
- अब शिक्षक 931 का संख्या कार्ड दिखाएँ और समूह को प्रश्नों के अनुसार उचित स्थानीय मान कार्ड दिखाने को कहें।

पूछें : 9 का स्थानीय मान क्या है? 3 के स्थानीय मान के लिए कार्ड दिखाओ।

- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

1.	794
2.	675
3.	549

- श्यामपट्ट पर तीन संख्याएं लिखें। बच्चों को कॉपी में पूछे गए सवालों को हल करने को कहें।

तीसरी संख्या में 5 का स्थानीय मान कितना है?

कौन–सी संख्या में 7 का स्थानीय मान 70 है?

उस संख्या पर टिक लगाओ, जिसमें 9 का स्थानीय मान 9 है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|2 कराएँ–पृष्ठ 145

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|2 कराएँ–पृष्ठ 118

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

10-999 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन : स्थानीय मान कार्ड, संख्या कार्ड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : गिनती, 1–999 के संख्या नाम, जोड़ की अवधारणा।

नये शब्द : विस्तारित रूप।

सामान्य भूल : बच्चे संख्या नाम तो जानते हैं लेकिन संख्याओं को विस्तारित रूप में लिखने में गलती करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

संख्या	सैकड़ा	दहाई	इकाई
639	6	3	9

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में बाँट दें। और श्यामपट्ट पर इकाई, दहाई और सैंकड़ा की तालिका बनाएँ।
- पहले समूह को तीन–अंकीय संख्या कार्ड दें और उन्हें एक कार्ड दिखाने को कहें। जैसे : 639, दूसरे समूह को उस संख्या के अनुसार उचित अंक श्यामपट्ट पर लिखने को कहें।

पूछें : सैकड़ा में कौन–सा अंक लिखना है? दहाई में 9 लिखना सही होगा?

- **समझाएँ** : 639 में 6 सैंकड़े के घर में, 3 दहाई के घर में और 9 इकाई के घर में आएगा।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

347	347
=	=
3 सैकड़ा	300
+	+
4 दहाई	40
+	+
7 इकाई	7

- शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह को स्थानीय मान कार्ड दें।
- शिक्षक 347 का संख्या कार्ड दिखाएँ और समूह को उचित स्थानीय मान कार्ड दिखने को कहें।

पूछें: कौन–कौन सा स्थानीय मान कार्ड संख्या 347 को दर्शाता है?

- **समझाएँ** : 347 में 3 सैकड़े , 4 दहाई और 7 इकाई है। 3 सैकड़े बराबर 300, 4 दहाई बराबर 40 और 7 इकाई बराबर 7। इसलिए 347 को दर्शाने के लिए हमने 300, 40 और 7 लिखे हुए स्थानीय मान कार्ड का इस्तेमाल किया है। हम बोल सकते हैं 347 का विस्तारित रूप है 300 + 40 + 7।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 347 के विस्तारित रूप को लिखें।
- गतिविधि को और कुछ उदाहरणों के साथ दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

581 = ____ + ____ + ____

729 = ____ + ____ + ____

___ = 800 + 30 + 4

- श्यामपट्ट पर ये तीन सवाल दें। बच्चों को कॉपी में हल करने को कहें।

पहले सवाल का उत्तर क्या है?

729 का विस्तारित रूप क्या है?

800 + 30 + 4 किसका विस्तारित रूप है?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–19|3 कराएँ–पृष्ठ 146

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–19|3 कराएँ–पृष्ठ 118

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

1-10 तक रोमन अंकों को पहचान और लिख सकें।

संसाधन

रोमन अंकों का कार्ड, संख्या कार्ड।

- शिक्षक बच्चों से कॉपी में अपना नाम हिंदी और इंग्लिश में आमने–सामने लिखने को बोलें। शिक्षक यहाँ कुछ अन्य वस्तुओं के नाम जैसे फूलों, फलों के नाम हिंदी और अंग्रेजी में आमने–सामने लिखने को बोल सकते हैं।
- शिक्षक बच्चों से बातचीत करें कि किस प्रकार एक ही नाम को हम दो अलग तरीकों से लिख सकते हैं? उसी प्रकार हम संख्या को भी तीन अलग–अलग प्रकार से लिख सकते हैं।
- अब शिक्षक बच्चों को रोमन चिह्न से परिचय कराएं।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर 3 कॉलम बनाएं, एक कॉलम में 1–10 देवनागरी, दूसरे कॉलम में अंतर्राष्ट्रीय एवं तीसरे कॉलम में रोमन संख्या को लिखें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 10 को रोमन अंक में कैसे लिखेंगे?
- 6 को रोमन अंक में कैसे लिखेंगे?

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं में प्रत्येक अंक के स्थानीय मान को लिख सकें।

संसाधन

स्थानीय मान कार्ड।

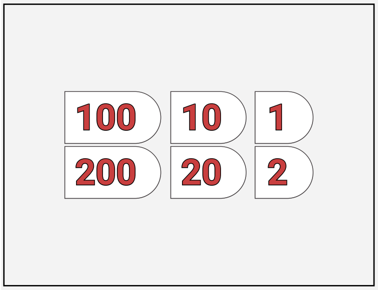

- कोई भी एक तीन अंकीय संख्या को बोर्ड पर लिखें। जैसे– 536
- बच्चों से प्रश्न करें कि 536 में कितने सैकड़े हैं? कितनी दहाई है और कितनी इकाई हैं?
- 500, 30 और 6 का स्थानीय मान कार्ड दिखाएँ और उन्हें साथ में लगा कर दिखाएँ कि यह 536 बनता है।
- सभी बच्चों को 4 के समूह में बाँटें और सभी को स्थानीय मान कार्ड दें।
- "मैं एक संख्या बोलूँगा और उन्हें वो संख्या स्थानीय मान कार्ड से दिखानी है।"
- आप अलग–अलग संख्या बोलें और बच्चों को स्थानीय मान कार्ड से बनाने का मौका दें। स्थानीय मान कार्ड से संख्या दिखाने के बाद चर्चा करें कि इसमें कितने सैकड़े हैं, कितनी दहाई है और कितनी इकाई है।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 736 में 7 और 3 का स्थानीय मान क्या है?
- 820 में 0 का स्थानीय मान क्या है?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

10-999 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख सकें।

संसाधन

श्यामपट्ट , 100, 10 और 1 के कागज के नोट।

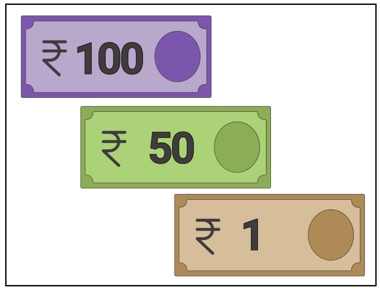

- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठ जायें। अपने पास 100 के, 10 के और 1 के कुछ कागज के नोट रखें।
- बच्चों को निर्देश दें, "मैं कुछ 100 के, 10 के और 1 के नोट दिखाऊँगा। आपको बताना है कि यह कुल कितने रुपये हैं?"
- उदाहरण के लिए, आप 100 के 2 नोट, 10 के 4 नोट और 1 के 7 नोट दिखाएँ। बच्चों से पूछें कि यह कुल कितने रुपये हैं।
- समझाएँ कि यह 100 के 2 नोट, हुए 200 रुपये। 10 के 4 नोट, हुए 40 रुपये। 1 के 7 नोट, हुए 7 रुपये। 200, 40, 7 हुए 247। इसे श्यामपट्ट पर लिख कर भी दिखाएँ।
- अब आप एक संख्या बोलें और बच्चों से कहें कि वे 100, 10 और 1 के नोट से उसे दिखाएं।
- किसी बच्चे को बुलाएँ और वह संख्या नोट से दिखाने के लिए कहें। साथ ही संख्या का विस्तृत रूप श्यामपट्ट पर लिखने को बोलें।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- 327 में 100 के कितने नोट हैं?
- 327 में 10 के कितने नोट होंगे?

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

स्थिर अंतराल (2, 5, 10, 100) के संख्या पैटर्न को समझ और आगे बढ़ा सकें।

संसाधन : संख्या कार्ड।

नये शब्द : पैटर्न ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे स्वाभाविक रूप से आसान पैटर्न में छुपे नियम को समझ लेते हैं। बच्चे संख्या और उसके क्रम से परिचित हैं।

सामान्य भूल : बच्चे छोटे संख्याओं में पैटर्न समझ जाते हैं लेकिन बड़ी संख्याओं के पैटर्न को आसानी से नहीं समझ पाते।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

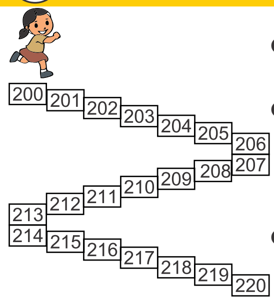

- शिक्षक फर्श पर चित्र के अनुसार संख्या लिखें। (200 से 220 तक)
- **समझाएँ** : इस संख्या में 2 के अंतराल में कूदना है। जैसे– अगर आप पहली संख्या 200 पर खड़े हैं तो आप संख्या 202 पर कूदेंगे।
- एक बच्चे को बुला कर उसे कूदने को कहें।

  पूछें : तीन बार कूदने के बाद कौन सी संख्या पर खड़े होंगे? पाँच बार कूदने के बाद कौन सी संख्या में खड़े होंगे?
- इसी गतिविधि को 5 के अंतराल में कूदने के लिए दोहराएँ।

शिक्षक के लिए बिंदु : जब एक बच्चा कूद रहा हो तो दूसरे बच्चे से संख्याओं को दोहराने को कहें।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

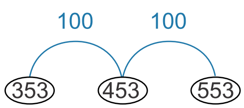

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह संख्या पैटर्न लिखें और बताएं कि यह संख्या पैटर्न एक नियम से लिखा गया है। 353, 453, 553, ... , ... , ...

पूछें : इस संख्या पैटर्न में संख्याएँ किस नियम से लिखी गई हैं?
- बच्चों को सोचकर नियम बताने के लिए प्रोत्साहित करें।
- **समझाएँ** : पहली संख्या है 353 और दूसरी है 453। पहली और दूसरी संख्या में सौ का अंतर है। इसी तरह से दूसरी और तीसरी संख्या में भी सौ का अंतर है।

पूछें : पैटर्न के नियम से तीसरी और चौथी संख्या में कितना अंतर होना चाहिए? चौथी संख्या क्या होगी?
- ऐसे अलग–अलग संख्या पैटर्न श्यामपट्ट पर लिख कर उसे आगे बढ़ाने को कहें।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

501
511
521

- शिक्षक फर्श पर यह संख्या कार्ड रखें। 501, 511, 521, ..., ..., ..., ... बच्चों को इस पैटर्न को अपने कॉपी में बनाकर खाली स्थान को सही संख्या से भरने को कहें।

तीसरे स्थान में कौन–सी संख्या आयेगी ?

पहले स्थान पर 522 आएगा। क्या यह सही है?

दूसरे स्थान पर कौन सी संख्या आएगी?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|1 कराएँ–पृष्ठ 151

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|1 कराएँ–पृष्ठ 122

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं में सम और विषम को पहचान सकें।

संसाधन : कार्ड्स, माचिस की तीली, रबर बैंड।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : दो अंकीय संख्या की समझ।

नये शब्द : सम, विषम।

सामान्य भूल : बड़ी संख्या में बच्चे आसानी से सम और विषम संख्या नहीं पहचान पाते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

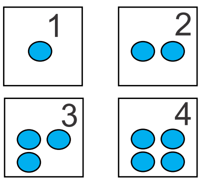

- शिक्षक फर्श पर दिए चित्र के अनुसार एक से दस तक कार्ड बना कर रखें।
- **पूछें** : कार्ड में बने मनकों को देखते हुए कार्ड्स को दो समूहों में वर्गीकृत करो?
- अब बच्चों से उनके वर्गीकरण का आधार भी सुनें।
- **समझाएँ** : कुछ कार्ड्स में मनके जोड़े में हैं। परन्तु कुछ कार्ड्स में एक मनका अकेला है। जिन संख्याओं के जोड़े बन रहे हैं, उसे सम संख्या कहते हैं और जिन संख्याओं में एक मनका अकेला है, उसे विषम संख्या कहते हैं।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

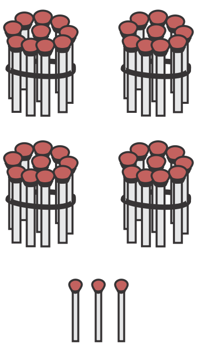

- शिक्षक बच्चों को 43 (चार दस से बण्डल, चार खुले) माचिस की तीली दें।
- **पूछें** : बता सकते हो कि 43 सम है या विषम?
  बच्चों से उनके उत्तर के तर्क सुनें।
- **समझाएँ** : सम या विषम समझने के लिए यह देखना होगा कि सारी तीलियों की जोड़ी बन रही है या नहीं। 43 में चार बण्डल और तीन खुले हैं। चार बण्डल को हम दो–दो की जोड़ी में रख सकते हैं। तीन खुले तीलियों में दो तीलियों की जोड़ी बनेगी लेकिन एक तीली अकेली रह जायेगी। इसका मतलब 43 एक विषम संख्या है।
- दस का एक बण्डल खोल कर दिखाएँ कि सभी तीलियों की जोड़ी बन रही है। अब अलग–अलग संख्या देकर बच्चों से सम और विषम की जांच करने को कहें।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

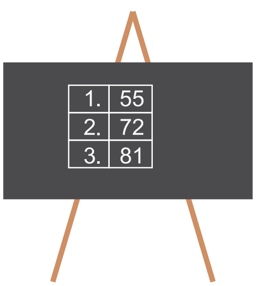

- शिक्षक श्यामपट्ट पर यह संख्याएँ लिखें। पूछे गए सवालों को बच्चों को कॉपी में हल करने को कहें।
- पहली संख्या सम है या विषम?
- "81 एक सम संख्या है" क्या यह कहना सही है?
- सम संख्या को गोला लगाएँ।

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|2 कराएँ–पृष्ठ 152

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|2 कराएँ–पृष्ठ 122

सप्ताह 20

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, जोड़–चार्ट।

नये शब्द : :जोड़ना, इकट्ठा करना।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : :बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

सामान्य भूल : कई बार बच्चे लम्बवत जोड़ में दो संख्याओं को उनके स्थानीय मान के अनुसार नहीं लिखते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

200 + 300

- बच्चों को जोड़ का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 200 बकरियाँ हैं। उसके भाई के पास 300 बकरियाँ हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें।
- शिक्षक सौ के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ :** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही सौ के समूह में जोड़ना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	सौ का बण्डल सैकड़ा	दस का बण्डल दहाई	खुले इकाई
	3	5	2
+	4	3	1
	7	**8**	**3**

- शिक्षक जोड़ के एक सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें :** रमन हलवाई के पास 352 लड्डू हैं। उसने 431 लड्डू और बनाए। अब उसके पास कुल कितने लड्डू हो गए हैं?
- एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें:** रमन के पास कितने लड्डू थे? रमन ने कितने लड्डू और बनाए?
- **समझाएँ :** पहले 352 माचिस की तीलियाँ लो। अब 431 माचिस की तीलियाँ लो। दोनों को मिला कर गिनो।
- **पूछें:** अब कुल कितने हो गए?
- **शिक्षक के लिए निर्देश :** बच्चों को पहले दोनों समूह के इकाई को इकट्ठा कर गिनने को कहें। इसके बाद, इसी प्रकार दहाई और सैकड़े को।
- शिक्षक जोड़–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर और माचिस की तीलियाँ रखते हुए बच्चों को लम्बवत जोड़ना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कुछ बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

```
  405        406
+ 332      + 523
-----      -----
```

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत जोड़ के कुछ सवाल लिखें।
- एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें। 405 में 332 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 406 अंडे हैं। उसके भाई के पास 523 अंडे हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितने अंडे हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–20|3 कराएँ–पृष्ठ 153

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–20|3 कराएँ–पृष्ठ 122

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

स्थिर अन्तराल (2, 5, 10, 100) के संख्या पैटर्न को समझ और आगे बढ़ा सकें।

संसाधन

बड़े कागज पर बिंदियों से बना पैटर्न।

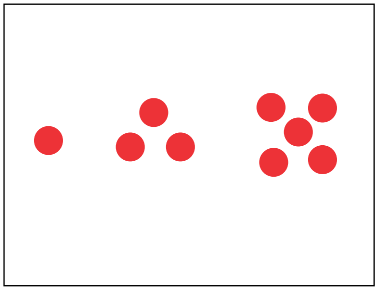

- बच्चों को बिंदियों का पैटर्न दिखाएँ। पूछें : इस पैटर्न में सबसे पहले कितनी बिंदियाँ हैं? फिर कितनी बिंदियाँ हैं? उसके बाद कितनी बिंदियाँ हैं? हर बार कितनी बिंदियाँ जोड़ी जा रही हैं।
- समझाएँ : इसमें पहले 1 बिंदी, फिर 3 बिंदी, फिर 5 बिंदी और फिर 7 बिंदी हैं। हर बार दो बिंदी बढ़ रही हैं। यह एक पैटर्न है। श्यामपट्ट पर यह पैटर्न लिखकर भी दिखाए – 1,3,5,7...
- पूछें: 7 के बाद कितनी बिंदियाँ आएँगी। समझाएँ कि इसके बाद 9 बिंदियाँ आएँगी।
- शिक्षक दूसरा संख्या पैटर्न ब्लैक बोर्ड पर लिखें जैसे – 1,4,7,10........। बच्चों को पैटर्न और संख्या चार्ट को देखकर पैटर्न आगे बढ़ाने को कहें। पूरी कक्षा के बच्चों को पैटर्न का नियम समझाएँ और फिर पैटर्न को आगे बढ़ा कर दिखाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? क्या आप इस पैटर्न को आगे बढ़ा सकते हैं?

12, 22, 32, –––, –––

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

दो अंकों की संख्याओं में सम और विषम को पहचान सकें।

संसाधन

संख्या कार्ड।

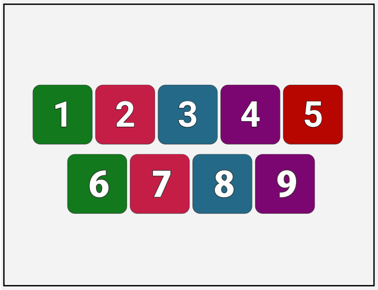

- बच्चों के साथ एक गोल घेरे में बैठें। अपने पास संख्या कार्ड रखें।
- बच्चों को कोई भी एक संख्या कार्ड दिखाएँ।
- कार्ड पर बने बिंदुओं को दिखाकर पूछें कि क्या यह सभी बिंदु जोड़े में हैं? किस कार्ड की बिंदु जोड़े में है? किस कार्ड में बिंदु जोड़े में नहीं है?
- **बच्चों को समझाए** : कुछ संख्या जैसे 6 में सभी बिंदु जोड़े में हैं। पर 7 जैसी संख्या में एक बिंदु अकेला है।
- बच्चों को समझाएँ जिन संख्याओं में बिंदु जोड़े में हैं, उसे सम संख्या और जिन संख्याओं में एक बिंदु अकेला है, उसे विषम संख्या कहते हैं।
- उसके बाद, बच्चों को दो समूहों में विभाजित करें एवं प्रत्येक समूह से बारी–बारी बच्चों को बुलाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? 25 संख्या सम है या विषम?

? 14 संख्या सम है या विषम?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में बिना हासिल के जोड़ सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियों के 100 के, 10 के बंडल और कुछ खुली की तीलियाँ।

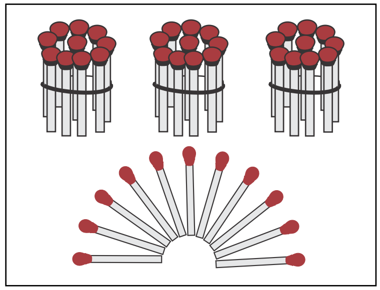

- बच्चों को 5–5 के समूह में बाँट दें। बच्चों के प्रत्येक समूह को 100–100 तीलियों के बण्डल, 10 तीलियों के बण्डल और अलग से कुछ खुली तीलियाँ दें।
- अब दो संख्या बोलें (जैसे– 203 और 125) और बच्चों को वह संख्या बण्डल और तीलियों के माध्यम से दर्शाने के लिए कहें।
- बच्चों से पूछें इन संख्या का जोड़ क्या होगा? बच्चों को अनुमान लगाने को कहें कि इन दो संख्याओं का जोड़ 800 से अधिक होगा या कम? साथ ही बच्चों द्वारा दिए गए जवाब 'कम या ज्यादा' के पीछे तर्क भी पूछें।
- फिर बच्चों से कहें कि वे 100 के बण्डल, 10 के बण्डल और खुली तीलियाँ जोड़ कर उत्तर बताएँ।
- उसके बाद ब्लैक बोर्ड पर संख्या लिखकर बच्चों को लम्बवत जोड़ करने की प्रकिया समझाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

? हल करें–

$$\begin{array}{r} 186 \\ +211 \\ \hline \end{array}$$

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 1

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, जोड़–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। जोड़ की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे अक्सर हासिल को भूल जाते हैं या जोड़ कर पूरी संख्या लिख देते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

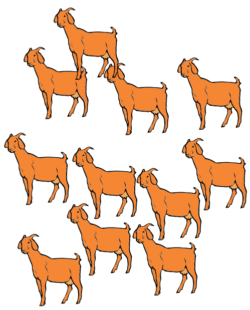

- शिक्षक बच्चों को किसी रोचक संदर्भ में सौ के गुणजों को जोड़ने का एक सवाल दें।

पूछें : मनोज के पास 400 बकरियाँ हैं। उसके भाई के पास 500 बकरियाँ हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितनी बकरियाँ हैं?

- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें।

शिक्षक माचिस की तीली के सौ के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।

समझाएँ : संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस की तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही सौ के समूह में जोड़ना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

	सौ का बण्डल सैकड़ा	दस का बण्डल दहाई	खुले इकाई
	1 3	1 5	5
+	2	7	9
	6	**3**	**4**

- शिक्षक जोड़ के एक सवाल से शुरुआत करें।

पूछें: रमन हलवाई के पास 355 लड्डू हैं। उसने और 279 लड्डू बनाए। अब उसके पास कुल कितने लड्डू हो गए हैं?

- किसी एक बच्चे का आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- बच्चे को अपने स्तर से सवाल को हल करने दें।
- **समझाएँ**: पहले 355 माचिस की तीलियाँ लो। अब 279 माचिस की तीलियाँ लो। दोनों को मिलाकर गिनो। इकाइयों की संख्या दस से अधिक है। दस इकाइयों का एक बण्डल बनाकर दहाई के घर में रखें, इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए हासिल की अवधारणा समझाएँ।
- शिक्षक जोड़–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर और माचिस की तीलियाँ रखते हुए बच्चों को लम्बवत जोड़ना सिखाएँ। प्रक्रिया को कुछ बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

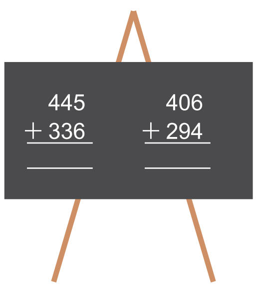

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत जोड़ के हासिल वाले कुछ सवाल लिखें। एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।

445 में 336 जोड़ने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?

आरिफ के पास 406 अंडे हैं। उसके भाई के पास 294 अंडे हैं। दोनों के पास कुल मिलाकर कितने अंडे हैं?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|1 कराएँ–पृष्ठ 158

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|1 कराएँ–पृष्ठ 126

सप्ताह 21

शिक्षण योजना 2

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, घटाव–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : घटाव, कम करना।

सामान्य भूल : कई बार बच्चे लम्बवत जोड़ में दो संख्याओं को उनके स्थानीय मान के अनुसार नहीं लिखते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ)

10 मिनट

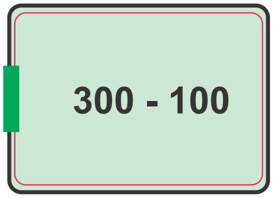

- शिक्षक बच्चों को किसी रोचक संदर्भ में सौ के गुणजों में घटाव का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 300 बकरियाँ हैं। वह 100 बकरियों को बाजार में बेच आया। अब उसके कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें।

शिक्षक माचिस–तीली के सौ के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।

- **समझाएँ :** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस–तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही सौ से समूह में घटाव करना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें)

20 मिनट

	सौ का बण्डल सैकड़ा	दस का बण्डल दहाई	खुले इकाई
	6	4	3
–	3	3	2
	3	**1**	**1**

- शिक्षक घटाव के एक सवाल से शुरुआत करें।
- **पूछें :** रमन हलवाई के पास 643 लड्डू हैं। 332 लड्डू बिक गए। अब रमन हलवाई के पास कितने लड्डू बचे हैं? किसी एक बच्चे को आगे बुलाएं और सवाल हल करने को कहें।
- **पूछें :** रमन के पास कितने लड्डू थे? रमन ने कितने लड्डू बेच दिए?
- **समझाएँ :** पहले 643 माचिस की तीलियाँ लो। अब 332 माचिस की तीलियाँ निकाल लो। गिनकर देखो कितनी तीलियाँ बचीं।
- **पूछें:** कितने लड्डू बचे होंगे?
- **शिक्षक के लिए निर्देश :** बच्चों को समूह से पहले इकाई को। इसके बाद दहाई और फिर सैकड़े को अलग करने को कहें।
- शिक्षक घटाव–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर बच्चों को लम्बवत घटाव करना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कुछ बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो)

10 मिनट

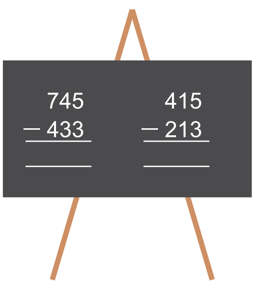

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत घटाव के कुछ सवाल लिखें। एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 745 में 433 घटाव करने पर कौन–सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 415 अंडे हैं। उसने भाई को 213 अण्डे दे दिए। आरिफ के पास कितने अंडे बचे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|2 कराएँ–पृष्ठ 159

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|2 कराएँ–पृष्ठ 126

शिक्षण योजना 3

40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लम्बवत रूप में हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन : माचिस तीली, रबर बैंड, घटाव–चार्ट।

आवश्यक पूर्व ज्ञान : बच्चे 1 से 99 तक की समझ। घटाव की अवधारणा की समझ।

नये शब्द : हासिल।

सामान्य भूल : बच्चे हासिल में अक्सर गलतियाँ करते हैं।

1. परिचय (मैं करूँ) — 10 मिनट

900 - 400

- शिक्षक बच्चों को किसी रोचक संदर्भ में सौ के गुणजों में घटाव का एक सवाल दें।
- **पूछें:** मनोज के पास 900 बकरियाँ हैं। वह 400 बकरियों को बाजार में बेच आया। अब उसके कितनी बकरियाँ हैं?
- बच्चों को अपने स्तर से सवाल हल करने दें। शिक्षक माचिस–तीली के सौ के बण्डल का उपयोग कर सवाल हल करें।
- **समझाएँ :** संख्या बड़ी होने पर कंकड़ के स्थान पर माचिस–तीली का इस्तेमाल ज्यादा आसान है। साथ ही सौ के समूह में घटाव करना आसान है।

2. अवधारणा निर्माण (हम करें) — 20 मिनट

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
	4	4 ~~5~~	5
−	2	2	9
	2	**2**	**6**

- शिक्षक घटाव के एक सवाल के शुरुआत करें।
- **पूछें:** रमन हलवाई के पास 455 लड्डू हैं। उसने 229 लड्डू बेच दिए। अब उसके पास कितने लड्डू बचे?
- किसी एक बच्चे को आगे बुलाएँ और सवाल हल करने को कहें।
- बच्चे को अपने स्तर से सवाल को हल करने दें।
- **समझाएँ :** पहले 455 माचिस की तीलियाँ लो। अब 229 माचिस की तीलियाँ कम करनी हैं। इकाइयों की संख्या 9 से कम है। इसलिए दहाई का एक बण्डल, खोलकर इकाई के घर में रखते हुए हासिल की अवधारणा समझाएं। इसी प्रकार आगे भी समझाएँ।
- शिक्षक घटाव–चार्ट पर उचित संख्या लिख कर बच्चों को लम्बवत घटाव करना सिखाएँ।
- प्रक्रिया को कुछ बार दोहराएँ।

3. अभ्यास (तुम करो) — 10 मिनट

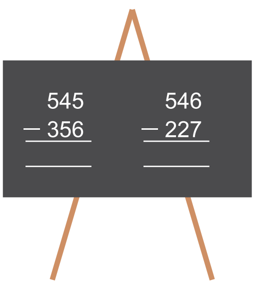

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लम्बवत घटाव के हासिल वाले कुछ सवाल लिखें। एक–एक बच्चों को आगे बुलाकर एक–एक सवाल हल करने को कहें।
- 545 में 356 घटाव करने पर कौन सी संख्या मिलेगी?
- आरिफ के पास 546 अण्डे हैं। उसने अपने भाई को 227 अण्डे दे दिए। आरिफ के पास कितने अण्डे बचे?

क्या 70% छात्रों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए?

हाँ: कार्यपुस्तिका–कार्यपत्रक सप्ताह–21|3 कराएँ–पृष्ठ 160

नहीं: शिक्षण योजना को दोहराएँ

कार्यपत्रक पूरा करने के बाद:

संदर्शिका–अभ्यास गतिविधि सप्ताह–21|3 कराएँ–पृष्ठ 126

अभ्यास गतिविधियाँ

अभ्यास गतिविधि 01 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में हासिल के साथ जोड़ सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियों के 100 के, 10 के बंडल व कुछ खुली की तीलियाँ।

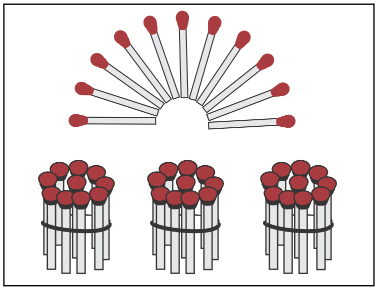

- बच्चों के समक्ष एक सवाल रखें– जैसे– फातिमा के पास 236 रुपये थे। फातिमा के पिता जी ने उसे 116 रुपये और दिए। बताओ फातिमा के पास कुल कितने रुपये हुए?
- कक्षा में बच्चों को 4–4 के समूह में विभाजित करें। अब बच्चों के प्रत्येक समूह को प्रश्नानुसार पर्याप्त तीलियों के बण्डल–झाड़ू की सीकें आदि दे एवं प्रश्न हल करने को कहें।
- पूछें 236 दिखाने के लिए कितने 100 के बण्डल, 10 के बण्डल और कितनी खुली तीलियाँ चाहिए? अब 236 में कितना और जोड़ना है। इसमें कुल कितनी, 100 के बण्डल, 10 के बण्डल और कितनी खुली तीलियाँ चाहिए? अगर इन को जोड़ देंगे तो हमारे पास कितने 100 के बण्डल, 10 के बण्डल और कितनी खुली तीलियाँ हो जाएँगी?

बच्चों के लिए प्रश्न:

हल करें–

$$\begin{array}{r} 392 \\ +589 \\ \hline \end{array}$$

अभ्यास गतिविधि 02 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में बिना हासिल के घटाव कर सकें।

संसाधन

नोट।

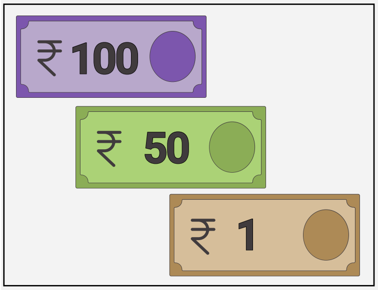

- बच्चों के समक्ष एक सवाल रखें, जैसे– सीमा बाजार गई। उसके पास कुल 425 रुपये थे। उसने 410 रुपये के कपड़े खरीदे। उसके पास अब कितने रुपये बचे?
- कक्षा में से किसी बच्चे को आगे बुलाएँ, उसे 425 रुपये को मेज पर रखे नोट से निकालने को बोलें।
- बच्चे से पूछा, इनमें (425 रुपये) से कितने रुपये कम करने हैं?
- बच्चे से कहें कि जितने रुपये कम करने हैं, उन्हें निकाल कर अन्य बच्चे को दें।
- फिर बच्चे से पूछें कि उसने कितने रुपये दिए? उसके पास कितने रुपये के नोट बचे?
- उसके बाद प्रश्न को श्यामपट्ट पर हल करके भी दिखाएँ।

बच्चों के लिए प्रश्न:

- दाएँ हाथ से ही क्यों घटाव करना शुरू करें? सैकड़े से क्यूँ नहीं?
- सैकड़े को सैकड़े से क्यों घटाया, दहाई से क्यों नहीं?

अभ्यास गतिविधि 03 — 40 मिनट

तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप में हासिल के साथ घटाव कर सकें।

संसाधन

माचिस की तीलियों के 100 के, 10 के बंडल व कुछ खुली की तीलियाँ।

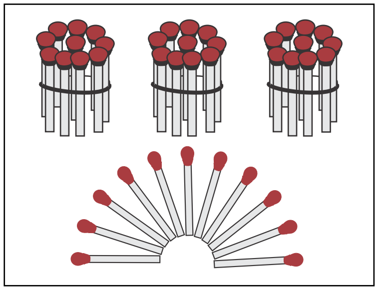

- सम्पूर्ण कक्षा के बच्चों को चार–चार के समूह में विभाजित करें।
- बच्चों के समक्ष एक सवाल रखें, जैसे– 233–116 बराबर कितना हुआ?
- प्रश्न के अनुसार, प्रत्येक समूह को पर्याप्त तीलियों के बण्डल – झाड़ू की सींकें आदि दें।
- पहले बच्चों को 233 बण्डल व खुली तीलियों से बनाने का मौका दें। 233 को 100 के 2 बण्डल, 10 के 3 बण्डल और 3 खुली तीलियाँ से दिखाया जा सकता है।
- बच्चों से पूछें कि 116 तीलियाँ कम करने के लिए आपको कितने 100 के बण्डल, 10 के बण्डल व कितनी खुली तीलियाँ चाहिए? क्या इतने बण्डल पर्याप्त हैं? अगर इकाईयाँ पर्याप्त नहीं, तो क्या करें?
- समझाएँ कि अगर इकाई पर्याप्त नहीं है तो हम 10 का बण्डल खोल सकते हैं और फिर घटाव कर सकते हैं।

बच्चों के लिए प्रश्न:

हल करें–

$$\begin{array}{r} 712 \\ -468 \\ \hline \end{array}$$

सप्ताह 22

सावधिक आकलन	
10. सावधिक आकलन पत्रक {कार्यपुस्तिका}	पिछले 10 सप्ताह की रेमीडीयल गतिविधि {शिक्षक संदर्शिका}

कालांश	1 2 3	1 2 3	1 2 3
सावधिक आकलन सप्ताह — सप्ताह 22	10 सावधिक आकलन कार्यपत्रक	10 रेमीडीयल गतिविधि	रिक्त कालांश

सावधिक ट्रैकर

शिक्षण अधिगम सामग्री

उपयुक्त वातावरण के निर्माण और शिक्षण कार्य के लिए संसाधन सभी विद्यालयों के लिए सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इनका कक्षा कार्य में अधिगम सहायक सामग्री के रूप में योजना के अनुसार उपयोग करें।

उपलब्ध शिक्षण अधिगम सहायक सामग्रियों का विवरण और उनके उपयोग से संबंधित जानकारी यहाँ दी गई है।

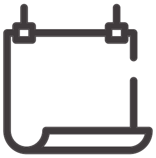

पोस्टर (12)

बच्चों के दैनिक जीवन और बुनियादी गणित की अवधारणाओं को चित्रित करते पोस्टर कक्षा में उपयुक्त वातावरण निर्माण के लिए उपयोगी हैं।
कक्षा की दीवारों पर सभी पोस्टर को लगाएँ।

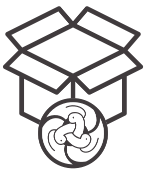

गणित किट (11)

शिक्षण कार्य के दौरान गणित किट के साथ कार्य करने के अवसर बच्चों को दक्षता प्राप्त करने में सहयोग करते हैं और अवधारणात्मक समझ को स्पष्ट करते हैं।
कक्षा में गणित किट को रखने के लिए गणित कोना बनाएँ।

गणित कार्ड और बोर्ड (7)

अवधारणात्मक समझ को स्पष्ट करने और उनके अनुप्रयोग में गणित कार्ड और बोर्ड उपयोगी हैं। गणित कार्ड और बोर्ड का उपयोग बच्चे में अवधारणाओं के संकेतीय पहलुओं को भी स्पष्ट करता है।
गणित कार्ड और बोर्ड के साथ बच्चों को समूह में कार्य दें।

पोस्टर

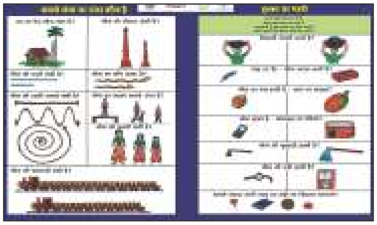

ऊँचा–नीचा, हल्का–भारी

मोटा–पतला, एक–अनेक, कम–ज्यादा

दूर–पास व ऊपर–नीचे

अंदर–बाहर, दाएँ–बाएँ

एक से दस की गिनती व शून्य

1 से 100 की संख्या

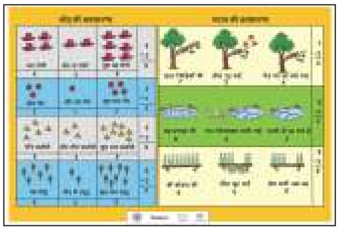

जोड़ व घटाव

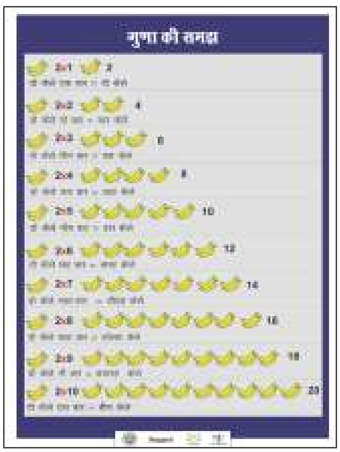

गुणा की समझ

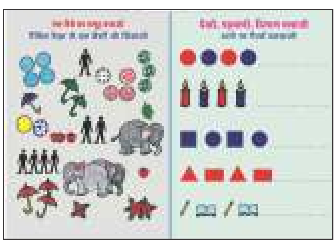

वर्गीकरण व पैटर्न

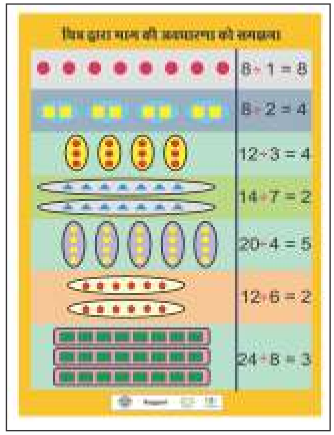

भाग की अवधारणा

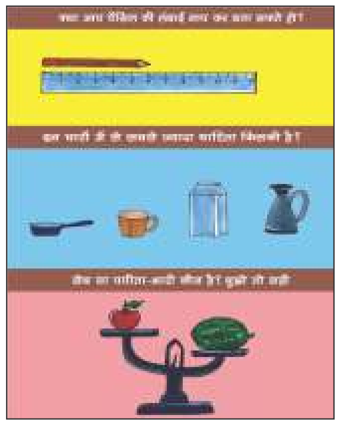

लंबाई, भार व धारिता

2 डी व 3 डी आकार

गणित किट

ठोस आकृतियाँ

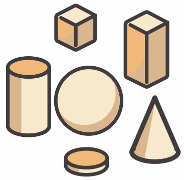

टाइल्स

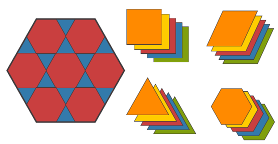

स्टाम्पिंग पात्र और स्टाम्प पैड

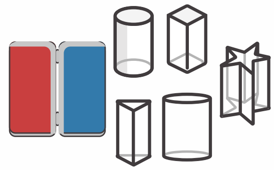

डोमिनो संख्या कार्ड

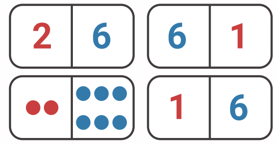

स्थानीय मान कार्ड

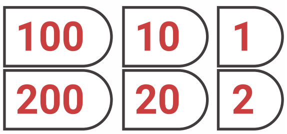

घड़ी

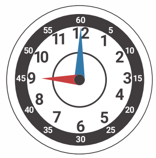

पासे

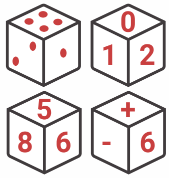

खेल मुद्रा

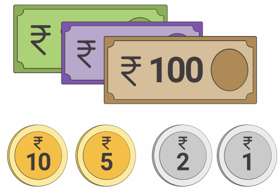

ब्लॉक्स

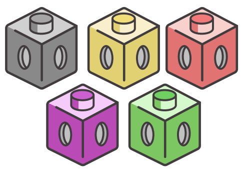

रस्सी

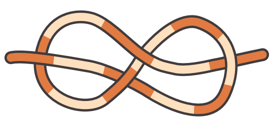

संख्या कार्ड

गणित कार्ड और बोर्ड

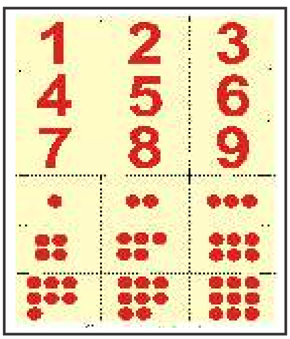

संख्या कार्ड व डॉट कार्ड

संख्या चार्ट

गुणा के लिये चार्ट

जोड़ के लिये चार्ट

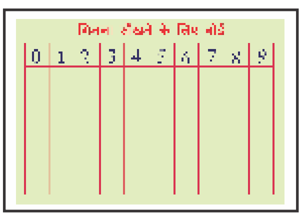

गिनती गिनना सीखने के लिये बोर्ड

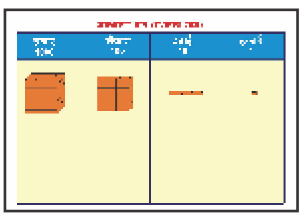

अवधारणा बोर्ड (स्थानीय मान)

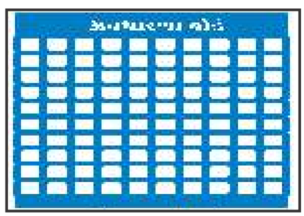

अवधारणा बोर्ड

कक्षा प्रबन्धन

कक्षा प्रबन्धन सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़े रखने और प्रतिभाग के लिए उपयुक्त वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कक्षा प्रबन्धन की एक सीमित परिभाषा "अनुपालन" की ओर इंगित करता है जैसे कि बच्चे अपनी जगह पर बैठे हों या दिशा–निर्देश सुन रहे हों आदि।

कक्षा प्रबन्धन शिक्षण योजना का ही एक अंग है जो शिक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाता और बच्चों को कक्षा कार्य के दौरान समझने–सीखने में मदद करता है। शिक्षक का व्यवहार और वातावरण (बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और उनकी बातों को कक्षा में जगह देना), वास्तविक अपेक्षाएं (बच्चों से अपेक्षित कार्य की जानकारी साझा करना), शिक्षण सामग्री का उपयोग (सार्थक एवं विभिन्न शिक्षण सामग्री का उपयोग), शिक्षण कार्य में विविधता और समय नियोजन आदि कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

1. सहज वातावरण

- सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें। इसके लिए मौखिक प्रश्न और संवाद का प्रयोग करें।
- कक्षा व्यवस्था सम्बन्धी नियमों को बच्चों के साथ मिलकर आपसी सहमति से तय करें जैसे:
  - जब कोई एक बोल रहा हो तो सभी उसकी बातों को ध्यान से सुनेंगे।
  - सभी अपनी बारी का इन्तजार करेंगे और बारी आने पर अपनी बात सामने रखेंगे।
  - सभी एक दूसरे की मदद करेंगे और किसी का मजाक नहीं उड़ायेंगे ।
- शिक्षण कार्य के दौरान सभी बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें जैसे:
  - अगर बच्चे दरी पर बैठे हों तो आप भी उनके साथ दरी पर ही बैठें ।
  - लड़कियों और लड़कों को प्रतिभाग के समान अवसर दें।
  - बच्चों की घर की भाषा को कक्षा में शामिल करें और संवाद के पर्याप्त मौके दें ।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- शिक्षण के दौरान बच्चों के साथ बातचीत करें और उनकी भावनाओं के प्रति संवेदशील रहें। ऐसी बातचीत के कुछ उदाहरण यहाँ नीचे देखे जा सकते हैं।
  - आज आपको कैसा लग रहा है ?
  - गृहकार्य को पूरा करने के लिए घर में किसने मदद की ?
  - घर से विद्यालय तक के रास्ते में आप क्या–क्या देखते हैं और किन से मिलते हैं ?
- प्रतिदिन अलग–अलग बच्चों से उनके दैनिक अनुभव के बारे में कक्षा में बात करें ताकि कक्षा कार्य के लिए पर्याप्त समय हो और शिक्षण योजना प्रभावित न हो।

3. भौतिक वातावरण गणित शिक्षण के अनुरूप

- पोस्टर को दीवारों पर उचित ऊँचाई पर लगाएं जिसे बच्चे आसानी से देख और पढ़ सकें।
- बच्चों द्वारा उपयोग किए जाने वाले TLM को कक्षा–कक्ष में व्यवस्थित तरीके से रखें या गणित कोना बनाएं।
- बच्चों के द्वारा किए गए कार्यों को कक्षा में प्रदर्शित करें।

4. बैठक व्यवस्था

- बैठक व्यवस्था कक्षा–कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार बनाएं। सामूहिक कार्य जैसे कहानी सुनाने के दौरान बच्चों को नजदीक गोल घेरे में और गतिविधियों के दौरान छोटे–छोटे समूहों में बैठाए।
- बैठक व्यवस्था ऐसी बनाएं, जिसमें सभी बच्चे आपस में घुल–मिलकर कार्य करें।
- जो बच्चे सहज नहीं हों या पीछे की तरफ बैठने की कोशिश करते हैं, उन्हें आगे बैठने के लिए प्रोत्साहित करें।
- सभी बच्चों श्यामपट्ट को स्पष्ट रूप से देख पाएँ।

5. बच्चों में रुचि लाने के लिए शिक्षण कार्य में विविधता

- कहानी, कविता या बातचीत से शिक्षण कार्य की शुरुआत करें।
- शिक्षण अभिगम सामग्री का प्रतिदिन उपयोग करें।
- सभी बच्चों को गणितीय कार्ड और श्यामपट्ट के उपयोग के लिए पर्याप्त अवसर दें।
- सभी बच्चों के अनुभव को कक्षा कार्य में शामिल करें।
- बच्चों को अपने पिछले कार्य को देखने और अपनी प्रगति को समझने का अवसर दें।

6. समय नियोजन

- कालांश को विद्यालय समय सारणी के अनुसार शुरू करें।
- शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक सामग्रियों को अपने साथ ले कर कक्षा में प्रवेश करें।
- बच्चों को अगले दिन या अगले कालांश में किए जाने वाले कार्य के बारे में बताएँ।
- रिक्त कालांश का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करें।
- बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच कक्षा कार्य के बाद करें। वस्तुओं के बारे में बताएं कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

व्यवधान प्रबंधन की रणनीति

इस बात की संभावना अभी भी बनी हुई है कि कोरोना के कारण इस अकादमिक सत्र में भी विद्यालय को कुछ समय के लिए बंद करने की स्तिथि उत्पन्न हो सकती है, जो बच्चों की शिक्षण प्रक्रिया को पुनः बाधित करेगी। हमने पहले भी इस बात पर चर्चा की है कि विद्यालय के अचानक बंद होने से बच्चों के प्रगति में बाधा आती है और अधिगम क्षति होती है। इसलिए अब हमारे पास इस प्रकार के संभावित व्यवधानों से होने वाले नुकसानों से बचने और उसके प्रबंधन की प्रभावी रणनीति होनी चाहिए। जिसमें बच्चों के अधिगम क्षति का आकलन कर, पुनरावृत्ति और अभ्यास करने के उपयुक्त तरीके हों। इसके साथ–साथ हमे अभिवावकों के साथ मिलकर ऐसी व्यवयस्था बनानी चाहिए, जिससे बच्चों को घर पर भी सीखने के अवसर और सहयोग प्राप्त होते रहें।

व्यवधान प्रबंधन के लिए दो तरह की रणनीति प्रस्तावित की गई है

1–4 सप्ताह का व्यवधान

यदि विद्यालय 4 सप्ताह या उससे कम समय के लिए बंद होते है तो विद्यालय के पुनः खुलने पर शिक्षक आखिरी सप्ताह में किए कार्यों के दोहराव से शुरुआत करें।

1. आखिरी सप्ताह का दोहराव

- समूह बना कर अभ्यास गतिविधियों कराएँ।
- श्यामपट्ट पर प्रश्न और मौखिक प्रश्न–उत्तर के माध्यम कक्षा कार्य कराएँ।
- समेकन गतिविधि कराएँ।
- अतिरिक्त अभ्यास के लिए गृह कार्य दें।
- रेमीडीयल गतिविधि कराएँ।

2. वार्षिक योजना के अनुसार आगे का शिक्षण कार्य करें

4. सप्ताह से अधिक का व्यवधान

यदि विद्यालय 4 सप्ताह से अधिक समय के लिए बंद होते हैं तो विद्यालय के पुनः खुलने पर शिक्षक समृद्ध कार्यक्रम के स्तर 1 और 2 पुस्तिका के मदद से 2–3 सप्ताह तक रेमीडीयल कार्य करें।

1. बच्चों को अपनी कक्षा में ही बैठायें
2. समृद्ध कार्यक्रम पुस्तिका–आकलन टूल के माध्यम से बच्चों का Baseline कर वर्तमान स्तर पता करें
3. बच्चों का स्तर के अनुसार समूह बना रेमीडीयल कार्य करें (2–3 सप्ताह)

- समूह बना कर अभ्यास गतिविधियों कराएँ।
- श्यामपट्ट पर प्रश्न और मौखिक प्रश्न–उत्तर के माध्यम कक्षा कार्य कराएँ।
- समेकन गतिविधि कराएँ।
- अतिरिक्त अभ्यास के लिए गृह कार्य दें।
- रेमीडीयल गतिविधि कराएँ।

4. समृद्ध कार्यक्रम पुस्तिका–आकलन टूल के माध्यम से बच्चों की Baseline कर वर्तमान स्तर पता करें

5. वार्षिक योजना के अनुसार आगे का शिक्षण कार्य करें

अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों को दैनिक रूप से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से जोड़े रखने के लिए लगातार संवाद करें और घर पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सरल सुझाव दें।

अभिभावकों की भूमिका

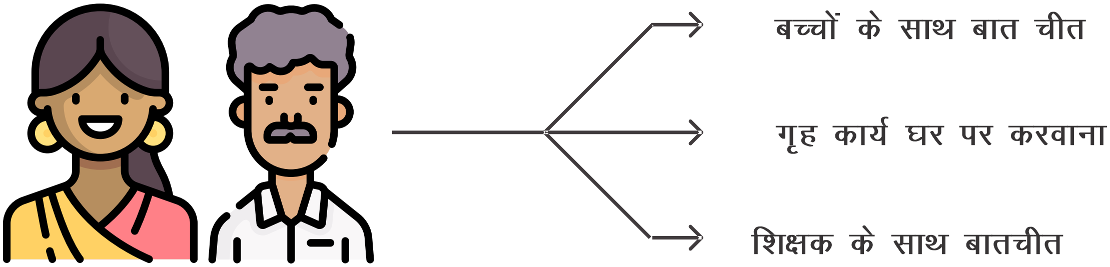

बच्चे निरंतर रूप से सीखने की प्रक्रियाओं में शामिल हों इसके लिए जरुरी है कि कक्षा–कक्ष में एक तरफ जहाँ शिक्षक उनके साथ काम करें वही दूसरी तरफ अभिभावक भी घर पर उन्हें पर्याप्त समय दें, और व्यवस्थित ढंग से उनके साथ काम करें। इसलिए हम शिक्षकों को सभी बच्चों के अभिभावकों के साथ नियमित रूप से बातचीत एवं चर्चा करते रहनी चाहिए। विद्यालय में आयोजित अभिभावकों एवं शिक्षकों की बैठकों (PTM) में उनसे यह बात करें कि उनके सक्रिय और सकारात्मक जुड़ाव से बच्चों के सीखने की गति बेहतर होती जाती है।

इस भाग में हम यह देखने और समझने की कोशिश करेंगे कि एक अभिभावक की पूरी शिक्षण प्रक्रिया में क्या भूमिका हो सकती है। आप अभिभावकों तक यह बात पहुँचाएँ कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका को तीन मुख्य भागों में बाँटकर देखा जा सकता है

1. शिक्षक के साथ बातचीत

आप अभिभावकों को बताएं कि अपने बच्चों की प्रगति पर ध्यान रखना अच्छा होगा ताकि बच्चों को समय से ज़रूरी मदद मिल सके। साथ में उनसे अपेक्षित है कि शिक्षकों से लगातार संवाद बनाएँ रखें और अपने बच्चे के बारे में संवाद करते रहें।

- विद्यालय से जुड़े कार्यों में अभिभावकों की भूमिका को नीचे देखा जा सकता है।
- वार्षिक लक्ष्य और बच्चों की प्रगति पर बात करें।
- शिक्षक से बच्चों को विद्यालय में सीखने में हो रही कठिनाइयों पर बात करें।
- बच्चों को घर में कक्षा कार्यों को दोहराने में प्रतिदिन मदद करें।
- कक्षा में किए गए कार्य के बारे में पूछें।
- गृह कार्य के बारे में पूछें।

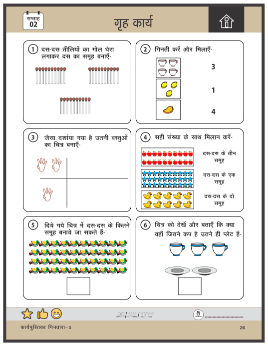

2. साप्ताहिक रूप से गृहकार्य घर पर करवाएं

आप अभिभावकों को बच्चों से उनके विद्यालय में व्यतीत किए गए समय और उनके सीखने के अनुभवों के बारे में बात कर गृहकार्य को पूरा करने में सहयोग के लिए प्रेरित करें।

- बच्चों से शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देश के बारे में पूछें।
- बच्चों के साथ बैठ कर गृहकार्य को पूरा करवाएं।
- बच्चों के साप्ताहिक कार्य और ट्रैकर को देखें।
- बच्चों को सीखने में हो रही कठिनाइयों को समझने का प्रयास करें।

3. बच्चों के साथ बात चीत

अभिभावक किन–किन सामान्य बातों का ध्यान रख सकते हैं इसे नीचे देखा जा सकता है।

- बच्चे मजे के साथ सीख सकें, इसके लिए घर पर अनुकूल वातावरण बनाना।
- बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सराहें और उन्हें प्रोत्साहित करें।
- बच्चों के साथ खेलें और लगातार संवाद करें।
- बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और उन्हें टहलने, खेलने आदि को प्रोत्साहित करते रहें।
- बच्चों के गिनने, जोड़ने और घटाव करने जैसे कौशलों के विकास हेतु उनके साथ अलग–अलग मुद्दों पर लगातार संवाद करते रहें।
- कहानी या कविता के माध्यम से बच्चों से छोटे–छोटे सवाल करें जैसे कि घर में कितने दरवाजे हैं, हम सभी में सबसे लम्बा कौन हैं इत्यादि।
- बच्चों से चित्रकारी, रंग भरवाने, आटे, मिट्टी या कागज़ से कुछ बनवाने का काम करवाएँ।
- अपने परिवेश, घर की आवश्यक वस्तुओं के बारे में बताएं कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1

हर सप्ताह
दिवस 5

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- **A--** सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- **B--** सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह									
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह									
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

सावधिक आकलन ट्रैकर 1

सप्ताह
11

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- **A--** सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- **B--** सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

जिला: .... **ब्लॉक:** .... **स्कूल:** .... **कक्षा:** ....

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2

हर सप्ताह
दिवस 5

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- **A--** सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- **B--** सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह									
		12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
1											

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह									
		12	13	14	15	16	17	18	19	20	21

सावधिक आकलन ट्रैकर 2

सप्ताह
22

प्रत्येक बच्चे का सावधिक आकलन प्रपत्र में किए गए प्रदर्शन के अनुसार ग्रेड दर्ज करें।

- **A--** सभी प्रश्नों के 50% भाग से कम का सही उत्तर
- **B--** सभी प्रश्नों के 50% भाग या ज्यादा का सही उत्तर

जिला: .... ब्लॉक: .... स्कूल: .... कक्षा: ....

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	सप्ताह 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1											

अनुक्रमांक	बच्चों का नाम	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

1 2 3 4 5 6

भाषा | भाषा | भाषा | गणित | गणित | गणित

भाषा एवं गणित के लिए प्रतिदिन 3–3 कालांश प्रस्तावित हैं। पहले 3 कालांशों में भाषा (हिन्दी) से संबंधित कार्य किए जाएँगे और बाद के 3 कालांशों में बुनियादी गणित पर कार्य किया जाना है।

22 सप्ताह

60 सप्ताह

- 1–999 तक की संख्याओं को समझ, लिख और तुलना कर सकें।
- 1–999 तक की संख्याओं को इकाई और दहाई लिख सकें।
- 1–10 तक रोमन अंकों को लिख पाना।
- तीन अंक की संख्याओं का जोड़ और घटा कर सकें। (बिना हासिल और हासिल के साथ)।
- एक अंक की संख्याओं का गुणा और भाग कर सकें।

संसाधन

- 60 शिक्षण योजना
- 60 अभ्यास गतिविधि
- 4 समेकन गतिविधि
- 4 रेमीडीयल गतिविधि

ट्रैकर

- वार्षिक ट्रैकर (2022–23)
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1 और 2
- सावधिक आकलन ट्रैकर 1 और 2

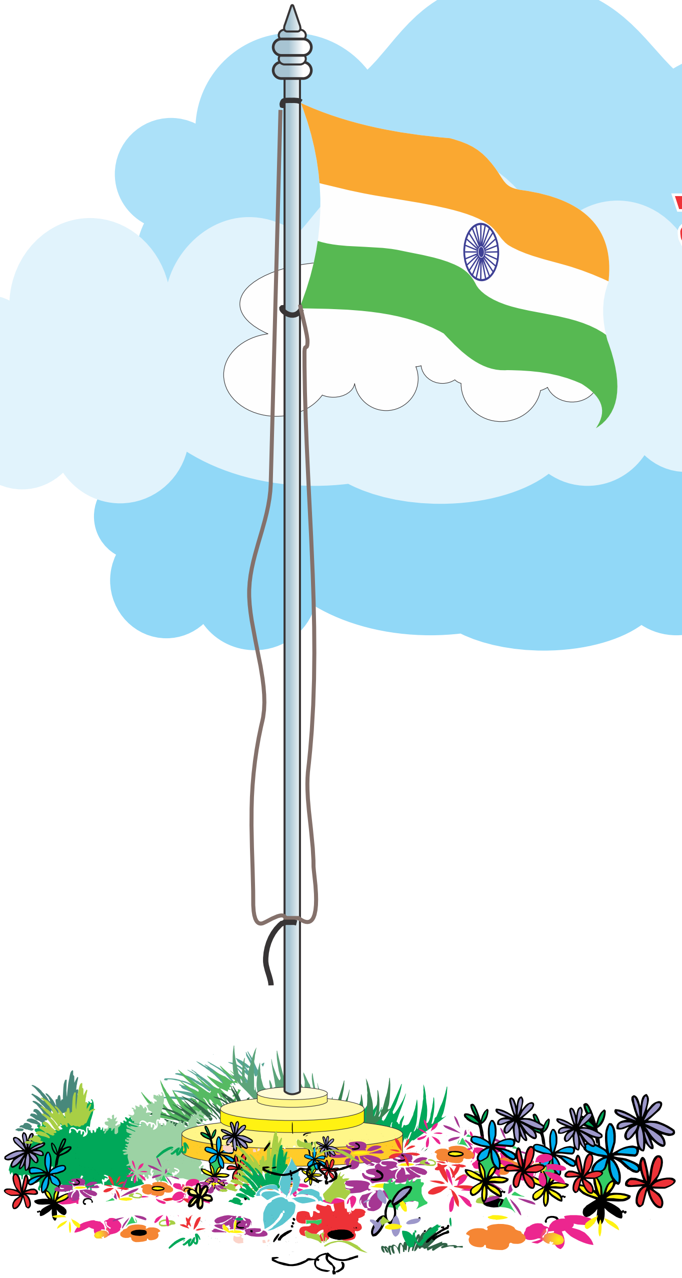

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा–
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!

सत्र 2022-2023

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरणः प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी X 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

M1T2G3

निःशुल्क वितरण हेतु